राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान
NATIONAL INSTITUTE OF EDUCATIONAL PLANNING AND ADMINISTRATION

नीपा

वार्षिक रिपोर्ट

2018 - 2019

वार्षिक रिपोर्ट

2018-19

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

17–बी, श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली–110016

© राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान, 2019
(भारत सरकार द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 3 के अंतर्गत घोषित)

संकाय समन्वयक : प्रो. नीरू स्नेही

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान के लिए कुलसचिव, नीपा द्वारा प्रकाशित तथा मैसर्स विबा प्रेस प्रा. लि., ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेस–।।, नई दिल्ली–110020, जुलाई 2021 में 150 प्रतियां डिजाईन एवं मुद्रित

विषय सूची

अध्याय		
1.	विहंगावलोकन	01
2.	अध्यापन और व्यावसायिक विकास कार्यक्रम	35
3.	अनुसंधान	53
4.	पुस्तकालय और प्रलेखन सेवाएं	83
5.	कंप्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी सेवाएं	91
6.	प्रकाशन	99
7.	नीपा में सहायता अनुदान योजना	103
8.	प्रशासन और वित्त	109
अनुलग्नक		
I.	संकाय का अकादमिक योगदान	115
परिशिष्ट		
I.	नीपा परिषद के सदस्य	207
II.	प्रबंधन बोर्ड के सदस्य	209
III.	वित्त समिति के सदस्य	210
IV.	अकादमिक परिषद के सदस्य	211
V.	अध्ययन बोर्ड के सदस्य	213
VI.	संकाय और प्रशासनिक स्टाफ	215
VII.	वार्षिक लेखा	219
लेखापरीक्षा रिपोर्ट		253

1

विहंगावलोकन

NATIONAL INSTITUTE OF EDUCATIONAL PLANNING AND ADMINISTRATION

विहंगावलोकन

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा) राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तरों पर अपने महत्वपूर्ण और व्यापक शैक्षणिक कार्यकलापों के साथ देश के शिक्षा संस्थानों के नेटवर्क में विशेष स्थान रखता है।

इसकी स्थापना आरंभिक रूप से फरवरी 1962 में यूनेस्को तथा भारत सरकार के बीच हस्ताक्षरित समझौते के अंतर्गत शैक्षिक योजनाकारों, प्रशासकों तथा पर्यवेक्षकों के लिये एशिया क्षेत्रीय केंद्र के रूप से हुई थी। इस केंद्र का मुख्य कार्य एशिया के शैक्षिक योजनाकारों, प्रशासकों तथा पर्यवेक्षकों के लिये शैक्षिक योजना, प्रशासन संस्थान पर्यवेक्षण से संबंधित समस्याओं पर अनुसंधान तथा अल्पकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन तथा सदस्य राज्यों को तकनीकी सहायता प्रदान करना था।

1 अप्रैल 1965 से शैक्षिक योजनाकारों, प्रशासकों तथा पर्यवेक्षकों के लिये एशिया क्षेत्रीय केंद्र का नाम बदलकर एशिया शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान कर दिया गया। यूनेस्को तथा भारत सरकार के बीच दस वर्ष के समझौते के समाप्त होने के बाद, एशिया संस्थान को भारत सरकार द्वारा अधिग्रहित कर लिया गया और तत्पश्चात 1970 में शैक्षिक योजनाकारों तथा प्रशासकों के लिये राष्ट्रीय स्टाफ कालेज की स्थापना की गई। पुनः इस कालेज का पुनर्गठन किया गया और 31 मई 1979 को इसका विस्तार करते हुये इसको राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा) के रूप में पुनः पंजीकृत किया गया।

शैक्षिक नीति, योजना तथा प्रशासन के क्षेत्र में नीपा द्वारा किये गये महत्वपूर्ण कार्यों को देखते हुये संस्थान को वर्ष 2006 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 3 के अंतर्गत इसे 'मानित विश्वविद्यालय' का दर्जा प्राप्त हुआ और पुनः नाम परिवर्तन के बाद इसे राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (न्यूपा) कहा जाने लगा, जिसके अंतर्गत इसे डिग्री प्रदान करने की शक्ति प्रदान की गई। अन्य केंद्रीय विश्वविद्यालयों की तरह यह पूर्णतः भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित है।

दिनांक 30.11.2017 की अधिसूचना संख्या फा.सं. न्यूपा/प्रशासनिक/आरओ/परिपत्र/030/2017 के द्वारा **राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (न्यूपा)** का नाम परिवर्तन **राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा) (मानित विश्वविद्यालय)** के रूप में कर दिया गया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिनांक 10 नवंबर 2017 और 29 नवंबर 2017 के संप्रेषित पत्राचार सं. एफ. 5–1/2017(सी.पी.पी.–I/डी.यू.) द्वारा भारत के माननीय उच्चतम न्यायालय के आदेशों के अनुपालन में 'विश्वविद्यालय' शब्द के स्थान पर 'संस्थान' शब्द रख दिया गया है।

नीपा का विज़न और मिशन

संस्थान का उद्देश्य 'ज्ञान के उन्नयन से एक मानवीय अधिगम समाज का निर्माण करना है'। इस विज़न के अंतर्गत संस्थान शैक्षिक नीति, उच्च स्तरीय शिक्षण के साथ योजना तथा प्रबंधन, राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय संदर्भ में अनुसंधान तथा क्षमता निर्माण के क्षेत्र में उत्कृष्ट केंद्र के रूप में सेवायें प्रदान करने हेतु मिशन के रूप में कार्य कर रहा है।

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान का उद्देश्य 'ज्ञान के उन्नयन से एक मानवीय अधिगम समाज का निर्माण करना है'। इस विज़न के अंतर्गत संस्थान शैक्षिक नीति, उच्च स्तरीय शिक्षण के साथ योजना तथा प्रबंधन, राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय संदर्भ में अनुसंधान तथा क्षमता निर्माण के क्षेत्र में उत्कृष्ट केंद्र के रूप में सेवायें प्रदान करने हेतु मिशन के रूप में कार्य कर रहा है।

संस्थान के मुख्य कार्यनीतिक उद्देश्य निम्नांकित हैं :

- शैक्षिक क्षेत्र के विकास लक्ष्यों तथा उद्देश्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करने हेतु प्रभावी नीतियों, योजना तथा कार्यक्रमों के निर्माण और क्रियान्वयन हेतु राष्ट्रीय तथा संघ क्षेत्रों के स्तर पर सांस्थानिक क्षमता का सुदृढ़ीकरण तथा स्कूल, समुदाय, जिला, राज्य/संघ प्रदेशों तथा राष्ट्रीय स्तर पर एक त्वरित, सहभागिता और जवाबदेह शैक्षिक अभिशासन तथा प्रबंधन प्रणाली का सांस्थनीकरण।
- शैक्षिक सुधारों का अनुसमर्थन करने और शिक्षा क्षेत्र के विकास कार्यक्रमों की प्रभावी योजना, डिजाइन, कार्यान्वयन और अनुश्रवण को बढ़ावा देने के प्रयोजन से अपेक्षित ज्ञान और कौशलों से सुसज्जित शैक्षिक नीति, योजना और प्रशासन के क्षेत्र में युवा पेशेवरों सहित और शिक्षाविदों सहित विशेषीकृत मानव संसाधनों के समूह का विस्तार करना;
- शैक्षिक क्षेत्र में उभरती तथा वर्तमान चुनौतियों का सामना करने हेतु तथ्य आधारित जवाबदेही एवं प्रभावी कार्यक्रम क्रियान्वयन को बढ़ावा देने हेतु शैक्षिक नीति, योजना तथा प्रशासन एवं संबंधित विषयों के ज्ञान आधार में वृद्धि;
- शैक्षिक क्षेत्र विकास लक्ष्यों तथा उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु प्रभावी शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन व्यवहार तथा बेहतर शैक्षिक नीतियों के क्रियान्वयन हेतु शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन व्यवहार, अनुसंधान परिणामों, नवाचारों तथा सर्वोत्तम व्यवहार समेत सूचना तथा ज्ञान की साझेदारी एवं पहुंच में सुधार;
- अंतरशास्त्रीय जिज्ञासाओं को प्रोत्साहन देते हुये शैक्षिक नीति निर्माण, शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन व्यवहार/तकनीक शिक्षा के सभी चरणों तथा व्यवस्था में, तथा रणनीतिक उपागम शैक्षिक योजना प्रक्रियाओं, अभिशासन तथा प्रबंधन में सुधार हेतु तथा अंतरशास्त्रीय जिज्ञासाओं में नेतृत्वकारी भूमिका जो शैक्षिक नीति–निर्माण तथा देश में शैक्षिक योजना तथा प्रशासन व्यवहार का निर्माण करती है।

मुख्य कार्य

अपने मिशन को पूरा करने के उद्देश्य से संस्थान निम्नांकित मुख्य कार्यों में संलग्न है :

- शिक्षा के सभी चरणों में शैक्षिक नीति, योजना तथा प्रबंधन में नेतृत्वकारी भूमिका प्रदान करना;
- सर्वोत्तम प्रशिक्षित शैक्षिक योजनाकारों तथा प्रशासकों के कैडर के गठन हेतु प्री–डाक्टरल, डॉक्टरल तथा पोस्ट डॉक्टरल कार्यक्रमों और व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों सहित अध्यापन के विकसित अंतरशास्त्रीय कार्यक्रमों का विकास तथा आयोजन और साथ में शैक्षिक नीतियों योजना तथा कार्यक्रमों की रूपरेखा, क्रियान्वयन, अनुश्रवण हेतु सतत् सांस्थानिक क्षमता का निर्माण करना;
- शैक्षिक लक्ष्यों और उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु अनुसंधान एजेंडा तथा वचनबद्धता को स्वरूप देना, क्षमता निर्माण कार्यक्रम के लिये आवश्यक समर्थन हेतु नये ज्ञान का सृजन तथा तथ्य आधारित नीति निर्माण और बेहतर शैक्षिक योजना और प्रबंधन व्यवहार/तकनीक का प्रयोग करना;
- केंद्रीय तथा राज्य सरकारों को तथा राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय संस्थानों को उनकी शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन से संबंधित क्षमता निर्माण तथा अनुसंधान आवश्यकताओं को पूर्ण करने हेतु तकनीकी समर्थन प्रदान करना और उन्हें शैक्षिक नीतियों, योजनाओं तथा कार्यक्रमों की रूपरेखा, अनुश्रवण तथा मूल्यांकन में सुधार हेतु मदद करना;
- शैक्षिक क्षेत्र के विकास कार्यक्रमों के मूल्यांकन तथा निर्माण हेतु राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय अभिकरणों को परामर्श सेवायें प्रदान करना;
- शिक्षा के क्षेत्र में वर्तमान तथा नवीन ज्ञान के सृजन हेतु सूचना तथा विचारों के समाशोधन गृह के रूप में कार्य, शैक्षिक नीतियों, योजना तथा प्रशासन में विशेष रूप से, विचारों/अनुभवों के आदान–प्रदान तथा नीति–निर्माताओं, शैक्षिक योजनाकारों तथा प्रशासकों के बीच नीतिगत चर्चा हेतु विचार मंच प्रदान करना, प्रभावी नीतियों तथा शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन तकनीक/व्यवहार को शिक्षा क्षेत्र संबंधी चुनौतियों को सामना करने हेतु चिह्नित करना तथा शिक्षा क्षेत्र संबंधी विकास लक्ष्यों/उद्देश्यों को प्राप्त करना;
- शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन में सुधार हेतु संयुक्त प्रयासों/कार्यक्रमों तथा अनुसंधान अध्ययनों को प्रोत्साहन देने के लिए संयुक्त राष्ट्र व्यवस्था के

अंतर्गत कार्यक्रमों, निधि एवं एजेंसियों समेत राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय संस्थानों एवं संगठनों के साथ नेटवर्किंग तथा सहयोग;

- शैक्षिक क्षेत्र के विकास में उभरती हुई प्रवृत्तियों का मूल्यांकन तथा विश्लेषण, शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन में उभरती हुई चुनौतियों की पहचान तथा शैक्षिक क्षेत्र के विकास लक्ष्यों और उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु उपयुक्त नीति निर्माण तथा कार्यक्रम हस्तक्षेप के निर्माण को सुगम बनाने के लिए शैक्षिक क्षेत्र विकास लक्ष्यों और उद्देश्यों की प्रगति का मूल्यांकन।

संस्थान के उपरोक्त कार्य राज्य तथा संघशासित प्रदेश एवं केंद्रीय स्तर पर सरकारों तथा संस्थानों के साथ निकटतम संपर्क तथा सहयोग द्वारा आयोजित किये जाते हैं। उच्च स्तरीय शिक्षा के साथ संस्थान कार्यक्रम क्रियान्वयन तथा मूल्यांकन एवं शिक्षा व्यवस्था की योजना तथा प्रबंधन से संबंधित मुद्दों को संबोधित करता है। संस्थान का एक मुख्य पहलू जमीनी स्तर पर संस्थान का संबंध द्वि–रूप कार्य प्रणाली है। संस्थान अपने ज्ञान आधार में वृद्धि वास्तविकता क्षेत्र में अनुसंधान तथा क्षेत्र कार्यकर्ताओं के साथ स्कूल, कालेज, राज्य तथा केंद्रीय सरकार के विभिन्न स्तरों पर विभागों के साथ संपर्क द्वारा करता रहा है। संस्थान के रूप में, संस्थान राज्यों/संघशासित प्रदेशों की शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन संबंधी क्षमता निर्माण को पूर्ण करने हेतु संसाधन व्यक्तियों को प्रशिक्षण, राज्य सरकारों तथा राज्य संस्थानों के साथ निकटवर्ती संपर्क, उनकी शैक्षिक व्यवस्था का समालोचनात्मक अध्ययन, नीतियां तथा कार्यक्रम एवं उन्हें व्यावसायिक परामर्श तथा तकनीकी समर्थन हेतु प्रयासरत है। संस्थान अपने ऐसे कार्यक्रमों की शैक्षिक नीति, योजना और प्रशासन के क्षेत्र में एक थिंक टैंक (प्रसार केन्द्र) बना हुआ है। संस्थान अपने अधिकांश क्षमता निर्माण के कार्यक्रमों के माध्यम से अपनी विशेषज्ञता, अनुभव और अन्तर्दृष्टि जमीनी स्तर के शैक्षिक कार्यकर्त्ताओं को हस्तान्तरित कर रहा है। इस प्रकार से नीपा की इस दोहरी भूमिका ने अपने अध्यापन तथा अनुसंधान के अकादमिक कार्य को व्यापक प्रामाणिकता प्रदान की है।

अकादमिक ढांचा तथा समर्थन सेवाएं

नीपा के अकादमिक ढांचे में विभाग, केंद्र, विशेष पीठ हैं जो शिक्षा के विशिष्ट पक्षों तथा तकनीकी समर्थन एकक/समूह तथा अकादमिक समर्थन प्रणाली अपने संबंधित विषयगत क्षेत्रों से जुड़ी विकास तथा क्रियान्वयनकारी गतिविधियों के प्रति उत्तरदायी हैं। नीपा के संकाय में प्रोफेसर, सह–प्रोफेसर, सहायक प्रोफेसर तथा राष्ट्रीय अध्येता सम्मिलित हैं जो शिक्षा नीति, योजना तथा प्रशासन के विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ हैं। प्रत्येक विभाग अंतरशास्त्रीय विषयों के आधार पर संयोजित है और वे ज्ञान, विद्वता तथा अन्य अध्ययन कार्यक्रमों और अनुसंधान क्षेत्रों, सामान्यतः शिक्षा, और विशेष रूप से शैक्षिक नीति, योजना तथा प्रबंधन में विशेष तौर पर संसाधन प्रदान करते हैं। प्रत्येक विभाग के पास अनुसंधान/परियोजना सहायकों तथा अनुसचिवीय कर्मचारियों के अतिरिक्त विषय विशेषज्ञ के रूप में संकाय सदस्य हैं। अकादमिक विभाग का अध्यक्ष प्रोफेसर होता है। विभाग विभिन्न प्रशिक्षण तथा अनुसंधान कार्यक्रमों के निष्पादन और विकास तथा उनको प्रदान किये गये क्षेत्रों में परामर्श तथा सलाहकारी सेवाएं प्रदान करने के लिए जिम्मेदार होते हैं।

समीक्षाधीन वर्ष के अंतर्गत, संस्थान के अकादमिक कार्यक्रमों का आयोजन आठ अकादमिक विभागों तथा विशेष पीठ स्कूल मानक एवं मूल्यांकन एकक, परियोजना प्रबंधक एकक, भारत–अफ्रीका शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (आई.ए.आई.ई.पी.ए.) तथा दो केंद्रों द्वारा किया गया जिन्हें अकादमिक तथा प्रशासनिक सेवा एककों द्वारा समर्थन प्रदान किया गया।

अकादमिक संगठन

विभाग

- शैक्षिक योजना
- शैक्षिक प्रशासन
- शैक्षिक वित्त
- शैक्षिक नीति
- विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा
- उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा
- शैक्षिक प्रबंधन सूचना प्रणाली
- शैक्षिक प्रशिक्षण एवं क्षमता विकास

केन्द्र

- राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केन्द्र
- उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केन्द्र
- राष्ट्रीय शिक्षा संसाधन केन्द्र (एनआरसीई)

एकक

- स्कूल मानक एवं मूल्यांकन एकक

आईएआईईपीए

- भारत–अफ्रीका शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान

समर्थन सेवाएं

- पुस्तकालय तथा प्रलेखन केन्द्र
- कंप्यूटर केन्द्र
- प्रकाशन एकक
- परियोजना प्रबंधन एकक
- डिजीटल अभिलेखागार
- प्रशिक्षण कक्ष/ हिन्दी कक्ष

पीठ तथा राष्ट्रीय अध्येयता

- मौलाना अबुल कलाम आज़ाद पीठ
- नीपा राष्ट्रीय अध्येता

अकादमिक विभाग

शैक्षिक योजना विभाग

शैक्षिक योजना विभाग (डीईपी), नीपा के मौलिक प्रभागों में से एक है जिसका मुख्य ध्येय भारत में मानव विकास की उन्नति में योगदान के साथ साक्ष्य आधारित शैक्षिक योजनाओं को बढ़ावा देना है। शैक्षिक विकास के परिणामों के प्रबंधन के लिए विकेंद्रीकृत योजनाओं की दिशा में बदलाव के साथ, देश में शैक्षिक योजनाओं को समझने और सुधारने हेतु जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर संस्थागत योजनाओं के आगतों, प्रक्रियाओं, उत्पादों और परिणामों का अध्ययन करता है।

गरीबी को कम करने और स्थायी विकास को बढ़ावा देने के लिए एक साधन के रूप में शिक्षा पर दबाव के साथ न केवल शैक्षिक योजना का दायरा समष्टि स्तर पर रणनीतिक योजना के संस्थानीकरण को कवर करना है बल्कि विकेन्द्रीकरण को बढ़ावा देने और शिक्षा के क्षेत्र में निवेश की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए स्कूल मैपिंग, सूक्ष्म नियोजन और स्कूल सुधार योजना के रूप में स्थानीय स्तर की योजना तकनीकों का प्रयोग करना भी है। स्कूली शिक्षा में रणनीतिक योजना और उच्च शिक्षा में संस्थागत योजना के क्षेत्रव्यापी दृष्टिकोण को बढ़ावा देना शैक्षिक योजना विभाग के अन्य प्रमुख अधिदेश हैं।

शिक्षण, अनुसंधान और प्रशिक्षण, इत्यादि, शैक्षिक योजना विभाग के मुख्य कार्य हैं। शिक्षा में समानता, समावेशन, शिक्षण परिणामों की गुणवत्ता, वित्तपोषण और जवाबदेही से संबंधित मुद्दों के समाधान, शिक्षा में रणनीतिक कार्यक्रम योजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए ज्ञान और कौशल का सृजन और प्रसार तथा शिक्षा वितरण में सुधार के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग शैक्षिक योजना विभाग के प्रमुख क्षेत्र हैं।

तदनुसार, विभाग विभिन्न उप–राष्ट्रीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय निकायों को शैक्षिक योजना से संबंधित कई पाठ्यक्रमों का संचालन के अलावा संस्थान के अनुसंधान और लंबी अवधि की क्षमता विकास कार्यक्रमों में क्षमता विकास कार्यक्रमों का आयोजन, संबंधित क्षेत्रों में अनुसंधान और व्यावसायिक सहायता और परामर्शकारी सहयोग प्रदान करता है।

शैक्षिक प्रशासन विभाग

शैक्षिक प्रशासन विभाग का मुख्य उद्देश्य प्रशासन और प्रबंधन के विविध आयामों अनुसंधान, अध्ययन, प्रशिक्षण तथा परामर्शकारी सेवाओं में सक्रिय रूप से बौद्धिक और अकादमिक संलग्नता है। विभाग का एक मुख्य शैक्षिक क्षेत्र सरोकार एक समृद्ध ज्ञान आधार का विकास करना और शैक्षिक प्रशासन तथा प्रबंधन के विविध आयामों पर शैक्षिक प्रशासकों तथा शोधार्थियों को एक मजबूत पेशेवर अनुसमर्थन का निर्माण करना है। अपने लक्ष्य के अनुसार शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधन पर ठोस डाटा बेस का निर्माण किया है। रिपोर्ट की अवधि के दौरान विभाग ने कई अध्ययन किये और एक बड़े पैमाने पर शैक्षिक प्रशासन के तीसरे अखिल भारतीय सर्वेक्षण, शैक्षिक प्रशासन में नवाचार के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार योजना और जिला एवं ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों के लिए शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधन पर राज्य स्तरीय सम्मेलन के आयोजन के साथ कई दूरगामी अैर क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किये। कार्यशालाओं, सम्मेलनों एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के माध्यम से राज्यों और भारत के केन्द्र शासित प्रदेशों भर में करीब एक हजार और तीन सौ राज्य, जिला और ब्लॉक स्तर के स्कूली शिक्षा विभाग के अधिकारियों तक विभाग ने अपनी पहुंच बनाई। उच्चतर शिक्षा के संस्थानों में शैक्षिक और अकादमिक प्रशासन से संबंधित कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। जिनके विवरण नीचे दिए गए हैं

शैक्षणिक प्रशासन में नवोन्मेष और उत्तम पद्धति के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार की योजना

नेशनल स्कीम ऑफ अवार्ड्स इनोवेशन एंड गुड प्रैक्टिसेज इन एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन (NSIEA) नामक पुरस्कार योजना का उद्देश्य शैक्षिक प्रशासन और

प्रबंधन के क्षेत्रों में नवाचारों और उत्तम पद्धतियों को पहचानना और प्रलेखित करना है। यद्यपि विभिन्न प्रकार के नवाचार शैक्षिक प्रशासन में क्षेत्र स्तर पर होते हैं, लेकिन उन नवाचारों को पहचानने और दस्तावेजीकरण करने के लिए शायद ही कोई तंत्र है। चूंकि, शैक्षिक प्रशासन में जमीनी स्तर पर नवाचारों को मान्यता देने के लिए कोई सुव्यवस्थित प्रयास नहीं किया गया है, इसलिए उनमें से अधिकांश या तो किसी का ध्यान नहीं हैं या थोड़ा प्रभाव कारक के साथ स्थानीयकृत बने हुए हैं। इस संदर्भ में, नीपा **शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधन में नवाचारों और उत्तम पद्धितियों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार योजना** के माध्यम से क्षेत्र स्तर पर शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधन में नवोन्मेष को पहचानने का प्रयास करता है।

2014 में इसकी शुरुआत के बाद से, नवाचारों और उत्तम पद्धतियों के दो सौ से अधिक मामलों को शैक्षिक प्रशासन और पुरस्कार समारोहों में नवोन्मेष पर राष्ट्रीय सम्मेलनों के दौरान चार चरणों में साझा किया गया है। विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 500 से अधिक जिला और ब्लॉक स्तर के शिक्षा अधिकारियों के अलावा संसाधन व्यक्तियों और शिक्षा विशेषज्ञों ने सम्मेलनों और पुरस्कार समारोहों के अंतिम चार दौरों में भाग लिया। सभी चार अवसरों पर माननीय मंत्री, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार ने चयनित अधिकारियों को पुरस्कार वितरित किए। समीक्षाधीन वर्ष में राष्ट्रीय सम्मेलन और पुरस्कार समारोह का आयोजन 03–04 जनवरी 2019 को नई दिल्ली में किया गया था

चयनित अभ्यर्थियों को 4 जनवरी 2019 को श्री प्रकाश जावड़ेकर, माननीय मंत्री, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, डा. सत्यपाल सिंह, माननीय राज्य मंत्री, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, डा. रीना रे, सचिव, स्कूल शिक्षा और साक्षरता, डा. एन. श्रवण कुमार, संयुक्त सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, द्वारा पुरस्कार समारोह में पुरस्कार और प्रशंसा प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्रोफेसर एन.वी. वर्गीज़, कुलपति, नीपा के समग्र मार्गदर्शन में विभागाध्यक्ष प्रोफेसर कुमार सुरेश द्वारा नीपा में सहयोगियों और कर्मचारियों के सहयोग से किया गया था।

इंटर्नशिप प्रोग्राम

विभाग ने आरआईई, भोपाल और जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली से शिक्षा के स्नातकोत्तर छात्रों के बैचों के लिए दो इंटर्नशिप कार्यक्रमों की मेजबानी की।

शैक्षिक वित्त विभाग

इस विभाग का दोहरा उद्देश्य शिक्षा के सभी स्तरों– राष्ट्रीय, प्रादेशिक तथा विश्वस्तर पर आर्थिक तथा वित्तीय पक्ष पर अनुसंधान करना तथा उसे प्रोत्साहित करना है तथा विकासशील देशों और भारत में शिक्षा क्षेत्र की वित्तीय योजना तथा प्रबंधन से जुड़े कर्मियों के क्षमता निर्माण और ज्ञान का सृजन करना है। विभाग के कार्यक्रम/गतिविधियां– अनुसंधान, अध्यापन, प्रशिक्षण तथा परामर्श हैं जो नीति, योजना तथा विकास, शिक्षा के सार्वजनिक तथा निजी वित्त पोषण, सरकारी तथा निजी संसाधनों की लामबंदी, शिक्षा के सभी स्तरों पर संसाधनों का आवंटन तथा उपयोग, प्राथमिक से उच्च, तथा संसाधन आवश्यकताओं के आकलन से जुड़े मुद्दों के इर्द–गिर्द केंद्रित हैं। अधिकांशतः शोध के क्षेत्र शिक्षा के वित्त पोषण, कार्यक्रम और नीतिगत मुद्दों से संबंधित हैं। परामर्शकारी सेवाएँ नीतिगत मुद्दों पर केंद्रित हैं। अध्यापन के विषय में शिक्षा का अर्थशास्त्र और शैक्षिक वित्त पोषण से जुड़े मुद्दे शामिल हैं। प्रशिक्षण और अभिविन्यास कार्यक्रम के विषय योजना तकनीक और प्रबंधन प्रणाली पर आधारित हैं।

शैक्षिक नीति विभाग

शैक्षिक नीति विभाग शैक्षिक अभिशासन और प्रबंधन में वर्तमान समस्याओं के समाधान के लिए शैक्षिक नीति का अध्ययन, शैक्षिक समस्याओं का मूल्यांकन और विश्लेषण, नीति तथा व्यवहारों का मार्गदर्शन तथा परिणामों को समझने के लिए प्रतिबद्ध है। चूँकि अपने मिशन में यह प्रतिबद्ध है, शैक्षिक क्षेत्र में प्रासंगिता और गुणवत्ता, समता, पहुँच जैसे अवरोधकों के प्रति ज्ञान के वर्धन में इसलिए यह विभाग समय–समय पर विभिन्न नीतिगत मुद्दों पर हितधारकों, व्यवहारकर्त्ताओं तथा भारत में शैक्षिक व्यवस्था को प्रमाणित करने वाली जननीति मुद्दों पर चर्चाएं आयोजित करता है। उपरोक्त मुद्दों के साथ शैक्षिक अनुसंधान और शैक्षिक नीति के बीच शैक्षिक संस्थानों में अध्ययन अधिगम और प्रदर्शन के बेहतर लिंकेज को स्थापित करने हेतु यह विभाग अनुसंधान

पर बल देता है। अनुसंधान का उद्देश्य केवल शैक्षिक प्रतिभास की जटिलताओं को दर्शाना ही नहीं होता। बल्कि कार्रवाई के लिए संस्तुतियों प्रदान करना भी होता है। समाज में वर्तमान परिवर्तनों और शिक्षा पर इसके प्रभाव को देखते हुए, विभाग समय–समय पर हितधारकों द्वारा आवश्यक कार्रवाई के लिए गुंज–यंत्र के रूप में कार्य करता है। विभाग योजनाकारों प्रशासकों, क्रियान्वयनकर्त्ताओं तथा विद्वानों के लिए प्रशिक्षण भी प्रदान करता है जिससे कि वे वर्तमान ढांचे, प्रक्रियाओं और भारत में संगठित शिक्षा के सांस्कृतिक संदर्भ में प्रभावी और नैतिकता से कार्य कर सकें।

विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग

विद्यालय और अनौपचारिक शिक्षा विभाग व्यापक रूप से अधिकार–आधारित और समेकित ढांचे के अंतर्गत समग्र स्कूल शिक्षा, अनौपचारिक और प्रौढ़ साक्षरता से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर विशेष बल देता है। यह विभाग बचपन की देखभाल और प्रारंभिक शिक्षा सहित स्कूली शिक्षा के पूरे क्षेत्र को कवर करना है। इसके अलावा, विभाग के प्रमुख कार्यों में स्कूली शिक्षा, प्रारंभिक बचपन की देखभाल, शिक्षक, अध्यापक प्रशिक्षण आदि क्षेत्रों में केन्द्र और राज्य सरकारों, अन्तरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय संस्थाओं के लिए अनुसंधान और विकास, शिक्षण, प्रशिक्षण और परामर्शी सेवाएं प्रदान करना है।

विभाग भारत में शैक्षिक विकास को सुधारात्मक और अनुभवजन्य आधार प्रदान करने के लिए प्रारंभिक बचपन की देखभाल, शिक्षक और शिक्षक प्रशिक्षण तथा स्कूली शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों में शोध अध्ययन करता है। राष्ट्रीय, राज्य और जिला स्तर के अधिकारियों के लिये कार्यशालाएं और क्षमता विकास के कार्यक्रम आयोजित करता है। यह विभाग स्कूली शिक्षा के क्षेत्र में सह–क्रियात्मक संबंध स्थापित करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय स्तर के संस्थानों के साथ अनुभव और विशेष क्षमताओं को साझा करता है। इसके अतिरिक्त यह परामर्शकारी भुमिका का निर्वाह करता है और योजना एवं नीतियों के क्रियान्वयन हेतु केन्द्रीय और राज्य सरकारों को समर्थन प्रदान करता है।

यह विभाग संस्थान का एक मुख्य और सबसे पुराना विभाग होने के नाते, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986), कार्ययोजना का कार्यान्वयन (1992), शिक्षा का अधिकार अधिनियम (2009) और सभी के लिए शिक्षा (स.लि.शि.) के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान है। वर्ष 2007–2011 के दौरान, शैक्षिक पहुंच, पारगमन और समानता पर अनुसंधान के लिए सह–संघ के हिस्से के रूप में विभाग ने (www.create-rpc.org) के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। एक अन्य बड़ी परियोजना जो भारत में अखिल भारतीय शिक्षा पर मध्य–दशक का आकलन जिसमें प्राथमिक बचपन की देखभाल और शिक्षा पर छह ईएफए लक्ष्यों में से प्रत्येक के लिए राज्य–समीक्षा, प्राथमिक शिक्षा, प्रौढ़ शिक्षा और जीवन कौशल, वयस्क साक्षरता और लैंगिक समानता और कई विषयगत अध्ययन पर एक राष्ट्रीय रिपोर्ट तैयार की गई है। यह विभाग, सर्व शिक्षा अभियान, राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान और केंद्र प्रायोजित शिक्षक शिक्षा (सीएसटीई) के लिए नीतिगत सिफारिशों में भी योगदान दे रहा है।

हाल के वर्षों में, मानव संसाधन और विकास मंत्रालय के तत्वावधान में, विभाग ने भारत में स्कूली शिक्षा में सुधार के लिए दो राष्ट्रीय कार्यक्रमों 'स्कूल मानक और मूल्यांकन (शाला सिद्धि) और स्कूल नेतृत्व कार्यक्रम' को संस्थागत बनाने का समर्थन किया। इसने अवधारणा, सामग्री विकास और दोनों कार्यक्रमों को सही दृष्टिकोण से लागू करने के लिए 'राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केन्द्र' और 'स्कूल मानक एवं मूल्यांकन एकक' की स्थापना करने की सुविधा प्रदान की।

शैक्षिक परिणामों के इस युग में, शिक्षा की गुणवत्ता, प्रदर्शन में सुधार और स्कूली शिक्षा के सभी स्तरों पर प्रभावशीलता की मांग में वृद्धि और नीतिगत विचार–विमर्श के केंद्र के रूप में जारी है। सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने के लिए जीवन की गुणवत्ता में सुधार और नींव के रूप में शिक्षा की गुणवत्ता को स्वीकारते हुए, विभाग का लक्ष्य है कि स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता, स्कूल प्रभावशीलता और सुधार को दीर्घकालिक लक्ष्य के सूचकांक में शामिल किया जाए। विभाग ईसीसी पर महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में भी ध्यान केंद्रित करता है और नीतिगत योजनाओं के लिए साक्ष्य–आधारित सूचनाएं प्रदान करता है।

विभाग के प्रमुख केंद्रीय क्षेत्रः

1. ***अधिकार–आधारित और शिक्षा के लिए समावेशी दृष्टिकोण***

   भारत सरकार के शिक्षा का अधिकार अधिनियम के केंद्र बिंदु के रूप में, विभाग समावेशी संरचना में

विद्यालय पूर्व और माध्यमिक स्तर की शिक्षा के विस्तार के लिए पेशेवर सहायता प्रदान करता है।।

शिक्षा का अधिकार ढांचे के अन्तर्गत शिक्षार्थियों की विविधता भी विभाग के महत्वपूर्ण कार्यक्षेत्र के रूप में लगातार जारी है। विशेषतः विकलांग, सुविधाहीन और शहरी वंचित शिक्षार्थियों के अधिगम शोध, विकास और प्रशिक्षण के लिए ध्यानाकर्षण के रूप में जारी रहेंगे।

2. प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा

शिक्षा प्राप्ति के लिए महत्वपूर्ण समय के रूप में प्रारंभिक बचपन के महत्व को स्वीकारते हुए सहस्राब्दी विकास लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु, विभाग प्रारंभिक बचपन की देखभाल, पोषण और शिक्षा, संज्ञानात्मक विकास और स्कूल की भागीदारी पर विशेष ध्यान देने के साथ ही शिक्षा में योजना/प्रबंधन और गुणवत्ता के मुद्दों की खोज में लगा हुआ है। चूंकि यह क्षेत्र प्राथमिक शिक्षा की सबसे कमजोर कड़ी है, इसलिए विभाग ईसीसीई क्षेत्र में कानून, शासन और गुणवत्ता द्वारा नीति और प्रथाओं का पुनरीक्षण करके अनुसंधान के दायरे का विस्तार कर रहा है।

3. स्कूल गुणवत्ता और सुधार

बदलती शिक्षा के संदर्भ में सभी बच्चों को प्रभावी और सुधारात्मक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में स्कूलों की भूमिका महत्वपूर्ण है। शिक्षार्थियों के कम प्रदर्शन का प्रमाण स्कूलों के विकास और सुधार के दृष्टिकोण को देखने के लिए दबाव बढ़ा रहा है। स्कूली शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता की पहल, स्कूलों पर ध्यान केंद्रित करना और इसकी गुणवत्ता में सुधार की आवश्यकता है इसलिए इस ओर विभाग का ध्यान जारी है साथ ही, स्कूल गुणवत्ता सूचकांक, स्कूल मानक एवं मूल्यांकन ढांचा, स्कूल सुधार दिशानिर्देश निर्धारकों, स्कूलों की विकासात्मक आवश्यकताओं तथा जवाबदेही और पारदर्शिता पर विभाग का ध्यान केंद्रित रहेगा। जैसा कि विभाग सर्व शिक्षा अभियान और राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान के कार्यान्वयन के लिए लगातार अकादमिक सहायता और परामर्श का प्रसार, नए ज्ञान और अवधारणाओं पर नए दृष्टिकोण के साथ कार्यक्रमों का समर्थन करेगा।

4. शिक्षक प्रबंधन, प्रभावशीलता और विकास

गुणवत्तापूर्ण स्कूली शिक्षा और प्रभावशीलता प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण संकेतकों में से एक शिक्षक प्रबंधन और विकास का केंद्रीयकरण माना जाता है। भारत ही नहीं बल्कि विश्व स्तर पर हाल के शोध से पता चला है कि शिक्षक प्रभावशीलता छात्र अधिगम का सबसे महत्वपूर्ण स्कूल–आधारित भविष्यवक्ता है। शिक्षक की गुणवत्ता को तीन व्यापक प्रारूप में रखा जा सकता है– आपूर्ति और मांग के मुद्दे; शिक्षकों की तैयारी; और व्यापक क्षमता वाले शिक्षकों की पहचान करना और उन्हें बनाए रखना। उभरती हुई शिक्षक भूमिकाएँ, उनकी शैक्षणिक समझ, शिक्षण की प्रथाएँ, उनके काम के संदर्भ और शैक्षिक हितधारकों के साथ संबंध को हम शिक्षक विकास और प्रबंधन की वास्तविकताओं के बारे में जो जानते हैं उसकी सावधानीपूर्वक समझ और परीक्षा की आवश्यकता होती है। योग्य शिक्षकों की आवश्यकता को स्वीकार करते हुए, विभाग प्राथमिक और माध्यमिक दोनों स्तरों पर शिक्षक प्रबंधन मुद्दों के विभिन्न पहलुओं पर राष्ट्रीय स्तर के व्याख्यान और शोध अध्ययनों में लगा हुआ है। इन शोध एजेंडों को जारी रखते हुए, अनुसंधान और विकास का दायरा शिक्षक प्रभावशीलता और सुधार, प्रदर्शन, प्रबंधन और मूल्यांकन, जवाबदेही और आचार संहिता तथा शिक्षकों के सतत विकास को शामिल करेगा।

5. शिक्षक शिक्षा का अभिशासन और प्रबंधन

पिछले एक दशक के दौरान शिक्षक शिक्षा प्रणाली में पाठ्यक्रम सुधार और अवधि, मानदंडों और मानकों आदि पर कानूनी सिफारिशों को लागू करने के माध्यम से अपने कार्यक्रम की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए संघर्ष कर रही है। शिक्षक शिक्षा और शिक्षकों की गुणवत्ता में सुधार के लिए अधिक रुचि के बावजूद प्रणाली में कई कमियों को चिन्हित किया है।

शिक्षक शिक्षा विकास के नीति निर्माण और नियोजन में विभाग महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। विभाग ने न केवल शिक्षक शिक्षा की केंद्र प्रायोजित योजनाओं के मूल्यांकन में योगदान दिया, बल्कि विभिन्न योजना

अवधियों में शिक्षक शिक्षा नीति तैयार करने का भी समर्थन किया। शिक्षक शिक्षा और राष्ट्रीय मिशन ऑन टीचर एंड टीचिंग (पंडित मदन मोहन मालवीय योजना) पर जे.एस. वर्मा समिति की रिपोर्ट तैयार करना विभाग और नीपा द्वारा महत्वपूर्ण नीतिगत हस्तक्षेप हैं।

शिक्षक शिक्षा में शासन, विनियमन और गुणवत्ता आश्वासन अनुसंधान और विकास के लिए उपेक्षित क्षेत्र के रूप में जारी है। इस परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखते हुए, विभाग शिक्षक शिक्षा को बदलने के लिए सही नीतिगत दृष्टिकोण प्रदान करने हेतु अनुसंधान, विकास और राष्ट्रीय विचार–विमर्श पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

6. स्कूल नेतृत्व

स्कूल की गुणवत्ता में बदलाव और पुनर्संरचना के प्रबंधन और छात्र के प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए स्कूल नेतृत्व की भूमिका भारत के नीति विमर्श में गति प्राप्त कर रही है। तदनुसार, विभाग पहले नेतृत्व विकास कार्यक्रम में मौजूदा अंतर को पकड़ने और विभिन्न राज्यों के संस्थागत रूप में स्कूल नेतृत्व पर एक रूपरेखा तैयार कर रहा है। विभाग ने नेशनल कॉलेज ऑफ स्कूल लीडरशिप, नॉटिंघम के साथ सहयोग में यूकेईआरआई वित्त पोषित परियोजना में योगदान दिया और नीपा में सेंटर फॉर स्कूल लीडरशिप स्थापित करने के लिए विस्तारित समर्थन दिया। केंद्र के लिए परिप्रेक्ष्य योजना अलग से तैयार की गई है। विभाग अपने प्रयास को जारी रखते हुए, केन्द्र स्तर पर 'शिक्षक नेतृत्व' लाकर 'शैक्षिक नेतृत्व 'पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

7. नागरिक संघर्ष क्षेत्रों और सुरक्षित स्कूल में शिक्षा

सुरक्षित स्कूल को स्कूल परिवर्तन के लिए एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक उपकरण के रूप में ध्यान में रखते हुए, विभाग विभिन्न हितधारकों के बीच नए सिरे से समझ पैदा करने, प्रशिक्षण सामग्री, क्षमता विकास और विचार–विमर्श को विकसित करने में लगा हुआ है।

8. प्रौढ़ शिक्षा और साक्षरता

विभाग साक्षरता और आजीवन अधिगम के कार्यक्रमों की नीति और योजना निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

विभाग ने इन क्षेत्रों को नीपा के मसौदा 'परिप्रेक्ष्य योजना' से दीर्घ, मध्यम और अल्पकालिक रणनीतियों के रूप में चुना है। हालांकि विभाग हमेशा ईएफए, एमडीजी और एसडीजी जैसे विभिन्न अंतरराष्ट्रीय लक्ष्यों की सिफारिशों का पालन करता है, लेकिन प्रमुख कार्यक्रमों को सरकार के तात्कालिक जरूरत और परिवर्तनकारी एजेंडे के रूप में प्रस्तावित किया जाता है ताकि शिक्षा के परिणामों में सुधार और सभी शिक्षार्थियों को उनके सामाजिक–आर्थिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के बावजूद गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध हो सके।

उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग

यह विभाग वर्षों से मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार को लगातार अनुसंधानात्मक अनुसमर्थन और नीतिगत सुझाव प्रदान करता रहा है। विभाग के विश्व व्यापार संगठन कक्ष ने गेट्स के अंतर्गत प्राप्त अनुरोधों के विश्लेषण और भारत की सहमति की पुष्टि करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। विभाग ने उच्चतर शिक्षा के अंतरराष्ट्रीयकरण के विविध आयामों पर अध्ययन किया और उन पर विमर्श हेतु संगोष्ठियां आयोजित की तथा उनके निष्कर्षों का प्रसारण किया। यह विभाग उच्चतर शिक्षा के लिये विभिन्न पंचवर्षीय योजनाओं को अंतिम रूप देने में सहयोग करता रहा है। यह विभाग विशेषज्ञों, विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, संकायाध्यक्षों और कुलसचिवों के सम्मेलन और संगोष्ठियों के आयोजन में यू.जी.सी. का सहयोग करता रहा है।

इस विभाग ने कार्य निष्पादन आधारित उच्चतर शिक्षा पर विश्व सम्मेलन आयोजित करने हेतु यूनेस्को क्षेत्रीय सम्मेलन के आयोजन ओर भारतीय उच्चतर शिक्षा में कार्य निष्पादन आधारित वित्त पोषण पर योजना आयोग – विश्व बैंक प्रायोजित संगोष्ठी के आयोजन में भी सहयोग किया है। वार्षिक कार्यक्रमों के अंतर्गत यह विभाग विभिन्न श्रेणियों के कॉलेज प्राचार्यों के लिये नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता रहा है। विभाग विश्वविद्यालयों तथा कालेजों को उच्च शिक्षा की

गुणवत्ता और पहुंच के विभिन्न आयामों तथा अकादमिक सुधार पर संगोष्ठियां आयोजित करने में अकादमिक समर्थन प्रदान करता है। विभाग राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के शैक्षणिक कार्यक्रम– एम.फिल. तथा पी–एच.डी. कार्यक्रमों के केंद्रिक तथा वैकल्पिक पाठ्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग ले रहा है और इसके शोधार्थियों का अतिरिक्त शोधनिर्देशन कर रहा है।

शैक्षिक प्रशिक्षण एवं क्षमता विकास विभाग

विभाग अपने प्रशासकों की क्षमता में सुधार के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संबंध बनाने पर ध्यान केंद्रित करता है। विशेषतौर से राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर प्रगति कर रहे शैक्षिक सुधारों के महत्वपूर्ण कार्यक्रमों और नीतियों को स्पष्ट करने तथा अधिष्ठापन और प्रोन्नत स्तर पर प्रशिक्षुओं के लिए पाठ्यक्रमों को मैरिट और कैडर आधार पर बनाए गए हैं। इस विभाग द्वारा प्रतिवर्ष राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय शिक्षा कर्मियों के लिए दो डिप्लोमा कार्यक्रम शैक्षिक योजना और प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडेपा) और शैक्षिक योजना और प्रशासन में अन्तर्राष्ट्रीय डिप्लोमा (आईडेपा) मॉड्यूलर पाठ्यक्रम आयोजित करता है। विभाग प्रतिवर्ष एक महीने के अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम इंटरनेशनल प्रोग्राम फॉर एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेटर (आईपीईए) को विशेष रूप से मध्यम स्तर के शैक्षिक प्रशासकों के लिए आयोजित करता है। इसके अलावा, केंद्र और राज्य सरकारों के साथ–साथ अंतरराष्ट्रीय अनुरोध/प्रायोजित कार्यक्रमों को विभाग द्वारा अन्य विभागों/व्यक्तिगत संकाय सदस्यों से अकादमिक समर्थन प्राप्त करने के लिए आयोजित किए जाते हैं। विभाग का उद्देश्य विभिन्न क्षमता निर्माण स्तरों पर प्रशिक्षित टीमों का एक महत्वपूर्ण समूह बनाना है, जो शैक्षिक नीतियों, योजनाओं और कार्यक्रमों की रूपरेखा, कार्यान्वयन, निगरानी और मूल्यांकन में सुधार के लिए आवश्यक सूचनाओं और कौशल तथा क्षमता विकास के हस्तक्षेप के लिए व्यक्तिगत और राज्य/केंद्रशासित प्रदेश/जिला स्तर की टीमों और संस्थानों की क्षमता सहित, एक महत्वपूर्ण घटक का गठन करता है। मंत्रालयों, राज्य/केंद्रशासित प्रदेशों के शिक्षा विभागों और राष्ट्रीय और राज्य/जिला स्तर के संस्थानों को तकनीकी सहायता और परामर्शी सेवाओं के प्रावधान के माध्यम से क्षमता विकास किया जाता है। विभाग शिक्षा में प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण की रणनीतियों के अलावा मूल्यांकन अध्ययन करने की आवश्यकता पर अनुसंधान भी करता है।

शैक्षिक प्रबंधन सूचना प्रणाली विभाग

शैक्षिक प्रबंधन सूचना प्रणाली विभाग शोध और क्षमता विकास संबंधित कार्य करता है और भारत सहित विश्व के विभिन्न देशों की शिक्षा का आंकड़ा आधार और प्रबंधन सूचना प्रणाली को मजबूत बनाने के लिए तकनीकी परामर्श देता है। यह विभाग भारत में प्रारंभिक शिक्षा की प्रबंधन सूचना प्रणाली (एम आई एस) और आंकड़ा आधार को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है। विभाग मानव संसाधन विकास मंत्रालय और यूनीसेफ के सहयोग से जिला शिक्षा सूचना प्रणाली (डाइस) का प्रबंधन करता है। इसके अलावा यह विभाग शैक्षिक सांख्यिकी के मुद्दों और शिक्षा के समकालीन मुद्दों पर सम्मेलन/संगोष्ठियां और शैक्षिक योजना में मात्रात्मक विधियों पर कार्यशालाएं/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है और सांख्यिकी तथा शैक्षिक प्रबंधन सूचना प्रणाली पर परामर्श प्रदान करता है। विभाग के संकाय सदस्य मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा स्कूल शिक्षा सांख्यिकी की एकीकृत प्रणाली के निर्माण हेतु गठित विशेषज्ञ समिति में सक्रिय रूप से शामिल हैं। तद्नुसार स्कूल शिक्षा सांख्यिकी की एकीकृत प्रणाली की दिशा में वर्ष 2012–13 से देशभर में समान आंकड़ा प्रपत्र में पहले कदम के रूप में डाइस और सेमीस का समेकित आंकड़ा संगृहित किया गया है। वर्ष 2015–16 के दौरान स्कूल शिक्षा प्रदान कर रहे 1.5 मिलियन स्कूलों से आंकड़ा एकत्र किए गए।

इस विभाग द्वारा आयोजित कुछ कार्यक्रमों/संगोष्ठियों/कार्यशालाओं के विषय निम्नलिखित हैं:

एजुसेट द्वारा डाइस पर संवेदनशीलता कार्यक्रम, शैक्षिक शोध में डाइस आंकड़ों का उपयोग और स्कूल शिक्षा सांख्यिकी की एकीकृत प्रणाली आदि। यह विभाग विकासशील देशों के लिए ईएमआईएस पर सुनियोजित पाठ्यक्रम के साथ–साथ पीजीडेपा के भाग के रूप में शैक्षिक योजना में मात्रात्मक विधि पर पाठ्यक्रम का अध्यापन करता है। विभाग का संकाय ईएमआईएस और स्कूली शिक्षा से संबंधित पक्षों पर भारत सरकार के साथ–साथ राज्य सरकारों को परामर्शकारी सेवाएं प्रदान करता है।

विशेष पीठ

मौलाना अबुल कलाम आज़ाद पीठ

यह पीठ स्वतंत्र भारत के शिक्षा, विज्ञान और संस्कृति के पहले मंत्री मौलाना आज़ाद के योगदान को स्मरण करने के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा 2008 में स्थापित किया गया है। पीठ का मुख्य अनुसंधान क्षेत्र 1950 के दशक के अंतिम वर्षों के दौरान मौलाना आजाद के योगदान की खोज करते हुए एक ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में शिक्षा, विज्ञान और संस्कृति के विकास पर अध्ययन करना है। यह पीठ राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर प्रत्येक वर्ष, मौलाना आजाद स्मारक व्याख्यान का आयोजन करता है। यह पीठ मौलाना आज़ाद के दर्शन और वैश्विक विचारों व अन्य संबंधित मुद्दों पर राष्ट्रीय संगोष्ठियों का आयोजन भी करता है।

केंद्र

राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केंद्र

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा) में राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केन्द्र (एनसीएसएल) का उद्देश्य ज्ञान, कौशल और दृष्टिकोण के साथ विद्यालय नेतृत्व को सशक्त बनाना है। अपनी स्थापना के बाद से, यह राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर विभिन्न गतिविधियों में लगा हुआ है और इसने विद्यालय नेतृत्व विकास पर राष्ट्रीय कार्यक्रमों और पाठ्यचर्या की रूपरेखा तैयार की है, जो केंद्र द्वारा किए गए कार्य के लिए मार्गदर्शक दस्तावेज है। केंद्र ने वर्तमान और भावी दोनों स्कूल प्रमुखों के लिए विभिन्न प्रकार के क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के संचालन के लिए सामग्री, हस्तपुस्तिका और संसाधन पुस्तकें विकसित की हैं। केंद्र मुख्य रूप से चार अलग–अलग घटकों पर काम करता है। पाठ्यक्रम और सामग्री विकास, क्षमता निर्माण, नेटवर्किंग और संस्थागत निर्माण तथा अनुसंधान और विकास। वर्ष 2018–19 में, केंद्र द्वारा की गई प्रमुख गतिविधियों में दीक्षा पोर्टल पर लीडरशिप वर्टिकल के लिए मॉड्यूल और सामग्री विकसित करने, हिंदी में स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन (ऑनलाइन स्तर)

पर ऑनलाइन कार्यक्रम का अनुवाद एवं शुभारम्भ, और उड़िया, तेलुगु, तमिल, मराठी और असमिया में एनसीएसएल सामग्री का संदर्भ अनुवाद से संबंधित हैं। केंद्र ने तंत्र स्तर के पदाधिकारियों के नेतृत्व विकास के लिए विशेष कार्यक्रम और विभिन्न राज्यों के लिए स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन पर एक महीने के सर्टिफिकेट कोर्स के लिए संसाधन व्यक्तियों की क्षमता निर्माण कार्यक्रमों का आयोजन किया। स्कूल नेतृत्व कार्यक्रमों को संस्थागत बनाने के लिए, एनसीएसएल ने राज्यों में 21 स्कूल लीडरशिप अकादमियों की स्थापना की। केंद्र ने प्रासंगिक रूप से चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में नेतृत्व प्रथाओं का अध्ययन करने के लिए एक शोध प्रस्ताव विकसित किया। अनुभवजन्य शोध और नेतृत्व प्रथाओं पर चर्चा के लिए एक साझा मंच पर शिक्षाविदों, नीति निर्माताओं और स्कूल प्रमुखों को एक साथ लाने और स्कूल सुधार के लिए नेतृत्व के रास्ते पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया था। 28 शोध पत्र विभिन्न शैक्षिक संस्थानों के विद्वानों से और स्कूल प्रमुखों के 49 केस अध्ययन प्रस्तुत किए गए।

उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केंद्र (सीपीआरएचई)

उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केंद्र (सीपीआरएचई) (http://cprhe.niepa.ac.in/) की स्थापना राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा) में एक स्वायत्त विशेष शैक्षणिक केंद्र के रूप में की गई थी ताकि अनुभवजन्य विश्लेषण; और भारत में उच्च शिक्षा में नीति और नियोजन का समर्थन और अनुसंधानों को बढ़ावा दिया जा सके। सीपीआरएचई का लक्ष्य एक ज्ञान भंडार के रूप में, जो उच्चतर शिक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान और विश्लेषण का अत्याधुनिक केंद्र है; और भारत में उच्च शिक्षा के विकास और प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं पर विद्वानों की नीति व्याख्यानों को बढ़ावा देने के लिए उच्च शिक्षा पर एक थिंक–टैंक के रूप में सेवा करना है। सीपीआरएचई का व्यापक मिशन भारत में शिक्षा के विकास के लिए तैयार की गई नीतियों, योजनाओं और कार्यक्रमों के निर्माण के लिए आवश्यक ज्ञान के सृजन, साझा और अनुप्रयोग में योगदान देना है। केंद्र कई अंतर–संबंधित क्षेत्रों में वर्तमान राष्ट्रीय प्राथमिकताओं पर अपने प्रयासों में, उच्च शिक्षा के प्रावधान का विस्तार और सुधार; समता और समावेश सुनिश्चित करना; गुणवत्ता और प्रासंगिकता में सुधार; और शासन और प्रबंधन में सुधार को केंद्रित करेगा। साथ ही, भारत में उच्च शिक्षा प्रणाली को सक्षम बनाने के लिए उच्च शिक्षा के सभी पहलुओं में उत्कृष्टता को बढ़ावा देता है।

सीपीआरएचई गतिविधियाँ 2018–19

वर्ष 2018–19 के लिए सीपीआरएचई गतिविधियों की योजना जनवरी 2017 में तैयार करके, यूजीसी और एमएचआरडी को सौंपी गई कार्यक्रम रूपरेखा और कार्य योजना के अनुसार निम्न हैं। वर्ष 2018–19 में

सीपीआरएचई गतिविधियों मौजूदा अनुसंधान परियोजनाओं को पूरा करने, राष्ट्रीय संश्लेषण रिपोर्ट और राज्य अनुसंधान रिपोर्ट को अंतिम रूप देने, विशेषज्ञ समिति की बैठकों, कार्यप्रणाली कार्यशालाओं और सेमिनारों का आयोजन करने पर केन्द्रित थीं। सीपीआएचई ने अगले चरण में अनुसंधान के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचान की। वर्ष 2018–19 में केंद्र की नियमित प्रकाशन गतिविधियों में इंडिया हायर एजुकेशन रिपोर्ट (सेज द्वारा प्रकाशित), सीपीआरएचई रिसर्च पेपर सीरीज, सीपीआरएचई अनुसंधान पर आधारित नीति संक्षेप और सीपीआरएचई अनुसंधान रिपोर्ट प्रकाशित की गई। गतिविधियों का विवरण नीचे दिया गया है:

अनुसंधान

अनुभवजन्य अनुसंधान सीपीआरएचई संकाय द्वारा शुरू की गई सबसे प्रमुख गतिविधि है। सीपीआरएचई द्वारा बड़े पैमाने पर और राष्ट्रीय स्तर की अनुसंधान परियोजनाएँ निम्नलिखित क्षेत्रों में शुरू की गई हैं: क) उच्च शिक्षा में विविधता और समावेश; ख) भारत में उच्च शिक्षा का अभिशासन और प्रबंधन; ग) भारतीय उच्च शिक्षा में अध्यापन और अधिगम घ) सार्वजनिक उच्च शिक्षा संस्थानों का वित्तपोषण; ङ) भारत में उच्चतर शिक्षा की गुणवत्ता; और भारत में उच्च शिक्षा स्नातक के रोजगार और रोजगारशीलता। वर्तमान में सीपीआरएचई अनुसंधान परियोजनाओं को भारत के 22 राज्यों में स्थित चुनिंदा संस्थानों में लागू किया जा रहा है। परियोजनाओं की सूची नीचे दी गई है:

क. *नागरिक अधिगम और लोकतांत्रिक कार्यों के लिए उच्च शिक्षा: उच्च शिक्षा संस्थानों में विविधता का समावेश:* इस अध्ययन को छह राज्यों, बिहार, दिल्ली, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में स्थित संस्थानों में कायान्वित की गयी है।

ख. *भारत में उच्च शिक्षा का अभिशासन और प्रबंधन:* यह अध्ययन उत्तर प्रदेश तमिलनाडु, महाराष्ट्र और राजस्थान जैसे राज्यों में स्थित संस्थानों में कार्यान्वित की गयी है।

ग. *भारतीय उच्च शिक्षा में शिक्षण और अधिगम:* यह अनुसंधान परियोजना छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, गुजरात और तमिलनाडु राज्यों में कार्यान्वित की जा रही है।

घ. *भारत में सार्वजनिक उच्च शिक्षा संस्थानों का वित्तपोषण: धन प्रवाह और उनके उपयोग:* अनुभवजन्य अध्ययन को पांच राज्यों बिहार, ओडिशा, पंजाब, उत्तराखंड और तेलंगाना में कार्यान्वित किया गया है।

ङ. *भारत में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता: संस्थागत स्तर पर बाह्य और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन:* अध्ययन कर्नाटक, मध्य प्रदेश, मेघालय, राजस्थान और तेलंगाना के पांच राज्यों से चयनित विश्वविद्यालयों में आयोजित किया गया है।

च. *भारत में उच्च शिक्षा स्नातक की रोजगारशीलता:* चिन्हित छह शहर में मुंबई, दिल्ली, बैंगलोर, हैदराबाद स्तर–I के शहर हैं; स्तर–II शहरों में प्रमुख रोजगार प्रदाता के रूप में लखनऊ; और स्तर–III श्रेणी के शहरों में पहले तीन रोजगार प्रदाताओं में उदयपुर।

मा.सं.वि. मंत्रालय / यूजीसी के अनुरोध पर अनुसंधान परियोजनाएं: केंद्र यूजीसी और एमएचआरडी के अनुरोध पर अन्य परियोजनाओं को भी पूरा कर रहा है। इस तरह की पांच अनुसंधान परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं और रिपोर्ट यूजीसी और एमएचआरडी को सौंप दी गई हैं। अनुसंधान परियोजनाएँ निम्नलिखित विषयों पर हैं:

i) राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) पर एक अध्ययन जिसमें नेट परीक्षा के लिए 4.8 मिलियन उम्मीदवारों के प्रोफाइल का विश्लेषण।

ii) मा.सं.वि. मंत्रालय के अनुरोध पर, सीपीआरएचई ने पीएमएमएमएनएमटीटी योजना के कार्यान्वयन का मूल्यांकन अध्ययन;

iii) मा.सं.वि. मंत्रालय के अनुरोध पर, सीपीआरएचई ने भारत के विभिन्न क्षेत्रों और राज्यों के बीच उच्च शिक्षा संस्थानों की अधिपूर्ति और एकाग्रता से संबंधित मुद्दों को समझने पर अध्ययन;

iv) केंद्र ने यूजीसी को राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा योग्यता तंत्र (एनएचईक्यूएफ) पर एक अवधारणा नोट प्रस्तुत किया;

v) मा.सं.वि. मंत्रालय के अनुरोध पर, केंद्र ने 1949 में भारत सरकार द्वारा शुरू की गई राष्ट्रीय अनुसंधान प्रोफेसरशिप (एनआरपी) योजना का मूल्यांकन।

सीपीआरएचई वर्ष 2018–19 में, यूजीसी, मा.सं. विकास मंत्रालय और आईसीएसएसआर द्वारा अनुरोध पर निम्नलिखित 3 अध्ययनों को लागू करने में लगा हुआ है।

vi) एमएचआरडी के अनुरोध पर, केन्द्र ने *भारत में निजी मानद् विश्वविद्यालयों में शुल्क नियंत्रण* को समझने के लिए अध्ययन शुरू किया। यह परियोजना पश्चिम बंगाल, ओडिशा, महाराष्ट्र, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक और राजस्थान राज्यों में कार्यान्वित की गई है। रिपोर्ट मार्च, 2019 में प्रस्तुत की गई थी;

vii) यूजीसी के अनुरोध पर, केंद्र *विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में एससी/एसटी/ओबीसी अल्पसंख्यकों के लिए कोचिंग योजनाओं* का बड़े पैमाने पर मूल्यांकन अध्ययन कर रहा है। यह परियोजना उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, झारखंड, गुजरात, केरल, पंजाब, हरियाणा, महाराष्ट्र, मेघालय, त्रिपुरा राज्यों में कार्यान्वित की जा रही है। रिपोर्ट लेखन जारी है।

viii) भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) के अनुरोध पर, सीपीआरएचई वर्तमान में उच्च शिक्षा संस्थानों में छात्र विविधता और सामाजिक समावेश के आयामों पर मॉड्यूल तैयार कर रहा है। मॉड्यूल मुख्य रूप से सीपीआरएचई शोध अध्ययन पर आधारित हैं, जिसका शीर्षक 'नागरिक अधिगम और लोकतांत्रिक कार्यों के लिए उच्च शिक्षाः उच्च शिक्षा संस्थानों में विविधता और भेदभाव का अध्ययन' है। मॉड्यूल का उद्देश्य छात्र विविधता, शैक्षिक एकीकरण और सामाजिक समावेश से संबंधित मुद्दों पर उच्च शिक्षा में संकाय और प्रशासकों को संवेदनशील बनाना है, जिसमें नागरिक शिक्षा और लोकतांत्रिक जुड़ाव में उच्च शिक्षा की भूमिका शामिल है। मॉड्यूल निम्नलिखित विषयों पर विकसित किए जा रहे हैंः

मॉड्यूल 1ः उच्च शिक्षा में छात्र विविधता और सामाजिक समावेशः अवधारणा और दृष्टिकोण

मॉड्यूल 2ः उच्च शिक्षा में छात्र विविधता का वर्गीकरण

मॉड्यूल 3ः परिसरों पर अकादमिक एकीकरण प्राप्त करने के लिए दृष्टिकोण

मॉड्यूल 4ः उच्च शिक्षा में भेदभाव के रूप

मॉड्यूल 5ः परिसर में सामाजिक समावेश

मॉड्यूल 6ः छात्र विविधता के प्रबंधन के लिए संस्थागत तंत्र

मॉड्यूल 7ः छात्र विविधता, नागरिक शिक्षा और लोकतांत्रिक कार्य

मॉड्यूलों की तैयारी कार्य प्रगति पर है।

अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान परियोजनाएंः वर्ष 2018–19 में, सीपीआरएचई ने दो अंतरराष्ट्रीय सहयोगी अनुसंधान परियोजनाओं पर भी अनुसंधान शुरू किया, जिसमें केंद्र भाग ले रहा है। ये हैंः (अ) उच्च शिक्षा में सुविधाजनक अधिगम मार्गों की योजना बनाना (आईआईईपी–यूनेस्को, द्वारा वित्त पोषित, पेरिस) और (ब) सामाजिक असमानताएं और निजी उच्च शिक्षा (ईएसपीआई, पेरिस द्वारा वित्त पोषित)।

नई अनुसंधान परियोजनाएंः वर्ष 2018–19 में, केन्द्र ने सीपीआरएचईआर फ्रेमवर्क में चिन्हित क्षेत्रों में नये अनुसंधान परियोजनाओं को विकसित करने पर विचार किया। नए शोध प्रस्ताव निम्नलिखित विषयों पर विकसित किए जा रहे हैंः

i) महाविद्यालयों की पढ़ाई और भारतीय उच्च शिक्षा में छात्र सफलता

ii) भाषा और असमानताएंः भारतीय उच्च शिक्षा में शिक्षण माध्यम का अध्ययन

iii) सूचना अर्थव्यवस्था में नया प्रबंधवादः भारत में सार्वजनिक उच्च शिक्षा संस्थानों के बदलते प्रबंधन

iv) तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा का वित्तपोषणः भारत में सार्वजनिक और निजी उच्च शिक्षा संस्थानों का तुलनात्मक अध्ययन

v) भारतीय उच्च शिक्षा में शिक्षण अधिगम के साथ डिजिटल प्रौद्योगिकी का एकीकरण

vi) उच्च शिक्षा में शिक्षाविदों का व्यवसायीकरण

प्रकाशन

भारत उच्च शिक्षा रिपोर्ट सीपीआरएचई/नीपा ने भारतीय उच्च शिक्षा पर 'भारत उच्च शिक्षा रिपोर्ट' (आइएचईआर) का वार्षिक प्रकाशन शुरू किया है। जो भारत में उच्च शिक्षा क्षेत्र के वर्तमान मुद्दों और चुनौतियों पर आधारित है। केंद्र ने पहले ही समानता, शिक्षण, अधिगम और गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित करते हुए तीन वार्षिक अंकों को प्रकाशित किया है। भारत उच्च शिक्षा रिपोर्ट (आइएचईआर) 2018 का चौथा अंक उच्च शिक्षा के वित्तपोषण पर आधारित है। पांडुलिपि सेज द्वारा प्रकाशन हेतु प्रेस में है। वर्ष 2018–19 में, सीपीआरएचई ने पांचवीं भारत उच्च शिक्षा रिपोर्ट (आइएचईआर) 2019 की तैयारी शुरू की, जो उच्च शिक्षा के अभिशासन और प्रबंधन पर केंद्रित है। रिपोर्ट सेज द्वारा प्रकाशित किए जाने के अन्तर्गत है।

सीपीआरएचई अनुसंधान आलेख श्रृंखलाः केंद्र अनुसंधान आलेख श्रृंखला नामक एक नियमित प्रकाशन करता है। जिसके तहत पहले ग्यारह आलेख प्रकाशित किए हैं। वर्ष 2018–19 में, सीपीआरएचई ने निम्नलिखित विषयों पर तीन शोध पत्र प्रकाशित किएः

i) उच्च शिक्षा में शिक्षण–अधिगमः अवधारणाओं का विकास और विश्लेषण का एक नया उपकरण;
ii) छात्र विविधता और सामाजिक समावेशः भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों का एक अनुभवजन्य विश्लेषण;
iii) भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों की एकाग्रताः एक क्षेत्रीय विश्लेषण।

अनुसंधान रिपोर्ट और नीति संक्षेपः केंद्र द्वारा पूरा किए गए शोध अध्ययनों के आधार पर, सीपीआरएचई अनुसंधान रिपोर्ट लाता है। केन्द्र द्वारा 33 शोध रिपोर्ट तैयार की गई हैं। सभी चयनित विषयों पर नीति संक्षेप तैयार करने की योजना बना रही है। इनका प्राथमिक लक्ष्य समूह राज्य और राष्ट्रीय स्तरों पर नीति निर्माता और नीति नियोजक होंगे।

केंद्र द्वारा पूरा किए गए शोध अध्ययन और अन्य संगठनों के अध्ययनों के आधार पर प्राप्त निष्कर्षों से सीपीआरएचई ने निम्नलिखित नीति संक्षेप तैयार किए। 'नागरिक अधिगम और लोकतांत्रिक कार्यों के लिए उच्च शिक्षाः उच्च शिक्षा संस्थानों में विविधता और भेदभाव का अध्ययन': सीपीआरएचई नीति संक्षेप 1: भारत में उच्च शिक्षा तक समान पहुँच; सीपीआरएचई नीति संक्षेप 2: भारत में उच्च शिक्षा में अकादमिक एकीकरण हासिल करनाः सीपीआरएचई नीति संक्षेप 3: भारत में सामाजिक रूप से समावेशी उच्च शिक्षा परिसरों का विकास करना।

वर्ष 2018–19 में, सीपीआरएचई नीति संक्षेप यूजीसी की वेबसाइट पर अपलोड किए गए। जिनका लिंक निम्नलिखित है:

https://www.ugc.ac.in/pdfnews/8714294_CPRHE-POLICY-BRIEF-1-Diversity-and-Inclusion-in-HE.pdf

https://www.ugc.ac.in/pdfnews/4755136_CPRHE-POLICY-BRIEF-2-Diversity-and-Inclusion-in-HE.pdf

https://www.ugc.ac.in/pdfnews/0373387_CPRHE-POLICY-BRIEF-3-Diversity-and-Inclusion-in-HE.pdf

सेमिनार और बैठकें

अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारः केंद्र हर साल विशिष्ट विषयों पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन करता है, जिसका उद्देश्य उच्च स्तर से संबंधित विषयों के साथ–साथ शोधकर्ताओं और विशेषज्ञों को वैश्विक स्तर पर काम करना है। सीपीआरएचई प्रत्येक संगोष्ठी में विषयगत रिपोर्ट और प्रस्तुत चयनित पत्रों के आधार पर मूल परिमाण के लिए योजनाएं भी लाता है। सीपीआरएचई ने ब्रिटिश काउंसिल के सहयोग से 4 अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किए हैं। उच्च शिक्षा स्नातक के रोजगार और रोजगारशीलता पर पाँचवीं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी 19 और 20 फरवरी 2019 को आयोजित की गई।

अनुसंधान कार्यशालाएं और बैठकें: सीपीआरएचई अनुभवजन्य अनुसंधान परियोजना विशेषज्ञ समिति की बैठकों, अनुसंधान उपकरण विकास कार्यशालाओं और अनुसंधान विधियों की बैठकों का आयोजन करता है। इसके अलावा, केंद्र ने राज्य उच्च शिक्षा परिषदों के साथ अनुसंधान प्रसार कार्यशालाओं और परामर्श बैठकों का भी आयोजन करता है। उच्च शिक्षा की राज्य परिषदों की रूसा (RUSA) के क्रियान्वयन और राज्य स्तर पर उच्च

शिक्षा के व्यापक विकास में भूमिका के साथ–साथ राज्य स्तर की योजनाएं राज्यों में उच्च शिक्षा के समन्वित विकास के लिए मुख्य है। 25–26 फरवरी, 2019 को दो दिवसीय परामर्श बैठक का उद्देश्य उच्च शिक्षा में नई पहल के बारे में चर्चा करना था। इस बैठक में राज्य परिषदों के उपाध्यक्षों, राज्यों के महाविद्यालय संबंधी शिक्षा निदेशालय और उच्च शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। इस बैठक में 7 राज्यों के कुल 12 सदस्यों ने भाग लिया। वर्ष 2018–19 में, केंद्र ने 9 बैठकों और कार्यशालाओं का आयोजन किया।

नीति समर्थन

केंद्र एमएचआरडी, यूजीसी और अन्य नीति निर्माताओं और उच्च शिक्षा के नियामकों के अनुरोध पर अनुसंधान और मूल्यांकन अध्ययन भी करता है। सीपीआरएचई ने नीति–निर्माण निकायों के अनुरोध पर 6 अध्ययन पूरे किए हैं। साथ ही एमएचआरडी, यूजीसी और नीति आयोग को नीति समर्थन प्रदान कर रहा है। सीपीआरएचई ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (कस्तूरीरंगन समिति) के लिए मसौदा समिति की चर्चाओं में भाग लिया और भारत में उच्च शिक्षा के लिए एक रैंकिंग फ्रेमवर्क विकसित करने में मदद की।

अतिथि अध्येता कार्यक्रम

भारत और विदेशों के प्रसिद्ध प्रोफेसरों को आकर्षित करने और उनकी मेजबानी के उद्देश्य से केंद्र ने तय शर्तों के साथ अतिथि अध्येताओं को आमंत्रित करने का प्रावधान किया है। केन्द्र के पहले विजिटिंग प्रोफेसर विलियम जी. टियरनी थे, जो विश्व स्तर पर उच्च शिक्षा के प्रसिद्ध प्रोफेसर हैं और वर्तमान में उच्च शिक्षा के विल्बर–कैफर प्रोफेसर और सह–निदेशक, पुलियास सेंटर फॉर हायर एजुकेशन, रॉसियर स्कूल ऑफ एजुकेशन, दक्षिणी कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रोफेसर हैं। मार्च 2019 में, सीपीआरएचई ने प्रोफेसर विलियम जी. टियरनी की फिर से एक अतिथि प्रोफेसर के रूप में मेजबानी की। जनवरी 2019 में, सीपीआरएचई ने प्रोफेसर ओडिले हेनरी की मेजबानी की, जो इकोले डेस हाउट्स एट्यूड्स एन साइंसेज सोशेस (पेरिस) से समाजशास्त्र में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त हैं। सितंबर 2012 से, वह डौफिन यूनिवर्सिटी (पेरिस) में सहायक प्रोफेसर के रूप में अध्यापन के बाद पेरिस के विश्वविद्यालय में प्रोफेसर हैं। फरवरी 2019 में, सीपीआरएचई को डा. एमिली एफ. हेंडरसन की मेजबानी करने का अवसर मिला, जो सेंटर फॉर एजुकेशन स्टडीज, यूनिवर्सिटी ऑफ वारविक, यूके में संकाय सदस्य हैं। सीपीआरएचई ने 2018–19 में वारविक विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट विद्वान सुश्री अंजलि थॉमस की भी मेजबानी की।

सीपीआरएचई प्रकाशनों की सूची

सीपीआरएचई द्वारा निकाले प्रकाशनों की सूची नीचे दी गई है। इस सूची में अकादमिक पत्रिकाओं और पुस्तकों में व्यक्तिगत संकाय सदस्यों द्वारा कई प्रकाशन शामिल नहीं हैं।

भारत उच्चतर शिक्षा रिपोर्ट

1. *भारतीय उच्चतर शिक्षा रिपोर्ट 2019: उच्च शिक्षा का अभिशासन और प्रबंधन* एन.वी. वर्गीज़ और गरिमा मलिक द्वारा संपादित (सेज द्वारा प्रकाशन हेतु प्रकाशनाधीन)।
2. *भारत उच्चतर शिक्षा रिपोर्ट (आइएचईआर) 2018: उच्च शिक्षा का वित्तपोषण,* एन.वी. वर्गीज़ और जिणुशा पाणिग्रही द्वारा संपादित (प्रकाशनार्थ हेतु पांडुलिपि प्रस्तुत)।
3. *भारत उच्चतर शिक्षा रिपोर्ट (आइएचईआर) 2017: गुणवत्ता और शिक्षण अधिगम* एन.वी. वर्गीज़, अनुपम पचौरी और सायंतन मंडल द्वारा संपादित सेज, नई दिल्ली, 2018।
4. *इंडिया हायर एजुकेशन रिपोर्ट 2016: उच्च शिक्षा में समता,* एन.वी. वर्गीस, निधि एस. सभरवाल और सी.एम. मलिश, द्वारा संपादित, सेज, नई दिल्ली, 2018।
5. *भारत उच्चतर शिक्षा रिपोर्ट 2015,* एन.वी. वर्गीज़ और गरिमा मलिक द्वारा संपादित, रूटलेज, सीपीआरएचई / नीपा, 2015।

सीपीआरएचई शोध पत्र श्रृंखला

शोध पत्रों की सूची इस प्रकार है:

1. *भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों में एकाग्रता: एक क्षेत्रीय विश्लेषण* एन.वी. वर्गीज, जिणुशा पाणिग्रही और अनुभा रोहतगी, सीपीआरएचई शोध पत्र 11, सीपीआरएचई / नीपा, 2018।

2. *छात्र विविधता और सामाजिक समावेशः भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों का एक अनुभवजन्य विश्लेषण* निधि एस. सभरवाल और सी.एम. मलिश, सीपीआरएचई शोध पत्र 10, सीपीआरएचई/नीपा, नई दिल्ली, 2018।
3. *उच्च शिक्षा में शिक्षण–अधिगमः अवधारणाओं का विश्लेषण और विश्लेषण का नया उपकरण* सायंतन मंडल,सीपीआरएचई शोध पत्र 9, सीपीआरएचई/नीपा, नई दिल्ली, 2018।
4. *भारत में उच्च शिक्षा में शिक्षक भर्तीः राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) परिणाम का विश्लेषण* एन.वी. वर्गीज़, गरिमा मलिक और धर्म रक्षित गौतम, शोध पत्र 8, सीपीआरएचई/नीपा, नई दिल्ली, 2017।
5. *भारतीय शिक्षा में एक माध्यम के रूप में अंग्रेजीः शैक्षिक अवसरों तक पहुँच की असमानता* वाणी के. बोरूह और निधि एस. सभरवाल, सीपीआरएचई शोध पत्र 7, सीपीआरएचई/नीपा, नई दिल्ली, 2017।
6. *उच्च शिक्षा का वित्तपोषणः भारत में सार्वजनिक उच्च शिक्षा संस्थानों को संसाधनों का आवंटन और वित्त पोषण के नवीन तरीके* जिणुशा पाणिग्रही, सीपीआरएचई शोध पत्र 6, सीपीआरएचई/नीपा, नई दिल्ली, 2017।
7. *भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों का अभिशासन और प्रबंधन* गरिमा मलिक, सीपीआरएचई शोध पत्र 5, सीपीआरएचई/नीपा, नई दिल्ली, 2017।
8. *भारतीय उच्च शिक्षा की पुनः कल्पनाः उच्च शिक्षा संस्थानों की एक सामाजिक पारिस्थिति* विलियम जी. टियरनी और निधि एस. सभरवाल, सीपीआरएचई शोध पत्र 4, सीपीआरएचई/नीपा, नई दिल्ली, 2016।
9. *भारत में उच्च शिक्षा में छात्र विविधता और नागरिक अधिगम,* निधि एस. सभरवाल और सी.एम. मलीश, सीपीआरएचई शोध पत्र 3, सीपीआरएचई/नीपा, नई दिल्ली, 2016।
10. *भारत में उच्च शिक्षा में सुधारः शिक्षा पर आयोगों और समितियों की सिफारिशों की समीक्षा* ए. मैथ्यू, सीपीआरएचई शोध पत्र 2, सीपीआरएचई/नीपा, नई दिल्ली, 2016।
11. *भारत में उच्च शिक्षा की बड़े पैमाने पर चुनौती* एन.वी. वर्गीज, सीपीआरएचई शेध पत्र 1, सीपीआरएचई/नीपा, नई दिल्ली, 2015।

अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय संगोष्ठी रिपोर्ट श्रृंखला

1. *''उच्च शिक्षा में गुणवत्ता और उत्कृष्टता'' पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी रिपोर्ट,* एन.वी. वर्गीज और अनुपम पचौरी (ब्रिटिश काउंसिल के सहयोग से आयोजित), सीपीआरएचई/नीपा, नई दिल्ली। (प्रकाशनार्थ तैयारी)
2. *''उच्च शिक्षा के वित्तपोषण में नवाचार'' पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी रिपोर्ट,* एन.वी. वर्गीज और जिणुषा पाणिग्रही (ब्रिटिश काउंसिल के सहयोग से आयोजित), सीपीआरएचई/नीपा, नई दिल्ली, 2017।
3. *'भारत में उच्च शिक्षा में छात्र विविधता और भेदभाव' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी रिपोर्ट,* निधि एस. सभरवाल और सी. एम. मलिश। (ब्रिटिश काउंसिल के सहयोग से आयोजित), सीपीआरएचई/नीपा, नई दिल्ली, 2017।
4. *'उच्च शिक्षा में शिक्षण–अधिगम और नई प्रौद्योगिकियां' पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी रिपोर्ट,* एन. वी. वर्गीज और सायंतन मंडल (ब्रिटिश काउंसिल के सहयोग से आयोजित), सीपीआरएचई/नीपा, नई दिल्ली, 2016।
5. *वृहद शैक्षणिक प्रणालियों में उच्च शिक्षा के बड़े पैमाने पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी रिपोर्ट,* एन.वी. वर्गीज और जिणुशा पाणिग्रही, ब्रिटिश काउंसिल के सहयोग से आयोजित, सीपीआरएचई/नीपा, नई दिल्ली, 2015।

सीपीआरएचई अनुसंधान रिपोर्ट

1. ''भारत में निजी मानद् विश्वविद्यालयों में शुल्क निर्धारण'', डा. जिनुशा पाणिग्रही, सीपीआरएचई/नीपा द्वारा मानव संसाधन विकास मंत्रालय को सौंपी गई अनुसंधान रिपोर्ट (एमएचआरडी, भारत सरकार), नई दिल्ली, 2019।

2. ''भारत में उच्च शिक्षा का अभिशासन और प्रबंधन'' डा. गरिमा मलिक, सीपीआरएचई/नीपा, नई दिल्ली, 2018, संश्लेषण रिपोर्ट।
3. ''उत्तर प्रदेश में उच्च शिक्षा का अभिशासन और प्रबंधन'' प्रोफेसर राकेश रमन, प्रोफेसर सीमा सिंह और डा. संजीव कुमार नई दिल्ली, सीपीआरएचई/नीपा, 2018।
4. महाराष्ट्र में उच्च शिक्षा का अभिशासन और प्रबंधन प्रोफेसर संजीव सोनवणे, डा. वैभव जाधव और डा. खांडवे एकनाथ, सीपीआरएचई/नीपा, नई दिल्ली, 2018।
5. ''राजस्थान में उच्च शिक्षा का अभिशासन और प्रबंधन'' डा. रश्मि जैन, डा. दीप्तिमा शुक्ला और डा. निधि सिंह, सीपीआरएचई/नीपा, नई दिल्ली, 2018।
6. ''तमिलनाडु में उच्च शिक्षा का अभिशासन और प्रबंधन'' द्वारा प्रोफेसर अन्नलक्ष्मी नारायणन, डा. ए.आर. भावना और डा. सी. एस्थर बुवाना, सीपीआरएचई/नीपा, नई दिल्ली, 2018।
7. ''भारतीय उच्च शिक्षा में शिक्षण और अधिगम'' संशलेषण रिपोर्ट डा. सायंतन मंडल, सीपीआरएचई/नीपा, नई दिल्ली, 2018।
8. ''भारतीय उच्च शिक्षा में शिक्षण और अधिगमः छत्तीसगढ़'' प्रोफेसर चंद्रशेखर वजलवार, डा. सुधीर सुदाम कावरे, डा. पायल बनर्जी, सीपीआरएचई/नीपा, नई दिल्ली, 2018।
9. ''भारतीय उच्च शिक्षा में शिक्षण और अधिगमः गुजरात'' प्रोफेसर करणम पुष्पनधम, प्रोफेसर एस. सी. पाणिग्रही, प्रोफेसर एन. प्रधान, सीपीआरएचई/नीपा, नई दिल्ली, 2018।
10. ''भारतीय उच्च शिक्षा में शिक्षण और अधिगमः तमिलनाडु'' डा. आर. रमेश, डा. एम. वक्किल, डा. आर. विनोद कुमार, सीपीआरएचई/नीपा, नई दिल्ली, 2018।
11. ''भारतीय उच्च शिक्षा में शिक्षण और अधिगमः पश्चिम बंगाल'' प्रोफेसर निमै सी. मैती, प्रोफेसर कुतुबुद्दीन हलदर, डा. सुदेशणा लाहिड़ी, सीपीआरएचई/नीपा, नई दिल्ली, 2018।
12. उच्च शिक्षा का वित्तपोषणः सार्वजनिक अनुदान में गिरावट के लिए संस्थागत प्रतिक्रियाएं'' डा. जिणुशा पाणिग्रही द्वारा संश्लेषण रिपोर्ट, सीपीआरएचई/नीपा, नई दिल्ली, 2018।
13. राष्ट्रीय अनुसंधान प्रोफेसर योजना पर मूल्यांकन रिपोर्ट, एन.वी. वर्गीज और गरिमा मलिक, सीपीआरएचई/नीपा, नई दिल्ली, 2017।
14. शिक्षक और शिक्षण पर पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन (पीएमएमएमएनएमटीटी) योजना के क्रियान्वयन का मूल्यांकन, एन.वी. वर्गीज, अनुपम पचौरी और सायंतन मंडल, सीपीआरएचई/नीपा, नई दिल्ली, 2017।
15. उच्च तथा तकनीकी शिक्षण संस्थानों की एकाग्रता और अधिक आपूर्ति, वर्गीज, एन.वी., जिणुशा पाणिग्रही, जे.रोहतगी, सीपीआरएचई/नीपा, अनुसंधान रिपोर्ट मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी), भारत सरकार को सौंपी गई, नई दिल्ली, 2017।
16. ''पंजाब में सार्वजनिक उच्च शिक्षा संस्थानों का वित्तपोषणः धन प्रवाह और उनका उपयोग का अध्ययनः पंजाबी युनिवर्सिटी, पटियाला और देश भगत कॉलेज, धूरी का एक केस अध्ययन'' डा. हरविंदर कौर, डा नीलम कुमारी और डा बलबीर सिंह, सीपीआरएचई/नीपा, नई दिल्ली, 2017।
17. ''तेलंगाना में सार्वजनिक उच्च शिक्षा संस्थानों का वित्त पोषणः धन प्रवाह और उनके उपयोग का अध्ययनः हैदराबाद विश्वविद्यालय का एक केस अध्ययन'' प्रोफेसर के. लक्ष्मीनारायण, प्रोफेसर नागराजू गुंदेमेडा और डा. के रामचंद्र राव, सीपीआरएचई/नीपा, नई दिल्ली, 2017
18. ''ओडिशा में सार्वजनिक उच्च शिक्षा संस्थानों का वित्त पोषणः धन प्रवाह और उनके उपयोग का अध्ययनः उत्कल विश्वविद्यालय का एक केस अध्ययन'' डा. हिमांशु शेखर राउत, डा. मिताली चिनारा और श्री रजनीकांत त्रिपाठी, सीपीआरएचई/नीपा, नई दिल्ली, 2017।
19. ''ओडिशा में सार्वजनिक उच्च शिक्षा संस्थानों का वित्त पोषणः धन प्रवाह और उनके उपयोग का अध्ययनः कुमाऊं विश्वविद्यालय का एक केस

अध्ययन'' प्रोफेसर बी.डी. अवस्थी, प्रोफेसर एन.सी. डुंडियाल और डा. मोहन चंद्र पांडे, सीपीआरएचई/नीपा, नई दिल्ली, 2017।

20. ''उच्च शिक्षा में विविधता और भेदभावः भारत के चुनिंदा राज्यों में संस्थागत अध्ययन'' डा. निधि एस. सभरवाल और डा. सी.एम. मलिश, द्वारा संश्लेषण रिपोर्ट, सीपीआरएचई/नीपा, नई दिल्ली, 2016,।

21. "उच्च शिक्षा में विविधता और भेदभावः बिहार के चयनित संस्थानों का अध्ययन" प्रोफेसर आशा सिंह, डा. फजल अहमद और डा. बरना गांगुली, सीपीआरएचई/नीपा, नई दिल्ली, 2016।

22. "उच्च शिक्षा में विविधता और भेदभावः दिल्ली के चयनित संस्थानों का अध्ययन" डा. सी.वी. बाबू, डा. सत्येन्द्र कुमार और डा नितिन कुमार, सीपीआरएचई/नीपा, नई दिल्ली, 2016

23. "उच्च शिक्षा में विविधता और भेदभावः उत्तर प्रदेश के चयनित संस्थानों का अध्ययन" प्रोफेसर निधि बाला, डा. श्रवण कुमार और डा. रोमा स्मार्ट जोसेफ, सीपीआरएचई/नीपा, नई दिल्ली, 2016।

24. "उच्च शिक्षा में विविधता और भेदभावः कर्नाटक के चयनित संस्थानों का अध्ययन" डा. सृजित अलथुर, प्रोफेसर ए.एच. सेकीरा और डा. बी.वी. गोपालकृष्ण, सीपीआरएचई/नीपा, नई दिल्ली, 2016।

25 "उच्च शिक्षा में विविधता और भेदभावः महाराष्ट्र के चयनित संस्थानों का अध्ययन" डा. एच.ए. हुड्डा, डा. ए.वी. तलमले और डा. ए.सी. बैंकर, सीपीआरएचई/नीपा, नई दिल्ली, 2016।

26. "उच्च शिक्षा में विविधता और भेदभावः केरल के चयनित संस्थानों का अध्ययन" प्रोफेसर के.एक्स. जोसेफ, डा. टी. डी. साइमन और डा. के. राजेश, सीपीआरएचई/नीपा, नई दिल्ली, 2016।

27. भारत में उच्च शिक्षा में शिक्षक भर्ती; राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा की भूमिका, एन.वी. वर्गीज, गरिमा मलिक और धर्म रक्षित गौतम, अनुसंधान रिपोर्ट विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी), भारत सरकार, को सौंपी गई नई दिल्ली, 2015।

28. पचौरी, ए. ''भारत में उच्च शिक्षा की गुणवत्ताः संस्थागत स्तर पर बाह्य और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन का अध्ययन'' सीपीआरएचई–नीपा के तत्वावधान में अनुसंधान परियोजना की संश्लेषण रिपोर्ट। (तैयारी के अधीन)।

29. अग्निहोत्री, के., वर्मा, एम., द्विवेदी, एस. 2017. ''भारत में उच्च शिक्षा की गुणवत्ताः मध्य प्रदेश में संस्थागत स्तर पर बाह्य और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन का अध्ययन। सीपीआरएचई–नीपा के तत्वावधान में अनुसंधान परियोजना की अध्ययन रिपोर्ट।

30. बेत्सर, एन., के.बी. प्रवीना, रेयान, बी.डी. 2017. भारत में उच्च शिक्षा की गुणवत्ताः कर्नाटक में संस्थागत स्तर पर बाहरी और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन का अध्ययन। सीपीआरएचई–नीपा के तत्वावधान में अनुसंधान परियोजना की शोध अध्ययन रिपोर्ट।

31. बेजले, बी. नोंगकिनरि, डी., खिरैम, आई.एस., 2017। भारत में उच्च शिक्षा की गुणवत्ताः मेघालय में संस्थागत स्तर पर बाहरी और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन का अध्ययन। सीपीआरएचई–नीपा के तत्वावधान में अनुसंधान परियोजना की शोध अध्ययन रिपोर्ट

32. लोढ़ा, एस., पालीवाल, एन., पोखरना, बी. 2017। भारत में उच्च शिक्षा की गुणवत्ताः राजस्थान में संस्थागत स्तर पर बाह्य और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन का अध्ययन। सीपीआरएचई–नीपा के तत्वावधान में अनुसंधान परियोजना की शोध अध्ययन रिपोर्ट

33. तल्ला, एम., मूर्ति, आर., परिति, ए. 2017। भारत में उच्च शिक्षा की गुणवत्ताः तेलंगाना में संस्थागत स्तर पर बाह्य और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन का अध्ययन। सीपीआरएचई–नीपा के तत्वावधान में अनुसंधान परियोजना की शोध अध्ययन रिपोर्ट

सीपीआरएचई नीति संक्षेप

1. निधि एस. सभरवाल और मलिश सी.एम. (2019). भारत में उच्च शिक्षा की सुलभता में समानता

सीपीआरएचई नीति सार 1, प्रथम हिंदी संस्करण, फरवरी, 2019. सीपीआरएचई/नीपा, नई दिल्ली।

2. निधि एस. सभरवाल और मलिश सी.एम. (2019). भारत में उच्च शिक्षा का अकादमिक समेकन सीपीआरएचई नीति सार 2, प्रथम हिंदी संस्करण, फरवरी, 2019. सीपीआरएचई/नीपा, नई दिल्ली।
3. निधि एस. सभरवाल और मलिश सी.एम. (2019). भारत में उच्च शिक्षा के लिए सामाजिक समावेश से संपन्न परिसरों का विकास। सीपीआरएचई नीति सार 3, प्रथम हिंदी संस्करण, फरवरी, 2019. सीपीआरएचई/नीपा, नई दिल्ली।
4. सभरवाल एन.एस. और मलिश सी.एम. (2017). भारत में उच्च शिक्षा के लिए समान पहुँच। सीपीआरएचई नीति संक्षेप 1, सीपीआरएचई/नीपा, नई दिल्ली।
5. सभरवाल एन.एस. और मलिश सी.एम. (2017). भारत में उच्च शिक्षा परिसरों में अकादमिक एकीकरण हासिल करना। सीपीआरएचई नीति संक्षेप 2, सीपीआरएचई/नीपा, नई दिल्ली।
6. सभरवाल एन.एस. और मलिश सी.एम. (2017). भारत में सामाजिक रूप से समावेशी उच्च शिक्षा परिसरों का विकास करना। सीपीआरएचई नीति संक्षेप 3, सीपीआरएचई/नीपा, नई दिल्ली।

वर्ष 2018–19 में सीपीआरएचई द्वारा प्रायोजित बैठकों और कार्यशालाओं की सूची

1. 4 मई 2018 को, भारत में उच्च शिक्षा के अभिशासन और प्रबंधन पर प्रथम सहकर्मी समीक्षा बैठक आइएचईआर 2019 का आयोजन किया गया।
2. भारत में सार्वजनिक उच्च शिक्षा संस्थानों के वित्तपोषण पर अनुसंधान परियोजना की तीसरी विशेषज्ञ समिति की बैठक 26 जून, 2018 को आयोजित की गई।
3. भारत में उच्च शिक्षा का अभिशासन और प्रबंधन पर अनुसंधान परियोजना की तीसरी विशेषज्ञ समिति की बैठक 26 जुलाई, 2018 को आयोजित की गई।
4. भारतीय उच्च शिक्षा में शिक्षण और अधिगम पर अनुसंधान परियोजना की तीसरी विशेषज्ञ समिति की बैठक 12 सितंबर, 2018 को आयोजित की गई।
5. 27 सितंबर, 2018 को, भारत में उच्च शिक्षा के अभिशासन और प्रबंधन पर दूसरी सहकर्मी समीक्षा बैठक आइएचईआर 2019 का आयोजन किया गया।
6. उच्च शिक्षा स्नातकों की रोजगार और रोजगारशीलता पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 19 और 20 फरवरी, 2019 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में किया गया।

7. राज्य उच्च शिक्षा परिषद की बैठक 25 और 26 फरवरी, 2019 को संपन्न हुई।
8. सीपीआरएचई, कार्यकारी समिति की बैठक 27 मार्च 2019 को हुई।

राष्ट्रीय शिक्षा संसाधन केंद्र

पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक और शिक्षण मिशन के तहत राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान में राष्ट्रीय शिक्षा संसाधन केंद्र (एन.आर.सी.ई) की स्थापना 16 जनवरी, 2018 को की गई। यह पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक और शिक्षण मिशन के तहत विशिष्ट रूप से एक ऐसा केंद्र है, जिसे शिक्षकों के विकास की दृष्टि से एक ऐसे शीर्ष निकाय के रूप में परिकल्पित किया गया है जो प्रतिस्पर्धी ज्ञान की दुनिया में अनुसंधान, नेटवर्किंग और मौजूदा संसाधनों को साझा करते हुए उनकी क्षमता और ज्ञान की सीमाओं को आगे बढ़ाने में सक्षम हो।

एन.आर.सी.ई के उद्देश्य शिक्षकों के उपयोग हेतु शिक्षकों के लिए सभी संसाधनों का राष्ट्रीय भंडार विकसित करना; ज्ञान संसाधनों के उपयोग के माध्यम से शिक्षकों की कार्यात्मक क्षमताओं का विकास करना; शिक्षकों की उन्नत क्षमताओं के माध्यम से छात्रों के समग्र विकास को बढ़ाना; और भारत और विदेशों में उच्च शिक्षा में शिक्षकों के बीच नेटवर्किंग विकसित करना है। संसाधनों को इकट्ठा और सृजन करने के साथ–साथ अपने दृष्टिकोण में, एनआरसीई, चार घटकों पर ध्यान केंद्रित करता है–विषयवार संसाधन, शिक्षण अधिगम संसाधन, अनुसंधान संसाधन और छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण। एनआरसीई ने सलाहकारी, कानूनी और साथ ही आई.टी समितियों द्वारा विधिवत निर्देशित समर्थन के साथ, रिपोर्टिंग अवधि में महत्वपूर्ण प्रगति की है।

एकक

स्कूल मानक एवं मूल्यांकन एकक

स्कूल मानक एवं मूल्यांकन पर राष्ट्रीय कार्यक्रम (शाला सिद्धि) भारत में व्यापक स्कूल प्रदर्शन मूल्यांकन प्रणाली को संस्थागत बनाने के लिए एक अभिनव पहल है। शाला सिद्धि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मानकों और

प्रक्रियाओं के एक संग्रह को संदर्भित और स्थापित करना है जिसे सभी स्कूलों को स्थायी रूप से प्राप्त करने का प्रयास करना है। इसका लक्ष्य 'स्कूल मूल्यांकन' को साधन और 'स्कूल सुधार' के रूप में कल्पना करना है। यह कार्यक्रम जवाबदेही के साथ स्कूल सुधार के स्व और बाह्य मूल्यांकन के लिए प्रत्येक स्कूल को स्पष्ट मार्ग प्रदान करता है। इसलिए व्यक्तिगत स्कूल के मूल्यांकन और समग्र तरीके से इसके प्रदर्शन को संदर्भित करता है। यह विद्यालयों के सुदृढ़ीकरण, सुधार के अवसरों, क्रियाओं को प्राथमिकता देना, निर्णय लेने और उनके सुधार के लिए साक्ष्य–आधारित समर्थन बनाने की सुविधा प्रदान करता है।

इस प्रयास के तहत, राज्यों और अन्य हितधारकों के साथ पारस्परिक रूप से सहमति और परामर्शी प्रक्रिया के माध्यम से मानकों का एक संग्रह विकसित किया है। तदनुसार, स्कूल मूल्यांकन के लिए एक रणनीतिक उपकरण के रूप में स्कूल मानक और मूल्यांकन ढांचा (एसएसईएफ), स्कूल मूल्यांकन डैशबोर्ड, स्व–मूल्यांकन और मूल्यांकन–आधारित स्कूल सुधार के लिए दिशानिर्देश विकसित किए हैं। शाला सिद्धि कार्यक्रम में एक वेब–पोर्टल (www.shaalasiddhi.niepa.ac.in) है जो सभी सामग्रियों, दिशानिर्देशों, डैशबोर्डों आदि को अपलोड करने की सुविधा प्रदान करता है। डैशबोर्ड स्कूलों के प्रदर्शन स्तर के स्व–प्रकटीकरण का प्रमाण देता है। शाला सिद्धि कार्यक्रम के प्रभावी कार्यान्वयन को राज्यों को प्रस्तुत करने के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम की श्रृंखला का आयोजन किया जाता है।

परियोजना प्रबंधन एकक (पी.एम.यू.)

संस्थान में परियोजना प्रबंधन इकाई (पीएमयू) की स्थापना गृह स्तर एवं प्रायोजित अनुसंधान के समर्थन और प्रबंधन के उद्देश्य से की गई थी। यह एकक शिक्षा नीति और शैक्षिक योजना एवं प्रशासन (व्यक्तिगत शोध) के क्षेत्र में अध्ययन के लिए नीपा सहायता योजना के कार्यान्वयन हेतु नीपा, मानव संसाधन विकास मंत्रालय और अध्ययन सेमिनार, मूल्यांकन आदि के लिये अनुदान सहायता योजना विभाग के सभी बाह्य वित्त–पोषित और आंतरिक अनुसंधान परियोजनाओं के उचित समन्वय के लिये प्रशासन की एक केन्द्रीकृत प्रणाली के रूप में कार्य करता है।

यह एकक सामान्य रूप से, परियोजना अनुमोदन प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिये परियोजना कार्यान्वयन में प्रगति की निगरानी और संबंधित समर्थन सेवाएँ प्रदान करने सहित नीपा में किए गए विभिन्न परियोजनाओं के प्रबंधन के लिये प्रशासनिक सहायता प्रदान करता है। यह सभी मामलों में धन और घरेलू व्यय के लेखा सहित नीपा – परियोजना भर्ती और नियुक्तियों से संबंधित मुद्दों को संबोधित करता है।

पीएमयू विभिन्न परियोजनाओं के लेखांकन, परियोजना स्टाफ की भर्ती, बजट के अलावा संस्थान में चल रहे और पूर्ण अनुसंधान परियोजनाओं से संबंधित सभी कार्य की देखभाल करता है।

पीएमयू एकक में अध्यक्ष, कुलपति द्वारा चयनित किया जाता है। इसके अलावा पांच अन्य अकादमिक तथा समर्थन स्टाफ भी चयनित किये जाते हैं। समर्थन स्टाफ में परियोजना परामर्शदाता, परियोजना प्रबंधक तथा कनिष्ठ परामर्शदाता सम्मिलित हैं।

भारत अफ्रीका संस्थान

भारत–अफ्रीका शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा)

भारत अफ्रीका शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान अप्रैल 2008 में आयोजित भारत–अफ्रीका मंच सम्मेलन के संकल्पों के कार्यान्वयन हेतु बनाई गई कार्यवाई योजना के ढांचे के अंतर्गत स्थापित एक अखिल अफ्रीकी संस्था है। यह संस्थान बुरूण्डी गणराज्य की राजधानी बुजुम्बुरा में स्थित है। राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), भारत सरकार की तरफ से आईएआईईपीए की स्थापना, संचालन तथा प्रबंधन संबंधी कार्य कर रहा है। इस संस्थान का मुख्य कार्य क्षमता विकास करना है। इसके शैक्षणिक कार्यक्रमों/गतिविधियों का प्रथम चरण भवन नवीनीकरण और परिसर विकास संबंधी अन्य गतिविधियों के पूरा होने के तीन–चार माह बाद ही शुरु करने का प्रस्ताव है।

इसके प्रथम चरण में निम्नलिखित गतिविधियां शामिल होंगी– (i) अफ्रीकी संघ सदस्य देशों की शैक्षिक योजनाकारों और प्रशासकों को प्रशिक्षण प्रदान करना, (ii) शैक्षिक नीति शैक्षिक योजना और प्रशासन के क्षेत्र में अफ्रीकी संघ सदस्य देशों की शिक्षा प्रणाली से संबंधित मुद्दों पर शोध और केस अध्ययन, (iii) देश और क्षेत्र/महाद्वीप स्तरों पर शिक्षा के विकास की प्रवृत्तियों का विश्लेषण और आकलन, (iv) अफ्रीका संघ देशों को क्षमता विकास और शोध से संबंधित विशिष्ट शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन की जरूरतों को पूरा करने में तकनीकी सहायता प्रदान करना, (v) अफ्रीकी संघ देशों में शैक्षिक योजना और प्रबंधन से जुड़ी चुनौतियों से निपटने के लिए परस्पर अनुभवों और कार्य व्यवहारों को साझा करना, (vi) अफ्रीका और अफ्रीका के बाहर के शिक्षा शोध से जुड़े शोधकर्त्ताओं तथा संस्थानों का नेटवर्क बनाना, (vii) सामान्यतः शैक्षिक विभाग और विशेषकर अफ्रीका संघ सदस्य देशों में शैक्षिक योजना एवं प्रबंधन संबंधी मुद्दों पर नीतिगत परिसंवाद।

इसके प्रथम चरण के दौरान आयोजित कार्यक्रमों/गतिविधियों के विस्तार के साथ दूसरे चरण के दौरान संस्थान शैक्षिक योजना और प्रशासन पर लम्बी अवधि का उन्नत डिप्लोमा कार्यक्रम आयोजित करेगा जिसमें अफ्रीका संघ सदस्य देशों के प्रशिक्षित शैक्षिक योजनाकारों और प्रशासकों में बढ़ोतरी के लिये समिश्रित उपागम पर आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम भी शामिल किए जाएंगे।

अकादमिक अनुसमर्थन सेवा एकक

पुस्तकालय और प्रलेखन केन्द्र और डिजिटल अभिलेखागार

संस्थान में एक अत्याधुनिक पुस्तकालय है जिसमें शैक्षिक नीति, शैक्षिक योजना, शैक्षिक प्रशासन और अन्य सहायक विषयों से संबंधित पुस्तकों और अन्य सामग्री का समृद्ध संग्रह है। पुस्तकालय और प्रलेखन केंद्र अपने पाठकों को विभिन्न सेवाएं जैसे–सीएएस, एसडीआई, संदर्भ सेवाएं वेब ओपैक, प्रसारण और फोटोकापी की सुविधाएं प्रदान करता है। पुस्तकालय और प्रलेखन केंद्र राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तरों पर संसाधनों की साझेदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से डेलनेट का सदस्य भी है। वर्तमान में पुस्तकालय में अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों, जैसे–यूएनओ, यूएनडीपी, यूनेस्को, आईएलओ, यूनीसेफ, विश्व बैंक, ओईसीडी आदि द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों और संगोष्ठियों की रिपोर्टों के अलावा 59,208 से अधिक पुस्तकों/दस्तावेज़ों तथा 7,616 जर्नलों का समृद्ध संग्रह है। पुस्तकालय में शैक्षिक नीति, योजना और प्रबंधन तथा अन्य सहायक क्षेत्रों से संबंधित 250 जर्नल मंगाए जाते हैं। इसके अलावा पुस्तकालय पाठकों के लिए ऑन लाइन जर्नल डाटाबेस, जैसे–जेएसटीओआर, एलसेवियर और सेज भी मंगाता है। नीपा के प्रलेखन केंद्र में अधिकारिक रिपोर्टों, केंद्र तथा राज्य सरकारों के प्रकाशनों, शैक्षिक सर्वेक्षणों, पंचवर्षीय योजनाओं और जनगणना रिपोर्टों आदि सहित लगभग 17,993 दस्तावेज हैं। प्रलेखन केंद्र के पास महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टें और शैक्षिक सर्वेक्षण रिपोर्ट हैं जो शैक्षिक शोध अेर नीति निर्माण के लिए जरूरी हैं। संस्थान में एक डिजीटल अभिलेखागार बनाया गया है। भारत में शिक्षा के सभी क्षेत्रों, स्तरों और पक्षों पर शोध और संदर्भ के स्रोत के रूप में एक स्थान पर सभी दस्तावेजों की साफ्टकापी सुलभ करवाई जा सके। इसका मुख्य उद्देश्य प्रयोक्ता समुदाय का निर्माण करना है जो कि संस्थान के कार्यों का एक विस्तार है। नवीनतम सूचना संप्रेषण प्रौद्योगिकी के रूप में उच्च स्तरीय स्वचालित डिजीटल स्कैन का उपयोग डिजाइन, संग्रह और डिजीटल दस्तावेजों की पुनः प्राप्ति के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। इस डिजीटल अभिलेखागार में प्रयोक्ता सुलभ बहुखोजी विकल्पों के साथ अंतर्निर्हित उपयोगों सहित साफ्टवेयर उपलब्ध है।

वर्ष 2013 में शैक्षिक प्रलेखों का एक डिजीटल अभिलेखागार स्थापित किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य सभी शैक्षिक प्रलेखों को एक स्थान पर डिजीटल रूप में संग्रहित करना है। डिजीटल अभिलेखागार में 11,000 से अधिक अभिलेख संग्रहित हैं और सतत् इनकी संख्या में वृद्धि की जा रही है। प्रलेखों को मुख्यतः 18 श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है और इसी क्रम में आगे भी केंद्र, राज्य, जिला, ब्लॉक स्तर पर उप वर्ग बनाए गये हैं। डिजीटल अभिलेखागार में आज़ादी के बाद से शिक्षा प्रणाली के सभी स्तरों तथा क्षेत्रों से संबंधित नीतिगत तथा अन्य अभिलेख सुलभ करवाए जाते हैं ताकि नीति विश्लेषकों, योजनाकारों, शोधार्थियों एवं अभिरुचि रखने वाले अन्य विद्वानों को एक स्थान पर आवश्यक सामग्री सुलभ करवाई जा सके और उन्हें संदर्भ सामग्री और आंकड़ों के लिए कहीं और नही जाना पड़े। डिजीटल अभिलेखागार नीपा का विस्तारित कार्य है जो प्रयोक्ता समुदाय को समर्पित है।

कंप्यूटर केंद्रः कंप्यूटर केंद्र संस्थान की सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी जरुरतें पूरा करता है। यह केंद्र संस्थान के सभी प्रशिक्षणार्थियों और स्टाफ सदस्यों को कंप्यूटर और इंटरनेट की सुविधाएं प्रदान करता है। नेटवर्क संसाधन को पहुंचाने के लिए सभी संकाय और स्टाफ को नेटवर्क प्वांइट सुलभ किए गए हैं। नीपा डोमेन से सभी संकाय और स्टाफ सदस्यों के व्यक्तिगत ई–मेल खाता खोले गए हैं। सभी संकाय सदस्यों को 1 जीबीपीएस की इंटरनेट कनेक्टिविटी दी गई है। सभी स्टाफ सदस्यों को डेस्कटॉप और संकाय सदस्यों को लैपटाप आवंटित किए गए हैं। नीपा में समुचित नेटवर्क सुरक्षा का रखरखाव किया जा रहा है। केंद्र में आधुनिकतम सुविधाएं हैं, जैसे–आईबीएम–ई सिरीज सर्वर जो तीव्र अर्थनेट से जुड़ा है। वर्तमान में निम्नलिखित आधारभूत सुविधाएं हैं–उन्नत कैट–6 केबल, केंद्रीकृत कंप्यूटिंग सुविधा, जिसमें उच्च कार्यनिष्पादन वाले सर्वर्स, क्लाइंट पी सी, इंटरनेट से अपलिंक और अन्य सेवाएं और अति सक्षम बहुकल्पिक यू पी एस के जरिए पर्याप्त रूप में अनवरत पावर आपूर्ति उपलब्ध है।

प्रकाशन एककः नीपा में शिक्षा के शोध और विकास के प्रसार–प्रचार हेतु प्रकाशन कार्यक्रम है। नीपा का प्रकाशन एकक विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा अन्य संबंधित सामग्री रिपोर्टों, पुस्तकों, जर्नलों, न्यूज़लेटर, अनुसंधान आलेखों, तथा अन्य प्रकाशनों के माध्यम से शैक्षिक नीति, योजना तथा प्रशासन से संबंधित क्षेत्रों में अनुसंधान तथा विकास की सूचनाओं के प्रचार–प्रसार हेतु महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। राष्ट्रीय संस्थान द्वारा प्रकाशित कुछ पत्रिकाओं में 'जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन', 'परिप्रेक्ष्य' हिन्दी जर्नल तथा एंट्रीप न्यूज़लेटर इत्यादि सम्मिलत हैं। संस्थान का प्रकाशन एकक मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की विशिष्ट आवश्यकताओं को भी पूर्ण करता है।

हिंदी कक्षः यह कक्ष शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन में व्यावसायिक प्रकाशनों के अनुवाद के माध्यम से अनुसंधान, प्रशिक्षण तथा प्रसार में अकादमिक सहायता प्रदान करता है। यह कक्ष राजभाषा नीति के क्रियान्वयन में भी प्रशासन और संकाय को सहयोग देता है।

अभिशासन और प्रबंधन

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 3 के अंतर्गत घोषित एक मानित विश्वविद्यालय है जो सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के अंतर्गत पंजीकृत है। इस संस्थान के प्राधिकारियों में शामिल हैं : अध्यक्ष, कुलाधिपति, कुलपति, परिषद, प्रबंधन बोर्ड, अकादमिक परिषद, वित्त समिति और अध्ययन बोर्ड तथा संस्थान के प्रबंधन बोर्ड द्वारा घोषित ऐसे अन्य प्राधिकरण। संस्थान के कुलपति प्रधान शैक्षणिक और कार्यकारी अधिकारी हैं।

नीपा परिषद: नीपा परिषद संस्थान का सर्वोच्च निकाय है जिसका प्रमुख अध्यक्ष होता है। परिषद का मुख्य कार्य कार्यालय ज्ञापन में निर्धारित संस्थान के लक्ष्यों को कार्यान्वित करना है। नीपा परिषद संस्थान के सभी मामलों के सामान्य पर्यवेक्षण का उत्तरदायी है। माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत सरकार नीपा परिषद के अध्यक्ष हैं। संस्थान के कुलपति इसके उपाध्यक्ष हैं। परिषद के पदेन सदस्य हैं : सचिव, भारत सरकार, उच्च शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, सचिव, भारत सरकार, स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, निदेशक, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, और वित्त सलाहकार, मा.सं.वि. मंत्रालय, भारत सरकार। परिषद के अन्य सदस्य हैं– अध्यक्ष द्वारा नामित तीन विख्यात शिक्षाविद्, अध्यक्ष द्वारा नामित राज्य/संघ क्षेत्र प्रतिनिधि (5 प्रभागों में से प्रत्येक प्रभाग से एक–एक

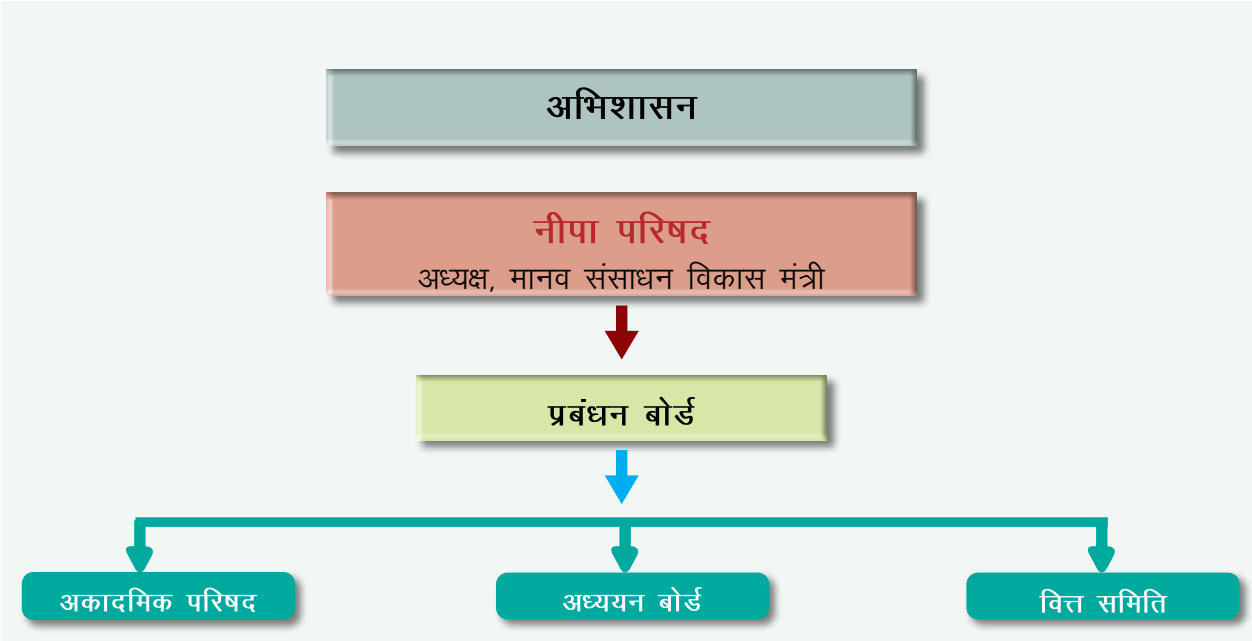

प्रतिनिधि) और अध्यक्ष द्वारा नामित नीपा संकाय का एक सदस्य। संस्थान के कुलसचिव परिषद के सचिव हैं। दिनांक 31 मार्च 2019 के अनुसार नीपा परिषद के सदस्यों की सूची परिशिष्ट–I में प्रस्तुत है।

प्रबंधन बोर्ड: प्रबंधन बोर्ड संस्थान का प्रमुख कार्यकारी निकाय है। संस्थान के कुलपति प्रबंध बोर्ड के पदेन अध्यक्ष हैं। अन्य सदस्य हैं : राष्ट्रीय संस्थान के अध्यक्ष द्वारा नामित तीन सदस्य मा.सं.वि. मंत्रालय, भारत सरकार का एक नामिती, वि.अ.आ. के अध्यक्ष का एक नामिती, संस्थान के संकाय डीन, संस्थान के दो संकाय सदस्य (एक प्रोफेसर और एक सह–प्रोफेसर/सहायक प्रोफेसर), कुलसचिव, नीपा, प्रबंधन बोर्ड का सचिव होता है। 31 मार्च, 2019 के अनुसार प्रबंधन बोर्ड के सदस्यों की सूची परिशिष्ट–II में दी गई है।

वित्त समिति: वित्त समिति की मुख्य भूमिका संस्थान की लेखा की जांच करना और व्यय के प्रस्तावों की समीक्षा करना है। संस्थान की वार्षिक लेखा और वित्तीय आकलनों को वित्त समिति के सम्मुख रखा जाता है और समिति की टिप्पणियों के साथ इसे अनुमोदन के लिए प्रबंधन बोर्ड को प्रस्तुत किया जाता है। वित्त समिति संस्थान की आय और संसाधनों के आधार पर वार्षिक आवर्ती और गैर आवर्ती व्यय की सीमाऐं तय करती है। संस्थान के कुलपति वित्त समिति के पदेन अध्यक्ष हैं; इसके अतिरिक्त नीपा परिषद के अध्यक्ष द्वारा नामित दो व्यक्ति, कुलपति द्वारा नामित एक व्यक्ति, वित्तीय सलाहकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का एक प्रतिनिधि होता है। वित्त अधिकारी, वित्त समिति के सचिव का कार्य करता है। 31 मार्च 2019 के अनुसार वित्त समिति के सदस्यों की सूची परिशिष्ट–III में दी गई है।

अकादमिक परिषद: नीपा अकादमिक परिषद संस्थान का शीर्षस्थ अकादमिक निकाय है। अकादमिक परिषद शिक्षा, प्रशिक्षण, शोध और परामर्श के स्तर पर सतत सुधार और अंतर–विभागीय सहयोग, परीक्षा और परीक्षण आदि के प्रति उत्तरदायी होता है। इसका पदेन अध्यक्ष कुलपति होता है। अकादमिक परिषद में शामिल हैं : संस्थान के संकाय डीन, अकादमिक विभागों के अध्यक्ष, और अध्यक्ष द्वारा मनोनीत तीन शिक्षाशास्त्री जो नीपा की गतिविधियों से जुड़े हुए क्षेत्रों से संबंधित हों और संस्थान की सेवा में न हों, कुलपति द्वारा चक्रानुसार नामित एक सहायक प्रोफेसर और तीन सहयोजित सदस्य जो शैक्षणिक स्टाफ के सदस्य न हों और अकादमिक परिषद द्वारा विषय विशेषज्ञ के आधार पर सहयोजित किए गए हों। नीपा का कुलसचिव परिषद का सचिव होता है। 31 मार्च 2019 के अनुसार सदस्यों की सूची–IV में दी गई है।

अध्ययन बोर्ड: नीपा के कुलपति अध्ययन बोर्ड के पदेन अध्यक्ष हैं। इसके सदस्य हैं: संकाय–डीन, विभागाध्यक्ष, कुलपति द्वारा नामित एक सह–प्रोफेसर, और एक सहायक प्रोफेसर और कुलपति द्वारा सहयोजित अधिकतम दो विषय विशेषज्ञ। अध्ययन बोर्ड के सदस्यों की सूची 31 मार्च, 2019 के अनुसार परिशिष्ट–V में दी गई है।

कार्यबल और समितियां: कुलपति द्वारा विशिष्ट कार्यक्रमों के लिए समय–समय पर विशेष कार्यबलों और समितियों का गठन किया जाता है। विभिन्न परियोजनाओं के लिए विशेषज्ञों को शामिल करके परियोजना सलाहकार समितियां गठित की जाती हैं। विशेषज्ञों से गठित परियोजना सलाहकार समिति विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं के निरीक्षण और सलाह देने के लिए कार्य करती है। कुलपति की अध्यक्षता में शोध अध्ययन सलाहकार बोर्ड गठित किया गया है। इसमें अन्य विशेषज्ञों के साथ–साथ सभी विभागाध्यक्ष इसके सदस्य होते हैं। कुलसिचव इस समिति के सदस्य सचिव हैं जो सहायता योजना के अंतर्गत शैक्षिक योजना और प्रशासन के क्षेत्र में प्राप्त प्रस्तावों पर विचार करती है।

नीपा के कामकाज की समीक्षा के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विशेषज्ञ समिति का दौरा 06–07 सितंबर 2018

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की विशेषज्ञ समीक्षा समिति ने 06–07 सितंबर, 2018 को राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा) (मानित विश्वविद्यालय) के कामकाज की समीक्षा के लिए संस्थान का दौरा किया। समिति में प्रो एचसीएस राठौर, कुलपति, दक्षिण केंद्रीय विश्वविद्यालय बिहार, समिति के अध्यक्ष के रूप में, प्रो डॉ जी विश्वनाथन, पूर्व कुलपति, टी.एन.टी.ई.यू, प्रो (सुश्री) पामी दुआ, दिल्ली अर्थशास्त्र स्कूल, श्रीमती ममता कुकरेती, अनुभाग अधिकारी, एनसीटीई सदस्य के रूप में और श्री सतीश कुमार, उप सचिव, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग सचिव के रूप में शामिल थे। समिति ने कुलपति, कुलसचिव के साथ और विश्वविद्यालय के विभागों के प्रमुख के साथ विचार विमर्श किया और विभिन्न अनुभागों में शिक्षण, अनुसंधान और नीति समर्थन के लिए उपलब्ध सुविधाओं का आकलन किया।

दस्तावेजों के अवलोकन के बाद समिति ने विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों, प्रशासनिक कर्मचारियों और छात्रों के साथ व्यापक बैठकें कीं। समिति शिक्षण, अनुसंधान, नीति समर्थन और नीपा द्वारा किए गए प्रशिक्षण गतिविधियों से सन्तुष्ट थी। समिति के अनुसार : ''संकाय अत्यधिक योग्य, प्रेरित और मानित विश्वविद्यालय के मूल जनादेश में शामिल है और अच्छे काम में लगा हुआ है जिसमें शिक्षण, प्रशिक्षण और अनुसंधान शामिल है''

संस्थान द्वारा प्रदर्शित प्रकाशन, शोध कार्य का एक स्पष्ट संकेत हैं जैसा कि नीपा द्वारा सफलतापूर्वक किया गया है। समिति ने अनुसंधान के क्षेत्र में किए गए प्रयासों और प्राप्त परिणामों की अत्यधिक सराहना की। ये शोध नीति बनाने वाले निकायों द्वारा लिए गए निर्णय के लिए प्रत्यक्ष इनपुट प्रदान करते हैं और नीपा को शैक्षिक नीति, योजना और प्रशासन के क्षेत्र में एक थिंक टैंक के रूप में बने रहने में मदद करते हैं। समिति ने इस बात की सराहना करी की ''छात्रों ने शिक्षण और सीखने की गुणवत्ता के बारे में एक बहुत ही सकारात्मक प्रतिक्रिया दी।''

सरकारों और अन्य संस्थानों को नीति समर्थन, अनुसंधान और शिक्षण में नीपा के योगदान को देखते हुए समिति ने राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान को जारी मानित विश्वविद्यालय की स्थिति रखे जाने की सिफारिश करी।

प्रशासन और वित्त

संस्थान के प्रशासनिक ढांचे में तीन अनुभाग–अकादमिक प्रशासन, कार्मिक प्रशासन, सामान्य प्रशासन और दो कक्ष–प्रशिक्षण कक्ष और एम.फिल., पीएचडी कक्ष हैं। कुलसचिव सभी अनुभागों के प्रभारी हैं। कुलसचिव नीपा परिषद, प्रबंधन बोर्ड और अकादमिक परिषद के सचिव भी हैं। कुलसचिव को प्रशासनिक कामकाज में प्रशासनिक अधिकारी, प्रशिक्षण अधिकारी और अनेक अनुभाग अधिकारी अनुसमर्थन प्रदान करते हैं।

कुलसचिव अकादमिक अनुसमर्थन सेवा एककों, जैसे–पुस्तकालय और प्रलेखन केंद्र, कंप्यूटर केंद्र, एवं डिजीटल अभिलेखागार, प्रकाशन एकक और हिंदी कक्ष के कार्यकलापों के प्रति उत्तरदायी हैं। वित्त अधिकारी वित्त और लेखा अनुभाग के प्रभारी है। अनुभाग अधिकारी (लेखा) वित्त अधिकारी का अनुसमर्थन करता है।

स्टाफ की संख्या (2018–19)

31 मार्च, 2019 के अनुसार नीपा की कुल कर्मचारियों संख्या 167 थी।

प्रतिवेदनाधीन वर्ष 2018–19 के दौरान संस्थान को कुल 3184.71 लाख रुपये का अनुदान मिला (आवर्ती और गैर–आवर्ती मद)। वर्ष के आरंभ में संस्थान के पास आवर्ती मद में 264.33 लाख रुपये शेष थे। वर्ष के दौरान आंतरिक कार्यालय और छात्रावास से 34.69 लाख रूपये की राशि प्राप्ति हुई। योजना और गैर–योजना मदों में वर्ष के दौरान व्यय 3491.89 लाख रुपये था।

संस्थान के पास 1282.65 लाख रुपये शेष था और दूसरे संगठनों द्वारा प्रायोजित कार्यक्रमों/अध्ययनों की मद में इस वर्ष 2018–19 के दौरान 768.62 लाख रूपये की अतिरिक्त राशि प्राप्ति हुई। प्रायोजित कार्यक्रमों/अध्ययनों पर वर्ष के दौरान कुल 996.36 लाख रुपये खर्च किए गए। (परिशिष्ट–VII)

परिसर और भवन
आधारभूत सुविधा

संस्थान के पास एक चार–मंजिला कार्यालय, सुसज्जित स्नानघरयुक्त 60 कमरों वाला एक सात मंजिला छात्रावास और एक आवास–क्षेत्र है। इस आवास क्षेत्र में टाइप–I के 16, टाइप–II से V तक के 8–8 क्वार्टर और एक कुलपति आवास हैं।

संस्थान के पास बिंदापुर, द्वारका में टाइप–III के 25 क्वार्टर हैं।

संस्थान परिसर में सुसज्जित प्रशिक्षण कक्ष, कंप्यूटर केंद्र, अंतरराष्ट्रीय डायनिंग हाल, जिम और क्लास रूम हैं।

संस्थान ने हाल ही में परिसर में अर्जित 2100 वर्ग मीटर के भूखंड में नया अकादमिक भवन के निर्माण के लिये अपेक्षित कदम उठाए हैं। इसके लिए दिल्ली विकास प्राधिकरण ने लीज डीड जारी कर दिया है।

2

अध्यापन और व्यावसायिक विकास कार्यक्रम

अध्यापन और व्यावसायिक विकास कार्यक्रम

एम.फिल. और पी–एच.डी.

वस्तुतः संस्थान की एम.फिल और पी.एच. डी. उपाधियाँ विशेष रूप से शैक्षिक नीति, योजना और प्रशासन पर केंद्रित हैं। इसके द्वारा संस्थान विभिन्न पृष्ठभूमि के शोधकर्ताओं को सशक्त और सक्षम बनाता है।

शैक्षिक प्रशासन के लिए विद्वान तैयार करना

विश्वविद्यालयः एक फीडर संस्था है जो प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा के स्तरों पर शैक्षिक प्रशासन से संबंधित जरुरत के अनुसार शैक्षिक नीति, योजना और प्रशासन में विशेषज्ञता से युक्त मानव संसाधनों का विकास करता है ऐसे विशेषज्ञ जो अंतरशास्त्रीय कार्यक्रमों/एम.फिल. और पी–एच.डी. उपाधियों के पाठ्यक्रमों या प्रशिक्षण कार्यक्रमों के द्वारा तैयार किये जाते हैं। वे व्यापक एवं गतिशील संदर्भों में समुचित योजनाओं और कार्यनीतियों के निर्माण या सांस्थानिक प्रबंधन के सीमित भूमिकाओं से जुड़े मामलों के समाधान हेतु पूर्णतः सक्षम होते हैं।

वस्तुतः संस्थान की एम.फिल. और पी–एच.डी. उपाधियाँ विशेष रूप से शैक्षिक नीति, योजना और प्रशासन पर केंद्रित हैं। इसके द्वारा संस्थान युवा शोधकर्त्ताओं को सशक्त और सक्षम बनाता है और शैक्षिक योजना और प्रशासन के क्षेत्र में उनका जीवन वृत्त तैयार करता है। नीपा यह कार्य कर रहा है और इसके माध्यम से यह शैक्षिक नीतियों, योजनाओं और कार्यक्रमों की डिजाइन, कार्यान्वयन और अनुश्रवण करने हेतु विशेषज्ञ और सक्षम मानव संसाधन के विकास में महत्वपूर्ण योगदान कर रहा है। पूर्व डाक्टोरल और डाक्टोरल कार्यक्रमों का महत्व इसमें अंतर्निहित गतिशील और लचीले उपागम के द्वारा है जिसमें यह शिक्षा और सामाजिक विकास के अन्य सहायक क्षेत्रों से जुड़कर नवाचारी बहुशास्त्रीय पाठ्यक्रमों का विस्तार करता है।

संस्थान द्वारा संचालित पूर्व डाक्टोरल और डाक्टोरल कार्यक्रम में शामिल हैंः (i) पूर्णकालिक एकीकृत एम.फिल./पीएच.डी कार्यक्रम (ii) पूर्णकालिक सीधा पी–एच.डी. कार्यक्रम और (iii) अंशकालिक पी–एच.डी. कार्यक्रम। ये कार्यक्रम वर्ष 2007–08 में आरंभ किए गए थे। एम.फिल. और पी–एच.डी. कार्यक्रम विभिन्न पृष्ठभूमि के शोधकर्मियों की शोध क्षमता के निर्माण के लिए डिजाइन किए गए हैं जो शैक्षिक नीति, योजना प्रशासन तथा वित्त के संबंधित क्षेत्रों में व्यापक ज्ञान और कौशल

प्रदान करते हैं। एम.फिल. और पी–एच.डी. कार्यक्रमों के अंतर्गत पूरे किए गए शोध अध्ययनों से अपेक्षा की जाती है कि ये नीति निर्माण, शिक्षा सुधार कार्यक्रमों तथा क्षमता विकास संबंधी गतिविधियों में महत्वपूर्ण योगदान देने के साथ–साथ ज्ञान आधार को समृद्ध करने में भारी योगदान करेंगे। एम.फिल. और पी–एच.डी. कार्यक्रमों के अंतर्गत शोध के व्यापक क्षेत्रों में शामिल हैं– शैक्षिक नीति, शैक्षिक योजना, शैक्षिक प्रशासन, शैक्षिक वित्त, शैक्षिक प्रबंधन, सूचना प्रणाली, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, शिक्षा में समता और समावेशन, शिक्षा में लैंगिक मुद्दे, अल्पसंख्यक शिक्षा, तुलनात्मक शिक्षा और शिक्षा का अंतरराष्ट्रीयकरण।

प्रस्तुत दो वर्षीय एम.फिल. डिग्री कार्यक्रम के अंतर्गत एक वर्ष का पाठ्यक्रम कार्य (16 क्रेडिट) होते हैं। इसके बाद एक छह सप्ताह की अवधि के लिए इंटर्नशिप (4 क्रेडिट) और एक वर्ष शोध प्रबंध (16 क्रेडिट) होते हैं। सभी विद्वान जो सफलतापूर्वक पूर्वक एम.फिल. पाठ्यक्रम पूरा और निर्धारित कार्यक्रम के मानदंडों को पूरा करते हैं। (वर्तमान में एफ.जी.पी.ए. 5 या उससे अधिक 10 बिन्दु) का ग्रेड पाने वाले शोधार्थी पी–एच.डी. कार्यक्रम में प्रवेश और पंजीकरण प्रक्रिया में हिस्सा ले सकते हैं। पी–एच.डी. कार्यक्रम में दाखिला लेने की तिथि के दो वर्ष बाद ही शोधार्थी अपने शोध प्रबंध जमा करा सकते हैं।

पी–एच.डी. में सीधे दाखिला लेने वाले शोधार्थियों को दाखिला की पुष्टि हेतु एक वर्ष का प्रारंभिक पाठ्यक्रम पूरा करना पड़ता है। इसके बाद वे दो वर्ष के शोध कार्य के उपरांत ही वे उपाधि हेतु शोध प्रबंध संस्थान में जमा कर सकते हैं।

अंशकालिक पी–एच.डी. में सीधे दाखिला लेने वाले शोधार्थियों को पी–एच.डी. में दाखिला की पुष्टि से पहले एक वर्ष का प्रारंभिक पाठ्यक्रम पूरा करना पड़ता है। अंशकालिक पी–एच.डी. के शोधार्थी दाखिला की पुष्टि के कम से कम चार वर्ष बाद अपना शोध प्रबंध संस्थान में जमा कर सकते हैं।

विवरण	एम.फिल.	पी–एच.डी. पूर्णकालिक	पी–एच.डी. अंशकालिक	योग
वर्ष 2018–19 में नामांकन	21	10	01	32
वर्ष 2018–19 के दौरान विभिन्न पाठ्यक्रम कर रहे विद्यार्थियों की कुल संख्या	19 (वर्ष 2018–19 में नामांकित विद्यार्थियों सहित)	43 (वर्ष 2007–08 से 2018–19 तक नामांकित विद्यार्थियों सहित)	19 (वर्ष 2007–08 से 2018–19 तक नामांकित विद्यार्थी)	81
वर्ष 2018–19 के दौरान स्नातक विद्यार्थी की कुल संख्या	10	-	03	13

डिप्लोमा कार्यक्रम

पीजी डिप्लोमा कार्यक्रम के छः घटक हैं: (i) पाठ्यक्रम तैयारी कार्य (ii) आमने–सामने पाठ्यक्रम कार्य (iii) परियोजना कार्य (iv) परियोजना कार्य का मूल्यांकन और अंतरिम प्रमाण पत्र विवरण और (v) उन्नत पाठ्यक्रम कार्य और (vi) अंतिम मूल्यांकन और पीजी डिप्लोमा प्रमाण–पत्र वितरण।

शैक्षिक योजना और प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडेपा)

संस्थान शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में डिप्लोमा (डेपा) कार्यक्रम आयोजित कर रहा था। वर्ष 1982–83 के बाद से आरंभ में यह कार्यक्रम विभिन्न राज्यों/संघ क्षेत्रों के जिला शिक्षा अधिकारियों के लिए विशेष रूप से संरचित डिप्लोमा कार्यक्रम रहा है। आरम्भ में यह कार्यक्रम पूर्व–प्रवेश पाठ्यक्रम के रूप में संरचित किया गया था। यद्यपि वर्ष 2014–15 से इस कार्यक्रम में पाठ्यक्रम को संवर्धित करके इसमें परिवर्तन किया गया है और इसके डेपा मूलभूत से पीजीडेपा (पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन एजुकेशनल प्लानिंग एण्ड एडमिनिस्ट्रेशन)– शैक्षिक योजना और प्रशासन में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा) में बदल दिया गया है। प्रतिभागियों के कार्य और भूमिकाओं तथा उनकी संस्थाओं जैसे एससीईआरटी/सीमेट/डाइट/डीईओ/बीईओ और राज्य सरकारों के शिक्षा निदेशालयों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए इस कार्यक्रम को संबर्धित किया गया है।

एक वर्षीय पीजीडेपा कार्यक्रम को मौजूदा डेपा में व्यापक रूपांतरण के बाद निर्मित किया गया है जो एक सघन दीर्घकालिक कार्यक्रम है जो देश में पेशेवर रूप से शैक्षिक प्रशासकों का संवर्ग का विकास सुनिश्चित करेगा। इसके निम्नलिखित उद्देश्य हैं:

(i) शैक्षिक योजना और प्रबंधन की मूलभूत अवधारणाओं से प्रतिभागियों को अवगत कराना।

(ii) शैक्षिक प्रशासन के क्षेत्र में बेहतर निर्णय कार्य के लिए प्रतिभागियों में योजना और प्रबंधन कौशल के विकास हेतु सक्षम बनाना।

(iii) प्रतिभागियों में शैक्षिक कार्यक्रमों और परियोजनाओं के पर्यवेक्षण और मूल्यांकन योग्यता का विकास करना।

तालिका 2.1:

शैक्षिक योजना और प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडेपा) में राज्य/संघ क्षेत्रावार भागीदारी

राज्य/संघ क्षेत्र	चतुर्थ पी.जी.–डेपा (2017–18)	पंचम पी.जी.–डेपा (2018–19)	योग
अरुणाचल प्रदेश	2	-	2
असम	2	3	5
छत्तीसगढ़	1	3	4
गुजरात	3	-	3
हरियाणा	-	3	3
हिमाचल प्रदेश	2	2	4
जम्मू और कश्मीर	1	-	1
कर्नाटक	-	1	1
मध्य प्रदेश	-	1	1
महाराष्ट्र	1	3	4
मणिपुर	4	4	8
मेघालय	2	-	2
मिजोरम	2	2	4
नागालैण्ड	2	1	3
ओडिशा	1	-	1
राजस्थान	2	-	2
त्रिपुरा	-	1	1
सिक्किम	1	-	1
उत्तराखंड	3	3	6
पश्चिम बंगाल	-	1	1
वायुसेना	2	2	4
योग	**31**	**30**	**61**

पीजी डिप्लोमा कार्यक्रम का निरूपण करते समय मूलतः इस बात का ध्यान दिया गया था कि प्रतिभागी को इस पाठ्यक्रम के लिए नीपा में अधिक अवधि के लिए प्रवास न करना पड़े और वह अपने कार्य स्थल पर पाठ्यक्रम का अध्ययन कर सके। यह सुनिश्चित करने के लिए पी.जी. डिप्लोमा कार्यक्रम की इस तरह से योजना बनाई गई है कि आमने–सामने और आवासीय पाठ्यक्रम कार्य हेतु प्रतिभागियों को एक खंड में 3 महीने से अधिक अवधि के लिए प्रवास न करना पड़े। और वे अपने स्वयं के कार्य स्थल पर इस पाठ्यक्रम को सीखते रहें। यह I-VI विभिन्न चरणों के माध्यम से स्नातकोत्तर डिप्लोमा के लिए अग्रणी कार्यक्रम के रूप में परिकल्पित किया गया है। इसमें प्रतिभगियों के कार्यस्थल पर एक प्रारम्भिक चरण, नीपा में आमने–सामने पाठ्यक्रम कार्य, कार्यस्थल पर परियोजना कार्य, मुक्त और दूरवर्ती अधिगम प्रणाली के माध्यम से उन्नत पाठ्यक्रम का संचालन और संगोष्ठी सहित कार्यशाला शामिल है। नीपा में अंतिम मूल्यांकन और पीजीडेपा प्रमाणपत्र हेतु संगोष्ठी–सह–कार्यशाला कार्य का प्रस्तुतिकरण सम्मिलित है।

चौथा पीजीडिप्लोमा कार्यक्रम सितंबर 2017 से जुलाई 2018 के दौरान आयोजित किया गया। जिसमें 15 राज्यों/संघ प्रदेशों के 31 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले भागीदारों की राज्यवार भागीदारी का विवरण तालिका 2.1 में प्रदर्शित है। इस डिप्लोमा कार्यक्रम का संयोजन शैक्षिक प्रशिक्षण और क्षमता विकास विभाग ने किया।

शैक्षिक योजना और प्रशासन में अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा (आईडेपा)

संस्थान 1985 से विकासशील देशों के पेशेवरों के लिए शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में 6 माह का अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम के विद्यार्थी एशिया, अफ्रीका, मध्य एशियाई गणराज्यों, दक्षिण ी अमरीका और कैरिबियाई क्षेत्रों के देशों से आते हें। इस कार्यक्रम के तीन घटक हैं– (i) सघन पाठ्यचर्चा कार्यक्रम; (ii) अनुप्रयुक्त कार्य और (iii) लघु शोध प्रबंधन। आईडेपा की अवधि छः माह है और यह दो चरणों में पूरा किया जाता है। पहले चरण में तीन माह का सघन पाठ्यचर्या है जो संस्थान, नई दिल्ली में आयोजित किया जाता है। यह चरण आवासीय है और प्रतिभागियों से अपेक्षा की जाती है कि वे इस चरण के दौरान परिसर

में निवास करें। दूसरे चरण में प्रतिभागी को स्वदेश में संस्थान के संकाय सदस्य के मार्गदर्शन में क्षेत्र आधारित शोध परियोजना अध्ययन करना होता है।

आईडेपा कार्यक्रम में सिद्धान्त और व्यवहार के बीच संतुलन बनाने की कोशिश के साथ गहन पाठ्यचर्या शामिल है। एजेंडा के व्यापक रूप में व्याख्यान और समूह कार्य, व्यावहारिक अभ्यास, शैक्षिक और सांस्कृतिक क्षेत्र के दौरे और शैक्षिक विकास नीति, नियोजन, प्रबंधन, प्रशासन, पर्यवेक्षण और नेतृत्व के एक चुने हुए पहलू पर एक शोध परियोजना शामिल है जिसमें क्षेत्र को अपनाना शामिल है। और अंतर–अनुशासनिक दृष्टिकोण सिद्धान्त और व्यवहार को जोड़ने के लिए लागू किए गए काम में (i) देश और विषयगत संगोष्ठी पेपर प्रस्तुतियाँ (ii) क्षेत्रों का दौरा कार्यक्रम शामिल है, जिसमें भारत में विभिन्न नवाचारों की योजना बनाई गई हैं और उनका प्रबंधन किया जा रहा है और (iii) रिसर्च डिजाइन के लिए कार्य करना एक क्षेत्र अनुसंधान परियोजना।

कार्यक्रम का दूसरा चरण प्रतिभागी के स्वदेश में आयोजित होता है। इसमें प्रत्येक प्रतिभागी को प्रथम चरण के दौरान निर्धारित क्षेत्र कार्य आधारित शोध परियोजना पर कार्य करना पड़ता है। शोध परियोजना कार्य (तीन माह की अवधि) पूरा करने के बाद प्रतिभागी को अपना लघुशोध प्रबंध विश्वविद्यालय को प्रस्तुत करना पड़ता है। लघु शोध प्रबंध की प्राप्ति और तदुपरांत संस्थान के संकाय द्वारा उसके मूल्यांकन के बाद प्रतिभागी को डिप्लोमा की उपाधि प्रदान की जाती है।

वर्ष 2017–18 के दौरान विश्वविद्यालय ने 33वें अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा का दूसरा चरण पूरा किया जिसका प्रथम चरण 1 फरवरी से 30 अप्रैल 2017 को आयोजित किया गया था। उसमें 20 देशों के 26 प्रतिभागी शामिल हुए। 33वें अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम का दूसरा चरण 1 मई से 31 जुलाई 2017 के दौरान आयोजित किया गया।

बाद में 34वें अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम का प्रथम चरण 1 फरवरी 2018 को शुरु हुआ और कार्यक्रम के प्रथम घटक/चरण में शिक्षण–अधिगम गतिविधियां 30 अप्रैल 2018 तक पूर्ण कर ली गईं। 34वें अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम में 12 देशों से कुल 27 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसका दूसरा चरण 1 मई से 31 जुलाई 2018 के दौरान प्रतिभागियों के स्वदेश में नियत किया गया जो परियोजना कार्य पर आधारित था।

अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम का संयोजन शैक्षिक प्रशिक्षण और क्षमता विकास विभाग द्वारा आयोजित और समन्वित किया जाता है। शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रमों की देशवार भागीदारी का विवरण तालिका 2.2 में प्रदर्शित है।

तालिका 2.2

शैक्षिक योजना और प्रशासन में अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा (आईडेपा) कार्यक्रमों में देशवार भागीदारी

34वां आईडेपा 2018		
क्र. सं.	देश का नाम	भागीदारों की संख्या
1.	अफगानिस्तान	3
2.	भूटान	4
3.	इथोपिया	3
4.	जमैका	1
5.	किरीबती	1
6.	लाओस	1
7.	लाईबेरिया	3
8.	मॉरीशस	2
9.	नाइजीरिया	1
10.	श्रीलंका	2
11.	तंजानिया	4
12.	ट्यूनिशिया	2
योग		**27**

35वां आईडेपा 2019		
क्र. सं.	देश का नाम	भागीदारों की संख्या
1.	भूटान	2
2.	बोत्सवाना	4
3.	कम्बोडिया	1
4.	केमेरून	1
5.	चिली	1
6.	इथोपिया	1
7.	आइवरी कोस्ट	1
8.	केन्या	1
9.	लेबनॉन	1
10.	मेडागास्कर	2
11.	मालावी	1
12.	माली	1
13.	मॉरीशस	2
14.	नामीबिया	1
15.	नेपाल	1
16.	नाइजीरिया	1
17.	फिलिस्तीन	1
18.	पेरू	1
19.	फिलीपीन्स	1
20.	दक्षिण सूडान	1
21.	तंजानिया	2
22.	यूगांडा	1
23.	जाम्बिया	2
	योग	**31**

तालिका 2.3

सभी कार्यक्रमों में देशवार भागीदारी 2018–19

क्र. सं.	देश का नाम	भागीदारों की संख्या
1.	अफगानिस्तान	10
2.	बांगलादेश	2
3.	भूटान	8
4.	बोत्सवाना	4
5.	कम्बोडिया	1
6.	कैमेरून	1
7.	चिली	1
8.	इथोपिया	2
9.	घाना	1
10.	आइवरी कोस्ट	1
11.	केन्या	1
12.	लेबनॉन	1
13.	मेडागास्कर	3
14.	मालावी	2
15.	माली	1
16.	मॉरीशस	4
17.	म्यांमार	20
18.	नामीबिया	1
19.	नेपाल	1
20.	नाइजर	1
21.	नाइजीरिया	1
22.	फिलिस्तीन	2
23.	पेरू	1
24.	फिलीपीन्स	3
25.	सोमालिया	1
26.	दक्षिण सूडान	1
27.	श्रीलंका	6
28.	सेंट किट्स एंड नेविस	1
29.	सेंट लुसिया	2
30.	तंजानिया	3
31.	थाइलैंड	2
32.	यूगांडा	1
33.	यूनाइटेड किंगडम	4
34.	जाम्बिया	2
35.	विश्व बैंक	2
	योग	**98**

तालिका 2.4

व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों में राज्य/संघ शासित क्षेत्रवार भागीदारी 2018–19

क्र. सं.	राज्य/संघ क्षेत्र	भागीदारों की संख्या
1.	आंध्र प्रदेश	208
2.	अरुणाचल प्रदेश	45
3.	असम	137
4.	बिहार	198
5.	छत्तीसगढ़	71
6.	गोवा	22
7.	गुजरात	190
8.	हरियाणा	332
9.	हिमाचल प्रदेश	206
10.	जम्मू और कश्मीर	57
11.	झारखण्ड	43
12.	कर्नाटक	326
13.	केरल	36
14.	मध्य प्रदेश	275
15.	महाराष्ट्र	412
16.	मणिपुर	45
17.	मेघालय	25
18.	मिजोरम	28
19.	नागालैण्ड	32
20.	ओडिशा	138
21.	पंजाब	223
22.	राजस्थान	330
23.	सिक्किम	27
24.	तेलगांना	46
25.	तमिलनाडु	121
26.	त्रिपुरा	22
27.	उत्तराखंड	59
28.	उत्तर प्रदेश	275
29.	पश्चिम बंगाल	28
30.	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	2
31.	चंडीगढ़	14
32.	दादरा और नगर हवेली	4
33.	दमन और दीव	2
34.	दिल्ली	267
35.	लक्षद्वीप	1
36.	पुडुचेरी	5
	योग	**4252**

व्यावसायिक विकास कार्यक्रम

शैक्षिक योजना और प्रशासन में सुधार हेतु सांस्थानिक क्षमता निर्माण के लिए विभिन्न वर्गों के शिक्षा कर्मियों के लिए व्यावसायिक विकास कार्यक्रम विश्वविद्यालय के प्रमुख कार्यकलाप के रूप में सतत जारी है। वर्ष 2018–19 के दौरान संस्थान ने शिक्षा के विभिन्न विकास क्षेत्रों से संबंधित मुद्दों और शिक्षा नीति योजना, प्रशासन के विविध पक्षों से जुड़े 111 अभिविन्यास/प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशालाएं, संगोष्ठियां, सम्मेलन और बैठकें आयोजित कीं। इन कार्यक्रमों के विषय थे : स्कूलों की योजना और प्रबंधन, उच्च शिक्षा की योजना और प्रबंधन, माध्यमिक स्तर पर स्कूल प्रावधानों का आकलन, शैक्षिक वित्त की योजना और प्रबंधन, और स्कूल नेतृत्व आदि। इन कार्यक्रमों के प्रतिभागी थे जिला और राज्य स्तर के शिक्षाकर्मी, शिक्षा निदेशक और राज्य स्तर के अन्य अधिकारी, केंद्र, राज्य और जिला स्तर के शैक्षिक संस्थानों के प्रमुख, विश्वविद्यालयों के कुलपति, कुलसचिव और अन्य प्राधिकारी, कॉलेज प्राचार्य और कॉलेजों तथा उच्च शिक्षा के वरिष्ठ प्रशासक, विश्वविद्यालय तथा समाजविज्ञान शोध संस्थानों के नवनियुक्त प्राध्यापक आदि। ये कार्यक्रम संस्थान के विभिन्न विभागों द्वारा आयोजित किए जाते हैं। वर्ष 2018–19 के दौरान संस्थान के विभिन्न विभागों द्वारा निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रम, संगोष्ठियां, सम्मेलन और बैठकें आयोजित की गईं :

शैक्षिक योजना विभाग

- स्कूल शिक्षा के लिए योजना पर उन्मुखीकरण कार्यक्रम, 9–13 अप्रैल, 2018, शिलांग, मेघालय।
- जिला स्तर पर माध्यमिक शिक्षा के लिए क्रिया अनुसंधान और मॉडल से सीखे गए पाठों पर राष्ट्रीय स्तर की साझा कार्यशाला, 4–6 जून, 2018, नीपा, नई दिल्ली।
- नियोजन और निगरानी– स्कूल शिक्षा परिणामों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, 30 जुलाई से 3 अगस्त, 2018, नीपा, नई दिल्ली।

- पूर्वोत्तर राज्यों के अलावा सभी राज्यों के एससीईआरटी के संकाय के लिए योजना और रूपरेखा अनुसंधान परियोजनाओं पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, 27–31 अगस्त, 2018, नीपा, नई दिल्ली।
- पूर्वोत्तर राज्यों के एससीईआरटी के संकाय के लिए योजना और रूपरेखा अनुसंधान परियोजनाओं पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, 10–14 सितंबर, 2018, गुवाहाटी, असम।

शैक्षिक प्रशासन विभाग

- राज्य और जिला स्तर की महिला प्रशासकों के लिए शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधन पर अभिविन्यास कार्यक्रम, नीपा, नई दिल्ली, 25–29 जून, 2018।
- जिला शिक्षा अधिकारियों के लिए शैक्षिक शासन में नेतृत्व पर अभिविन्यास कार्यक्रम, नीपा, नई दिल्ली, 9–13 जुलाई, 2018।
- तृतीय अखिल भारतीय शैक्षिक प्रशासन सर्वेक्षण पर उन्मुखीकरण कार्यशाला, नीपा, नई दिल्ली, 12–13 अप्रैल, 2018।

- उच्च शिक्षा में कौशल के प्रबंधन पर अभिविन्यास कार्यक्रम, 3–7 दिसम्बर, 2018, नीपा, नई दिल्ली।
- शैक्षिक प्रशासन और पुरस्कारों की प्रस्तुति पर राष्ट्रीय सम्मेलन, 3–4 जनवरी, 2019, नीपा, नई दिल्ली।
- विश्वविद्यालय और कॉलेज में शैक्षणिक प्रशासकों के लिए शैक्षिक प्रशासन में नेतृत्व पर कार्यशाला–सह–अभिविन्यास कार्यक्रम, 14–16 जनवरी, 2019, नीपा, नई दिल्ली।
- उच्च शिक्षा के संस्थागत शासन में नवाचारों और अच्छे आचरण पर कार्यशाला, 28 फरवरी से 2 मार्च, 2019, नीपा, नई दिल्ली।

शैक्षिक वित्त विभाग

- विश्वविद्यालयों की वित्तीय योजना और प्रबंधन पर अभिविन्यास कार्यक्रम, 3–7 दिसम्बर, 2018, नीपा, नई दिल्ली।
- शिक्षा वित्त पोषण में स्थानांतरण प्रतिमानों पर राष्ट्रीय संगोष्ठीः गुणवत्ता, समानता और रोजगार की चिन्ता, 13–14 दिसम्बर, 2018, नीपा, नई दिल्ली।

- विश्वविद्यालय प्रशासकों के लिए उच्च शिक्षा में नेतृत्व विकास पर कार्यशाला, नई दिल्ली, 07–09 जनवरी, 2019।

शैक्षिक नीति विभाग

- सी.डब्ल्यू.एस.एन. पर ध्यान केन्द्रित के साथ समावेशी शिक्षा की नीति और योजना पर राष्ट्रीय कार्यशाला, 2–6 जुलाई, 2018, नीपा, नई दिल्ली।
- उत्तर पूर्वी राज्यों में प्राथमिक शिक्षा के प्रबंधन में संविधान की छठी अनुसूची के तहत स्थानीय प्राधिकरण और स्वायत्त जिला परिषदों के कामकाज पर अभिविन्यास कार्यशाला, 10–14 सितम्बर, 2018, इम्फाल, मणिपुर।
- शिक्षा में गुणात्मक अनुसंधान विधियों पर राष्ट्रीय कार्यशाला, 17–28 दिसम्बर, 2018 नीपा, नई दिल्ली।

विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग

- भारत में प्राथमिक विद्यालयों में बच्चों की भागीदारी में सुधार पर कार्यशाला, 29–31 अक्टूबर, 2018, नीपा, नई दिल्ली।
- भारत में शैक्षिक रूप से पिछड़े ब्लॉक में प्राथमिक विद्यालयों में बच्चों की पहुँच और भागीदारी, नीपा, नई दिल्ली, 26–30 नवम्बर, 2018।
- भारत में प्रारम्भिक बचपन देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) के शासन और प्रबंधन पर राष्ट्रीय कार्यशाला, नीपा, नई दिल्ली, 7–11 मार्च, 2019

- शिक्षक शिक्षा हस्तपुस्तिका (शासन, विनिमय और गुणवत्ता आश्वासन) लेखक की कार्यशाला–1, नीपा, नई दिल्ली, 27 मार्च, 2019

उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग

- उच्च शिक्षा में भर्ती और शिक्षकों की कमी पर कार्यशाला, 20–21 नवम्बर, 2018, नीपा, नई दिल्ली
- उच्च शिक्षा में नेतृत्व पर राष्ट्रीय कार्यशाला, नीपा, नई दिल्ली, 07–11 जनवरी, 2019
- उच्च शिक्षा में संकाय भर्ती और विकास पर राष्ट्रीय कार्यशाला, 14–16 जनवरी, 2019, नीपा, नई दिल्ली।
- उच्च शिक्षा में अनुसंधान, नवाचार और प्रौद्योगिकी पर राष्ट्रीय कार्यशाला, 28 जनवरी से 01 फरवरी, 2019, नीपा, नई दिल्ली।
- शैक्षणिक नेतृत्व विकास कार्यक्रम (लीप के तहत) 3–19 फरवरी, 2019।

- विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के लिए उच्च शिक्षा में नेतृत्व कार्यक्रम, 24–25 जनवरी, 2019, नई दिल्ली।
- जीआईएएन, नई दिल्ली का तीसरा पक्ष मूल्यांकन, 5–6 फरवरी, 2019, नीपा, नई दिल्ली

शैक्षिक प्रबंधन सूचना प्रणाली विभाग

- स्कूल शिक्षा की योजना और निगरानी में संकेतक का उपयोग करने पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, 08–10 अगस्त, 2018, पंचकुला, हरियाणा।
- प्रशिक्षण कार्यक्रम में संकेतक का उपयोग करना और स्कूल शिक्षा की निगरानी, 03–05 अक्टूबर, 2018, कवरत्ती, लक्षद्वीप।
- प्राथमिक/माध्यमिक/स्कूल शिक्षा के नियोजन के लिए शैक्षिक विकास के संकेतक पर कार्यशाला/प्रशिक्षण कार्यक्रम, हैदराबाद, 17–19 सितम्बर, 2018।
- स्कूल शिक्षा की योजना में संकेतक का उपयोग करने पर प्रशिक्षण कार्यक्रम 10–12 दिसम्बर, 2018 पुदुचेरी
- स्कूल शिक्षा की योजना और निगरानी में संकेतक का उपयोग करने पर प्रशिक्षण कार्यक्रम 11–15 मार्च, 2019, नीपा, नई दिल्ली।

शैक्षिक प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण विभाग

- शैक्षिक योजना और प्रशासन में 34वां अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा (आईडेपा) का प्रथम चरण, नीपा, नई दिल्ली, 2 फरवरी, से 30 अप्रैल, 2018।
- म्यांमार के शैक्षिक प्रशासकों के लिए योजना और शिक्षा के प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, नीपा, नई दिल्ली, 01–30 अप्रैल, 2018।
- शैक्षिक योजना और प्रशासन में चतुर्थ स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडेपा) चरण IV & V, (9–20 अप्रैल, 2018)।
- शैक्षिक योजना और प्रशासन में चतुर्थ स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडेपा) चरण IV, 25–29 जून, 2018, नीपा, नई दिल्ली।

- शैक्षिक प्रशासकों के लिए अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम, 18 जुलाई से 12 अगस्त 2018, नीपा, नई दिल्ली
- मुस्लिम अल्पसंख्यक प्रबंधित वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों के प्रमुखों के लिए संस्थागत नियोजन पर ग्यारहवां वार्षिक अभिविन्यास कार्यक्रम, 27–31 अक्टूबर, 2018, नीपा, नई दिल्ली।
- उच्च शिक्षा के अल्पसंख्यक प्रबंधन संस्थानों के लिए 10वीं वार्षिक अभिविन्यास कार्यक्रम, 2–6 जुलाई, 2018, एम.ए.एन.यू., हैदराबाद।
- शैक्षिक योजना और प्रशासन में पांचवां स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडेपा) चरण II, 1 सितम्बर से 30 नवम्बर, 2018, नीपा, नई दिल्ली।
- आश्रम स्कूलों के प्रमुखों के लिए स्कूल सुधार योजना पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, एलुरु, आन्ध्र प्रदेश, 23–27 जनवरी, 2019।
- आश्रम स्कूलों के प्रमुखों के लिए स्कूल विकास योजना पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, एलुरु, आन्ध्र प्रदेश, 07–11 मार्च, 2019।

राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केंद्र

एस.एस.ए. और आर.एम.एस.ए. के तहत ए.डब्ल्यू.पी.बी. बैठकें और कार्यशालाएं (राष्ट्रीय स्तर)

- 27 फरवरी, 2019 को एक दिवसीय राष्ट्रीय सलाहकार समिति की बैठक।
- स्कूल प्रमुखों के संदर्भ–विशिष्ट चुनौतियों के लिए नेतृत्व मॉडल विकसित करने की कार्यशाला, नीपा, नई दिल्ली, 23–25 जुलाई, 2018।
- स्कूल लीडरशिप डेवलपमेंट (बैच–1) पर जिला और ब्लॉक स्तर के कार्यकर्ताओं की क्षमता निर्माण, नीपा, नई दिल्ली, 17–22 सितम्बर, 2018।
- स्कूल लीडरशिप डेवलपमेंट (बैच–2) पर जिला और ब्लॉक स्तर के कार्यकर्ताओं की क्षमता निर्माण, नीपा, नई दिल्ली, 08–13 अक्टूबर, 2018।

राज्य संसाधन समूह (राज्य स्तर) का क्षमता निर्माण कार्यक्रम

- प्रणालीगत प्रशासकों के लिए स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन पर ऑनलाइन कार्यक्रम का विकास।
- स्कूल नेतृत्व (शहरी वंचित) के लिए संदर्भ–विशिष्ट चुनौतियों पर सामग्री विकास (राज्य स्तर) 26–28 सितम्बर, 2018।
- स्कूल नेतृत्व (बाढ़ प्रवण) के लिए संदर्भ–विशिष्ट चुनौतियों पर सामग्री विकास (राज्य स्तर) 2–7 दिसम्बर, 2018।
- स्कूल नेतृत्व (छोटे स्कूलों) के लिए संदर्भ–विशिष्ट चुनौतियों पर सामग्री विकास (राज्य स्तर) 4–15 अक्टूबर, 2018।
- क्षेत्रीय भाषाओं पर ऑनलाइन कार्यक्रम, अनुकूलन और अनुवाद पर कार्यशाला, नीपा, नई दिल्ली, 14–16 नवम्बर, 2018।
- स्कूल नेतृत्व (ग्रामीण वंचित), के लिए संदर्भ–विशिष्ट चुनौतियों पर सामग्री विकास (राज्य स्तर) 7–12 जनवरी, 2019।

- स्कूल प्रबंधन और सुधार के लिए नेतृत्व हेतु राष्ट्रीय सम्मेलन, नई दिल्ली, 22–24 जनवरी, 2019।

एक माह के सर्टिफिकेट कोर्स के माध्यम से 16 राज्यों में स्कूल प्रमुखों की क्षमता निर्माण

- एक माह सर्टिफिकेट कोर्स (बैच 1), स्कूल नेतृत्व अकादमी के संसाधन व्यक्तियों/संकाय की क्षमता निर्माण, नीपा, नई दिल्ली, 17–22 दिसम्बर, 2018।
- एक माह का सर्टिफिकेट कोर्स (बैच 2), स्कूल नेतृत्व अकादमी के संसाधन व्यक्तियों/संकाय की क्षमता निर्माण, नीपा, नई दिल्ली, 4–8 फरवरी, 2019।
- एक माह का सर्टिफिकेट कोर्स (बैच 3), स्कूल नेतृत्व अकादमी के संसाधन व्यक्तियों/संकाय की क्षमता निर्माण, नीपा, नई दिल्ली, 11–16 मार्च, 2019
- एक माह का सर्टिफिकेट कोर्स (बैच 4), स्कूल नेतृत्व अकादमी के संसाधन व्यक्तियों/संकाय की क्षमता निर्माण, नीपा, नई दिल्ली, 25–29 मार्च, 2019
- एससीईआरटी, त्रिपुरा में स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन पर एक महीने का सर्टिफिकेट कोर्स, 22 मई से 20 जून, 2018 तक।
- मणिपुर में स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन पर एक महीने का सर्टिफिकेट कोर्स, 6 जून से 6 जुलाई, 2018 तक।
- एससीईआरटी, हरियाणा में स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन पर एक महीने का सर्टिफिकेट कोर्स, चरण–1: 10–22 दिसम्बर, 2018, चरण–2: 02–11 जनवरी, 2019 तक।
- एससीईआरटी, राजस्थान राज्य में स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन पर एक महीने का सर्टिफिकेट कोर्स, चरण–1: 27 दिसम्बर, 2018 से 11 जनवरी, 2019 और चरण–2: मार्च 2019 का प्रथम सप्ताह।
- उत्तराखण्ड में स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन पर एक महीने का सर्टिफिकेट कोर्स, 31 दिसम्बर, 2018 से 31 जनवरी, 2019 तक।
- एससीईआरटी, गंगटोक, सिक्किम राज्य में स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन पर एक महीने का सर्टिफिकेट कोर्स, 30 जनवरी, 2019।

स्कूल नेतृत्व विकास पर ऑनलाइन कार्यक्रम के लिए अभिविन्यास

- गुड़गाँव, हरियाणा में हिन्दी में स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन पर ऑनलाइन कार्यक्रम के लिए अभिविन्यास, 3 अक्टूबर, 2018
- भोपाल, मध्य प्रदेश में हिन्दी में स्कूल में नेतृत्व और प्रबंधन पर ऑनलाइन कार्यक्रम के लिए अभिविन्यास, 9 अक्टूबर, 2018
- रायपुर, छत्तीसगढ़ में हिन्दी में स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन पर ऑनलाइन कार्यक्रम के लिए अभिविन्यास, 11 अक्टूबर, 2018।
- पटना, बिहार में हिन्दी में स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन पर ऑनलाइन कार्यक्रम के लिए अभिविन्यास, 26 अक्टूबर, 2018।

अन्य कार्यक्रम (शिक्षक और प्रशिक्षण पर पंडित मदन मोहन मालवीय योजना के अंतर्गत)

- स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन पर ऑनलाइन कार्यक्रम के लिए अनुवाद कार्यशाला (हिन्दी) में 10–14 जुलाई, 2018
- एनसीएसएल पोर्टल के लिए क्षेत्रीय भाषाओं में ऑनलाइन सामग्री और संसाधनः तमिल भाषा (तमिलनाडु) – 10–14 सितम्बर, 2018, तेलुगु भाषा (आन्ध्र प्रदेश) 24–28 सितम्बर, 2018
- मराठी भाषा (महाराष्ट्र) 1–5 अक्टूबर, 2018, ओडिया भाषा (ओडिशा) 8–12 अक्टूबर, 2018 और असमिया भाषा (असम) 18–22 फरवरी, 2019

उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केंद्र

- आईएचआर 2019, भारत में उच्च शिक्षा के अभिशासन और प्रबंधन पर प्रथम सहकर्मी बैठक, 4 मई, 2018, नीपा, नई दिल्ली।
- भारत में सार्वजनिक उच्च शिक्षा संस्थानों के वित्तपोषण पर विशेषज्ञ समिति की बैठक, 26 जून, 2018, नीपा, नई दिल्ली।
- भारतीय उच्च शिक्षा में शिक्षण और अधिगम पर अनुसंधान परियोजना पर तीसरी विशेषज्ञ समिति की बैठक, 12 सितंबर, 2018, नीपा, नई दिल्ली।
- भारत में उच्च शिक्षा के प्रशासन और प्रबंधन पर अनुसंधान पर तीसरी विशेषज्ञ समिति की बैठक, 26 जुलाई, 2018, नीपा, नई दिल्ली।
- आईएचआर 2019, भारत में उच्च शिक्षा के अभिशासन और प्रबंधन पर द्वितीय सहकर्मी समिति की बैठक, 27 सितम्बर, 2018, नीपा, नई दिल्ली।
- राज्य उच्च शिक्षा परिषद की परामर्शी बैठक, 25–26 फरवरी, 2019, नीपा, नई दिल्ली।
- रोजगार और उच्च शिक्षा स्नातक की रोजगारशीलता पर अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, 19–20 फरवरी, 2019, नीपा, नई दिल्ली।

स्कूल मानक एवं मूल्यांकन एकक

- बाह्य स्कूल मूल्यांकनः स्कूल सुधार के लिए दिशानिर्देश और कार्रवाई पर विशेषज्ञ समूह कार्यशाला–I, 10–11 सितम्बर, 2018, नीपा, नई दिल्ली।
- बाह्य स्कूल मूल्यांकनः स्कूल सुधार के लिए दिशानिर्देश और कार्रवाई पर विशेषज्ञ समूह कार्यशाला–II, 24–25 सितम्बर, 2018, नीपा, नई दिल्ली।
- गुवाहाटी, असम में भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र (शाला सिद्धी) के लिए कार्यशाला, 10–11 दिसम्बर, 2018।
- बाह्य स्कूल मूल्यांकन पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम – एससीईआरटी, दिल्ली, शाला सिद्धी 26 अप्रैल, 2018 और 23–24 मई, 2018।
- क्षमता निर्माण कार्यशाला, शाला सिद्धिः अरूणाचल प्रदेश में जिला संसाधन समूह का प्रशिक्षण 23–24 अगस्त, 2018।
- गुजरात में शाला सिद्धिः स्कूल बाह्य मूल्यांकन पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 30–31 अगस्त, 2018।
- कर्नाटक में शाला सिद्धिः स्कूल बाह्य मूल्यांकन पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 07 सितम्बर, 2018।

- उत्तर प्रदेश में शाला सिद्धि पर बाह्य स्कूल मूल्यांकन पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 08–09 अक्टूबर, 2018।
- पश्चिम बंगाल में कोर ग्रुप की बैठक और शाला सिद्धि पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 10–11 अक्टूबर, 2018।
- पुडुचेरी में शाला सिद्धि पर बाह्य स्कूल मूल्यांकन पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 30–31 अक्टूबर, 2018।
- तेलंगाना में शाला सिद्धि पर बाह्य स्कूल मूल्यांकन पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 15–16 नवम्बर, 2018।
- मध्य प्रदेश में राज्य संगोष्ठी, 28 सितम्बर, 2018।
- छत्तीसगढ़ में राज्य संगोष्ठी, 21–23 जनवरी, 2019।
- बिहार में शाला सिद्धि पर बाह्य स्कूल मूल्यांकन पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 22–23 जनवरी, 2019।
- उत्तराखण्ड में शाला सिद्धि पर बाह्य स्कूल मूल्यांकन पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 22–23 जनवरी, 2019।
- शाला सिद्धि–1 नई दिल्ली, 14–15 फरवरी, 2019 को राष्ट्रीय परामर्शी बैठक।

सूचान प्रौद्योगिकी सेवाएं

- मूडल मूक प्लेटफॉर्म का उपयोग करके प्रौद्योगिकी अधिगम पर व्यावसायिक विकास कार्यक्रम, 09–13 जुलाई, 2018, नीपा, नई दिल्ली
- मूडल मूक प्लेटफार्म और मुक्त शिक्षा संसाधन के साथ शिक्षण अधिगम और मूल्यांकन ऑनलाइन पर कार्यशाला, 06–10 अगस्त, 2018, नीपा, नई दिल्ली
- शैक्षणिक अनुसंधान और पुस्तकालयों में आईसीटी के अनुप्रयोग पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, 28 जनवरी से 02 फरवरी, 2019, नीपा, नई दिल्ली।

राष्ट्रीय शिक्षा संसाधन केन्द्र

- उच्च शिक्षा में शिक्षकों के लिए विषयवार संसाधनों की पहचान पर कार्यशाला, 24 मई, 2018, नीपा, नई दिल्ली।
- उच्च शिक्षा में शिक्षकों के लिए विषयवार संसाधनों की पहचान पर कार्यशाला, 06–08 जून, 2018, नीपा, नई दिल्ली।
- उच्च शिक्षा में शिक्षकों के लिए अनुसंधान पद्धति संसाधनों की पहचान पर कार्यशाला, 11–13 जून, 2018, नीपा, नई दिल्ली।
- उच्च शिक्षा में शिक्षकों के लिए शिक्षण अधिगम संसाधनों की पहचान पर कार्यशाला, 18–20 जून, 2018, नीपा, नई दिल्ली।
- छात्रों की संतुष्टि सर्वेक्षण प्रश्नावली कार्यशाला–1, (पूर्व मार्गदर्शन अध्ययन), 16–20 जुलाई, 2018, नीपा, नई दिल्ली।
- उच्च शिक्षा में शिक्षकों के लिए जीवन विज्ञान संसाधनों पर द्वितीय चरण कार्यशाला, नीपा, नई दिल्ली, 06–07 दिसम्बर, 2018।
- छात्रों की संतुष्टि सर्वेक्षण प्रश्नावली कार्यशाला, (उत्तरार्द्ध मार्गदर्शन अध्ययन), 10–11 दिसम्बर, 2018, नीपा, नई दिल्ली।

वर्ष 2018–19 के दौरान, डिप्लोमा कार्यक्रमों के अलावा, नीपा ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर 109 अभिविन्यास/प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशालाएं, संगोष्ठी, सम्मेलन और बैठकें आयोजित की।

कुल 4,350 प्रतिभागियों में से 4,252 (तालिका 2.4) भारतीय प्रतिभागी थे। तथा शेष 98 प्रतिभागी अन्य देशों और अंतर्राष्ट्रीय अभिकरणों से थे (तालिका 2.3)।

संस्थान के स्थापना दिवस

संस्थान प्रतिवर्ष 11 अगस्त को अपना स्थापना दिवस मनाता है। प्रथम स्थापना दिवस व्याख्यान 2007 में प्रो. प्रभात पटनायक, उपाध्यक्ष, केरल राज्य योजना बोर्ड, 'आल्टरनेटिव पर्सपेक्टिव्स ऑन हायर एजुकेशन इन द कांटेक्स्ट ऑफ ग्लोबलाइजेशन' पर दिया गया। दूसरा व्याख्यान 2008 में 'डिजाईनिंग आर्किटेक्चर फार लाईफ साइकिल अप्रोच' पर प्रो. एम.एस. स्वामीनाथन, संसद सदस्य (राज्य सभा), यूनेस्को इकोटेक्नोलॉजी पीठ, एम.एस. स्वामीनाथन रिसर्च फाउन्डेशन ने दिया, तीसरा व्याख्यान 2009 में प्रो. आंदेबेतिल, राष्ट्रीय अनुसंधान प्रोफेसर तथा प्रोफेसर ऐमिरेटस, समाजशास्त्र, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 'यूनिवर्सीटीज़ इन द ट्वेन्टी फर्स्ट सेंचुरी' विषय पर दिया। 2010 में चौथा व्याख्यान प्रो. मृणाल मिरी, अध्यक्ष, सेंटर फार द स्टडी आफ डवलपिंग सोसायटीज़ ने 'एजुकेशन, ऑटोनॉमी एंड अकाउन्टेबिलिटी' विषय पर दिया। सातवां स्थापना दिवस व्याख्यान प्रो. कृष्ण कुमार, प्रोफेसर, शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 'एजुकेशन एंड मोर्डनटी इन रूरल इंडिया' विषय पर दिया। आठवां स्थापना दिवस व्याख्यान अगस्त 2014 में इमेजिंग नॉलेजः ड्रीमिंग डेमोक्रेसी' पर प्रो. शिव विश्वनाथन, प्रोफेसर, स्कूल आफ गवर्नमेन्ट एंड पब्लिक पॉलिसी, ओ.पी. जिंदल ग्लोबल यूनीवर्सीटी ने दिया। नौवां स्थापना दिवस व्याख्यान अगस्त 2015 में एजुकेशन एज एन इन्स्ट्रयूमेन्ट द रोल आफ सोशल ट्रांसफारमेशनः द रोल आफ मदरटंग विषय पर टी.के. ओमेन प्रो. एमिरेटस, जेएनयू नई दिल्ली दिया। दसवां स्थापना दिवस व्याख्यान अगस्त 2016 में टी.एन. मदान, माननीय प्रो. इंस्टीट्यूट ऑफ इकानॉमिक ग्रोथ, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली ने ''एम.आई.एन. एजूकेटेड पर्सन? रिफ्लेक्टिंग ऑन बिकमिंग एंड बीईंग'' पर दिया। 11वां स्थापना दिवस व्याख्यान अगस्त 2017 में प्रो. कुलदीप माथुर द्वारा भूतपूर्व निदेशक, नीपा तथा प्रोफेसर विधि और अभिशासन, जे.एन.यू., नई दिल्ली द्वरा 'चेंजिंग पर्सपैक्टिव्सः नियो लिबरल पॉलिसी रिफॉर्म्स एंड एजुकेशन इन इंडिया'' विषय पर दिया गया। 2018 में बारहवां स्थापना दिवस व्याख्यान जो कि समीक्षाधीन अवधि के दौरान था, प्रो. मनोरंजन मोहंती, राजनीति विज्ञान, दिल्ली विश्वविद्यालय (सेवानिवृत्त), माननीय प्रोफेसर, सामाजिक विज्ञान परिषद, नई दिल्ली द्वारा ''द पूअर बी.ए. स्टूडेन्टः क्राईसिस ऑफ अन्डरग्रेजुएट एजुकेशन इन इंडिया'' विषय पर दिया गया।

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस

वर्ष के प्रत्येक 11 नवंबर को मौलाना अबुल कलाम आज़ाद की वर्षगांठ पर राष्ट्रीय शिक्षा दिवस का आयोजन किया जाता है। मौलाना अबुल कलाम आज़ाद 15 अगस्त 1947 से 2 फरवरी 1958 तक भारत के केन्द्रीय शिक्षा मंत्री रहे थे। इस पावन अवसर पर नीपा प्रत्येक वर्ष मौलाना अबुल कलाम आज़ाद स्मृति व्याख्यान का आयोजन करता है। इस स्मृति श्रृंखला में प्रतिष्ठित शिक्षाविद् जैसे प्रोफेसर के.एन. पाणिकर, मुशीरूल हसन, अमिया बागची, पीटर डीसुजा, जोया हसन, कपिला वात्सायन, अपर्णा बासु और फुरकान कमर ने व्याख्यान दिया।

नौवां मौलाना आज़ाद व्याख्यान दिनांक 9 नवंबर 2018 को भारतीय पुनर्वास केन्द्र में प्रो. फैजान मुस्तफा, कुलपति, एन.एल.एस.ए.आर. विधि विश्वविद्यालय, हैदराबाद द्वारा दिया गया। व्याख्यान का विषय था ''डाइवरसीटी मैनेजमेंट अंडर इंडियन कंस्टीट्यूशन''। इस व्याख्यान की अध्यक्षता प्रो. नागेश्वर राव, कुलपति, इंदिरा गाँधी मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा की गई। इस समारोह में नीपा के छात्र, संकाय सदस्य तथा आमंत्रित अतिथियों के अलावा दिल्ली के अन्य संस्थानों के शिक्षाविद् और छात्रों ने भाग लिया।

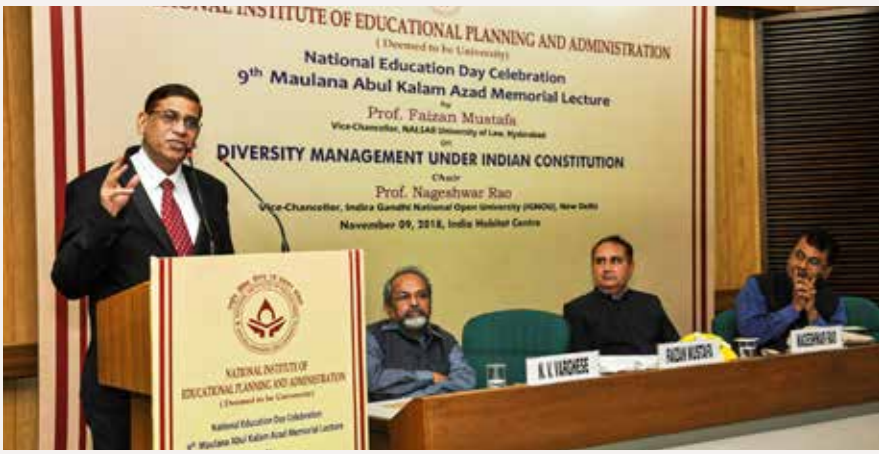

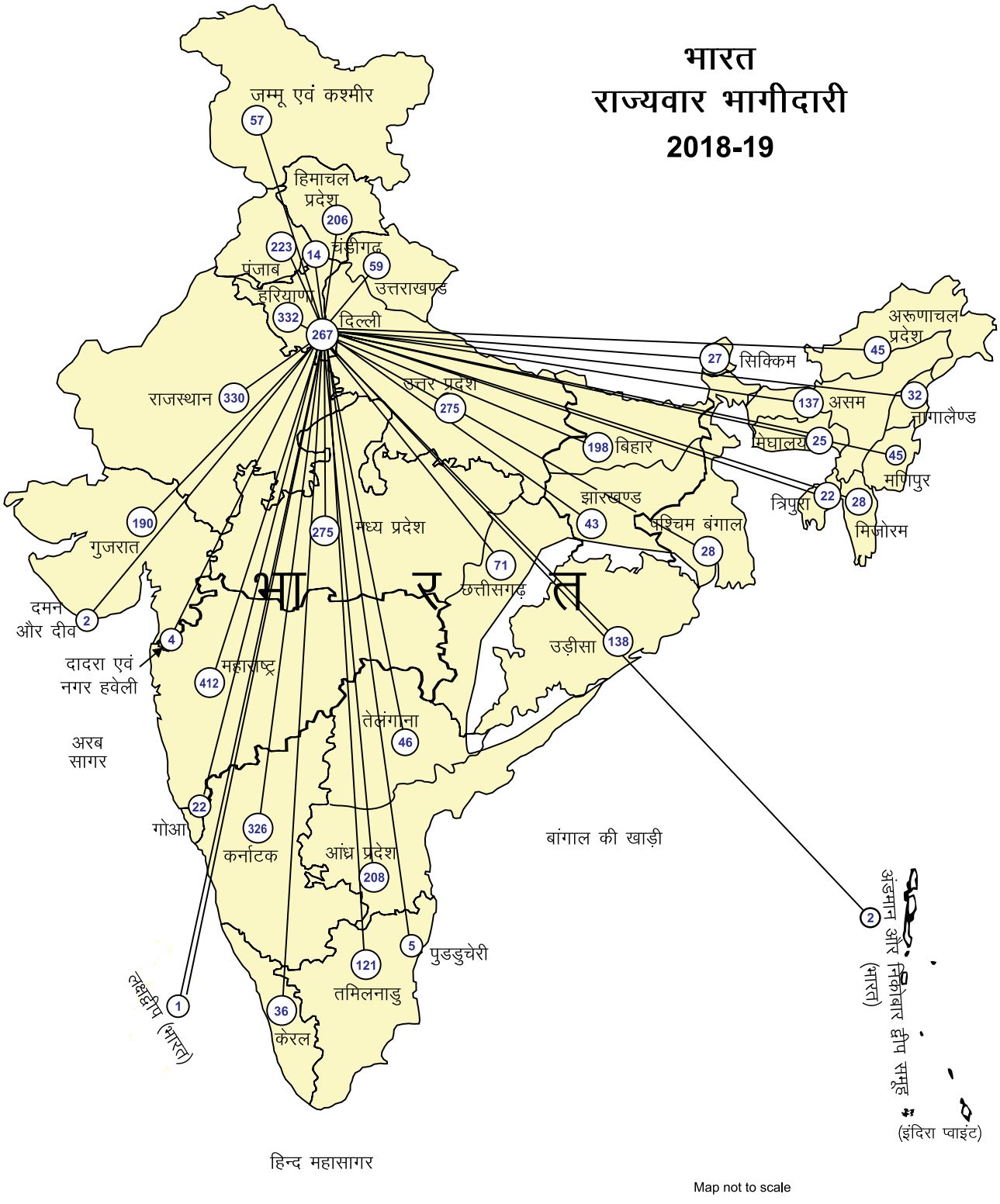

भारत
राज्यवार भागीदारी
2018-19

Map not to scale

3

अनुसंधान

अनुसंधान

संस्थान, शिक्षा क्षेत्र में विकासात्मक लक्ष्यों की प्राप्ति को सुनिश्चित करने हेतु साक्ष्य आधारित विकल्पों और रणनीतियों को तैयार के लिए नवीन ज्ञान जुटाने हेतु, शैक्षिक नीति, योजना तथा प्रबंधन को विशेषकर ध्यान में रखते हुए, विभिन्न विषयों में पारस्परिक शोध और अध्ययनों को बढ़ावा और सहायता प्रदान करता आ रहा है। संस्थान भारत के विभिन्न राज्यों और अन्य देशों में भी गुणात्मक तथा गणनात्मक दोनों प्रकार के शोध, वर्तमान नीतियों, योजनाओं एवं कार्यक्रमों का पुनरीक्षण और मूल्यांकन की तकनीकों तथा प्रशासनिक ढ़ांचों एवं प्रविधियों में तुलनात्मक अध्ययन करता है। अध्ययनों सहित ऐसे कार्य–शोध पर जोर दिया जाता है, जो शैक्षिक नीति,

योजना और प्रबंधन में सुधार के लिए मुख्य क्षेत्रों में नवीन ज्ञान को सृजित कर सकता है।

एम.फिल. और पी–एच.डी. कार्यक्रमों के अतिरिक्त, संस्थान के संकाय सदस्यों द्वारा किए जाने वाले शोध अध्ययनों, अन्य ऐजेंसियों द्वारा प्रायोजित शोध अन्तरर्राष्ट्रीय सहयोग प्राप्त अध्ययनों कार्यक्रम मूल्यांकन अध्ययनों और आंकड़ा प्रबंधन अध्ययनों जैसे शोध कार्यक्रम को भी सहायता प्रदान करता है। शिक्षा प्रणाली में उठने वाले संभावित प्राथमिकता के मुद्दों अथवा भारतीय शिक्षा प्रणाली वास्तव में जिन मुद्दों से जूझ रही है, उनसे संबंधित शोध अध्ययन होते हैं। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, 9 शोध अध्ययन पूर्ण किए गए, जबकि 34 अध्ययन प्रगति पर हैं।

पूर्ण शोध अध्ययन

(31 मार्च, 2019 तक)

1. **भारत में सार्वजनिक उच्च शिक्षा संस्थानों का वित्तपोषणः निधियों के प्रवाह और उनके उपयोग का अध्ययन**

अन्वेषकः डा. जिणुशा पाणिग्राही

जून, 2018 में परियोजना पूर्ण हुई

2. **भारतीय उच्च शिक्षा में शिक्षण और अधिगम**

अन्वेषकः डा. सायंतन मंडल

सितम्बर, 2018 में परियोजना पूर्ण हुई

3. **यू–डाईस आंकड़ों का उपयोग करके स्कूल शिक्षा पर अनुसंधान कार्यक्रम**

अन्वेषकः अरुण सी. मेहता

परियोजना पूर्ण हुई

4. **उच्च शिक्षा पर राज्य की नीतियां**

अन्वेषकः ए मैथ्यू

परियोजना पूरी हुई और रिपोर्ट जनवरी, 2019 में आईसीएसएसआर को सौंपी गई। प्रकाशन के लिए अध्ययन का अद्यतन और फॉलोअप कार्य प्रगति पर है।

5. **भारत में चुनिंदा राज्यों में आरएमएसए के तहत जिला माध्यमिक शिक्षा योजना के विकास पर कार्य अनुसंधान परियोजना**

अन्वेषकः प्रो. के. बिस्वाल और डा. एन.के. मोहंती

अध्ययन पूर्ण हुआ।

6. **एशिया प्रशांत क्षेत्र में टीवीईटी शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम और संस्थान (यूनेस्को द्वारा वित्तपोषित)**

अन्वेषकः प्रो. विनीता सिरोही

रिपोर्ट पूर्ण हुई और प्रस्तुत की गई।

7. **अल्पसंख्यक संस्थानों की योजना में अवसंरचना विकास (आईडीएमआई) के कार्यान्वयन का मूल्यांकन**

अन्वेषकः प्रो. एस.एम.आई.ए. जैदी, डा एन.के. मोहंती और डा. सुमन नेगी

रिपोर्ट मानव संसाधन विकास मंत्रालय को प्रस्तुत की गई।

8. **केंद्र प्रायोजित माध्यमिक शिक्षा के लिए छात्राओं के प्रोत्साहन की राष्ट्रीय योजना का एक मूल्यांकन अध्ययन (एमएचआरडी से अनुरोध)**

अन्वेषकः डा. वेटुकुरी पी.एस. राजू

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार को अंतरिम रिपोर्ट प्रस्तुत की।

9. केंद्र प्रायोजित योजना 'राष्ट्रीय साधन–सह–योग्यता छात्रवृत्ति योजना' का मूल्यांकन अध्ययन

अन्वेषकः डा. वेटुकुरी पी.एस. राजू

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार को अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत की।

अनुसंधान अध्ययन (जारी)

(31 मार्च, 2019 तक)

1. शैक्षिक प्रशासन और विषयगत अध्ययन का तीसरा अखिल भारतीय सर्वेक्षण

अन्वेषकः प्रो. कुमार सुरेश

शैक्षिक प्रशासन विभाग ने दिसंबर 2014 में शुरू किए गए सर्वेक्षण कार्य का तीसरा अखिल भारतीय सर्वेक्षण का संचालन करने का प्रस्ताव किया। सभी राज्यों से अनुरोध किया गया था कि वे राज्यों में शैक्षिक प्रशासन का कार्य सुनिश्चित करने के लिए नोडल अधिकारियों को नामित करें। उन्हें रिपोर्ट तैयार करने के लिए जानकारी और डेटा एकत्र करने के साथ–साथ प्रारूप और सामग्री के लिए उपकरण भी प्रदान किए गए थे। अधिकांश राज्यों ने सर्वेक्षण कार्य पूरा कर लिया और अपने–अपने राज्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी थी।

हालांकि, छह राज्यों (झारखंड, दिल्ली, जम्मू और कश्मीर, राजस्थान, त्रिपुरा, मेघालय) में सर्वेक्षण कार्य बहुत प्रगति नहीं कर सका। इन राज्यों को एक बार फिर सर्वेक्षण कार्य के लिए राजी किया गया।

दिल्ली, झारखंड, जम्मू और कश्मीर, मेघालय, राजस्थान और त्रिपुरा में शैक्षिक प्रशासन का सर्वेक्षण अप्रैल में नीपा में नोडल अधिकारियों की कार्यशाला के साथ शुरू किया गया था। 12–13 अप्रैल 2018 को नए नोडल अधिकारियों और उनकी टीम के सदस्यों के लिए सर्वेक्षण की प्रक्रिया और विधि के साथ राज्य रिपोर्ट तैयार करने और नोडल अधिकारियों को परिचित करने के लिए अभिविन्यास कार्यशाला का आयोजन किया गया था। इन राज्यों के 17 अधिकारियों ने इस कार्यशाला में भाग लिया। नोडल अधिकारी और टीम के सदस्य रिपोर्ट की तैयारी के लिए सर्वेक्षण कवरेज, कार्यप्रणाली, सामग्री और प्रारूप के बारे में उन्मुख थे। इस तरह इन छह राज्यों में सर्वेक्षण के दूसरे चरण के औपचारिक शुभारंभ का मार्ग प्रशस्त हुआ।

छह राज्यों (दिल्ली, झारखंड, जम्मू और कश्मीर, मेघालय, राजस्थान और त्रिपुरा) में सर्वेक्षण की दिशा में प्रगति हुई।

सभी छह राज्यों में सर्वेक्षण का काम शुरू हो गया है। राज्यों में सर्वेक्षण करने की पद्धति के एक भाग के रूप में, झारखंड, मेघालय, राजस्थान और त्रिपुरा में राज्य स्तरीय कार्यशालाएं पूरी हो चुकी हैं। सर्वेक्षण कार्य पर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के अधिकारियों की नीपा में बैठक हुई। सर्वेक्षण के अनुसार, शैक्षिक प्रशासन के सचिवालय, निदेशालय, क्षेत्रीय, जिला, ब्लॉक और संस्थागत स्तरों पर शिक्षा विभाग के संगठनात्मक सेट–अप, भूमिकाओं, कार्यों और गतिविधियों को कवर करते हुए राज्य, क्षेत्रीय, जिला ब्लॉक और संस्थागत स्तरों से आंकड़े और जानकारी एकत्र की जानी है। यह माध्यमिक और प्राथमिक डेटा और सूचना दोनों को कवर करता है। प्राथमिक डेटा वर्ष 2017–2018 से संबंधित होगा। सर्वेक्षण के नमूने में तीन जिले शामिल हैं– एक शैक्षिक रूप से उन्नत; एक मध्यम रैंकिंग और एक पिछड़ा; नमूने के प्रत्येक जिले से तीन ब्लॉक; और 24 स्कूल हैं। प्रत्येक जिले से आठ स्कूल जिनमें 2 प्राथमिक, 2 उच्च प्राथमिक, 2 माध्यमिक और 2 वरिष्ठ माध्यमिक शामिल हैं। सर्वेक्षण का काम पांच राज्यों में शुरू हुआ है।

चार राज्यों– झारखंड, मेघालय, राजस्थान और त्रिपुरा में राज्य स्तरीय कार्यशालाओं और बैठकों में सर्वेक्षण के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। मेघालय, झारखंड, राजस्थान और त्रिपुरा जैसे चार राज्यों ने राज्य रिपोर्टों का पहला मसौदा पूरा कर लिया है। दिल्ली ने विभाग को रिपोर्ट तैयार करने के लिए सभी संबंधित दस्तावेज और सामग्री प्रदान की है। डेटा दर्ज किया गया है। रिपोर्ट तैयार की जा रही है। मसौदा रिपोर्ट अप्रैल 2019 तक पूरी होने की उम्मीद है। जम्मू और कश्मीर में सर्वेक्षण का काम अब शुरू हो रहा है। अक्टूबर 2019 तक काम पूरा होने की उम्मीद है। यह एक उपलब्धि होगी क्योंकि हम दूसरे सर्वेक्षण में भी सक्षम नहीं थे।

2. शैक्षिक प्रशासन की संरचना और कार्यों का अध्ययन (शैक्षिक प्रशासन के तीसरे अखिल भारतीय सर्वेक्षण के भाग के रूप में विषयगत अध्ययन)

अन्वेषकः प्रो. कुमार सुरेश, डा. मंजू नरूला और डा. विनीता सिरोही

अध्ययन का उद्देश्य शैक्षिक प्रशासन की संरचना और कार्य के पहलू पर संसाधन डाटा अंतराल को पूरा करना है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में शैक्षिक प्रशासन की संरचना और कार्यों पर शायद ही जानकारी उपलब्ध है। शिक्षा विभाग की वेबसाइटों में संबंधित राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के शैक्षिक प्रशासन की संरचना की बुनियादी जानकारी शामिल है, लेकिन ये मुख्य रूप से सचिवालय और निदेशालय स्तरों तक सीमित हैं। अधिकांश मामलों में निदेशालय स्तर से नीचे शैक्षिक प्रशासनिक ढांचे की जानकारी बहुत कम है।

यह उल्लेख करने की आवश्यकता नहीं है कि जिले में और जिला स्तर के नीचे के अधिकारियों के पदनाम, स्थिति और भूमिका में काफी भिन्नताएं हैं। क्षेत्र स्तर के शैक्षिक प्रशासन की स्थिति, भूमिका और कार्यात्मक जिम्मेदारियों का शैक्षिक सेवाओं के कुशल और प्रभावी वितरण पर महत्वपूर्ण असर पड़ता है। जिले और निचले स्तर पर शैक्षिक प्रशासन नीतियों और शैक्षिक विकास के कार्यक्रमों को लागू करना जिम्मेदारियों से भरा हुआ है। इसके अलावा, हाल के वर्षों में शैक्षिक विकास के लिए नीतिगत पहल, क्षेत्र स्तर पर शैक्षिक प्रशासन की स्थिति, भूमिका और कार्यों में मानकीकरण कुछ हद तक आवश्यक है। वास्तव में, संरचनाओं और कार्यों में कोई समानता नहीं है। शैक्षिक प्रशासन से संबंधित कई समस्याएं और मुद्दे हैं। तीसरे अखिल भारतीय सर्वेक्षण शैक्षिक प्रशासन की राज्य रिपोर्टें इन्हें इंगित करती हैं। शैक्षिक प्रशासन की नई चुनौतियाँ किस हद तक प्रशासनिक संरचना नई मांगों और चुनौतियों के लिए पर्याप्त रूप से जवाबदेह है, इसके अन्वेषण की आवश्यकता है।

यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि कई राज्यों ने विभिन्न स्तरों पर, विशेष रूप से जिला और ब्लॉक स्तरों पर अपने प्रशासनिक ढांचे में सुधार किए हैं। बिहार कई अन्य राज्यों के साथ इस संबंध में उदाहरण है। कुछ राज्यों में शुरू किए गए सुधार के उपाय दूसरों के लिए शिक्षाप्रद हो सकते हैं। कई बार प्रशासनिक संरचना में किए गए सुधार और राज्य में इसकी कार्यात्मक जिम्मेदारियां अन्य राज्यों के लिए सीखने की संभावनाओं को खोलती हैं। सार्वजनिक डोमेन में सटीक जानकारी उपलब्ध नहीं होने के कारण, पारस्परिक रूप से सीखने की संभावना नहीं है। विभिन्न स्तरों शैक्षिक प्रशासन की संरचना पर जानकारी की अनुपलब्धता के अलावा; राज्यों/ केंद्र शासित प्रदेशों में शैक्षिक प्रशासन के हर स्तर से जुड़ी कार्यात्मक जिम्मेदारी पर कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है। इस संदर्भ में वर्तमान अध्ययन किया गया है। वर्तमान अध्ययन ने तीसरे अखिल भारतीय सर्वेक्षण में शेष अंतरालों को भरने और साथ ही साथ सूचना की आलोचनात्मकता शैक्षिक प्रशासन के चार महत्वपूर्ण स्तरों पर किए हैं; संघ स्तर पर शैक्षिक प्रशासन, केंद्र शासित प्रदेशों में शैक्षिक प्रशासन, राज्यों में शैक्षिक प्रशासन; और रा.रा.क्षे. दिल्ली में शैक्षिक प्रशासन।

एकत्रित आंकड़ों के माध्यमिक स्रोतों को शैक्षिक प्रशासन के प्रत्येक स्तर पर एकत्र किया गया है। सूचना का प्रारंभिक संकलन प्रगति पर है। प्रारंभिक लेखन को तीन स्तरों– संघ, राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को नीपा में आयोजित होने वाली तीन कार्यशालाओं में साझा और चर्चा की गई है। दिल्ली के लिए एक कार्यशाला भी प्रस्तावित है। मसौदा रिपोर्ट अक्टूबर 2019 तक पूरी होने की उम्मीद है।

3. शैक्षिक प्रशासन में जिला और ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों की स्थिति, भूमिका और जिम्मेदारियां (तृतीय अखिल भारतीय सर्वेक्षण प्रशासन का हिस्सा के रूप में विषयगत अध्ययन)

अन्वेषकः प्रोफेसर कुमार सुरेश, डा. मंजू नरूला और डा. वी. सुचरिता

जिला और ब्लॉक शिक्षा अधिकारी क्षेत्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण शैक्षिक अधिकारी हैं। वे स्कूलों के प्रभावी कामकाज को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जिला और ब्लॉक स्तर पर शैक्षिक प्रशासन उनकी निगरानी और समर्थन के मामले में स्कूलों से निकटता से जुड़ा हुआ है; वे स्कूलों और उच्च स्तर के शैक्षिक प्रशासन के बीच महत्वपूर्ण कड़ी हैं। स्कूल स्तर पर सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों का कार्यान्वयन इन अधिकारियों की महत्वपूर्ण कार्यकारी जिम्मेदारियों को दर्शाता है। भूमिका और जिम्मेदारियों के विस्तार के संपूर्ण पहुंच को समझना महत्वपूर्ण है और यह भी कि कैसे ये अधिकारी क्षेत्र स्तर पर उन्हें सौंपी गई जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हैं। इस अध्ययन का डेटा प्राथमिक और माध्यमिक दोनों स्रोतों पर आधारित है।

अध्ययन मुख्य रूप से तीसरे अखिल भारतीय सर्वेक्षण शैक्षिक प्रशासन के साथ जिला शिक्षा अधिकारियों और ब्लॉक स्तर के शिक्षा अधिकारियों के राज्य स्तरीय सम्मेलनों के साथ–साथ जिला और ब्लॉक स्तर के शिक्षा अधिकारियों से संबंधित क्षेत्र–आधारित डाटा संग्रह पर उपलब्ध डेटाबेस पर आधारित होगा। शैक्षिक प्रशासन के तीसरे अखिल भारतीय सर्वेक्षण की राज्य रिपोर्ट में विवरणात्मक प्रारूप के अनुसार जिला और ब्लॉक स्तर के शैक्षिक प्रशासन के बारे में कुछ बुनियादी जानकारियों के अलावा, जिसमें वर्णनात्मक प्रारूप के अनुसार स्थिति, भूमिका और कार्यकारी जिम्मेदारियां शामिल हैं। हालांकि, विश्लेषणात्मक आयाम शामिल नहीं हैं। वर्णनात्मक आंकड़ों का विश्लेषण एक महत्वपूर्ण परिप्रेक्ष्य से किया जाएगा। वर्तमान अध्ययन मुख्य रूप से क्षेत्र अध्ययन के माध्यम से एकत्र किए गए आंकड़ों और जानकारी के अलावा आंकड़ों के विश्लेषण पर आधारित होगा। विश्लेषणात्मक दृढ़ता के संदर्भ में वर्णनात्मक आंकड़ों के महत्व को जोड़ने के लिए, गुणात्मक आयामों को भारत के विभिन्न क्षेत्रों और राज्यों का प्रतिनिधित्व करने वाले छह जिलों और छह ब्लॉकों को जोड़ा जा रहा है। उपलब्ध आंकड़ों और क्षेत्र आधारित आंकड़ों की स्थिति, जिला और ब्लॉक स्तर के शिक्षा अधिकारियों की भूमिका, जिम्मेदारियों और चुनौतियों दोनों के विश्लेषण के आधार पर अध्ययन किया जाना है।

एकत्रित आंकड़ों के माध्यमिक स्रोत एकत्र किए गए हैं। आंकड़ा विश्लेषण की प्रक्रिया के तहत है। प्राथमिक आंकड़ा एकत्र किया जाना बाकी है। दर्ज करने के लिए अनुसंधान उपकरणों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। रिपोर्ट आंकड़ों के प्राथमिक और माध्यमिक दोनों स्रोतों को इकट्ठा करने के बाद तैयार की जाएगी। अध्ययन अक्टूबर 2019 तक पूरा होने की उम्मीद है।

4. भारत के शैक्षिक शासन में संघवाद और संघ–राज्य संबंध

अन्वेषकः प्रो. कुमार सुरेश

संघीय प्रणालियों में शैक्षिक प्रशासन संवैधानिक रूप से अनिवार्य न्यायिक विनिर्देश और सरकार के गठन के बाद से दो स्तरों– सरकारी और घटक इकाइयों के बीच जिम्मेदारियों को सौंपने पर आधारित है। कुछ मामलों में शिक्षा के संचालन की जिम्मेदारी विशेष रूप से घटक इकाइयों की होती है। संघीय इकाइयों के लिए नीति और वित्तीय स्वायत्तता स्वाभाविक रूप से जिम्मेदारियों के वितरण के आधार पर होती हैं। अतः शिक्षा के शासन में संघीय सरकारों और घटक इकाइयों के बीच संबंधों की प्रकृति को निर्धारित करता है।

भारत में शैक्षिक प्रशासन की अपनी गतिशीलता संघीय विविधता के तर्क और संदर्भ में गहराई से निहित है। संघ और राज्यों के संवैधानिक रूप से परिभाषित जिम्मेदारियों और यथोचित सीमांत क्षेत्राधिकार सरकार के दो स्तरों के रूप में भारत में शिक्षा के संघीय शासन का औपचारिक मॉडल है। यह एक स्तर पर संघीय इकाइयों की स्वायत्तता के अंतर्निहित आधार पर आधारित है और दूसरे स्तर पर बड़े संघीय आदेश के साथ जैविक कड़ी

है। संघीय सरकार से राज्यों के शैक्षिक प्रयासों में सक्षम भूमिका निभाने और साथ ही संघीय विविधता के साथ राष्ट्रीय (संघीय) प्राथमिकताओं को सामंजस्य बनाने में भी उम्मीद की जाती है।

भारत में शिक्षा का प्रशासन संघ और राज्यों के बीच एक साझा जिम्मेदारी है। साझा जिम्मेदारी का संदर्भ संविधान के 42वें संशोधन द्वारा प्रभावित धाराओं के तर्क का विस्तार है। शासन के इस पहलू को संघ और राज्यों के बीच कुछ हद तक सहयोग की आवश्यकता है। संघ और राज्यों के बीच सहकारी साझेदारी की भाषा अक्सर भारत में शिक्षा के संघीय शासन के मॉडल का वर्णन करने के लिए उपयोग की जाती है। सहकारिता साझेदारी (सहकारी संघवाद) का यह उपयोग प्रशासन की समन्वय संरचना के समरूप संबंधों में कितनी सक्षमता के साथ आ सका है, यह एक ऐसा प्रश्न है जिसके अन्वेषण की आवश्यकता है। निस्संदेह, संवैधानिक व्यवस्था के मूल स्कीम ने शिक्षा के प्रशासन में राज्यों के लिए एक अपेक्षाकृत स्वायत्त डोमेन की परिकल्पना की थी। हालांकि, शिक्षा में सुधार के लिए संघीय सरकार द्वारा संवैधानिक संशोधनों, अधीनस्थ विधानों और नीतिगत पहलों के रूप में संवैधानिक विकास ने संघ–राज्य संबंधों और शासी शिक्षा में राज्यों की क्षमता को काफी हद तक प्रभावित किया है। विशेष रूप से 1980 के दशक के बाद पिछले कई दशकों के दौरान शिक्षा के क्षेत्र में कई नीतिगत सुधार किए गए हैं। केंद्र सरकार की दिशानिर्देशों में कई केंद्र प्रायोजित योजनाओं और एजेंसियों के प्रसार, इस अवधि के महत्वपूर्ण घटनाक्रम हैं। ये संघीय सरकार के विस्तार की भूमिका और राज्य सरकारों की सिकुड़ती क्षमता के साधन के रूप में हैं। इसी संदर्भ में अध्ययन आयोजित किया जा रहा है।

अध्ययन प्राथमिक और माध्यमिक आंकड़ों के आधार पर डेस्क और क्षेत्र आधारित अनुसंधान दोनों का संयोजन है। इसके तीन घटक हैं। पहले संघ–राज्य संबंधों को प्रभावित करने वाले संवैधानिक और उत्तर संवैधानिक विकास का अध्ययन है। इसका प्रमुख उद्देश्य अधिनियम, अधीनस्थ विधान एवं नीतिगत पहल और केंद्र प्रायोजित योजनाओं में सुधार करना। दूसरा मुख्य रूप से स्कूली शिक्षा पर केंद्रित होगा और तीसरा उच्च शिक्षा पर केंद्रित होगा। अनुभवजन्य अध्ययन के लिए कुछ राज्यों को जानकारी के रूप में लिया जाएगा। परियोजना सलाहकार समिति के विशेषज्ञों और सदस्यों के परामर्श से अध्ययन में शामिल किए जाने वाले आयामों के विवरण पर काम किया जाएगा।

इस अध्ययन की जनवरी 2019 से शुरू हो गया है। माध्यमिक साहित्य और सामग्री एकत्र की गई है। परियोजना की प्रस्तावित अवधि जनवरी 2019 से शुरू होने में दो साल है? इस दौरान परियोजना के विभिन्न चरणों में आंकड़ों और विश्लेषणों का प्रसार किया जाएगा।

5. भारत में तुलनात्मक शैक्षिक लाभ की स्थानिक गतिशीलता

अन्वेषकः प्रो. मोना खरे

परियोजना मुख्य विशेषताएंः भारत में शैक्षिक विकास में अंतर राज्यीय भिन्नता के निर्धारकों की पहचान करने के लिए माध्यमिक आंकड़ा आधारित अनुसंधान अध्ययन; शैक्षिक विकास के संकेतकों की पहचान के बाद शैक्षिक विकास के बहुभिन्नरूपी सूचकांक का विकास करना।

गतिविधियों का प्रदर्शनः स्कूल शिक्षा विकास के लिए सारणीकरण और डाटा विश्लेषण पूर्ण हो चुका है और पहले तीन मसौदा अध्याय तैयार है। उच्च शिक्षा विकास के संकेतक की पहचान की गई है और माध्यमिक स्रोतों से डाटा संकलन प्रगति पर है। पहचान किए गए स्थानिक विकास और डाटा संकलन के समग्र सूचकांक के निर्माण के लिए संकेतक प्रगति पर हैं। जिला स्तर पर डाटा की उपलब्धता का पता लगाने के लिए, राज्य के चुनिंदा अधिकारियों से संपर्क किया जा रहा है। सेमिनार में प्रस्तुत शोध अध्ययन से प्रकाशित तीन पत्र, प्रकाशन के लिए स्वीकार किए गए हैं, कुछ महीनों में प्रकाशित होने की उम्मीद है।

जिला स्तर पर आंकड़े एकत्र किये जा रहे हैं। राज्य स्तरीय विश्लेषण पूरा हो गया है।

जिला स्तर पर आंकड़े संकलन के तहत हैं। विश्लेषण और रिपोर्ट लेखन प्रगति पर है।

6. मॉड्यूलः उच्च शिक्षा संस्थानों में विविधता और भेदभाव

अन्वेषकः डा. निधि एस. सभरवाल और डा. सी. एम. मलिश

इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च द्वारा वित्त पोषित इस परियोजना का उद्देश्य छात्र विविधता, भेदभाव और नागरिक शिक्षा पर मॉड्यूल तैयार करना है। मॉड्यूल छात्रों की विविधता और नागरिक शिक्षा और लोकतांत्रिक जुड़ाव में उच्च शिक्षा की भूमिका के मुद्दों पर उच्च शिक्षा में संकाय और प्रशासकों को संवेदनशील बनाना होगा।

मॉड्यूल की रूपरेखा के साथ एक विस्तृत प्रस्ताव तैयार किया गया। आइसीएसएसआर, मा.सं.वि. मंत्रालय और नीति आयोग के शिक्षाविदों और प्रतिनिधियों के साथ एक विशेषज्ञ समूह का गठन किया गया। मॉड्यूलों की मसौदा रूपरेखा तैयार करने के बाद, विशेषज्ञ समूह की पहली बैठक 17 जनवरी 2017 को आयोजित की गई जिसमें प्रत्येक मॉड्यूल को समिति के सामने प्रस्तुत किया गया।

मॉड्यूल के समग्र दृष्टिकोण और सामग्री की सामूहिक समझ विकसित करने में मदद के लिए मॉड्यूल के लेखकों की पहली बैठक 16 मार्च, 2017 को आयोजित की गई थी।

मॉड्यूल के लिए पहचाने गये क्षेत्रों में शामिल हैः

मॉड्यूल 1ः उच्च शिक्षा में छात्र विविधता और सामाजिक समावेशः अवधारणा और दृष्टिकोण

मॉड्यूल का प्रमुख उद्देश्य उच्च शिक्षा में छात्र विविधता, समानता और सामाजिक समावेश की अवधारणाओं पर चर्चा; और इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए दृष्टिकोणों पर चर्चा; उच्चतर शिक्षा और कार्रवाई/हस्तक्षेप के क्षेत्रों में छात्र विविधता, समानता और सामाजिक समावेश को व्याख्यित करने के लिए मौजूदा कार्यक्रमों पर चर्चा करना है।

मॉड्यूल 2ः उच्च शिक्षा में छात्र विविधता का वर्गीकरण

मॉड्यूल उच्च शिक्षा में छात्र विविधता के चरणों पर चर्चा करेगा और उच्च शिक्षा संस्थानों में छात्र विविधता का आकलन करने की विधियों के बारे में परिचय देगा

मॉड्यूल 3ः परिसरों में अकादमिक एकीकरण प्राप्त करने के लिए दृष्टिकोण

मॉड्यूल का उद्देश्य छात्र सामाजिक विशेषताओं और पूर्व–महाविद्यालय शैक्षणिक पृष्ठभूमि में विविधता पर विकास और समझ; सामाजिक और पूर्व–महाविद्यालय की शैक्षणिक पृष्ठभूमि, उच्च शिक्षा के लिए अनुशासन और पारगमन के विकल्प के बीच संपर्क पर एक स्पष्ट समझ विकसित करना; और उच्च शिक्षा के लिए शैक्षिक एकीकरण और सफल पारगमन के प्रति दृष्टिकोण पर चर्चा करना है।

मॉड्यूल 4ः उच्च शिक्षा में भेदभाव के रूप

मॉड्यूल का उद्देश्य परिसर में भेदभाव और प्रतीकात्मक हिंसा की अवधारणा पर एक समझ विकसित करना है; उच्च शिक्षा संस्थानों में भेदभाव के रूपों तथा शैक्षणिक और सामाजिक एकीकरण पर भेदभाव के परिणामों को समझना है।

मॉड्यूल 5ः परिसर में सामाजिक समावेश

इसका प्रमुख उद्देश्य उच्च शिक्षा परिसरों में सामाजिक समावेश की व्यापक समझ विकसित करना; छात्रों को विविध पृष्ठभूमि द्वारा सामना किए गए सामाजिक समावेश की चुनौतियों पर चर्चा तथा सामाजिक समावेशी परिसर की विशेषताओं को जानना है।

मॉड्यूल 6ः छात्र विविधता के प्रबंधन के लिए संस्थागत तंत्र

इस मॉड्यूल का उद्देश्य यह समझना है कि एक सामूहिक प्रणाली में छात्र विविधता को संस्थागत रूप से प्रबंधित करना महत्वपूर्ण क्यों है; छात्र विविधता के प्रबंधन के लिए मौजूदा संस्थागत तंत्र और संरचनाओं को जानना; छात्र विविधता के प्रबंधन के लिए सामाजिक समावेश और रणनीतियों के लिए विकसित और संस्थागत संस्कृति के दृष्टिकोण का परिचय देना।

मॉड्यूल 7: छात्र विविधता, नागरिक शिक्षा और लोकतांत्रिक भागीदारी

इसका उद्देश्य उच्च शिक्षा में नागरिक शिक्षा की अवधारणा को पेश करना है; नागरिक विविधता के बीच नागरिक शिक्षा के लिए एक संसाधन के रूप में स्पष्ट समझ विकसित करना; नागरिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए विविध प्रकार की पहलों के लिए दृष्टिकोणों और प्रकारों को जानना।

इन मॉड्यूलों के मसौदा संस्करण को पूरा करना है।

7. भारत में उच्चतर शिक्षा का शासन और प्रबंधन

अन्वेषक: डा. गरिमा मलिक

अनुसंधान परियोजना का उद्देश्य सर्वप्रथम राष्ट्रीय, राज्य और संस्थागत स्तरों पर शासन संरचना और प्रक्रियाओं के विकास का पता लगाना और विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में शासी निकायों की भूमिका और कार्यप्रणाली की जांच करना है। अध्ययन उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, राजस्थान और महाराष्ट्र में स्थित संस्थानों में कार्यान्वित किया जा रहा है।

वर्तमान शोध अध्ययन में केंद्रीय विश्वविद्यालयों, राज्य विश्वविद्यालयों और उनके संबद्ध महाविद्यालयों में शासन संरचनाओं और प्रक्रियाओं की जांच की है। अध्ययन द्वारा ढांचे का विकास और रूपरेखा का विश्लेषण करना था: (अ) सरकार–विश्वविद्यालय संबंध; (इ) विश्वविद्यालय–विश्वविद्यालय संबंध और (ब) विश्वविद्यालय–महाविद्यालय संबंध। अध्ययन शिक्षकों और छात्रों, संस्थागत प्रमुखों, प्रशासकों और प्रश्नावली आधारित जानकारी से साक्षात्कार पर निर्भर करता है।

अध्ययन से पता चलता है कि संस्थानों के प्राधिकारों के हस्तांतरण और दूरस्थ संचालन की निगरानी और प्रत्यक्ष नियंत्रण से सरकार और विश्वविद्यालय के संबंध समय के साथ–साथ विकसित हुए हैं। जबकि केंद्रीय विश्वविद्यालय अपेक्षाकृत अधिक स्वायत्तत हैं और उन्हें दी जाने वाली धनराशि उच्च स्तर पर है। राज्य विश्वविद्यालय अधिक नियंत्रण के अधीन होने के साथ ही कम स्वायत्त हैं क्योंकि राज्य सरकार से राज्य विश्वविद्यालयों के लिए वित्त पोषण की हिस्सेदारी है। इसलिए राज्य विश्वविद्यालयों को केंद्रीय विश्वविद्यालयों की तुलना में अधिक संसाधन संकट का सामना करना पड़ता है।

आगे अध्ययन में पाया गया है कि विश्वविद्यालय, सामान्य रूप से– केंद्रीय और राज्य विश्वविद्यालय – अकादमिक मामलों में अधिक स्वायत्तत हैं जबकि प्रशासनिक और वित्तीय स्वायत्तता कम है। इस प्रकार अकादमिक कार्यक्रमों और पाठ्यक्रमों की रूपरेखा विश्वविद्यालयों द्वारा किया जाता है और उनके अध्ययन बोर्ड द्वारा अनुमोदित किया जाता है।

इसके अतिरिक्त राज्य विश्वविद्यालयों के शासी निकाय में सरकारी अधिकारी और विधान सभा और विधान परिषद के प्रतिनिधि होते हैं। उदाहरण के लिए, राजस्थान विश्वविद्यालय, भारथिअर विश्वविद्यालय और सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय में इन प्रवृत्तियों का पता चलता है। हालांकि केंद्रीय विश्वविद्यालयों में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि नहीं हैं। जिस तरह विश्वविद्यालय पर इन कार्यकारियों द्वारा नियंत्रण किया जाता है प्रतिनिधित्व के इस प्रतिरूप के महत्वपूर्ण निहितार्थ हैं।

विकेंद्रीकरण के लिए विश्वविद्यालय में निर्णय लेने का संस्थागत स्वायत्तता एक आवश्यक शर्त है लेकिन पर्याप्त स्थिति नहीं। यह देखा गया है कि केंद्रीय और राज्य विश्वविद्यालयों में कुलपतियों के कार्यालयों के स्तर पर शक्ति और निर्णय लेने का केंद्रीयकरण होता है। यह दर्शाता है कि विश्वविद्यालय द्वारा प्राप्त स्वायत्तता को आवश्यक रूप से विकेंद्रीकृत और भागीदारीपूर्ण निर्णय लेने की प्रक्रिया में अनुवादित आवश्यक नहीं है।

यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि प्रोफेसरों की सौदेबाजी में गिरावट है। नई शासन व्यवस्था ने संस्थानों में निर्णय लेने पर शिक्षाविदों के सामूहिक प्रभाव को स्पष्ट रूप से कम कर दिया है।

यह देखा गया है कि विशुद्ध रूप से इनपुट–आधारित उपायों से परिणाम आधारित उपायों को मजबूत करने की आवश्यकता है। आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठों को प्रभावी ढंग से कार्य करने की आवश्यकता है। इस प्रकार शैक्षणिक प्रदर्शन सूचकांक (एपीआई) जैसे मात्रात्मक

मीट्रिक का बड़े पैमाने पर उपयोग किया जा रहा है, हालांकि कई शिक्षकों ने मीट्रिक के प्रति असंतोष व्यक्त किया। शासन संरचनाओं में सुधार की आवश्यकता है और एक भावना है कि प्रबंधतंत्र का एक रूप अध्ययन के तहत संस्थानों को जकड़ रहा है। कुछ मामलों में कई वर्षों से शिक्षकों की भर्ती लंबित हैं, इसलिए तदर्थ और अतिथि शिक्षकों पर अत्यधिक निर्भरता है।

अध्ययन से यह भी पता चलता है कि राज्य विश्वविद्यालयों में बड़ी संख्या में संबद्ध महाविद्यालयों के कारण विश्वविद्यालय महाविद्यालयों को अकादमिक नेतृत्व प्रदान करने की स्थिति में नहीं हैं।

क्षेत्र आधारित आंकड़ा संग्रह और आंकड़ा विश्लेषण पूरा हो गया है और मसौदा रिपोर्टों को अंतिम रूप दिया गया है। तीसरी अनुसंधान पद्धति कार्यशाला 11–12 सितंबर, 2017 को आयोजित की गई थी जहां टिप्पणियों के लिए मसौदा राज्य रिपोर्ट और संश्लेषण रिपोर्ट प्रस्तुत की गई थी।

संश्लेषण रिपोर्ट और राज्य रिपोर्ट प्रस्तुत की गई है। तीसरी विशेषज्ञ समिति की बैठक जुलाई 2018 में आयोजित की गई थी।

फरवरी 2017 में सीपीआरएचई रिसर्च पेपर सीरीज 5 के रूप में प्रकाशित ''भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों का शासन और प्रबंधन'' शीर्षक से शोध पत्र।

प्रोजेक्ट आउटपुटः (अ) 4 स्टेट रिपोर्ट, (ब) 1 सिंथेसिस रिपोर्ट, (स) सीपीआरएचई शोध पत्र

मलिक, गरिमा ''भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों का शासन और प्रबंधन'', सीपीआरएचई शोध पत्र श्रृंखला 5, फरवरी 2017।

8. भारत में उच्चतर शिक्षा स्नातकों का रोजगार और रोजगार–शीलता

अन्वेषकः प्रोफेसर मोना खरे

भारत में दुनिया की सबसे बड़ी शिक्षा प्रणाली है, शिक्षित स्नातकों की रोजगार क्षमता को अक्सर देश की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक के रूप में उद्धृत किया जाता है। स्नातक रोजगार की समस्या की आपूर्ति और मांग दोनों पक्ष हैं। इसके अलावा रोजगार और कौशल की कमी की समस्या को पूरी तरह से रोजगार, बेरोजगारी और श्रम बाजार की स्थितियों से दूर नहीं किया जा सकता। अधिकांश अध्ययन एक ही पहलू को देखते हैं। इसके अलावा, बेरोजगारी और उसके अनुभवों ने शोध–उन्मुख विश्वविद्यालय के हम्बोल्टियन विचार को चुनौती दी है और समस्या को बाहरी और साथ ही आंतरिक श्रम कारकों जैसे सामान्य श्रम बाजार की स्थिति, स्थानीय और वैश्विक श्रम बाजार की मांग के वृहद स्तर पर व्यापक संदर्भ में समस्या को देखने के लिए आवश्यक; शिक्षा की गुणवत्ता, कैरियर परामर्श के लिए संभावनाएं, प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों का प्रावधान, संस्थागत स्तर पर मांग आपूर्ति; व्यक्तिगत परिस्थितियों, कर्मचारियों की स्वेच्छा और प्राथमिकताओं के साथ–साथ नियोक्ताओं की स्थितियों और दृष्टिकोण जैसे प्रभावी कारक हैं।

वर्तमान अध्ययन बाहरी और आंतरिक दोनों के प्रभाव के साथ–साथ स्नातक रोजगार को प्रभावित करने वाले कारकों की मांग और आपूर्ति को संयोजित करने का प्रयास करेगा।

शोध के प्रश्न इस प्रकार हैं– क) उच्च शिक्षा स्नातकों के रोजगार कौशल के बारे में नियोक्ताओं की धारणा क्या है? ख) विश्वविद्यालय शिक्षा के दौरान अपनी रोजगार की तत्परता के बारे में नए कर्मचारियों के अनुभव क्या हैं? ग) रोजगार के लिए कौशल विकसित करने पर उच्च शिक्षा संस्थानों (HEIs) से छात्रों की अपेक्षाएँ क्या हैं? घ) उद्योगों के लिए स्नातकों को तैयार करने में उच्च शिक्षा क्षेत्र की भूमिका के लिए विश्वविद्यालय के संकाय और प्रशासकों की क्या प्रतिक्रिया है? ङ) क्या एक स्नातक रोजगार कौशल नीति की आवश्यकता है?

अध्ययन प्रमुख हितधारकों जैसे नियोक्ताओं और नए कर्मचारियों, छात्रों और शिक्षकों के दृष्टिकोण उत्पन्न करके उपरोक्त सवालों का पता लगाने की कोशिश करेगा। ''रोजगार कौशल'' की अवधारणा के बारे में उनकी जागरूकता क्या है, नई नौकरी के प्रवेशकों के बीच मौजूद रोजगार कौशल अंतराल के प्रकारों की पहचान कर लैंगिक और सामाजिक समूहों द्वारा मौजूदा अंतर और नियोक्ताओं की अपेक्षाओं से औद्योगिक स्नातकों तथा विश्वविद्यालयों को समझने पर केन्द्रित होगा। इस अध्ययन से यह भी पता चलेगा कि नए

कर्मचारियों को उनके कार्यक्षेत्र में आने वाली चुनौतियों का पता लगाने और इस खाई को भरने के लिए विभिन्न तरह के बाहरी प्रशिक्षणों के साथ उनकी विश्वविद्यालय शिक्षा को किस हद तक पूरा करने की आवश्यकता है।

यह देश के कई शहरों को कवर करने वाला बहुस्तरीय अध्ययन होगा। प्राथमिक स्तर पर अध्ययन चुनिंदा शहरों में चयनित औद्योगिक संगठनों और शैक्षणिक संस्थानों पर आधारित होगा। शहरों का चयन उनकी रोजगार वृद्धि संरचना और भौगोलिक दृष्टिकोण से होगा। पहचाने जाने वाले छह शहरों में मुंबई, दिल्ली, बैंगलोर, हैदराबाद, लखनऊ के 4 शहर स्तर I हैं, जो स्तर II शहरों में उदयपुर में अग्रणी रोजगार प्रदाता हैं और शहरों के स्तर III श्रेणी में पहले तीन रोजगार प्रदाताओं में से एक हैं।

इन शहरों में से प्रत्येक से संस्थागत स्तर पर गुणात्मक और मात्रात्मक विश्लेषण के लिए शैक्षणिक संस्थानों और नियोक्ताओं की विभिन्न श्रेणियों से एक प्रतिनिधि नमूना तैयार करना प्रस्तावित है। व्यक्तिगत स्तर पर, मांग और आपूर्ति के दोनों कोणों का पता लगाने के लिए नियोक्ता/कर्मचारी/ छात्र/शिक्षा सेवा प्रदाताओं के दृष्टिकोण उनकी उम्मीदों, अंतराल और चुनौतियों की पहचान करने के लिए उत्पन्न होंगे। इस प्रकार अध्ययन का उद्देश्य उच्च शिक्षा स्नातकों की रोजगार की मांग के पहलुओं को उत्पन्न करना और आपूर्ति करना है।

परियोजना में अब तक निम्नलिखित गतिविधियाँ की गई हैं। अध्ययन के लिए अनुसंधान प्रस्ताव 2015 में विकसित किया गया था। प्रस्ताव विशेषज्ञों को भेजा गया और 26 अक्टूबर 2015 को आयोजित विशेषज्ञ समिति की बैठक में अनुमोदन के उपरान्त मात्रात्मक और गुणात्मक अनुसंधान उपकरण विकसित किए गए थे। 12 मई, 2016 को बाहरी विशेषज्ञों के एक समूह के साथ अनुसंधान उपकरणों पर एक चर्चा बैठक आयोजित कर राज्य की टीमों का गठन किया गया और टीम के सदस्यों की पहचान की गई। अनुसंधान उपकरणों को अंतिम रूप देने के बाद, छात्रों और कॉलेज के संकाय/प्रशासन के परिप्रेक्ष्य को उत्पन्न करने के लिए दिल्ली यूनिवर्सिटी कॉलेज में एक प्रायोगिक सर्वेक्षण किया गया तथा नियोक्ताओं और कर्मचारियों के परिप्रेक्ष्य उत्पन्न करने के लिए केनरा बैंक में सर्वेक्षण भी किया गया था। प्रदत्त प्रश्नावली के अलावा, सर्वेक्षण में एफजीडी और साक्षात्कार शामिल थे। पूरी गतिविधि अगस्त और नवंबर 2016 के बीच पूरी हुई। प्रायोगिक सर्वेक्षण का आंकड़ा प्रविष्टि और विश्लेषण पूरा हो गया और उपकरण पक्के हो गए। पहली कार्यप्रणाली कार्यशाला 18–19 जनवरी, 2017 को आयोजित की गई जिसमें 17 राज्य टीमों के सदस्यों ने भाग लिया। अनुसंधान उपकरणों पर गहन चर्चा उपरान्त उनके संबंधित राज्यों में क्षेत्र सर्वेक्षण करने के लिए साझा किया गया। विश्लेषणात्मक पद्धति पर चर्चा करने के लिए दूसरी कार्यप्रणाली कार्यशाला आयोजित की गई। विश्लेषण पूर्ण हुआ और राज्य रिपोर्टों को अंतिम रूप देने में हैं।

गुणात्मक आंकड़ा विश्लेषण को अंतिम रूप दिया जा रहा है। कुछ राज्य रिपोर्टों का मसौदा पूरा हो चुका है। राष्ट्रीय संश्लेषण रिपोर्ट की तैयारी चल रही है। रिपोर्ट को अंतिम रूप देने के लिए अंतिम कार्यप्रणाली कार्यशाला निर्धारित की जा रही है।

संबंधित विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ब्रिटिश काउंसिल के साथ संयुक्त रूप से आयोजित की गई। अध्ययन से मध्यस्थ निष्कर्षों पर एक विशेष पैनल आयोजित किया और पत्र प्रस्तुत किये गये।

अध्ययन से प्रकाशित पाँच शोध पत्र निम्नानुसार हैं:–

i) ''इम्प्लॉयमेंट एंड इम्प्लॉयबिलिटी ऑफ हायर एजुकेशन ग्रेजुएट इन इंडिया – अ मल्टीटॉस्कहोल्डर पर्सपैक्टिव'' उच्च शिक्षा स्नातकों के रोजगार और रोजगार शीलता पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 19 फरवरी, 2019 को आईएचसी, नई दिल्ली में प्रस्तुत किया गया।

ii) ''इंडिया: ग्रेजुएट एंड इम्प्लॉयमेंट'', अंतर्राष्ट्रीय उच्च शिक्षा, बोस्टन कालेज अंतर्राष्ट्रीय उच्च शिक्षा के लिए केंद्र, बोस्टन विश्वविद्यालय, यू.एस.ए. सं. 95, फाल, 2018

iii) ''इंटर ग्रुप डिसपैरिटीज इन ग्रेजुएट इम्प्लॉयबिलिटी स्किल'' वर्गीज़ एट अल एड. इंडिया हायर रिपोर्ट 2016, सेज पब्लिकेशंस, 2018

iv) ''टेकिंग द स्किल्स मार्च फॉरवर्ड इन इंण्डिया – ट्रांजिशनिंग टू द वर्ल्ड ऑफ वर्क, (2016) इन माथियाज पिल्ज एड इंडिया: वर्क ऑफ द वर्ल्ड, के लिए तैयारी, स्प्रिंगर वी.एस.

v) स्नातक रोजगारः भारत की चुनौती पोस्ट 2015 विकास एजेंडा, भारतीय आर्थिक जर्नल, दिसंबर 2015, पृ. 97–111

9. भारत में उच्चतर शिक्षा की गुणवत्ताः संस्थागत स्तर पर बाह्य और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन का एक अध्ययन

अन्वेषकः डा. अनुपम पचौरी

राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (NAAC) और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन (IQAs) द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थानों की गुणवत्ता में कोई बदलाव आया या नहीं, ऐसे बहुत कम अनुभवजन्य साक्ष्य हैं। इस शोध अध्ययन का व्यापक उद्देश्य यह समझना है कि संस्थागत स्तर पर बाहरी गुणवत्ता आश्वासन (EQA) और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन (IQA) गुणवत्ता को कैसे बढ़ाते हैं; और कैसे EQA एजेंसियां उच्च शिक्षा संस्थानों और कार्यक्रमों को प्रभावित करती हैं और कैसे संस्थागत स्तर पर IQA की संरचना और कार्य का विश्लेषण करती हैं। एनएएसी मान्यता के दूसरे या आगामी चक्र में पांच विश्वविद्यालयों और चयनित विश्वविद्यालयों में प्रत्येक से संबद्ध एक–एक मान्यता प्राप्त महाविद्यालय को कर्नाटक, मध्य प्रदेश, मेघालय, राजस्थान और तेलंगाना के पांच राज्यों से चुना गया है।

वर्ष 2017–18 में सीपीआरएचई ने परियोजना की प्रगति कार्यान्वयन का बारीकी से पालन किया और राज्य की टीमों को शोध रिपोर्टों का मसौदा तैयार करने में मदद की। जिसमें मात्रात्मक और गुणात्मक आंकड़ों के कोडिंग और विश्लेषण में मदद करना और राज्य रिपोर्ट का पहला मसौदा लिखना शामिल था। अध्ययन के लिए चयनित संस्थानों से पांच संस्थागत टीमों द्वारा राज्य स्तर की रिपोर्ट का पहला मसौदा तैयार किया गया। प्रत्येक टीम को प्रत्येक अध्याय के मसौदा पर विस्तृत प्रतिक्रिया लिखने की रिपोर्ट की प्रक्रिया के दौरान प्रदान किया गया था। इसके बाद रिपोर्ट के अंतिम प्रस्तुतिकरण से पहले संशोधन के लिए टीमों को भेजे गए प्रत्येक रिपोर्ट का संपादन और समीक्षा की गई। अनुसंधान पद्धति कार्यशाला सामग्री दस संस्थानों (चार राज्य विश्वविद्यालयों और इनमें से प्रत्येक के साथ संबद्ध एक महाविद्यालय और एक केंद्रीय विश्वविद्यालय और उससे संबद्ध एक महाविद्यालय) को अनुसंधान परियोजना के लिए शामिल किया गया था। सामग्री में पांच संस्थागत टीमों द्वारा प्रस्तुत मसौदा रिपोर्टों पर टिप्पणियों सहित विस्तृत समीक्षा पुस्तिकाएं शामिल थीं। पुस्तिका में संबंधित टीमों के लिए शोध रिपोर्ट में सुधार करने के लिए सुझाव भी थे ताकि बाहरी गुणवत्ता आश्वासन और आंतरिक सुरक्षा आश्वासन के कारण संस्थानों में परिवर्तन को उजागर और विश्लेषण कर सकें।

तृतीय अनुसंधान पद्धति कार्यशाला 6–7 सितंबर, 2017 को आयोजित की गई थी, जहां टिप्पणियों के लिए राज्य रिपोर्ट और संश्लेषण रिपोर्ट मसौदा प्रस्तुत की गई।

अनुसंधान परियोजना के लिए चयनित पांच विश्वविद्यालयों मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर, कर्नाटक; देवी अहिल्या विश्व विद्यालय, इंदौर, मध्य प्रदेशय; नॉर्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग, मेघालय; मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर, राजस्थान; और उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना से संबद्ध एक महाविद्यालय से चौदह अनुसंधान परियोजना दल के सदस्यों ने कार्यशाला में भाग लिया। प्रत्येक प्रस्तुति के उपरान्त समीक्षा और टिप्पणियों को सहकर्मी टीम के प्रमुख ने अनुसंधान रिपोर्ट की समीक्षा के लिए कार्य सौंपा। इसके बाद टीम के अन्य सभी सदस्यों की टिप्पणियों का पालन किया गया। अंत में, परियोजना समन्वयक और अनुसंधान परियोजना के प्रधान अन्वेषक डा. अनुपम पचौरी द्वारा विस्तृत समीक्षा की गई। शोध पद्धति कार्यशाला में टिप्पणियों और चर्चाओं के मद्देनजर समीक्षा टिप्पणी पुस्तिका को और संशोधित करके सभी टीमों के साथ साझा किया गया ताकि दल की राज्य रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया जा सके। संस्थागत टीमों की प्रतिक्रियाओं को प्राप्त करने के लिए परियोजना अनुसंधान पद्धति की प्रारंभिक रिपोर्ट तैयार की गई।

शोध रिपोर्ट लेखन के अलावा, संस्थागत टीमों में से दो अर्थात, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, राजस्थान और उस्मानिया विश्वविद्यालय, तेलंगाना द्वारा सीपीआरएचई–नीपा और ब्रिटिश काउंसिल द्वारा आयोजित 22–23 फरवरी, 2018 को अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में गुणवत्ता और उत्कृष्टता पर प्रस्तुति के लिए शोध रिपोर्टों के आधार पर संगोष्ठी पत्र विकसित करने का उल्लेख किया गया। राष्ट्रीय अध्ययन निष्कर्षों और दो

संस्थानों के निष्कर्षों पर पैनल के साथ एक समर्पित सत्र आयोजित किया गया। पैनल ने गुणवत्ता आश्वासन और संस्थागत स्तर पर गुणवत्ता के लिए संस्थागत संरचनाओं के कामकाज के प्रभावों पर चर्चा की। पैनल को संगोष्ठी में भाग लेने वाले राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों से भी उत्साहजनक टिप्पणी मिली। वर्तमान में, परियोजना समन्वयक द्वारा राज्य टीम रिपोर्ट सीपीआरएचई में संपादित की जा रही है और संश्लेषण रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

संश्लेषण रिपोर्ट के मसौदे को अंतिम रूप दिया जा रहा है; राज्य की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई है। नीति सार को आईक्यूए और ईक्यूए विषय पर विकसित किया जाएगा।

प्रोजेक्ट आउटपुटः (अ) 5 राज्य रिपोर्ट, (ब) 1 संश्लेषण रिपोर्ट

10. उच्च शिक्षा की सफलता और सामाजिक गतिशीलताः विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में अ.जा./अ.ज.जा./अ.पि.व. और अल्पसंख्यकों के लिए कोचिंग योजनाओं पर एक अध्ययन

अन्वेषकः डा. सी.एम. मलिश और डा. निधि एस. सभरवाल

यू.जी.सी. के अनुरोध पर सीपीआरएचई/नीपा ने 11वीं योजना अवधि के बाद से उच्च शिक्षा में वंचित समूहों के लिए यू.जी.सी. द्वारा प्रायोजित कोचिंग योजनाओं की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक अध्ययन शुरू किया। यह पिछले एक दशक से अस्तित्व में है। योजना के प्रमुख उद्देश्य वंचित समूहों के लिए विशेष कोचिंग कक्षाओं के रूप में अतिरिक्त शिक्षण इनपुट प्रदान करना है ताकि शैक्षणिक पाठ्यक्रमों और व्यवसाय की गतिशीलता को सफलतापूर्वक पूरा किया जा सके। ये योजनाएँ निम्नलिखित हैंः 1. अ.जा./अ.ज.जा./अ. पि.व. और अल्पसंख्यकों के लिए सुधारात्मक कोचिंग; 2. एस.सी./एस.टी./ओ.बी.सी. और अल्पसंख्यकों के लिए नेट/सेट की कोचिंग; और 3. एस.सी./एस.टी./ओ.बी. सी. और अल्पसंख्यकों के लिए सेवाओं में प्रवेश के लिए कोचिंग। अनुसंधान सलाहकार समिति की सिफारिशों के आधार पर, शोध अध्ययन के लिए 7 महाविद्यालय, 6 राज्य विश्वविद्यालय और 3 केंद्रीय विश्वविद्यालयों को मिलाकर कुल 16 संस्थानों शामिल थे। प्रथम शोध पद्धति कार्यशाला से पहले दिल्ली महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में वंचित समूहों के शैक्षणिक सशक्तिकरण से जुड़े यूजीसी कोचिंग योजनाओं और संकाय सदस्यों के समन्वय के साथ सीपीआरएचई दल द्वारा अनुसंधान उपकरण विकसित किए गए थे।

अध्ययन का उद्देश्य यूजीसी कोचिंग योजना लाभार्थियों के सामाजिक समूह संरचना का विश्लेषण करना है; संस्थागत और यूजीसी स्तर पर यूजीसी कोचिंग योजनाओं के कार्यान्वयन की प्रक्रिया को समझना; कोचिंग योजनाओं को लागू करते समय प्रत्येक हितधारकों द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियों और बाधाओं को समझना; कोचिंग कक्षाओं में अधिगम, प्रतिक्रिया प्रणालियों और सहकर्मी समूह की चर्चाओं के संदर्भ में छात्रों के अनुभवों का पता लगाना; शैक्षणिक प्रक्रिया और नेट/सेट तथा रोजगार के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के लिए कोचिंग प्रक्रिया के प्रभाव का विश्लेषण करना; कोचिंग योजनाओं के कार्यान्वयन को मजबूत करने वाली नई नीतियों और अभ्यासों को विकसित करना है।

शोध के सवालों के जवाब देने के लिए, कोचिंग योजनाओं के लिए अनुदान प्राप्त करने वाले चुनिंदा उच्च शिक्षा संस्थानों में विस्तृत केस अध्ययन किया गया। संस्थागत विविधता और भौगोलिक स्थिति शोध अध्ययन के लिए एक प्रतिनिधि के रूप में संस्थानों को प्रत्येक यूजीसी क्षेत्रीय कार्यालय से चुना गया था। अध्ययन संस्थानों के चयन के लिए उच्च शिक्षा संस्थान जैसेकि केंद्रीय विश्वविद्यालय, राज्य विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालय और घटक कॉलेज शामिल थे। आंकड़ा/सूचना के संग्रह और विश्लेषण के लिए गुणात्मक और मात्रात्मक दोनों पद्धतियों का पालन किया गया। कार्यप्रणाली में माध्यमिक डेटा का संग्रह, वर्तमान में कोचिंग कक्षाओं में भाग लेने वाले छात्रों के बीच प्रश्नावली प्रबंधन और छात्रों के साथ समूह चर्चा, संकाय समन्वयक संकाय सदस्यों/कोचिंग कक्षाओं के प्रशिक्षकों और संस्थागत प्रमुखों के साथ साक्षात्कार आदि शामिल हैं।

अनुसंधान उपकरण और अनुसंधान कार्यान्वयन प्रक्रिया पर एक साझा समझ विकसित करने के लिए 02–03 मई, 2017 को शोध अध्ययन संस्थानों के अनुसंधान समन्वयकों के साथ पहली अनुसंधान कार्यप्रणाली कार्यशाला आयोजित की गई।

प्रतिभागियों के समक्ष अनुसंधान प्रस्ताव और अध्ययन के समग्र सैद्धांतिक और पद्धतिगत दृष्टिकोण प्रस्तुत किया गया। प्रत्येक अनुसंधान उपकरण पर विस्तार से चर्चा की गई। डेटा संग्रह पर विशेषज्ञता प्रदान करने के लिए व्यावहारिक सत्र आयोजित किए। परियोजना कार्यान्वयन पर चर्चा की गई और अध्ययन के लिए समय सीमा पर पारस्परिक रूप से सहमति व्यक्त की गई। चर्चा से मिले इनपुट के आधार पर, अनुसंधान उपकरणों को संशोधित और अंतिम रूप दिया गया और कार्यशाला की रिपोर्ट के साथ सभी प्रतिभागियों के साथ साझा किया गया।

सीपीआरएचई अनुसंधान समन्वयकों द्वारा अधिकांश राज्यों में अर्थात्– अर्थात् पुणे विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र, गवर्नमेंट कॉलेज त्रिपुरा, नॉर्थ ईस्टर्न हिल यूनवर्सिटी, मेघालय, एसबीएमपीजी कॉलेज, फाजिलनगर, कुशीनगर, यूपी, महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा, गुजरात, गया कॉलेज, बिहार, दोआबा कॉलेज, जालंधर, पंजाब और चौधरी देवी लाल सिरसा विश्वविद्यालय, हरियाणा का क्षेत्र भ्रमण पूरा कर लिया गया है। अनुसंधान समन्वयकों ने आंकड़ा संग्रह की निगरानी की तथा प्रधान जांचकर्ताओं और परियोजना कर्मचारियों के साथ आंकड़ा संग्रह में भाग लिया।

सीपीआरएचई अनुसंधान समन्वयकों द्वारा क्षेत्र का दौरा सभी राज्यों में पूरा किया गया है। क्षेत्र कार्य रिपोर्ट तैयार की गई। आंकड़ा विश्लेषण और रिपोर्ट का मसौदा संस्करण प्रगति पर है।

11. निजी मानद् विश्वविद्यालयों में फीस का निर्धारण

अन्वेषकः डा. जिणुशा पाणिग्राही

सार्वजनिक मानद् विश्वविद्यालया की तुलना में निजी मानद् विश्वविद्यालयों का विस्तार बहुत बड़ा है। ऐसे विश्वविद्यालयों द्वारा लिया जाने वाला शुल्क अत्यधिक है जिसे छात्रों और अभिभावकों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए विनियमित किया जाना अनिवार्य है। शुल्क विनियमों के लिए, यूजीसी ने ऐसे संस्थानों, विशेष रूप से ऐसे निजी संस्थानों द्वारा लिये गये अतिरिक्त शुल्क को नियंत्रित करने के उद्देश्य से एक विनियमन इंस्टीट्यूशंस डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटीज रेगुलेशंस, 2016 पारित किया, क्योंकि संस्थानों द्वारा जो अतिरिक्त शुल्क वसूला जाता है, को नियंत्रित करने के उद्देश्य से विश्वविद्यालयों के नियम बनाए। शुल्क से संबंधित उपरोक्त विनियमन, शुल्क संरचना और शुल्क विनियमन के अनुसार अनुपालन को समझना महत्वपूर्ण है।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अनुरोध पर, सीपीआरएचई ''फिक्सेशन ऑफ फीस इन प्राइवेट डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटीज इन इंडिया'' पर एक अध्ययन कर रहा है। अध्ययन के प्रमुख उद्देश्य– निजी मानद् विश्वविद्यालयों में शुल्क संरचना को समझना, और ऐसे संस्थानों द्वारा शुल्क के लिए केंद्र और विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा मौजूदा नियम और ऐसे निजी मानद् विश्वविद्यालयों में फीस के निर्धारण में औचित्य को समझना है। क्षेत्र का दौरा पूरा हो गया है, आंकड़ा का विश्लेषण किया गया है और रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

12. भारत में माध्यमिक शिक्षा में सार्वजनिक–निजी मिश्रणः आकार और इन–स्कूल सुविधाएं और इंटेक प्रोफाइल

अन्वेषकः डा. एन.के. मोहंती और प्रो. एस.एम. आई.ए. जैदी

शिक्षा में निजी क्षेत्र की भूमिका को ध्यान में रखते हुए, सामान्य रूप से, शिक्षा सेवा के वितरण में सार्वजनिक–निजी मिश्रण, वर्तमान मैक्रो–स्तरीय अध्ययन का उद्देश्य माध्यमिक विद्यालय नेटवर्क की संरचना और आकार, प्रबंधन और क्षेत्र, सुविधाओं के मामले में उनकी विशेषताओं, स्टाफिंग पैटर्न और सभी राज्यों में सामाजिक पृष्ठभूमि के मामले में छात्र प्रोफाइल को ध्यान में रखना है। पहले चरण में, अध्ययन ने सेमिस/यूडाईस, एनएएसओ, 8वीं एआईएसईएस योजना दस्तावेजों और प्रमुख राज्यों के अन्य आधिकारिक रिकॉर्डों से एकत्र किए गए माध्यमिक आंकड़ों का उपयोग किया। आंकड़ों के विश्लेषण के आधार पर प्रारंभिक निष्कर्षों से पता चलता है कि माध्यमिक स्तर पर स्कूलों में शैक्षिक सुविधाएं उपलब्ध नहीं थीं जोकि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने में प्रमुख बाधक है। अध्ययन में यह बात सामने आई कि स्कूल भवन, चाहरदीवारी, खेल का मैदान, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, कंप्यूटर और संबंधित सुविधाएं जैसे बिजली सुविधा, जेनरेटर सेट, इंटरनेट और कंप्यूटर

प्रयोगशाला, सैनिटरी सुविधाएं विशेष रूप से लड़कों और लड़कियों के लिए अलग–अलग पेशाबघर और शौचालय की सुविधा, जिनमें महिला शिक्षक भी शामिल हैं, जो सीधे शिक्षाशास्त्र में शामिल महिला शिक्षकों सहित शिक्षकों की योग्यता और प्रशिक्षण की स्थिति, राज्यों और राज्यों के भीतर प्रबंधन प्रकार के बीच व्यापक रूप से भिन्न हैं। यह भी पता चला कि भारत में क्षेत्रों और राज्यों में माध्यमिक स्तर पर शैक्षणिक सुविधाओं की उपलब्धता और छात्रों की शैक्षणिक प्राप्ति के बीच बहुत घनिष्ठ संबंध है। इसलिए, आरएमएसए और अन्य केंद्र प्रायोजित योजनाओं जैसे सुधार कार्यक्रमों के अन्तर्गत मौजूदा माध्यमिक विद्यालयों/वर्गों में कर्मचारियों को बुनियादी सुविधाओं प्रदान करने में अपना ध्यान केंद्रित करना चाहिए ताकि उन्हें मानदंडों और मानकों की पुष्टि हो सके। यह प्रयास निश्चित रूप से माध्यमिक शिक्षा को बेहतर बनाने और सुदृढ़ीकरण के साथ–साथ भारत में माध्यमिक विद्यालय स्तर पर छात्रों और संस्थानों के समग्र प्रदर्शन में सुधार करने में एक लंबा रास्ता तय करेगा।

अब तक, संबंधित साहित्य की समीक्षा की गई है; यू–डाईस और अन्य स्रोतों से सहायक आंकड़े और जानकारी के आधार पर मसौदा रिपोर्ट तैयार करके अब इसे यू–डाईस, 2016–17 से एकत्रित माध्यमिक शिक्षा पर आंकड़ों और जानकारी के विश्लेषण के आधार पर संशोधित किया जा रहा है। चरण I की रिपोर्ट मार्च 2019 तक पूरी होने की उम्मीद है।

13. उच्चतर शैक्षिक बहि–प्रवास के कारणों और परिणामों पर एक स्थानिक परिप्रेक्ष्यः हिमाचल प्रदेश का एक केस अध्ययन

अन्वेषकः डा. सुमन नेगी

उच्च शैक्षिक बहि–प्रवास के कारणों और परिणामों पर स्थानिक परिप्रेक्ष्य पर अध्ययनः हिमाचल प्रदेश का एक केस अध्ययन, मार्च 2014 में शुरू किया गया था। अध्ययन का उद्देश्य उन मुख्य कारणों को समझना था जिस कारण लोग शिक्षा के लिए एक जगह से दूसरी जगह जाते हैं। अध्ययन के मुख्य उद्देश्य निम्न थे– (i) लैंगिक और सामाजिक समूहों में जनसांख्यिकीय, सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक पहलुओं से संबंधित घटकों के साथ शैक्षिक प्रवासियों की संरचना की जांच करना; (ii)। व्यक्तिगत, घरेलू और संस्थागत दृष्टिकोण से शैक्षिक बहि–प्रवासन के मुख्य कारणों की पहचान करना; (iii) उच्च और तकनीकी शिक्षा विशेषताओं के संदर्भ में चयनित अध्ययन क्षेत्र की शैक्षिक स्थिति का अध्ययन करना; (iv) क्षेत्र से इस तरह के प्रवास के मुख्य परिणामों की पहचान करना। दो जिलों कुल्लू और हमीरपुर से प्राथमिक डेटा एकत्र किए गए हैं ताकि वहां की प्रक्रियाओं को बेहतर तरीके से समझा जा सके।

वर्तमान स्थितिः परियोजना से जुड़े अधिकांश कार्य पूरे हो चुके हैं, अध्याय–I: परिचय – जिसमें साहित्य और अनुसंधान पद्धति की समीक्षा के साथ परिचय भी शामिल है, को अंतिम रूप दिया गया है। अध्याय–II: अध्ययन क्षेत्र के सामाजिक–आर्थिक प्रोफाइलः इस अध्याय में चयनित जिलों की सामाजिक और आर्थिक प्रोफाइल के साथ–साथ नमूना जिलों, गांवों और घरों के विस्तृत प्रोफाइल को शामिल किया गया है और इस अध्याय को भी अंतिम रूप दिया गया है। अध्याय–III: शैक्षिक विकास और स्थितिः हिमाचल प्रदेश के शैक्षिक विकास के परिदृश्य की विस्तार से जानकारी और आंकड़ों का बड़े पैमाने पर विश्लेषण किया है। अध्याय–IV: शैक्षिक प्रवासन रुझान, पैटर्न और परिमाणः यह अध्याय राष्ट्रीय, राज्य और जिला स्तर पर विस्तार से एक स्थान से दूसरे स्थान पर शैक्षिक प्रवासन पैटर्न की जांच करता है। उपलब्ध जनगणना और एनएसएसओ आंकड़ों का बड़े पैमाने पर विश्लेषण किया गया है और अध्याय को अंतिम रूप दिया गया है। अध्याय–V: हिमाचल में शिक्षा के लिए प्रवासन पर क्षेत्र से एकत्रित जानकारी को प्रदर्शित करता है, जिसमें घरों, छात्रों और संस्थानों के आंकड़ों का विश्लेषण किया जा रहा है। अधिकांश तालिकाओं को तैयार किया गया है और आंकड़ों का विश्लेषण भी किया जा रहा है। सारांश और निष्कर्ष पर अंतिम अध्याय के साथ यह अध्याय अंतिम रूप दिए जाने की प्रक्रिया में है और इसे नवंबर तक पूर्ण करने के उपरान्त मार्च 2018 तक अंतिम परियोजना रिपोर्ट प्रस्तुत करने का लक्ष्य है।

14. लैंगिक पर एक शिक्षा–एटलस : एक जिला–स्तरीय प्रस्तुति

अन्वेषक : डा. सुमन नेगी और प्रो. मोना खरे

अनुसंधान परियोजना– लिंग पर एक शिक्षा एटलस मार्च 2015 में एक जिला स्तरीय प्रतिनिधित्व शुरू किया गया

था। इस अध्ययन के संचालन का मुख्य उद्देश्य शैक्षिक आंकड़ों के प्रसार का समर्थन करना है जो नीपा स्कूलों के लिए एकत्र करता है। इसलिए एटलस के रूप में मानचित्र आधारित सूचना प्रसार, एक पृष्ठभूमि के रूप में लैंगिक शिक्षा के मानचित्रण के प्रयास के साथ एक प्रभावी माध्यम के रूप में सोचा गया। जानकारी को डेटा सेट के माध्यम से दर्शाया जाएगा, जिसका उद्देश्य लैंगिक रेखाओं के भीतर शैक्षिक असमानता और विकास की बारीकियों को पकड़ना है। यह पहल शैक्षिक योजना से संबंधित लोगों के लिए भी है, वे लैंगिक परिप्रेक्ष्य से सुविधा प्राप्त कर सकते हैं क्योंकि उपलब्ध संसाधनों की कमी के कारण यह दस्तावेज मौजूदा क्षेत्रीय विविधताओं और विषमताओं को दूर करने में मदद करेगा। अध्ययन का विशिष्ट उद्देश्य इस प्रकार हैं: (i) लैंगिक संबंधित संकेतों का प्रस्तुतीकरण करने के लिए डाईस और यूडाईस आंकड़ों का प्रयोग करना; (ii) राष्ट्रीय स्तर पर कुछ लौकिक प्रवृत्तियाँ को निरूपित करना; (iii) सांख्यिकीय रूप में गणना की गई आंकड़ा प्रवृतियों को भी निरूपित करना।

अध्ययन के लिए डेटा डाउनलोड किया गया है और कुछ नक्शे तैयार किए गए हैं और उनका विश्लेषण किया गया है, हालांकि, चयनित संकेतकों के लिए कुछ वर्तमान आंकड़ों को सारणीबद्ध करने की आवश्यकता है। अध्याय पृष्ठभूमि के साथ पूर्ण नक्शे का विश्लेषण प्रक्रिया में है। परियोजना प्रस्तुत करने का लक्ष्य मार्च, 2019 है

15. ओडिशा में माध्यमिक स्तर पर अनुसूचित जाति के बच्चों के बीच छात्रवृत्ति योजना और शैक्षिक गतिशीलता का अध्ययन (नीपा प्रायोजित)

अन्वेषक: डा. एस.के. मलिक

अध्ययन के उद्देश्य:

क) माध्यमिक स्तर पर अनुसूचित जाति के बच्चों की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए छात्रवृत्ति योजनाओं के कार्यान्वयन की प्रकृति और सीमा का पता लगाना;

ख) स्कूल पूर्ण होने पर अनुसूचित जाति के बच्चों के लिए छात्रवृत्ति योजना की प्रभावशीलता और शिक्षा के उच्च स्तर पर उनकी गतिशीलता की जांच करना;

ग) छात्रों को उनके अध्ययन के लिए छात्रवृत्ति का लाभ उठाने और उपयोग करने में आने वाली समस्याओं और बाधाओं का पता लगाना;

घ) योजनाओं के कार्यान्वयन में सरकार और स्कूल प्रशासन के अधिकारियों द्वारा समस्याओं और बाधाओं का पता लगाना और

ङ) छात्रवृत्ति योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए उपयुक्त उपायों का पता लगाना।

कार्यप्रणाली:

वर्तमान अध्ययन ओडिशा राज्य में किया जा रहा है। जहाँ तीस जिले हैं। अध्ययन के उद्देश्य से साक्षरता दर जिले के चयन का आधार होगी। वर्तमान तीस जिलों में से, उच्चतम साक्षरता दर वाले दो जिले हैं।

अध्ययन करने के लिए जाति की आबादी का चयन किया जाएगा। दो चयनित जिलों में से, प्रत्येक जिले के दो ब्लॉकों का चयन माध्यमिक स्तर पर अनुसूचित जाति के बच्चों के उच्च नामांकन के आधार पर किया जाएगा। प्रत्येक ब्लॉक से 5 सरकारी माध्यमिक विद्यालयों को माध्यमिक स्तर पर अनुसूचित जाति के बच्चों के उच्च नामांकन के लिए चुना जाएगा। अध्ययन के उत्तरदाता हेडमास्टर, छात्र, पूर्व छात्र, प्रशासक और माता–पिता सहित शिक्षक होंगे।

अ. साहित्य की समीक्षा पूरी हुई

ब. क्षेत्र कार्य और आंकड़ा संग्रह पूरा हुआ

स. आंकड़ा प्रविष्टि का कार्य प्रक्रियाधीन है

16. चयनित राज्यों में निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम, 2009 के तहत निजी स्कूलों में कमजोर वर्गों और वंचित समूहों के बच्चों के लिए 25 प्रतिशत सीटों के प्रावधान के कार्यान्वयन का अध्ययनः नीति और व्यवहार

अन्वेषक: प्रो. अविनाश कुमार सिंह

निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा (आरटीई) अधिनियम के कार्यान्वयन के साथ, अधिनियम की धारा 12(1)(सी) के तहत राज्यों ने कमजोर वर्गों और वंचित समूहों

(ईडब्ल्यूएस) से संबंधित बच्चों के लिए निजी और गैर प्राथमिक स्कूलों में 25 प्रतिशत सीटें निःशुल्क प्रदान करना शुरू कर दिया है। हालांकि, अधिनियम कार्यान्वयन के अपने चौथे वर्ष में है,संबंधित प्राधिकारियों के बीच बहुत स्पष्टता नहीं है कि प्रावधान से संबंधित नियमों और विनियमों को कैसे लागू किये जा रहे हैं। उदाहरण के लिए, बच्चों की पहचान और चयन के लिए पात्रता मानदंडों का पालन कैसे किया जा रहा है? निजी स्कूल विभिन्न राज्यों में संवैधानिक प्रतिबद्धताओं और प्रावधानों को पूरा करने में नियमों और विनियमों का पालन कैसे कर रहे हैं? इन अधिकारों को हासिल करने में माता–पिता और बच्चों को किन समस्याओं और बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है? आरटीई प्रावधान के कार्यान्वयन में अंतर और अंतर–राज्यीय दोनों प्रकार के बदलाव बताए गए हैं। इस संदर्भ में, देश के 5 अलग–अलग क्षेत्रों में फैले चयनित 10 राज्यों में शिक्षा के अधिकार अधिनियम –2009 के तहत वंचित बच्चों की शिक्षा की नीति और प्रथाओं की समझ विकसित करने के लिए एक खोजपूर्ण अध्ययन किया जा रहा है।

उद्देश्यः

अध्ययन के मुख्य उद्देश्य हैंः

क. नीति और प्रथाओं के संदर्भ में विभिन्न राज्यों में आरटीई अधिनियम के तहत आरक्षण प्रावधान के कार्यान्वयन की प्रकृति और सीमा का आकलन करना;

ख. वंचित और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों की श्रेणियों से संबंधित बच्चों और अभिभावकों के बीच आरक्षण के प्रावधानों के बारे में जागरूकता स्तर का पता लगाना;

ग. स्कूल और कक्षा में विभिन्न सामाजिक आर्थिक पृष्ठभूमि से बच्चों के समायोजन से संबंधित मुद्दों की जांच करना;

घ. विभिन्न राज्यों के स्कूलों में आरक्षण प्रावधानों के कार्यान्वयन के बारे में नवीन प्रथाओं की पहचान करना;

ङ. विभिन्न हितधारकों, अभिभावकों, बच्चों, शिक्षकों और शिक्षा अधिकारियों द्वारा आरटीई प्रावधानों के कार्यान्वयन में आने वाली समस्याओं और बाधाओं की पहचान करनसा; तथा

च. निजी स्कूलों में आरक्षण के आरटीई प्रावधान की योजना और कार्यान्वयन को प्रभावी बनाने के लिए उपयुक्त उपाय सुझाना।

उपरोक्त अनुसंधान परियोजना कार्यान्वयन के प्रारंभिक चरण में है, जिसमें विषय के अनुसंधान और विकास से संबंधित साहित्य की समीक्षा और अनुसंधान उपकरणों का विकास शामिल है। साहित्य समीक्षा के तहत, चयनित राज्यों के प्रोफाइल और राज्यों में आरटीई मानदंडों का अनुपालन, माध्यमिक आधिकारिक आंकड़ों के आधार पर तैयार किया जा रहा है। अध्ययन के तहत निर्धारित मानदंडों पर चुने गए 10 राज्य शामिल हैंः केरल, कर्नाटक, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, झारखंड, पश्चिम बंगाल, असम और मेघालय। इसके अलावा, आंकड़ा संग्रह के उपकरण के प्रारूप तैयारी के तहत हैं। निम्नलिखित उपकरणों की रूपरेखा तैयार किये हैंः–

- स्कूल सूचना अनुसूची
- माता–पिता साक्षात्कार अनुसूचियां
- मुख्य अध्यापक और अन्य शिक्षकों के लिए साक्षात्कार अनुसूचियां
- वंचित समूह और कमजोर वर्ग के बच्चों के लिए जांचसूची
- उन बच्चों के माता–पिता और अन्य सामुदायिक सदस्यों के लिए अनुसूचियां
- स्कूल प्रबंधन निकायों के साथ संबंध के लिए जांचसूची
- विभिन्न स्तरों पर शिक्षा पदाधिकारियों के लिए सूचियां
- क्लस्टर, ब्लॉक, जिला और राज्य स्तर
- कक्षा अवलोकन अनुसूचियां
- समूह चर्चा के लिए सूचियाँ

एक पायलट फील्डवर्क झारखंड के दो जिलों (चयनित राज्यों में से एक) में 29 जनवरी से 3 फरवरी 2019 के दौरान निर्धारित है। डिजाइन किए गए शोध उपकरणों का परीक्षण किया जाएगा। फील्ड जांचकर्ताओं द्वारा प्रदान किए गए क्षेत्र कार्य और प्रतिपुष्टि के दौरान प्राप्त इनपुट के आधार पर, उपकरणों को अंतिम रूप दिया जाएगा, राज्यों में आंकड़ा संग्रह पूरा करने की योजना

पर काम किया जाएगा। इससे आंकड़ा संग्रह, विश्लेषण और रिपोर्ट लेखन के संचालन के लिए नई टाइमलाइन का मार्ग प्रशस्त होगा।

17. भारत में उच्च शिक्षा सुधार की राजनीतिक अर्थव्यवस्थाः सुधार के सिद्धान्तों, नीतियों और संस्थानों पर तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य (1991–2012)

अन्वेषकः प्रो. मनीषा प्रियम

रिपोर्टः कनिष्ठ परियोजना सलाहकार की नियुक्ति के बाद, इस परियोजना को औपचारिक रूप से 20 जून, 2018 को शुरू किया गया। संदर्भ के साथ स्वयं को परिचित करने, मिलने के लिए व्यक्तियों की एक सूची की तैयारी, वांछित क्षेत्र में साक्षात्कार अनुसूची तैयारी, और उसी के लिए एक ग्रंथ सूची तैयार कर मैसूर विश्वविद्यालय में स्वयं (पीआई) द्वारा प्रारंभिक यात्रा की गई है।

मैंने निम्नलिखित के साथ साक्षात्कार पूरा कर लिया हैः

मैसूर विश्वविद्यालय और महाराजा कॉलेज के प्रमुख कार्यकर्त्ता जो विश्वविद्यालय की नींव के लिए नाभिक संस्थान थे।

मैसूर विश्वविद्यालय और महाराजा कालेज के पूर्व शिक्षक और पूर्व छात्र।

मैंने मैसूर विश्वविद्यालय के आधिकारिक दस्तावेजों और मैसूर विश्वविद्यालय के इतिहास और कार्यप्रणाली पर कुछ प्रकाशन भी एकत्र किए हैं।

मैंने महाराजा कॉलेज में सामाजिक जाति श्रेणी नामांकन पर आंकड़े एकत्र किये हैं। इन आंकड़ों का विश्लेषण नामांकन की प्रकृति, यदि कोई हो, राज्य नीतिगत योजनाएं जो छात्र के अभिगम में समानता के मुद्दों का समर्थन करती हैं, को देखने के लिए किया जा रहा है।

साक्षात्कारों ने मुझे ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के साथ जोड़ने में मदद की है जिसमें विश्वविद्यालय को आधुनिक शिक्षा प्रदान करने में मैसूर राज्य के प्रयासों के एक हिस्से के रूप में स्थापित किया था, और एक ही समय में उपनिवेशवाद का मुकाबला किया। इसने मुझे कॉलेज में नींव, संकाय विशेषताओं, पूर्व छात्रों की विविधता और गतिविधियों के क्षण में प्रदान किए गए ज्ञान की प्रकृति को समझने में मदद की है।

प्रारंभिक क्षेत्र के काम से निम्नलिखित महत्वपूर्ण प्रतिबिंब सामने आएः

मैसूर विश्वविद्यालय पारंपरिक रूप से उदार कला और मानविकी का केंद्र रहा है, जबकि बैंगलोर विश्वविद्यालय विज्ञान में प्रवीण है।

विश्वविद्यालय की स्थापना में मैसूर के महाराजा की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। यह महाराजा मुक्त विद्यालय के रूप में शुरू हुआ था, फिर महाराजा कॉलेज बन गया, और अब मैसूर विश्वविद्यालय का मानसा गंगोत्री परिसर है।

दर्शन, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र, कन्नड़ साहित्य और ओरिएंटल लर्निंग (संस्कृत) केंद्र के विश्वविद्यालय संकायों को राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण ख्याति मिली है।

विश्वविद्यालय आज कन्नड़ माध्यम में विद्वानों के सीखने का केंद्र है।

विश्वविद्यालय के प्रोफेसरों में पद्म पुरस्कार विजेता और ज्ञान पीठ पुरस्कार विजेता शामिल हैं।

मैं वर्तमान में प्रोफेसर शेख अली द्वारा लिखित मैसूर विश्वविद्यालय का इतिहास पढ़ रही हूं, जिसे प्रसारंगा–विश्वविद्यालय प्रेस द्वारा प्रकाशित किया गया है।

18. आर.टी.ई. के अंतर्गत समता का पुनर्मूल्यांकन : नीतिगत दृष्टिकोण और लोकप्रिय धारणाएं

अन्वेषकः डा. नरेश कुमार

यह अध्ययन दौरा किए गए स्कूलों/क्षेत्रों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत करता है। अध्ययन में समुदाय के साथ मिलकर स्कूलों की कार्य प्रणाली के बारे में भी विस्तार से बताया गया है। अध्ययन बताता है कि सरकारी स्कूलों की विफलता का प्रमुख कारण 'सामाजिक भरोसे की कमी' है। निजी स्कूल प्रणाली, मुख्य रूप से एलबीएस ने यह महसूस किया है – और इसलिए वे इसका लाभ उठाने के लिए उपयोग कर रहे हैं। अध्ययन में निजी स्कूल प्रणाली को देखने का आग्रह किया गया है। अब तक, हम निजी स्कूल प्रणाली (विशेष रूप से एलबीएस)

के खिलाफ बहस करते रहे हैं लेकिन हमने कभी इस प्रणाली को समझने की कोशिश नहीं की। यदि क्षेत्र में 10 एलबीएस हैं, तो क्षेत्र की अंतर्दृष्टि सूचित करती है – प्रत्येक स्कूल अलग–अलग गुणवत्ता का प्रदर्शन करने की कोशिश करता है। प्रतियोगिता के कारण, प्रत्येक स्कूल बने रहने के मोड में चलता है, इसलिए, कुछ क्षेत्रों में विशेषज्ञता की कोशिश से माता–पिता को प्रभावित किया जाता है। अध्ययन से पता चलता है कि, बहुत हद तक, निजी स्कूल सरकारी स्कूलों की तुलना में माता–पिता के साथ एक करीबी संबंध स्थापित करने में सक्षम हैं। इस तरह, एलबीएस भारतीय इतिहास में अधिलक्षण के रूप में सामने आया है, जो एक जीवंत 'सार्वजनिक क्षेत्र' बना सकता है जहां विविध पृष्ठभूमि के बच्चे भाग लेते हैं। परियोजना की कार्यप्रणाली को कई क्षेत्रों की यात्राओं की आवश्यकता थी जो मैंने कठोर कार्यव्यस्तता के बाद पूरी की है। आंकड़ों में अंतराल को भरने के लिए हाल ही में अंतिम क्षेत्र का दौरा किया गया था। परियोजना का मसौदा रिपोर्ट तैयार है। रिपोर्ट फरवरी के महीने में पीएमयू को सौंपी जाएगी।

19. भारत में प्राथमिक स्तर पर बच्चों की स्कूल भागीदारी में सुधार के लिए सहभागी कार्रवाई अनुसंधान

अन्वेषकः डा. मधुमिता बंद्योपाध्याय

यह परियोजना सहभागिता के विभिन्न पहलुओं (पहुंच से परे/सार्थक पहुंच) में शामिल स्कूलों में छात्रों की भागीदारी स्कूल में छात्रों की नियमित उपस्थिति, उनकी अवधारण, सीखने की उपलब्धि, पूर्णता और अगले स्तर तक पूरा करने पर केंद्रित है। परियोजना का मुख्य ध्यान सहभागिता के विभिन्न पहलुओं को शामिल करने वाले स्कूलों में छात्रों की भागीदारी पर हैः परियोजना को स्कूल स्तर पर लागू किया गया है, जिसके लिए छह विभिन्न राज्यों से 42 स्कूलों का नमूना चुना गया था। इस परियोजना को वर्ष 2012 से 2015 तक कार्यशालाओं की एक श्रृंखला के साथ शुरू किया गया था, जिसमें 2015 तक 16 राज्यों के प्रतिभागियों को प्राथमिक विद्यालय के छात्रों की स्कूल भागीदारी में सुधार लाने पर केंद्रित था। अध्ययन के लिए छह राज्यों का चयन प्रतिभागियों द्वारा व्यक्त की गई इच्छा के आधार पर किया गया था। अध्ययन के बाद प्रतिभागियों द्वारा चयनित स्कूलों में किए गए हस्तक्षेप के बाद, छह राज्यों में ब्लॉक स्तर के अधिकारी थे। अनुसंधान दल ने छह चयनित राज्यों– हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, कर्नाटक, मिजोरम और ओडिशा से आंकड़ा एकत्र करने के लिए दो दौर की यात्रा की है। पहली यात्रा वर्ष 2016–17 में और दूसरी यात्रा वर्ष 2018–19 में की गई। दूसरी यात्रा न केवल स्कूल के कामकाज की प्रगति को ट्रैक करने के लिए थी बल्कि प्राथमिक से प्रारंभिक स्तर तक छात्रों के संक्रमण को ट्रैक करने के लिए भी आयोजित की गई थी जो ड्रॉप–आउट के मुद्दे पर भी प्रतिबिंबित हुई थी। डेटा में छात्रों और शिक्षकों के साथ अनौपचारिक बातचीत और साक्षात्कार शामिल थे और स्कूल में शिक्षण अधिगम की प्रक्रिया को समझने के लिए कक्षा अवलोकन भी थे। कुछ आख्यानों का उपयोग छात्रों की केस–अध्ययन को विकसित करने के लिए किया गया था जो स्कूल की भागीदारी को प्रभावित करने वाले अनसुने या संबोधित कारकों पर प्रतिबिंबित करते हैं।

उद्देश्य

- स्कूलों में पहुंच, नामांकन और समानता की स्थिति का आकलन और मूल्यांकन करना
- स्कूल में सभी बच्चों की नियमित और सार्थक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रासंगिक कार्य योजना विकसित करना
- सीआरसी और बीआरसी, बीईओ और डीईओ सहित स्कूल प्रबंधन समिति (एसएमसी) और अन्य हितधारकों को शामिल करके स्कूल विकास योजनाओं (एसडीपी) में इन कार्य योजनाओं को शामिल करने के लिए स्कूल प्रमुखों और शिक्षकों के साथ काम करना।
- स्कूल के कामकाज में सुधार करने और बच्चों की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न हितधारकों द्वारा की गई पहल का दस्तावेजीकरण करना

➢ पहले दौर के क्षेत्र भ्रमण का आंकड़ा प्रविष्टि पूरा हो गयी है, जिसके आधार पर चार राज्यों हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, हरियाणा और मध्य प्रदेश के लिए स्कूल रिपोर्ट तैयार की गई है। इन रिपोर्टों को पीएसी और डीएसी की बैठकों में समय पर प्रस्तुत किया गया है।

- अध्ययन के तहत आने वाले सभी छह राज्यों हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, हरियाणा, मध्य प्रदेश, मिजोरम और ओडिशा के दूसरे दौर का आंकड़ा संग्रह अक्टूबर, 2018 में पूरा हो गया है।
- (दूसरे सर्वेक्षण) के आंकड़ों की प्रविष्टि शुरू हो गई है और अक्टूबर और नवंबर, 2018 में आयोजित दो कार्यशालाओं में पहले और दूसरे दौर के क्षेत्र दौरे के कुछ आंकड़ा आधारित निष्कर्षों को साझा किया गया है।
- शिक्षकों, प्रमुख अध्यापकों, स्कूल प्रोफाइल, आरटीई के बारे में जागरूकता और इसके कार्यान्वयन की स्थिति, स्कूल प्रबंधन समिति (एसएमसी) और मूल्यांकन पर अन्य आंकड़ों के अलावा प्रत्येक स्कूल के लिए छात्रवार आंकड़े दर्ज करने के लिए अलग–अलग प्रारूप विकसित किए गए हैं।
- दूसरे दौर के आंकड़ा प्रविष्टी कार्य के साथ राज्य रिपोर्ट (एकत्रित डेटा दोनों दौर के आधार पर) तैयार करने की प्रक्रिया चल रही है।

20. भारतीय उच्च शिक्षा संस्थाओं में स्वायत्तता

अन्वेषकः डा. नीरू स्नेही

उच्च शिक्षा संस्थाओं की स्वायत्तता का मुद्दा भारतीय उच्च शिक्षा पद्धति में सुधारों को प्रस्तुत करने के लिए कार्यसूची का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। स्वायत्तता प्रदान करना ऐसा सूचित करता प्रतीत होता है कि स्वायत्तता असंख्य समस्याओं का सामना करने वालों के लिए रामबाण है। इस परियोजना का लक्ष्य इस बात का अन्वेषण करना है कि सामान्य रूप में स्वायत्तता किस हद तक भारतीय उच्च शिक्षा संस्थानों में प्रचलित है अर्थात विशेष रूप से स्नातकपूर्व कॉलेजों को कितनी स्वायत्तता प्रदान की जानी चाहिए; क्या कॉलेजों के लिए स्वायत्तता होनी चाहिए; किस वर्ग–प्रबंधन, अध्यापक, विद्यार्थी को स्वायत्ता दी जानी चाहिए और केन्द्र, राज्य, विश्वविद्यालय, यू.जी.सी. किससे स्वायत्तता मिलनी चाहिए?

इन्हीं लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य है उच्च शिक्षा संस्थानों की कार्य–पद्धति में स्वायत्तता की भूमिका को जानना है। विशिष्ट रूप में स्नातकपूर्व संस्थानों में, स्नातकपूर्व संस्थानों को स्वायत्तता प्रदान करने में स्टैकहोल्डरों की भूमिका की छानबीन करना, संबद्ध कॉलेजों व स्वायत्त संबद्ध कॉलेजों की कार्यपद्धति का विश्लेषण व तुलना करना, और स्वायत्त और गैर–स्वायत्त संबद्ध कॉलेजों की कार्य–पद्धति के अनुभवों के प्रलेख देना।

इस परियोजना की कार्य–पद्धति उच्च शिक्षा संस्थानों में स्वायत्तता की संकल्पना, स्वायत्तता प्रदान करने में हितधारकों की भूमिका, विभिन्न संस्थानों की कार्य–पद्धति में विद्यमान स्वायत्तता के प्रभाव को समझने के लक्ष्य पर आधारित है। अध्ययन में विषयवस्तु विश्लेषण और तुलनात्मक अध्ययन का मिश्रण है। इस संबंध में विश्वविद्यालय और उनके कॉलेजों के अधिनियमों, संविधियों और अध्यादेशों के साथ–साथ विश्वविद्यालयों के लिए राज्यों के अधिनियमों और संविधियों का विश्लेषण किया जा रहा है। इसके अलावा, उच्च शिक्षा पद्धति में स्वायत्तता की संकल्पना के विकास का विश्लेषण किया जा रहा है।

परियोजना चरण पूरा हो गया है। मसौदा रिपोर्ट तैयार की जा रही है और इसे अंतिम रूप दिया जा रहा है। जून 2019 तक प्रस्तुत किया जाएगा

21. भारतीय निजी विश्वविद्यालय अधिनियमों और शुल्क का विनियमन (एमएचआरडी के अनुरोध पर परियोजना का अध्ययन)

अन्वेषकः डा. संगीता अंगोम

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (निजी विश्वविद्यालयों में मानकों की स्थापना और रखरखाव) विनियम, 2003 के द्वारा निजी विश्वविद्यालयों को विनियमित किया जाता है तथा राज्य विधानसभाओं द्वारा अलग अधिनियम के माध्यम से स्थापित किया जाता है। इसलिए, विभिन्न कार्यों में सामयिक विशेषताओं को समझने की आवश्यकता महसूस हुई ताकि अधिनियमों में प्रावधानों को अलग–अलग राज्यों के विधानों में एक समान किया जा सके। अध्ययन का महत्वपूर्ण तर्क सबसे पहले निजी विश्वविद्यालय अधिनियमों की मुख्य विशेषताओं पर एक समझ प्रदान करना और यह जांचना था कि क्या विश्वविद्यालय अधिनियमों में प्रावधानों के अनुसार अलग–अलग काम कर रहे हैं; दूसरा, प्रशासनिक स्वायत्तता, शैक्षणिक स्वायत्तता और वित्तीय स्वायत्तता

के दायरे को समझना जैसा कि अधिनियमों द्वारा दिया गया है; तीसरा तर्क यह है कि केंद्रीय और राज्य दोनों स्तरों पर निजी विश्वविद्यालयों के नियामक तंत्र का पता लगाना; और अंत में शुल्क संरचना और उस प्रक्रिया की जांच करना जिसमें राज्य द्वारा निजी विश्वविद्यालयों में फीस का निर्धारण और विनियमन किया जा रहा है।

आठ राज्य निजी विश्वविद्यालयों से डेटा एकत्र किया गया। नमूने में प्रशासक, संकाय और छात्र शामिल हैं।

शोध रिपोर्ट को दो भागों में बांटा गया है। पहला भाग मुख्य रूप से विश्वविद्यालय अधिनियम और राज्य उच्च शिक्षा विभाग से संबंधित दस्तावेजों और राज्य के अधिकारियों के साथ बातचीत के माध्यम से एकत्रित जानकारी के आधार पर एकत्र किये गये है। रिपोर्ट का दूसरा भाग मुख्य रूप से विश्वविद्यालय के प्रतिनिधियों, शिक्षकों और छात्रों से प्रश्नावली के माध्यम से एकत्र किए गए आंकड़ों के साथ–साथ विश्वविद्यालय के अधिकारियों के साथ साक्षात्कार के माध्यम से संबंधित जानकारी एकत्र करने पर आधारित है।

रिपोर्ट का पहला भाग पहले से ही तैयार किया जा रहा है। अंतिम रिपोर्ट की तैयारी चल रही है। रिपोर्ट मार्च, 2019 के अंतिम सप्ताह या अप्रैल 2019 के पहले सप्ताह तक सकारात्मक रूप से प्रस्तुत की जाएगी।

22. बिहार में उच्च शिक्षा का शासन

अन्वेषकः प्रो. सुधांशु भूषण

बिहार में विभिन्न महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में माध्यमिक आंकड़ा और क्षेत्र के दौरे के आधार पर विभिन्न अध्यायों का विश्लेषण किया गया। अध्याय योजना इस प्रकार हैः अध्याय 1 राज्य स्तर पर संस्थागत संरचना और शासन निकाय; अध्याय 2 शिक्षकः स्थिति, नियुक्ति, पदोन्नति और प्रतिक्रियाएं; अध्याय 3 महाविद्यालयः प्राचार्य की नियुक्ति संबद्धीकरण और आंतरिक शासन; अध्याय 4 विश्वविद्यालयः अधिकारियों की कार्यप्रणाली, प्राधिकरण और आंतरिक शासन, अध्याय 5 निजीकरण; अध्याय 6 वित्त पोषण; अध्याय 7 छात्र; अध्याय 8 निष्कर्ष; अध्याय 1 से 4 का विश्लेषण पूर्ण है और 5 से 8 के अध्यायों का विश्लेषण पूरा होना बाकी है।

विश्लेषण में यूजीसी और केंद्र/राज्य सरकार के नियमों की जानकारी और कार्यान्वयन की प्रक्रिया शामिल है। शासन परिदृश्य का विश्लेषण उस तरीके की वर्णनात्मक समझ पर आधारित है जिस पर कार्यान्वयन किया जाता है और जहाँ तक संभव हो श्रीनिवास राव और सौमेन चट्टोपाध्याय से प्राप्त फीडबैक को शामिल किया गया है।

23. स्कूल शिक्षा के भू–स्थानिक सूचना प्रणाली का एक प्रायोगिक अध्ययन

अन्वेषकः एनुगुला एन. रेड्डी

स्कूली शिक्षा के लिए भू–स्थानिक सूचना प्रणाली विकसित करने के प्रायोगिक परियोजना के दो उद्देश्य हैं। पहला है, भू–स्थानिक सूचना प्रणाली स्कूल शिक्षा के विकास में विभिन्न राज्य सरकारों के अनुभवों की समीक्षा करना, स्कूलों के भू–स्थानिक आंकड़ों के संग्रह में और शैक्षिक योजना और निगरानी में उनका उपयोग करना। दूसरा उद्देश्य ब्लॉक में स्कूली शिक्षा के लिए भू–स्थानिक सूचना प्रणाली का एक प्रोटोटाइप विकसित करना और स्थानीय स्तर पर शैक्षिक योजना में भू–स्थानिक आंकड़ों की पद्धति और अनुप्रयोगों का प्रदर्शन करना है। भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) वेबसाइटों पर जाकर और वेबसाइटों की सामग्री की जांच, और वेबसाइट पर विभिन्न उपकरणों की उपलब्धता की समीक्षा करके राज्य के अनुभवों की समीक्षा की जा रही है, जिनका उपयोग स्कूल स्थान और निगरानी के नियोजन में किया जा सकता है। इसके बाद शिक्षा के लिए जीआईएस विकसित करने और योजना और निगरानी के लिए उसी का उपयोग करने के लिए अपनाई जाने वाली परिपाटियों पर गहन चर्चा के लिए राज्यों का दौरा किया जाएगा। एक प्रोटोटाइप भौगोलिक सूचना प्रणाली विकसित करने के लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं।

- भू–स्थानिक सूचना प्रणाली वेबसाइटें और वेबसाइटों की सामग्री की जांच, और वेबसाइट पर उपलब्धता और कार्यक्षमता के लिए विभिन्न उपकरण जो स्कूल स्थान की योजना बनाने और निगरानी में उपयोग किए जा सकते हैं। मसौदा समीक्षा रिपोर्ट तैयार की जाती है।
- भू–स्थानिक सूचना प्रणाली डेटा का उपयोग करके शिक्षक स्थानांतरण (हरियाणा) पर एल्गोरिथ्म पर एक पेपर तैयार किया गया है और यह विश्व विकास (एल्सेवियर) के सक्रिय विचार के तहत है।
- प्रगति पर स्कूलों और स्कूल के स्थान पर दो और अध्यायों का अलगाव
- यह परियोजना 2018 में पूरी होगी

24. दिल्ली में प्री–स्कूल शिक्षा प्रदान करने वाली निजी फ्रेंचाइजी का एक अध्ययन

अन्वेषकः डा. सविता कौशल

प्री–स्कूल शिक्षा को अब प्राथमिक विद्यालय की तैयारी के लिए अनिवार्य आवश्यकता माना जा रहा है। इस जरूरत को पूरा करने के लिए, पिछले दो दशकों में देश में प्री–स्कूलों की संख्या में तेजी से विस्तार हुआ है। हाल के वर्षों में, प्री–स्कूल शिक्षा प्रदान करने के लिए निजी फ्रेंचाइजी के सक्रिय उद्भव हुए हैं। इस अध्ययन के उद्देश्य चयनित निजी फ्रेंचाइजी प्रो–स्कूल के शैक्षणिक और प्रशासनिक ढांचे और शासन का विश्लेषण करना था। इसके अलावा, चयनित निजी प्री–स्कूलों में प्रदान की गई प्रवेश प्रक्रियाओं और अवसंरचनात्मक सुविधाओं की भी जांच की गई। इन स्कूलों में भाग लेने वाले बच्चों की पृष्ठभूमि का भी अध्ययन किया गया था। इस अध्ययन में शिक्षकों द्वारा अपनाई गई उपलब्धियों और कमियों के साथ–साथ दिल्ली, (30) और हरियाणा (10) के निजी फ्रेंचाइजी प्री–स्कूलों के कामकाज से संबंधित पाठ्यक्रम संचालन की तकनीकों का भी पता चला। चयनित नमुना प्री–स्कूलों के प्रशासनिक कर्मचारियों के सदस्यों, शिक्षकों और बच्चों के माता–पिता से एकत्र किया गया था। छोटे फ्रेंचाइजी प्री–स्कूलों के मामले में, नमूना में चार शिक्षकों और प्रशासनिक कर्मचारियों के सदस्यों को शामिल करने के लिए ध्यान दिया गया था। परियोजना की मसौदा रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया जा रहा है। उम्मीद है कि 30 मार्च, 2019 तक पूरा होने की संभावना है।

25. प्रशिक्षण आवश्यकताओं की पहचान करने के लिए शैक्षिक प्रशासकों के वर्तमान की तुलना में भविष्यपरक कार्यों एवं भूमिकाओं की समलोचनात्मक जाँच करने के लिए एक गहन अध्ययन

अन्वेषकः प्रोफेसर बी.के. पांडा और
डा. मोना सेदवाल

ई–नेटवर्क के माध्यम से रिपोर्ट और पुस्तकों के रूप में दस्तावेज ज्ञान की उपलब्धता की प्रतीक्षा किए बिना दुनिया भर से ज्ञान प्राप्त करने की तकनीक और गुंजाइश के आगमन ने सूचना और ज्ञान तक पहुंचने की समय–सीमा के अवरोध को हटा दिया है। परिणामस्वरूप, एक तरफ ज्ञान और सूचना का निरंतर प्रवाह, हमारे ज्ञान को अद्यतन कर रहा है, और दूसरी तरफ, यह हर पल अप्रचलित भी हो रहा है। इस प्रकार नए ज्ञान के साथ तालमेल बनाए रखना और निरंतर आधार पर उसे प्राप्त करना और उसका सदुपयोग करना एक बड़ी चुनौती है। शैक्षिक प्रशासक को नवीनतम तकनीकी ज्ञान से लैस करने और कर्मियों को बेहतर और कुशलतापूर्वक प्रदर्शन करने में सक्षम बनाने के लिए सूत्रधार की भूमिका को अनुकूलित करने की आवश्यकता है।

अध्ययन का उद्देश्य

- शैक्षिक प्रशासकों को प्रदान किए जाने वाले प्रशिक्षण के भविष्य के आयामों की पहचान करना;
- शैक्षिक प्रशासकों की क्षमता के निर्माण के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचान करना;
- मौजूदा प्रशिक्षण सुविधाओं और ऐसे संस्थानों की क्षमताओं को समझने के लिए जो शैक्षिक प्रशासकों को प्रशिक्षण प्रदान करते हैं;
- शैक्षिक और प्रशासनिक दोनों क्षेत्रों के संदर्भ में शैक्षिक प्रशासकों के व्यावसायिक विकास के लिए एक मॉडल प्रशिक्षण ढांचा विकसित करना; तथा
- एक मॉडल कार्यक्रम विकसित करना जो संसाधनों के संदर्भ में संभव हो, और कार्यान्वयन के संदर्भ में प्रभावी हो, प्रशिक्षण के कार्यान्वयन में स्थायी हो और मूक्स/ई–लर्निंग के नवीनतम तरीकों के उपयोग की लागत प्रभावी और आउटरीच व्यवहार्यता हो।

अध्ययन का विस्तार

अध्ययन में शामिल किया जाएगाः (1) जिन राज्यों में शैक्षिक प्रशासक राज्य लोक सेवा आयोग के माध्यम से चुने गए हैं, (2) वे शैक्षिक प्रशासक जो अनुभव के आधार पर प्रवेश कर रहे हैं, इत्यादि। शैक्षिक प्रशासकों की भर्ती अनुकूलित प्रक्रियाओं से संबंधित है और राज्य अकादमियों और अन्य संस्थानों के माध्यम से उनके प्रशिक्षण के लिए प्रावधानों की राज्य स्तर की जानकारी

को एकत्र किया जाएगा। शैक्षिक प्रशासकों से प्रशिक्षण के रूप में विषयों की आवश्यकताओं के बारे में सटीक जानकारी भी एकत्र की जाएगी।

अध्ययन तीन चरणों में आयोजित किया जाएगा, जो तीन–चार वर्षों में देश के सभी राज्यों को शामिल करेगा। हालांकि, अध्ययन के पहले चरण को केवल 18 महीने तक ही सीमित रखा जाएगा, इस अध्ययन की खोज आगे के अनुसंधान के संचालन का आधार बनेगी। समीक्षा का काम प्रगति पर है।

26. शिक्षा में राज्य स्तरीय क्षमता निर्माण संस्थानों का समलोचनात्मक मूल्यांकन

अन्वेषकः प्रो. नजमा अख्तर और डा. सविता कौशल

देश में विभिन्न राज्यों के शैक्षिक विकास की जरूरतों को पूरा करने के लिए शिक्षा में क्षमता निर्माण संस्थान पचास के दशक में बनाए गए थे। इन राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों को प्रशिक्षण, अनुसंधान, पाठ्यक्रम विकास के कार्यों के साथ–साथ शिक्षा के क्षेत्र में दिशा प्रदान करने में राज्य शिक्षा विभाग के लिए थिंक टैंक के रूप में कार्य करना होता है। हालांकि, इन प्रशिक्षण और क्षमता निमार्ण संस्थानों को भविष्य की चुनौतियों तथा राष्ट्र के विकास में निरंतर सहायता प्रदान करने और किसी भी तरह के संकट का सामना करने के लिए सुसज्जित किये गये हैं।

अध्ययन के उद्देश्य के लिए सभी एससीईआरटी/एसआईई जो प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम दे रहे है उन्हें कवर किया जाएगा। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, 27 राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी), सभी राज्य शिक्षा संस्थान और कुछ शैक्षिक प्रबंधन संस्थान और प्रशिक्षण संस्थान इन सभी को अध्ययन में शामिल किया जाएगा। अध्ययन राज्य के इन संस्थानों के साथ सभी उपलब्ध संसाधनों जैसे कि मानव संसाधन, सुविधाएं, बुनियादी ढांचे, आउटरीच और संस्थानों द्वारा समय–समय पर आयोजित कार्यक्रमों और राज्य सरकार के शिक्षा कार्यक्रमों में इसकी भूमिका को कवर करने का प्रयास करेगा, (क) उपलब्ध सभी संसाधनों से संबंधित जानकारी को कवर करने वाले संस्थागत प्रश्नावली (ख) संस्थानों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों के प्रकार (ग) संस्थानों में उपलब्ध सुविधाएं (घ) संस्थानों द्वारा सामना की जाने वाली बाधाएं (ङ) संस्थानों के प्रबंधन में उच्च अधिकारियों से उपलब्ध सहायता (च) अन्य विभाग और संस्थानों के साथ संबंध, और (छ) शैक्षिक प्रशासकों के लिए आयोजित प्रशिक्षण का प्रकार; के माध्यम से आंकड़ा एकत्र किया जायेगा।

राज्यों की दो मसौदा रिपोर्ट प्रस्तुत की गई हैं।

27. राजस्थान के शैक्षिक रूप से पिछड़े ब्लॉक और गैर–शैक्षिक रूप से पिछड़े ब्लॉक में सामाजिक गतिशीलता और स्कूल प्रबंधन का तुलनात्मक अध्ययन

अन्वेषकः डा. मोना सेदवाल

शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई), 2009 ने राष्ट्र भर के स्कूलों में बच्चों को लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। राजस्थान में भी, आरटीई ने स्कूल प्रबंधन समिति (एसएमसी) और जमीनी स्तर पर काम कर रहे अन्य शैक्षणिक संस्थानों पर प्रमुख जिम्मेदारियों को बढ़ावा देकर इसे एक वास्तविकता बना दिया है। इसी तर्ज पर, भारत सरकार ने शैक्षिक रूप से पिछड़े ब्लॉक (ईबीबी) की पहचान की है जहाँ सभी के लिए शिक्षा को वास्तविकता बनाने के लिए ठोस प्रयास किए गए हैं।

उपर्युक्त चर्चा से को ध्यान में रखते हुए, वर्तमान अध्ययन में स्कूल प्रबंधन में जाति की गतिशीलता के प्रकाश में एसएमसी की संरचना के प्रभाव की जांच करने का प्रस्ताव है। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 के अनुसार, राजस्थान में राज्य में अनुसूचित जाति की 59 श्रेणियां हैं। राजस्थान राज्य में 17 प्रतिशत अनुसूचित जाति और 13 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति शामिल हैं। 2011 की जनगणना के अनुसार, साक्षरता 53 प्रतिशत है।

अध्ययन के मुख्य उद्देश्य इस प्रकार हैंः–

- ईबीबी और गैर–ईबीबी गांवों में स्कूल प्रबंधन पर इसके सामाजिक संरचना, इसके संबंध और प्रभाव का आकलन करने के लिए।
- स्कूल प्रबंधन के कामकाज और स्कूल प्रबंधन के सदस्यों के रवैये और ईबीबी और गैर–ईबीबी में एससी समुदाय से आने वाले बच्चों के प्रति मुख्याध्यापक के दृष्टिकोण का अध्ययन करना।

- ईबीबी और गैर ईबीबी में बीईओ, डीईओ, डायट और एसआईईआरटी द्वारा प्रदान किए गए शैक्षिक इनपुटों की मदद से एसडीपी को विकसित करने और इसे लागू करने में स्कूल प्रबंधन की भागीदारी का अध्ययन करना।
- यह अध्ययन करने के लिए कि ईबीबी और गैर–ईबीबी में एससी जनसंख्या के लिए गाँव स्तर पर स्कूल प्रबंधन की कार्यप्रणाली कितनी समावेशी है।
- सामग्री और कार्यप्रणाली के साथ–साथ एसएमसी के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रभाव का मूल्यांकन करने और ईबीबी और गैर–ईबीबी गांवों में प्रशिक्षण कार्यक्रमों में अ.जा. सदस्यों की भागीदारी दर का आकलन करना।

1. अध्ययन का सहायक डाटा प्राथमिक और सहायक डाटा दोनों के संग्रह और विश्लेषण पर आधारित होगा। बड़े सर्वेक्षण के लिए सर्वेक्षण और केस अध्ययन के दृष्टिकोण को अपनाया जाएगा, और बाद में, बड़े सर्वेक्षण के आधार पर, एससी आबादी की बहुलता के आधार पर सामाजिक गतिशीलता के गहन अध्ययन के लिए दो गांवों का चयन किया जाएगा। ब्लॉक में समूहों की संख्या को ध्यान में रखा जाएगा और इसका लगभग 50 प्रतिशत, या यदि समूहों की संख्या कम है, तो उन सभी को अनुसूचित जाति की जनसंख्या के आधार पर अध्ययन के लिए लिया जाएगा। लेकिन, बुनियादी पैरामीटर गांव में एससी आबादी की हिस्सेदारी और स्कूल प्रबंधन में इसके प्रतिनिधित्व पर होगा। घरेलू सर्वेक्षण दो ब्लॉकों में आयोजित किया जाएगा जो गहन अध्ययन के लिए गांवों के चयन का आधार बनेगा। स्कूल प्रबंधन को प्रभावित करने वाली सामाजिक गतिशीलता को प्रतिबिंबित करने के लिए चुनिंदा स्कूलों पर जाति अध्ययन विकसित किया जाएगा। माध्यमिक स्रोतों की समीक्षा और आंकड़ा विश्लेषण जारी है।
2. स्कूल की अंत अवधि परीक्षाओं और छुट्टियों के कारण शोध संचालन के लिए क्षेत्र में जाने में असमर्थता होने के कारण विलंब हुआ। दूसरे, आईडेपा कार्यक्रम की तैयारियों के कारण 15 जनवरी 2019 के बाद क्षेत्र में जाने में असमर्थता। आंकड़ा संग्रहः आंकड़ों एफजीडी और व्यक्तिगत साक्षात्कार के आधार पर विशिष्ट प्रारूप में संग्रहित किया जाना है। परिचय अध्याय और अध्ययन के प्रारूप की रूपरेखा का मसौदा तैयार किया गया है।

28. भारत के शहरी मलिन बस्तियों में शिक्षा में बच्चों की भागीदारी का समलोचनात्मक मूल्यांकन

अन्वेषकः डा. सुनीता चुघ

इस परियोजना को स्थानीय संस्थानों और शोधकर्ताओं के सहयोग से देश भर के दस शहरों (हैदराबाद, भुवनेश्वर, रायपुर, मुंबई, कोलकाता, लखनऊ, भोपाल, कानपुर, लुधियाना और दिल्ली) में चलाया जा रहा है। प्रत्येक शहर में अनुसंधान समन्वयकों का चयन किया गया और आंकड़ा संग्रह के उपकरणों को अंतिम रूप देने के लिए कार्यशालाओं का आयोजन किया गया था। आंकड़े एकत्र करके सभी अनुसंधान समन्वयकों के साथ समन्वय और आंकड़ों की जांच नियमित रूप से की जा रही है।

प्रत्येक शहर से पांच; कुल मिलाकर 50 मलिन बस्तियों का चयन किया गया। परियोजना की प्रगति और प्रारूप रिपोर्ट को साझा करने के लिए परियोजना सलाहकार समिति के साथ कार्यशालाएं भी आयोजित की गई। परियोजना के कर्मचारियों की नियुक्ति के उपरान्त जुलाई 2017 से परियोजना के काम ने गति पकड़ ली है और निरंतर आधार पर काम हो रहा है। परियोजना की प्रगति इस प्रकार हैः

- आठ शहरों में, घरों से डाटा संग्रह का कार्य पूरा हो गया है, और शेष दो शहरों (मुंबई और रायपुर) में बहुत प्रगति चरण में है। लखनऊ, कानपुर, भोपाल और लुधियाना में स्कूल सर्वेक्षण किया गया है। हैदराबाद के स्कूलों से डाटा संग्रह प्रक्रिया पूरा हो गया है। डाटा संग्रह प्रक्रिया की देखरेख के लिए कुछ शहरों का दौरा किया।

- 8 शहरों के लिए घरों से एकत्रित आंकड़ा प्रविष्टि समाप्त हो गई है। अन्य दो शहरों के लिए आंकड़ा प्रविष्टि पूर्णता के उन्नत चरणों में है। आंकड़ों की निरंतर निगरानी और सफाई की जा रही है।
- लखनऊ, कानपुर, भोपाल, लुधियाना और दिल्ली शहर के घरेलू आंकड़ों का विश्लेषण करके एक छोटी रिपोर्ट तैयार की गई है।
- माध्यमिक आंकड़ों के आधार पर नौ शहरों का (जनगणना और शहर की रिपोर्ट) प्रोफाइल तैयार किया गया है।

29. स्कूलों में 'विशिष्ट अधिगम दिव्यांगता' वाले बच्चों को शामिल करने के लिए नीति और परिपाटियों पर एक अध्ययन

अन्वेषकः डा. वीरा गुप्ता

स्कूली शिक्षा में बच्चों द्वारा सामना किए जाने वाले दिव्यांगताओं की भिन्न प्रकृति के प्रति बढ़ती जागरूकता के साथ, सीखने की दिव्यांगता शैक्षणिक और नीतिगत चिंता के एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में उभरी है। आरटीई अधिनियम–2009 और पीडब्ल्यूडी विधेयक– 2012 दोनों ने समस्या से निपटने के लिए सीखने की दिव्यांगता को अपने दायरे में शामिल किया है। हालांकि नीतिगत पहल की जा रही है, लेकिन मूल्यांकन और कार्यक्रम संबंधी हस्तक्षेप के संबंध में संस्थागत और स्कूल स्तरों पर बहुत स्पष्टता नहीं है। सीखने की प्रकृति और सीमा गोवा (डाईस 2011–12) में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में विकलांगता 0 प्रतिशत विशिष्ट अधिगम अक्षमता (एसएलडी) से राज्यों में बहुत भिन्न है। यह समझने की आवश्यकता है कि नीति और परिपाटियों के संदर्भ में सीखने की विशिष्ट दिव्यांगता से संबंधित वर्तमान और उभरती समस्याओं से निपटने के लिए स्कूल और संस्थागत स्तरों पर सीखने की दिव्यांगता की अवधारणा को कैसे संचालित किया जाता है। प्रस्तावित अनुसंधान इस दिशा में एक ईमानदार कदम है। भले ही भारत में एसएलडी पर नीति एक नवजात अवस्था में है, लेकिन क्षेत्र में उपलब्ध सर्वोत्तम परिपाटियों के साक्ष्य जुटाने के लिए खोजपूर्ण अध्ययन की आवश्यकता है। प्रस्तावित अध्ययन नीति और नीति प्रक्रियाओं के निर्माण के लिए सबूतों को प्रस्तुत करने के उद्देश्य से जमीनी स्तर पर वास्तविकता का पता लगाने के उद्देश्य से है। इसलिए, अध्ययन में डिस्लेक्सिया के विशिष्ट संदर्भ के साथ स्कूली शिक्षा में दिव्यांग बच्चों को सीखने की नीति को शामिल करने की नीति और व्यवहार का प्रस्ताव है।

अध्ययन के मुख्य उद्देश्य इस प्रकार हैं:–

अ. नीतियों और परिपाटियों के संदर्भ में विशिष्ट अधिगम विकलांगता (एसएलडी) और कार्यक्रम के हस्तक्षेप की समस्या की प्रकृति और परिमाण का पता लगाना।

ब. भारत में विशिष्ट राज्यों में विशिष्ट अधिगम विकलांगता (एसएलडी) के लिए पहचान, संदर्भ और शैक्षिक हस्तक्षेप के लिए राज्य और जिला स्तर की नीतियों और परिपाटियों का अध्ययन करना।

स. विशिष्ट अधिगम विकलांगता (एसएलडी) के सीखने के प्रतिफलों पर कार्यक्रम के हस्तक्षेप के प्रभाव का अध्ययन करने और क्षेत्र में उपलब्ध सर्वोत्तम परिपाटियों का दस्तावेजीकरण करने के लिए।

द. मूल्यांकन, निदान, शिक्षण कार्यनीतियों और कार्यक्रम प्रावधानों के लिए एसएलडी पर नीति निर्माण के लिए इनपुट प्रदान करना।

अध्ययन बीआरसी और स्कूल स्तर पर माध्यमिक दस्तावेज के क्षेत्र–आधारित अनुभवजन्य डाटा और विश्लेषण दोनों के संयोजन पर आधारित है। यह एसएलडी की पहचान, मूल्यांकन और हस्तक्षेप के लिए जिलों, बीआरसी और स्कूलों से संबंधित राज्य सरकारों द्वारा जारी दिशा–निर्देशों, परिपत्रों और आदेशों का विश्लेषण करेगा। इसके अलावा, परिचालन वास्तविकताओं का पता लगाने के लिए क्षेत्र–आधारित अनुभवजन्य डाटा एकत्र किया जाएगा और उनका विश्लेषण किया जाएगा। स्कूल आधारित अनुभवजन्य डाटा चयनित स्कूलों से एकत्र किया जाएगा। डाटा अवलोकन और साक्षात्कार अनुसूची की मदद से एकत्र किया जाएगा। ये शिक्षकों, परामर्शदाताओं और छात्रों के लिए डिजाइन किए जाएंगे। क्षेत्र–आधारित डाटा 30 स्कूलों से एकत्र किया जाएगा। रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

30. प्राथमिक स्तर पर मुस्लिम बच्चों के बीच गैर–नामांकन और ड्रॉपआउट के कारणः आंध्र प्रदेश और उत्तर प्रदेश का तुलनात्मक अध्ययन

अन्वेषकः डा. वेटुकुरी पी.एस. राजू

वर्तमान अध्ययन में दो राज्यों यानी आंध्र प्रदेश (द्विभाजन से पहले) और उत्तर प्रदेश में मुस्लिम बच्चों के गैर–नामांकन और ड्रॉप–आउट के कारणों की जांच की गई, जोकि अन्य सभी बच्चों की तुलना में मुस्लिम बच्चों के नामांकन दर कम हैं। इस उद्देश्य के लिए मुख्य रूप से चार विकसित मुस्लिम जिले, अर्थात् निजामाबाद और अविभाजित आंध्र प्रदेश से कुरनूल और उत्तर प्रदेश के रामपुर और बहराइच को चुना गया है। सूक्ष्म स्तर पर जांच के प्रमुख विषय मुस्लिम परिवारों की पहुंच, भागीदारी, सामाजिक–आर्थिक स्थिति, माता–पिता का व्यवसाय और उनके गैर–नामांकन और ड्रॉप–आउट पर इसका प्रभाव हैं।

साक्षरता दर, नामांकन दर, पहुंच, बहुसंख्यक लोगों का व्यवसाय और मुस्लिम आबादी के आकार आदि जैसे कई विकास चरों को ध्यान में रखते हुए, ग्रामीण और शहरी परिवारों को स्थानीय शैक्षिक प्रशासनिक कर्मियों के परामर्श से डेटा संग्रह के लिए चुना गया। चयनित गाँवों में पूरे मुस्लिम परिवारों की गणना की जाती है और स्कूल जाने की उम्र (6–14 वर्ष) में कम से कम एक गैर–पंजीकृत और ड्रॉपआउट बच्चे वाले परिवारों को अतिरिक्त प्रश्नावली के लिए चुना गया है। एकत्र किए गए आंकड़ों को सारणीबद्ध और विश्लेषण करके कंप्यूटर में प्रविष्ट किया गया है, और निष्कर्ष निकालने के लिए व्याख्या की गई है।

गुणात्मक और मात्रात्मक तरीकों को नियुक्ति के माध्यम से इन पहलुओं और आयामों के संबंधों का विश्लेषण किया गया है। व्यापक दृष्टिकोण प्रस्तुत करने के लिए मात्रात्मक जानकारी के उपयोग पर और प्रक्रियाओं को समझने के लिए गुणात्मक जानकारी के उपयोग पर ध्यान केंद्रित किया है। अध्ययन में स्कूली सुविधाओं, परिवारों की सामाजिक–आर्थिक स्थिति और बच्चों की शैक्षिक स्थिति और माता–पिता के दृष्टिकोण को पकड़ने के लिए प्रश्नावली का एक सेट नियोजित किया गया है। इसके अलावा, एक अर्ध–संरचित साक्षात्कार अनुसूची का उपयोग विभिन्न सामुदायिक मुखियाओं, धार्मिक व्यक्तियों और शिक्षा के लिए अन्य राय निर्माताओं के दृष्टिकोण का पता लगाने के लिए किया गया है।

यह अध्ययन विभिन्न क्षेत्रों में शिक्षा प्राप्त करने वाले बच्चों की गुणवत्ता पर भी केंद्रित है। विश्लेषण में इस पर चर्चा की गई और दिखाया गया कि मुस्लिम बच्चे गुणवत्ता के उप मानक का अध्ययन कर रहे हैं। सभी सामाजिक समूहों और धार्मिक समुदायों के अलावा, मुसलमानों में अशिक्षा की समस्या बहुत अधिक थी। इसके अलावा, मुसलमानों के बीच लिंग अंतर अन्य समुदायों की तुलना में अधिक है।

सभी नमूना गांवों में आर्थिक अवरोध ही शिक्षा को बंद करने/छोड़ने के लिए जिम्मेदार सबसे महत्वपूर्ण घटक थी। देश में शिक्षा प्रणाली के भीतर भौतिक बुनियादी ढांचे की मौजूदा परिस्थितियां भी चिंता का विषय है। इसके अलावा, अल्पसंख्यक एकाग्रता क्षेत्र में बुनियादी ढांचे की समस्या, शिक्षकों की अनुपलब्धता, कक्षा की कमी, अल्प वेतन और शिक्षकों के अनियमित वेतन आदि से गरीब और हाशिए के छात्रों की स्कूली शिक्षा प्रभावित हो रही है। विशेष रूप से सीमांत समूहों के बीच ''सभी के लिए शिक्षा'' के लक्ष्य को हासिल करने में प्रशिक्षित शिक्षकों की कमी एक बड़ी बाधा बनी हुई है। सर्वेक्षण से पता चला कि लगभग सभी नमूना गांवों में शायद ही किसी सरकारी स्कूल में पर्याप्त स्टाफ और बुनियादी ढांचा था।

31. भारतीय स्नातक महाविद्यालयों में पुस्तकालय सुविधाएं और छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन पर इसका प्रभाव

अन्वेषकः डा. संगीता अंगोम

पुस्तकालय को किसी भी संस्थान का मस्तिष्क माना जाता है। कई संस्थान पुस्तकालय के महत्व को संस्थान के विकास और उपयोगकर्ताओं के सम्मान में वृद्धि को समझते हैं। पुस्तकालय शिक्षकों, शोधकर्ताओं, छात्रों के साथ–साथ जनता के लिए सीखने का बहुत महत्वपूर्ण स्रोत है। विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में अधिकांश पुस्तकालय छात्रों और शिक्षकों के लिए हैं, लेकिन विश्वविद्यालय के कुछ पुस्तकालय जनता के लिए भी खुले हैं। दुनिया के उन्नत देशों की तुलना में भारत में महाविद्यालयों, कॉलेज पुस्तकालयों और कॉलेज पुस्तकालयाध्यक्षों की स्थिति खराब है। अधिकांश

कॉलेजों में पुस्तकालय की उचित सुविधाएँ नहीं हैं और जहाँ भी पुस्तकालय उपलब्ध हैं, वहाँ ठीक से प्रशिक्षित जनशक्ति द्वारा प्रबंधित पुस्तकालय नहीं है। इस समस्या के कई कारण हैं जिनमें बजट, स्थान, संसाधन, जनशक्ति, राष्ट्रीय नीतियों की कमी और मानक शामिल हैं। कॉलेज के पुस्तकालय छात्रों के समग्र विकास में उन्हें सुविज्ञ व्यक्ति में बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कॉलेज पुस्तकालय उनके पढ़ने के कौशल, जानकारियां प्राप्त करना और संसाधनों के बारे में ज्ञान में सुधार में मददगार है। हालांकि, कॉलेज पुस्तकालयों की स्थितियों के बारे में थोड़ा अनुभवजन्य आंकड़ा है कि इलेक्ट्रॉनिक/डिजिटल संसाधनों को अंडरग्रेजुएट्स द्वारा ध्यान में रखते हुए उपयोग किया जा रहा है और भारत के अधिकांश कॉलेजों ने अपने पुस्तकालय संसाधनों को पूरी तरह से डिजिटल नहीं किया है।

साहित्य समीक्षा से स्पष्ट है कि कॉलेज के पुस्तकालय में अकादमिक पुस्तकालयों या सुविधाओं के उपयोग पर काफी अध्ययन किए गए हैं। लेकिन अधिकांश अध्ययन एक विशेष राज्य तक ही सीमित थे और विशेष रूप से स्नातक महाविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों के पुस्तकालय सुविधाओं पर राष्ट्रीय स्तर पर शायद ही कोई अध्ययन किया गया हो। ऐसे कई प्रश्न हैं जिनका उत्तर देने की आवश्यकता है जैसे कि छात्रों, संकाय सदस्यों और बाहरी विद्वानों द्वारा पुस्तकालय का कितना उपयोग हो रहा है? कितना धन आवंटित किया जा रहा है और उनका उपयोग कैसे किया जाता है? पुस्तकालय स्वचालित है या नहीं? संकाय और छात्रों के लिए किस प्रकार की पत्रिकाएँ और कितने ई–पत्रिकाएँ उपलब्ध हैं? क्या भारतीय कॉलेज पुस्तकालय, उपयोगकर्ताओं की जरूरतों के साथ पर्याप्त किताबें, आवधिक और इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों का संग्रह कर सकते हैं? "क्या भारतीय कॉलेज पुस्तकालय छात्रों और शोधकर्ताओं की जानकारी, अनुसंधान, शैक्षिक और मनोरंजक आवश्यकताओं को पूरा कर सकते हैं? क्या शैक्षणिक प्रदर्शन पर पुस्तकालय की स्थिति का कोई प्रभाव है? क्या कॉलेज एनएएसी द्वारा दिए गए दिशानिर्देशों या मापदंडों के आधार पर पुस्तकालयों का प्रबंधन करता है? क्या कॉलेज लाइब्रेरी के संग्रह ने शैक्षणिक समुदाय को उचित सेवाएं सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सेवा प्रदान की है? महाविद्यालयों में पुस्तकालय और उसकी सेवाओं के उपयोग की सीमा क्या है? क्या महाविद्यालय के पुस्तकालयों की कोई सर्वोत्तम प्रथाएं हैं जो अकादमिक सूचना पर्यावरण और उपयोगिता को बढ़ा सकती हैं? क्या छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन और पुस्तकालय में उनकी व्यस्तता के बीच सीधा संबंध है? या छात्रों के प्रदर्शन और कॉलेज द्वारा प्रदान की जाने वाली पुस्तकालय सुविधाओं के बीच कोई सीधा संबंध है? वर्तमान अध्ययन दो विशिष्ट उद्देश्यों के साथ प्रस्तावित हैः i) पुस्तकालय सुविधाओं से संबंधित एनएएसी मापदंडों को ध्यान में रखते हुए भारतीय कॉलेजों में पुस्तकालय सुविधाओं के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन करना; ii) उपयोगकर्ता (छात्र) के शैक्षणिक प्रदर्शन पर कॉलेज पुस्तकालय के प्रभाव का आकलन करना।

अध्ययन के उद्देश्य

- पुस्तकालय निर्माण, कुल संग्रह और अन्य सुविधाओं के संदर्भ में महाविद्यालयों द्वारा उपलब्ध कराई गई पुस्तककालय सुविधाओं की जांच करना।
- कॉलेज पुस्तकालय पर वित्त आवंटन का पता लगाना
- पुस्तकालयाध्यक्ष की योग्यता और काम करने की स्थिति (जैसे शिक्षा और प्रशिक्षण, काम करने का माहौल, अधिकार, अवकाश, वेतन आदि) का पता लगाना
- महाविद्यालयों में पुस्तकालय संसाधनों के उपयोग की सीमा की जांच करना
- यह पता लगाना कि शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए एनएएसी मापदंडों के अनुसार कॉलेज पुस्तकालय अपने उपयोगकर्ताओं के लिए अपनी सेवाओं का प्रबंधन या विस्तार कर रहे हैं या नहीं
- पुस्तकालयों की स्थिति और उच्च शिक्षा की गुणवत्ता पर उनके प्रभाव का पता लगाना
- पुस्तकालय में उनकी व्यस्तताओं के संबंध में छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन का पता लगाना
- महाविद्यालयों द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियों का पता लगाना, उपयोगकर्ताओं की सुविधाओं, वित्त आपूर्ति और सेवाओं के प्रबंधन और सुधार के उपायों की पेशकश करना।

अनुसंधान पद्धतिः यह विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण से एक सर्वेक्षण अनुसंधान होगा।

(1) जनसंख्या और नमूनाः अध्ययन में भारत के सभी स्नातक सामान्य डिग्री कॉलेज शामिल होंगे, प्रस्तावित अध्ययन के नमूने में पांच क्षेत्रों– पूर्व, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण और पूर्वोत्तर क्षेत्र, में से प्रत्येक क्षेत्र से चार राज्य– कुल 20 राज्य शामिल होंगे। कॉलेजों को नमूना राज्यों से अनियमित रूप से चुना जाएगा, जो नमूना राज्यों से कॉलेजों की संख्या तय करने के लिए भारित नमूना विधि के माध्यम से निम्नानुसार होगाः

i). प्रत्येक राज्य से 10 प्रतिशत कॉलेज– (कॉलेजों के भारित नमूने का चयन)

ii). प्रत्येक कॉलेज के छात्रों की कुल आबादी का – 10 प्रतिशत छात्र

iii).प्रत्येक कॉलेज से शिक्षकों की कुल आबादी का – 10 प्रतिशत शिक्षक

2. स्रोतः दोनों माध्यमिक और प्राथमिक डेटा का उपयोग अध्ययन के लिए किया जाएगा। (i) प्राथमिक आंकड़ों को कॉलेज प्रशासन, पुस्तकालयाध्यक्ष/पुस्तकालय प्रभारी, शिक्षकों और छात्रों से प्रश्नावली और साक्षात्कार कार्यक्रम के माध्यम से एकत्र किया जाएगा और (ii) माध्यमिक आंकड़ों को कॉलेज के दस्तावेजों से एकत्र किया जाएगा।

(3) उपकरणः (i) प्रश्नावली और (ii) साक्षात्कार कार्यक्रम

(4) आंकड़ा संग्रहः कॉलेज प्रशासकों, पुस्तकालयाध्यक्षों/पुस्तकालय प्रभारियों, शिक्षकों और छात्रों से निर्मित उपकरणों का उपयोग करके प्राथमिक आंकड़ा एकत्र किया जाएगा।

वर्तमान में, शोध अध्ययन अपने शुरुआती चरण में है। संबंधित साहित्य कार्य की समीक्षा चल रही है

32. भारत में शिक्षक शिक्षा का शासन, अधिनियम और गुणवत्ता आश्वासन

अन्वेषकः प्रो. प्रणति पांडा

गुणवत्तापूर्ण अध्यापकों और गुणवत्तापरक शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों को सुनिश्चित करना दशकों से मूलभूत राष्ट्रीय चिंताओं के रूप में जारी है। सामान्य रूप से शिक्षक शिक्षा क्षेत्र में कार्यक्रम/पाठ्यक्रमों की अवधि, पाठ्यक्रम संरचना, निजी प्रदाताओं के प्रभुत्व, आदि के संदर्भ में परिवर्तन देखा जा रहा है, जबकि उच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षक शिक्षा को प्रभावी और सक्षम शिक्षक तैयार करने के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है, यह शिक्षक को एक पेशेवर के रूप में विकसित करने के लिए नींव है।

उच्च–गुणवत्ता वाले शिक्षकों की मांग को उच्च–गुणवत्ता वाले शिक्षक शिक्षा के बिना पूरा नहीं किया जा सकता है। पढ़ाने के लिए अपर्याप्त तैयारी, शिक्षण प्रभावशीलता, शिक्षक की उपस्थिति दर और स्कूल कॉलेजिएट का छात्र की उपलब्धि के परिणामों पर प्रभाव पड़ता है। शिक्षक शिक्षा में गुणवत्ता आश्वासन की आवश्यकता भारतीय शिक्षक शिक्षा क्षेत्र में सबसे कमजोर क्षेत्र के रूप में बनी हुई है। 'शिक्षक शिक्षा की गुणवत्ता को एक गुणवत्तापूर्ण संस्कृति के रूप में बढ़ावा देना और प्रत्येक संस्थान के बेहतर प्रदर्शन का आश्वासन कैसे दिया जाए?' यह एक चुनौती है।

संबंधित साहित्य की समीक्षा जारी है। समीक्षा स्पष्ट रूप से इंगित करती है कि शिक्षक शिक्षा क्षेत्र में विनियमन और गुणवत्ता आश्वासन की प्रवृत्ति को भारतीय संदर्भ में संकीर्ण दृष्टिकोण से देखा जाता है। सभी प्रतिनिधि संस्थानों की प्रश्नावली प्रगति पर है। चर को मापने के लिए प्रमुख संकेतकों की पहचान की गई है। द्वितीयक आंकड़ों का विश्लेषण किया गया है। तीसरे विषय पर पत्रों को विभिन्न सम्मेलनों और मंचों में प्रस्तुत किया गया है।

33. शैक्षिक प्रशासन में महिलाएँः भारत के चुनिंदा राज्यों में उनकी स्थिति, मुद्दे और चुनौतियों का अध्ययन

अन्वेषकः डा. मंजू नरूला

पिछले कुछ दशकों से जैसे राजनीति, प्रौद्योगिकी और व्यवसाय आदि विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं का योगदान बढ़ा हैं, लेकिन उनकी संख्या बहुत कम है। कई कानूनों और हस्तक्षेपों के कारण, महिलाओं की शैक्षणिक स्थिति बढ़ी। शोध के अनुसार, ये स्थितियां संतुलन में अभी भी पुरुषों के मुकाबले कम है। यह सत्य है कि कामकाजी महिलाओं को घर और कार्यस्थल पर उनके सामने असंख्य चुनौतियों और समस्याओं का सामना हैं। हालांकि, सामाजिक परिवर्तन ने पीढ़ियों के दौरान

महिला प्रशासकों के जीवन और कार्य को प्रभावित किया है (लॉडर, 2005)। घर की जिम्मेदारियों, अवसरों की कमी, जिले में काम पर रखने की प्रथाओं, अन्य ''बाधाओं'' सहित शीर्ष प्रबंधकीय पदों पर उनकी दुर्लभ उपस्थिति के कारण कार्यकारी महिलाओं की भूमिका मॉडल की कमी है ऐसी परिस्थितियां या स्थितियां जो स्कूल प्रशासक और सामाजिक परिवर्तन का प्रयास करने वाली महिलाओं की कठिनाई को पैदा करती हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका में महिला प्रशासकों के बीच कामकाजी पारिवारिक संघर्ष प्रमुख चिंता का विषय है। (क्लार्क, कैफेरल्ला, और इनग्राम, 1999; गार्डिनर, एनोमोटो, और ग्रोगन, 2000; ग्रोगन, 1999; हॉल, 1996; न्यूटन, गिसेन, फ्रीमैन, बिशप, और जिटौम, 2003; स्मुलन, 2000)। इसी तरह, ओकोलो ने पाया कि संगठनात्मक पदानुक्रम में कोई लैंगिक अंतर नहीं है जब एक महिला पहले से ही उन तक पहुंच प्राप्त कर चुकी है। महिलाओं में प्रभाव की कमी हो सकती है क्योंकि कार्यकारी और प्रबंधकीय महिलाओं ने पुरुषों के पदानुक्रमों के प्रभाव के लिए उत्तरजीवित की विशेषता को विकसित किया है। केवल पुरुषों द्वारा रचित एक पदानुक्रम का प्रबंधकीय बोर्ड के चुनाव पर असर पड़ सकता है, और फिर इसका आगे का प्रभाव बहुत मजबूत नहीं है।

अध्ययन प्रकृति में गुणात्मक होगी और राज्य शिक्षा विभाग, जिला और ब्लॉक स्तर पर कार्यरत महिला प्रशासकों की समस्याओं, मुद्दों और चुनौतियों को जानने के लिए आयोजित किया जाएगा। इसके लिए चार क्षेत्रों से चार राज्यों का, और प्रत्येक राज्य से चार जिलों का चयन किया जाएगा और आगे प्रत्येक जिले से चार ब्लॉकों का चयन किया जाएगा। राज्य स्तर से संयुक्त निदेशक, उप निदेशक और सहायक निदेशक के रूप में काम करने वाली चार महिला प्रशासकों का चयन किया जाएगा।

अध्ययन की प्रारंभिक कार्य समीक्षा प्रक्रिया पूरा होने के बाद शुरू हुआ।

34. हरियाणा राज्य के गुड़गांव जिले में जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) कार्यालय में निर्णय लेने की प्रक्रियाः एक प्रायोगिक अध्ययन

अन्वेषकः प्रो. विनीता सिरोही

निर्णय लेने की प्रक्रियाओं का अध्ययन हाल ही में नहीं बल्कि यह तीन शताब्दियों से कई विषयों में योगदान के साथ विकसित हो रहा है। नतीजतन, निर्णय सिद्धांतों ने कई प्रचलित अवधारणाओं और मॉडलों को अपनाया है, जो लगभग सभी जैविक, संज्ञानात्मक और सामाजिक विज्ञान पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालते हैं (डॉयल एंड थॉमसन, 1999)।

निर्णय लेने की घटना मानव ज्ञान के कई क्षेत्रों द्वारा अक्सर अध्ययन का विषय रहा है जब किसी निर्णय का प्रभाव दूरगामी होता है। इस तरह प्रशासक के निर्णयों का विशेष महत्व है क्योंकि वे उन सभी लोगों को प्रभावित करते हैं जो उनके द्वारा प्रबंधित संगठन हैं और उन्हें रिपोर्ट करते हैं। इस कारण, बेहतर निर्णय लेना प्रशासकों और उनके संगठनों की एक प्रमुख चिंता है। प्रशासकों को निर्णय प्रक्रिया के बारे में अधिक सक्रिय और अधिक सचेत रहने की जरूरत है, उन्हें अधिक गहन विश्लेषण की आवश्यकता के बारे में पता होना चाहिए। इस प्रक्रिया की जागरूकता का निर्माण विशेष रूप से हमारे आधुनिक युग में निर्णय लेने की नई जटिलताओं को देखते हुए सफल प्रबंधन के लिए महत्वपूर्ण है। हम हमेशा सकारात्मक परिणामों की गारंटी नहीं दे सकते; चूंकि, इन परिणामों को प्रभावित करने वाले कई कारक हमारे नियंत्रण से बाहर हैं। यह जागरूकता, सुनिश्चित करेगी कि हम एक सुसंगत और सचेत प्रक्रिया का पालन करें जो बेहतर निर्णय लेती है।

साहित्य की समीक्षा में भारतीय स्थिति पर थोड़ा और शामिल होगा। अध्ययन के नमूने में हरियाणा के गुरुग्राम जिले के प्रारंभिक और माध्यमिक शिक्षा के प्रभारी डीईओ शामिल होंगे। आंकड़ों को साक्षात्कार और उपाख्यानों के माध्यम से एकत्र किया जाएगा। साक्षात्कार कार्यक्रमों को शैक्षिक प्रशासन और संगठनात्मक क्षेत्र में विशेषज्ञों द्वारा विकसित और अंतिम रूप दिया जाएगा। आंकड़ों को क्षेत्र के दौरे और डीईओ और कुछ शिक्षकों जिनका तबादला हो चुका है, और कुछ शिक्षक जो तबादला चाहते थे, लेकिन तबादला नहीं हुआ, के साक्षात्कार द्वारा एकत्र किया जाएगा। जानकारी भी उपाख्यानों द्वारा पूरक होगी और गुणात्मक तरीकों का उपयोग करके विश्लेषण किया जाएगा।

साहित्य समीक्षा प्रक्रियाधीन है।

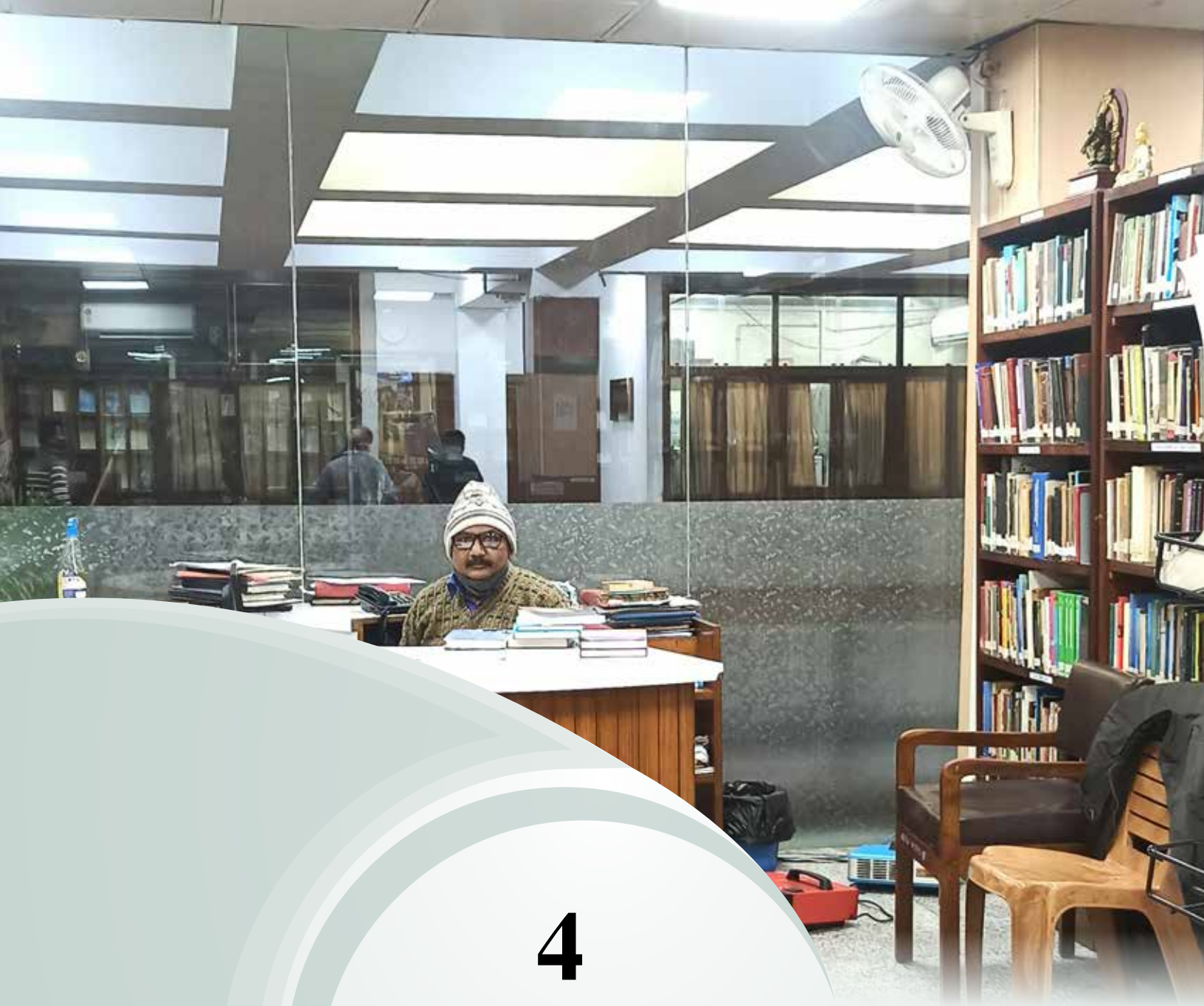

4

पुस्तकालय और प्रलेखन सेवाएं

SPECIAL EDUCATION

पुस्तकालय और प्रलेखन सेवाएं

ज्ञान और सूचना की साझेदारी

संस्थान ने शैक्षिक नीतियों, योजना और प्रबंधन से संबंधित मौजूदा और नवीनतम ज्ञान को सुलभ बनाने के लिए श्रृंखलाबद्ध कार्य आरंभ किए हैं। संस्थान का पुस्तकालय और प्रलेखन केंद्र शैक्षिक नीति, योजना और प्रबंधन के क्षेत्र में ज्ञान और सूचना प्रलेखन और प्रसारण में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता रहा है। पुस्तकालय और प्रलेखन केंद्र द्वारा वर्ष 2018–19 में की गई प्रमुख गतिविधियां निम्नलिखित हैं :

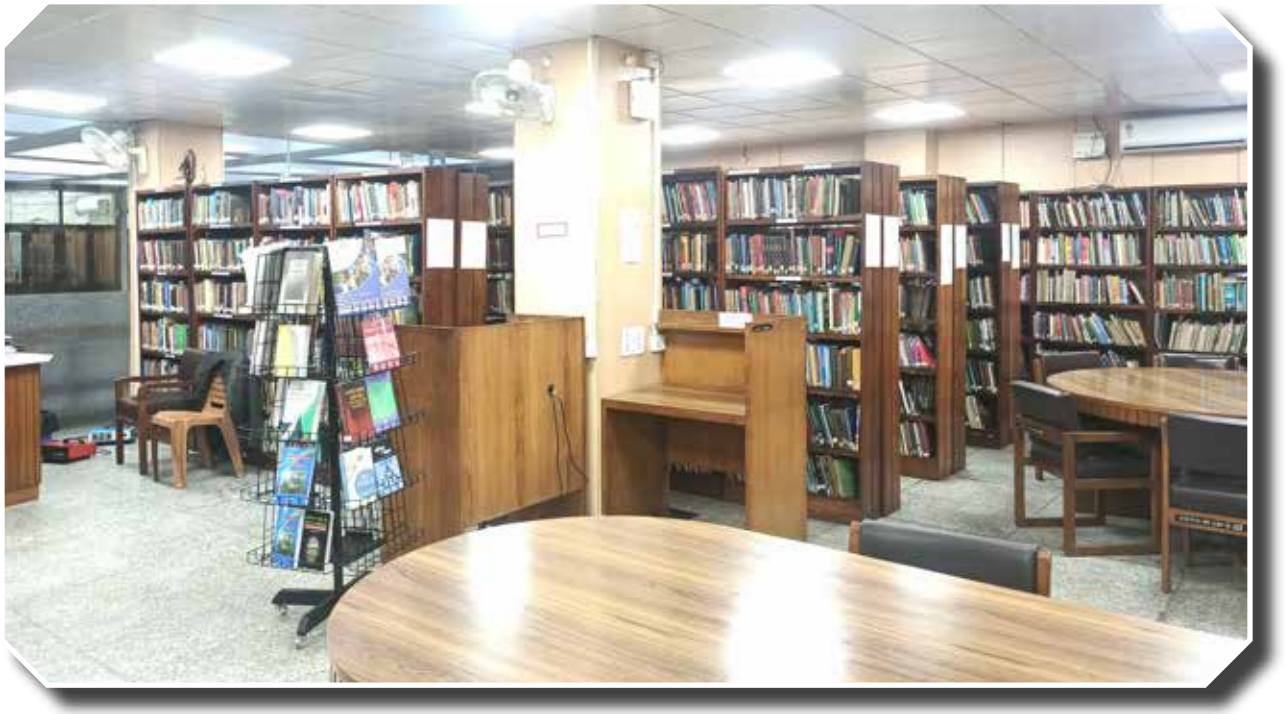

पुस्तकालय और प्रलेखन सेवाएं

संस्थान का पुस्तकालय और प्रलेखन केंद्र संस्थान के संकाय और स्टाफ सदस्यों, देश–विदेश के शोधकर्ताओं, विश्वविद्यालय के एम.फिल. तथा पी.एच.डी. के विद्यार्थियों, नीपा द्वारा आयोजित विभिन्न राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रतिभागियों और अतिथि संकाय सदस्यों तथा पाठकों की सूचना संबंधी जरुरतों को पूरा करने के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन एवं अधिगम केंद्र के रूप में कार्य करता रहा है। पुस्तकालय, संस्थान के अध्यापन, अधिगम और शोध में सहयोग के लिए आधुनिक अध्यापन– अधिगम सामग्री, कंप्यूटर तथा इलेक्ट्रानिक सुविधाएं जैसे– वाई–फाई से सुसज्जित है।

पिछले पांच–छह वर्षों के अन्तर्गत पुस्तकालय ने अपनी संग्रह नीति में व्यापक परिवर्तन किया है। पुस्तकालय लगभग 80 प्रतिशत जर्नल मुद्रित और ऑनलाईन स्वरूप में मंगाता है। हालांकि, पुस्तकों को मुद्रित रूप में ही प्राथमिकता दी जाती है।

पाठकों की सुविधा के लिए पुस्तकों तथा अन्य सामग्री के संपूर्ण संग्रह को चार प्रमुख अनुभागों– सामान्य, संदर्भ, श्रृंखला, और क्षेत्र अध्ययन संग्रह में वर्गीकृत किया गया है। समीक्षित काल में पुस्तकालय में 293 नई पुस्तकों/दस्तावेजों का संग्रह किया गया। वर्तमान वर्ष में पुस्तकालय/प्रलेखन केंद्र के पास संयुक्त राष्ट्र, युनेस्को, ओ.ई.सी.डी, आई.एल.ओ., यूनिसेफ, विश्व बैंक आदि अंतर्राष्ट्रीय संगठनों द्वारा आयोजित संगोष्ठियों और सम्मेलनों की रिपोर्टों इत्यादि के अलावा 62,376 पुस्तकों और दस्तावेजों का संग्रह है। समीक्षाधीन वर्ष 2018–19 में पुस्तकालय ने शैक्षिक योजना, प्रशासन, प्रबंधन तथा इससे संबंधित विषयों पर 216 राष्ट्रीय तथा अतंर्राष्ट्रीय जर्नल एवम् 17 पत्रिकाएं मंगाईं। इन पत्र–पत्रिकाओं से 2,011 प्रमुख आलेखों का सूचीकरण किया गया। नीपा ने चार आनलाईन जर्नल डाटाबेस एलसेवियर सेज, एमेराल्ड, डाटाबेस तथा जे.स्टोर खरीदे। इसके अतिरिक्त ई.पी.डब्ल्यू.आर.एफ. से एक सांख्यिकी आंकड़ा आधार ई.पी.डब्ल्यू.आर.एफ. भारत समय श्रृंखला खरीदी। पुस्तकालय के पास 523 सेज शिक्षा सामग्री ई–बुक का संग्रह है। नीपा पुस्तकालय में मल्टीमीडिया केंद्र है। वीडियो कैसेट, ऑडियो कैसेट, फिल्म, माइक्रोफिल्म, माइक्रोचिप्स और सी.डी. के रूप में गैर–मुद्रित सामग्री उपलब्ध है।

नीपा पुस्तकालय ने नई आनलाइन सूचना सेवाएँ जैसे कि– ''न्यूज फ्लैश'', 'नीपा इन द प्रेस', एस.डी.आई. (नीपा संकाय के अकादमिक कार्य का प्रसार) तथा 'न्यू अराईवल' प्रारम्भ किया है। पुस्तकालय ने संस्थान की विभिन्न गतिविधियों तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम की ग्रन्थ सूची तैयार की है। उपभोक्ताओं को संदर्भ सामग्री, आलेखों, रिपोर्टों इत्यादि के लिये फोटोग्राफी सेवाएँ प्रदान की गई हैं।

नीपा पुस्तकालय में सभी गतिविधियाँ, जैसे सूची बनाना, प्राप्तियाँ, प्रसार तथा श्रेणी नियंत्रण पूर्णरूप से कम्प्यूटरीकृत है। इसके लिये लिबसिस 7 साफ्टवेयर पैकेज का नवीनतम वर्ज़न का प्रयोग किया जा रहा है। नीपा में लैन से इंटरनेट या फिर इंटरानेट के माध्यम से सीधे या यू.आर.एल. के माध्यम से नीपा की वेबसाईट पर वेब ओपेक का प्रयोग करके ओपेक का उपयोग किया जा सकता है। इसके माध्यम से नीपा पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों, जर्नलों और लेखों का डाटाबेस देख सकते हैं।

राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संसाधनों की साझेदारी को बढ़ावा देने हेतु नीपा पुस्तकालय तथा प्रलेखन केन्द्र डेलनेट का सदस्य हैं, इससे नीपा पुस्तकालय तथा प्रलेखन केन्द्र में उपलब्ध शैक्षिक योजना और प्रशासन पर वृहद रूप से उपलब्ध अमूल्य अधिकारिक दस्तावेज़ों के पहचान की सुविधा उपलब्ध हुई है। आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करते हुये सभी दस्तावेज़ों तथा रिकॉर्ड का डिजीटलीकरण हेतु परियोजना चलाई जा रही है। यह अपेक्षा की जा रही है कि इससे देश में शिक्षा पर वृहद ऑनलाईन अभिलेखीय सूचना उपलब्ध हो पायेगी।

डिज़ीटल संसाधनों की पहुंच

इसके अंतर्गत संस्थान संकाय तथा अनुसंधानविद्ों के बीच विभिन्न प्रकार की सूचना की साझेदारी, संपर्कता, सहभाजन के लिए इंटरनेट गतिविधियों को सुदृढ़ तथा विकसित किया गया है। यह सूचना तथा ज्ञान का संग्रह, सृजन, हस्तांतरण तथा एकीकरण करता है। इसके डिज़ीटल संसाधन जैसे पुस्तकें, आलेख, अनुसंधान अध्ययन, समसामयिक आलेख श्रृंखला, प्रशिक्षण कार्यक्रम रिपोर्ट, सम्मेलन संगोष्ठी के कार्यकलाप, विख्यात शिक्षाविद् व्याख्यान श्रृंखला, दृश्य–श्रव्य व्याख्यान, समिति तथा समिति रिपोर्टें, इंटरनेट पर उपलब्ध हैं। डिजीटल अभिलेखागार शिक्षा तथा इससे संबंधित क्षेत्रों के 11,500 नीतिगत दस्तावेज़ों के डिजीटल अभिलेख उपलब्ध कराता है। यह दस्तावेज़ इंटरनेट या इंटरानेट के माध्यम से [http://14.139.60.153/ or http://www.niepa.ac.in/darch.aspx]. पर देखा जा सकता है।

इसके अतिरिक्त नई प्राप्तियों की सूची, नए जर्नलों की सूची, पाक्षिकों के वर्तमान घटक; जे. स्टोर तथा ऑनलाईन जर्नल डाटाबेस का सम्पूर्ण टेक्स्ट एक्सेस; संदर्भ ग्रंथ सूची – मांग पर साहित्य की खोज तथा इलैक्ट्रानिक दस्तावेज़ वितरण प्रणाली (ई.डी.डी.एस.) के लिये इंटरनेट के माध्यम से चौबीस घंटे ऑनलाईन सूचना संसाधन तथा प्रलेखन सेवाएं पाठकों को प्रदान की गई है। यह 300 मुद्रित जर्नलों (राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय) और ऑनलाईन डाटा बेस जैसे सेज, सेज शिक्षा संग्रह ऑनलाईन, एलसेवियर तथा जे. स्टोर की पहुंच प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त पाठकों को मुक्त शैक्षिक संसाधन हेतु पहुंच जैसे 14,223 पूर्ण लिखित जर्नल के संदर्भ में मुक्त पहुंच जर्नल डायरेक्टरी, 131 देशों से 45,94,837 आलेख, मुक्त पहुंच पुस्तकों की डायरेक्टरी, 369 प्रकाशकों से 26437 अकादमिक सहकर्मी समीक्षा पुस्तकों की डायरेक्टरी, इलैक्ट्रानिक शोध और अनुसंधान हेतु 5 मिलियन ई.टी.डी. (59,09,005 ई.टी.डी.) तथा शोधगंगा (2,50,817 ई.टी.डी.) 24 जनवरी, 2020 के अनुसार एवं अन्य राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय पूर्ण–पठन डाटाबेस, इंडेक्सिंग डाटाबेस, पाक्षिकों की वर्तमान सामग्री और राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय पूर्ण पठन–सामग्री उपलब्ध कराता है। इससे अंतः पुस्तकालय ऋण तथा डेलनेट के माध्यम से पुस्तकों, दस्तावेजों, आलेखों इत्यादि के लिए प्रयोगकर्त्ताओं की आवश्यकताओं की पूर्ण करने में सुदृढ़ीकरण हुआ है। प्रलेखन केन्द्र की सेवाओं का लाभ संकाय, नीपा के अनुसंधानकर्त्ताओं, परियोजना स्टाफ, पीजीडेपा तथा आईडेपा, आई.पी.ई.ए., प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा भारत और अन्य देशों के विश्वविद्यालयों अनुसंधानकर्त्ताओं द्वारा उठाया जाता है।

व्यक्तिगत योगदान (डॉ. डी.एस. ठाकुर का शैक्षणिक योगदान – 2018–19

प्रकाशन

राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्तुत शोध पत्र/आलेख

- ठाकुर, डी.एस. (2018). रोल ऑफ द एकेडमिक एण्ड रिसर्च लाइब्रेरियन्स इन गाइडिंग रिसर्च एण्ड इक्जीक्यूटिंग स्पॉन्सर्ड प्रोजैक्ट इन आईएएसएलआईसी–इग्नू लाइब्रेरियन्स'' डे ऑन ''लाइब्रेरी प्रोफेशनल एट द क्रॉसरोड्स'' आईएएसएलआईसी कोलकाता, आरआरआरएलएफ, कोलकाता के सहयोग से प्रोफेसर जी. राम रेड्डी लाइब्रेरी, इग्नू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित। 17 सितम्बर, 2018।

अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्तुत एवं प्रकाशित शोध पत्र/आलेख

- ठाकुर, डी.एस. (2018). वर्चुअल लर्निंग इनवायरमेंटः यूजिंग मूडल एज ए ब्लैंडेड लर्निंग अप्रोच फॉर टीचिंग, ट्रेनिंग एण्ड रिसर्च इंस्टीट्यूशंस इन इंडिया। अब्दुल मजीद बाबा, राज कुमार भारद्वाज, एस.एस. ढाका, तारिक अशरफ और नबी हसन (सं), बिल्डिंग स्मार्ट लाइब्रेरीजः चैंजेस, चैलेंजेस इश्यूज एंड स्ट्रेटजीज़, 6–8 अगस्त, 2018 के दौरान केन्द्रीय कश्मीर विश्वविद्यालय में आयोजित तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में आलेख। नई दिल्लीः एशियन लाइब्रेरी एसोसिएशन, पीपी.177–188

- ठाकुर, डी.एस. (2019). मूक्स इन एजुकेशन एंड रिसर्चः स्वयम एन इनोवेटिव टीचिंग लर्निंग टूल फॉर न्यू जनरेशन ऑफ लर्नर्स, इंटर यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर टीचर्स एजुकेशन (आईयूसीटीई) और डिपार्टमेंट ऑफ एजुकेशन (सीएएसई तथा ईआईएएसई), द महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा, गुजरात में गुणवता शिक्षा के लिए व्यावसायिक और मानवतावादी अध्यापकों के विकास पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार। 10–12 जनवरी, 2019, 15पी।

- ठाकुर, डी.एस. (2019). न्यू रोल्स ऑफ द लाइब्रेरीज एण्ड लाइब्रेरियन्स इन एकेडमिक एण्ड रिसर्च लाइब्रेरीजन। पी.के. जैन, देबल सी. कर और प्रवीन बब्बर (सं) स्पेशल लाइब्रेरीज एसोसिएशन एशियन चैप्टर, इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनॉमिक ग्रोथ तथा अंबेडकर यूनिवर्सिटी, दिल्ली के सहयोग से डिजिटल प्लस एरा में लाइब्रेरीज एंड लाइब्रेरियनशिप पर, एशियन स्पेशल लाइब्रेरीज (आईसीओएएसएल 2019) का छठा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, नई दिल्ली, 14–16 फरवरी, 2019, को आयोजित, नई दिल्लीः एने बुक्स पीपी 269–280।

- श्रीनिवास, के. और ठाकुर डी.एस. (2019) ट्रेनिंग प्रोग्राम ऑन एप्लीकेशन ऑफ आईसीटी इन एकेडमिक एण्ड रिसर्च लाइब्रेरीज (28 जनवरी से 1 फरवरी, 2019) एक रिपोर्ट. नई दिल्लीः नीपा, 47पी।

सम्मेलनों / कार्यशालाओं / प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भागीदारी

राष्ट्रीय

- भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई) और आईसीआई, पूसा, एनआरआई भवन ऑडिटोरियम, नई दिल्ली द्वारा 28 अगस्त, 2018 को संयुक्त रूप से ''भारतीय प्रशस्ति पत्र सूचकांक (आईसीआई) के लिए एक दिवसीय संगोष्ठी में भागीदारी।

- 09–13 जुलाई, 2018 तक राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), नई दिल्ली द्वारा आयोजित मूडल–मूक प्लेटफॉर्म का उपयोग करके प्रौद्योगिकी के साथ शिक्षण अधिगम पर व्यावसायिक विकास कार्यक्रम में भाग लिया।

अंतरराष्ट्रीय

- 24 फरवरी 2019 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में सी.पी.आर.एच.ई., नीपा और ब्रिटिश काउंसिल द्वारा संयुक्त रूप से रोजगार और रोजगार परकता पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भागीदारी।

कार्यशालाएँ / सम्मेलन / प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

- आईसीटी व्यवसायकर्त्ताओं के सहयोग से प्रलेखन केन्द्र ने नई दिल्ली में 28 जनवरी से 1 फरवरी, 2019 के दौरान शैक्षणिक और अनुसंधान पुस्तकालयों में

आईसीटी के अनुप्रयोग पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया, जो कि नीपा में केन्द्रीय और राज्य विश्वविद्यालयों और अन्य शैक्षणिक संस्थानों के संकाय सदस्यों और पुस्तकालयाध्यक्षों के लिए यह एक आईसीटी आधारित कार्यक्रम था जिसमें प्रशिक्षण सामग्री (लेख सहित), वीडिओ, चर्चा मंच कार्य–योजना, एमओडीएलई अधिगम प्रबंधन व्यवस्था प्रतिभागियों द्वारा प्राप्त की गई थी। डॉ. डी.एस. ठाकुर लर्निंग पोर्टल।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकास

- शैक्षणिक और अनुसंधान पुस्तकालयों में आईसीटी के अनुप्रयोग पर प्रशिक्षण कार्यक्रम की एक सूचना गाइड तैयार की (28 जनवरी से 1 फरवरी, 2019), नई दिल्लीः नीपा, 2019, पृष्ठ 23।
- 28 जनवरी से 1 फरवरी, 2019 तक अकादमिक और अनुसंधान पुस्तकालयों में आईसीटी के अनुप्रयोगों पर 5 दिनों के प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा, विकसित, वितरण और संपादन किया – मूडल अधिगम प्रबंधन व्यवस्था पर आधारित और प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान और बाद में विभिन्न प्रश्नों और मुद्दों को हल करने के लिए चर्चा मंच का उपयोग किया गया।
- प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों के व्हाट्सएप ग्रुप (नीपा एआरएल वर्कशॉप) का गठन किया गया था और दो, तीन और चौथे सप्ताह के ऑनलाइन कार्यक्रम को डिजाइन और विकसित करने के लिए व्हाट्सएप ग्रुप (नीपा एआरएल वर्कशॉप), के माध्यम से प्रतिभागियों को 90 दिनों (3 महीने) की तकनीकी सहायता और सूचना एवं ऑनलाइन संसाधनों की जानकारी और लिंक प्रदान की गई थी। सभी संसाधन (पूर्ण–पाठ लेख, पीपीटी, वीडियो और अन्य ओईआर)। डा. डी.एस. ठाकुर लर्निंग पोर्टल [https://dsthakur-moodlecloud-com/, के माध्यम से प्रतिभागियों द्वारा एक्सेस किए गए।
- 28 जनवरी, 2019 को नई दिल्ली में शैक्षणिक और अनुसंधान पुस्तकालयों में आईसीटी के अनुप्रयोग पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में शैक्षणिक और अनुसंधान पुस्तकालयों में पुस्तकाध्यक्षों की भूमिका पर व्याख्यान दिया। 28 जनवरी से 1 फरवरी, 2019।
- भारत में शिक्षण, प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थानों के लिए वास्तविक अधिगम परिवेश पर 30 जनवरी 2019 को पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में 28 जनवरी से 1 फरवरी, 2019 तक शैक्षणिक और अनुसंधान पुस्तकालयों में प्रशिक्षण कार्यक्रम में व्याख्यान दिया । नीपा, नई दिल्ली।
- सूचना साक्षरता पर एक व्याख्यान दियाः 31 जनवरी 2019 को सतत गुणवत्ता शिक्षा के लिए एक अनिवार्य उपकरण, 28 जनवरी से 1 फरवरी, 2019 तक शैक्षणिक और अनुसंधान पुस्तकालयों में आईसीटी के अनुप्रयोग पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम, नीपा, नई दिल्ली।

सार्वजनिक निकायों को परामर्श और अकादमिक सहायता

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की वार्षिक रिपोर्ट की तैयारी के लिए सूचना एकत्र की।

- नीपा की गतिविधियों के बारे में सभी विभागों और प्रशासन के प्रमुखों से एकत्रित जानकारी जैसे– पूर्ण अनुसंधान अध्ययन, एम.फिल. और पीएच.डी. कार्यक्रमों में नामांकन, सम्मानित पीएच.डी. डिग्री प्रदान और प्रशिक्षण कार्यक्रम और सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशालाएँ। वर्ष 2019–20 के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

विभिन्न प्रशासनिक और शैक्षणिक समितियों में सदस्य

- नीपा में डिजिटल पहल के कार्यान्वयन के लिए नीपा डिजिटल अधिगम अनुश्रवण कक्ष के सदस्य।
- संस्थान में सभी शैक्षणिक पुरस्कारों के लिए सुरक्षित इलेक्ट्रॉनिक भण्डार गृह बनाने के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय और यूजीसी द्वारा अनिवार्य राष्ट्रीय शैक्षणिक डिपॉजिटरी (एनएडी) के कार्यान्वयन के लिए मैसर्स सीडीएसएल वेंचर्स

लिमिटेड (सीवीएल) के साथ समन्वय करने के लिए अधिकृत शैक्षणिक संस्थान अधिकारी।

- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सूचना और पुस्तकालय नेटवर्क के इनफ्लिबनेट (सूचना और पुस्तकालय नेटवर्क) के साथ शोधगंगा से संबंधित गतिविधियों के लिए संस्थान समन्वयक।
- नीपा की शासन प्रक्रिया को मजबूत करने और नॉक मूल्यांकन को औपचारिक बनाने के लिए साहित्यिक चोरी और दुर्व्यवहार की जांच करने के लिए आचार संहिता के विकास के लिए समिति के सदस्य
- नीपा की शासन प्रक्रिया को मजबूत करने और नॉक मूल्यांकन को औपचारिक बनाने के लिए कर्मचारियों के लिए आईसीटी, ई–गवर्नेंस, प्रबंध वित्त आदि के क्षेत्रों में व्यावसायिक विकास कार्यक्रम के लिए समिति के सदस्य
- नीपा की शासन प्रक्रिया को मजबूत करने और नॉक मूल्यांकन को औपचारिक के लिए ई–गवनेंस और विभिन्न गतिविधियों में उपयोग हेतु आईसीटी के लिए समिति के सदस्य।
- सदस्य सचिव, नीपा के लिए एम.फिल. और पीएच. डी डिग्री के प्रारूप को अंतिम रूप देने और राष्ट्रीय शैक्षणिक डिपॉजिटरी (एनएडी) पर अपलोड करने के लिए।

आईसीटी और अधिगम प्रबंधन व्यवस्था (एलएमएस) कौशलः

अधिगम प्रबंधन व्यवस्था (एलएमएस)	:	मूडल (मॉड्यूलर ऑब्जेक्ट–ओरिएंटेड डायनामिक लर्निंग एनवायरनमेंट) लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम
कम्प्यूटर प्रवीणता	:	विंडोज 2000, हाइपरटैक्स्ट मेकअप लैंग्वेज़ (एचटीएमएल), फ्रंटपेज 2002
काम का ज्ञान लाइब्रेरी सॉफ्टवेयर/ पैकेज	:	लिबसिस–4, टैक्लीबप्लस, ज्ञानोदया, विद्या, सीडीएस/ आईएसआईएस 3.0

विकसित और अद्यतन इंट्रानेट

नीपा के दस्तावेजीकरण केंद्र की वेबसाइट बनाई और अद्यतन की गई और पुस्तकालय और प्रलेखन केंद्र में उपलब्ध विभिन्न प्रकार के ऑनलाइन संसाधनों के बारे में जानकारी प्रसारित करने के लिए नीपा में एक इंट्रानेट विकसित किया, जैसे कि भारतीय और विदेशी पत्रिकाओं की सदस्यता, गैर–पुस्तक सामग्री मद, समय–समय पर विविध सामग्री, डिजिटल संसाधनों और ऑनलाइन डेटाबेस, मुक्त शिक्षा संसाधन, ई.टी.डी. इंडैक्सिंग डाटाबेस तथा एमओओसी की सूचना। इसके अलावा, प्रलेखन केंद्र द्वारा दी जाने वाली प्रलेखन सेवाएं जैसे अनुसंधान अध्ययन की सूची, सामयिक पेपर श्रृंखला, प्रशिक्षण कार्यक्रम रिपोर्ट, पीजीडेपा और आईडेपा के शोध प्रबंध, ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग (ओपीएसी) और शोध अध्ययन के अन्य पूर्ण पाठ दस्तावेज, सामयिक पेपर श्रृंखला, प्रशिक्षण कार्यक्रम की रिपोर्ट और नीपा वृत्तचित्र, प्रख्यात विद्वान व्याख्यान श्रृंखला इंट्रानेट पर भी उपलब्ध हैं।

नीपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

1. भारतीय पुस्तकालय संघ, दिल्ली (आईएलए), (आजीवन सदस्य)
2. भारत सरकार पुस्तकाध्यक्ष संघ (जी.आई.एल.ए.), नई दिल्ली। (आजीवन सदस्य)
3. भारत तुलनात्मक शिक्षा समिति (सीईएसआई), नई दिल्ली (आजीवन सदस्य)

5

कंप्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी सेवाएं

PARAMESWA
RAKESH MITTAL
ASHUTOSH ANAN

कंप्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी सेवाएं

सूचना प्रौद्योगिकी सेवाएं

कंप्यूटर केंद्र संस्थान की सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करता है। नेटवर्क संस्थान की रीढ की हड्डी है तथा इसके सक्रिय संघटकों को कंप्यूटर केंद्र द्वारा संचालित, रखरखाव तथा नियंत्रित किया जाता है। कंप्यूटर केंद्र एन.एम. ई.आई.सी. टी परियोजना के अंतर्गत एन.के.एन./एम.टी.एन.एल. द्वारा प्रदान की गई 1 जी.बी.पी.एस ऑप्टिकल फाइबर इंटरनेट संपर्कता से सुसज्जित है। संस्थान में सतत रूप से हर समय इंटरनेट की संपर्कता 24x7x365 सुनिश्चित करने के लिए इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध है। कंप्यूटर केंद्र सभी स्टाफ सदस्यों, प्रशिक्षुओं, परियोजना स्टाफ, कार्यक्रम भागीदारों, अनुसंधानविदों तथा संकाय सदस्यों को कंप्यूटर सुविधा तथा इंटरनेट सेवाएं उपलब्ध कराता है। नेटवर्क संसाधनों का प्रयोग करने हेतु सभी स्टाफ सदस्यों तथा संकाय सदस्यों को उच्च गति वाली इंटरनेट संपर्कता तथा नेटवर्क प्वाइंट प्रदान किये गये हैं। नीपा डोमेन पर सभी स्टाफ तथा संकाय सदस्यों को व्यक्तिगत ई–मेल खाता की सुविधा दी गई है। सभी संकाय सदस्यों को डैस्कटाप/लैपटाप की सुविधा प्रदान की गई है। सभी स्टाफ सदस्यों को डैस्कटाप कंप्यूटर की सुविधा दी गई है। कंप्यूटर केंद्र की सुविधाएं बिना किसी व्यावधान के लगातार 12 घंटे उपलब्ध रहती हैं। कंप्यूटर केन्द्र पर तृतीय पक्ष कंपनी की मदद से कंप्यूटरों तथा संबंधित उपकरणों के रखरखाव की जिम्मेदारी है।

कंप्यूटर केन्द्र विश्वविद्यालय की दैनिक अकादमिक तथा गैर अकादमिक गतिविधियों में सूचना प्रौद्योगिकी का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल करने हेतु सुविधाएं प्रदान करता है। कंप्यूटर केंद्र विभिन्न प्रकार के नवीनतम कंप्यूटर और प्रिंटरों तथा मल्टी–फंक्शन प्रिटंर्स से सुसज्जित है।

नीपा भवन से नीपा हास्टल को उच्च गति इंटरनेट संपर्कता उपलब्ध कराई गई है। नीपा छात्रावास के सभी तलों के कमरों में अतिथियों के लिये प्रमाणित तथा सुरक्षित वाई–फाई संपर्कता उपलब्ध–कराई गई है।

यह केंद्र अकादमिक एककों को प्रशिक्षण, अनुसंधान, मात्रात्मक आंकड़ा विश्लेषण और प्रणाली स्तर के प्रबंधन

संबंधी मुद्दे तथा दूसरे कार्यकलापों में सहायता प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त गैर–अकादमिक एककों जैसे – पुस्तकालय, प्रशासन तथा वित्त विभागों को भी सहायता प्रदान की जाती है। संस्थान के सॉफ्टवेयर विकास, डाटा प्रोसेसिंग तथा वर्ड प्रोसेसिंग आवश्यकताओं को पूरा करने के अलावा कंप्यूटर केंद्र विभिन्न प्रशिक्षण गतिविधियों/कार्यक्रमों के लिए अन्य विशिष्ट कंप्यूटर आधारित सेवाएं प्रदान करता है।

लेखा अनुभाग को भी कंप्यूटर अनुप्रयोग के लिए समर्थन दिया जाता है। इसमें शामिल है, वेतन संगणना, आयकर गणना, पेंशन, भविष्य निधि गणना आदि। इसके लिए एस.पी.एस.एस. सांख्यिकी पैकेज नेटवर्क वर्जन सर्वर के साथ स्थापित किया गया है ताकि प्रयोगकर्त्ता नेटवर्क पर गणना कर सकें। कंप्यूटर केंद्र दैनिक गतिविधियों के लिये ओपन स्रोत साफ्टवेयरों को प्रोत्साहन देता है। संस्थान की दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु आधुनिक डाटा केन्द्र स्थापित किया गया है। डाटा केन्द्र उच्च गुणवत्तायुक्त डाटा सर्वर तथा वेब सर्वर से जुड़ा है जोकि चौबीसों घंटे 24x7x365 उपभोक्ताओं के लिये ऑन–लाईन उपलब्ध है। डाटा सेंटर समर्पित समानांतर यू.पी.एस. सिस्टम से समर्थ है जो सर्वर को पावर बैक–अप प्रदान करता हैं।

भारत सरकार के मुख्य कार्यक्रम, सर्व शिक्षा अभियान और राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान के फ्लैगशिप कार्यक्रम के अन्तर्गत जाने–माने कार्यक्रम एकीकृत शैक्षिक जिला प्रणाली सूचना (यू–डाईस) के लिये सर्वर का रखरखाव संगणक केंद्र करता है। इसके अलावा संगणक केंद्र का डाटा केंद्र राष्ट्रीय विद्यालय मानक एवं मूल्यांकन– शाला सिद्धि के राष्ट्रीय कार्यक्रम के वेब पोर्टल का रखरखाव भी करता है।

नीपा आंकड़ा केन्द्र नेटवर्क संरचना

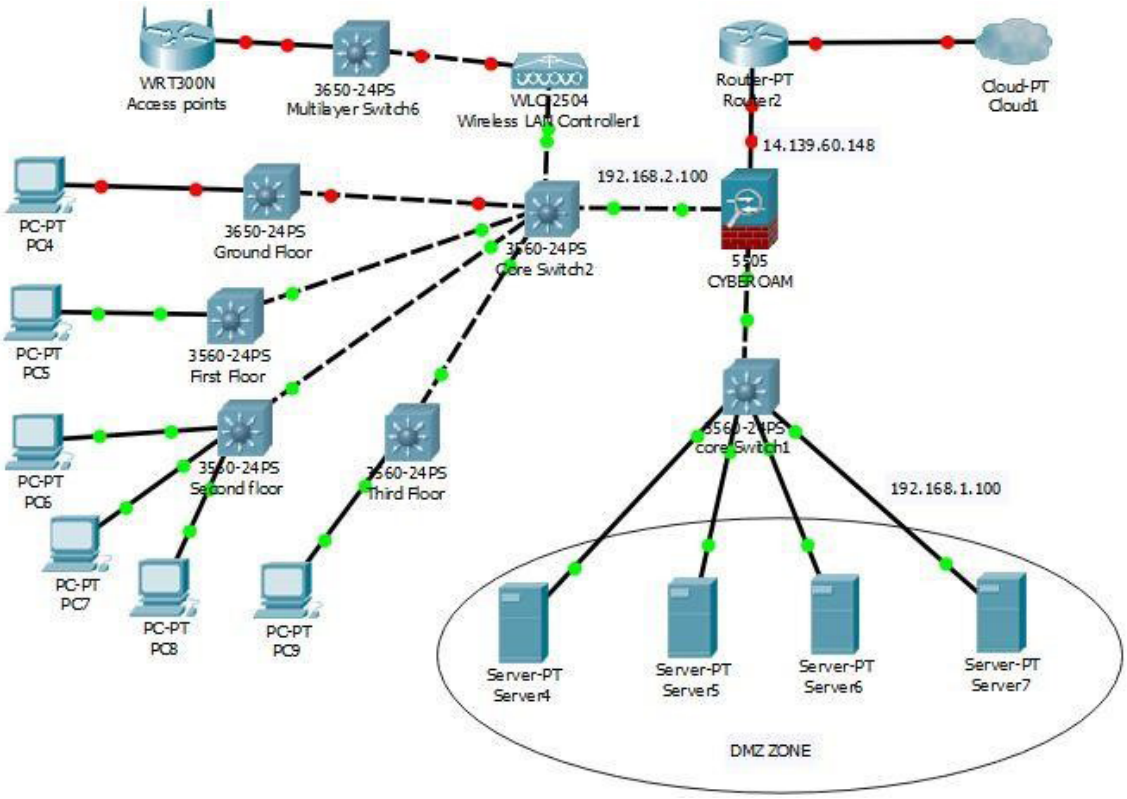

- डेटा सेंटर नेटवर्क आर्किटेक्चर में फायरवॉल, कोर स्विच वायरलेस, वाई–फाई कंट्रोलर और आईएसपी राउटर शामिल हैं।
- 8 आइबीएम सर्वर हैं जो यू–डाईस, शाला सिद्धि, ओरेकल सर्वर, एसडीएमआईएस, डेटा विजुअलाइज़ेशन, niepa.ac.in, छात्र प्रबंधन सूचना प्रणाली, स्कूल निर्देशिका प्रबंधन प्रणाली और स्कूल रिपोर्ट कार्ड जैसे कई वेब अनुप्रयोगों से जुड़े हैं
- दो डेल सर्वर हैं जो डिजिटल अभिलेखागार और डेटाबेस सर्वर से जुड़े हैं।
- एच.पी. सर्वर मूडल पोर्टल, एनसीएसएल पोर्टल, क्विक हील एंडपॉइंट सुरक्षा और प्रिंटिंग सर्वर से जुड़े हैं।
- लिबसिस के लिए आईबीएम टॉवर सर्वर (ओपेक)

नीपा डाटा सेंटर में चल रहे एप्लिकेशन – आंतरिक तकनीकी टीम द्वारा नियंत्रित और प्रबंधित किये जाते हैं।

1. www.niepa.ac.in
2. http://www.nrce.niepa.ac.in/
3. http://cprhe.niepa.ac.in/
4. http://niepa.ac.in/UIC/uic1.html
5. http://niepa.ac.in/darch.aspx
6. www.antriep.net,

एन्ट्रीप एशिया में राष्ट्रीय संस्थानों का एक नेटवर्क है, जो इस क्षेत्र में शैक्षिक योजना और प्रबंधन में कौशल विकास के लिए बढ़ती हुई विविध आवश्यकताओं का जवाब देने और अपनी क्षमताओं को सुदृढ़ करने के लिए भागीदार संस्थानों के बीच तालमेल बनाने के लिए एक दृष्टिकोण है।

7. www.udise.in

इस वेबसाइट का उपयोग प्रकाशन के रूप में स्कूल के आंकड़ों को प्रसारित करने के लिए किया जाता है।

8. http://ncsl.niepa.ac.in/

नीपा में 2012 में स्थापित राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केन्द्र (एनसीएसएल) देश में स्कूलों के परिवर्तन के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्य उद्देश्य के रूप में स्कूलों के रूपांतरण

के साथ, एनसीएसएल–नीपा देश भर में 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों, 679 जिलों और 6500 ब्लॉकों में नेतृत्व की आवश्यकता और प्रासंगिक स्कूल के मुद्दों को संबोधित करने की दिशा में काम कर रहा है। मुख्य रूप से केंद्र की सभी गतिविधियाँ प्रत्येक राज्य के प्रत्येक स्कूल के लिए एक परिवर्तनकारी एजेंडे को आगे बढ़ाने पर केंद्रित हैं। केंद्र विभेदक और व्यावहारिक नेतृत्व मॉडल विकसित करने की दिशा में भी कार्य कर रहा है।

9. वेब अनुप्रयोग

अ. www.school report card.in,

ब. Student.udise.in

स. Sdms.udise.in

द. http://udise.schooleduinfo.in/

य. www.semisonline.net (यू.डाईस के साथ विलय)

10. http://shaalasiddhi.niepa.ac.in/

स्कूल मानक एवं मूल्यांकन पर राष्ट्रीय कार्यक्रम

11. moodle.niepa.ac.in – मुक्त स्त्रोत अधिगम प्रबंधन प्रणाली : मूडल–इस उप–डोमेन को विश्वविद्यालयों के स्वयं के डेटा केंद्र पर भी होस्ट किया जाता है।

आईसीटी विभाग की भूमिकाएं और जिम्मेदारियां

- डाटा सेंटर और सर्वर हार्डवेयर की नियमित रूप से निगरानी की जाती थी।
- नेटवर्क और वाई–फाई से संबंधित मुद्दों को नियमित रूप से प्रबंधित किया जाता है। नेटवर्क विलंबता का निरीक्षण करके संगठन के नेटवर्क प्रदर्शन को नियमित रूप से ट्यून किया जाता है।
- संगठन के आंकड़ा केंद्र और नीपा छात्रावास में 24 x7 नेटवर्क कनेक्टिविटी सुनिश्चित करना।
- संस्थान का सोशल मीडिया प्रबंधन (ट्विटर और फेसबुक)
- यूट्यूब और फेसबुक लाइव इवेंट्स की स्ट्रीमिंग
- उपलब्ध नीपा डिजिटल बुनियादी ढांचे के साथ लाइव वेबिनार का आयोजन
- बैठक और वेबिनार के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग का आयोजन
- साइबर खतरा अनुश्रवण, नीपा आंकड़ा केन्द्र और डिजिटल बुनियादी ढांचे पर हमलों की निगरानी
- ऑपरेटिंग सिस्टम लाइसेंस प्रबंधन
- ई–टेंडरिंग के लिए ई–विजार्ड की सुविधा और क्रियान्वयन
- जीईएम में तकनीकी बोली का मूल्यांकन
- संगठन की वेबसाइटों की निगरानी और अद्यतन अक्सर किया जाता है।
- सर्वर एएमसी का प्रबंधन
- नियमित रूप से पूरे सर्वर के सुरक्षा पैच अपडेट किए जाते हैं।
- नीपा डेटा सेंटर का सर्वर बैकअप नियमित अंतराल पर किया जाता है।
- ऑनलाइन पाठ्यक्रमों का बैकअप नियमित रूप से किया जाता है।
- ऑनलाइन पाठ्यक्रमों का निर्माण और नीपा एलएमएस में उपयोगकर्ताओं का नामांकन
- एंटी–वायरस पैच को सर्वर से क्लाइंट्स तक पहुंचाना
- ऑनलाइन यूपीएस का रखरखाव और निगरानी बार–बार की जाती है।
- संस्थान की सीसीटीवी निगरानी।
- सभी डोमेन की निगरानी
- niepa.ac.in मेल डोमेन का प्रबंधन
- ऑनलाइन भर्ती की निगरानी और प्रबंधन (स्थायी और अस्थायी)

आईटी का उपयोग करने के लिए पिछले एक वर्ष में की गई नई पहल एक निवारक सतर्कता उपकरण है		
क्र. सं.	**लक्ष्य / उद्देश्य**	**उपलबिध्याँ**
1.	हमने एंड पॉइंट सिक्योरिटी के लिए क्लाउड–आधारित एंटी–वायरस सॉल्यूशंस के तहत सभी सिस्टम्स को कवर करने की योजना बनाई है	हां, हमने क्लाउड–आधारित एंटी–वायरस समाधान के तहत सभी प्रणालियों को कवर किया है
2.	हमने केंद्रीकृत ई–मार्क्स कार्ड के लिए राष्ट्रीय शैक्षणिक भंडार बनाने की योजना बनाई है	हमने संस्थान के लिए राष्ट्रीय शैक्षणिक भंडार को लागू करने की सुविधा प्रदान की है
3.	हमने ई–विजार्ड पोर्टल को लागू करने की योजना बनाई है जो ई–निविदाओं की सुविधा प्रदान करता है	हमने संस्थान के लिए ई–विज़ार्ड पोर्टल को लागू करने की सुविधा प्रदान की
4.	हमने ई–टेंडर के लिए केन्द्रीय सार्वजनिक खरीद पोर्टल को लागू करने की योजना बनाई है	हमने उच्च मूल्य निविदाओं के लिए केंद्रीय खरीद पोर्टल को लागू करने की सुविधा प्रदान की
5.	हमने पीओई सिस्को स्विच के साथ हॉस्टल में मौजूद कैट 5 टू कैट 6 केबलिंग को बदलने की योजना बनाई है	हमने पीओई स्विच के साथ हॉस्टल में कैट 5 से कैट 6 केबलिंग को बदल दिया
6.	ओ.ई.एम. की मरम्मत के बाद हम पुराने एचपी डीएल 380 सर्वर का उपयोग करने की योजना बना रहे हैं	हमने पुराने सर्वर का उपयोग किया है जिसमें वास्तविक विंडोज 2012 मानक ऑपरेटिंग सिस्टम के साथ एंटी–वायरस सर्वर है
7.	हमने एक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग प्रणाली की खरीद की योजना बनाई है	हां, यह वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के लिए खरीदा और इस्तेमाल किया गया
8.	हमने उपयोगकर्ताओं को गुगल ड्राइव द्वारा सिस्टम डेटा को ड्राईव के लिए सिंचिग करने की सुविधा देने की योजना बनाई है	हमने गुगल ड्राइव के उपयोग के बारे में शिक्षित किया
9.	हमने वित्त अनुभाग के लिए पीएफएमएस को लागू करने की सुविधा देने की योजना बनाई है	हां, हमने वित्त अनुभाग के लिए पीएफएमएस को लागू करने की सुविधा दी है
10.	हमने सुविधा के लिए बैठक की सुविधा को ऑनलाइन करने की योजना बनाई है	हां, हमने ऑनलाइन मीटिंग के लिए गुगल बैठक का उपयोग करने की सुविधा प्रदान की है

क्र. सं.	लक्ष्य / उद्देश्य	उपलबिध्याँ
11.	हमने एसपीएसएस सॉफ्टवेयर की खरीद की योजना बनाई है	हां, हमने खरीदा और नेटवर्क मोड में इंस्टॉल किया
12.	42 नए डेस्कटॉप खरीदे गए	नये डेस्कटॉप स्थापित किए गये
13.	4 हैवी ड्यूटी प्रिंटर्स की खरीद की	हैवी ड्यूटी प्रिंटर्स फ्लोर वाइज स्थापित किए गये
14.	सर्वर पर पेरोल एप्लीकेशन परिनियोजन	सर्वर में पेरोल सॉफ्टवेयर स्थापित किया
15.	एम.फिल. / पीएच.डी. 2020 परीक्षा ऑनलाइन आयोजित करने की योजना बनाई	हां, हमने ऑनलाइन परीक्षा सफलतापूर्वक आयोजित की
16.	लैपटॉप की खरीद	महामारी के दौरान घर से काम करने के लिए सुविधा प्रदान करने हेतु 12 लैपटॉप स्थापित किए गए
17.	महामारी के दौरान बैठकें और वेबिनार ऑनलाइन आयोजित करने की योजना बनाई	ऑनलाइन मीटिंग और वेबिनार का संचालन किया
18.	वेबिनार के लाइव स्ट्रीमिंग की योजना?	हां हमने इवेंट्स का लाईव स्ट्रीम किया है

EDUCATION FOR ALL
INDIA
Financing of Secondary Education in India
EDUCATION SOCIETY and DEVELOPMENT
MANAGEMENT OF SCHOOL EDUCATION IN INDIA
EDUCATION FOR ALL IN INDIA
INDIAN SCHOOLS
School Inspection System
educational planning

6

प्रकाशन

NIEPA Publications
(For Display Only)

प्रकाशन

संस्थान का प्रकाशन एकक संस्थान द्वारा की गई शोध और विकास गतिविधियों के निष्कर्षों के प्रकाशन और प्रसारण द्वारा ज्ञान की साझेदारी संबंधी कार्यकलापों का अनुसमर्थन व्यापक स्तर के लिए करता रहा है। संस्थान के उद्देश्यों को पूरा करने के अनुक्रम में प्रकाशन एकक समसामयिक आलेख/जर्नल/पाक्षिक/न्यूजलेटर, पुस्तकें, एम.फिल. और पी–एच.डी. की विवरणिका और प्रशिक्षण कार्यक्रम का कैलेण्डर प्रकाशित करता है। यह विभिन्न राज्यों/संघ क्षेत्रों के शैक्षिक प्रशासन सर्वेक्षणों की रिपोर्टों की श्रृंखला भी प्रकाशित करता है। प्रकाशन एकक कंप्यूटरों तथा प्रिंटरों से सुसज्जित है और संस्थान के डीटीपी कार्य भी करता है।

वर्ष 2018–19 के अंतर्गत संस्थान द्वारा कुछ महत्वपूर्ण प्रकाशन निकाले गए – जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन (अंग्रेजी), परिप्रेक्ष्य (हिंदी) जर्नल और सी.पी.आर.एच.ई. अनुसंधान आलेख, एम.फिल तथा पी–एच.डी. कार्यक्रमों की विवरणिका तथा पाठ्यचर्या गाईड। संस्थान ने अनेक शोध और संगोष्ठियों/सम्मेलनों की रिपोर्टें पुस्तक और मोनोग्राफ के रूप में प्रकाशित की। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान संस्थान ने निम्नांकित प्रमुख प्रकाशन निकाले :

पत्रिकाएं

- जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन, जिल्द XXXI, 2017, अंक 4 जिल्द XXXII, 2018, अंक 1।
- परिप्रेक्ष्य (शैक्षिक योजना और प्रशासन में सामाजिक–आर्थिक संदर्भ–हिन्दी जर्नल) जिल्द XXIII, 2016 अंक 3 और जिल्द XXIV, 2017 अंक 1 और 2।

एंट्रीप न्यूज़लेटर

- एंट्रीप न्यूज़लेटर (जुलाई–दिसंबर 2017)
- एंट्रीप न्यूज़लेटर (जनवरी–जून 2018)

समसामयिक आलेखः

- नीपा समसामयिक आलेख सं. 52: ***आंध्र प्रदेश में उच्च शिक्षा नीति : ए. मैथ्यू द्वारा जाति और समानता की गतिशीलता की व्याख्या।***

सी.पी.आर.एच.ई. शोध आलेखः

- सीपीआरएचई अनुसंधान आलेख 9: ***उच्च शिक्षा में अध्यापन–अधिगम अवधारणाओं का विकास और विश्लेषण का एक नया उपकरण विकसित करने का प्रयास''*, सायंतन मंडल,** नई दिल्लीः नीपा 40 पृष्ठ
- सीपीआरएचई अनुसंधान आलेख 10: ***''छात्र विविधता और सामाजिक समावेशः भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों का एक अनुभवजन्य विश्लेषण'', निधि एस. सभरवाल और सी.एम. मलिश,*** नई दिल्लीः नीपा, पृष्ठ 124
- सीपीआरएचई अनुसंधान आलेख 11: ***भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों का संकेन्द्रण : एक क्षेत्रीय विश्लेषण'' एन.वी. वर्गीज़, जिणुशा पाणिग्रही और अनुभा रोहतगी*** द्वारा, नई दिल्लीः नीपा 80 पृष्ठ

सःशुल्क प्रकाशन

- ***इंडिया हायर एजुकेशन रिपोर्ट 2017:*** **एन. वी. वर्गीज, अनुपम पचौरी और सायंतन मंडल** द्वारा संपादित, **उच्च शिक्षा में शिक्षण, अधिगम और गुणवत्ता ₹** 1250.00 (एच.बी.)

- **रत्ना एम. सुदर्शन और जंध्याला बी.जी. तिलक** द्वारा संपादित, **समकालीन शिक्षा अनुसंधान में जेंडर ₹** 1400.00 (एच.बी.)

निःशुल्क प्रकाशन :

- एम.फिल. और पीएच.डी. पाठ्यचर्या गाईड 2018
- शैक्षिक वित्तपोषण में स्थानांतरण प्रतिमानों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए सूचना विवरणिकाः गुणवत्ता समानता और रोजगार की चिंता (13–14 दिसम्बर, 2018)
- शैक्षिक प्रशासन में नवाचार पर राष्ट्रीय सम्मेलन तथा पुरस्कार समारोह (05–07 मार्च 2017) की रिपोर्ट
- शैक्षिक प्रशासन और अच्छे आचरण में नवाचार पर राष्ट्रीय सम्मेलन (2017–18)
- सी.पी.आर.एच.ई. रिपोर्ट (2017–18)
- कुलपतियों के लिए उच्च शिक्षा में नेतृत्व विकास पर कार्यशाला की रिपोर्ट (07–08 दिसंबर 2017)
- सी.पी.आर.एच.ई. नीतिगत सार (1, 2 तथा 3) (अंग्रेजी संस्करण) (पुनः मुद्रण)
- सी.पी.आर.एच.ई. नीतिगत सार (1, 2 तथा 3) (हिन्दी संस्करण)
- उच्च शिक्षा स्नातकों के लिए रोजगार और रोजगारशीलता पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए सूचना विवरणिका (19–20 फरवरी 2019)
- विश्वविद्यालय प्रशासकों के लिए उच्च शिक्षा में नेतृत्व विकास पर राष्ट्रीय कार्यशाला की सूचना विवरणिका (07–09 जनवरी, 2019)
- उच्च शिक्षा में छात्र विविधता और भेदभाव पर राष्ट्रीय संगोष्ठी की रिपोर्ट (27–28 फरवरी 2017) (पुनः मुद्रण)
- कुलपतियों के लिए उच्च शिक्षा में नेतृत्व विकास पर कार्यशाला की रिपोर्ट (24–25 जनवरी 2019)
- लीप कार्यक्रम के लिए सूचना विवरणिका, अकादमिक नेतृत्व विकास कार्यक्रम (3–19 फरवरी 2019)
- द पूअर बी.ए. स्टूडेन्टः क्राईसिस ऑफ अंडर ग्रेजुएट एजुकेशन इन इंडियाः प्रो. मनोरंजन मोहंती (नीपा XII स्थापना दिवस व्याख्यान
- भारत में स्कूली शिक्षाः यू डाईस फ्लैश स्टैस्टिक्स
- मानव संसाधन विकास मंत्रालय/स्कूल मानक और मूल्यांकन एकक, नीपा के प्रकाशन
  - अ) शाला सिद्धिः विद्यालय बाह्यः मूल्यांकन हेतु निर्देशिका (अंग्रेजी संस्करण)
  - ब) शाला सिद्धिः विद्यालय बाह्यः मूल्यांकन हेतु निर्देशिका (हिंदी संस्करण)

अन्य

इन प्रकाशनों के अलावा, नीपा ने विवरणिका (एम.फिल. और पीएच.डी. कार्यक्रम) 2018–2019; एम.फिल. और पीएच.डी. नियम 2018; एम.फिल. और पीएच.डी. समय सारणी 2018–19; वर्ष नियोजक 2019; शीट प्लानर 2019; डेस्क कैलेंडर 2019; ग्रीटिंग कार्ड, नवाचार पुरस्कार प्रमाण पत्र, लीप प्रोग्राम सर्टिफिकेट; स्कूल नेतृत्व विकास; पाठ्यचर्या की रूपरेखा (तमिल, तेलुगु, मराठी, ओडिया और असमिया–ई संस्करण), स्कूल नेतृत्व विकास; हस्तपुस्तिका (तमिल, तेलुगु, मराठी, ओडिया और असमिया – ई संस्करण), आईडेपा, पीजीडेपा और विभिन्न अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए घोषणा पत्र; लेखन पैड; स्थापना दिवस, और विभिन्न अन्य कार्यक्रमों आदि के लिए डॉकेट फोल्डर और पोस्टर का प्रकाशन किया।

मिमियोग्राफ प्रकाशनः इसके अलावा, संस्थान ने रिपोर्ट अवधि के दौरान संस्थान द्वारा आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों/सेमीनारों के अनुसंधान अध्ययन रिपोर्ट, पठन सामग्री से संबंधित कई मिमियोग्राफ/फोटोकॉपी के प्रकाशन भी निकाले।

नीपा वेबसाइट के लिए सामग्रीः प्रकाशन विभाग ने अपने प्रकाशनों से संबंधित नियमित अद्यतन सूचनाएं नीपा वेब साईट पर अपलोड हेतु प्रदान किए हैं। नीपा के समूल्य तथा निःशुल्क प्रकाशनों की व्यापक सूची और नीपा के लिए निजी प्रकाशकों के माध्यम से प्रकाशित प्रकाशन की सूची शामिल हैं। जेपा के वर्तमान और आगामी अंकों के बारे में जानकारी; नीपा 2018–19 के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का कैलेंडर; नीपा–एक परिचय, और एम.फिल. और पीएच.डी. कार्यक्रम की विवरणिका, निगम ज्ञापन और नियम; हिंदी जर्नल परिप्रेक्ष्य (चतुर्मासी) का टैक्स्ट–वर्जन, नीपा सम–सामयिक आलेखों का संपूर्ण टैक्स्ट वर्ज़न, सीपीआरएचई आलेखों का संपूर्ण टैक्स्ट–वर्ज़न, नीपा वार्षिक रिपोर्ट (अंग्रेजी–हिन्दी) तथा डाईस वेब प्रकाशनों का पूर्ण टैक्स्ट वर्ज़न।

7

नीपा में सहायता अनुदान योजना

नीपा में सहायता अनुदान योजना

कार्य योजना के विस्तार के रूप में राष्ट्रीय शिक्षा नीति और कार्यवाही योजना में उनकी पुनः व्याख्या के विभिन्न मानकों का क्रियान्वयन हेतु उद्देश्यों का वृहद प्रचार आवश्यक है तथा शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत गैर–सरकारी संगठनों तथा स्वैच्छिक एजेंसियों तथा सामाजिक संगठनों के साथ निकटतम सहयोग आवश्यक है। नीति के क्रियान्वयन में बेहतर समन्वयन हेतु, राष्ट्रीय तथा स्थानीय स्तर पर समर्थन व्यवस्था समेत अंतःशास्त्रीय उपागम आवश्यक है।

इस संदर्भ में ये आवश्यक हैं: (अ) देश में शैक्षिक नीतियों तथा कार्यक्रमों के प्रति वृहद जागरूकता पैदा करना, (ब) नीति उन्मुख अध्ययनों तथा संगोष्ठियों को आरंभ करना ताकि मध्य–पाठ्यक्रम सुधार, संशोधन तथा नीति हस्तक्षेपों के साथ समायोजन किया जा सके (स) अध्यापकों, छात्रों, युवाओं तथा महिलाओं और संचार माध्यमों को प्रायोजित संगोष्ठी के आयोजन द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करके साझा मंच प्रदान करना। (द) शिक्षा के क्षेत्र में नवाचारी तथा अच्छे व्यवहार एवं सफल प्रयोग को बढ़ावा देना (य) राष्ट्रीय शिक्षा नीति तथा कार्य योजना की समीक्षा को सुविधाजनक बनाना।

उपरोक्त प्रयोजन के लिये, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार ने सहायता अनुदान कार्यक्रम कार्यान्वित किया है जिसके अंतर्गत योग्य संस्थानों तथा संगठनों को वित्तीय सहायता शिक्षा नीति के प्रबंधन तथा क्रियान्वयन पक्ष पर सीधे प्रभाव डालने वाली गतिविधियों के आधार पर प्रदान की जायेगी। इसके अंतर्गत सम्मेलनों का आयोजन, प्रभावी तथा मूल्यांकन अध्ययन, सर्वोत्तम विकल्पों पर परामर्शकारी अध्ययन, भारत सरकार को सलाह देने हेतु तथा व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने हेतु मॉडल, विडियो फिल्म इत्यादि का निर्माण सम्मिलित हैं।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार ने इस विश्वविद्यालय के माध्यम से यह योजना संचालित की है जो सहायता अनुदान समिति के द्वारा इसे संचालित करता है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की सहायता अनुदान योजना के तहत विभिन्न संस्थानों से प्राप्त प्रस्तावों के मूल्यांकन तथा अनुमोदन के लिए एक समिति का गठन किया गया है। 31 मार्च, 2019 के अनुसार इस समिति के निम्नांकित सदस्य हैं:

प्रोफेसर ए.के. सिंह	–	अध्यक्ष
प्रोफेसर ए.के. शर्मा	–	सदस्य
प्रोफेसर उमा मेदुरी	–	सदस्य
प्रोफेसर एन.आर. भानुमूर्ति	–	सदस्य
प्रोफेसर नीलम सूद	–	सदस्य
प्रोफेसर कुमार सुरेश	–	सदस्य
प्रोफेसर वीरा गुप्ता	–	सदस्य
प्रोफेसर प्रमिला मेनन	–	सदस्य
प्रोफेसर के. बिस्वाल	–	सदस्य
प्रोफेसर कुमार सुरेश	–	सदस्य सचिव

सहायता अनुदान समिति (जीआईएसी) ने इस योजना के अन्तर्गत अनुदान हेतु आवेदन के रिकार्ड और प्रस्तावों पर निगरानी हेतु डाटाबेस विकसित करने का निर्णय लिया। इसके अनुसार डाटाबेस तैयार किया गया और सहायता अनुदान समिति की बैठकों में प्रस्तुत किया गया।

01 अप्रैल, 2018 से 31 मार्च, 2019 की अवधि के आयोजित की गई बैठकें

क्र. सं.	संगठन का नाम	संगोष्ठी/सम्मेलन/अनुसंधान अध्ययन का विषय	बैठक की तिथि	स्वीकृत सहायता अनुदान राशि रू. में
1.	सोसायटी फॉर रूरल एजुकेशन इम्पावरमेंट (एसआरईई), कुरनूल	विशेष आवश्यकता वाले बच्चों पर ध्यान देने के साथ समावेशी शिक्षा की नीतियां, कार्यक्रम और अभ्यास	जीआईएसी की 38वीं बैठक 20.07.2018	2,70,000
2.	कलवारी मिनिस्ट्री	गडवाल जिले में ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग (ओडीएल) और ऑनलाइन लर्निंग को बढ़ावा देना		2,70,000
3.	अनंत महिला मण्डली	डिजिटल युग में शिक्षक की बदलती भूमिकाएँ और योग्यताएँ		3,00,000
4.	समाधान, मधुबनी, बिहार	बिहार में समाज के वंचित वर्ग से संबंधित बच्चों के शैक्षिक अधिकार सुनिश्चित करने की दिशा में रणनीतिक स्कूल सुधार योजना और कार्यान्वयन में स्कूल प्रबंधन समिति की भूमिका		3,00,000
5.	इकोनोमिक एसोसिएशन ऑफ बिहार	बिहार के आर्थिक संघ का 19वां वार्षिक सम्मेलन		3,00,000
6.	अशोक युनिवर्सिटी, सोनीपत	कुशल और मजबूत पुस्तकालयी सेवाओं के लिए नीतिगत ढांचा– साउथ एशियन आर्काइविस्ट और पुस्तकलयाध्यक्षों के लिए कार्यशाला		2,92,000
7.	श्री ब्रह्मलिंगेवरा स्वामी एजुकेशन हैल्थ एंड कल्चर रूरल डवलपमेंट चैरिटेबल ट्रस्ट	भारत में समावेशी शिक्षा – अवधारणा, आवश्यकता और चुनौतियाँ		2,70,000
8.	माइ हर्ट (मार्च ऑफ यूथ हैल्थ, एजुकेशन एंड एक्शन फॉर रूरल ट्रस्ट), भुवनेश्वर	ओडिशा में आंगनवाड़ी और विशेष पोषण कार्यक्रम केंद्रों में राष्ट्रीय प्रारंभिक बचपन देखभाल शिक्षा नीति 2013 के तहत तीन से छह साल के बच्चों के पोषण की गुणवत्ता की परिकल्पना की गई है		2,82,700
9.	श्री भगवान सिंह सेवा समिति, हाथरस	शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 के संदर्भ में बाल श्रम पुनर्वास की चुनौतियाँ		3,00,000
10.	काउंसिल ऑफ सोसियल डवलपमेंट, नई दिल्ली	माध्यमिक शिक्षा का सार्वभौमिकरण		3,00,000

क्र. सं.	संगठन का नाम	संगोष्ठी/सम्मेलन/अनुसंधान अध्ययन का विषय	बैठक की तिथि	स्वीकृत सहायता अनुदान राशि रू. में
11.	केरल डवलपमेंट सोसायटी, दिल्ली	आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के स्कूली शिक्षा में स्कूल प्रबंधन समितियों (एसएमसी) का कार्य (शोध अध्ययन)		5,00,000
12.	अमरज्योति चैरिटेबल ट्रस्ट, दिल्ली	स्कूलों में कम सुनाई देने वाले बच्चों के लिए इलेक्ट्रॉनिक मल्टीमीडिया प्रारूप में सुलभ पाठ्यपुस्तकें (शोध अध्ययन)		4,64,000
13.	इंस्टीट्यूट ऑफ चायनीज स्टडीज, दिल्ली	उच्चतर शिक्षा के लिए छात्र गतिशीलता: चिकित्सा का अध्ययन करने वाले भारतीय छात्रों का मामला (शोध अध्ययन)	जीआईएसी की 38वीं बैठक 20.07.2018	5,00,000
14.	ज्योतिश्री सेवा समिति मधुबनी, बिहार	ग्रामीण बिहार के वंचित वर्ग की महिलाओं पर राष्ट्रीय साक्षरता मिशन प्राधिकरण द्वारा आजीवन सतत शिक्षा कार्यक्रम की रणनीति और उपलब्धि का शुभारंभ		3,00,000
15.	एसएनडीटी वूमन्स यूनिवर्सिटी, मुंबई, महाराष्ट्र	शिक्षा में समता और समानता: में अंतर		4,65,000
16.	द महाराजा सयाजीराव युनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा वडोदरा, गुजरात	भारत की तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी	जीआईएसी की 39वीं बैठक 07.12.2018	5,00,000
17.	असोदया रूरल डवलपमेंट सोसायटी, अनंतपुर, आन्ध्र प्रदेश	शैक्षिक गुणवत्ता परिवर्तन के लिए स्कूल और सामुदायिक सहयोग		3,00,000
18.	इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मेंनेजमेंट, तिरूचिरापल्ली, तमिलनाडु	रणनीतिक प्रबंधन मंच का 20वां वार्षिक सम्मेलन		3,00,000
19	नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टैक्नोलॉजी, वारंगल, तेलंगाना	बिग डेटा एनालिटिक्स 2018 पर 6वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन		5,00,000
20.	अलीगढ़ हिस्टोरिअंस सोसायटी, अलीगढ़, उ.प्र.	भारतीय व्यापारिक वर्ग: पारंपरिक जड़ें और वर्तमान परिवर्तन	जीआईएसी की 40वीं बैठक 08.03.2019	3,00,000
21.	डेस्टिट्यूट, एज्ड, यंग एसोसिएशन, खोरदा, ओडिशा	प्राथमिक शिक्षा के अपने मौलिक अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए बालिका स्कूलों की स्वच्छता कार्यक्रमों के लिए स्कूल प्रबंधन समितियों की भूमिका		2,50,000

क्र. सं.	संगठन का नाम	संगोष्ठी/सम्मेलन/अनुसंधान अध्ययन का विषय	बैठक की तिथि	स्वीकृत सहायता अनुदान राशि रू. में
22.	रामेश्वरम, मधुबनी, बिहार	भारत में ग्रामीण बिहार से संबंधित लड़कियों के लिए विशेष संदर्भ के साथ वंचित और गैर–आबादियों को प्राथमिक शिक्षा को बढ़ावा देने में ग्राम पंचायत की भूमिका	जीआईएसी की 40वीं बैठक 08.03.2019	3,00,000
23.	युनिवर्सिटी ऑफ हैदराबाद, हैदराबाद, तेलंगाना	भारत और विश्वविद्यालय से परे सामाजिक दायित्व		5,00,000
24.	बालज्योति रूरल डवलपमेंट सोसायटी, नैल्लोर, आन्ध्र प्रदेश	डिजिटल युग में शिक्षक की भूमिका को फिर से परिभाषित करना: भूमिका और योग्यता बदलना		3,00,000
		वर्ष 2018–19 में कुल राशि स्वीकृत		**83,63,700/-**

8

प्रशासन और वित्त

प्रशासन और वित्त

प्रशासन

संस्थान के पास हाउसकीपींग तथा सुरक्षा सेवाओं के लिये बाह्य सेवा–स्रोतों के अतिरिक्त निम्नांकित स्वीकृत पद हैं।

प्रशासन तथा अकादमिक एंव तकनीकी समर्थन सेवाएं प्रशासन के कार्य के अनुसार स्थापित अनुभागों द्वारा नियंत्रित तथा समन्वित की जाती हैं।

इसके अनुभाग कार्यकलापों के अनुसार स्थापित किये गए हैं जिन्हें संगठनात्मक आरेख में प्रदर्शित किया गया है। संस्थान में स्वीकृत पदों के अलावा विभिन्न अकादमिक और अनुसचिवीय पदों पर 93 परियोजना कर्मचारी और अधिकारी कार्यरत हैं।

बाह्य संवर्ग पद	**संख्या**
कुलपति	01
कुलसचिव	01
संवर्ग पद	
संकाय (कुलपति, प्रोफेसर, सह–प्रोफेसर, सहायक प्रोफेसर)	42
अकादमिक समर्थन स्टाफ़	07
प्रशासन, वित्त, सचिवीय तथा अन्य तकनीकी स्टाफ	79
सहायक स्टाफ (एम.टी.एस.)	37
कुल	167

समीक्षाधीन वर्ष 2018–19 के दौरान, निम्नांकित सेवानिवृत्तियां की गईं।

सेवानिवृत्तियां

समूह 'ए'

क्र.सं.	नाम	पद	सेवानिवृत्ति की तिथि
1.	प्रो. एस.एम.आई.ए. जैदी	प्रोफेसर	30.06.2018
2.	प्रो. नजमा अख्तर	प्रोफेसर	30.11.2018
3.	प्रो. एन.वी. वर्गीज	प्रोफेसर	31.03.2019

समूह 'बी'

क्र.सं.	नाम	पद	सेवानिवृत्ति की तिथि
1.	श्री सतबीर सिंह भारद्वाज	सहायक	30.04.2018
2.	श्रीमती किरण कपूर	निजी सचिव	30.09.2018
3.	श्रीमती मीना विरदी	निजी सचिव	31.12.2018

नई नियुक्ति

क्र.सं.	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
1.	श्री चन्द्रा कुमार एम.जे.	सिस्टम एनॉलिस्ट	02.07.2018
1.	श्री राजीव वर्मा	वित्त अधिकारी	20.09.2018

वित्त तथा लेखा विभाग

नीपा में वित्त तथा लेखा सेवाएं लेखा अनुभाग द्वारा संचालित की जाती हैं जिसका अध्यक्ष वित्त अधिकारी होता है जिसके अंतर्गत अनुभाग अधिकारी, लेखाकार और कार्यालय के आठ सदस्य तथा अनुसचीवीय स्टाफ होता है। यह अनुभाग बजट की तैयारी, मासिक वेतन तथा पेंशन बिल, अन्य व्यक्तिगत प्रतिपूर्ति जैसे चिकित्सा, एल.टी.सी. बिल, अग्रिम इत्यादि, वस्तुओं की खरीद के लिये बिल भुगतान प्रक्रिया, कार्य, संविदा इत्यादि, पूर्व लेखा परीक्षा, बाह्य परीक्षा के साथ समन्वयन तथा वित्त तथा लेखा से जुड़े अन्य मसलों के लिये उत्तरदायी होता है।

यह सभी वित्तीय मसलों पर समयबद्ध परामर्श देता है तथा वित्तीय भागीदारी, लेखा बयान, उपयोगिता प्रमाण–पत्र इत्यादि हेतु सभी प्रस्तावों के परीक्षण हेतु प्रभावी सहायता प्रदान करता है। वित्त अधिकारी वित्त समिति का सदस्य सचिव होता है जो संस्थान के वित्त, निर्देशन तथा विभिन्न श्रेणियों के लिये व्यय की सीमा तय करता है। पिछले पांच वर्षों में मंत्रालय से प्राप्त अनुदान निम्नांकित है :

प्राप्त अनुदान का ब्यौरा (2014–2019) (रु. लाख में)

क्र. सं.	शीर्ष	2014-15	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19
1.	सहायता अनुदान (योजना)	1,206.97	1,425.28	1,010.87	2,612.95	3,184.71
	सहायता अनुदान (योजनेतर)	1,511.60	1769.80	1816.11		
	आंतरिक प्राप्तियां	71.75	131.70	74.47	59.32	34.69
	योग	**2,790.32**	**3,326.78**	**2,901.45**	**2,672.27**	**3,219.4**
2.	व्यय (योजना)	1,239.00	1,239.97	1,078.42	2,956.09	3,491.89
	व्यय (योजनेतर)	1,643.35	1,690.36	1,721.81		
	योग	**2,882.35**	**2,930.33**	**2,800.23**	**2,956.09**	**3,491.89**
3.	आंतरिक प्राप्तियां व्यय के प्रतिशत के रूप में	1%	1%	1%	2%	1%
4.	सहायता अनुदान व्यय का प्रतिशत	100%	100%	96.51%	100%	100%

उपरोक्त तालिका से यह देखा जा सकता है कि वर्ष 2014–15 से 2018–19 के दौरान सहायता अनुदान में व्यापक रूप से वृद्धि हुई है और इसी अनुपात में इसका व्यय भी बढ़ा है। इससे यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि नीपा अपनी मुख्य गतिविधियों को पर्याप्त महत्व दे रहा है।

राजभाषा कार्यान्वयन/ हिंदी कक्ष

हिंदी कक्ष

हिंदी कक्ष अनुवाद की सुविधा के माध्यम से अनुसंधान प्रशिक्षण और प्रशासन में अकादमिक सहायता प्रदान करता है। यह कक्ष विभिन्न प्रकाशनों के हिंदी संस्करण प्रकाशित करने के साथ–साथ राजभाषा नीति के क्रियान्वयन में भी सहायता प्रदान करता है।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान दैनिक कार्य के अलावा नीपा के हिंदी कक्ष ने कई निम्नलिखित महत्वपूर्ण कार्य किए गए:

(क) शैक्षिक योजना और प्रशासन के सामाजिक–आर्थिक संदर्भ से संबंधित हिंदी जर्नल परिप्रेक्ष्य के तीन अंक प्रकाशित किए गये।

(ख) हिंदी में निम्नलिखित सामग्री का अनुवाद करके उन्हें प्रकाशन के लिए तैयार किया गया:

(i) संकाय सदस्यों के लिए प्रश्नावली, प्रशिक्षण सामग्री आदि की आनुवाद

(ii) परिपत्र, पत्र, नोटिस, निमंत्रण कार्ड आदि का अनुवाद।

(ग) हिंदी कार्यान्वयन की गतिविधियों की समीक्षा के लिए संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित की गई।

(घ) राजभाषा कार्यान्वयन के संबंध में चार तिमाही रिपोर्ट मंत्रालय को भेजी गईं।

(ङ) हिंदी दिवस समारोह : हिंदी दिवस के उपलक्ष में निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए गए:

(i) संस्थान के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

(ii) निबंध लेखन प्रतियोगिता, प्रारूपण और टिप्पण प्रतियोगिता, हिंदी टाइपिंग प्रतियोगिता, प्रश्नमंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 'एमटीएस कर्मचारियों के लिए हिंदी सुलेख प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

(च) हिंदी कक्ष ने योग दिवस और स्वच्छता पखवाड़ा के आयोजन में सहायता प्रदान की।

(छ) हिंदी कक्ष ने 18 से 20 अगस्त 2018 के दौरान मॉरीशस में आयोजित विश्व हिंदी सम्मेलन में भाग लिया।

अनुलग्नक

संकाय का अकादमिक योगदान

अनुलग्नक

संकाय का अकादमिक योगदान

एन.वी. वर्गीज

कुलपति

प्रकाशन

पुस्तकें

वर्गीज एन.वी., सभरवाल, एन.एस. और सी.एम. मलिश (सं.). (2018). इंडिया हायर एजुकेशन रिपोर्ट 2016: इक्विटी नई दिल्लीः सेज।

वर्गीज एन.वी., पचौरी, ए. और मंडल, एस. (सं.). (2018). इंडिया हायर एजुकेशन रिपोर्ट 2017: क्वालिटी एंड टीचिंग लर्निंग इन हायर एजुकेशन इन इंडिया, दिल्ली: सेज।

वर्गीज एन.वी., और जिणुशा पाणिग्रही (सं.). इंडिया हायर एजुकेशन रिपोर्ट 2018: फाइनेंसिंग आफ हायर एजुकेशन, नई दिल्लीः सेज (प्रैस में)।

वर्गीज एन.वी., और मंडल, एस. (सं.). *टीचिंग–लर्निंग एंड न्यू टैक्नोलॉजी इन हायर एजुकेशन.* स्प्रिंगर, नई दिल्लीः स्प्रिंगर (आगामी)।

वर्गीज एन.वी., *लीडरशिप एंड गवर्नंस इन हायर एजुकेशनः प्रिंसिपल एंड प्रैक्टिसेज,* (सहलेखक), यू.जी.सी. नई दिल्ली 2018: (प्रैस में)

पुस्तक में लेख और अध्याय

वर्गीज एन.वी. (2019). इकोनोमिक एंड एजुकेशनल इनेक्वालिटीजः ह्वट डज इंडियन एविडेंस टैल अस? तेलंगाना आर्थिक संघ, तीसरा वार्षिक सम्मेलन, 9–10 फरवरी 2019। डॉ. के. जयशंकर मेमोरियल लेक्चर। पृष्ठ. 29

वर्गीज एन.वी. (2018). एजुकेशन रिसर्च एंड इमरजैंस ऑफ हायर एजुकेशन एज ए फील्ड ऑफ स्टडी इन इंडिया, जीसुन जंग, ह्यूगो होर्ता, और अकिओशी योनेजवा एडीटर, हायर एजुकेशन रिसर्च एज ए फील्ड ऑफ स्टडी इन एशिया, सिंगापुर, स्प्रिंगर, 2018, पीपी. 299–313।

वर्गीज एन.वी. (2018). ''द न्यू नेशनल रेंकिंग'', इंटरनेशनल हायर एजुकेशन, नं. 93, 2018 पृष्ठ 28–30।

वर्गीज एन.वी. (2018). क्रिटिकली इम्पैथी एंड वैलफेअर इन एजुकेशनल डिस्कोर्सेज, कन्टमपोरेरी एजुकेशनल डॉयलाग, वाल्यूम 15, नं. 2, 2018. पीपी 1–21।

वर्गीज एन.वी. (2018). डिजिटल टैक्नोलॉजी एंड चेंजिंग नेचर ऑफ डिस्टेंस लर्निंग, डॉ. अम्बेडकर मुक्त विश्वविद्यालय, हैदराबाद के दीक्षांत समारोह का प्रकाशन, अप्रैल, 2018।

वर्गीज, एन.वी. (2018). 'क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क फार इम्प्रूविंग क्वालिटी एंड रेलिवैंस आफ एजुकेशन', वर्गीज एन.वी., पचौरी ए. और मंडल एस. (सं.) इंडिया हायर एजुकेशन रिपोर्ट 2017: क्वालिटी एंड टीचिंग लर्निंग इन हायर एजुकेशन इन इंडिया, दिल्लीः सेज

वर्गीज, एन.वी., पचौरी, ए. और मंडल, एस. (2018). 'टीचिंग लर्निंग एंड क्वालिटी इन हायर एजुकेशन इन

इंडियाः एन इंट्रोडक्शन' वर्गीज, एन.वी., पचौरी, ए. और मंडल, एस. (सं.), इंडिया हायर एजुकेशन रिपोर्ट 2017: क्वालिटी एंड टीचिंग लर्निंग इन हायर एजुकेशन इन इंडिया, दिल्लीः सेज।

वर्गीज, एन.वी. (2018). ''द चेजिंग लैण्डस्केप ऑफ हायर एजुकेशनः एन अनालिसिस आफ चेंजेज इन डवलपिंग एंड डपलप्ड कन्ट्रीज'' ए. अब्दुल सलीम (संपा.) हायर एजुकेशन इन इमरजिंग इंडियाः प्रॉब्लम, पॉलिसीज एंड पर्सपैक्टिव, शिप्रा, 2018।

वर्गीज, एन.वी. (2018). ''इंडिकेटर्स एंड ग्लोबल ट्रैंड्स इन हायर एजुकेशन डवलपमेंट, इन रिसर्च हैण्डबुक ऑन क्वालिटी, परफॉरमेंस एंड अकाउन्टेबिलिटी इन हायर एजुकेशन, एलेन हेजेलकोर्न, हैमिश कोट्स और अलेक्जेंडर सी। मैककॉर्मिक द्वारा संपादित, 2018. चेल्टनहमः एडवर्ड एल्गर, पीपी. 149–160।

वर्गीज, एन.वी. और मलिक जी. (आगामी)। इंस्टीट्यूशनल ऑटोनॉमी एंड गवर्नंस आफ हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन इन इंडिया, द गवर्नेंस एंड मैनेजमेंट आफ युनिवर्सिटीज इन एशिया, रूटलेज।

शोध पत्र श्रृंखला

वर्गीज, एन.वी. और मंडल सायतन (2018) टीचिंग–लर्निंग इन हायर एजुकेशनः इवाल्यूशन ऑफ कन्सैप्ट एंड अ न्यू टूल आफ अनालिसिस, सीपीआरएचई रिसर्च पेपर्स 9, नई दिल्ली, सीपीआरएचई/नीपा।

वर्गीज, एन.वी., पाणिग्रही जे. और रोहतगी ए. (2018). कन्सनटेरेशन आफ हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन इन इंडियाः अ रीजनल अनालिसिस। सीपीआरएचई रिसर्च पेपर 11, नीपा, नई दिल्ली।

प्राप्त सम्मान

प्राप्त सम्मानः भारत में उच्चतर शिक्षा के क्षेत्र में योगदान के लिए बीआर अम्बेडकर ओपन यूनिवर्सिटी द्वारा डी. लिट (ऑनरिस कौजा) की उपाधि से सम्मानित।

दीक्षांत समारोह संबोधन/उद्घाटन संबोधन/विदाई/प्रस्तुतियाँ/नीति स्तर की बैठकों की अध्यक्षता और भागीदारी

म्यांमार के लिए शैक्षिक प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम में उद्घाटन भाषण, अप्रैल, 2018 ,नीपा

5–7 अप्रैल, 2018 को पुणे में सिम्बॉयसिस इन्टरनेशनल द्वारा आयोजित वैश्विक अन्तरराष्ट्रीय और अन्तःसांस्कृतिक अभिक्षमताओं के निर्माण के लिए कार्यनीतियां विषय पर होम पर अन्तरराष्ट्रीयकरण पर अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में पैनल चर्चा

अप्रैल, 2018 में ताज महल होटल, नई दिल्ली में सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च एण्ड द वर्ल्ड बैंक द्वारा आयोजित वैश्विक संदर्भ में अधिगम पर होने वाले सेमिनार में प्रस्तुति।

26 मार्च से 20 अप्रैल, 2018 को मानव संसाधन विकास केन्द्र, जेएनयू द्वारा टीचर एजुकेटर्स के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में उच्चतर शिक्षा का अन्तरराष्ट्रीयकरण विषय पर व्याख्यान दिया।

बी.आर. अम्बेडकर मुक्त विश्वविद्यालय के 22वें दीक्षांत समारोह में 'डिजिटल प्रौद्योगिकी और दूरस्थ शिक्षा की बदलती प्रकृति' शीर्षक पर दीक्षांत समारोह को संबोधित किया, अप्रैल, 2018, हैदराबाद

सीमैट–केरल के कार्यकारी समिति की 21वीं बैठक में भागीदारी, अप्रैल 2018, तिरूवनंतपुरम

म्यांमार के लिए शैक्षिक प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम में समापन भाषण, अप्रैल, 2018 ,नीपा

विश्व बैंक और एआईसीटीई द्वारा 'उच्च शिक्षा में अभिनव शैक्षणिक दृष्टिकोण' पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया, अप्रैल 2018 विश्व बैंक, नई दिल्ली।

'भारत में विश्व स्तर के विश्वविद्यालयों के विकास पर ओ.पी. जिन्दल ग्लोबल युनिवर्सिटी (जेजीयू) द्वारा आयोजित एक दिवसीय सम्मेलन में भागीदारी, मई 2018, इंडिया हैवीटेट सेंटर, नई दिल्ली।

सीपीआरएचई और नीपा के बारे में चर्चा के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष के साथ बैठक, मई 2018, यूजीसी

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, मा.सं.वि. मंत्रालय द्वारा आयोजित कक्षा 10 एवं कक्षा 12 की परीक्षाओं के संचालन की सम्पूर्ण प्रणाली जांच हेतु उच्चाधिकार प्राप्त समिति की बैठक, सीएसओआई, चाणक्यपुरी में भाग लिया, मई 2018।

कुलपतियों के लिए एक सार–संग्रह/हस्तपुस्तिका तैयार करने के लिए समिति की बैठक में भागीदारी, मई 2018, यूजीसी।

हजारों स्कूलों की परियोजना, टाटा स्टील के मूल्यांकन के लिए एक बैठक में भागीदारी, मई 2018, कलिंगनगर, ओडीशा

यूनिसेफ शिक्षा मेला में भागीदारी, मई 2018, इंडिया हैवीटेट सेंटर, नई दिल्ली

मा.सं.वि.मं. द्वारा समग्र शिक्षा अभियान के शुभारंभ के अवसर पर भागीदारी, मई 2018, नेशनल मीडिया सेंटर, विंडसर प्लेस।

फिक्की उच्च शिक्षा समिति की बैठक में भागीदारी, मई 2018, फिक्की

मई, 2018 में लाल बहादुर शास्त्री नेशनल एकेडमी ऑफ ऐडमिनिस्ट्रेशन, मसूरी में उच्चतर शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित हायर एजुकेशन पॉलिसी रीट्रीट–2018 में भाग लिया।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक की कार्यकारी समिति की बैठक में भाग लिया, जून 2018, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र, दिल्ली।

8 जून, 2018 को एडिस अबाबा इथोपिया में इथोपियन इंस्टीट्यूट फॉर हायर एजुकेशन, एडिस अबाबा यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित सम्मेलन के उद्घाटन में मुख्य भाषण।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक की वित्त समिति की बैठक में भाग लिया, जून 2018, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र, दिल्ली।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक की कार्यकारी समिति की बैठक में भाग लिया, जून 2018, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र, दिल्ली।

कुलपतियों के लिए एक सार–संग्रह/हस्तपुस्तिका तैयार करने के लिए समिति की बैठक में भागीदारी, जुलाई 2018, यूजीसी।

सीपीआरएचई–नीपा द्वारा उच्च शिक्षा के अभिशासन और प्रबंधन पर विशेषज्ञ समिति की बैठक की अध्यक्षता की। जुलाई 2018।

यूनेस्को पुरस्कारों के लिए समिति की बैठक की अध्यक्षता की, एमएचआरडी, जुलाई 2018, नीपा।

कुलपतियों और निदेशक के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया। जुलाई 2018, द अशोक होटल।

जुलाई, 2018 में आईआईसी के 10वें स्थापना दिवस समारोह के दिन अम्बेडकर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ''टुवार्डस अ न्यू डेमोक्रेसीः द रोल ऑफ द पब्लिक यूनिवर्सिटी'' विषय पर पैनल चर्चा।

अगस्त, 2018 में नीपा में सुश्री राजिका भण्डारी, निदेशक, आईआईई सेंटर फॉर एकेडमिक मोबिलिटी, न्यूयार्क और शैलेन्द्र सिग्डेल, यूनेस्को के साथ बैठक।

जीवन भारती भवन, कनाट प्लेस में टाटा स्टील की शिक्षा परामर्शी बैठक में भाग लिया, अगस्त 2018।

नीपा के बारहवें स्थापना समारोह में स्वागत भाषण, अगस्त 2018, इंडिया हैवीटेट सेंटर, नई दिल्ली

कुलपतियों के लिए एक सार–संग्रह/हस्तपुस्तिका तैयार करने के लिए समिति की बैठक में भागीदारी, अगस्त 2018, यूजीसी।

अगस्त, 2018 में बैंकॉक में यूनेस्को एशिया पैसिफिक रीजनल ब्यूरो फॉर एजुकेशन द्वारा आयोजित द्वितीय एशिया–प्रशान्त विशेषज्ञ बैठक' राष्ट्रीय अर्हता फ्रेमवर्क (एनक्यूएफ) विषय स्तर में भाग लिया।

अगस्त, 2018 में अशोका होटल में सुप्रसिद्ध विद्वानों के साथ मानव संसाधन प्रबंधक द्वारा ली गई बैठक में भागीदारी।

सीमैट–केरल के कार्यकारी समिति और शासी परिषद की बैठक में भागीदारी, अगस्त 2018, तिरूवनंतपुरम

नीपा के कार्यप्रणाली की समीक्षा के लिए यूजीसी विशेषज्ञ समिति के दौरे के दौरान प्रस्तुति, सितंबर 2018, नीपा

नीपा में सितम्बर, 2018 में भारतीय उच्चतर शिक्षा में शिक्षण और अधिगम के बारे में विशेषज्ञ समिति की बैठक

सितम्बर, 2018 में पुनगर्ठित पुस्तक संबर्द्धन परिषद (मा.सं.वि. मंत्रालय) की बैठक में भाग लिया, स्थान शास्त्री भवन, नई दिल्ली

क्राइस्ट युनिवर्सिटी द्वारा आयोजित सम्मेलन में मुख्य भाषण, सितंबर 2018, बेंगलुरू

सितम्बर, 2018 में (सीपीआरएचई) नीपा में उच्चतर शिक्षा का शासन और प्रबंध विषय पर भारत उच्चतर शिक्षा प्रतिवेदन 2019 (आईएचईआर) की द्वितीय समकक्षीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षकता की।

सितम्बर, 2018 में इन्डिया हैबिटेट सेंटर में इन्डियन चेम्बर ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित जीईएफ–2018 ग्लोबलाइज्ड एजुकेशन फोरम में पैनल चर्चा।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक की कार्यकारी एवं वित्त समितियों की बैठक में भागीदारी, सितंबर 2018, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र, नई दिल्ली।

अक्टूबर, 2018 में अभातशिप मुख्यालय (एआईसीटीई) में सीआईआई द्वारा आयोजित सीआईआई शिक्षा शिखर सम्मेलन 2018 में गुणवत्ता परिणाम के लिए प्रभावी नीति सत्र में पैनल सदस्य।

उच्च शिक्षा योग्यता की मान्यता और मुद्दों पर एक बैठक में भाग लिया, सचिव (एचई) मा.सं.वि.मं., अक्टूबर 2018, शास्त्री भवन।

आईएनसीसीयू, मा.सं.वि. मंत्रालय द्वारा नामित उच्चतर शिक्षा में योग्यताओं की मान्यता संबंधी एशिया–प्रशान्त क्षेत्रीय सम्मेलन की समिति के पहले सत्र में भाग लिया। अक्टूबर, 2018, सियोल, कोरिया।

यूनेस्को पुरस्कारों के लिए समिति की बैठक की अध्यक्षता की, एमएचआरडी, अक्टूबर 2018, नीपा।

सचिव, मा.सं.वि. मंत्रालय द्वारा आयोजित 14 फिक्की उच्च शिक्षा शिखर सम्मेलन के लिए पूर्व सम्मेलन बैठक और रात्रि भोज, अक्टूबर, 2018, होटल आईटीसी मौर्य।

अक्टूबर 2018 को विज्ञान भवन में 14 फिक्की उच्च शिक्षा शिखर सम्मेलन में पैनल चर्चा।

राष्ट्रीय जन सहयोग और बाल विकास संस्थान (एनआई पीसीसीडी) में विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक की अध्यक्षता की। अक्टूबर 2018, एनआईपीसीसीडी

अक्टूबर, 2018 में शास्त्री भवन में भारत और सऊदी अरब के बीच कार्यनीतिक सहयोग के क्षेत्रों पर चर्चा करने और इसकी पहचान करने के लिए शिक्षा क्षेत्र के लिए उप–समूह की बैठक में भाग लिया। (अपर सचिव, मानव संसाधन विकास मंत्रालय)

ज्ञान और मानव विकास प्राधिकरण मंत्रालय, दुबई द्वारा आयोजित विश्वविद्यालय गुणवत्ता आश्वासन अंतर्राष्ट्रीय बोर्ड की बैठक में भाग लिया। नवंबर 2018, दुबई

नवम्बर, 2018 में यू.जी.सी. के अध्यक्ष द्वारा मा.सं.वि.केन्द्र के पुनर्निर्माण/पुनर्संरचना के लिए गठित समिति की बैठक में भाग लिया।

मौलाना अबुल कलाम आजाद मेमोरियल लैक्चर में स्वागत भाषण, नवंबर 2018, इंडिया हैविटेट सेंटर, नई दिल्ली

यूजीसी–एचआरडीसी, जेएनयू द्वारा आयोजित पर्यावरण अध्ययन (आईडीसी) में द्वितीय रिफ्रेसर कोर्स और शिक्षक शिक्षा पर द्वितीय रिफ्रेसर कोर्स के उद्घाटन सत्र में मुख्य भाषण।

नवम्बर, 2018 में माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री द्वारा विज्ञान भवन में पीएमएमएमएनएमटीटी के अन्तर्गत शिक्षण में वार्षिक पुनश्चर्या कार्यक्रम (अर्पित) और शैक्षिक जगत में नेतृत्व कार्यक्रम (लीप) के शुभारम्भ में भाग लिया।

नवम्बर, 2018 में जैन विश्वविद्यालय बेंगलुरू द्वारा आयोजित रिसर्च रिट्रीट में मुख्य अभिभाषण दिया।

नवम्बर, 2018 में आईआईसी में कॉमनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फॉर एशिया द्वारा आयोजित कौशल विकास कार्यक्रमों को शैक्षणिक कार्यक्रम के साथ सम्बद्ध

करने के लिए मार्ग निर्देश के बारे में सीईएमसीए थिंक टैंक समवेत सत्र में भाग लिया।

ग्लोबल एजुकेशन मॉनिटरिंग (जीईएम) रिपोर्ट, 2019 के राष्ट्रीय स्तर तक शुभारम्भः प्रवास, विस्थापन और शिक्षाः सेतु निर्माण दिवारें नहीं, यूनेस्को, नई दिल्ली द्वारा आयोजित। नवम्बर, 2018 यूनेस्को भवन।

नवम्बर, 2018 को शास्त्री भवन, नई दिल्ली में योग्यताओं की मान्यता के वैश्विक अभिसमय पर एक बैठक में भाग लिया।

उच्च शिक्षा के बदलते गतिशीलता पर संकाय विकास कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता। नवंबर 2018, श्याम लाल कॉलेज

नवम्बर, 2018 में बर्मिंघम यू.के. में एशिया यूरोप फउंडेशन (एएसईएफ) द्वारा आयोजित वर्ल्ड एक्सेस टू हायर एजुकेशन डे कांफ्रेंस में एक व्याख्यान दिया।

दिसम्बर, 2018 में पेरिस में उच्चतर शिक्षा योग्यता की मान्यता संबंधी वैश्विक अभिसमय की पहली अंतःसरकारी बैठक में भाग लिया।

नवीन आरंभिक परियोजनाओं–एसडीजी 4: उच्चतर शिक्षा में लोचकता हेतु योजना के लिए शोध पद्धति और यंत्र संबंधी विशेषज्ञ समिति की बैठक में भाग लिया। दिसंबर 2018, आई.आई.ई.पी. पेरिस

शैक्षिक प्रशासन में नवाचारों पर राष्ट्रीय सम्मेलन में स्वागत सम्बोधन। जनवरी 2019, प्रवासी भारतीय केन्द्र सभागार

एचआरएम द्वारा शैक्षिक प्रशासन में नवाचारों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारों की प्रस्तुति के सत्र की अध्यक्षता। जनवरी 2019, प्रवासी भारतीय केन्द्र सभागार

विश्वविद्यालय प्रशासकों के लिए उच्च शिक्षा में नेतृत्व विकास पर राष्ट्रीय कार्यशाला में उद्घाटन भाषण। जनवरी 2019, प्राइड प्लाजा होटल।

सीमैट–केरल के कार्यकारी समिति की बैठक में भागीदारी, जनवरी 2019, तिरूवनंतपुरम

यूनेस्को पुरस्कारों के लिए समिति के बैठक की अध्यक्षता की, एमएचआरडी, जनवरी 2019, नीपा।

कुलपतियों के लिए अकादमिक नेतृत्व कार्यक्रम में उद्घाटन भाषण। जनवरी 2019, प्राइड प्लाजा होटल।

भागीदारीः (i) 2019 सीएचईए वार्षिक सम्मेलन 30 जनवरी 2019 (ii) सीआईक्यूजी वार्षिक बैठक में भागीदारी 31 जनवरी 2019–03–20 (iii) उच्च शिक्षा प्रत्यायन परिषद (सीएचईए) द्वारा आयोजित सीआईक्यूजी सलाहकार परिषद की बैठक में भागीदारी, जनवरी 2019, वाशिंगटन डीसी

लीप के तहत शैक्षणिक नेतृत्व विकास कार्यक्रम में उद्घाटन भाषण। फरवरी 2019, डेलनेट

आईडेपा में उद्घाटन भाषण। फरवरी 2019, नीपा

एनसीटीई के आम सभा बैठक, फरवरी 2019, नीपा

उस्मानिया विश्वविद्यालय में तेलंगाना आर्थिक संघ सम्मेलन में जयशंकार मेमोरियल व्याख्यान दिया। फरवरी 2019, हैदराबाद

फिक्की उच्च शिक्षा समिति 2019 की प्रथम बैठक में भागीदारी। फरवरी 2019, फिक्की फेडरेशन हाउस।

फरवरी, 2019 को तिरूवनंतपुरम में 'मुक्त और दूरस्थ शिक्षा अधिगम में गुणवत्ता मॉडल के संबंध में केरल विश्वविद्याालय में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में मुख्य भाषण।

फरवरी, 2019 में गियान के बारे में सचिव (उच्चतर शिक्षा), मानव संसाधन विकास मंत्रालय के साथ शास्त्री भवन में हुई बैठक में भागीदारी।

फरवरी, 2019 में इंडिया हैबिटेट सेंटर में उच्चतर शिक्षा के स्नातकों का रोजगार और रोजगार परकता संबंधी अन्तरराष्ट्रीय सेमिनार में स्वागत भाषण।

फरवरी, 2019 में नीपा में राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद की परामर्शदात्री बैठक (सीपीआरएचई, गरिमा मलिक), में प्रारम्भिक व्याख्यान।

पैनल चर्चा– स्कूल पाठ्यचर्याः विद्यालय पाठ्यचर्या में उभरते हुए मुद्दों पर राष्ट्रीय सम्मेलन में नीतिगत परिप्रेक्ष्य, एनसीईआरटी, मार्च, 2019, एनसीईआरटी

मार्च, 2019 को शास्त्री भवन में मानव संसाधन मंत्री की अध्यक्षता में हुई एनवीएस की कार्यकारिणी समिति की बैठक में भागीदारी।

मार्च, 2019 को शास्त्री भवन में मानव संसाधन मंत्री की अध्यक्षता में हुई एनवीएस सोसायटी की वार्षिक आम सभा बैठक में भागीदारी।

विद्यालयी शिक्षा और अधिगमः वे क्यों विविध हो जाते? के बारे में डा. सईद अंसारी मेमोरियल लेक्चर दिया। मार्च, 2019 जामिया मिलिया इस्लामिया।

डीकिन यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित विश्व स्तर के विश्वविद्यालयों का निर्माणः रैंकिंग की भूमिका पर पैनल चर्चा में मुख्य वक्ता, आस्ट्रेलियाई व्यापार एवं निवेश आयोग, मार्च 2019, ताज महल होटल।

मार्च, 2019 में गुवाहाटी में तेजपुर यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित भारत में सीमांकन और सीमांतता पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य भाषण दिया।

शैक्षिक योजना विभाग

के. बिस्वाल

प्रकाशन

पुस्तकें/नियमावली/रिपोर्ट

''स्कूल शिक्षा 2017–18 पर यू–डाईस फ्लैश सांख्यिकी'' का प्रारूप तैयार किया, नीपा, नई दिल्ली, मिमिओ।

2017/18 के लिए यू–डाईस आंकड़ा के आधार पर नीपा के ऑनलाइन यू–डाईस प्रकाशनों को अद्यतन किया।

यू–डाईस डैशबोर्ड (http://udise.schooleduinfo.in/) जिसमें स्कूली शिक्षा के प्रमुख प्रदर्शन संकेतक हैं (यूनिसेफ इंडिया कंट्री ऑफिस, नई दिल्ली के अनुसमर्थन से) अभिकल्पन और शुभारम्भ किया।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों और सम्मेलनों में भागीदारी

यूनिसेफ क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा आयोजित 'अधिगम सृजन तथा वितरण उपागम' पर दक्षिण एशिया सम्मेलन' में 8–9 मई, 2018 को होटल अन्नपूर्णा काठमांडू, नेपाल में भाग लिया।

टीएसजी/मा.सं.वि.मंत्रालय द्वारा आयोजित छात्र डेटाबेस प्रबंधन सूचना प्रणाली (एसडीएमआइएस) पर राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में 23–24 अप्रैल, 2018 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में भाग लिया।

यूनिसेफ इंडिया कंट्री ऑफिस द्वारा 5–7 दिसंबर, 2018 से होटल सम्राट, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में प्रायोजित राष्ट्रीय सांख्यिकी प्रणाली प्रशिक्षण अकादमी (एनएसएसटीए) में प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण (टीओटी) कार्यक्रम में एक संसाधन व्यक्ति रूप में भाग लिया।

यूजीसी–मानव संसाधन विकास केन्द्र, जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित शिक्षक शिक्षकों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में 12 नवंबर से 7 दिसंबर 2018 तक एक संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया।

प्रवासी भारतीय केंद्र, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में नीपा द्वारा आयोजित "शैक्षिक प्रशासन में नवाचारों पर राष्ट्रीय सम्मेलन" में एक सत्र में भागीदारी और अध्यक्षता की, 3–5 जनवरी, 2019।

नीपा, द्वारा आयोजित "राज्य उच्च शिक्षा परिषदों के निदेशकों की दो दिवसीय परामर्शकारी बैठक" में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में भागीदारी, नीपा,नई दिल्ली 25–26 फरवरी, 2019।

प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशालाएं आयोजित/संगठित

जिला शिक्षा अधिकारी, डाइट के प्राचार्य और डीईआरटी के संकाय सदस्यों के लिए मेघालय में स्कूल शिक्षा की योजना पर उन्मुखी कार्यक्रम की रूपरेखा और संचालन (प्रो. एसएमआईए जैदी, डा. एन.के. मोहंती और डा. सुमन नेगी के साथ) 9–13 अप्रैल, 2018 शिलांग, मेघालय।

एक्शन रिसर्च परियोजना के अन्तर्गत, ''तमिलनाडु और ओडिशा में आरएमएसए के तहत जिला माध्यमिक शिक्षा योजना के विकास'' और (''जिला स्तर पर माध्यमिक शिक्षा की योजना के लिए एक्शन रिसर्च और मॉडल से सीखा सबक पर राष्ट्रीय स्तर की साझा कार्यशाला'' (प्रो. एसएमआईए जैदी और डा. एन.के. मोहंती के साथ) डिजाइन और संचालित, 4–6 जून, 2018 नीपा, नई दिल्ली।

प्रमुख राज्यों के एसएसए और आरएमएसए के ईएमआईएस समन्वयक के लिए राज्य योजना, ''स्कूल शिक्षा के परिणामों की योजना और निगरानी पर प्रशिक्षण कार्यक्रम'' (प्रो. एसएमआईए जैदी और डा. एन.के. मोहंती के साथ) रूपरेखा और संचालन। नीपा, नई दिल्ली, 30 जुलाई से 03 अगस्त, 2018।

''एससीईआरटी संकाय के लिए योजना और अनुसंधान परियोजनाओं पर प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा'' (प्रो. एसएमआईए जैदी और डा. एन.के. मोहंती के साथ) 27–31 अगस्त, 2018 नीपा, नई दिल्ली।

पूर्वोत्तर राज्यों के एससीईआरटी संकायों के लिए योजना और अनुसंधान परियोजनाओं पर प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा और संचालन (डा. एन.के. मोहंती के साथ)। 10–14 सितंबर, 2018, गुवाहाटी, असम।

राज्य और जिला स्तर के अधिकारियों के लिए *समग्र शिक्षा* के तहत जिला स्कूल शिक्षा योजना का विकास पर राज्य स्तरीय अभिविन्यास कार्यक्रम (डा. एन.के मोहंती के साथ), 24–28 सितंबर, 2018 चेन्नई, तमिलनाडु

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रमों का विकास और निष्पादित

नीपा द्वारा विशिष्ट शिक्षण एनआरसी (स्वयम के तहत) पेशकश "शैक्षिक योजना और प्रशासन पर शिक्षण पाठ्यक्रम में ऑनलाइन वार्षिक रीफ्रेशर कार्यक्रम (एआरपीआइटी) समन्वित। 1 नवंबर 2018 से 28 फरवरी 2019

समन्वयक के रूप में, पाठ्यक्रम सामग्री और ऑनलाइन अरपित पाठ्यक्रम की शैक्षिक योजना पर यूनिट II की अधिक दृश्य–श्रव्य सामग्री विकसित (प्रो. गीता रानी, डा. एन.के. मोहंती, और डा. सुमन नेगी के साथ)।

यूनिट II शैक्षिक योजना और प्रशासन पर ऑनलाइन अरपित पाठ्यक्रम निष्पादित (प्रो. गीता रानी, डा. एन.के. मोहंती, और डा. सुमन नेगी के साथ)।

मार्च 2019 में राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित ऑनलाइन अरपित पाठ्यक्रम की अंतिम अवधि की परीक्षा के लिए एमसीक्यू आधारित प्रश्न पत्रों (यूनिट II से संबंधित) के एनटीए दो सेटों को विकसित और प्रस्तुत किया गया।

एम.फिल./पीएचडी प्रोग्राम, 2018/19 अनिवार्य पाठ्यक्रम सं. सीसी–1 (शिक्षा में आर्थिक परिप्रेक्ष्य) में सहायक संकाय के रूप निष्पादन।

एम.फिल./पीएचडी प्रोग्राम, 2018/19 में *अनिवार्य पाठ्यक्रम सं. सीसी–6* (शिक्षा में उन्नत योजना तकनीक) पाठ्यक्रम समन्वयक के रूप में निष्पादन।

सहायक संकाय के रूप में, पीजीडेपा *पाठ्यक्रम संख्या 903: शैक्षिक योजनाः संकल्पना, दृष्टिकोण और प्रकार* सितंबर, 2018।

पीजीडेपा ऑनलाइन उन्नत *पाठ्यक्रम संख्या 907: शैक्षिक योजना* पाठ्यक्रम संयोजक जुलाई 2018।

आईडेपा *पाठ्यक्रम संख्या 204: शैक्षिक योजना* फरवरी 2019 सहायक संकाय के रूप में।

सहायक संकाय के रूप में आईडेपा *पाठ्यक्रम संख्या 205: शैक्षिक योजना की कार्यप्रणाली और तकनीक*, मार्च 2019 में ।

एम.फिल./पीएच.डी., डेपा और आईडेपा शोधों का पर्यवेक्षण और मूल्यांकन

सुश्री मनीषा पवार, वरिष्ठ व्याख्याता, द्वारा आरटीई अधिनियम 2009 के संदर्भ में ''स्कूल प्रबंधन समिति की संरचना, कार्य और प्रभावकारिताः पीजीडेपा शोध कार्य'' का पर्यवेक्षण और मूल्यांकन किया। पुणे, महाराष्ट्र, पुणे

श्री लेटीसिट्वे रूबेन मेडिसकवाना, बोत्सवाना का ''2015–2020 के बोत्सवाना की शिक्षा और प्रशिक्षण क्षेत्र रणनीतिक योजना का एक नैदानिक अध्ययन'' शीर्षक आईडेपा कार्य का पर्यवेक्षण किया।

सुश्री निधी रावत द्वारा ''*ए स्ट्डी ऑफ जीआईएस बेस्ड् स्कूल मैपिंग इन एलिमैंट्री एजुकेशन इन इंडिया*'', शीर्षक से पीएचडी कार्य का पर्यवेक्षण किया।

श्री दीपेंद्र कुमार पाठक का 'पश्चिम बंगाल में स्कूल आधारित प्रबंधन और सामुदायिक भागीदारीः बर्दवान और पुरुलिया जिलों में चुनिंदा माध्यमिक विद्यालयों का एक अध्ययन' शीर्षक से पीएचडी कार्य का पर्यवेक्षण किया।

सुहैल अहमद मीर का भारत में ''शिक्षा और श्रम बाजार परिणामों में अवसर की असमानता का अध्ययन'' शीर्षक पीएचडी (अंशकालिक) कार्य का पर्यवेक्षण किया।

सुश्री आयशा मलिक का ''राजस्थान में स्कूल विलय नीति के परिणामों के आधार पर जीआईएस आधारित विश्लेषण'' शीर्षक पीएचडी कार्य का पर्यवेक्षण किया।

पी. गीता रानी

प्रकाशन

पत्रिका में प्रकाशन

पी. गीता रानी, फाइनेंसिंग हायर एजुकेशन एंड एजुकेशन लोन इन इंडियाः द स्टाइलाइज्ड फैक्ट्स, यूनिवर्सिटी न्यूज, 2018, वाल्यूम 56, नं.28, पृ. 10–22।

गीता रानी, पी. और मुकेश (2017), डिटर्मिनेंट्स ऑफ इंटरेस्ट सब्सिडी ऑन एजुकेशन लोन्स इन इंडियाः हू गेन्स एंड हू लोसेज? (सह–लेखक) जर्नल ऑफ मैनेजमेंट एंड पब्लिक पॉलिसी, अंक. 9, संख्या1, 2017, पृ. 17–30

पी. गीता रानी, एजुकेशन लोन एंड फाइनेंसिंग हायर एजुकेशन इन इंडियाः ट्रेंड्स, ड्राइविंग फोर्सेज एंड डिस्ट्रॉशन्स, आइएएसएसआइ त्रैमासिक सामाजिक विज्ञान में योगदानः शिक्षा और विकास पर विशेष अंक, 2017, 36 (2 और 3), पृ. 152–173।

पी. गीता रानी, फाइनेंसिंग हायर एजुकेशन एंड एजुकेशन लोन इन इंडियाः इंटरस्टेट डिफरेंसियल एंड डिटरमिनेंट, जर्नल आफ सोशियल एंड इकोनमिक डवलपमेंट, 2017, 19(1), 42–59 स्प्रिंगर, यूजीसी जे सूची सं. 47883, आईएसएसएन 47883

पुस्तकों में अध्याय

डिटर्मिनेंट्स ऑफ इंटरेस्ट सब्सिडी ऑन स्टूडेंट लोन्स फार फाइनेंसिंग हायर एजुकेशन इन इंडियाः ए क्वान्टाइल रिग्रैसन अप्रोच, इन कन्टमप्रोरी इश्यू आन गलेबलाइजेशन एंड सस्टेनेबल डवलपमेंट, (संपा.), सीरियल पब्लिकेशन, नई दिल्ली, 2018।

क्रेडिट मार्केट्स इन इंडियाः द केश ऑफ एजुकेशन लोन इन डेवेप्लोपिंग ए क्रेडिट मार्केट फॉर हायर एजुकेशन इन इंडिया" नामक अध्याय (सं.) एम. एम. अंसारीय सिद्धार्थ सोनवतय शाश्वती घोष, यस ग्लोबल इंस्टीट्यूट, यस बैंक, 2017.

संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में भागीदारी

(राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

समावेशी शिक्षा गुणवत्ता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''भारत में स्कूली शिक्षा में नामांकन का प्रारूपः समावेशी गुणवत्ता शिक्षा पर संभावित प्रतिमान'' सतत विकास लक्ष्य की ओर शीर्षक से एक पत्र प्रस्तुत किया। सामाजिक विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित इंडिया हैबिटेट सेंटर, 4, 17–18, जून, 2017।

एनएसएस के 71वें और 72वें दौर के दौरान निर्धारित किए गए विषयों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भारत में स्कूल ड्रॉपआउट के निर्धारक, शीर्षक पर एक संयुक्त पत्र प्रस्तुत किया गया। आन्ध्र विश्वविद्यालय, विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश 23–24 अगस्त 2018

''भारत में स्कूली शिक्षा में नामांकन और ड्रॉपआउट का पैटर्नः समावेशी गुणवत्ता शिक्षा पर संभावित प्रतिमान'' 'सत्तर में भारतः नई विकास चुनौतियां' नामक शीर्षक पर विकास सम्मेलन में एक पत्र प्रस्तुत किया, आईएसईसी, बैंगलोर 24–25 अप्रैल, 2018।

''उच्च शिक्षा का प्रावधान और वित्त पोषणः अन्तरराज्यीय विषमता'' "शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत और ''शिक्षा के वित्त पोषण में प्रतिमान स्थानांतरण–गुणवत्ता, समानता और रोजगार चिन्ता'' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 14. 12.2018 को एक महत्वपूर्ण वक्ता के रूप मे भागीदारी 13–14 दिसंबर, 2018।

''भारत में उच्च शिक्षा में पाठ्यक्रम विकल्पः अंतर और निर्धारक'' शीर्षक में पत्र प्रस्तुत 'मद्रास स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स और अर्थशास्त्र विभाग, तमिलनाडू केंद्रीय विश्वविद्यालय का संयुक्त संकाय संगोष्ठी अर्थशास्त्र विभाग, तमिलनाडू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 17–18 जनवरी, 2018

कार्यशालाएं/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

बड़े पैमाने पर सर्वेक्षण पर अनुसंधान पद्धति कार्यशालाः आंकड़ा विश्लेषण और उपकरण, नीपा, नई दिल्ली में 18–23 मार्च, 2019 को आयोजित।

सार्वजनिक निकायों को परामर्श और अकादमिक सहायता

यूथ डेवलपमेंट इंडेक्स एंड रिपोर्ट, 2017, आरजीआईवाईडी, श्रीपेरंबुदूर, 2017 की तैयारी के लिए "डेवलपमेंट ऑफ यूथ एजुकेशन इन इंडियाः पैटर्न एंड प्रोस्पेक्ट्स" नामक अध्याय का योगदान दिया। 197–262, आईएसबीएन नंबरः 978–93–81572–46–7।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

एम.फिल./पीएच.डी. उत्तर पत्रक मूल्यांकन समिति के सदस्य के रूप में एम.फिल./पीएच.डी. कार्यक्रम 2018–20 में प्रवेश के लिए साक्षात्कार और अन्य संबंधित गतिविधियों के लिए आने वाले संभावित उम्मीदवारों की सूची तैयार करने में सहायता।

एम.फिल. शोध प्रबंध के लिए बाहरी परीक्षक।

पीएचडी शोध प्रबंध के लिए बाहरी परीक्षक।

नीपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद, बैंगलोर द्वारा एक प्रोफेसर के रूप में प्रतिष्ठित

एन.के. मोहंती

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों और सम्मेलनों में भागीदारी

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ लेबर इकोनॉमिक्स, रिसर्च एंड डेवलपमेंट (NILERD) के अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों की दौरे को समन्वित किया। फरवरी, 2019, नीपा, नई दिल्ली

प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशालाएं आयोजित

शिलांग, मेघालय, में जिला शिक्षा अधिकारियों, डाईट के प्राचार्य और डीईआरटी के संकाय सदस्यों के लिए मेघालय में स्कूल शिक्षा की योजना के उन्मुखीकरण कार्यक्रम (प्रो. एसएमआईए जैदी और प्रो. के. बिस्वाल और डा. सुमन नेगी के साथ) प्रारूपण और संचालन, 9–13 अप्रैल, 2018

तमिलनाडु और ओडिशा में आरएमएसए के तहत जिला माध्यमिक शिक्षा योजनाओं के विकास और कार्रवाई अनुसंधान परियोजना के अन्तर्गत जिला माध्यमिक शिक्षा योजनाओं के अंतिम रूप देने पर आयोजित समीक्षा बैठक में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य। 16–17 अप्रैल, 2018।

एक्शन रिसर्च परियोजना के अन्तर्गत चल रहे, ''तमिलनाडु और ओडिशा में आरएमएसए के तहत जिला माध्यमिक शिक्षा योजना के विकास'' और ''जिला स्तर पर माध्यमिक शिक्षा की योजना के लिए कार्रवाई शोध और मॉडल से सीख'' पर राष्ट्रीय स्तर की साझा कार्यशाला'' (प्रो. एसएमआईए जैदी और प्रो. के. बिस्वाल के साथ) डिजाइन और संचालित, 4–6 जून, 2018 नीपा, नई दिल्ली।

प्रमुख राज्यों के एसएसए और आरएमएसए के ईएमआईएस समन्वयक के लिए राज्य योजना, ''स्कूल शिक्षा के परिणामों की योजना और निगरानी पर प्रशिक्षण कार्यक्रम'' (प्रो. एसएमआईए जैदी और प्रो. के. बिस्वाल के साथ) रूपरेखा और संचालन। नीपा, नई दिल्ली, 30 जुलाई से 03 अगस्त, 2018।

पूर्वोत्तर राज्यों के एससीईआरटी संकायों के लिए योजना और अनुसंधान परियोजनाओं पर प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा और संचालन (प्रो. के. बिस्वाल के साथ)। 10–14 सितंबर, 2018, गुवाहाटी, असम।

राज्य और जिला स्तर के अधिकारियों के लिए *समग्र शिक्षा* के तहत जिला स्कूल शिक्षा योजना का विकास पर राज्य स्तरीय अभिविन्यास कार्यक्रम (प्रो. के. बिस्वाल के साथ), 24–28 सितंबर, 2018 चेन्नई, तमिलनाडु

उत्तर–पूर्ण एस.सी.ई. आर.टी. संकाय के लिये अनुसंधान परियोजनाओं को रूपरेखा और योजना पर प्रक्षिक्षण कार्यक्रम, 27–31 अगस्त 2018, नीपा, नई दिल्ली (प्रो. एस.एम.आई.ए. जैदी और प्रो. के. बिस्वाल के साथ)

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित और संपादित

एम.फिल./पीएच.डी. प्रोग्राम, 2018–20 के लिए *वैकल्पिक पाठ्यक्रम सं. सीसी–6* (शिक्षा में उन्नत योजना तकनीक) के साथ लेन–देन (प्रो. के. बिस्वाल के साथ) निष्पादित।

पाठ्यक्रम समन्वयक के रूप में, आइडेपा पाठ्यक्रम संख्या 204: शैक्षिक योजना आयोजित किया फरवरी 2019।

निष्पादित, आईडेपा पाठ्यक्रम सं. 205: शैक्षिक योजना की पद्धति और तकनीक मार्च 2019।

पाठ्यक्रम समन्वयक के रूप में, पीजीडेपा पाठ्यक्रम संख्या 903: शैक्षिक योजनाः संकल्पना, प्रकार और दृष्टिकोण का आयोजन, सितंबर–नवंबर, 2018।

शैक्षिक योजना से जुड़े नीपा के कई अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रमों और पाठ्यक्रमों का निष्पादन।

संशोधित (प्रो. एसएमएआई जैदी के साथ) क्षेत्र निदान पर सिमुलेशन अभ्यासः पहुँच और भागीदारी के संकेतक, अगस्त 2018।

संशोधित (प्रो. एसएमएआई जैदी के साथ) क्षेत्र निदान पर सिमुलेशन अभ्यासः आंतरिक दक्षता के संकेतक, अगस्त 2018।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, यूजीसी, राज्य सरकारों, अंतरराष्ट्रीय संगठन और राष्ट्रीय संस्थानों के लिए महत्वपूर्ण परामर्श तथा सलाहकार सेवाएँ

आरएमएसए, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार फ्रेमवर्क और निगरानी दस्तावेजों को तैयार करने और अंतिम रूप देने में योगदान (प्रो. के. बिस्वाल के साथ)। एसईएमआईएस 2009/10 और यूडीआईएसई 2016–17 डेटा के विश्लेषण के आधार पर आरएफडी में सभी संकेतक आँकड़ों के लिए 2016–17 डेटा प्रदान किया गया। साथ ही, माध्यमिक शिक्षा उप–क्षेत्र में आरएमएसए और अन्य संबंधित मध्यवर्तनों के कार्यान्वयन के कारण पिछले रुझानों के विश्लेषण और संभावित भविष्य के परिवर्तनों के आधार पर आरएफडी में प्रत्येक संकेतक आँकड़ों के लिए लक्ष्य प्रदान किए। इसने मानव संसाधन विकास मंत्रालय को आरएमएसए में प्रगति की निगरानी के लिए दाताओं को आरएफडी के साथ बातचीत करने में सक्षम बनाया।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आरएमएसए के कार्यान्वयन की सुविधा के लिए आरएमएसए के तहत राज्य और जिला माध्यमिक शिक्षा योजनाओं (परिप्रेक्ष्य और एडबल्यूपी–बी) की तैयारी के लिए विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को तकनीकी सहायता प्रदान की।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

सुश्री जोहिम्लिंयानी हॉनार, व्याख्याता, डाइट–कोलासिब, मिजोरम के पीजीडेपा 2017 के शोध प्रबन्ध ''अ स्टडी ऑफ पेरेन्टल एटीट्यूट टूवार्डस प्रे–स्कूल एजुकेशन इन कोलासिब डिस्ट्रिक्ट, मिजोरम के डेपा शीर्षक पर्यवेक्षण और मूल्यांकन किया

एम.फिल./पीएच.डी. प्रवेश समिति के सदस्य के रूप में एम.फिल./पीएच.डी. कार्यक्रम 2018–20 में प्रवेश के लिए आवेदनों आदि से संबंधित गतिविधियों में सहायता की।

एम.फिल./पीएच.डी. कार्यक्रम 2018–20 में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा के संचालन एवं संपन्न कराने में सहायता की।

अनुसंधान अध्ययन

1. तमिलनाडु और ओडिशा में आरएमएसए के तहत जिला माध्यमिक शिक्षा योजना के विकास पर कार्रवाई अनुसंधान परियोजना का शुभारम्भ किया गया था। अध्ययन के चरण I को पूरा किया गया था और 2014 में रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया गया था। दूसरे चरण में, तमिलनाडु और ओडिशा में नमूना जिलों की कार्रवाई अनुसंधान दल जिला माध्यमिक शिक्षा योजनाओं (डीएसईपी) को विकसित करने में लगी थीं। नीतिगत अस्थिरता (यानी, आरएमएसए और डीईओ/एसपीडी के लगातार स्थानांतरण और जिला स्तर पर कार्रवाई अनुसंधान/योजना टीमों के सदस्यों) के कारण माध्यमिक शिक्षा योजनाओं को नमूना जिलों में विकसित करने में दो साल से अधिक का समय लगा। 2016 में, नमूना डीएसईपी को चेन्नई और भुवनेश्वर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशालाओं में साझा किया गया था जिला कार्रवाई अनुसंधान टीमों को राज्य स्तरीय कार्यशालाओं में प्राप्त टिप्पणियों और सुझावों के मद्देनजर योजनाओं को संशोधित करने का अनुरोध किया गया था।

तमिलनाडु और ओडिशा के सभी 4 जिला कार्रवाई अनुसंधान दलों ने अपने मॉडल जिला माध्यमिक शिक्षा योजनाओं को अंतिम रूप दिया और नीपा, नई दिल्ली में 4–6 जून, 2018 को आयोजित राष्ट्रीय स्तर की साझा कार्यशाला में इसे प्रस्तुत किया।

शोध के प्रमुख निष्कर्षों को चर्चा और अंतिम रूप देने के लिए राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला में भी साझा किया गया। वर्तमान में, 4–6 जून, 2018 को नीपा, नई दिल्ली में आयोजित साझा कार्यशाला में प्रतिभागियों की प्रतिक्रिया के आधार पर अध्ययन की मसौदा रिपोर्ट को संशोधित किया। 4 मॉडल जिला माध्यमिक शिक्षा योजनाओं (डीएसईपी) के साथ कार्रवाई अनुसंधान (चरण I और II) की अंतिम रिपोर्ट परियोजना के पूरा होने को चिह्नित करने के लिए मार्च, 2020 तक नीपा को प्रस्तुत की जाएगी।

2. 'पब्लिक–प्राइवेट मिक्स इन सेकेंडरी इजुकेशन इन इंडियाः साइज, इन–स्कूल फैसिलिटीज एंड इंटेक प्रोफाइल' परियोजना प्रगति पर है। अब तक, संबंधित साहित्य की समीक्षा कर ली गई है; यू–डीआईएसई और अन्य स्रोतों से माध्यमिक डेटा और जानकारी भी एकत्र कर ली गई है। डेटा विश्लेषण और रिपोर्ट लेखन प्रगति पर है। चरण–1 जनवरी, 2020 तक पूरा होने की उम्मीद है।

एन. के. मोहंती

मा.सं.वि.मं., वि.अ.आ., राज्य सरकारों, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और राष्ट्रीय संस्थानों को प्रदान की गईं महत्वपूर्ण परामर्श और सलाहकार सेवाएं

सदस्य, उच्च शिक्षा में परीक्षा सुधार पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विशेषज्ञ समिति।

यूजीसी विशेषज्ञ समिति के सदस्य के रूप में, जैन मानद विश्वविद्यालय, 91/2, डा. ए.एन. कृष्णा राव रोड, वी. वी. पुरम, बेंगलुरु–04 के कामकाज की समीक्षा के लिए दौरा किया, 20–23 जुलाई, 2018।

काजी नजरूल विश्वविद्यालय (राज्य विश्वविद्यालय), पुराने अड्डा कार्यालय भवन, पोस्ट – आसनसोल, जिला– बर्दवान, पश्चिम बंगाल विश्वविद्यालय को 12बी का दर्जा देने पर विचार मंथन यूजीसी विशेषज्ञ समिति के सदस्य के रूप में दौरा। 30, जनवरी से 1 फरवरी, 2019।

यूजीसी विशेषज्ञ समिति के सदस्य के रूप में, यूजीसी के अनुरूप इसकी उच्च शिक्षा में न्यूनतम मानकों को अधिसूचित करने के लिए 4–5 फरवरी, 2019 को श्री सत्य साई यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मेडिकल साइंसेज, सीहोर, मध्य प्रदेश का दौरा किया।

मा.सं.वि. मंत्रालय, भारत सरकार के परामर्श निगरानी समिति (एसएसए) के सदस्य के रूप में, एसएसए कार्यक्रम के तीसरे पक्ष के मूल्यांकन रिपोर्ट को अंतिम रूप देने में योगदान दिया।

एक सदस्य के रूप में, पश्चिम बंगाल विश्वविद्यालय शिक्षक प्रशिक्षण चयन समिति, शैक्षिक योजना और प्रशासन, कोलकाता की बैठक में भागीदारी, 17–18 जनवरी, 2019।

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, मा.सं.वि. मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित दीक्षा संचालन समिति के सदस्य।

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, मा.सं.वि. मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित दीक्षा उप– समिति के अध्यक्ष।

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, मा.सं.वि. मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित *शाला कोष* की संचालन समिति के सदस्य।

सदस्य, एनसीईआरटी, नई दिल्ली के शैक्षिक सर्वेक्षण प्रभाग की विभागीय सलाहकार समिति।

सदस्य, एससीईआरटी, दिल्ली की वार्षिक कार्यक्रम सलाहकार समिति।

सदस्य, डाइट की वार्षिक कार्यक्रम सलाहकार समिति, कड़कड़डूमा, दिल्ली।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

शैक्षिक योजना विभाग की वार्षिक कार्य योजना और बजट, 2019–2020 तैयार किया और 12 फरवरी 2019 को विभागीय सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन किया।

प्रभारी, यू–डाईस परियोजना 4 जनवरी 2017 से नीपा में यू–डाईस परियोजना का प्रबंधन किया।

यूनिसेफ इंडिया कंट्री ऑफिस, नई दिल्ली से वित्त पोषण सहायता के लिए 2018/19 के लिए यू–डाईस परियोजना प्रस्ताव तैयार किया

सदस्य, एम.फिल./पीएचडी कार्यक्रम नीपा की स्थायी सलाहकार समिति।

सदस्य, एम.फिल./पीएचडी कार्यक्रम नीपा के पर्यवेक्षक आवंटन समिति (सीएएस)।

नीपा की प्रकाशन सलाहकार समिति के सदस्य

सदस्य, नीपा प्रकाशनों की समीक्षा के लिए शुल्क की समीक्षा के लिए समिति।

सदस्य, नीपा अध्ययन बोर्ड।

सदस्य, नीपा अकादमिक परिषद।

सदस्य, शैक्षिक वित्त विभाग की विभागीय सलाहकार समिति, नीपा।

सदस्य, शैक्षिक नीति विभाग की विभागीय सलाहकार समिति, नीपा।

सदस्य, शिक्षा विभाग में प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण विभाग की विभागीय सलाहकार समिति, नीपा

सदस्य, नीपा के परियोजना कर्मचारियों के पारिश्रमिक की वृद्धि के लिए समिति।

सदस्य, नीपा की पुस्तक चयन समिति।

सदस्य, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल (आईक्यूएसी), नीपा।

सदस्य, नीपा प्रकाशन सलाहकार समिति।

नीपा के एम.फिल/पीएचडी कार्यक्रम में प्रवेश के लिए लिखित परीक्षा की रूपरेखा तैयार करने वाली समिति के सदस्य

एम.फिल/पीएचडी कार्यक्रम 2018/169 में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित करने में सहायता की।

अनुसंधान अध्ययन

तमिलनाडु और ओडिशा में आरएमएसए के तहत जिला माध्यमिक शिक्षा योजना के विकास पर कार्रवाई अनुसंधान परियोजना का शुभारम्भ किया गया था। अध्ययन के चरण I को पूरा किया गया था और 2014 में रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया गया था। कार्रवाई अनुसंधान के चरण I में नमूना जिलों के नियोजन टीमों की क्षमता निर्माण आवश्यकताओं की पहचान करने के बाद, अध्ययन प्रथाओं में सुधार करने और तमिलनाडु और ओडिशा में नमूना जिला माध्यमिक शिक्षा योजनाओं को विकसित करने के लिए हस्तक्षेप अध्ययन के द्वितीय चरण में किये गये थे। दूसरे चरण में, तमिलनाडु और ओडिशा में नमूना जिलों की कार्रवाई अनुसंधान दल जिला माध्यमिक शिक्षा योजनाओं (डीएसईपी) को विकसित करने में लगी थीं। नीतिगत अस्थिरता (यानी, आरएमएसए और डीईओ/एसपीडी के लगातार स्थानांतरण और जिला स्तर पर कार्रवाई अनुसंधान/योजना टीमों के सदस्यों) के कारण माध्यमिक शिक्षा योजनाओं को नमूना जिलों में विकसित करने में दो साल से अधिक का समय लगा। 2016 में, नमूना डीएसईपी को चेन्नई और भुवनेश्वर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशालाओं में साझा किया गया था जिला कार्रवाई अनुसंधान टीमों को राज्य स्तरीय कार्यशालाओं में प्राप्त टिप्पणियों और सुझावों के मद्देनजर योजनाओं को संशोधित करने का अनुरोध किया गया था।

तमिलनाडु और ओडिशा के सभी 4 जिला कार्रवाई अनुसंधान दलों ने अपने मॉडल जिला माध्यमिक शिक्षा योजनाओं को अंतिम रूप दिया और नीपा, नई दिल्ली में 4–6 जून, 2018 को आयोजित राष्ट्रीय स्तर की साझा कार्यशाला में इसे प्रस्तुत किया। शोध के प्रमुख निष्कर्षों को चर्चा और अंतिम रूप देने के लिए राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला में भी साझा किया गया। 4 मॉडल जिला माध्यमिक शिक्षा योजनाओं (डीएसईपी) के साथ कार्रवाई अनुसंधान (चरण I और II) की अंतिम रिपोर्ट परियोजना के पूरा होने को चिह्नित करने के लिए मार्च, 2020 तक नीपा को प्रस्तुत की जाएगी।

सुमन नेगी

प्रकाशन

प्रकाशित शोध पत्र/आलेख

- मिनोरिटीज एंड एजुकेशन इन नॉर्थ ईस्ट इंडिया, *मैन एंड डवलपमेंट,* वॉल्यूम.XL नं.2 जून 2018, सेंटर फॉर रिसर्च इन रूरल एंड इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट (CRRID), चंडीगढ़, आइएसएसएन 0258–0438 पृ. 19–36।
- रिविजिटिंग एजुकेशनल डवलपमेंट इन हिमाचल प्रदेश, *जर्नल ऑफ इंडियन एजुकेशन,* वॉल्यूम XLIII नं. 3 नवंबर 2017, आईएसएसएन नंबर 0377–0435, एनसीईआरटी, नई दिल्ली। पृ. 69–94

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में सहभागिता

(राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय)

- स्कूल मानक एवं मूल्यांकन शाला सिद्धि राष्ट्रीय कार्यक्रम प्रभावी स्कूल मूल्यांकनः प्रबंध प्रक्रिया और अभ्यास पर राष्ट्रीय परामर्शी बैठक में पैनलिस्ट 14–15 फरवरी, 2019
- यूनेस्को कार्यालय नई दिल्ली में ग्लोबल एजुकेशन मॉनिटरिंग (जीईएम) रिपोर्ट, का राष्ट्रीय शुभारम्भ, यूनेस्को में भागीदारी 20 नवंबर, 2018।
- एचआरडीसी जामिया मिल्लिया इस्लामिया में शिक्षकों के शिक्षक पर तीन सप्ताह के रिफ्रेशर कोर्स में भागीदारी 3–22 दिसंबर, 2018।

कार्यशाला/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

- जिला शिक्षा अधिकारी, डाइट के प्राचार्य और डीई आरटी के संकाय सदस्यों के लिए मेघालय में स्कूल शिक्षा की योजना पर उन्मुखी कार्यक्रम की रूपरेखा और संचालन (प्रो. एसएमआईए जैदी, डा. एन.के. मोहंती और डा. सुमन नेगी के साथ) 9–13 अप्रैल, 2018 शिलांग, मेघालय।

''एससीईआरटी संकाय के लिए योजना और अनुसंधान परियोजनाओं पर प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा'' (प्रो. एसएमआईए जैदी और डा. एन.के. मोहंती के साथ) 27–31 अगस्त, 2018 नीपा, नई दिल्ली।

पूर्वोत्तर राज्यों के एससीईआरटी संकायों के लिए योजना और अनुसंधान परियोजनाओं पर प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा और संचालन (डा. एन.के. मोहंती के साथ)। 10–14 सितंबर, 2018, गुवाहाटी, असम।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रमों का विकास और संचालन

कोर टीम के सदस्य इकाई II शैक्षिक योजना– उच्च शिक्षा संस्थानों के संकाय के लिए शैक्षिक योजना और प्रशासन में ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स स्वयम पोर्टल शैक्षिक योजना पर मूक के रूप में की पेशकश– अक्टूबर 2018–मार्च 2019।

एसएसए और आरएमएसए के राज्य योजना और ईएमआईएस समन्वयक के लिए 30 जुलाई से 03 अगस्त, 2018, नीपा, नई दिल्ली को ''प्रमुख राज्यों के लिए स्कूल शिक्षा के परिणामों की योजना और निगरानी पर प्रशिक्षण कार्यक्रम'' के लिए संसाधन व्यक्ति।

शिक्षा में गुणात्मक अनुसंधान विधियों पर अभिविन्यास कार्यशाला, 17–28 दिसंबर, 2017, नीपा, नई दिल्ली

पाठ्यक्रम हस्तांतरित

i. एम.फिल. शैक्षिक योजना पर पाठ्यक्रम, अनिवार्य पाठ्यक्रम (सीसी–6)

ii. शैक्षिक अनुसंधान में सॉफ्टवेयर अनुप्रयोग के उपयोग पर एम.फिल. कार्यशाला

iii. पीजीडेपा पाठ्यक्रम संख्या 903: शैक्षिक योजना

iv. पीजीडेपा शैक्षिक योजना पर उन्नत पाठ्यक्रम– ऑनलाइन मोड

vi. आईडेपा पाठ्यक्रम संख्या 205: शैक्षिक योजना की पद्धति और तकनीक

सार्वजनिक निकायों को परामर्श और अकादमिक सहायता

आईएएसई, मा.सं.वि.मं. की अगुवाई में शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सामाजिक विज्ञान में मात्रात्मक अनुसंधान विधियों पर एक सप्ताह के अनुसंधान पद्धति कार्यशाला पर संसाधन व्यक्ति। 13 मार्च, 2019, दिल्ली विश्वविद्यालय,

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

सुश्री आयशा मलिक को उनके एम.फिल शोध प्रबंध: स्कूल समेकन और छात्र परिणामों पर इसका प्रभाव: राजस्थान स्कूल विलय नीति का विश्लेषण, जुलाई 2018 में पूरा हुआ।

आईडेपा परियोजना कार्य: श्री साय डेविड न्यूम जेआर ग्रामीण लाइबेरिया में प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षकों के वितरण और प्रतिधारण में जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) की भूमिका में एक जांच– सितंबर 2018 में पूरा हुआ।

पीजीडीईपीए परियोजना कार्य: सुश्री अनीता देवी– मणिपुर के चंदेल जिले में सरकारी स्कूलों में प्राथमिक स्तर पर गिरावट के रुझान की जांच करने के लिए एक अध्ययन – मार्च 2019 में पूरा हुआ

जेएनयू में एम.फिल. शोध प्रबंध के लिए बाह्य परीक्षक

एम.फिल. और पीएचडी कार्यक्रम के लिए संचालन समिति के सदस्य के रूप में निम्न विधियों से योगदान दिया है

i. सदस्य स्थायी खरीद समिति।

ii. सदस्य एनएएसी कोर टीम

iii. अनुवीक्षण समिति के एक भाग के रूप में आवेदन फॉर्म की प्रारंभिक जाँच में योगदान दिया गया और समर्थन भी किया गया

शैक्षिक प्रशासन विभाग

कुमार सुरेश

प्रकाशित पुस्तक

कुमार सुरेश और वी. सुचरिता, (सं.) 2019. *कम्पेंडियम ऑफ इनोवेशन्स एंड गुड प्रैक्टिसेज इन एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन*, 2017–2018 नीपा।

कुमार सुरेश (2018) कुमार सुरेश की भारत की शोध रिपोर्ट *''द कल्चर ऑफ टेस्टिंग: सोशियोकल्चरल इम्पैक्ट्स ऑन लर्निंग ऑन एशिया एंड पैसिफिक''* (आठ देशों में) संश्लेषण रिपोर्ट के रूप में शामिल और प्रकाशित है, बैंकॉक: यूनेस्को

संसाधन व्यक्ति के रूप में शैक्षणिक कार्यक्रमों, सेमिनार / सम्मेलन / कार्यशाला / आमंत्रित व्याख्यान में भागीदारी

भारत में उच्च शिक्षा और नीति सुधारों में वैश्विक रुझान, अंतर्राष्ट्रीय कार्यालय, उत्कल विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित भारत में उच्च शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भागीदारी और पत्र प्रस्तुत, 31 मार्च 2019

न्यू लॉ कॉलेज बिल्डिंग, पुणे में भारती विद्यापीठ के सहयोग से जामिया मिलिया इस्लामिया द्वारा आयोजित भारत में जनजातीय आश्रम स्कूलों की स्थिति: मुद्दे, चुनौतियां और संभावनाएं पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में भागीदारी 28 दिसंबर, 2018।

30 नवंबर, 2018 को आईएमपीआरईएसएस, आइसीएसएसआर की योजना के तहत उच्च शिक्षा में पहुँच, समानता और गुणवत्ता के विषय पर एक

दिवसीय संगोष्ठी–सह–राष्ट्रीय वार्ता में भाग लिया, आइसीएसएसआर, नई दिल्ली।

14 जुलाई, 2018 को सामाजिक विकास परिषद द्वारा आयोजित भारत में माध्यमिक शिक्षा के सार्वभौमीकरण पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भागीदारी और एक सत्र की अध्यक्षता, आईआईसी, नई दिल्ली।

19 मई, 2018 को दिल्ली के गीतारतन इंटरनेशनल बिजनेस स्कूल द्वारा आयोजित शिक्षण–अधिगमः मुद्दे और चुनौतियां पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में भागीदारी।

10 मार्च, 2019 को ईश्वर सरन पीजी कॉलेज, इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित संकाय, शैक्षणिक पैरामीटर और संगठनात्मक प्रदर्शन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में पूर्ण प्लेनरी सत्र में विशेष व्याख्यान में भाग लिया।

परिवर्तनकारी शक्ति की क्षमताः नवाचार और दक्षता का संयोजन पर 4वें वैश्विक नेतृत्व अनुसंधान सम्मेलन के विदाई सत्र में मुख्य संभाषण एमिटी बिजनेस स्कूल, एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा द्वारा आयोजित, 28 फरवरी, 2019।

नीपा द्वारा आयोजित *''विश्वविद्यालय प्रशासकों के लिए उच्च शिक्षा में नेतृत्व विकास''* पर राष्ट्रीय कार्यशाला (एमएचआरडी–सीएएलईएम) में एक सत्र की अध्यक्षता की (फरवरी, 2019)

शिक्षा के वित्त पोषण में प्रतिमान स्थानांतरणः गुणवत्ता, समानता और रोजगार की चिंता पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता की, 13–14 दिसंबर, 2018

संसाधन व्यक्ति, एचआरडीसी, जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित *''उच्च शिक्षा में मुद्दों पर चिंतन और प्रतिक्रिया,''* लीप कार्यक्रम (पीएमएमएमएनएमटीटी), मा. सं.वि.मं. 21 फरवरी 2019, इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली नई दिल्ली

लीप कार्यक्रम (पीएमएमएमएनएमटीटी), मा.सं.वि.मं. मार्च 2019 जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली में *''नेतृत्व के लिए उच्च शिक्षा और चुनौतियों का सामना''* पर व्याख्यान दिया।

यूजीसी–एचआरडीसी, जेएनयू द्वारा प्रायोजित कानून और राजनीति विज्ञान में रिफ्रेशर पाठ्यक्रम में नीति निर्माण की संरचना और प्रसंस्करण पर व्याख्यान दिया, 11 सितम्बर, 2018

यूजीसी–एचआरडीसी, जेएनयू द्वारा प्रायोजित *''शिक्षा में विविधता और समानता''* शिक्षक शिक्षाविशरद् प्रसंग पर द्वितीय रीफ्रेशर कोर्स पर व्याख्यान दिया, 13 नवंबर, 2018

एचआरडीसी, जेएनयू द्वारा प्रायोजित लिबरल आर्ट्स पर प्रथम रिफ्रेशर कोर्स में *''बहुसंस्कृतिवाद''* पर दिया गया व्याख्यान, 3 अप्रैल, 2018।

संसाधन व्यक्ति, ईश्वर सरन पीजी कॉलेज, इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ''उच्च शिक्षा में रुझान और चुनौतियां'' विषय पर संकाय प्रेरण प्रशिक्षण कार्यक्रम (पीएमएमएमएनएमटीटी), मा.सं.वि.मं. के तहत दो आमंत्रित व्याख्यान दिए, 28–29 नवंबर, 2018।

एचआरडीसी, जेएनयू द्वारा प्रायोजित 12 फरवरी 2019 को अभिविन्यास कार्यक्रम में *''विविधता और बहुलवाद''* पर व्याख्यान दिया गया

10 मार्च, 2019 को ईश्वर सरन पीजी कॉलेज, इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित संकाय प्रेरण प्रशिक्षण कार्यक्रम (पीएमएमएमएनएमटीटी), मा.सं.वि.मं. में संसाधन व्यक्ति के रूप में *उच्च शिक्षा में शिक्षकों की चुनौतियों और प्रतिक्रिया* पर व्याख्यान दिया।

उच्च शिक्षा नेतृत्व पर भारत के उत्तर–पश्चिमी राज्यों के विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, निदेशकों और डीन के लिए चार दिवसीय कार्यशाला में *अकादमिक प्रशासकों के लिए नेतृत्व की चुनौतियों* पर आमंत्रित व्याख्यान दिया, एआईयू, नई दिल्ली के सहयोग से केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू द्वारा आयोजित, 14 फरवरी, 2019

स्कूल ऑफ एजुकेशन आईपी यूनिवर्सिटी, दिल्ली में 26 अक्टूबर, 2018 को *पाठ्यचर्या नियोजक और नीति विश्लेषकों के रूप में शिक्षक शिक्षाविशरद* पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

सम्मेलन/कार्यशालाओं/कार्यक्रमों का आयोजन

3–4 जनवरी 2019 को जिला और ब्लॉक शिक्षा प्रस्तावों के नवाचार और अच्छे अभ्यास और पुरस्कार समारोह पर राष्ट्रीय सम्मेलन, प्रवासी भारतीय केंद्र, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली

विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में शैक्षणिक प्रशासकों के लिए शैक्षिक प्रशासन में नेतृत्व पर कार्यशाला सह अभिविन्यास कार्यक्रम

उच्च शिक्षा के संस्थागत शासन में नवाचारों और अच्छे अभ्यास पर कार्यशाला

नीपा में दिल्ली, जम्मू और कश्मीर, झारखंड, मेघालय, राजस्थान, त्रिपुरा से नोडल अधिकारियों और तीसरे अखिल भारतीय सर्वेक्षण दल की कार्यशाला, 13–14 अप्रैल 2018।

11–12 मई, 2018 को अजमेर, राजस्थान में तीसरे अखिल भारतीय सर्वेक्षण शैक्षिक प्रशासन की राज्य स्तरीय कार्यशाला।

21–22 जून, 2018 को रांची, झारखंड में तृतीय अखिल भारतीय सर्वेक्षण शैक्षिक प्रशासन की राज्य स्तरीय कार्यशाला।

5–6 जून, 2018 को अगरतला, त्रिपुरा में शैक्षिक प्रशासन के तीसरे अखिल भारतीय सर्वेक्षण की राज्य स्तरीय कार्यशाला।

19–20 अगस्त, 2018 को शिलांग, मेघालय में शैक्षिक प्रशासन के तीसरे अखिल भारतीय सर्वेक्षण की राज्य स्तरीय कार्यशाला।

आरआईई, भोपाल से और जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली शिक्षा के स्नातकोत्तर छात्रों के बैचों के लिए दो सप्ताह का इंटर्नशिप कार्यक्रम 8–12 अक्टूबर, 2018।

नीपा में अनुसंधान विद्वानों के लिए लेखन कौशल कार्यशाला, 10–14 सितंबर 2018

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकास तथा सम्पादित

यूनिट–III: शैक्षिक प्रशासन नीपा द्वारा शुरू किया गया मा.सं.वि.मं. के सहयोग से पीएमएमएमएनएमटी के तहत **अरपित स्वयं** पाठ्यक्रम के समन्वयक के रूप में पाठ्यक्रम सामग्री (व्याख्यान, पीपीटी, समर्थन और संदर्भ सामग्री के वीडियो) विकसित किए और कार्यक्रम का निष्पादन और समन्वय किया।

शैक्षणिक प्रशासन और प्रबंधन पर मुख्य पाठ्यक्रम सीसी–07 का समन्वय कार्य किया और पच्चीस सत्रों को कार्यान्वित किया।

साम्यता और बहुसांस्कृतिक शिक्षा पर वैकल्पिक पाठ्यक्रम ओसी–07 का समन्वय कार्य किया और 10 सत्रों में कार्यान्वित किया।

सीसी–01 के पाठ्यक्रम दल के सदस्य के रूप में शिक्षा के राजनीतिक परिप्रेक्ष्य में 10 सत्रों का कार्यान्वित किया।

शैक्षिक प्रशासन, समानता और बहुसांस्कृतिक शिक्षा में राजनीतिक परिप्रेक्ष्य और लेखन कौशल में एम.फिल. पाठ्यक्रम का संशोधन और विकास।

पीजीडेपा और आईडेपा पाठ्यक्रम का संशोधन और विकास।

आईडेपा कोर्स के शैक्षणिक प्रशासन के बारे में पाठ्यक्रम का संचालन किया।

आईईपीए म्यांमार कार्यक्रम में शैक्षणिक प्रशासन के बारे में कोर्स का संचालन किया।

संसाधन व्यक्ति के रूप में सहयोग और नीपा के शैक्षिक प्रशासन विभाग और अन्य विभागों द्वारा आयोजित प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण कार्यक्रमों में कई व्याख्यान दिए।

शैक्षिक प्रशासन पर पीजीडेपा पाठ्यक्रम को समन्वित और संचालन किया।

पीजीडेपा के एडवांस कोर्स में शैक्षिक प्रशासन में उन्नत पाठ्यक्रम के 50 प्रतिशत का निष्पादन

सार्वजनिक निकायों को परामर्शकारी अकादमिक सहायता

रिसर्च एंड रिफ्लैक्शन आन एजुकेशन पत्रिका के संपादकीय बोर्ड के सदस्य, सेंट जेवियर कॉलेज ऑफ एजुकेशन, पलामकोट्टई

जामिया जर्नल ऑफ एजुकेशन के संपादकीय सलाहकार बोर्ड के सदस्य

दिल्ली विश्वविद्यालय, जेएनयू, इग्नू, जामिया मिलिया इस्लामिया आदि के एम.फिल./पीएच.डी. शोध प्रबंधों का मूल्यांकन करने के लिए विशेषज्ञ

शैक्षिक अध्ययन विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली के अध्ययन मंडल के सदस्य

समाजशास्त्र विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ के अध्ययन मंडल के सदस्य

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

1 जुलाई 2018 से **रजिस्ट्रार (प्रभारी)**, क्षमता में पारदर्शिता, जवाबदेही और शासन की आसानी के सिद्धांत के साथ सुदृढ़ीकरण के लिए कई पहल की गईं। इनमें कुछ निम्नलिखित हैं

संस्था में नियमों/दिशानिर्देशों का निरूपण/संशोधन (सेवा विनियम, भर्ती नियम, मकान आवंटन नियम, शक्तियों का संशोधन, यूजीसी के अनुसार संस्था के ज्ञापन का संशोधन, डीम्ड विश्वविद्यालय के साथ–साथ संस्थागत नीति दिशानिर्देशों को संशोधित करना और विभिन्न समितियों का गठन किया और प्रक्रिया शुरू हुई।

संस्थान में पहली बार आईक्यूएसी का गठन किया गया।

इस अवधि के दौरान बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट, एकेडमिक काउंसिल और बोर्ड ऑफ स्टडीज की दो बैठकें आयोजित की गईं। एजेंडे के सभी दस्तावेज और अन्य संबंधित दस्तावेज मेरे निविष्ट और समग्र पर्यवेक्षण के तहत तैयार किए गए थे

शैक्षिक प्रशासन विभाग के प्रमुख के रूप में विभाग की विभिन्न गतिविधियों का नेतृत्व किया जिसमें विभाग सलाहकार समिति की बैठकों का संगठन और विस्तृत एजेंडा नोट्स तैयार करना शामिल है। नवाचार योजनाओं के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारों की सलाहकार समिति की बैठक भी आयोजित की।

मा.सं.वि. मंत्रालय के साथ हस्ताक्षर करने के लिए समझौता ज्ञापन के दस्तावेज तैयार करने के लिए समिति के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।

एनएएसी प्रक्रिया द्वारा संस्था के मूल्यांकन को तैयार करने के लिए समिति के अध्यक्ष के रूप में, संकाय, कर्मचारियों और छात्रों की बैठकों की एक श्रृंखला के माध्यम से उन्मुखीकरण किया गया था

जिला और ब्लॉक स्तर के शिक्षा अधिकारियों के लिए शैक्षिक प्रशासन में नवाचारों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार योजना के कार्यक्रम निदेशक के रूप में वर्ष भर में योजनाओं के कार्यान्वयन से संबंधित कई जिम्मेदारियों का निर्वहन किया।

परियोजना निदेशक के रूप में शैक्षिक प्रशासन के तीसरे अखिल भारतीय सर्वेक्षण की एक प्रमुख परियोजना का नेतृत्व किया। इसमें शैक्षणिक इनपुट, मार्गदर्शन और निगरानी से संबंधित कई गतिविधियाँ शामिल थीं

एक संपादक के रूप में योगदान

संपादकः नीपा समसामयिक पेपर श्रृंखला (समीक्षाधीन अवधि के दौरान दो समसामयिक पत्र प्रकाशित किए गए)।

संपादकः नीपा नीति संक्षिप्त

एम.फिल./पीएच.डी. अनुसंधान विद्वानों का पर्यवेक्षण

डॉक्टोरल कर रहे पांच अनुसंधान विद्वान और एक एम.फिल. शोध।

एक एम.फिल. शोध प्रबंध पूरा किया गया और डिग्री प्रदान की गई।

पीजीडेपा/आईडेपा परियोजनाओं का पर्यवेक्षण

एक पीजीडेपा परियोजना पूर्ण और सम्मानित की गई।

एक आईडेपा परियोजना पूर्ण और सम्मानित की गई।

नीपा के विभिन्न शैक्षणिक निकायों के सदस्य के रूप में योगदान

पर्यवेक्षकों के आवंटन के लिए समिति

एम.फिल./पीएच.डी. कार्य की प्रगति की समीक्षा के लिए बनी समिति

आईक्यूएसी के सदस्य

एम.फिल./पीएच.डी. कार्यक्रम की स्थायी समिति

सदस्य, सहायता अनुदान समिति (जीआईएसी)

एम.फिल. प्रवेश साक्षात्कार समिति और मॉडरेशन समिति

संगोष्ठी अनुदान के लिए प्रस्ताव की समीक्षा

कार्यक्रमों के संचालन से संबंधित नीपा के विभागों की परामर्शदात्री समिति और विभिन्न कार्य बलों के सदस्य के रूप में भी कार्य किया।

नीपा से बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

1. सदस्य, अकादमिक परिषद, एनआईओएस
2. सदस्य, यूजीसी–सीईसी का अकादमिक परिषद, नई दिल्ली
3. सदस्य, अकादमिक परिषद, मा.सं.वि.मं. के सहयोग से पीएमएमएमएनएमटी के तहत **अरपित स्वयं** पाठ्यक्रम, संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय, अमरावती, महाराष्ट्र।
4. आजीवन सदस्य, इंडियन सोशियोलॉजी सोसायटी
5. आजीवन सदस्य, आईआईपीए, नई दिल्ली
6. इंटरनेशनल सोशियोलॉजीकल एसोसिएशन

विनीता सिरोही

संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में सहभागिता

(राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय)

यूनेस्को, बैंकॉक द्वारा आयोजित ''एशिया और प्रशांत क्षेत्र में टीवीईटी शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों और संस्थानों'' पर विशेषज्ञ बैठक, 3–4 मई, 2018, एनआईटीआर, चेन्नई

एनसीएईआर, दिल्ली द्वारा आयोजित कौशल भारतः खोने के लिए वक्त नहीं पर रिपोर्ट जारी, एनसीएईआर, नई दिल्ली, 30 अक्टूबर, 2018

कॉमन वेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फॉर एशिया, दिल्ली द्वारा आयोजित शैक्षणिक कार्यक्रमों के साथ कौशल कार्यक्रमों को जोड़ने के लिए दिशानिर्देश पर विशेषज्ञ समिति की बैठक में सहभागिता, आईआईसी, नई दिल्ली, 20 नवंबर, 2018

सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च इन हायर एजुकेशन, नीपा और ब्रिटिश काउंसिल, दिल्ली द्वारा आयोजित रोजगार और उच्च शिक्षा स्नात्तकों की रोजगार क्षमता पर संगोष्ठी में सहभागिता, इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली, 19–20 फरवरी, 2019।

कार्यशालाएं/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

उच्च शिक्षा में कौशल विकास के प्रबंधन पर अभिविन्यास कार्यक्रम 3–7 दिसंबर, 2018

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकास/संचालन

शैक्षिक योजना और प्रशासन पर शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधन ईकाई स्वयम रिफ्रेशर ऑनलाइन पाठ्यक्रम विकसित की रूपरेखा।

शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधन पर स्वयम ऑनलाइन पाठ्यक्रम का संचालन।

एम.फिल./पीएचडी मुख्य पाठ्यक्रम सीसी–1 – शिक्षा का मनोवैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य का संचालन

एम.फिल./पीएच.डी. पाठ्यक्रम सीसी–7 का संचालन

आईडेपा पाठ्यक्रम – 202 का संचालन

पीजीडेपा पाठ्यक्रम – 904 का संचालन

पीजीडेपा अग्रिम पाठ्यक्रम – 908 का समन्वय और संचालन

सार्वजनिक निकायों को परामर्शकारी अकादमिक सहायता

एससीईआरटी, दिल्ली को पुनर्स्थापना और भर्ती नियम तैयार करने पर अकादमिक सहायता।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

नीपा में विभाग के विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों और विभाग के बाहर व्याख्यान दिए गए।

11 जुलाई, 2018 को एनडीआईएम, नई दिल्ली में एआईसीटीई द्वारा आयोजित उत्तर क्षेत्र के लिए राष्ट्रीय संसाधन केंद्रों (एनआरसी) पर कार्यशाला में भागीदारी और कार्यवृत्त तैयार किया।

एचआरडीसी के लिए संसाधन व्यक्ति, जम्मू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, 16–17 जुलाई, 2018।

5 सितंबर, 2018 को जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, दिल्ली में विस्तार व्याख्यान के लिए संसाधन व्यक्ति

समूह 'बी' के कर्मचारियों की बैठक में एमएसीपी मामलों के सदस्य, 12 दिसंबर, 2018 नीपा।

शिक्षा प्रशासन में नवाचारों के पुरस्कार समारोह का समन्वय, 3–4 जनवरी, 2019।

उत्तर–आधुनिक शिक्षा में कौशल का एकीकरण पर विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में शैक्षणिक प्रशासकों के लिए शैक्षिक प्रशासन में नेतृत्व पर कार्यशाला सह अभिविन्यास में पैनल चर्चा, 14–16 जनवरी, 2019।

29 जनवरी, 2019 को एससीईआरटी दिल्ली की कार्यकारी समिति की बैठक में भाग लिया।

संसाधन व्यक्ति, स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन पर एक महीने के सर्टिफिकेट कोर्स के संचालन के लिए कार्यशाला, नीपा, 6 फरवरी 2019 को

7 फरवरी, 2019 को जीएनसीटीडी सम्मेलन हॉल, छठां तल, दिल्ली सचिवालय में एससीईआरटी की शासकीय परिषद की 20वीं बैठक में भाग लिया।

22 फरवरी, 2019 को डीएसी बैठक के कार्यवृत तैयार करने में सहायता की।

25 फरवरी, 2019 को आरआर/एपीआई समिति एससीईआरटी दिल्ली की बैठक में भाग लिया।

1 मार्च, 2019 को उच्च शिक्षा के संस्थागत अभिशासन में नवाचार और अच्छे अभ्यास पर कार्यशाला में एक सत्र की अध्यक्षता की।

6 मार्च, 2019 को डाईट (एनई) के पीएसी के सदस्य के रूप में एससीईआरटी दिल्ली में बैठक में भाग लिया।

8 मार्च, 2019 को आरआर/एपीआई समिति की बैठक में भाग लिया।

25 मार्च, 2019 को पुराने सचिवालय में सचिव शिक्षा दिल्ली के साथ आरआर/एपीआई बैठक में भाग लिया।

स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन में एक महीने के सर्टिफिकेट कोर्स के संचालन के लिए संसाधन व्यक्तियों के लिए कार्यशाला 25–27 मार्च, 2019, 27 मार्च, 2019 को विरोधाभास प्रबंधन पर सत्र।

नीपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

सदस्य, शासकीय परिषद, एससीईआरटी, दिल्ली।

सदस्य, कार्यकारी समिति, एससीईआरटी, दिल्ली।

सदस्य, पुनर्गठन, भर्ती नियम/एपीआई समिति, एससीईआरटी, दिल्ली।

सदस्य, एनएएसी–एसएसआर के लिए पाठ्यक्रम पहलुओं पर दल।

इंडियन जर्नल ऑफ वोकेशनल एजुकेशन, पीएसएससीआईवीई की संपादकीय दल के सदस्य।

एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट के आजीवन सदस्य।

भारतीय एसोसिएशन ऑफ एप्लाइड साइकोलॉजी के सदस्य।

प्रशिक्षण सलाहकार समिति, सीबीएसई के सदस्य

मंजू नरूला

कार्यशालाओं / सम्मेलनों / प्रशिक्षण कार्यक्रमें का आयोजन

राज्य स्तरीय महिला प्रशासकों के लिए शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधन पर उन्मुखीकरण कार्यक्रम, जून, 25–29 2018, नीपा, नई दिल्ली

शैक्षिक प्रशासन में नवाचार और पुरस्कार समारोह पर राष्ट्रीय सम्मेलन के सह–समन्वयक, 3–4 जनवरी, 2019

समन्वय और शिक्षण

एम.फिल

एम.फिल. में अध्यापन

आईडेपा

पाठ्यक्रम दल के सदस्य और 'शैक्षिक प्रशासन' शैक्षिक प्रबंधन इकाई में पाठ्यक्रम अध्यापन (आमने–सामने)

पाठ्यक्रम में सामग्री और शिक्षण की तैयारी ''शैक्षिक प्रशासन'' पीजीडेपा में शैक्षिक प्रशासन पाठ्यक्रम पर एडवांस पाठ्यक्रम में शैक्षिक प्रबंधन

अन्य कार्यक्रमों में शिक्षण

जिला शिक्षा अधिकारियों के लिए शैक्षिक शासन में नेतृत्व पर उन्मुखीकरण कार्यक्रम

पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन

एम.फिल. छात्र

पीजीडेपा भागीदार

आईडेपा भागीदार

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

नीपा में

एम.फिल./पीएचडी कार्यक्रम के लिए स्क्रीनिंग कमेटी के सदस्य

लिखित परीक्षा लिपियों के मूल्यांकन के लिए सदस्य

नीपा के बाहर

एम.एड. शोध प्रबंध के बाहरी मूल्यांकनकर्त्ता –जीजीएसआईपीयू

पीएच.डी. थीसिस मूल्यांकनकर्त्ता –जीजीएसआईपीयू

नीपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

1. ऑल इंडिया एसोसिएशन ऑफ टीचर एजुकेटर्स (AIATE) की आजीवन सदस्यता
2. भारत की तुलनात्मक शिक्षा संस्था की आजीवन सदस्य
3. शिक्षा और आर्थिक विकास संस्था की आजीवन सदस्य

वी. सुचरिता

प्रकाशनः

वी. सुचरिता (सह–संपादक) *इंडिया कन्ट्री रिपोर्ट* इन डेमोग्राफिक चेंज एंड इम्प्लीकेशंस फार एजुकेशन पॉलिसीः थ्री कंन्ट्री केस स्टडीज फ्राम एशिया'' चरवित येस और मौसी, हगीज, आईआईईपी, यूनेस्को, 978–92–803––1423–6

कुमार सुरेश और वी. सुचरिता (संपा.) (2019) ***कम्पेंडियम आफ इनोवेशन्स एंड गुड प्रैक्टिसेज इन एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेसन*** 2017'2018, नीपा

सम्मेलनो / पाठ्यक्रमों में भागीदारी

27 अगस्त, 2018 से 20 सितंबर, 2018 तक जेएनयू, एचआरडीसी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित भाषा साहित्य और संस्कृति (अंतःविषय) में चार सप्ताह के रिफ्रेसर कोर्स में भागीदारी।

प्रशिक्षण कार्यक्रमों / कार्यशालाओं आयोजनः

जिला स्तरीय शिक्षा अधिकारियों के लिए शैक्षिक शासन में नेतृत्व' पर अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन, 9–13 जुलाई 2018, नीपा, नई दिल्ली

आरआईई भोपाल के छात्रों के लिए 8 से 22 अक्टूबर, 2018 तक 5–दिवसीय इंटर्नशिप कार्यक्रम।

पाठ्यक्रम निष्पादितः

एम.फिलः

इक्विटी और बहुसांस्कृतिक शिक्षा पर वैकल्पिक पाठ्यक्रम (ओसी–07) में सत्र संपादित

पीजीडेपाः

पीजीडेपा एडवांस कोर्स में 'शैक्षिक प्रशासन' पाठ्यक्रम (कोर्स सं. 907) में सत्र सम्पादित

मार्गदर्शन और पर्यवेक्षणः

श्री विजय कुमार शर्मा को *'जिला शिक्षा संस्थान और प्रशिक्षण के माध्यम से शिक्षकों का व्यावसायिक विकास डाईट, विलासपुर, हिमाचल प्रदेश का केस अध्ययन'* परियोजना के लिए पीजीडेपा प्रतिभागी का मार्गदर्शन।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदानः

राज्य और जिला स्तर के प्रशासकों के लिए महिला शैक्षिक प्रशासकों पर अभिविन्यास कार्यशाला में 'शिक्षक प्रबंधन में मुद्दे' पर समूह कार्य सत्र की अध्यक्षता, 25–29 जून, 2018, नीपा, नई दिल्ली

एम.फिल/पीएचडी अनुप्रयोगों के लिए ''प्रारंभिक एम.फिल./पीएचडी आवेदन जांच समिति' में सदस्य।

एम.फिल/पीएचडी प्रवेश परीक्षा के लिए अन्वीक्षण

अधिकारिक और समितियों की सदस्यता

भारत की तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी (सेसी) के आजीवन सदस्य।

भारतीय राष्ट्रीय संघ और मानवविज्ञानी अकादमी (आईएनसीएए) के आजीवन सदस्य

शैक्षिक वित्त विभाग

मोना खरे

प्रकाशन

चैलेंजिंग द एड इंडस्ट्री स्ट्रक्चर शिफ्टिंग डायनामिक्स ऑफ इंडिया एजुकेशन डवलपमेंट कोपरेशन''–रिविस्टाति इकोनोमिआ पॉलीटिका ए हिस्टोरिया इकोनोमिका, इश्यू 40, जुलाई–अगस्त 2018।

''इंडियाः ग्रेजुएट एंड इम्प्लायमेंट'' *इंटरनेशनल हायर एजुकेशन,* नं. 95ः फाल 2018, द बोस्टन कॉलेज सैंटर फार इंटरनेशनल हायर एजुकेशन (सीआईएचई), यूएसए

मेकिंग इंडिया ए सॉट–अफ्टर डेस्टीनेशन फार हायर एजुकेशन, इन दिअर पर्सपैक्टिव सं. 11, 2018, सैंटर फार इंटरनेशनल हायर एजुकेशन (सीआईएचई), बोस्टन युनिवर्सिटी एंड वर्ल्ड इकोनोमिक सर्विस (डब्ल्यू.ई.एस.), यूएसए।

''इंटरनेशनलाइजेशन आफ हायर एजुकेशन – अ कन्ट्री केस इन इंडिया, यूनेस्को बैंकॉक एंड टोकियो युनिवर्सिटी, (प्रकाशनाधीन) प्रजैंटेड इन द थर्ड यूनेस्को स्टेकहोल्डर मीटिंग फार डवलपिंग फ्रेमवर्क ऑन इंटरनेशलाइजेशन आफ हायर एजुकेशन इन द एशिया–पैसिफिकः टूवार्डस ए मैपिंग आफ इंडिकेटर्स एंड देअर यूजिलाइजेशन इन बैंकॉक, थाइलैंड, नवंबर 2018

जेंडर बजटिंग इन हायर एजुकेशनः ए टूल टू एड्रैस जेंडर इनेक्वालिटीज *इंडिया हायर एजुकेशन रिपोर्ट 2018ः* (वर्गीज़ एन.वी. और पाणिग्रही के साथ संपादन) सेज पब्लिकेशन, नई दिल्ली (आगामी)

द वरच्यु साइकिल आफ ग्रॉथ, इम्प्लॉयमेंट एंड एजुकेशन इन इंडिया – पथ लच इक्विटेबल डवलपमेंट, काउंसिल फार सोशियल डवलपमेंट, नई दिल्ली (आगामी)

संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशालाओं में भागीदारी

(राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय)

बोस्टन युनिवर्सिटी एंड वर्ल्ड इकोनोमिक सर्विसेज (डब्ल्यूईएस) – सेंटर फार इंटरनेशनल हायर एजुकेशन (सीआईएचई) समर इंस्टीट्यूट आन इन्क्लूसिब एंड इनोवेटिव इन्टरनेशनलाजेशन बोस्टन कॉलेज में जून 2018 में विशेषज्ञ वक्ता रहे। 'भारत को उच्चतर शिक्षा के लिए पंसदीदा गंतव्य स्थल बनाना' विषय पर एक शोध पत्र तैयार कर इसे प्रस्तुत किया।

29 नवम्बर, 2018 को बैंकॉक, थाइलैण्ड में एशिया–प्रशान्त क्षेत्र में उच्चतर शिक्षा के अन्तर्राष्ट्रीयकरण संबंधी ढांचा निर्माण संकेतकों का निरूपण और उपयोग के निमित्त हितधारकों की यूनेस्को में हुई तीसरी बैठक में आमंत्रित विशेषज्ञ।

30 नवंबर, 2018 को उच्चतर शिक्षा आयोग, शिक्षा मंत्रालय, थाइलैण्ड, संयुक्त राष्ट्र शैक्षणिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को), बैंकॉक ऑफिस, युविसवर्सिटी ऑफ टोकियो और फुलब्राइट, थाइलैण्ड के सहयोग से महिडोल युनिवर्सिटी द्वारा आयोजित और इसकी मेजबनी में इंटरनेशनलाइजेशन ऑफ हायर एजुकेशन प्लेटफॉर्म (एचईपी का आईजेडएन): इंटरनेशनलाइजेशन पॉलिसीज एण्ड प्रैक्टिसेज फॉर फ्यूचर डेवलपमेंट

9वें उच्चतर शिक्षा और मानव संसाधन कनक्लेव, जनवरी, 2019 महाविद्यालय शिक्षा और तकनीकी शिक्षा विभाग, तेलंगाना सरकार 4–5 फरवरी, 2019 को हैदराबाद में मुख्य वक्ता।

31 अगस्त, 2018 को हैदराबाद में तेलंगाना राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद और बिजनेस वर्ल्ड एजुकेशन द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन– चौथा उच्चतर शिक्षा सम्मेलन में आमंत्रित विशेषज्ञ

31 अगस्त, 2018 को हैदराबाद में तेलंगाना राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद और बीडब्ल्यू बिजनेस वर्ल्ड द्वारा आयोजित चौथे राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा सम्मेलन में 4ई अर्थात् एजुकेशन, एम्प्लायेबिलिटी, एम्प्लायमेंट एण्ड इन्टरप्रेन्योरशिप' को बढ़ावा देने के लिए उच्चतर शिक्षा में उधमितावृत्ति और नवोन्मेष में रूझान'' विषयक सत्र की अध्यक्षता की।

दिसम्बर 2018 में मानव संसाधन विभाग केन्द्र राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में आयोजित विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 108वें परिबोधन कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति। दो व्याख्यान दिए।

वर्ष 2018 में ग्रेटर नोएडा में दिल्ली तकनीकी परिसर द्वारा आयोजित व्यवसायिक उत्कृष्टता के लिए कार्यनीतियों पर हुए राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रमुख संदेश वक्ता।

20 नवम्बर, 2018 को नई दिल्ली में यूनेस्को द्वारा जारी 2019 वैश्विक शिक्षा प्रबोधन प्रतिवेदन का राष्ट्रीय स्तर पर शुभारंभ।

26 अक्टूबर, 2018 को एमजीकेवी, वाराणसी में आयोजित आईसीएएसआर के 10 दिवसीय शोध प्रविधि में दो व्याख्यान दिया।

यूजीसी–एचआरडीसी यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान, जयपरु में नीपा, नई दिल्ली द्वारा 19–21 मार्च, 2018 तक 'महाविद्यालय वित्त आयोजना और प्रबंधन' विषय पर आयोजित परिबोधन कार्यक्रम में आरंभिक संबोधन और व्याख्यान।

3 से 7 दिसम्बर, 2018 तक नीपा, नई दिल्ली में ''विश्वविद्यालय वित्त की आयोजना और प्रबंधन'' विषय पर परिबोधन कार्यक्रम में व्याख्यान दिया।

3 से 4 जनवरी, 2019 को प्रवासी भारतीय केन्द्र, रिजाल मार्ग, निकट जीसस एंड मेरी कॉलेज, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में 'शैक्षणिक प्रशासन में नवोन्मेष' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन और जिला और खण्ड स्तरीय शिक्षा पदाधिकारियों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार प्रस्तुति कार्यक्रम में सत्र की अध्यक्षता की।

26 मार्च, 2019 (मंगलवार) को जवाहर लाल नेहरू के कन्वेंशन सेंटर में जाकिर हुसैन सेंटर फॉर एजुकेशन स्टडीज स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज, जे.एन.यू. द्वारा आयोजित ग्रेजुएट सेमिनार में ''शिक्षा पर किए गए गृहस्थी व्यय'' पर हुए तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।

कार्यशालाएँ/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

रोजगार और उच्च शिक्षा स्नातकों की रोजगार क्षमता पर अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, आईएचसी, 19–20 फरवरी, 2019।

'विश्वविद्यालय प्रशासकों के लिए उच्च शिक्षा में नेतृत्व विकास पर राष्ट्रीय कार्यशाला, (मा.सं.वि.मं.–सीएएलईएम) (7–9 जनवरी, 2019)।

शिक्षा के वित्त पोषण में प्रतिमान स्थानांतरणः गुणवत्ता समानता और रोजगार क्षमता पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का अयोजन किया(13–14 दिसंबर, 2018)

राज्य की टीमों के लिए सीपीआरएचई परियोजना रोजगार क्षमता हेतु द्वितीय शोध प्रविधि कार्यशाला का आयोजन किया। (6 राज्यों से 6 विश्वविद्यालयों का प्रतिनिधित्व करने वाले 14 प्रतिभागी सम्मिलित हुए)।

सितम्बर, 2018 में ''रोजगार और उच्च शिक्षा स्नातकों की रोजगार क्षमता'' परियोजना पर समीक्षा कार्यशाला का बंगलुरू में आयोजन किया।

हैदराबाद में ''रोजगार और उच्च शिक्षा स्नातकों की रोजगार क्षमता'' परियोजना पर समीक्षा कार्यशाला का आयोजन किया, सितम्बर, 2018।

मुम्बई में ''रोजगार और उच्च शिक्षा स्नातकों की रोजगार क्षमता'' परियोजना पर समीक्षा कार्यशाला का आयोजन किया, सितम्बर, 2018।

''भारत में तुलनात्मक शिक्षा की स्थानिक गतिशीलता के लाभ'' परियोजना की समीक्षा कार्यशाला का आयोजन किया, भोपाल, मार्च, 2019।

''भारत में तुलनात्मक शिक्षा की स्थानिक गतिशीलता के लाभ'' परियोजना की समीक्षा कार्यशाला का आयोजन किया, बंगलुरू, मार्च, 2019।

''भारत में तुलनात्मक शिक्षा की स्थानिक गतिशीलता के लाभ'' परियोजना की समीक्षा कार्यशाला का आयोजन किया, मुम्बई, मार्च, 2019।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकास/संचालन

निम्नलिखित पाठ्यक्रमों के शिक्षण कार्यः

विकसित पृष्ठभूमि/पठन सामग्री एवं विचार–विमर्श सत्र

विश्वविद्यालय प्रशासकों के लिए उच्च शिक्षा नेतृत्व विकास कार्यक्रम की पृष्ठभूमि सामग्री विकसित की।

इम्प्लोयमेंट एंड इंप्लोयबिलिटी ऑफ हायर एजुकेशन ग्रेजुएट्स इन इंडिया अनुसंधान परियोजना पर द्वितीय शोध प्रविधि कार्यशाला का विश्लेषणात्मक रूपरेखा विकसित की।

एम.फिल. पीएचडी – सीसी3, सीसी5

शैक्षिक योजना और प्रशासन (आईडेपा) में अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा।

शैक्षिक योजना और प्रशासन (डेपा) में राष्ट्रीय डिप्लोमा।

एम.फिल./पीएच.डी. कार्य का पर्यवेक्षण

i) पीएच.डी.– सुमित कुमार (शोधार्थी) – इंटर–रिलेशनशिप बिटवीन स्पेशल डिस्ट्रीब्यूशन ऑफ नॉलेज बेस्ड इंडस्ट्रीज एंड माइग्रेशन ऑफ हायर एजुकेशन इन इंडिया।

ii) पीएच.डी.– संध्या दुबे ''एक्सेस एंड क्वालिटी डायनामिक्स इन फायनाइन्सिंग ऑफ हायर एजुकेशन''।

ii) पीएच.डी.– सोनम अरोरा का प्रस्ताव विकास के चरण में है।

iv) श्री नरेश शर्मा, प्रवक्ता, डीआईईटी, मंडी द्वारा पीजीडेपा शोध प्रबंध : ए स्टडि ऑफ फंड फ्लो एंड युटिलाइजेशन पैटर्न उंडर आरएमएसए इन सदर ब्लॉक ऑफ डिस्ट्रिक्ट मंडी, हिमाचल प्रदेश।

एम.फिल. अध्ययन (प्रस्तुत)

सुश्री संध्या दुबे – *इम्पैक्ट आफ द पब्लिक एजुकेशन एक्पैंडीचर अक्रॉस डिफरैंट लेवल आन हायर एजुकेशन एक्सैस इन इंडियाः अ पैनल डाटाः अ पैनल डाला अनालिसिस* (सम्मानित)।

प्रतिवेदनाधीन वर्ष के दौरान सार्वजनिक निकायों को परामर्शदात्री एवं अकादमिक सहयोग

बोस्टन युनिवर्सिटी एंड वर्ल्ड इकोनोमिक सर्विसेज (डब्ल्यूईएस) – सेंटर फार इंटरनेशनल हायर एजुकेशन (सीआईएचई) समर इंस्टीट्यूट आन इन्क्लूसिब एंड इनोवेटिव इन्टरनेशनलाजेशन बोस्टन कॉलेज में जून 2018 में विशेषज्ञ वक्ता रहे। 'भारत को उच्चतर शिक्षा के लिए पंसदीदा गंतव्य स्थल बनाना' विषय पर एक शोध पत्र तैयार एवं प्रस्तुत किया और उनके परिप्रेक्ष्य नं. 11 में प्रकाशित किया।

यूनेस्को बैंकाक तथा टोक्यो विश्वविद्यालय नवम्बर, 2018 को बैंकॉक, थाइलैण्ड में एशिया–प्रशान्त क्षेत्र में उच्चतर शिक्षा के अन्तर्राष्ट्रीयकरण संबंधी ढांचा निर्माण संकेतकों का निरूपण और उपयोग के निमित्त हितधारकों की बैठक में भारत का एक केस अध्ययन–उच्च शिक्षा का अन्तर्राष्ट्रीयकरण, यूनेस्को में हुई तीसरी बैठक में ड्राफ्ट रिपोर्ट प्रस्तुत किया और अंतिम रूप दिया जा रहा है।

जनवरी 2019 में उच्चतर और तकनीकी शिक्षा विभाग, तेलंगानाः स्नातक नियुक्ति – परकता की चुनौतियों के संबंध में दस्तावेज को 9वें उच्चतर शिक्षा और मानव संसाधन कनक्लेव की प्रस्तुति के पश्चात् अंतिम रूप दिया जा रहा है।

सांख्यिकी मंत्रालय और पी आई और केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन की उप–समिति के सदस्य के रूप में शिक्षा क्षेत्र में सेवा उत्पादन का सूचकांक बनाना।

मध्य प्रदेश सरकार और विश्व बैंकः मध्य प्रदेश उच्चतर शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम (एमपीएचईक्यूआईपी): प्रस्तावित उत्कृष्टता केन्द्र राज्य परियोजना निदेशालय, आरयूएसए उच्चतर शिक्षा विभाग के लिए परियोजना मूल्यांकन समिति में विशेषज्ञ सदस्य।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

15वें वित्त आयोग के लिए आवश्यक निधि के अनुमान हेतु गठित विशेषज्ञ समिति के सदस्य

सांख्यिकी और पीआई, सीएसओ के शिक्षा क्षेत्र में सेवा उत्पादन के सूचकांक पर उप–समिति के सदस्य

स्टडीज फॉर माइक्रोइकॉनॉमिक्स, के समीक्षक सेज प्रकाशन

लाइफ साइंस ग्लोबल, कनाडा के विशेष अंक के लिए अतिथि संपादक

प्रबंधन और अर्थशास्त्र अनुसंधान जर्नल के लिए समीक्षक

एम.फिल./पीएच.डी. प्रगति की समीक्षा समिति के सदस्य सचिव

एम.फिल./पीएच.डी. प्रवेश समिति के सदस्य।

एम.फिल./पीएच.डी. की प्रवेश परीक्षा के लिए प्रश्न निर्धारण समिति के सदस्य

डीएसी, उच्च शिक्षा विभाग

डीएसी, शैक्षिक वित्त विभाग

एम.फिल. पाठ्यक्रम संशोधन और पुनर्गठन समिति के सदस्य

कुलपति द्वारा निर्देशित एवं आवश्यकतानुसार मंत्रालय की विभिन्न बैठकों सहभागिता।

नीपा से बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

सदस्य, स्थायी अनुसंधान सलाहकार उप–समिति (आरएसी), राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान, (नोएडा)

सदस्य, विभागीय सलाहकार बोर्ड (डीएबी), योजना और निगरानी प्रभाग, एनसीईआरटी, नई दिल्ली

यूजीसी–दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो में जयपुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, जयपुर के डीई कार्यक्रम के एसएलएम के मूल्यांकन हेतु विशेषज्ञ

स्प्रिंगर्स, सिंगापुर के लिए पुस्तक प्रस्ताव के समीक्षक

संपादकीय सलाहकार बोर्डः हिमगिरी एजुकेशन रिव्यू, ISSN 2321–6336

विभिन्न भारतीय विश्वविद्यालयों के लिए वाह्य परीक्षक (पीएच.डी. मूल्यांकन हेतु)

विभिन्न विश्वविद्यालयों और अन्य सरकारी निकायों के लिए चयन समिति के सदस्य।

वेटुकुरी पी.एस. राजू

प्रकाशन

शोध पत्र/आलेख/नोट्स

उच्च शिक्षा का वित्त पोषणः जम्मू और कश्मीर के छात्रों के लिए प्रधानमंत्री विशेष छात्रवृत्ति योजन का अध्ययन (विचाराधीन)।

उच्च शिक्षा में गुणवत्ता और उत्कृष्टता के लिए छात्र सहायता प्रणाली, सीपीआरएचई, नीपा (विचाराधीन)।

शोध अध्ययन (पूर्ण)

मा.सं.वि. मंत्रालय को केन्द्र प्रायोजित नेशनल मीन्स–कम–मेरिट स्कॉलर्शिप स्कीम का मूल्यांकन अध्ययन रिपोर्ट सौंपी।

मा.सं.वि. मंत्रालय को केन्द्र प्रायोजित माध्यमिक शिक्षा के लिए लड़कियों को प्रोत्साहन की राष्ट्रीय योजना का मूल्यांकन अध्ययन रिपोर्ट सौंपी।।

सेमीनार/सम्मेलन/कार्यशालाएँ

राष्ट्रीय

राजनीति शास्त्र विभाग, न्यू गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, सेरिलिंगमपल्ली बीएचईएल, टाउनशिप, हैदराबाद, तेलंगाना द्वारा 30–31 जनवरी, 2019 को ''भारत के उच्चतर शिक्षाः उभरती हुई चुनौतियाँ'' विषय पर हुए राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिया और 'उच्चतर शिक्षा में विद्यार्थी आधारित वित्तीय सहायता प्रणालीः केन्द्र सरकार द्वारा प्रायोजित योजनाओं का कार्यान्वयन' शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

6 से 10 अगस्त, 2018 को नीपा, नई दिल्ली में ऑनलाइन शिक्षण मूडल मूक प्लेटफॉर्म और मुक्त शिक्षा संसाधनों से अधिगम और मूल्यांकन विषय पर हुई कार्यशाला में भागीदारी।

नीपा, नई दिल्ली में 'भारत में समावेशी शिक्षा, आरक्षण नीति और पिछड़ा वर्ग पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

शैक्षिक प्रशासन में नवाचार और पुरस्कार वितरण पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में भागीदारी, 3–4 जनवरी, 2019, प्रवासी भारतीय केन्द्र सभागार, चाणक्य पुरी, नई दिल्ली।?

14–15 फरवरी को रेजीडेंसी रिसॉर्ट, यूएसआई प्रेमीजेज, राव तुलाराम मार्ग, नई दिल्ली में आयोजित 'शाला सिद्धिः सुधार के लिए मूल्यांकन' राष्ट्रीय परामर्शी बैठक में सह–अध्यक्षता और भागीदारी।

नीपा, नई दिल्ली द्वारा प्राइड प्लाजा होटल, एयरोसिटी, नई दिल्ली में 24–25 जनवरी, 2019 को उच्च शिक्षा में नेतृत्व विकास पर आयोजित 'लीडरशिप डेव्लपमेंट इन हायर एजुकेशन फॉर वाइस चांसलर्स' कार्यशाला में भाग लिया।

नीपा, नई दिल्ली में एम.फिल. छात्रों के प्री–सबमिशन संगोष्ठी में भाग लिया।

प्राइड प्लाजा होटल, एयरोसिटी, नई दिल्ली में 7–9 जनवरी, 2019 के दौरान नीपा, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'विश्वविद्यालय प्रशासकों के लिए उच्च शिक्षा में नेतृत्व विकास' कार्यशाला में भाग लिया।

सेंटर फार एजुकेशन ग्रोथ एंड रिसर्च (सीईजीआर) द्वारा 18 अप्रैल, 2018 को आयोजित चौथे उच्च शिक्षा शिखर सम्मेलन में भाग लिया

अंतरराष्ट्रीय

10–12 जनवरी, 2019 को आईयूसीटीई, पीएमएमएमएनएमटीटी, महाराजा सायाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ोदरा, गुजरात द्वारा आयोजित ''टुवार्ड्स डेवलपिंग प्रोफेशनल एंड ह्यूमेन टीचर्स फॉर क्वालिटी एजुकेशन'' विषय पर हुए अन्तर्राष्ट्रीय सेमीनार में ''आन्ध्र प्रदेश के पश्चिमी गोदावरी जिले में स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए शिक्षण की सर्वोत्तम पद्धति'' विषय पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

14–16 दिसम्बर, 2018 को समाज शास्त्र विभाग, कला संकाय, महाराजा सायाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा,

बड़ोदरा, गुजरात में ''मॉडर्निटी, ट्रांसफॉर्मेटिव सोशल आइडेंटिटीज एंड एजुकेशन इन कम्पेरेटिव कॉन्टेक्स्ट'' विषय पर हुए कम्पेरेटिव एजुकेशन सोसाइटी ऑफ इंडिया के 9वें वार्षिक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''आधुनिकीकरण और मुस्लिमों की प्रारंभिक शिक्षाः आन्ध्र प्रदेश, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश का तुलनात्मक अध्ययन'' पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

19–20 फरवरी, 2019 तक इंडिया हैविटेट सेंटर, नई दिल्ली में (सीपीआरएचई, नीपा और ब्रिटिश काउंसिल द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित) उच्चतर शिक्षा स्नातकों के नियोजन और नियोजित होने की योग्यता पर हुए अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिया।

कार्यशालाएँ/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

नीपा, नई दिल्ली में 3–7 दिसंबर, 2018 को विश्वविद्यालय के वित्तीय योजना और प्रबंधन में अभिविन्यास कार्यक्रम।

वित्त पाठ्यक्रम (2–6 अप्रैल, 2018) पाठ्यक्रम सं. 207) शैक्षिक योजना और प्रशासन में अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा का आयोजन।

शैक्षिक योजना और प्रशासन (पीजीडेपा) में स्नातकोत्तर डिप्लोमा के पाठ्यक्रम संख्या 903: 'शैक्षिक योजना' में प्रशिक्षण सामग्री का निर्माण एवं संपादन डॉ. वेटुकुरी पी. एस. राजू, 27–30 नवंबर, 2018।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित तथा संपादन

नीपा, नई दिल्ली में विश्वविद्यालय के वित्त की योजना और प्रबंधन पर अभिविन्यास कार्यक्रम में शिक्षण सामग्री का विकास एवं संपादन।

नीपा, नई दिल्ली में, शैक्षिक योजना और प्रशासन (XXXIII, आईडेपा) अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा के पाठ्यक्रम संख्या 207 'वित्तीय योजना और शिक्षा में प्रबंधन' की प्रशिक्षण सामग्री का विकास एवं संपादन।

नीपा, नई दिल्ली में, शैक्षिक योजना और प्रशासन (पीजीडेपा) में स्नातकोत्तर डिप्लोमा के पाठ्यक्रम संख्या 903: 'शैक्षिक योजना' में प्रशिक्षण सामग्री का विकास एवं संपादन।

नीपा, नई दिल्ली में, पाठ्यक्रम क्रमांक 905: 'शैक्षिक योजना और प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा में परियोजना कार्य और लेखन सामग्री का निर्माण एवं संपादन।

एम.फिल. वयस्क शिक्षा पर पाठ्यक्रम विकास।

सार्वजनिक निकायों को परामर्श एवं अकादमिक सहायता

स्कूल शिक्षा विभाग और साक्षरता, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के दो केंद्र प्रायोजित योजनाओं के मध्यावधि मूल्यांकन अध्ययन का आयोजन।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

पीजीडेपा प्रतिभागियों का मूल्यांकन एवं मौखिक परीक्षा।

एम.फिल. के छात्रों का मूल्यांकन एवं मौखिक परीक्षा।

शैक्षिक वित्त विभाग के लिए परिप्रेक्ष्य योजना तैयार करना।

शैक्षिक प्रशासन विभाग, नीपा, 'शैक्षिक प्रशासन में नवाचार–2018 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार' के लिए मामलों की वैधता मूल्यांकन।

विभाग के विभागीय सलाहकार समिति की बैठक के लिए कार्यसूची तैयार करना।

एम.फिल./पीएच.डी. प्रवेश परीक्षा के आयोजन समिति के सदस्य

अनुवीक्षण समिति और परियोजना स्टाफ चयन साक्षात्कार बोर्ड के सदस्य।

नीपा डिजिटल लर्निंग निगरानी एकक के सदस्य

एम.फिल./आईडेपा/पीजीडेपा में निर्देशन

पहली पीढ़ी के कॉलेज के स्नातक शिक्षार्थियों की शैक्षणिक और गैर–शैक्षणिक चुनौतियों के अध्ययन (शिखा दिवाकर) एम.फिल. (प्रस्तुत) ।

जम्मू और कश्मीर के प्रशासनिक प्रभाग में सशस्त्र संघर्ष और शिक्षा का अध्ययन (मोहम्मद इलियास) एम.फिल (जारी)।

पापुमपारे जिला, अरुणाचल प्रदेश के सागले ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालयों में मध्याह्न भोजन कार्यक्रम पर एक अध्ययन (श्री सेंडो लोम्बि) पीजीडेपा।

गाले शैक्षिक क्षेत्र, गेल्ले जिला, श्रीलंका में टूटे हुए परिवार के प्राथमिक छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन (श्री डब्ल्यू.टी. रावेन्द्र पुष्प कुमार) आईडेपा।

सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) की भूमिका–प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षार्थियों के बीच सीखने की प्रक्रिया: महाराष्ट्र के वर्धा जिले पर एक अध्ययन (रत्नामल पी. खड़के) पीजीडेपा।

नीपा से बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

कंपरेटिव एजुकेशन सोसायटी ऑफ इंडिया, नई दिल्ली के आजीवन सदस्य।

इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर एजुकेशनल प्लानिंग (आईआईईपी/यूनेस्को), पेरिस के पूर्व छात्र सदस्य।

शैक्षिक नीति विभाग

अविनाश कुमार सिंह

प्रकाशन

(पुस्तक समीक्षा)

2019 'विज़न आफ एजूकेशन इन इंडिया' दूबे, एम. और एस. मित्रा '*जर्नल आफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन*' वाल्यूम XXXIII, सं. जनवरी, पीपी 73–76

प्रतिवेदनाधीन वर्ष में संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में भागीदारी

(राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय)

02–04 जुलाई, 2018 को क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (आरआईई), एनसीईआरटी मैसूर में ''अध्यापक शिक्षा–मुद्दे और चुनौतियां'' विषय पर हुए राष्ट्रीय सम्मेलन में विदाई भाषण।

14–15 जुलाई, 2018 को सामाजिक विकास परिषद, नई दिल्ली में ''माध्यमिक शिक्षा'' पर हुए राष्ट्रीय स्तर के सेमिनार में संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया।

28–30 अगस्त, 2018 को आईएसईसी, बैंगलूरू में ''25 इयर्स ऑफ डिसेन्ट्रलाइज्ड गवर्नेंस इन इंडिया: प्रोग्रेस, इश्यूज़ एण्ड वेज फॉरवर्ड'' विषय पर हुए सेमीनार में ''डिसेंट्रालाइजेशन एण्ड पार्टिसिपेशन इन एजूकेशन: पॉलिसीज एण्ड प्रैक्टिसेज'' पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

20 दिसम्बर, 2018 को नीपा, नई दिल्ली में गुणवत्तापरक शोध विधि'' पर हुए परिबोधन कार्यशाला में ''नीति नृजातिशास्त्र'' पर एक व्याख्यान दिया।

15 जनवरी, 2019 को नीपा में ''शिक्षा में नेतृत्व'' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में ''नेतृत्व और उच्चतर शिक्षा'' पर हुए पैनल चर्चा की अध्यक्षता की।

कार्यशाला/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

10–14 सितम्बर, 2018 को होटल इम्फाल द क्लासिक में पूर्वोत्तर राज्यों में प्रारम्भिक शिक्षा के प्रबंधन में संविधान की छठा अनुसूची के अधीन स्थानीय प्राधिकरण और स्वायत्त परिषदों का कार्यकरण'' विषय पर परिबोधन कार्यशाला।

डॉ. एस.के. मलिक ''शिक्षा का अधिकार अधिनियम का कार्यान्वयनः प्रगति, मुद्दे और भावी मार्ग'' विषय पर राष्ट्रीय परामर्शदात्री बैठक का आयोजन किया (एनएलएसआईयू), बेंगलौरः 26–28 मार्च, 2018

प्रो. फैजान मुस्तफा द्वारा 9 नवम्बर, 2018 को ''भारतीय संविधान के अंतर्गत विविधता प्रबंधन'' विषय पर 9वां मौलाना आजाद मेमोरियल लेक्चर (राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के स्मारकोत्सव के रूप में), इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित किया।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

एम.फिल. पाठ्यक्रम तथा डिप्लोमा कार्यक्रम में शिक्षण

एम.फिल. अनिवार्य पाठ्यक्रम सीसी–1: शिक्षा पर दृष्टिकोण

वैकल्पिक पाठ्यक्रम ओ.सी.7: 'समानता और बहुसांस्कृतिक शिक्षा'

अनिवार्य पाठ्यक्रम 902: 'भारतीय शिक्षाः एक परिप्रेक्ष्य' के तहत शैक्षिक योजना और प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडेपा)

अनिवार्य पाठ्यक्रम 203: विकासशील देशों में शिक्षा के गंभीर क्षेत्र के तहत शैक्षिक योजना और प्रशासन में अन्तर्राष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम (आईडेपा)

पीएच.डी. विद्वानों को मार्गदर्शन

नीपा में 'स्टडी ऑफ टी वे डायनामिक्स ऑफ एक्सक्लूजन इन स्कूल एंड कम्युनिटी' विषय पर पीएच.डी. शोधार्थी (अंशकालिक) अजय कुमार चौबे को मार्गदर्शन।

'सोशल जस्टिस एंड लोकल गर्वर्नेंस इन एलीमेंट्री एजुकेशन विथ रेफेरेंस टू द पार्टीशिफेशन ऑफ दिस अडवांटेज ग्रुप्स' विषय पर पीएच.डी. शोधार्थी (अंशकालिक) लबोनी दास को मार्गदर्शन।

'एजुकेशन, कल्चर एंड लाइबेलिहुडः ए स्टडी ऑफ द नोमाइडिक पस्टोरलिस्ट बकरवल्स इन जम्मू एंड कश्मीर' विषय पर पीएच.डी. शोधार्थी सज्जाद अहमद को मार्गदर्शन।

'इक्वालिटी आफ एजूकेशनल अर्पच्युनिटी एंड स्कूल प्रोग्रेसन अमंग द सोशियली डिस्एडवेंटेज ग्रुप्सः एन इथनोग्राफिक स्टडी आफ शिड्यूल कास्ट चिल्ड्रन' विषय पर पीएच.डी. शोधार्थी सुश्री खुशबू सिंह को मार्गदर्शन।

'ट्राइबल एजेंसी एंड हायर एजुकेशनल गर्वनेंस इन फिफ्थ शेड्यूल एरिया इन झारखंड, इंडिया' विषय पर पीएच.डी. शोधार्थी सुश्री निलंजना मोइत्रा को मार्गदर्शन।

'आईडेंटिटी एंड पार्टीसीपेशन इन हायर एजुकेशन" ए स्टडी ऑफ नॉर्थईस्ट इथनिक माइनॉरिटि स्टूडेंट्स इन सिलैक्टेड एजुकेशनल इंस्टिट्युशन इन दिल्ली' विषय पर पीएच.डी. शोधार्थी दलसी गंगमी को मार्गदर्शन।

'आइडेंटिटि डिस्कवर्स इन हायर एजुकेशनः अ स्टडी ऑफ दलित–बहुजन स्टूडेंट आग्रेनाइजेशन' विषय पर पीएच.डी. शोधार्थी बगेश कुमार को मार्गदर्शन।

नीपा से बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

अध्यक्ष, सहायता अनुदान योजना, मा.सं.वि. मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली, 2015 से 5 वर्षों के लिए।

सदस्य, कंपरेटिव एजुकेशन सोसायटी ऑफ इंडिया (सेसी)

सदस्य, जर्नल आफ आदिवासी एंड इंडिजेनस स्टडी (जेएआईएस) संपादकीय सलाहकार बोर्ड

अन्य शैक्षणिक एवं व्यावसायिक गतिविधियाँ

अध्यक्ष, अनुसंधान एवं प्रकाशन समीक्षा समिति, नीपा

अध्यक्ष, परीक्षा समिति, नीपा

सदस्य, अध्ययन बोर्ड, नीपा

सदस्य, अकादमिक परिषद, नीपा

सदस्य, प्रबंधन बोर्ड, नीपा

वीरा गुप्ता

प्रकाशन

एक्सेलैंट पब्लिशिंग हाउस, किशनगढ़, वसंतकुंज, नई दिल्ली–110070; द्वारा प्रकाशित पुस्तक 'एश्योरिंग क्वालिटी इन हायर एजुकेशनः इनोवेशन एंड चैलेंजेज' में 'एपीआई इन क्वालिटी ऑफ द हायर एजुकेशन' में अध्याय आईएसबीएनः 978–93–86238–61–0 पीपी–11

''एसेसेबिलिटी टू लर्निंग इनवायरमेंट एंड प्रोसेस'' पर रिपोर्ट; यूनेस्को; एसएपी वैंडर सं. 4001956; 29 जून, 2018

''असैसमेंट फार स्पेशल नीड चिल्ड्रेन'' पर मॉड्यूल पाठ्यक्रम में 'एजुकेशन एसेसमेंट एंड साइकोमेट्रिक' शीर्षक एनसीईआरटी; ईमेल दिनांक 8 जून, 2018 एफ नं. 8.02/2018–19 ईएसडी

नीपा नेशनल सेंटर फार स्कूल लीडरशिप मॉड्यूलः 'नेशनल लेवल इन्क्लूशिव एजुकेशन पालिसी डब्ल्यू. आर.टी. सीडब्ल्यूटडी फार द करीकुलर एरिया ऑफ 'ट्रांसफॉरमिंग स्कूल प्रैक्टिस ऑफ द करीकुलर एरिया' 'ट्रांसफॉरमिंग टीचिंग लर्निंग प्रोसेस'' में अध्याय

नीपा नेशनल सेंटर फार स्कूल लीडरशिप मॉड्यूलः 'हाउ डू आई क्रिएट इन्क्लूसिव क्लासरूम'' पाठ्यक्रम के उप–क्षेत्र में 'ट्रांसफोर्मिंग स्कूल प्रैक्टिस ऑफ द करीकुलर एरिया 'ट्रांसफोर्मिंग टीचिंग लर्निंग प्रोसेस' शीर्षक

शोध पत्र/लेख प्रकाशित

''समावेशी शिक्षा प्रणाली के लिए भारत में शैक्षिक नीतियों का मूल्यांकन'' जर्नल आफ ऑल इंडिया एसोशिएन फार एजुकेशनल रिसर्च, वाल्यूम 29, सं. 2, दिसंबर 2017 आईएसएसएन 0970–9827, पीपी 34–49

रिपोर्ट अवधि में सेमीनार/सम्मेलनों और कार्यशालाओं में भागीदारी

(राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय)

27–30 नवंबर, 2018 को अमर ज्योति द्वारा ''समावेश के माध्यम से उत्कृष्टता को बढ़ावा देना'' पर हुए अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''अचीविंग इक्विटी एण्ड क्वालिटी इन लर्निंग एण्ड असेसिंग लर्निंग अचीवमेंट्स'' शीर्षक से शोधपत्र प्रस्तुत किया।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित/संपादित

सीडब्ल्यूएसएन पर फोकस के साथ समावेशी शिक्षा की योजना और नीति पर राष्ट्रीय कार्यशाला

एम.फिल के लिए ओसी–14 पाठ्यक्रम

नीति निर्माण पर पीजीडेपा चरण-V पाठ्यक्रम 909

रिपोर्ट अवधि में सार्वजनिक निकायों को परामर्श और अकादमिक सहयोग

यूनेस्को, ''अधिगम के वातावरण और प्रक्रियाओं तक पहुँच'' पर अध्ययन

नीपा से बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता बीओएस, दयालबाग मानित विश्वविद्यालय की सदस्या, ईमेल दिनांक 1 मार्च, 2019

इंडेक्स ऑफ इन्क्लूसिव एजुकेशन की बैठकः सं. एफ. 4–4/2018–19/डीईजीएसएन दिनांक 19 मार्च, 2019; एनसीईआरटी

इंडेक्स को अंतिम रूप देने के लिए ''डवलपिंग ऐज अपडेटेड वर्ज़न ऑफ द इंडेक्स फॉर इंक्लूसिव स्कूल'' परियोजना से संबंधित कार्यशाला, सं. एफ. 4–4/2018–19/डीईजीएसएन 1320–1337, दिनांक 6 फरवरी, 2019 और 21–22 फरवरी, 2019 एनसीईआरटी

आईएएसई–मानव संसाधन विकास मंत्रालय के तत्वाधान में एनआरसीआईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित शिक्षक–शिक्षकों के सतत व्यावसायिक विकास के विषय पर राष्ट्रीय परामर्शदात्री बैठक के लिए संसाधन व्यक्ति, ईमेल दिनांक 11 फरवरी; 22 फरवरी, 2019, सीआईई, दिल्ली विश्वविद्यालय

डीईपीडब्ल्यूडी; एनआईईपीएमडी/टीएफ– डीईपीडब्ल्यूडी/18–19 द्वारा 26 फरवरी, 2019 को मॉडल समावेशी सेटअप स्थापित किए जाने के बारे में एमएसजे एंड ई और अमर ज्योति परमार्थ न्यास ने दूसरा कृतक बल स्थापित किया।

सदस्य, अधिशासी निकाय, दिल्ली राज्य, ऑल इंडिया एसोसिएशन फॉर एजुकेशनल रिसर्च, ईमेल दिनांक 13 दिसम्बर, 2018; एआईएईआर

8 जनवरी, 2019 को सीडब्ल्यूडी; एएसईआर एंड सीबीएम के लिए मूल्यांकन क्रियाविधि के विकास हेतु समिति की सदस्य।

एएमयू स्कूल शिक्षकों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम/प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति, पत्र दिनांक 23 दिसम्बर, 2018 और 9 जनवरी, 2019; विश्वविद्यालय अनुदान आयोग मानव संसाधन विकास केन्द्र, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़।

शिक्षा सर्वेक्षण विभाग में विशेषज्ञों द्वारा तैयार की गई पाठ्य सामग्री के विमर्श के बारे में एनसीईआरटी में 15–16 नवम्बर, 2018। 30–31 अक्टूबर और 12–13 जून, 2018 को दो दिवसीय कार्यशाला में विशेषज्ञों की बैठक। एनसीईआरटी, ईमेल दिनांक 14 नवम्बर, 2018

24–30 नवम्बर, 2018 को नीपा और श्यामलाल कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय के संकाय विकास कार्यक्रम के संयोजक।

24 नवम्बर, 2018 को श्यामलाल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में अकादमिक पारिस्थितिकी में व्यवसायिक आधार और मूल्य पर व्याख्यान

5 अक्टूबर, 2018 को सभागार इंडियन स्पाइनल इन्ज्यूरीज सेंटर, वसंत कुन्ज, नई दिल्ली में; निःशक्तता और पुनर्वास अध्ययन सोसायटी में अंशतः नीपा द्वारा सहायित ''भारतीय विश्वविद्यालयों में उच्चतर शिक्षा के लिए विकलांगता अध्ययन पर मॉडल पाठ्यक्रम विकसित करना'' विषय पर आयोजित 3 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में विशिष्ट अतिथि।

9–16 अक्टूबर, 2018 से यूपीएससी की ओर से मूल्यांकन का गोपनीय कार्य, ईमेल दिनांक 8 अक्टूबर।

विभिन्न विकलांगता वाले बच्चों की समावेशी शिक्षा पर राष्ट्रीय सलाहकार कार्यशाला, पी3/1012018/एससीईआरटी; 24–25 अक्टूबर, 2018 एससीईआरटी केरल।

30–31 अक्टूबर, 2018 को एनसीईआरटी में एसएसए और आरएमएसए के अन्तर्गत समावेशी शिक्षा के कार्यान्वयन के लिए राज्यों द्वारा अपनाई गई उत्तम पद्धति का प्रलेखन'' का मूल्यांकन फाईल सं. 4–5/2018–19/डीईजीएसएन, दिनांक 4 अक्टूबर, 2018

पांडुलिपि आईडी टीआईईडी–2018–0172 की समीक्षा करने के लिए समावेशी शिक्षा की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका में आमंत्रण, ईमेल दिनांक 26 सितम्बर, 2018

11 अगस्त, 2018 को अमर ज्योति की 36वीं वार्षिक आम सभा में मानद सलाहकार, पत्र दिनांक 10 जुलाई, 2018

''टीचिंग लर्निंग इन्क्लूसिव सेटअप पर एकदिवसीय सेमिनार, पत्र सं. एडु/एसओई/2018–19/310 दिनांक 31/07/2018; 2 अगस्त, 2018 पीएमएमएमएनएमटीटी बीएचयू

17–21 जुलाई, 2018 तक 'उच्चतर शिक्षा में गुणवत्ता आश्वासनः नवोन्मेष और चुनौतियां' विषय पर एफडीपी में सत्र, ईमेल दिनांक 8 जून, 2018 द महाराजा सूरजमल इंस्टिट्यूट।

दिल्ली विश्वविद्यालय के पीएच.डी. मौखिक परीक्षा के लिए परीक्षक; सं. डीओई/पीएच.डी./मौखिक परीक्षा/2018 दिनांक 29/5/2018

मॉड्यूल ऑन असेसमेंट फॉर स्पेशल नीड चिल्ड्रेन के लिए विषयवस्तु को अंतिम रूप देने तथा शैक्षणिक मूल्यांकन और मनोमितिक के लिए ऑनलाइन आधारित पाठ्यचर्या का शुभारम्भ करने के लिए तीन दिवसीय कार्यशाला। फाइल सं. 8.02.2018–19/ईएसडी, ईमेल दिनांक 8 जून, 2018, 12–14 जून, 2018 एनसीईआरटी।

समावेशी शिक्षा और कौशल विकास पर उपसमूह की बैठक, सं. 219/एनपीआईडीडी/एनएटी/2018 2 अप्रैल, 2018 नेशनल ट्रस्ट।

निःशक्त कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं की जांच करने के लिए शोधपरक अध्ययन के लिए प्रस्ताव तैयार किया, सं. डीई 23(572)/शेड्यूल जांच/2017/457–460 और नीपा डायरी सं. 96320, दिनांक 4/4/18 और 5/4/18. स्कूली शिक्षा निदेशालय, दिल्ली

दिये गये व्याख्यान

शैक्षिक प्रबंधन पर आईडेपा में व्याख्यान, 6 और 27 फरवरी, 2019

शाला सिद्धि पर राष्ट्रीय सलाहकार बैठक में सत्र की अध्यक्षता; 14 फरवरी, 2019

3 जनवरी 2019 को नीपा में शैक्षिक प्रशासन में नवाचारों पर राष्ट्रीय सम्मेलन में सत्र की अध्यक्षता की, सं. 02/ईएडी/एनएआईईए–सम्मेलन/2018 दिनांक 24/12/2018, नीपा

विश्वविद्यालय प्रशासकों के लिए उच्च शिक्षा में नेतृत्व विकास पर कार्यशाला।

रिपोर्टर और ग्रुप वर्क फैसिलिटेटरः सं. फाइल 34/2018/एजुकेशन फाइनेंस/एमके दिनांक 2 जनवरी, 2019, 7–8 जनवरी, 2019

22–24 जनवरी, 2019 को नेशनल कांफ्रेंस ऑन लीडरशिप पाथवेज़ में सत्र की अध्यक्ष की; फाइल सं. 51/एनसीएसएल/ नीपा दिनांक 21 जनवरी, 2019

डाइट संकाय 17–22 दिसम्बर, 2018 तक ''स्कूल प्रमुखों के लिए स्कूल नेतृत्व पर कार्यशाला' में अहिंसक और गैर–निर्णायक संचार पर सत्र, ईमेल दिनांक 12 दिसम्बर, 2018, 21 दिसम्बर, 2018, नीपा।

''शैक्षिक प्रबंधन'' पर पीजीडेपा में व्याख्यान, ईमेल दिनांक 22 अक्टूबर, 2018 से 1 नवम्बर, 2018 नीपा

''विशिष्ट बच्चों'' की शिक्षा पर पीजीडेपा में व्याख्यान, ईमेल दिनांक 22 अक्टूबर, 2018 से 5 नवम्बर, 2018 नीपा

28 अगस्त, 2018 को नीपा में ''स्कूलों में समावेशी शिक्षा'' पर मुस्लिम अल्पसंख्यक द्वारा प्रबंधित वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों के लिए संस्थागत आयोजना संबंधित वार्षिक कार्यक्रम, फाइल सं. 08/डीओटीसीबीई/एसएम/2018–19, दिनांक 23 अगस्त, 2018, नीपा

9–13 जूलाई, 2018 शैक्षणिक प्रशासन विभाग में ''शैक्षणिक शासन में नेतृत्व विषय पर परिबोधन कार्यक्रम में ''सीडब्ल्यूएसएन और सामाजिक समावेशन पर सत्र।

18 जूलाई, 2018 को ''शिक्षा नीति की संकल्पना तैयार करना और अन्तर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में समावेशी शिक्षा के संदर्भ में स्कूल का कार्यनिष्पादन'' विषय शैक्षिक प्रशासकों के लिए तीसरा अन्तर्राष्ट्रीय कार्यक्रम (आईपीईए) पर व्याख्यान।

रूपांतरिक अध्यापक शिक्षा, 3 दिसम्बर से 22 दिसम्बर 2018 तक अध्यापक शिक्षा में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग–मानव संसाधन विकास केन्द्र, जामिया मिलिया इस्लामिया, ईमेल दिनांक 11 दिसम्बर, 2018 और 14 दिसंबर, 2018

अनुसंधान के लिए पर्यवेक्षक

पीएच.डी. शोधार्थी संगीता डे के अध्ययन 'पालिसी अनालिसिस ऑफ मिड दे मील प्रोग्रामः फ्राम गवर्नमेंट्स पेर्स्पेक्टिव' के पर्यवेक्षक।

पीएच.डी. शोधार्थी दीपिन्दर सेखों के अध्ययन 'पॉलिसी एंड प्रैक्टिस फार सीडब्ल्यूएसएन' संख्या एफ 11–8/2014–15/एए/सीएएस दिनांक 27 अगस्त, 2015 के पर्यवेक्षक।

पीएच.डी. शोधार्थी निवेदिता सहानी के 'अ स्टडी ऑन द कन्सैप्ट आफ डिसएबिलिटी इन इंडिया विद स्पेशल इम्फेसिस आन द असैसमेंट प्रोसजर ऑफ चिल्ड्रेन विद स्पेशल नीड्स' के पर्यवेक्षक।

पवार अमर मूर्ति के एम.फिल. शोध 'डिसेबिलिटी एज डायवरसिटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशनः ए स्टडी ऑफ द एक्सप्रीयेंसेज आफ स्टूडेंट विद डिसेबिलिटी इन एकेडमिक एंड सोशियल स्फेर'' के पर्यवेक्षक।

सुश्री पत्रीसी चैले जाम्बिया के 'द इन्फ्लूएंस आफ गाइडेंस एंड काउंसलिंग आन स्टूडेंट डिसिप्लेन इन सलैक्टेड प्राइमरी स्कूल इन लुसाका डिस्ट्रिक्ट'' आईडेपा परियोजना कार्य का पर्यवेक्षण इमेल दिनांक 6 मार्च।

देशभर के स्कूलों में अंग्रेजी भाषा में छात्रों के खराब प्रदर्शन से जुड़े कारकों की समीक्षा; शैक्षिक योजना और प्रशासन में 34वां अन्तर्राष्ट्रीय डिप्लोमा, के.ए.सी.ए. पेरेरा।

डा. पूजन सरकार, पश्चिम बंगाल के 'टैक्निकल एंड वोकेशनल एजुकेशन पॉलिसी – अ कम्पेरेटिव अनालिसिस इन स्लैक्टेउ कन्ट्री आफ एशिया– पैसिफिक रीजन' पीजीडेपा कार्य का पर्यवेक्षण।

2018–19 के दौरान विभाग की अन्य गतिविधियों से संबंधित जानकारी

सदस्य, बीओएस, नीपा, ईमेल दिनांक 1 मार्च, 2019

सदस्य, एसी, नीपा, एफ.नीपा/एडमिन/आरओ/एसी/052/2018–19 दिनांक फरवरी, 2018

सदस्य, प्रबंधन बोर्ड, नीपा, एफ.न्यूपा/एडमिन/आरओ/बीओएम/053/2018–19 दिनांक 18 फरवरी, 2019

सदस्य, आईक्यूएसी समितिः

परामर्श और संसाधन जुटाने पर नीति

विश्वविद्यालय के नियमों/उपनियमों की हस्तपुस्तिका

नीपा में इंटर्नशिप के बारे में नीति बनाने के लिए समिति, सं. 02/नीपा/स्टीर कॉम/2017–18 दिनांक 11 मार्च

विभागीय सलाहकार समिति की बैठक; 18 फरवरी, 2019

कनिष्क सलाहकार पद के लिए चयन समिति के सदस्य, फा.सं. 14–3/2016–अकेड, 11 जनवरी, 2019; नीपा

मैसर्स यादव टूरिस्ट सर्विस की सेवाओं की समीक्षा करने के लिए समिति के सदस्य, फा.सं. 13–6/2017–18 जीए दिनांक 10 दिसम्बर, 2018, को 12 दिसम्बर, 2018, नीपा

मैसर्स फूड पाकीजा की सेवाओं की समीक्षा करने के लिए समिति के सदस्य, फा.सं. 42–2/2010–11– जीए, को 10 दिसंबर, 2018, नीपा

रूपांतरिक अध्यापक शिक्षा, 3 दिसंबर से 22 दिसंबर, 2018 तक अध्यापक शिक्षा में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग–मानव संसाधन विकास केंद्र, जामिया मिलिया इस्लामिया; ईमेल दिनांक 11 दिसंबर, 2018 को 14 दिसंबर, 2018

मनीषा प्रियम

प्रकाशन

पुस्तक में अध्याय

''मिसिंग वूमन लीडरशिप इन इंडियन हायर एजुकेशनः ब्रोकन पाइपलाइन और फील्ड ऑफ पावर'' शमीका रवि एडिटेड *अ कम्पेंडियम आफ कंटमपोरेरी एस्से आन जेंडर इनेक्वेलिटी*, ब्रूकिंग्स इंडिया

समाचार पत्र

2 फरवरी, 2019: इंटरपर्टेनिंग द बजट 2019: पालिटिक्स हैज ओवरहैल्मड द रेशनलिटी आफ इकोनोमिक्स'', डेलीओ (ऑनलाइन) https://www.dailyo.in/politics/budget-2019-politics-economics-farmers-narendra-modi/story/1/29250.html

शिक्षण

अनुसंधान क्रियाविधि

मानवाधिकार, लोकतंत्र और शिक्षा

व्याख्यान दिये

''भारत में मध्याह्न भोजन योजना'', यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, 28 मार्च, 2018।

''बिहार में मंडल राजनीति'', पुस्तक चर्चा, विकासशील समाजों का अध्ययन केंद्र, भारत अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली 16 अप्रैल, 2018

''लोकतंत्र का भविष्य'' प्रगतिशील परिषद, लखनऊ, 28 अप्रैल, 2018

''अनपैकिंग द रिजल्ट आफ द कर्नाटक इलैक्शन'', नीति अनुसंधान केन्द्र, त्रिवेदी सेंटर फॉर पॉलिटिकल डेटा, नई दिल्ली, 28 मई, 2018

''भारतीय उच्च शिक्षा में शिक्षक मुद्दे, विषय पर बिहार आर्थिक संघ का 19वां वार्षिक सम्मेलन, गया, 22 जून, 2018

''सभी बाधाओं के विरूद्धः दंतेवाड़ा में स्कूली शिक्षा का केस अध्ययन'' प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता, 20 जुलाई, 2018

''21वीं सदी के कौशल और आधुनिक शिक्षा का उपयोग'', प्रिंसिपल सम्मेलन, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, कोलकाता, 20 जुलाई, 2018

''उच्च शिक्षा और अधिगम आधारित परिणाम'', अधिगम आधारित परिणाम पर संगोष्ठी, सेल्फ फाइनेंसिंग आर्ट्स एसोसिएशन, साइंस एंड मैनेजमेंट कालेज तमिलनाडु, 28 जुलाई, 2018

''एचईसीआई और उच्च शिक्षाः गुणवत्ता पर लुप्त दृष्टि और सीधा प्रवचन'', जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय शिक्षक संघ, 4 अगस्त, 2018

''समग्र शिक्षा अभियानः कैसे मौलिक नीति ने भारत की शिक्षा को आकार दिया है'', सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च, नई दिल्ली, 14 सितंबर, 2018

18 सितम्बर, 2018: ''भारत में उच्चतर शिक्षा की चुनौतियाँ'', संसदीय अनुसंधान अध्ययन (पीआरएस) विधायी शोध, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनेंस एण्ड पॉलिसी (एनआईपीएफपी) द्वारा ''भारत में रोजगार सृजन के बारे में राज्य विधान मंडल के सदस्यों के साथ कार्यशाला''।

28 अक्टूबर, 2018 को इंडिया फाउंडेशन, 5वां इंडिया आइडियाज कॉन्क्लेव में ''जवाबदेही के लिए राजनीति की कार्य सूची''

14 नवम्बर, 2018 ''शिक्षा नीति सुधार'', अध्यापक शिक्षा में दूसरा पुनश्चर्या पाठ्यक्रमः विश्वविद्यालय अनुदान आयोग–मानव संसाधन विकास केंन्द्र, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय।

19 नवम्बर, 2018: ''विश्वविद्यालयों में उत्कृष्टता की संस्कृति को बढ़ावा देनाः रैंकिंग और न्यूनतम मानक निर्धारण की भूमिका, ओ.पी. जिन्दल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, हरियाणा

5 दिसम्बर, 2018: ''स्मॉल *'इन'साइट* इन द मेकिंग ऑफ ए बिग फेनोमेनेनः मेथोडोलॉजिकल रिफ्लैक्शंस फ्रॉम अन्डरस्टैंडिंग स्टेट इलैक्शंस इन इंडिया'', *नृवंशविज्ञान और राजनीतिक जीवन* पर कार्यशाला, साउथ एशिया युनिवर्सिटी (एसएयू) और युनिवर्सिटी ऑफ शिकागो, एसएयू कैम्पस, नई दिल्ली।

18 दिसम्बर, 2018 ''डिबेटिंग पोस्ट ट्रूथ फेनोमेननः लिटरेचर, कल्चर एंड क्रिटिकल डिस्कोर्स।

2 जनवरी, 2019: ''शैक्षणिक स्वतंत्रता के लिए नए खतरे'' संगोष्ठी में एजुकेशनः एलुमिनेटिंग मायरिड फेसेट्स, डिफिकल्ट डॉयलॉग, 31 जनवरी से 2 फरवरी ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, गोवा विश्वविद्यालय और अन्तर्राष्ट्रीय केन्द्र गोवा

18 जनवरी, 2019: बचपन में हिंसा पर कार्यशाला, सेंट टेरेसा कोच्चि, केरल

9 फरवरी, 2019 ''चुनाव 2019 की उल्टी गिनती'' द हड्डल, द हिन्दू न्यूजपेपर्स अनुअल कन्क्लेव, आईटीसी गार्डेनिया, बंगलौर

1 मार्च 2019: ''स्मॉल इनसाइट्स इन द मेकिंग ऑफ अ बिग फेनोमेननः कम्पेरेटिव इलैक्टोरल एथ्नोग्राफी ऐज अ मेथ्ड फॉर अन्डरस्टैंडिंग इन्डिया इलेक्शन्स'' ''इलैक्टोरल डायनामिक्स एण्ड कन्टूर्स ऑफ पार्टी सिस्टम'' रन अप टू 2019'' पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, राजनीति शास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय

8 मार्च, 2019: वैश्वीकरण और शिक्षा नीति के बदलाव'', वैश्विक शिक्षा में 5वां पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, यूजीसी–मानव संसाधन विकास केन्द्र, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय।

एस.के. मलिक

अनुसंधान पूर्ण और जारी

पूर्ण

मदरसों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने की योजना के कार्यान्वयन का मूल्यांकन (एसपीक्यूईएम) (प्रो. ए.के सिंह, डॉ. मंजू नरूला, डॉ. एस.के मलिक और डॉ. नरेश कुमार)।

जारी

ओडिशा में माध्यमिक स्तर पर अनुसूचित जाति के बच्चों के बीच छात्रवृत्ति योजना और शैक्षिक गतिशीलता का अध्ययन।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में सहभागिता

राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय

नीपा, नई दिल्ली में 'अर्बन मार्जिनलिटी, सोशल पॉलिसी, एंड एजुकेशन इन इंडिया' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भागीदारी (28–29 मार्च, 2019)।

गुणवत्ता शिक्षा देने के लिए दिल्ली कमीशन फार प्रोटैक्शन ऑफ चाइल्ड राइट्स, एनसीटी दिल्ली द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भागीदारी 29 जुलाई, 2018।

पूर्वोत्तर भारत में छठी अनुसूची और जनजातीय स्वायत्तता के 68 वर्ष पर चर्चा, असम युनिवर्सिटी, डिफू कैम्पस द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय सेमीनार में पत्र प्रस्तुत 16–17 नवंबर, 2018

कार्यशाला/सम्मेलन/ प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

'पूर्वोत्तर राज्यों में प्राथमिक शिक्षा के प्रबंधन में संविधान की छठी अनुसूची के तहत स्थानीय प्राधिकरण और स्वायत्त परिषदों का कार्य' पर अभिविन्यास कार्यक्रम (होटल इम्फाल द क्लासिकः 10–14 सितंबर, 2018)।

रिपोर्ट अवधि में प्रशिक्षण सामग्री का निर्माण/संचालन

परियोजना कार्य के लिए ग्रंथ सूची/संदर्भ कैसे तैयार करें?

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

शैक्षिक योजना और प्रशासन जर्नल (नीपा जर्नल) में संपादकीय सहायता

एम.फिल. मार्गदर्शन

सुश्री वदना तिवारीः स्टेकहोल्डस अंडरस्टैंडिंग ऑफ पॉलिसी ईंटेंटः ए स्टडी ऑफ सेक्शन 12 (1) सी ऑफ राइट टू एजुकेशन एक्ट (2009) इन सेलेक्टेड प्राइवेट अनएडेड स्कूल्स ऑफ दिल्ली।

सुश्री काव्या चंद्राः कम्यूनिटी पार्टीसीपेशन एंड एकौंट्बिलिटीः ए केस ऑफ स्कूल मैनेजमेंट कमेटी इन स्कूल ऑफ न्यू दिल्ली

पाठ्यक्रम प्रभारीः संगोष्ठी प्रतिभागी

1 पीजीडेपा

2 आईडेपा

निर्देशित आईडेपा प्रतिभागी –1

निर्देशित पीजीडेपा प्रतिभागी –1

एम.फिल./पीएच.डी. प्रवेश के लिए समीक्षा समिति के सदस्य

नीपा से बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

सदस्य, शैक्षिक योजना और प्रशासन संघ

नरेश कुमार

प्रकाशन

पुस्तक समीक्षा

विद्या राजीव येरावडेकर एंड गौरी तिवारी, इंटरनेशनलाइजेशन आफ हायर एजुकेशन इन इंडिया, नई दिल्लीः सेज प्रकाशन, 2017–*सोशियोलॉजीकल बुलेटिन*, वाल्यूम 67, सं. 3, दिसंबर 2018ः 376–378

पुस्तक में अध्याय

कुमार नरेश (2018) 'इनोवेशन इन टीचिंग–लर्निंगः द रोल ऑफ आईसीटी एंड रिसर्च'. शीबा जोसेफ एंड निलोफर कदीर (संपा.): *द क्वालिटी आफ हायर एजुकेशन इन इंडियाः रोड अहैड* (पीपी. 56–58). भोपाल स्कूल ऑफ सोशियल साइंसेज।

अनुसंधान पूर्ण/जारी

पूर्ण

मदरसों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने की योजना के कार्यान्वयन और मूल्यांकन (एसपीक्यूईएम) संयुक्त परियोजना (प्रो. ए.के. सिंह, डा. मंजू नरूला, डा. एस.के. मलिक एंड डा. नरेश कुमार)

जारी

समानता का पुनरीक्षणः नीति परिप्रेक्ष्य और सामाजिक धारणाएं (डा. नरेश कुमार)

प्रतिवेदनाधीन अवधि में संगोष्ठियों/सम्मेलनों में सहभागिता

10 अप्रैल, 2018, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, अ.भा.त.शि.प. सभागार, नई दिल्ली द्वारा ''सोशल मीडिया'' पर आयोजित कार्यशाला।

9 अप्रैल, 2018, मानव संसाधन विकास केन्द्र, जेएनयू (26 मार्च से 20 अप्रैल, 2018 तक) द्वारा आयोजित अध्यापक शिक्षकों के लिए पहले पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में ''शिक्षण, शिक्षक व्यावसायिकता और अधिगम'' के बारे में व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित।

13 जुलाई, 2018 को एनआईओएस, एनसीआर, नई दिल्ली में ''सोशल ग्रुप'' पर समाजशास्त्र में विडियो कार्यक्रम निर्माण के लिए विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।

19 जुलाई, 2018 को एनआईओएस, एनसीआर, नई दिल्ली में 'प्रतिमान और मूल्य' पर समाजशास्त्र में वीडियो प्रोग्राम के निर्माण के लिए विशेषक के रूप में आमंत्रित किया गया।

7 अगस्त, 2018 को ''स्कूल के प्राचार्यों के लिए *शोध क्षमता निर्माण*'' पर हुए कार्यशाला में ''गुणात्मक शोध पद्धति'' पर व्याख्यान देने के लिए विशेषक के रूप में आमंत्रित किया गया। यह आयोजन एसआईईएमएटी, जयपुर में किया गया था।

27 से 31 अगस्त, 2018 को ''*प्लानिंग एण्ड डिजाइनिंग रिसर्च प्रोजेक्ट्स फॉर फैकल्टी ऑफ एससीईआरटी*'' विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला। इस कार्यशाला का आयोजन शैक्षिक योजना विभाग, नीपा, नई दिल्ली द्वारा गुवाहाटी मे किया गया।

10 से 11 सितम्बर, 2018 को गुवाहाटी में शैक्षिक योजना विभाग, नीपा, नई दिल्ली द्वारा ''*गुणात्मक शोध अभिकल्प*'' पर एससीईआरटी संकाय का प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण संबंधी कार्यशाला।

13 सितम्बर, 2018 को समाजशास्त्र विभाग, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ पंजाब, भटिंडा द्वारा ''*एपिस्टोमिक फाउंडेशन ऑफ सोशियोलॉजी*'' विषय पर सामाजिक विज्ञान में टीएलसी की राष्ट्रीय संगोष्ठी में आमंत्रित वक्ता।

28–29 दिसम्बर, 2018 को ''भारत में जनजातीय स्कूलों के लिए पुनर्विचार नीति नया स्वरूप और सुधारः परिप्रेक्ष्य और चुनौतियां'' विषय पर अभिभाषण के लिए भारत में जनजातीय आश्रम विद्यालयों की स्थितिः मुद्दे, चुनौतियां और भविष्य'' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमीनार में में वक्ता के रूप में आमंत्रित। इस राष्ट्रीय सेमीनार का आयोजन डिपार्टमेंट ऑफ सोशल वर्क, जेएमआई और भारती विद्यापीठ यूनिवर्सिटी, पुणे द्वारा किया गया।

25 सितम्बर, 2018 को एनआईओएस, एनसीआर, नई दिल्ली में ''सोशियलाइजेशन ऐज अ लर्निंग प्रोसेस'' पर समाजशास्त्र में वीडियो कार्यक्रम के निर्माण के लिए एक विशेषक के रूप में आमंत्रित किया गया।

27 नवम्बर, 2018 को एससीईआरटी, नई दिल्ली में आयोजित पीजीटी सोशिओलॉजी ट्रेनिंग वर्कशॉप में ''सोशियोलॉजिकल थिंकर्स'' पर वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।

28 नवम्बर, 2018 को पीजीटी सोशियोलोजी ट्रेनिंग वर्कशॉप में ''रिसर्च मेथड्स'' पर वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।

20 फरवरी, 2019 को सीआईई, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सीपीडीटी पर राष्ट्रीय बैठक में ''अध्यापकों का सतत व्यावसायिक विकास'' विषय पर वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।

मानव संसाधन विकास केन्द्र, जे.एन.यू., द्वारा ओजित वैश्विक अध्ययन (अंतःविषय) के 5वें पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में 7 मार्च, 2019 को ''नई संस्थागतवाद और वैश्वीकरणः निजी स्कूली शिक्षा पर विचार'' विषय पर चर्चा के लिए वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।

30 मार्च, 2019 को सामाजिक कार्य विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित ''स्किल लैब वर्कशॉप'' में 'नीति विश्लेषण' विषय पर आमंत्रित वक्ता।

कार्यशाला/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

शिक्षा में गुणात्मक अनुसंधान के तरीके– 17–28 दिसंबर, 2018

नीपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

i. कम्परेटिव एजुकेशन सोसायटी ऑफ इंडिया

ii. इंडियन सोशियोलॉजीकल सोसायटी

विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग

प्रणति पांडा

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाओं में भागीदारी

अंतरराष्ट्रीय

शिक्षा विभाग, लेडी इरविन कॉलेज, नई दिल्ली में आयोजित अधिगम – आईसीएल–2018 पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया, 28–30 सितंबर, 2018।

राष्ट्रीय

'शिक्षक मूल्यांकन' प्रकाशन विमोचन पर ब्रिटिश काउंसिल, में पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया, 23 जनवरी, 2018, नई दिल्ली।

शैक्षिक योजना और प्रशासन पर जिला और ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों के राज्य स्तरीय सम्मेलन 'में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया, शिव छत्रपति क्रीड़ा संकुल, म्हालूंगी– बालेवाड़ी, पुणे, महाराष्ट्र, 06–07 फरवरी, 2018।

14 मार्च, 2019, नीपा, नई दिल्ली में एनसीएसएल राष्ट्रीय सलाहकार समूह की बैठक (2018–19) में भाग लिया।

अनुसंधान अध्ययन और परियोजनाएं

भारत में शिक्षक शिक्षा के शासन, विनियमन और गुणवत्ता आश्वासन के अध्ययन पर परियोजना का समन्वय और प्रबंधन

प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशालाएं/सम्मेलन आयोजित

शिक्षक शिक्षा में शासन, विनियमन और गुणवत्ता आश्वासन विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, 15–16 मार्च, 2018, नीपा, नई दिल्ली।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित/संचालन

एम.फिल. और पीएच.डी. कार्यक्रम के लिए भारत में शिक्षा पर एक आधार पाठ्यक्रम (कोर कोर्स– 2) विकसित किया।

एम.फिल./पीएच.डी./आईडेपा अध्येताओं को मार्गदर्शन

'अ स्टडी आफ इंटरजनरेशनल मोबिलिटी इन एजुकेशन इन इंडिया' शीर्षक पर सुश्री शास्वती प्रमाणिक, पीएचडी अध्येता को मार्गदर्शन।

गवर्नेंस आफ सेकण्डरी टीचर एजुकेशन इन मल्टीपल साइट्स एंड लोकेशनः इम्प्लीकेशंस आन इंस्टीट्यूशनल परफारमेंस एंड आउटकम', विषय पर सुश्री ट्विंकल पांडा, एम.फिल. अध्येता को मार्गदर्शन।

मैपिंग द कॉन्टैक्स्ट फार इंटरनेशनल एजुकेशनः अ कम्परेटिव केस स्टडी आफ इंटरनेशनल स्कूल्स' शीर्षक विषय में सुश्री टीना ठाकुर, एम.फिल. अध्येता को मार्गदर्शन।

सार्वजनिक निकायों को परामर्श और अकादमिक सहायता

एनसीटीई को विस्तारित शैक्षणिक समर्थन 'शिक्षक शिक्षा विशरद हेतु रिफ्रेशर कोर्स के लिए दिशानिर्देश और शिक्षक शिक्षा विशरद के लिए रिफ्रेशर कोर्स (एमएड स्तर) (एनसीटीई और यूजीसी)।

शिक्षक शिक्षा में सुधार के लिए ओडिशा सरकार और एससीईआरटी, ओडिशा को विस्तारित शैक्षणिक सहायता।

बाहरी विशेषज्ञ के रूप में, शिक्षा में चयन समिति की बैठक में भाग लिया, पटना विश्वविद्यालय, 10 मार्च, 2018।

दिल्ली विश्वविद्यालय, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, उत्कल विश्वविद्यालय, उस्मानिया विश्वविद्यालय आदि के छह पीएचडी और एक एम.फिल. थीसिस के लिए बाहरी मूल्यांकनकर्ता और परीक्षक।

शिक्षक शिक्षा पर केंद्र प्रायोजित योजना के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय के शिक्षक शिक्षा अनुमोदन बोर्ड के सदस्य के रूप में शिक्षक शिक्षा पर विभिन्न राज्यों को विस्तारित शैक्षणिक समर्थन।

नीपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

सदस्य, पत्रिका सलाहकार बोर्ड, एनसीटीई

सदस्य, एससीईआरटी, के कार्यक्रम सलाहकार बोर्ड, नई दिल्ली

सदस्य, शिक्षक शिक्षा अनुमोदन बोर्ड, एमएचआरडी, नई दिल्ली

कार्यकारी बोर्ड के सदस्य, आरएमएसए (टीसीए)

कार्यकारी बोर्ड के सदस्य, शिक्षक शिक्षा में सुधार, यूनिसेफ और एससीईआरटी, पुणे

केईडीआई जर्नल ऑफ एजुकेशन पॉलिसी (केजेईपी) के अंतर्राष्ट्रीय संपादकीय बोर्ड के सदस्य

सदस्य, स्कूल प्रभावशीलता और सुधार पर अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस

सदस्य, इंडियन एसोसिएशन ऑफ टीचर एजुकेटर्स

संस्थापक सदस्य, शिक्षा में अंतर्राष्ट्रीय मंच (आईआरओआरई)

सदस्य, पूर्व छात्र संघ, केंद्रीय शिक्षा संस्थान, नई दिल्ली

आजीवन सदस्य, शैक्षिक अनुसंधान के लिए अखिल भारतीय संघ

मधुमिता बंद्योपाध्याय

प्रकाशन

पुस्तक में अध्याय

'भारत में माध्यमिक शिक्षा का सार्वभौमिकरणः वर्तमान स्थिति और भविष्य की चुनौतियाँ अजीत मंडल और मंजू नरूला द्वारा संपादित पुस्तक एजुकेशन इन इमरजिंग इंडिया में अध्याय। अटलांटिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रिब्यूटर्स, नई दिल्ली, 2018 आईएसबीएनः 9788126928590 पीपी. 414–456

लिंग, शैक्षिक अभाव और बहिष्करणः मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ का केस अध्ययन रत्ना एम. सुदर्शन और जंध्याला बी.जी. तिलक द्वारा संपादित पुस्तक जेंडर इन कंटमपोरेरी एजुकेशन रिसर्च में अध्याय। ग्यान पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 2018 आईएसबीएनः 9788121213622 पीपी. 141–167

प्रतिवेदनाधीन वर्ष के दौरान प्रकाशित शोध पत्र/आलेख

'भारत में विज्ञान शिक्षा में समानता और गुणवत्ता' एंट्रिप न्यूजलेटर ऑन साइंस एजुकेशन इन स्कूल्सः मेजर फोकस ऑन स्टेम, वॉल्यूम 24, सं. 2, जुलाई–दिसम्बर, 2018, नीपा, नई दिल्ली।

'भारत में बचपन की देखभाल और शिक्षा' एंट्रिप न्यूजलेटर ऑन अर्ली चाइल्डहुड केयर एण्ड एजुकेशनः प्रोग्रेस एण्ड चैलेंजेज, वॉल्यूम 24, सं. 1, जनवरी–जून, 2018, नीपा, नई दिल्ली।

प्रतिवेदनाधीन अवधि के दौरान संगोष्ठियों/सम्मेलनों में सहभागिता (राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

इंडियन इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में 14–15 जुलाई, 2018 को सामाजिक विकास परिषद, नई दिल्ली द्वारा ''माध्यमिक शिक्षा का सर्वाभौमिकरण'' विषय पर हुए राष्ट्रीय सेमीनार में ''माध्यमिक शिक्षा में शिक्षा का अधिकार अधिनियम का विस्तार और नीति आयोजन के लिए इसका प्रभाव'' पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

12–14 सितम्बर, 2018, यॉर्क युनिवर्सिटी, यू.के. में ''कम्पेरेटिव एजुकेशन एण्ड डेवलपमेंट अल्टरनेटिव्स क्रिएटिव्स, इनोवेशन्स एंड ट्रांजीशन्स'' विषय पर बीएआईसीई सम्मेलन में ''भारतीय संदर्भ में स्कूली शिक्षा में सामाजिक बहिष्करण'' के निवारण पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

7–8 मार्च, 2019 को एसएनएफई विभाग द्वारा नीपा, नई दिल्ली में ''बचपन की देखभाल और शिक्षा के लिए शासन और प्रबंधन'' पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में ''राजस्थान और हरियाणा के सन्द्रर्भ में ईसीसीई में पहुँच और समानता'' पर एक सत्र लिया।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान सार्वजनिक निकायों को परामर्श और अकादमिक सहायता

नीपा से बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

आजीवन सदस्य, भारत की तुलनात्मक शिक्षा समिति (सेसी)

दिल्ली के गैर सरकारी संगठन ASPIRE भारत, की सदस्यता

BAICE, यूके के सदस्य

कलकत्ता विश्वविद्यालय के शैक्षिक अनुसंधान के भारतीय जर्नल के सलाहकार बोर्ड के सदस्य

प्रतिवेदनाधीन वर्ष के दौरान प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित/संचालन

29–31 अक्टूबर, 2018, नीपा, नई दिल्ली में ''पार्टिसिपेटरी ऐक्शन रिसर्च फॉर इम्प्रूवमेंट ऑफ स्कूल पार्टिसिपेशन ऑफ चिल्ड्रेन ऐट द एलीमेंट्री लेवल इन इंडिया'' के लिए अनुवर्ती कार्यशाला के लिए पीपीटी के रूप में तैयार की गई प्रशिक्षण सामग्री।

29 अक्टूबर, 2018 को सहभागी कार्यवाही अनुसंधान परियोजनाः चल रहे अनुसंधान का अवलोकन पर प्रस्तुति।

क्षेत्र से अनुभवजन्य साक्ष्यों पर आधारित सत्रों की अध्यक्षता की।

26–30 नवम्बर, 2018, नीपा, नई दिल्ली में ''एक्सैस एंड पार्टिसिपेशन ऑफ चिल्ड्रेन इन एलिमेंट्री स्कूल्स इन एजुकेशनली बैकवर्ड एरिया इन इंडिया'' के लिए अनुवर्ती कार्यशाला के लिए पीपीटी के रूप में प्रशिक्षण सामग्री तैयार की गई।

26 नवम्बर, 2018 को ईबीबी के संदर्भ में भारत में प्राथमिक शिक्षा पर प्रस्तुति।

28 नवम्बर, 2018 को उपस्थिति और अधिगम की उपलब्धि परः विभिन्न शोधों के निष्कर्षों को साझा करने पर प्रस्तुति।

गुणात्मक अनुसंधान विधि पर एम.फिल. मुख्य पाठ्यक्रम नं. 5 में संशोधन

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

एन्ट्रीप के लिए नीपा के केन्द्र बिन्दु और एन्ट्रीप न्यूजलेटर के संपादक।

कोर्सवर्क (अनुसंधान पद्धति) पर एम.फिल. कक्षाओं में अध्यापन।

'भारत में प्राथमिक विद्यालयों में बच्चों की भागीदारी में सुधार के लिए सहभागी कार्रवाई अनुसंधान' पर जारी शोध परियोजना।

आरटीई अधिनियम–2009 के अनुसार सिपाहीजला जिला, त्रिपुरा के सरकारी स्कूलों में एसएमसी की भूमिका के संदर्भ में सामुदायिक भागीदारी पर ए अध्ययन के बारे में परियोजना के लिए पीजीडेपा भागीदार श्री देबब्रत चक्रवर्ती को मार्गदर्शन।

निर्देशित दो पीएचडी शोध (जारी)

ग्रामीण क्षेत्रों में लड़कियों की शिक्षा और अधिकारिताः पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले का एक अध्ययन

स्कूली शिक्षा में सामाजिक असमानताएँः दिल्ली में चयनित स्कूलों का एक अध्ययन

रस्मिता दास स्वैन

प्रकाशन

स्वैन रस्मिता दास (2018) 'अर्ली चाइल्डहुड केअर एंड एजुकेशन इन इंडियाः सक्सस एंड चैलेंजेज' एन्ट्रीप न्यूजलेटर वाल्यूम 24, सं.1, जनवरी–जून 2018

सेमीनार/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में भागीदारी

राष्ट्रीय मनोविज्ञान अकादमी की 28वीं कांग्रेस, 'समावेशी सोसायटी के निर्माण की ओर' दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली। संगोष्ठी आयोजनकर्त्ता प्रो. नीना कोहली और डॉ. रस्मिता दास स्वैन, नेतृत्व का वैयक्तिक और संगठनात्मक परिणाम कार्यकारी पुलिस का प्रात्याभिक नेतृत्व, प्रभावीपन और कार्य सन्तुष्टिः जम्मू और कश्मीर नेशनल एकेडमी ऑफ साइकोलोजी में अधीनस्थ परिप्रेक्ष्य। 19–21 दिसम्बर, 2018।

29–31 अक्टूबर, 2018, नीपा, नई दिल्ली में भारत के प्रारम्भिक विद्यालयों में बच्चों की भागीदारी में सुधार लाने संबंधी कार्यशाला में एक सत्र की अध्यक्षता की।

26–30 नवम्बर, 2018, नीपा, नई दिल्ली में भारत में शैक्षणिक रूप से पिछड़े प्रखण्डों में आरम्भिक विद्यालयों में बच्चों की भागीदारी पर कार्यशाला।

उच्चतर शिक्षा के संस्थागत सुशासन में अन्वेषण और उत्तम पद्धति के बारे में कार्यशाला, 26–28 नवम्बर, 2018, नीपा

दिसम्बर 2018 को नीपा में भारत में समावेशी शिक्षा, आरक्षण नीति और पिछड़े वर्ग पर राष्ट्रीय सेमिनार।

3–4 जनवरी, 2019 को प्रवासी भारतीय केन्द्र, नई दिल्ली में नीपा द्वारा आयोजित शैक्षणिक प्रशासन में अन्वेषण पर राष्ट्रीय सम्मेलन और पुरस्कार वितरण समारोह।

27 मार्च, 2019 को शासन, विनियम और गुणवत्ता आश्वासन के बारे में हैंडबुक बनाने के लिए अध्यापक शिक्षा पर कार्यशाला।

7–9 दिसंबर, 2019 को नीपा द्वारा प्राइड प्लाजा में आयोजित विश्वविद्यालय प्रशासकों के लिए उच्च शिक्षा में नेतृत्व विकास पर कार्यशाला में 8 जनवरी, 2019 को रिपोर्टर।

सम्मेलन/कार्यशाला/कार्यक्रम आयोजित

प्रारम्भिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) शासन और प्रबंधन पर राष्ट्रीय कार्यशाला, 7–8 मार्च, 2019

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित और निष्पादित

प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) शासन और प्रबंधन के लिए संकल्पना टिप्पणी।

प्रशिक्षण की गुणवत्ता में सुधार, दत्त निर्वचन और रिपोर्ट लेखन के लिए विभिन्न प्राथमिक एवं द्वितीयक स्रोतों से स्कूल कार्य निष्पादन मूल्यांकन के लिए नवीनतम आलेख प्रशिक्षण मॉड्यूल, पुस्तकें तथा आधुनिक संसाधन।

संसाधन व्यक्ति के रूप में शैक्षणिक कार्यक्रमों में आमंत्रित व्याख्यान

नीपा द्वारा सीएएलईएम के तहत आयोजित शैक्षिक प्रभावशीलता के लिए परिवर्तनकारी नेतृत्व लीप कार्यक्रम पर व्याख्यान, 10 फरवरी, 2019

सार्वजनिक निकायों को परामर्शकारी और अकादमिक सहायता

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

नीति कार्यान्वयन के लिए राज्य और संघ शासित क्षेत्र

विश्व बैंक

यूनिसेफ

योजना अनुमोदन बोर्ड बैठकें (पीएबी)

आईसीएसएसआर

यूजीसी

मनोविज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय और दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेज

जम्मू विश्वविद्यालय, राजस्थान विश्वविद्यालय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय

अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय प्रकाशकों के मनोविज्ञान की पाठ्य पुस्तकों की समीक्षा

विभिन्न विश्वविद्यालयों का दूरस्थ शिक्षा केंद्र

एन.जी.ओ.

जम्मू और कश्मीर पुलिस अकादमी के लिए विशेषज्ञ

प्रबंधन अध्ययन संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय

मनोवैज्ञानिक परीक्षण और मूल्यांकन सेवा केंद्र

नीपा के बाहर शैक्षणिक व्यावसायिक निकायों में सदस्यता

राष्ट्रीय मनोविज्ञान अकादमी, नई दिल्ली

इंडियन एसोसिएशन ऑफ एप्लाइड साइकोलॉजी, चेन्नई

तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी ऑफ इंडिया (सेसी), नई दिल्ली

ऑल इंडिया एसोसिएशन फॉर एजुकेशनल रिसर्च (एआईएईआर), भुवनेश्वर, ओडिशा

इंडियन स्कूल साइकोलॉजी एसोसिएशन

भारतीय विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन, कलकत्ता

इंडियन एसोसिएशन ऑफ पॉजिटिव साइकोलॉजी, नई दिल्ली

प्राची एसोसिएशन ऑफ क्रॉस–कल्चरल साइकोलॉजी, मेरठ

नेशनल एचआरडी नेटवर्क, हैदराबाद

इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रेनिंग एंड डेवलपमेंट, नई दिल्ली

स्पोर्ट्स साइकोलॉजी एसोसिएशन ऑफ इंडिया, पटियाला

एम.फिल./पीएच.डी. पाठ्यक्रम की समीक्षा में योगदान। (फरवरी 2018)

आजीवन सदस्य– एनएओपी, आईएएपी, सेसी, एआईएईआर

अन्य शैक्षणिक योगदान

1. एम.फिल. और पीएच.डी. अनुसंधान के पर्यवेक्षण

एम.फिल. और 2 पीएच.डी. शोधकर्त्ता

2. एम.फिल./पीएच.डी. कार्यक्रम में अध्यापन।

शिक्षा पर परिप्रेक्ष्य (सीसी–1) मनोवैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य

अनुसंधान पद्धति–I (सीसी–3)

अनुसंधान पद्धति–II (सीसी–5)

3. पीजीडेपा/आईडेपा परियोजना कार्य –1+1 का पर्यवेक्षण

4. पीजीडेपा/आईडेपा पाठ्यक्रम में अध्यापन

शैक्षिक प्रशासन पाठ्यक्रम

नीपा के विभिन्न शैक्षणिक निकायों के सदस्य के रूप में योगदान

संचालन समिति के सदस्य

छात्र परामर्श के सदस्य

नीपा की वार्षिक रिपोर्ट को एक वार्षिक विशेषता के रूप में संपादित करना

एम.फिल./पीएच.डी. प्रवेश परीक्षा और मूल्यांकन समिति के सदस्य

परियेजना कनिष्ठ सलाहकार अनुवीक्षण समिति 17 जून 2019

चयन समिति, परियोजना कनिष्ठ सलाहकार का साक्षात्कार, सितंबर, 2019

चयन समिति, परियोजना कनिष्ठ सलाहकार का साक्षात्कार 18 जुलाई 2019

परियोजना सलाहकार अनुवीक्षण समिति, 4 जुलाई, 2019

नीपा में आईएएस परिवीक्षाधीन अधिकारियों की एक अभिविन्यास का आयोजन किया 24 जुलाई, 2019

उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग

सुधांशु भूषण

अनुसंधान परियोजना / लेख / अध्याय

''फ्यूचर ऑफ हायर एजुकेशन लर्निंग एण्ड टीचिंग: इंडियन एण्ड ऑस्ट्रेलियन क्रॉस–कल्चरल कोलाबोरेशन''. पर 19 जून, 2018 को एक शोध रिपोर्ट प्रस्तुत की। यह भारत सरकार और ऑस्ट्रेलिया सरकार की एक सहयोगात्मक परियोजना है।

इंडियन एकेडमी ऑफ सोशल साइंसेज द्वारा प्रकाशित 'इंडियन यूनिवर्सिटी एजुकेशन सिस्टम' में ''फ्यूचर ऑफ हायर एजुकेशन फाइनेंसिंग'' पर एक अध्याय का योगदान दिया।

1 सितंबर, 2018 को ईपीडब्ल्यू में ''एचईसीआई अधिनियम 2018 भारत में उच्च शिक्षा की संरचनात्मक समस्याओं का समाधान करने में विफल रहा है'' पर आलेख प्रकाशित।

मा.सं.वि. मंत्रालय के अरपित कार्यक्रम के लिए शिक्षा नीति पर तैयार वीडियो व्याख्यान।

जीआईएएन कार्यक्रम की एक मूल्यांकन रिपोर्ट पूरी करके 20 दिसंबर, 2018 को मानव संसाधन विकास मंत्रालय को प्रस्तुत की गई।

व्याख्यान दिये

6 अप्रैल, 2018 को भोपाल में आयोजित पीएमएमएमएनएमटीटी पर दूसरी क्षेत्रीय कार्यशाला के लिए संसाधन व्यक्ति।

''भारत और बांग्लादेश में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान और सार्वजनिक नीति'' पर संपादित वाल्यूम के प्रकाशन के लिए 'रिसर्च एण्ड पॉलिसी कनैक्ट इन सोशल साइंस रिसर्च इन द नियो–लिबरल एज' पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

19 नवंबर 2018 को मिजोरम विश्वविद्यालय में ''उच्च शिक्षा संस्थानों का शासन और प्रभावी नेतृत्व के लिए रणनीति'' पर पूर्ण व्याख्यान दिया।

3 अप्रैल, 2018 को मानव संसाधन केन्द्र, जेएनयू में ''शिक्षक शिक्षा के लिए विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों की भूमिका'' विषय पर व्याख्यान दिया।

मगध विश्वविद्यालय, बोधगया में आर्थिक एसोसिएशन ऑफ बिहार के वार्षिक सम्मेलन में 20 मई, 2018 को अध्यक्षीय व्याख्यान दिया गया।

15 दिसंबर, 2018 को वीआईटी, वेल्लोर में भारतीय आर्थिक संघ के 101वें वार्षिक सम्मेलन में उच्च शिक्षा के मुद्दों और चुनौतियों पर एक पैनल चर्चा में व्याख्यान दिया।

30 जुलाई, 2018 को बी.एस. अब्दुर रहमान क्रिसेंट इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, चेन्नई में ''यूनिवर्सिटी एडमिनिस्ट्रेशन एंड मैनेजमेंट में इंटिग्रिटी एंड एथिक्स: द टास्क ऑफ टॉप मैनेजमेंट'' पर ''विश्वविद्यालय प्रशासन और प्रबंधन के लिए वैश्विक कुलपति प्रशिक्षण'' के लिए एक व्याख्यान दिया।

19 मई, 2018 को दिल्ली के गीतारतन इंटरनेशनल बिजनेस स्कूल में ''मैनेजिंग एटीट्यूड एंड बिहेवियर: इश्यूज एंड चौलेंजेज'' विषय पर व्याख्यान दिया।

31 मई, 2018 को "संकाय विकास केन्द्र (यू.जी.सी.–मानव संसाधन विकास केंद्र) (एचआरडीसी), गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर में उच्च शिक्षा के मुद्दों और चुनौतियों पर एक व्याख्यान दिया।

27 जुलाई, 2018 को कोयंबटूर में तमिलनाडु के एसोसिएशन ऑफ सेल्फ फाइनेंसिंग आर्ट्स, साइंस एंड मैनेजमेंट कॉलेजों की परिणाम आधारित शिक्षा पर व्याख्यान दिया।

29 जून, 2018 को इम्फाल कॉलेज, मणिपुर में ''स्वायत्तशासी कॉलेज – समस्याएं और संभावनाएं'' विषय पर समापन भाषण दिया।

5 जुलाई, 2018 को हैदराबाद के एमएएनयू में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता आश्वासन पर एक व्याख्यान दिया।

11 जुलाई, 2018 को नीपा में एचईसीआई अधिनियम के मसौदे पर एक विशेष परामर्शी बैठक आयोजित की गई

केरल राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद में 7 अगस्त, 2018 को एचईसीआई 2018 अधिनियम के मसौदे पर व्याख्यान दिया

एचआरडीसी, जेएनयू में 16 नवंबर, 2018 को ''ट्रांसफॉर्मिंग टीचर एजुकेशन के लिए विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों की भूमिका'' पर व्याख्यान दिया गया।

28 नवंबर, 2018 को प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में जेएनयूटीए सम्मेलन में ''भारत में सार्वजनिक वित्तपोषित उच्च शिक्षा के संकट'' विषय पर एक पैनल चर्चा में वक्ता के रूप में योगदान दिया।

समितियों के सदस्य

अध्यक्ष, एनआरसीई, पीएमएमएमएनएमटीटी की योजना।

मा.सं.वि. मंत्रालय में 16.04.2018 को सुबह 11.00 बजे राज्य निजी विश्वविद्यालयों के अधिनियमों का अध्ययन करने के लिए यूजीसी द्वारा गठित कार्यदल के सदस्य।

सामाजिक विज्ञान और विकास नीति के अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका के संपादकीय बोर्ड के सदस्य।

आईसीएआर में तकनीकी प्रस्तावों के मूल्यांकन के विशेषज्ञ सदस्य।

19वें बिहार आर्थिक संघ के सम्मेलन के अध्यक्ष।

यूजीसी द्वारा गठित पाठ्यक्रम रूपरेखा के आधार पर अधिगम के परिणामों की कोर विशेषज्ञ समिति के सदस्य।

शिक्षक और शिक्षण पर पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन की योजना की निगरानी समिति के सदस्य, एमएचआरडी

स्कूल ऑफ एजुकेशन के डॉक्टरल अनुसंधान समिति के सदस्य, इग्नू

यूजीसी द्वारा गठित शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम संबंधी समिति के सदस्य

अन्य

एनआरसीई, नीपा में विषयवार संसाधन निर्माण कार्यशालाओं का आयोजन किया।

अखिल भारतीय छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण के लिए ऑनलाइन सर्वेक्षण और फोकस समूह चर्चाओं की शुरुआत की

नीपा में (03–12 फरवरी, 2019) के दौरान और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में (14–19 फरवरी, 2019) के दौरान लीडरशिप फॉर एकेडमिशियन्स प्रोग्राम (लीप) का आयोजन।

24–25 जनवरी, 2019 के दौरान उच्च शिक्षा में नेतृत्व पर कुलपतियों के लिए कार्यक्रम का आयोजन

आरती श्रीवास्तव

प्रकाशन

जेम्स अर्वनिताकिस, सुधांशु भूषण, नयनतारा पोथेन और आरती श्रीवास्तव संपादक ''टीचिंग एण्ड लर्निंग इन हायर एजुकेशन इन इंडियन एंड ऑस्ट्रेलिया'', 2019; रूटलेज, आईएसबीएनः 9780367275228

श्रीवास्तव, आरती और जोन एम. लिंड. (2019). 'वुमेन इन हायर एजुकेशन रिसर्च'; जेम्स अर्वनिताकिस, सुधांशु भूषण, नयनतारा पोथेन और आरती श्रीवास्तव संपादक ''टीचिंग एण्ड लर्निंग इन हायर एजुकेशन इन इंडिया एंड ऑस्ट्रेलिया'', 2019; रूटलेज, आईएसबीएनः 9780367275228

श्रीवास्तव, आरती. (2017). 'फाइनेंसिंग एंड क्वालिटीः द रीशेपिंग ऑफ हायर एजुकेशन', एन.वी. वर्गीज, अनुपम पचौरी तथा सायंतन मण्डल संपादक, इंडियन हायर एजुकेशन रिपोर्ट 2017; सेज आईएसबीएनः 9789352807161।

पुस्तक समीक्षाः मर्जर इन हायर एजुकेशनः प्रैक्टिसेज एंड पॉलिसीज, लियोन क्रेमोनिनी, सईद पैवन्दी, के.एम. जोशी; जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन (जेपा); वाल्यूम 32(4); अक्टूबर, 2018 आईएसएसएनः 09713859

संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशालाओं में भागीदारी

6 अप्रैल, 2018 को नीपा में एजुकेशनल मैनेजमेंट फॉर म्यांमार एजुकेशनल ऐडमिनिस्ट्रेटर्स ऑन हायर एजुकेशन इन इंडिया गोइंग ग्लोबलः सम रिफ्लैक्शन के भागीदारों के लिए विशेष व्याख्यान।

13 अप्रैल, 2018 को आईआईएसईआर, पुणे में पीएमएमएमएनएमटीटी की तीसरी क्षेत्रीय कार्यशाला (पश्चिमी क्षेत्र) में संसाधन व्यक्ति।

20 अप्रैल, 2018 को आईआईटी, खड़गपुर में पीएमएमएमएनएमटीटी की चौथी क्षेत्रीय कार्यशाला (पूर्वी क्षेत्र) में संसाधन व्यक्ति।

26 अप्रैल, 2018 को पीएमएमएमएनएमटीटी की पांचवी क्षेत्रीय कार्यशाला (पूर्वी क्षेत्र) में संसाधन व्यक्ति।

28–29 अप्रैल, 2018 को बच्चों का साहित्य महोत्सव, अन्तर्राष्ट्रीय योजना, के समापन सत्र में संसाधन व्यक्ति।

2–3 मई, 2018 को बनस्थली के संकाय विकास कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति।

14 मई, 2018 को आईआईटीडीएम, कांचीपुरम में प्रस्तावना कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति, कांचीपुरम

1 जून, 2018 को छोटू राम युनिवर्सिटी में राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद, हरियाणा के लिए संसाधन व्यक्ति

20 जून, 2018 को फिक्की द्वारा बंगलादेश उच्चायोग की साझेदारी से बंगलादेश ग्रेजुएशन फ्रॉम एलडीसीः न्यू फ्रंटियर्स एण्ड हॉरिजोन्स फॉर इंडिया–बंगलादेश इकोनामिक एन्गेजमेंट पर आयोजित नीति–संवाद में भागीदारी

नई तालीम कार्यक्रम हैदराबाद के लिए संसाधन व्यक्ति, 5–6 जुलाई, 2018, हैदराबाद

11 जुलाई, 2018 को उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग, नीपा द्वारा एचईसीआई बैठक का आयोजन।

12 जुलाई, 2018 को नीपा में स्टैनोग्राफर (ग्रेड 3) विभागीय समिति की बैठक के सदस्य।

18 जुलाई, 2018 को विदेश सेवा संस्थान, संसाधन व्यक्ति। (गाम्बिया)

24 जुलाई, 2018 को लैंगिक पर मानव संसाधन विकास केन्द्र, जामिया की प्रस्तुति

29 जुलाई, 2018 दिल्ली स्कूल प्रोग्राम में संसाधन व्यक्ति, (पीआईएनडीआईसीएस)

9 अगस्त, 2018 को विदेशी सेवा संस्थान में संसाधन व्यक्ति। (नाइजीरिया)

यूएनएसडब्ल्यू इंडिया सेंटर और ओ.पी. जिन्दल ग्लोबल युनिवर्सिटी सोनीपत द्वारा 303 एलीगैंस टावर, जसोला विहार, नई दिल्ली–110025 में 9 अगस्त को ''एक न्यायसंगत समाज के निर्माण में शिक्षा की भूमिका'' विषय पर सह–आयोजित अन्तःक्रियात्मक सत्र में भाग लिया।

11 सितंबर, 2018 को एमजी अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय वर्धा में पाठ्यक्रम की समीक्षा के लिए संसाधन व्यक्ति।

आचार्य नरेंद्र देव कॉलेज कॉन्क्लेव में संसाधन व्यक्ति– 2 नवंबर, 2018

अभिलिखित व्याख्यान, खालासा कॉलेज और अनुशासन विशिष्ट एनआरसी, मिजोरम विश्वविद्यालय, के लिए लिखा गया, 24 अक्टूबर, 2018

भटिंडा टीएलसी, में 12 नवंबर, 2018 को मुख्य भाषण दिया।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, लीप और अरपित के शुभारम्भ में भाग लिया– 13 नवंबर, 2018।

एएजे–जेएनयू वूमन कॉन्क्लेव में पैनलिस्ट, 24 नवंबर, 2018

गिरी इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज, लखनऊ में 26 नवंबर, 2018 को संसाधन व्यक्ति।

जामिया एफडीपी में संसाधन व्यक्ति, 4 दिसंबर, 2018।

जेएनयू पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में मूल्यांकनकर्त्ता, 5 दिसंबर, 2018

एफडीपीपंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, में संसाधन व्यक्ति, 17 दिसंबर, 2018।

20 दिसंबर, 2018 को एनआईपीएफपी, नई दिल्ली में बच्चों के अधिकारों की प्राप्ति के लिए बेहतर निवेश की ओर भारत में बाल बजट पर राष्ट्रीय परामर्श में भाग लिया।

गुणात्मक अनुसंधान विधियों पर मुख्य सत्र के लिए अध्यक्ष, 28.12.2018, नीपा।

8 मार्च, 2019, को नीपा द्वारा आयोजित बचपन की देखभाल पर सत्र के लिए अध्यक्ष।

8 मार्च, 2019 को डेलनेट में आयोजित डिजिटल शक्ति पर विशेष महिला दिवस कार्यक्रम में भाग लिया

भाषाई अधिकारिता प्रकोष्ठ के दो दिवसीय कार्यक्रम में भाग लिया, 15–16 मार्च, 2019, जेएनयू

जामिया मिल्लिया इस्लामिया लीप कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति, 19 मार्च, 2019

शोधपत्र प्रस्तुति

25 जुलाई, 2018 को नेहरू मेमोरियल म्यूजियम में ''इस्टिट्यूशनल बायोग्राफीज ऑफ द सेन्टेनेरियन कॉलेजेजः द अनटोल्ड स्टोरीज इन इंडिया'' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

विभागीय/एनआरसीई कार्यक्रमों का आयोजन

24 मई, 2018 को नीपा में नेशनल रिसोर्स सेंटर फॉर एजुकेशन (एनआरसीई) की कार्यशाला से पूर्व की तैयारी के निमित्त कार्यक्रम का आयोजन किया।

6–8 जून, 2018 को उच्चतम शिक्षा में अध्यापकों के लिए विषय–वार संसाधनों की पहचान पर हुई एनआरसीई कार्यशाला

11–13 जून, 2018 को उच्चतम शिक्षा में अध्यापकों के लिए अनुसंधान क्रियाविधि संसाधनों की पहचान पर हुई एनआरसीई कार्यशाला

18–20 जून, 2018 को उच्चतम शिक्षा में अध्यापकों के लिए शिक्षण अधिगम संसाधनों की पहचान पर हुई एनआरसीई कार्यशाला

दिल्ली विश्वविद्यालय से प्रशिक्षु समन्वयन, जून–जुलाई, 2018

11 जुलाई, 2018 को उच्च एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग, नीपा द्वारा बुलाई गयी एचईसीआई बैठक के सह–संयोजक।

जीवन विज्ञान संसाधनों पर एनआरसीई के दूसरे स्तर की कार्यशाला 6–7 दिसम्बर, 2018

कुलपतियों के लिए उच्च शिक्षा में नेतृत्व विकास पर कार्यशाला, 24–25 जनवरी, 2019, नई दिल्ली।

शैक्षणिक नेतृत्व विकास कार्यक्रम (लीप के तहत) 3–19 फरवरी, 2019 डेलनेट, नई दिल्ली और एग्रोव रिट्रीट, यूनिवर्सिटी ऑफ ऑक्सफोर्ड।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित/संचालित

एम.फिल/पीएच.डी. के लिए पाठ्यक्रम का संचालन

अनिवार्य पाठ्यक्रम (सीसी–2): भारत में शिक्षा

वैकल्पिक पाठ्यक्रम (ओसी–1): उच्च शिक्षाः मुद्दे और परिप्रेक्ष्य

सार्वजनिक निकायों को परामर्श और अकादमिक सहायता

नेशनल रिसोर्स सेंटर फॉर एजुकेशन, नीपा के समन्वयक

एम.फिल./पीएच.डी. के लिए प्रवेश परीक्षा समिति (नीपा)।

एम.फिल./पीएच.डी. के लिए मूल्यांकन समिति (नीपा)।

नीपा में विभाग पदोन्नति समिति के सदस्य

एनएएसी की नीपा कोर समिति के सदस्य

यूजीसी दौरा के लिए नीपा कोर समिति के सदस्य (6–7 सितंबर 2018)

नीपा एनएएसी कोर समिति के सदस्य

एनआरसीई समन्वयक

कुलपति बैठक समन्वयक

लीप समन्वयक

समाजिक चिंतन पुस्तक के समीक्षा संपादक

18 जुलाई, 2018 को प्रिया व्यास द्वारा भेजी गई स्प्रिंगर के लिए पुस्तक प्रस्ताव समीक्षक

संपादकीय सलाहकार बोर्ड के सदस्यः तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रम में लैंगिक मुद्देः वीवी गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान। (ईमेलः डा. शशि बाला, एनएलआई)

स्टेनोग्राफर की विभाग समिति की बैठक के सदस्य (ग्रेड 3)

नीपा खरीद समिति के सह–सदस्य

25 अगस्त, 2018 से उदयपुर के जेआरएनआर विद्यापीठ में विजिटिंग प्रोफेसर

नीपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

निम्नलिखित निकायों के आजीवन सदस्य

एसोसिएशन ऑफ एडल्ट एजुकेशन, आईटीओ, नई दिल्ली (1999)

भारतीय ज्ञानपीठ परिवार, नई दिल्ली (1999)

भारतीय आर्थिक संघ (2004)

श्रम अर्थशास्त्र का भारतीय समाज (1998)

नेशनल बुक ट्रस्ट (1998)

यूपी भारत स्काउट और गाइड (2003)

थियोसोफिकल सोसायटी, वाराणसी (2004)

सेसी, नई दिल्ली (2010)

अखिल भारतीय शैक्षिक अनुसंधान संघ (2009)

इंडियन एसोसिएशन ऑफ टीचर एजुकेशन (2015)

भारतीय सामाजिक विज्ञान अकादमी (2016)

अन्य सूचना

पीएचडी पर्यवेक्षण

अ. पीएच.डी. – अनुनीता मित्रा

ब. पीएचडी – अपराजिता गनतायत

पीजीडेपा पर्यवेक्षणरू अंजू तिन्ना, राजस्थान

आईडेपाः नान्योंगा फ्लोरेंस

नीरू स्नेही

प्रकाशन

शोध पत्र/आलेख/टिप्पणियाँ

'टीचिंग लर्निंग इन कॉलेजेज–ए पर्सपैक्टिव, जामिया जर्नल ऑफ एजुकेशन, वाल्यूम 5, नंबर 1, अक्टूबर 2018, आईएसएसएन–2348–3490

कार्यशाला/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजित

उच्च शिक्षा में नेतृत्व 'पर समन्वित कार्यशाला, 7–11 जनवरी 2019, नीपा, नई दिल्ली।

'उच्च शिक्षा में संकाय विकास' पर समन्वित कार्यशाला, 14–16 जनवरी 2019, नीपा, नई दिल्ली।

उच्च शिक्षा विभाग की समन्वित सलाहकार समिति फरवरी 2018, फरवरी 2019

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय कार्यशालाओं/सेमिनारों में भागीदारी

अप्रैल 2018 के दौरान नीपा द्वारा आयोजित म्यांमार के शैक्षिक प्रशासकों के लिए शैक्षिक प्रबंधन में अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम (आईपीईएम) के दौरान ''उच्च शिक्षा में संकाय विकास नीतियाँ'' पर भागीदारी और प्रस्तुति।

14–16 दिसंबर, 2018, को तुलनात्मक शिक्षा सोसाइटी ऑफ इंडिया (सेसी) वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, में एम. एस. यूनिवर्सिटी, बड़ौदा में 'ट्रांसफॉर्मिंग इंडियन हायर एजुकेशन फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट' विषय पर भाागीदारी और पत्र प्रस्तुत किया।

भारत के प्राथमिक विद्यालयों में बच्चों की भागीदारी में सुधार पर कार्यशाला में 30 अक्टूबर, 2018 के दौरान नीपा में आयोजित 'हरियाणा के स्कूलों की राज्य प्रस्तुति' में भाग लिया और सत्र की अध्यक्षता की 29–31 अक्टूबर, 2018।

26–30 नवंबर, 2018 के दौरान भारत में शैक्षिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों में बच्चों की पहुंच और भागीदारी पर

कार्यशाला में 29 नवंबर, 2018 को गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और जम्मू–कश्मीर की राज्य प्रस्तुतियों पर भाग लिया और अध्यक्षता की, नीपा, नई दिल्ली।

27–31 मई, 2019 को' भारत के प्राथमिक विद्यालयों में बच्चों की भागीदारी में सुधार' पर कार्यशाला में 30 मई, 2019 के दौरान नीपा में आयोजित 'हरियाणा के स्कूलों की राज्य प्रस्तुति' में भाग लिया और सत्र की अध्यक्षता की।

10 अप्रैल, 2018 को नीपा, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'लर्निंग टू रिअलाइड एजुकेशन प्रोमिज' 'द वर्ल्ड डेवलपमेंट रिपोर्ट 2018 (डब्ल्यूडीआर 2018) में भागीदारी और परिचर्चा।

4 मई, 2018, सीपीआरएचई, नीपा, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'उच्च शिक्षा का शासन और प्रबंधन' पर पहली पीयर–रिव्यू मीटिंग में भाग लिया।

26 जून 2018 को नीपा, नई दिल्ली में आयोजित 'उच्च शिक्षा का वित्त पोषण' सीपीआरएचई अनुसंधान परियोजना के विशेषज्ञ समिति की तीसरी बैठक में भाग लिया।

18–20 जुलाई, 2018 को एनआरसी, नीपा, नई दिल्ली में ''छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण', कार्यशाला में भाग लिया।

11 जुलाई, 2018 को नीपा में आयोजित ड्राफ्ट एचईसीआई अधिनियम, 2018 पर परामर्शी बैठक में भाग लिया, भारतीय उच्चतर शिक्षा आयोग (यूजीसी प्रतिनिधि अधिनियम), 2018 (ड्राफ्ट)।

गुरुवार, 26 जुलाई 2018 को आयोजित 'उच्च शिक्षा के शासन और प्रबंधन' पर सीपीआरएचई अनुसंधान परियोजना के विशेषज्ञ समिति की तीसरी बैठक में भाग लिया।

भारत उच्च शिक्षा रिपोर्ट 2019 द्वितीय पीयर समीक्षा बैठक में भाग लिया, 27 सितंबर, 2018, नीपा, नई दिल्ली

20–24 नवंबर, 2018 के दौरान नीपा, नई दिल्ली में 'उच्च शिक्षा में शिक्षण और अधिगम पर विशेष पाठ्यक्रम' पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया।

3–4 जनवरी, 2019 को नई दिल्ली के चाणक्यपुरी स्थित प्रवासी भारतीय केंद्र में आयोजित शैक्षिक प्रशासन में नवाचार और अच्छे आचरण' पर राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

24–25 जनवरी, 2019 को इंडिया हैविटेट सेंटर, नई दिल्ली में नीपा द्वारा आयोजित कुलपतियों के लिए उच्च शिक्षा में नेतृत्व विकास पर कार्यशाला के दौरान भागीदारी और एक सत्र की रिपोर्ट तैयार की।

28 जनवरी से 1 फरवरी, 2019 तक एचआरडीसी, गोवा विश्वविद्यालय, गोवा में आयोजित 'उच्च शिक्षा में अनुसंधान, नवाचार और प्रौद्योगिकी' पर राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

8 मार्च, 2019 को डीएसटी और जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2019 (महिला सम्मेलन 2019) में भाग लिया।

11 मार्च 2019 को ब्रिटिश काउंसिल, नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रमंडल दिवस प्रतिस्पर्धा– जिसका विषय– ए कनैक्टेड कॉमनवेल्थः अचीविंग एन इन्क्लूसिव ग्रॉथः एजुकेशन, पीस एण्ड सस्टेनेबिलिटी, में भागीदारी।

'रोजगार और रोजगार क्षमता पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में राष्ट्रीय योग्यता फ्रेमवर्क (एनक्यूएफएस), प्रशिक्षण प्रणाली और कौशल प्रमाणन' 19 फरवरी और 20 फरवरी, 2019, इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली भाग लिया और सत्र 6 की एक रिपोर्ट तैयार की।

शैक्षणिक नेतृत्व विकास कार्यक्रम (लीप) भारत में 3–12 फरवरी, 2019 डेलनेट, नेल्सन मंडेला रोड, नई दिल्ली–110070 में में भाग लिया और 12 फरवरी 2019 को 'उच्च शिक्षा में सुशासन का निर्णय'' प्रो. इरफान रिजवी, आईएमआई, नई दिल्ली सत्र की एक रिपोर्ट तैयार की।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

पर्यवेक्षण और मूल्यांकन

सुश्री ज्योति अरोरा की एम.फिल. शोध प्रबंध (2017–2019) ''उच्च शिक्षा में समान पहुंच भारत में अंतराल पर पुनरावृत्ति'' विषय का पर्यवेक्षण और मूल्यांकन–

कोहिमा जिले में सरकारी प्राथमिक स्कूलों के कामकाज में स्कूल प्रबंधन समिति की भूमिका का अध्ययन'' विषय पर श्री किखु एच अचूमी, नागालैंड (2018–19) के पीजीडेपा शोध प्रबंध का पर्यवेक्षण और मूल्यांकन।

सुश्री क्रेसेल्डा खोसेस नामीबिया (2018–19) के आइडेपा शोध प्रबंध विषय – ''स्कूलों में खोखोगोवब भाषा (मातृभाषा) का शिक्षणः नामीबिया में चुनौती'' का मूल्यांकन और पर्यवेक्षण

पाठ्यक्रम समन्वय

फरवरी 2019 में संयोजक के रूप में आईडेपा पाठ्यक्रम 211: अनुसंधान पद्धति और सांख्यिकी।

सितंबर 2018 में संयोजक के रूप में पीजीडेपा पाठ्यक्रम 902: भारतीय शिक्षा– एक परिप्रेक्ष्य, का संचालन।

शिक्षण

आईडेपा पाठ्यक्रम 212: अनुसंधान पद्धति और सांख्यिकी विषय का संचालन में सहभागिता

पीजीडेपा पाठ्यक्रम 902: भारतीय शिक्षा– एक परिप्रेक्ष्य, का संचालन में सहभागी।

अन्य गतिविधियां

नीपा का एम.फिल. और पीएच.डी. प्रोग्राम के लिए आयोजित लिखित परीक्षा के जाँच समिति के सदस्य।

नीपा का एम.फिल. और पीएच.डी. प्रोग्राम के लिए लिखित परीक्षा लिपियों के मूल्यांकन समिति के सदस्य।

छात्र मामलों के घटक के लिए एनएएसी समिति के सदस्य

वैकल्पिक पाठ्यक्रम 1: उच्च शिक्षा पाठ्यक्रम के संशोधन के लिए कार्य दल का सदस्य।

वैकल्पिक पाठ्यक्रम 12: वैश्वीकरण और शिक्षा के पाठ्यक्रम के संशोधन के लिए कार्य दल का सदस्य।

शैक्षणिक परिषद, नीपा के सदस्य, बैठक में भाग लिया

अध्ययन बोर्ड, नीपा के सदस्य, बैठक में भाग लिया

सदस्य

भारत तुलनात्मक शिक्षा समिति, सदस्य

आजीवन सदस्य, तुलनात्मक और अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा समिति

आजीवन सदस्य, भारत सामाजिक विज्ञान अकादेमी

अंतर्राष्ट्रीय तथा तुलनात्मक शिक्षा ब्रिटिश संघ, 2018–19, सदस्य

संगीता अंगोम

प्रकाशन

पुस्तक समीक्षा

पुस्तक समीक्षा ''इंटरनेशनलाइजेशन आफ हायर एजुकेशन इन इंडिया'' विद्या राजीव और गौरी तिवारी, जेपा, अप्रैल 2018 अंक

कार्यशालाएँ/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

28 जनवरी–1 फरवरी, 2019 को उच्च शिक्षा में अनुसंधान, नवाचार और प्रौद्योगिकी पर पांच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का समन्वय किया, एचआरडीसी, गोआ विश्वविद्यालय, गोआ।

सेमिनारों, कार्यशालाओं और सम्मेलनों में भागीदारी

14–16 दिसम्बर, 2018 को एम.एस. यूनिवर्सिटी बड़ौदा में कम्पेरेटिव एजुकेशन सोसायटी ऑफ इंडिया (सीईएसआई) के दौरान ''टीचर्स परसेप्शन ऑफ रोल ऑफ टैक्नोलॉजी'' विषय पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

26–30 नवम्बर, 2018 को ''भारत में शैक्षणिक दृष्टि से पिछड़े प्रखंडों में प्राथमिक विद्यालयों में बच्चों की पहुँच और उनकी भागीदारी'' विषय पर आयोजित कार्यशाला के दौरान संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया और ''राज्य के अनुभवः आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना और मध्य प्रदेश पर इस कार्यशाला के सत्र की अध्यक्षता की।

7–11 जनवरी, 2019 को नीपा में उच्चतर और व्यावसायिक विभाग द्वारा आयोजित उच्चतर शिक्षा में नेतृत्व पर हुई कार्यशाला में भाग लिया।

अप्रैल, 2018 को नीपा द्वारा आयोजित म्यांमार से शैक्षणिक प्रशासकों के लिए शैक्षणिक प्रबंध में अन्तरराष्ट्रीय कार्यक्रम के दौरान ''भारत में निजी विश्वविद्यालयों'' पर एक सत्र प्रस्तुत किया।

14–16 जनवरी, 2019 उच्चतर और व्यावसायिक शिक्षा विभाग, नीपा द्वारा आयोजित सकाय विकास कार्यक्रम संबंधी तीन दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।

10–14 सितम्बर, 2018 को इम्फाल, मणिपुर में शिक्षा नीति विभाग द्वारा स्थानीय प्राधिकरण और स्वायत्त परिषदों के कार्यकरण से संबंधित प्ररिबोधन कार्यशाला, पूर्वोत्तर राज्यों में प्राथमिक शिक्षा के प्रबंधन में संविधान की छठी अनुसूची।

26 जुलाई, 2018 को ''उच्चतर शिक्षा का अभिशासन और प्रबंधन'' से संबंधित सीपीआरएचई शोध परियोजना की विशेषज्ञ समिति की तीसरी बैठक में उपस्थित हुए।

11 जुलाई, 2018 को नीपा में आयोजित एचईसीआई अधिनियम, 2018 के प्रारूप पर परामर्शदात्री बैठक में भाग लिया। भारतीय उच्चतर शिक्षा आयोग (यूजीसी निरसन अधिनियम), अधिनियम 2018 (प्रारूप)

4 मई, 2018 को सीपीआरएचई द्वारा ''उच्चतर शिक्षा का अभिशासन और प्रबंधन'' विषय पर हुई सहकर्मी–समीक्षा की पहली बैठक में भाग लिया।

26 जून, 2018 को ''उच्चतर शिक्षा का वित्तपोषण विषय पर सीपीआरएचई शोध परियोजना की विशेषज्ञ समिति की तीसरी बैठक में भागीदारी।

24–25 जनवरी, 2019 को आईएचसी, नई दिल्ली में नीपा द्वारा कुलपतियों के लिए उच्चतर शिक्षा में नेतृत्व विकास पर हुई कार्यशाला के दौरान एक सत्र में भाग लिया और प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

20–24 नवम्बर, 2018 को नीपा में ''उच्चतर शिक्षा में अध्यापन और अधिगम पर विशेषज्ञता प्राप्त पाठ्यक्रम'' पर हुए कार्यक्रम में भाग लिया।

8 मार्च, 2019 को डीएसटी और जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस, 2019 (वीमेंस कनक्लेव, 2019)

अन्य शैक्षणिक गतिविधियाँ

प्रशिक्षण में भागीदारी

मार्च 1–21, 2019 के दौरान एचआरडीसी, जेएनयू द्वारा आयोजित ग्लोबल स्टडीज में रिफ्रेशर कोर्स में भागीदारी।

एम.फिल. के विद्यार्थियों का पर्यवेक्षण

एकेडेमिक कैपिटलिज्म एण्ड द कैपेबिलिटीज आफ डिसऐडवांटेज्ड स्टूडेंट्स इन हायर एजुकेशन, 2019 शीर्षक से श्री जित्सुन लायो के एम.फिल. शोध, 2017–19 का पर्यवेक्षण और मूल्यांकन किया।

नीपा प्रशिक्षुओं का पर्यवेक्षण

सुश्री इंगुडम धनप्रिया द्वारा ''मणिपुर में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए सर्व शिक्षा अभियान संबंधी एक अध्ययन'' शीर्षक पर 2018–19 के पीजीडेपा के प्रतिभागियों के शोध प्रबंध का पर्यवेक्षण और मूल्यांकन किया। अप्रैल 2018 में प्रदान की गई।

ऑनलाइन ऐडमिशन प्रोसेस एण्ड एनरोलमेंट ट्रेन्ड्स एण्ड एनरोलमेंट ट्रेन्ड्स इन आडमा साइंस एण्ड टैक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी, यूथोपिया'' शीर्षक से आईडेपा–35 श्री सहलिये टिर्फे (यूथोपिया) के शोध प्रबंध का पर्यवेक्षण किया।

अन्य विश्वविद्यालयों के एम.फिल. शोध प्रबंध का मूल्यांकन

दिसम्बर, 2018 में ''डायलेक्टिक्स ऑफ रेकॉग्नीशन एण्ड रिडिस्ट्रीव्यूशन एण्ड वीमेन एम्पावरमेंट ऐट द ग्रासरूट लेबल ऑफ डेमोक्रेसी इन वेस्ट बंगाल'' विषय पर जेएनयू

के शोधार्थी सामंविता पाल के एम.फिल. शोध प्रबंध का मूल्यांकन किया।

पाठ्यक्रम समन्वयक

पाठ्यक्रम 201 के समन्वयक, आईडेपाः विषयगत संगोष्ठी

पाठ्यक्रमों के संचालन में शामिल

आईडेपा

पाठ्यक्रम 212 के संचालन में शामिल – अनुसंधान पद्धति और सांख्यिकी

पीजीडेपा कार्यक्रम

पाठ्यक्रम 906 में शामिलः प्रतिभागियों की संगोष्ठी

पाठ्यक्रम 905 के संचालन में शामिलः अनुसंधान पद्धति और सांख्यिकी

पाठ्यक्रम 902 के संचालन में शामिलः भारतीय शिक्षाः एक परिप्रेक्ष्य

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकास

1. अनुसंधान, नवाचार और प्रौद्योगिकी पर उच्च शिक्षा मॉड्यूल के लिए प्रशिक्षण सामग्री विकसित

अनुसंधान अध्ययन (जारी)

1. शोध अध्ययन शीर्षक, 'भारतीय निजी विश्वविद्यालय अधिनियम और शुल्क के विनियमों पर एक अध्ययन' (मा.स.वि. मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित) जुलाई 2018 से प्रारंभ।
2. शोध अध्ययन शीर्षक, 'भारतीय स्नातक कॉलेजों में पुस्तकालय की सुविधा और छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन पर इसका प्रभाव' (मा.स.वि. मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित) नवंबर 2018 से प्रारंभ।

नीपा समिति के सदस्य

1. परीक्षा समिति के सदस्य, नीपा

नीपा से बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

क. आजीवन सदस्य, नॉर्थ ईस्ट इंडिया एजुकेशन सोसाइटी, शिलांग (NEIES)

ख. आजीवन सदस्य, भारत की तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी (CESI)

ग. आजीवन सदस्य, तुलनात्मक और अंतरराष्ट्रीय शैक्षिक सोसायटी (CESI)

शैक्षिक प्रबंधन सूचना प्रणाली विभाग

अरुण सी मेहता

संगोष्ठी, कार्यशालाओं, सम्मेलन में भागीदारी

पीजीडेपा प्रतिभागियों की मौखिक परीक्षा (11.04.2018)

म्यानमार के शैक्षिक प्रशासकों के लिये अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक योजना कार्यक्रम में व्याख्यान दिया, (01 से 30, अप्रैल, 2018), शिक्षा पर आंकड़ा आधार 23.04.2018.

23.06.2018 को परीक्षा के भाग के रूप में एम.फिल और पीएच.डी प्रवेश परीक्षा 2018 का आयोजन।

एम.फिल तथा पीएच.डी कार्यक्रम के चयनबोर्ड के सदस्य, 25 तथा 26 जून 2018.

ई.एम.आई.एस, आई.पी.ई.ए. नीपा के प्रस्तावना पर व्याख्यान दिया, 06.08.2018.

हरियाणा राज्य के सर्वशिक्षा अभियान अधिकारियों के लिए स्कूल शिक्षा की योजना में संकेतकों के प्रयोग पर

कार्यशाला तथा एमिस, संकेतकों, प्रक्षेपण, इत्यादि पर कई सत्रों का आयोजन 08–10, अगस्त.

तेलंगाना राज्य के सर्वशिक्षा सर्वशिक्षा अभियान अधिकारियों के लिए स्कूल शिक्षा की योजना में संकेतकों के प्रयोग पर कार्यशाला तथा एमिस, संकेतकों, प्रक्षेपण, इत्यादि पर कई सत्रों का आयोजन 17–19 सितंबर, 2019.

पुडुचेरी संघशासित प्रदेश के सर्वशिक्षा अभियान अधिकारियों के लिए स्कूल शिक्षा की योजना में संकेतकों के प्रयोग पर कई सत्रों का आयोजन 10–12 दिसंबर 2018 तथा एमिस, संकेतकों, प्रक्षेपण तथा आंतरिक क्षमता पर सत्र

शैक्षिक योजना और रिपोर्टर माड्यूल में आंकड़ों की भूमिका पर सत्र आयोजन, पीजीडेपा, 19 से 20 नवंबर, 2018.

शैक्षिक प्रशासन में राष्ट्रीय संगोष्ठी में सत्र की अध्यक्षता और भागीदारी, 3–4 जनवरी, 2019.

विश्वविद्यालय प्रशासन के लिए उच्च खिक्षा में नेतृत्व विकास पर कार्यशाला में भागीदारी तथा एक सत्र की अध्यक्षता, 7 से 9 जनवरी 2019, होटल प्राइड प्लाजा।

शाला सिद्धी की राष्ट्रीय सलाहकारी बैठक में सोच सत्र में व्याख्यान, 14.12.2019.

शैक्षिक योजना के मात्रात्मक परिप्रेक्ष्य पर एक पाठ्यक्रम का आयोजन, आईडेपा, 19 मार्च, 2019 तथा एमिस और संबंधित परिप्रेक्ष्य पर कई सत्रों का आयोजन।

कैस (सांख्यिकी) के लिए एन.सी.ई.आर.टी. चयन समिति के सदस्य 15.03.2019

समीक्षाधीन वर्ष के दौरन शैक्षिक योजना विभाग की सलाहकारी समिति, अकादमिक परिषद, प्रबंधन बोर्ड की बैठकों में भागीदारी।

प्रबंधन बोर्ड, नामांकित सदस्य, नीपा 25.03.2019

पुडुचेरी संघशासित प्रदेश के सर्वशिक्षा अभियान अधिकारियों के लिए स्कूल शिक्षा की योजना में संकेतकों के प्रयोग पर कई सत्रों का आयोजन 11–15 मार्च, 2019 तथा एमिस, संकेतकों, प्रक्षेपण तथा आंतरिक क्षमता पर सत्र

नामांकन में गिरावट की पद्धति पर विस्तृत आलेख तथा भारत में विश्वविद्यालय माध्यमिक शिक्षा में इसके निहितार्थः एक गहन विश्लेषण वाई.यू.–डाईस 2016–17 आंकड़ा (105 पृष्ठ), प्रकाशनाधीन।

वर्ष के दौरान शैक्षिक अनुसंधान में सॉफ्टवेयर अनुप्रयोग पर पाठ्यक्रम संचालन।

ओ.सी. 4: वर्ष के दौरान एमिस (श्री ए.एन.रेड्डी)।

प्रारंभिक शिक्षा में डाईस डाटा के प्रयोग पर छह अनुसंधान अध्ययन जमा किए।

शैक्षिक प्रशिक्षण एवं क्षमता विकास विभाग

बी.के. पांडा

प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

अ) अन्तरराष्ट्रीय–दीर्घकालीन कार्यक्रम

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), नई दिल्ली में फरवरी–अप्रैल, 2018 को 34वां इंटरनेशनल डिप्लोमा इन एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन (आईडेपा) के लिए वरिष्ठ कार्यक्रम सलाहकार। नई दिल्ली में इस डिप्लोमा कार्यक्रम के लिए बारह देशों के आए 27 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

नीपा, नई दिल्ली में फरवरी–अप्रैल, 2019 में 35वां आईडेपा के लिए कार्यक्रम निदेशक। इस कार्यक्रम में नई दिल्ली में डिप्लोमा कार्यक्रम के लिए तेईस देशों के 31 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

ब) अन्तरराष्ट्रीय–अल्पकालिक कार्यक्रम

1–30 अप्रैल, 2018 को नीपा, नई दिल्ली में म्यांमार से शैक्षणिक प्रशासकों के लिए शैक्षिक प्रबंध में प्रथम अन्तर्राष्ट्रीय कार्यक्रम के लिए वरिष्ठ कार्यक्रम सलाहकार। इस कार्यक्रम में 22 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

16 जुलाई से 10 अगस्त, 2018 तक नीपा में शैक्षिक प्रशासकों के लिए तीसरा अन्तरराष्ट्रीय (आईपीईए) के लिए वरिष्ठ कार्यक्रम सलाहकार। इस कार्यक्रम में नई दिल्ली में बारह देशों के 19 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

स) राष्ट्रीय–दीर्घकालीन कार्यक्रम

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), नई दिल्ली में 1 सितम्बर से 30 नवम्बर, 2018 को 5वां पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन (पीजीडेपा) के लिए वरिष्ठ कार्यक्रम सलाहकार। नई दिल्ली में इस डिप्लोमा कार्यक्रम के लिए 14 राज्यों से 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

1 दिसम्बर, 2018 से 28 फरवरी, 2019 में 5वां पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन (पीजीडेपा)–चरण III के लिए कार्यक्रम निदेशक। (तैनाती स्थल पर)

8–12 अप्रैल, 2019 में 5वां पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन (पीजीडेपा)–चरण IV के लिए कार्यक्रम निदेशक।

द) राष्ट्रीय–अल्पकालिक कार्यक्रम

23–27 जनवरी, 2019 को एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों और महाराष्ट्र स्थित अंग्रेजी माध्यम के आवासीय विद्यालयों में कार्यरत स्कूल के प्रधानाचार्यों के लिए स्कूल विकास आयोजना पर प्रशिक्षण कार्यशाला

7–11 मार्च, 2019 को आन्ध्र प्रदेश के जनजातीय क्षेत्रों में अवस्थित आश्रम विद्यालयों के प्रमुखों के लिए स्कूल विकास आयोजना पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला।

अन्य शैक्षणिक एवं व्यावसायिक योगदान

शोध पर्यवेक्षक

अ) पीएच.डी. अध्येता

पीएच.डी. की छात्रा ज्योत्सना सोनल कृत ''उत्तराखंड में प्राथमिक शिक्षा में आदिवासी बच्चों की भागीदारी में अंतरजनजातीय बदलाव'' शीर्षक वाले शोध कार्य का पर्यवेक्षण।

पीएच.डी. की छात्र बागेस कुमार के ''उच्चतर शिक्षा में विमर्श की पहचान– दलित बहुजन छात्र संगठन पर एक अध्ययन'' शीर्षक वाले शोध कार्य का पर्यवेक्षण।

सत्य गरदा के ''ओडिशा के कोरापुट जिले के स्कूलों में आदिवासी बच्चों की समस्याएं'' शीर्षक पर पीएच.डी. शोध कार्य का पर्यवेक्षण।

पूनम चौधरी के ''दिल्ली प्रशासन द्वारा प्रबंधित स्कूलों के स्कूल प्रिंसिपलों की भूमिका पर एक अध्ययन'' शीर्षक पर पीएच.डी. शोध कार्य का पर्यवेक्षण।

ब) आईडेपा प्रशिक्षु

वर्ष 2018 में अफगानिस्तान के श्री हस्सीबुल्लाह खान द्वारा कृत ''अफगानिस्तान के काबुल प्रांत में स्कूल सुविधाओं का अध्ययन'' आईडेपा परियोजना कार्य का पर्यवेक्षण।

वर्ष 2018 में इथोपिया से श्री वोंडिंगेंग एलो बेर्को द्वारा कृत ''शिक्षक की भूमिका– हवास, इथोपिया के स्कूलों में गुणवत्ता शिक्षा के कार्यान्वयन पर छात्र अनुशासन। विशेष रूप से प्रारंभिक स्कूलों का एक अध्ययन'' आईडेपा परियोजना कार्य का पर्यवेक्षण।

वर्ष 2018 में किरिबाती से सुश्री अमेरिया एटुएर द्वारा कृत ''किरिबाती में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में कुछ स्कूलों में प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षकों के क्षमता निर्माण के स्तर की जांच'' आईडेपा परियोजना कार्य का पर्यवेक्षण।

वर्ष 2019 में बोत्सवाना से श्री लेफिका ओलेफिले के ''इथियोपिया में गंभीर बौद्धिक विकलांगता वाले शिक्षार्थियों के माता–पिता द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियाँ। विशेष रूप से प्रारंभिक स्कूलों का केस अध्ययन'' आईडेपा परियोजना कार्य का पर्यवेक्षण।

वर्ष 2019 में चिली से श्री क्रिस्टियन रेवेको के ''शिक्षा प्रक्रिया में माता–पिता की भागीदारी'' आईडेपा परियोजना कार्य का पर्यवेक्षण।

वर्ष 2019 में मॉरीशस से श्री हरीश रीडोय के ''मॉरीशस में राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के कामकाज पर वितरित नेतृत्व प्रथाओं का प्रभाव'' आईडेपा परियोजना कार्य का पर्यवेक्षण।

स) पीजीडेपा प्रशिक्षु

वर्ष 2018 में कर्नाटक से श्री इस्क्वायर लर्नेड शॉविक भट्टाचार्य के ''सैनिक स्कूल, घोड़ाखाल, उत्तराखंड के कामकाज पर एक केस अध्ययन'' पीजीडेपा परियोजना कार्य का पर्यवेक्षण।

वर्ष 2018 में उत्तराखण्ड से सुश्री गुंजन अमरोही के पीजीडेपा परियोजा कार्य ''उत्तराखण्ड की शैक्षिक व्यवस्था में नवाचारी प्रयासों का राजकीय आदर्श प्राथमिक विद्यालय ट्रैंजिट कैंप, रुद्रपुर, उधमसिंह नगर के संदर्भ में सारगर्भित अध्ययन'' का पर्यवेक्षण।

प्रक्रियाधीन परियोजना

शीर्षकः प्रशिक्षण संबंधी आवश्यकताओं की पहचान के लिए शैक्षणिक प्रशासकों की भावी भूमिका और कार्यकरण की तुलना में वर्तमान की गहन जाँच के लिए गहन अध्ययन।

समस्त शैक्षणिक प्रशासकों की प्रशिक्षण के प्रकार और संव्यवहार की अपेक्षाओं के बारे में प्रारंभिक जानकारी। प्रशासकों की भविष्यगत भूमिका और प्रशिक्षण संबंधी अपेक्षाओं की डेल्फी विधि से विवेचना और विश्लेषण किया गया। शैक्षणिक प्रशासकों ने राष्ट्रीय और अन्तराष्ट्रीय स्तरों पर प्रतिनिधित्व किया।

सविता कौशल

प्रकाशन

पत्रिकाओं/जर्नल/पुस्तकों में लेख

''चैलेंजेज टू स्कूल एजुकेशन इन इंडिया– ऐन एनालिसिस एजुकेशनल'' शीर्षक से साइंस रिव्यू में प्रकाशित आलेख, खण्ड 10, सं. 2, जुलाई 2018 आईएसएसएन 0974–5947

''लैग्वेज़ एक्वीजिशन डूरिंग अर्ली चाइल्डहुड ईयर्सः सम पर्सपैक्टिव्स'' शीर्षक से नवतिका, में प्रकाशित आलेख वाल्यूम 10 सं.1, फरवरी–अप्रैल 2019, आईएसएसएन 2348–8824

''अर्ली चाइल्डहुड एजुकेशन बाइ प्राइवेट सैक्टर इन इंडियाः इनिशिएटिव्स एंड कन्सर्न'' शीर्षक से एंट्रिप न्यूजलेटर, में प्रकाशित आलेख वाल्यूम 24 सं.1, जनवरी–जून 2018

''इम्प्लीमेंटेशन ऑफ राइट एजुकेशन इन इंडिया'' पुस्तक में अध्याय ''क्वोटा फॉर ईडब्ल्यूएस चिल्ड्रेन इन प्राइवेट स्कूल्सः डायवरसिटी, इन्क्लूजन, इक्वालिटी एंड सोशल जस्टिस'' पेरियर प्रकाशन, सितम्बर, 2018, आईएसबीएनः 978–93–85675–096

''क्वालिटी टीचर्स एजूकेशन वाइस–अ–वाइस स्कूल एजुकेशन'' पुस्तक में अध्याय ''ओपन एंड डिस्टेंस एजूकेशन एज ए सप्लीमेंट्री पाथवे फार प्रोफेशनल डवलपमेंट ऑफ टीचर्स'' वाल्यूम–4, आईएसबीएनः 978–93–87896–07–9

''इन्वायरमेंटल एण्ड इकोलॉजीकल ससटेनेबलिटी'' पुस्तक में अध्याय ''इम्प्लीमेंटेशन ऑफ क्लीनलीनैस इन स्कूल्स इन्वायरमेंटः एन अनालिसिस'' इग्नू, अक्टूबर, 2018, आईएसबीएनः 978–93–87960–94–7

कार्यक्रम/पाठ्यक्रम निर्माण

कार्यक्रम निदेशक और वरिष्ठ कार्यक्रम समन्वयक के साथ पृष्ठाधार पत्र, हस्तपुस्तिका निर्देशका; पठन सामग्री कार्यक्रम और चयनित पठन सामग्री (कोर्स कोडः 901) तैयार किया और शैक्षणिक योजना और प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा का समन्वयक (2018–19)।

पीजीडेपा के लिए कोर्स कोड 905 और कोर्स कोड 909 की पाठ्यक्रम विषयवस्तु, पठन सामग्री की पहचान, संव्यवहार कार्यनीति और मूल्यांकन के संदर्भ में पाठ्यक्रम का पुनरीक्षण।

9 अप्रैल से 13 अप्रैल, 2018 तक आयोजित पीजीडेपा के अंतर्गत पूर्ण किए गए परियोजना प्रतिवेदनों पर आधारित कार्यशाला का समन्वयक।

16–20 अप्रैल, 2017 तक पीजीडेपा (2017–2018) के अंतर्गत ऐडवांस्ड कोर्स वर्क पर आधारित कार्यशाला का समन्वयक। कार्यक्रम में कोर्स कोड 909 के सत्रों का निष्पादन किया।

डेपा और पीजीडेपा (2016–17) के मूल्यांकन और प्रस्तुति तथा अवार्ड हेतु 25–29 जून, 2018 तक आयोजित पीजीडेपा के लिए उन्नत पाठ्यक्रम कार्यशाला के समन्वयक।

16 जुलाई, 2018 से 10 अगस्त, 2018 तक विभाग और संकाय सदस्यों के साथ शैक्षणिक आयोजना और प्रशासन संबंधी अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम (आईपीईए) का अवधारणा निर्माण तैयारी और प्रदायगी से सहयोजित।

16 जुलाई, 2018 से 10 अगस्त , 2018 तक शैक्षिक प्रशासन पर अन्तर्राष्ट्रीय कार्यक्रम (आईपीईए) के लिए आयोजित शैक्षिक प्रशासकों के लिए अन्तरराष्ट्रीय कार्यक्रम के संयोजक।

एमएएनयूयू, हैदराबाद में 2–6 जुलाई, 2018 तक उच्चतर शिक्षा के मुस्लिम अल्प संख्यक प्रबंधित संस्थानों के प्रमुखों के लिए 10वां वार्षिक परिबोधन कार्यक्रम के समन्वयक।

नीपा के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में संसाधन व्यक्ति के रूप में योगदान

पीजीडेपा के लिए पाठ्यक्रम कोड 901 (बेसिक्स इन एजुकेशनल प्लानिंग एण्ड ऐडमिनिस्ट्रेशन) का सहयोगी संकाय और संसाधन व्यक्ति तथा पीजीडेपा के पाठ्यक्रम कोड 901 (बेसिक्स इन एजुकेशनल प्लानिंग एण्ड ऐडमिनिस्ट्रेशन) के लिए सात सत्रों का आयोजन किया।

पीजीडेपा के लिए पाठ्यक्रम कोड 905 (परियोजना कार्य और लेखन) के पाठ्यक्रम संयोजक और संसाधन व्यक्ति तथा पीजीडेपा के पाठ्यक्रम कोड 905 (बेसिक्स इन एजुकेशनल प्लानिंग एण्ड ऐडमिनिस्ट्रेशन) (परियोजना कार्य और लेखन) के लिए बीस सत्रों का आयोजन किया।

पाठ्यक्रम कोड 902 (भारतीय शिक्षाः एक संदर्भ) के सात सत्रों का आयोजन किया।

आईडेपा के लिए कोर्स कोड 211 का पाठ्यक्रम प्रभारी और पाठ्यक्रम के 4 सत्रों का आयोजन किया।

आईडेपा सत्र (2017–18) के लिए पाठ्यक्रम कोड–213 का पाठ्यक्रम समन्वयक– पाठ्यक्रम के 3 सत्रों का आयोजन अप्रैल 2018 में किया (संबंधित साहित्य की समीक्षा, उपकरण का चयन और लेखन प्रस्ताव)

01 अप्रैल से 30 अप्रैल, 2018 तक म्यांमार शैक्षणिक प्रशासकों के लिए शैक्षणिक प्रबंध संबंधी अन्तरराष्ट्रीय कार्यक्रम में सत्र का आयेजन किया। सत्र का शीर्षक उच्चतर शिक्षा में दूरस्थ शिक्षा का सूत्रपात था।

18 जुलाई, 2018 से 10 अगस्त, 2018 तक आईपीईए के लिए (कंट्री पेपरः कोड 105) पर भारत और विदेश में मुक्त विद्यालय से संबंधित चार सत्रों का आयोजन किया।

15–19 जनवरी, 2017 को उच्चतर अधिगम की अल्पसंख्यक वर्ग द्वारा प्रबंधित संस्थानों के प्रमुखों के लिए संस्थागत विकास के लिए परिबोधन कार्यक्रम में तीन सत्रों का आयोजन किया।

2–6 जुलाई, 2018 तक एम.ए.एन.यू.यू. में उच्चतर अधिगम की अल्पसंख्यक वर्ग द्वारा प्रबंधित संस्थाओं के प्रधान के लिए 10वां वार्षिक परिबोधन कार्यक्रम का कार्यक्रम समन्वयक। परिबोधन कार्यक्रम के चार सत्रों का आयोजन किया।

आईडेपा सत्र के लिए पाठ्यक्रम कोड 211 का पाठ्यक्रम समन्वयक। और पाठ्यक्रम के चार सत्रों का आयोजन किया।

आईडेपा के 34वें पाठ्यक्रम के लिए कोर्स कोड 213 का पाठ्यक्रम समन्वयक।

1 फरवरी, 2018 को आरम्भ हुए कार्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम का पुनरीक्षण किया और पाठ्यक्रम के तीन सत्रों का आयोजन किया।

29–31 अक्टूबर, 2018 को ''भारत में प्रारंभिक विद्यार्थियों मं बच्चों की भागीदारी में सुधार लाने संबंधी कार्यशाला। राज्य प्रस्तुतिः मध्यप्रदेश के सत्र की अध्यक्षता की।

नीपा द्वारा 7–8 मार्च, 2019 को प्रारम्भिक बाल्यकाल देखभाल और शिक्षा के शासन और प्रबंधन संबंधी राष्ट्रीय कार्यशाला – गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रबंधन पर पैनल चर्चा ईसीसीईः में गैर–सरकारी क्षेत्र की भूमिका विषय पर एक सत्र का आयोजन किया।

संगोष्ठी/सम्मेलन (राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय) में भागीदारी

प्री–स्कूल पाठ्यक्रम और प्री–स्कूल शिक्षा के लिए दिशानिर्देशों पर राष्ट्रीय परामर्श में भागीदारी।

प्रारंभिक शिक्षा विभाग, एनसीईआरटी, 13–14 अगस्त, 2018

24–25 जनवरी, 2019 को ओस्मानिया यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित ''स्कूली शिक्षा के संदर्भ में गुणवत्तापरक अध्यापक शिक्षा'' पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''अध्यापकों के व्यावसायिक विकास के लिए पूरक मार्ग के रूप में मुक्त और दूरस्थ शिक्षा'' शीर्षक से एक पत्र प्रस्तुत किया।

3–4 सितम्बर, 2018 तक पटना विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग द्वारा ''भारत में शिक्षा का आधिकार का कार्यान्वयन'' पर राष्ट्रीय सेमिनार ''भारत में निजी विद्यालयों में शिक्षा का अधिकार का कार्यान्वयनः मुद्दे और समस्याएँ''।

4–5 अक्टूबर, 2018 तक इग्नू द्वारा आयोजित हितधारकों को समाहित करते हुए पर्यावरणीय और पारिस्थितिकीय संधारणीयता पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेल में ''स्कूल के माहौल में स्वच्छता का कार्यान्वयनः एक विश्लेषण'' शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

सार्वजनिक निकायों को परामर्श और अकादमिक सहयोग

कुर्टिन यूनिवर्सिटी, आस्ट्रेलिया की मिस अनूसागर गुप्ता कृत ''सोशियो इकनोमिक पर्सपेक्टिव ऑफ शैडो एजूकेशन'' शीर्षक के शोध का पर्यवेक्षण करने के लिए कुर्टिन यूनिवर्सिटी द्वारा नियुक्त एसोसिएट पर्यवेक्षक (1 अगस्त , 2018 से 30 दिसम्बर, 2021)

बिहार में मदरसों के लिए किशोरावस्था शिक्षा पाठ्यचर्या मॉड्यूल बनाने के लिए विचार और व्यापक रूपरेखा विन्यास को अंतिम रूप देने के लिए 24 दिसम्बर, 2019 को जामिया मिलिया इस्लामिया के शैक्षणिक अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित यूएनएफपीए प्रायोजित परियोजना के निमित्त कार्यशाला में भाग लिया।

'बिहार के मदरसों के लिए किशोरावस्था शिक्षा पाठ्यचर्या' शीर्षक से प्रायोजित यूएनएफपीए परियोजना के अंतर्गत अधिगम परिणाम और मॉड्यूल यूनिट प्रस्तुति पर हुई कार्यशाला में भाग लिया। इस कार्यशाला का आयोजन 12 और 13 फरवरी, 2019 को किया गया और इसे जामिया मिलिया इस्लामिया द्वारा आयोजित किया गया।

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, आर.के. पुरम, नई दिल्ली द्वारा स्कूल के प्रधानाध्यापकों/प्राचार्यों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए 18 दिसम्बर, 2018 को ''प्लानिंग फॉर स्कूल कैम्पस'' के विषय पर दो सत्रों का आयोजन किया।

बिहार में मदरसों के लिए किशोरावस्था शिक्षा पाठ्यचर्या शीर्षक से यूएनएफपीए प्रायोजित परियोजना के अंतर्गत मॉड्यूल की यूनिट प्रस्तुति पर कार्यशाला में भाग लिया। 14 मार्च, 2019 को जामिया मिलिया इस्लामिया द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में बनाए गए तीन यूनिटों की प्रस्तुति की गई।

18 सितम्बर, 2018 को वी.वी. गिरि लेबर द्वारा ''कौशल विकास और रोजगार सृजन'' पर अन्तरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में ''मुक्त विद्यालय/दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से

व्यावसायिक शिक्षा'' शीर्षक से दो सत्रों का आयोजन किया।

ग्रीनर जर्नल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च, ग्रीनर जनर्लल ऑफ पब्लिक ऐडमिनिस्टेशन एण्ड पॉलिसी रिसर्च एण्ड ग्रीनर जर्नल ऑफ वोकेशनल एजुकेशन एण्ड टैक्निकल एजुकेशन, http.gjournal.org ISSN :2354-225X

एजूकेशनल साइंस रिव्यू जर्नल के संपादक मंडल का सदस्य (अ रेफर्ड एंड पीयर रिव्यू हाफ इयर्ली रिसर्च जर्नल ऑफ एजुकेशन, जनर्ल सं. 64133, आईएसएसएनः0974–5947

एआरएनईसी के सदस्य (एशिया पैसिफिक रीजनल नेटवर्क फॉर अर्ली चाइल्डहुड)

डाईट, आर.के. पुरम की कार्यक्रम सलाहकार समिति के सदस्य

26 दिसम्बर, 2018 को एससीईआरटी दिल्ली में शैक्षणिक सत्र 2018–19 के लिए कार्यक्रम सलाहकार समिति की मध्यावधि समीक्षा में भाग लिया।

12 मार्च, 2019 को एससीईआरटी दिल्ली में शैक्षणिक सत्र 2018–19 के लिए कार्यक्रम सलाहकार समिति, डाईट की वार्षिक बैठक में भाग लिया।

तीन सामग्री अर्थात् हाथी और मचान, हैलो अफलातून और हाथी को आया डकार की डाईट, आर.के. पुरम, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशन के लिए समीक्षा की।

नीपा के जर्नल ''परिप्रेक्ष्य'' (हिन्दी) के संपादक मंडल की सदस्या

एम.फिल. और पीएच.डी. कार्यक्रम

श्री संदीप सिंह, को उनके एम.फिल. अनुसंधान कार्य 'नवोदय विद्यालयों में समानता और इसके प्रतिबिंब' विषय का मार्गदर्शन।

एम.फिल कार्यक्रम के लिए 'प्रारंभिक बचपन की देखभाल और शिक्षा' पर दो वैकल्पिक पाठ्यक्रमों का संसोधन।

एम.फिल./पीएच.डी. वैकल्पिक पाठ्यक्रम ओसी–6 (प्रारंभिक बचपन की देखभाल और शिक्षा) के समन्वयक

एम.फिल./पीएच.डी. वैकल्पिक पाठ्यक्रम ओसी–13 (स्वास्थ्य पोषण और स्कूली शिक्षा) दल के सदस्य

ओसी–6 (प्रारंभिक बचपन देखभाल और शिक्षा) के लिए पाठ्यक्रम को संशोधित और अंतिम रूप दिया और 22 जनवरी, 2018 को संकाय की बैठक में इसे प्रस्तुत किया और एम.फिल./पीएच.डी. पाठ्यक्रम की समीक्षा की।

9 फरवरी, 2018 को नीपा में आयोजित बाहरी विशेषज्ञों के साथ एम.फिल./पीएच.डी. पाठ्यक्रम की समीक्षा बैठक में भाग लिया और ओसी–6 (प्रारंभिक बचपन देखभाल और शिक्षा) का पाठ्यक्रम प्रस्तुत किया

प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भागीदारी

पीजीडेपा, आईडेपा, स्कूल नेतृत्व प्रबंधन में डिप्लोमा प्रतिभागियों और एम.फिल. छात्रों को मार्गदर्शन

''कंबोडिया में बचपन की शिक्षा कार्यक्रमों की देखभाल का मूल्यांकन'' शीर्षक के शोध अध्ययन पर आईडेपा प्रतिभागी सुश्री चन्नक हॉर्ल (कंबोडिया) को शोध मार्गदर्शन।

''जाम्बिया में व्यापक कामुकता के शिक्षण की खोजः लुसाका जिले का केस अध्ययन'' शीर्षक के शोध अध्ययन पर आईडेपा प्रतिभागी श्रीमती थेरेसा चंदा मवाम्बा चाइल्स (जाम्बिया) को शोध मार्गदर्शन।

"सर्वेन्ट ऑफ इंडिया सोसायटी द्वारा स्थापित विद्यालयों से बाजपुर की बुक्सा जनजाति की शिक्षा में भूमिका का व्यक्तिवृत अध्ययन" शीर्षक से शोध अध्ययन पर उत्तराखंड से पीजीडीपीए के प्रतिभागी सुश्री प्रेमा बिष्ट, उत्तराखंड को शोध अध्ययन के लिए मार्गदर्शन।

''चित्तौड़गढ़, राजस्थान में रक्षा मंत्रालय के तहत लड़कों के आवासीय विद्यालय के कामकाज पर एक अध्ययन''' शीर्षक से शोध अध्ययन पर पीजीडेपा के प्रतिभागी सुश्री हरप्रीत सेम्बी को शोध मार्गदर्शन।

मोना सेदवाल

प्रतिवेदनाधीन अवधि के दौरान सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाओं में भागीदारी

(राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय)

14 से 15 जुलाई, 2018 को सम्मेलन कक्ष–द्वितीय इन्डिया इंटरनेशनल सेंटर (मुख्य), नई दिल्ली में आयोजित माध्यमिक शिक्षा का सार्वभौमिकरण विषय पर हुए राष्ट्रीय सेमिनार में ''एल्युसिब वोकेशनल एजुकेशन प्रोग्रामः एन एनालिसिस ऑन ट्रेंड्स इन इंडियन सेकेण्डरी स्कूल्स'' शीर्षक से एक पत्र प्रस्तुत किया।

14 से 16 दिसम्बर, 2018 तक महाराजा सायाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा, बड़ोदरा में आयोजित मॉर्डेनिटी, ट्रांसफॉर्मेटिव सोशल आइडेंटिटीज एंड एजुकेशन इन कम्पेरेटिव कन्टेक्स्ट्स शीर्षक से कम्पेरेटिव एजुकेशन सोसायटी ऑफ इंडिया के नौवें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रोत्साहन योजनाओं की समीक्षाः विद्यालयी शिक्षा में अ.जा. के बच्चों की भागीदारी को प्रभावित करने वाली नीतिगत पटल पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

10–12 जनवरी, 2019 को महाराजा सायाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा में गुणवत्तापरक शिक्षा के लिए व्यावसायिक और विनम्र शिक्षकों के निर्माण की दिशा में शीर्षक वाले अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में ''विद्यालयों में शिक्षकों की कमी का प्रभावः भारतीय संदर्भ मं गुणवत्तापरक संदर्श'' शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया। इस सेमिनार का आयोजन इंटर–यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर टीचर एजुकेशन (आईयूसीटीई) और शिक्षा विभाग (सीएएसई और आईएएसई), शिक्षा और मनोविज्ञान संकाय द्वारा किया गया।

8 से 9 मार्च, 2018 तक सीआईई, शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में ''स्कूल में समावेशनः संदर्श और संभावनाएँ'' विषय पर आयोजित दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन इंस्टिट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज इन एजुकेशन (आईएएसई), मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वाधन में शिक्षा विभाग द्वारा किया गया। यह सत्र 8 मार्च, 2018 को आयोजित किया गया।

फिक्की के 11वें वैश्विक कौशल शिखर सम्मेलन और विरासत में विशेष आमंत्रिती। यह शिखर सम्मेलन 14 से 15 सितम्बर, 2018 को फिक्की, नई दिल्ली में आयोजित किया गया।

22–23 नवम्बर, 2018 को इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान, गोमती नगर, लखनऊ में कौशल विकास, 2018 पर आयोजित भारतीय उद्योग वैश्विक शिखर सम्मेलन के आठवें परिसंघ में विशेष आमंत्रिती।

7 दिसम्बर, 2018 को होटल पार्क प्लाजा में आयोजित अप्रेंटिस कनैक्ट वर्कशाप के लिए विशेष आमंत्रिती। इस कार्यशाला का आयोजन भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई), गैसलशाफ्ट फरइन्टरनेशल जसमेनरबैत (जीआईजैड) और राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) द्वारा संयुक्त रूप से किया गया और इसका प्रयोजन समस्त भारत में उद्योग संघों के साथ सहयोग होना और वेबिनार, वर्कशॉप और सवृत्त समूह चर्चा से कुशल भारत के लक्ष्य की दिशा में भागीदारी सुनिश्चित करना था।

14 दिसम्बर, 2018 को इंडिया हैविटेट सेंटर, नई दिल्ली में वैकल्पिक शिक्षाः दर्शन पद्धति और नीति विषय पर आयोजित दसवां स्कूल च्वाइस नेशनल कांफ्रेंस में मानद प्रतिभागी के रूप में आमंत्रित किया गया। इस सम्मेलन का आयोजन सेंटर फॉर सिविल सोसायटी, पब्लिक पॉलिसी थिंक टैंक द्वारा किया गया।

7 मार्च, 2019 को नीपा में स्कूल नेतृत्व विकास (एसएलडी) के साथ बच्चों के समावेशन हेतु शोध परियोजना और पद्धति के लिए कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित। इस कार्यशाला का प्रयोजन दत्त का अध्ययन करना और रिपोर्ट के निष्कर्ष को अंतिम रूप देना था। इसमें परियोजना अन्वेषक डा. वीरा गुप्ता, शैक्षिक नीति विभाग, नीपा, नई दिल्ली थीं।

कार्यशालाओं/सम्मेलनों/प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), नई दिल्ली में फरवरी–अप्रैल, 2018 को शैक्षिक योजना और प्रशासन (आईडेपा) में 34वें अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम के समन्वयक। नई दिल्ली में इस डिप्लोमा

कार्यक्रम के लिए 12 देशों के 27 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), नई दिल्ली में 16 जुलाई से 10 अगस्त, 2018 को शैक्षिक प्रशासकों (आईपीईए) के लिए दूसरे अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के समन्वयक। नई दिल्ली में इस कार्यक्रम के लिए 12 देशों के 19 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

27–31 अगस्त, 2018 को मुस्लिम अल्पसंख्यक प्रबंधित वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों के प्रमुखों के लिए संस्थान योजना पर वार्षिक कार्यक्रम के लिए समन्वयक। नई दिल्ली में इस कार्यक्रम के लिए नौ राज्यों के 27 प्रधानाचार्यों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), नई दिल्ली, फरवरी–अप्रैल, 2019 को शैक्षिक योजना और प्रशासन (आईडेपा) में चौथा अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम के समन्वयक। नई दिल्ली में इस डिप्लोमा कार्यक्रम के लिए 23 देशों के 31 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

अन्य शैक्षणिक/व्यावसायिक योगदान

इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशन इकोनॉमिक्स एंड डेवलपमेंट (IJEED), मई 2018 (तमिलनाडु में इरोड जिले के अनुसूचित जाति के अरूंथथियारों के बीच रोजगार पर शिक्षा का प्रभाव) के लिए एक आलेख की समीक्षा की। इंटरसाइंस पब्लिशर्स, संपादकीय कार्यालय, पोस्ट बॉक्स 735, ओल्नी, बक्स एमके 46 5 डब्ल्यूबी, यूके।

प्रख्यात निकायों की सदस्यता

तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी इंडिया (CESI)। जाकिर हुसैन सेंटर फॉर एजुकेशनल स्टडीज, स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई महरौली रोड, नई दिल्ली। सदस्यता संख्याः CESI/LM/39

ऑल इंडिया एसोसिएशन फॉर एजुकेशनल रिसर्च (AIAER), भुवनेश्वर, ओडिशा के आजीवन सदस्य।

भारतीय समाजशास्त्रीय सोसायटी (आईएसएस), नई दिल्ली के सदस्य।

राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केंद्र

रश्मि दीवान

राष्ट्रीय और राज्य स्तरों पर सभी स्कूल नेतृत्व विकास गतिविधियों, का समग्र मार्गदर्शन और प्रबंधन

पीएबी बैठक और उच्च शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन के लिए यथा अनुमोदित फेस–टू–फेस कार्यक्रमों कार्यान्वयन हेतु स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग, मा.सं.वि.मं. के साथ समन्वय स्थापित किया।

एम.फिल.–पीएच.डी. कार्यक्रम

अध्यक्ष, संचालन समिति

सदस्या, स्थायी सलाहकार समिति, नीपा

पर्यवेक्षकों के आवंटन के लिए समिति (सीएएस) में सदस्य सचिव।

अध्यक्ष, आवेदनों की जाँच के लिए समिति

एम.फिल. उम्मीदवारों के व्यक्तिगत साक्षात्कार आयोजित करने के लिए साक्षात्कार बोर्ड में सदस्य

कोर्स सीसी–7 शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधन –सत्र लिया, पाठ्यक्रम सामग्री विकास और मूल्यांकन।

नीपा में विभिन्न समितियों के सदस्य/संयोजक

पोस्ट डॉक्टोरल अध्येतावृति

अध्ययन मंडल

अकादमिक परिषद

नीपा की अन्य गतिविधियों में भागीदारी

नीपा परिप्रेक्ष्य योजनाः अभिगम, समानता और विविधता विषय पर योगदान दिया।

शैक्षणिक योगदान

सम्मेलन निदेशकः एनसीएसएल, नीपा द्वारा आयोजित स्कूल सुधार के लिए नेतृत्व मार्ग संबंधी राष्ट्रीय सम्मेलन में सत्र की अध्यक्षता, 22–24 जनवरी, 2019

वर्ष 2019 में 22–24 जनवरी, 2019 को एनसीएसएल, नीपा द्वारा आयोजित स्कूल सुधार के लिए नेतृत्व मार्ग पर राष्ट्रीय सम्मेलन का पूर्ण सत्र लिया और नेतृत्व परिवर्तन और स्कूल सुधार विषय पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया, इस सत्र की अध्यक्षता के साथ विदाई संदेश दिया।

एम.फिल./पीएच.डी. कार्यक्रम के भाग के रूप में स्कूल नेतृत्व पर ओसी 15 का पाठ्यक्रम संशोधन

लेडी इरविन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "लर्निंग" पर राष्ट्रीय सम्मेलन में *शैक्षिक नीति, नेतृत्व और प्रशासन* पर एक पत्र प्रस्तुत किया 28 सितंबर, 2018

पीएच.डी. अध्येताओं को मार्गदर्शन

रशिम वाधवा, पीएचडी शोधार्थी 'भारत में उच्च शिक्षा में प्रवेश के निर्धारक'

परमिन्दर कौर, पीएचडी शोधार्थी – 'आरआईई में एकीकृत पाठ्यक्रम के माध्यम से शिक्षकों की व्यावसायिक तैयारी पर एक अध्ययन।

शिवानी बख्शी – पीएचडी शोधार्थी – विद्यालय सुधार के नेतृत्व मार्गः केरल के वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्यों पर एक अध्ययन'

सार्वजनिक निकायों को शैक्षणिक सहायता

त्रिवेन्द्रम, केरल राज्य में नेतृत्व विकास कार्यक्रम के परामर्श कार्यशाला के लिए संसाधन व्यक्ति, 17–18 अप्रैल, 2018

अन्य गतिविधियाँ

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, के लिए स्कूल प्रमुखों की भर्ती नीति के लिए दिशानिर्देश तैयार कर और प्रस्तुत किया।

स्कूल नेतृत्व विकास और नीति दिशानिर्देशों के लिए रोडमैप का अंतिम मसौदा विकसित किया।

सुनीता चुघ

प्रकाशन

वर्ष के दौरान प्रकाशित शोध पत्र/आलेख

भारतीय शिक्षा का निजीकरण, उभरते भारत में शिक्षा पुस्तक में भारतीय शिक्षा का निजीकरण अध्याय, संपा. मंडल, अजीत और नरूला मंजू, अटलांटिक, 2018

स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन पर इंटरमीडिएट ऑनलाइन कार्यक्रम के लिए स्कूली शिक्षा में शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए व्यावसायिक शिक्षण समुदायों की स्थापना और निरंतरता पर मॉड्यूल में योगदान दिया।

प्रतिवेदनाधीन वर्ष के दौरान सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाओं में सहभागिता

सामाजिक विकास परिषद द्वारा 14–15 जुलाई, 2018 को माध्यमिक शिक्षा का सार्वभौमीकरण शीर्षक से आयोजित सेमिनार में माध्यमिक शिक्षा में शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 के विस्तार के बारे में एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

लीडरशिप फॉर ट्रांसफॉर्मिंग अर्बन स्कूल्सः ह्वाट वर्क्स एण्ड हाउ? विषय पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया। 24 जनवरी, 2019 को स्कूल प्रबंधन और सुधार के लिए नेतृत्व मार्ग विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में यह शोधपत्र प्रस्तुत किया गया।

राष्ट्रीय स्कूल नेतृत्व केन्द्र, नीपा, नई दिल्ली द्वारा 22–24 जनवरी, 2019 को ''स्कूल सुधार के लिए नेतृत्व के तरीके'' विषय पर आयोजित सम्मेलन में सत्रों की अध्यक्षता की।

कार्यशालाएं/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

पंजाब, में स्कूल प्रमुखों के लिए स्कूल नेतृत्व विकास पर समन्वित क्षमता निर्माण कार्यशाला, अप्रैल–मई, 2018

स्कूल प्रमुखों की विशेष चुनौतियों के संदर्भ में नेतृत्व मॉडल पर कार्यशाला का आयोजन और समन्वय, 23–25 जुलाई, 2018

प्रधान अन्वेषक, शहरी स्कूलों में नेतृत्व पर एक पायलट अध्ययन और स्कूल प्रमुखों की अभिनव प्रथाओं पर सूरत शहर के 10 स्कूलों से जानकारी एकत्रित की गई थी

शहरी वंचित क्षेत्र में स्कूल नेतृत्व के लिए विशेष चुनौती पर एक कार्यशाला का आयोजन और समन्वय, 26–28 सितंबर, 2018, सूरत।

मध्य प्रदेश राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास पर ऑनलाइन कार्यक्रम के लिए समन्वित अभिविन्यास, 9 अक्टूबर, 2018

छत्तीसगढ़ राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास पर ऑनलाइन कार्यक्रम के लिए स्कूल अभिविन्यास पर ऑनलाइन कार्यक्रम समन्वित अभिविन्यास, 11 अक्टूबर, 2018

मध्य प्रदेश में एसआरजी के लिए स्कूल नेतृत्व विकास क्षमता निर्माण कार्यशाला का समन्वयन, 3–12 अक्टूबर, 2018

स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन पर एक महीने के सर्टिफिकेट कोर्स के लिए कार्यशाला संगठित और समन्वित, 17–22 दिसंबर, 2018

छत्तीसगढ़ में स्कूल प्रमुखों के लिए स्कूल नेतृत्व विकास पर क्षमता निर्माण कार्यशाला का समन्वय, जनवरी 2019।

मध्य प्रदेश में स्कूल प्रमुखों के लिए स्कूल नेतृत्व विकास पर क्षमता निर्माण कार्यशाला का समन्वय, 15–24 जनवरी, 2019

22–24 जनवरी, 2019 को नेशनल कांफ्रेंस ऑन लीडरशिप पाथवेज फॉर स्कूल इम्प्रूवमेंट' के प्रधान समन्वयक रहे। शोधपत्र आमंत्रित किए और उनकी समीक्षा की गई तथा चयनित शोधकर्त्ताओं को शोधपत्र प्रस्तुति हेतु आमंत्रित किया गया था, स्कूल के प्राचार्यों को अपने अनुभव व्यक्त करने के लिए आमंत्रित किया गया।

शाला सिद्धि– स्कूल मानक और मूल्यांकन संबंधी राष्ट्रीय कार्यक्रम शाला सिद्धि में विद्यालय की गुणवत्ता में सुधार के लिए राष्ट्रीय पहल पर आयेजित एक सत्र की सह–अध्यक्षता की।

भारत में शहरी मलिन बस्तियों के बच्चों की भागीदारी के समालोचनात्मक मूल्यांकन संबंधी परियोजना के लिए मलिन बस्तियों और विद्यालयों का दौरा (इस परियोजना के प्रधान अन्वेषक)।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित/संचालित

ऑनलाइन सामग्री पर अग्रणी साझेदारी– साथ ही एनसीएसएल पोर्टल में ऑनलाइन कार्यक्रम के लिए अग्रणी भागीदारी और पाठ्यक्रम के संयोजक

एम.फिल. छात्रों के लिए शिक्षा, लोकतंत्र, और मानवाधिकारों पर शिक्षण सामग्री तैयार की और सम्पादित की।

स्कूल सुधार के लिए नेतृत्व पथ पर राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए शोध पत्रों का सार और केस अध्ययन का सार तैयार किया, 22–24 जनवरी, 2019।

नेतृत्व पथ पर राष्ट्रीय सम्मेलन की रिपोर्ट 22–24 जनवरी, 2019

सार्वजनिक निकायों को परामर्शी और अकादमिक सहायता

17–18 अप्रैल, 2018 को केरल के त्रिवेन्द्रम में उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के प्राचार्यों के लिए नेतृत्व विकास कार्यक्रम के परामर्शदायी कार्यशाला के लिए संसाधन व्यक्ति।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के ''संकाय अधिष्ठापन कार्यक्रम'' में संसाधन व्यक्ति रहे और 15 मई, 2018 को खालसा कॉलेज में अकादमिक नेतृत्व पर सत्रों का आयोजन किया।

16 मई, 2018 को आईसीईडी, जयपुर में ''शिक्षा के सार्वभौमीकरण की ऑडिट'' पर आयोजित राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में स्कूली शिक्षा में भौतिक अवसंरचना के महत्व से संबंधित सत्र में भाग लिया।

22–23 सितम्बर, 2018 को सीमैट, केरल द्वारा आयोजित जन शिक्षा पुनरूद्धार मिशन के संदर्भ में शैक्षणिक एवं

प्रशासनिक प्रबंध कार्यमितियों के संसाधन व्यक्ति के लिए आयोजित द्वितीय स्तर के परिबोधन कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया।

कठिन परिस्थितियों के लिए पुनः परिभाषित नेतृत्व के बारे में आपातकालिक स्थिति में आरम्भिक बाल्यकालीन शिक्षा सुनिश्चित करने और इसे निरन्तर जारी रखने के बारे में आयोजित सत्र में आरम्भिक बाल्यकाल विकास और आपातकालिक परिस्थितियां: आगे का मार्ग संबंधी अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में पैनल सदस्य।

डाइट सेवा–पूर्व कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में अध्यापकों के लिए नेतृत्व और संचार कौशल के बारे में संदर्श पर व्याख्यान दिया।

दीक्षा पोर्टल संबंधी निगरानी समिति, मानव संसाधन विकास मंत्रालय में भागीदारी।

छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल राज्यों के एनसीएसएल–नीपा के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय की पीएबी की बैठकों में भागीदारी।

अन्य गतिविधि

शैक्षिक प्रशासन में नवाचार और अच्छे अभ्यास के मामलों के सत्यापन पर समिति के सदस्य, अप्रैल, मई, 2018

नीपा परिप्रेक्ष्य योजना: अभिगम, समानता और विविधता विषय की समिति के सदस्य के रूप योगदान दिया

कनिष्ठ सलाहकार चयन समिति के सदस्य

परियोजना सलाहकार और वरिष्ठ परियोजना सलाहकार की जांच समिति के सदस्य

शैक्षिक प्रशासन में नवाचार के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार (एनएआईईए) मूल्यांकन समिति के सदस्य नीपा अप्रैल–मई 2018

केंद्रीय सतर्कता समिति के अध्यक्ष– नीपा

सदस्य, 2013–2018 से राष्ट्रीय स्कूल नेतृत्व केन्द्र द्वारा संचालित सभी कार्यक्रमों के लिए एनएएसी और यूजीसी मान्यता से संबंधित मसौदा रिपोर्ट।

राष्ट्रीय सलाहकार समूह समिति के सदस्य और बैठक में भाग लिया, एनसीएसएल–नीपा

स्कूल नेतृत्व अकादमी की स्थापना के लिए छत्तीसगढ़, दिल्ली, मिजोरम, मध्य प्रदेश, पंजाब और चंडीगढ़ और पश्चिम बंगाल राज्य के साथ समन्वय

पीजीडेपा पाठ्यक्रम के लिए एसोसिएटेड संकाय प्रतिभागी सेमीनार पर सत्र की अध्यक्षता

एम.फिल./पीएच.डी.

एम.फिल./पीएच.डी. लिखित परीक्षा के मूल्यांकन के लिए समिति के सदस्य।

सदस्य, परीक्षा समिति, निवास आवंटन समिति, हिंदी समिति, हिंदी पत्रिका की संपादकीय समिति,

एम.फिल./पीएच.डी. पाठ्यक्रम के भाग के रूप में स्कूल नेतृत्व पर ओसी–15 के पाठ्यक्रम संशोधन समिति के सदस्य

ओसी 5 समुदायिक भागीदारी और स्थानीय प्रशासन, ओसी शैक्षिक नेतृत्व पाठ्यक्रम संशोधन समिति के सदस्य

शिक्षा, साक्षरता और जीवन की लंबी सीख पर ओसी की पाठ्यक्रम संशोधन समिति के संयोजक

शिक्षा, लोकतंत्र और मानव अधिकारों पर पाठ्यक्रम ओसी–8 के सह–संयोजक

पर्यवेक्षक

पीजीडेपा प्रतिभागी श्री धुपेंदर के 'हरियाणा के हिसार जिले में एसवीसी परियोजना के कार्यान्वयन पर एक अध्ययन विषय का पर्यवेक्षण

आईडेपा प्रतिभागी सुश्री रशेल गोर्डेस के 'एल्डोरेट, केन्या में अभावग्रस्त बच्चों के शैक्षिक सुविधाओं का प्रावधान' विषय का पर्यवेक्षण

कश्यपी अवस्थी

प्रकाशन

पुस्तकें/अनुसंधान आलेख/रिपोर्ट/दिशानिर्देश

जर्नी फ्राम टीचिंग टू लर्निंग थ्रू प्रोफेशनल लर्निंग कम्यूनिटीज: रोल ऑफ स्कूल लीडरशिप *जर्नल आफ इंडियन एजुकेशन,* एनसीईआरटी वाल्यूम. XLIV, सं.2, अगस्त, 2018

सीआईईटी, एनसीईआरटी के सहयोग से दीक्षा के लिए रणनीति और दृष्टिकोण पत्र

सीआईईटी, एनसीईआरटी के सहयोग से दीक्षा पोर्टल के लिए ई–सामग्री के विकास के लिए दिशानिर्देश

स्कूलों को सकुशल और सुरक्षित बनानाः एमएचआरडी द्वारा गठित समिति के सदस्य के रूप में विकसित कार्यान्वयन के लिए दिशानिर्देश

वर्ष के दौरान संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशालाओं में भागीदारी

26 मार्च, 2018 से 20 अप्रैल, 2018 तक अकादमिक स्टाफ कॉलेज जे.एन.यू. नई दिल्ली में अध्यापकों के लिए चार साप्ताहिक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया।

अंतर्राष्ट्रीय

11–13 जनवरी, 2018 को नालंदा विश्वविद्यालय, राजगीर, बिहार में धर्म धम्म परम्पराओं में राज्य और सामाजिक व्यवस्था पर चतुर्थ अन्तर्राष्ट्रीय धर्म–धम्म सम्मेलन में ''इंटरनेशलाइजिंग धर्म–धम्मः हार्नेसिंग इनर एण्ड आउटर इनवायरमेंट टू अंडरस्टैंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट'' शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

10–12 जनवरी, 2019 तक आईयूसीटीई, शिक्षा विभाग, एम.एस. यूनिवर्सिटी, यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा द्वारा ''टूवर्ड्स डेवलपिंग प्रोफेशनल एण्ड ह्यूमेन टीचर्स फॉर क्वालिटी एजुकेशन'' विषय पर आयोजित अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में ''वैचारिक पेशेवर और मानवीय शिक्षकः सैद्धान्तिक दृष्टिकोण और व्यावहारिक अभिविन्यास'' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय

22–24 जनवरी, 2019 को नीपा, नई दिल्ली में स्कूल सुधार के लिए नेतृत्व मार्ग संबंधी राष्ट्रीय सेमिनार में ''स्कूल नेतृत्वः भारत में पर्वतीय क्षेत्रों में लघु जनजातीय विद्यालयों की चुनौतियां और परिप्रेक्ष्य'' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

22–24 जनवरी, 2019 को नीपा, नई दिल्ली में स्कूल सुधार के लिए नेतृत्व मार्ग संबंधी राष्ट्रीय सेमिनार में ''एक्सप्लोरिंग लीडरशिप इन द फ्रेम ऑफ प्रीस्क्रीप्शन्सः अ स्टडी ऑफ रोल्स एण्ड रेस्पौंसिबीलिटीज ऑफ स्कूल हैड्स'' पर सुश्री ज्योति अरोड़ा के सहयोग से शोध पत्र प्रस्तुत किया।

5–6 जनवरी, 2018 को महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा, गुजरात में नेशनल सेमिनार ऑन स्ट्रक्चरल चेंज इन टीचर एजुकेशनः इश्यूज एण्ड कन्सर्न्स पर हुए राष्ट्रीय सेमिनार में ''एम्पावरिंग टीचर्सः द प्रोसेस ऑफ एक्सरसाइजिंग एण्ड एक्सोरसाइजिंग पावर'' शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

सार्वजनिक निकायों को परामर्श और शैक्षणिक सहयोग

राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा संस्थान (एनआईटीई) की स्थापना के लिए व्यापक परियोजना प्रतिवेदन के विकास संबंधी समिति की सदस्या

अध्यापक शिक्षा निदेशालय, एससीईआरटी, उड़ीसा द्वारा गठित अध्यापक शिक्षा पर थिंक टैंक की सदस्या

दीक्षा (ज्ञान साझा करने और उन्नति के लिए डिजीटल पहल) और नेतृत्व निर्णय के विकास कार्यकरण संबंधी निगरानी समिति की सदस्य

दीक्षा के लिए ई–विषयवस्तु विकास के लिए मार्ग निर्देश बनाने के लिए सीआईईटी, एनसीईआरटी के साथ मार्गनिर्देश बनाने के लिए कार्य किया जिसे एनसीईआरटी पोर्टल पर प्रकाशति किया।

सामग्री विकास के लिए दिशा–निर्देशों को अंतिम रूप देने और दीक्षा पोर्टल पर अपलोड करने के लिए समिति की सदस्य

सचिव, एस.ई. एण्ड एल, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित स्कूल संरक्षा और सुरक्षा संबंधी दिशानिर्देश बनाने के लिए समिति का सदस्य। मानव संसाधन विकास मंत्रालय के साझा किए गए प्रारूप मार्गनिर्देश अंतिम निर्गमन से पूर्व समीक्षा के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय की वेबसाइट पर डाला गया।

आईयूसीटीई के सलाहकार समूह के सदस्य, शिक्षा विभाग, एम.एस. यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा, गुजरात।

उत्तर प्रदेश में स्कूल शिक्षा में सुधार के लिए विकसित कार्य योजना के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय की ओर से उत्तर प्रदेश के क्षेत्रों का दौरा।

अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में स्कूली शिक्षा में सुधार के लिए विकसित कार्य योजना के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय की ओर से अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के क्षेत्रों का दौरा।

3 से 5 फरवरी, 2018 तक आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में राष्ट्रीय प्रगतिशील गठबंधन द्वारा आयोजित 'अनुशासन या दण्ड' पर निबंध लेखन प्रतियोगिता के लिए जूरी सदस्य।

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी (एलबीएसएनएए), मसूरी के सभी स्तरों के अधिकारियों के लिए स्कूली शिक्षा पर विकसित पाठ्यक्रम।

स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित डाईट के सुदृढ़ीकरण पर समिति के सदस्य और संयुक्त रूप से डाईट के सुदृढ़ीकरण पर एक संकल्पना नोट विकसित किया और राज्यों की प्रासंगिक आवश्यकताओं के आधार पर कार्यात्मक मॉडल विकसित किए।

आंध्र प्रदेश में डाईट और एससीईआरटी को परामर्श और मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा तैयार डाईट के सुदृढ़ीकरण के लिए दिशानिर्देशों को लागू करने के लिए समिति के सदस्य

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकास

1. स्कूल नेतृत्व विकास और नीति दिशानिर्देशों के लिए रोडमैप पर अंतिम मसौदा तैयार किया।
2. स्कूल प्रमुखों और व्यवस्था स्तर के अधिकारियों के लिए विकसित योग्यता ढांचा
3. स्कूल नेतृत्व और विकास पर ऑनलाइन कार्यक्रम के लिए दो मॉड्यूल विकसित – मध्यवर्ती

अधिगम और विकास के लिए एक क्षेत्र के रूप में स्कूल

स्कूल संस्कृति और जलवायुः स्कूल सुधार में भूमिका

स्वस्थ विद्यालय संस्कृति और जलवायु का विकास कैसे करें?

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

2–15 अक्टूबर, 2018 को लाहौल और स्पीति जिला, हिमाचल प्रदेश के छोटे स्कूलों के लिए वैकल्पिक नेतृत्व मॉडल बनाने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया।

13 से 22 और 17 से 26 दिसम्बर, 2018 को राजस्थान में स्टेट रिसोर्स ग्रुप मेम्बर्स की दो समानान्तर क्षमता निर्माण कार्यशालाओं में सुविधा प्रदाता।

14 से 16 नवम्बर, 2018 तक डॉ. चारू मलिक के साथ संयुक्त रूप से ऑनलाइन कार्यक्रम के अनुकूलन, संदर्भ और अनुवाद के लिए कार्यशाला।

15 से 20 मार्च, 2018 तक गंगटोक, सिक्किम में स्कूल नेतृत्व विकास के लिए प्रणालीगत प्रशासकों की क्षमता निर्माण।

नीपा, नई दिल्ली में 17 से 22 सितंबर, 2018 तक स्कूल नेतृत्व विकास पर प्रणालीगत प्रशासकों की क्षमता निर्माण कार्यशाला।

26 अप्रैल, 2018 को संकाय विकास और अनुसंधान केंद्र, बनस्थली विद्यापीठ में अकादमिक नेतृत्व पर सत्र लेने के लिए आमंत्रित किया गया।

6 मई, 2018 को एजुकेशन टूडे सोसायटी टूमारो, एशिया प्लेटो में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित।

वर्ष 2017–18 के लिए राजस्थान गुजरात, उत्तराखण्ड, चंडीगढ़, लक्षद्वीप, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, त्रिपुरा, नागालैण्ड और अरूणाचल प्रदेश राज्यों के लिए स्कूल नेतृत्व विकास के लिए पीएबी बैठकों में भाग लिया।

19 जून, 2018 को विद्यालयों में व्यावसायीपन विकसित करनाः रणनीतियाँ और हस्तक्षेप'' विषय पर नव नियुक्त स्कूली प्राचार्यों के क्षमता निर्माण के लिए संकाय विकास और अनुसंधान केन्द्र, सेना कल्याण शिक्षा सोसायटी में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

26 मार्च, 2018 को ''शिक्षक के रूप में माता–पिता पर व्याख्यान देने के लिए मॉडर्न स्कूल, बाराखम्भा रोड में आमंत्रित।

विद्यालय आयुक्त, शिक्षा विभाग, आन्ध्र प्रदेश के अनुरोध पर ''शैक्षणिक पर्यवेक्षण और निगरानी'' विषय पर नवनियुक्त मंडल शिक्षा अधिकारियों को शैक्षणिक सहायता और परामर्शदायी सेवा प्रदान किया।

3 दिसम्बर, 2018 को संकाय विकास और शोध केन्द्र, बनस्थली विद्यापीठ में सत्रों के लिए आमंत्रित।

31 जनवरी और 1 फरवरी, 2019 को आरआईई, भोपाल में मध्य प्रदेश के 30 जिलों से सिस्टम लेबल ऑफिसर्स के लिए शैक्षणिक नेतृत्व पर संसाधन व्यक्ति के लिए आमंत्रित।

सर्वाधिक नवोन्मेषी पद्धति का चयन करने के लिए केन्द्रीय विद्यालय संगठन और नवोदय विद्यालय संगठन द्वारा स्कूल के प्राचार्य के लिए राष्ट्रीय सम्मेलन में निर्णायक मंडल के सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया।

विद्यालयों में नवोन्मेष और प्रयोग विषय पर केन्द्रीय विद्यालय संगठन और नवोदय विद्यालय संगठन द्वारा स्कूल प्राचार्य के लिए राष्ट्रीय सम्मेलन में पैलन सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया।

शिक्षण

पीजीडेपा और आईडेपा कार्यक्रमों में स्कूल नेतृत्व विकास पर प्रत्येक इकाई में 4 सत्रों में शिक्षण

अनुसंधान मार्गदर्शन

एम.फिल. कार्यक्रम

सामाजिक न्याय के एकीकरण का अन्वेषण करने वाला गुणात्मक अध्ययन दिल्ली में प्रारंभिक शिक्षा कार्यक्रम (डी.ई.एल.ई.डी) में डिप्लोमा – ईशा वर्मा

शैक्षिक योजना और प्रशासन में डिप्लोमा (डेपा)

जयपुर, राजस्थान में स्कूल नेतृत्व विकास कार्यक्रम के संबंध में सरकारी स्कूल प्रमुखों की धारणाओं का अध्ययन – भारत जोशी

शैक्षिक योजना और प्रशासन में अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा (आईडेपा)

माफिया जिले में मध्यमिक स्कूल के छात्रों में ड्राप आउट दर को कम करने के लिए योगदान कारक के रूप में अंग्रेजी शिक्षा का एक माध्यम है – रूकिया मसेंगी

प्रमुख विद्यालयों में प्रधानाध्यापकों की भूमिका और जिम्मेदारियों का एक अध्ययनः मॉरीशस के पांच राजकीय माध्यमिक विद्यालयों का विश्लेषण – युगेश दत्त पांडे

एन. मैथिली

प्रकाशन

शोध पत्र/प्रकाशित आलेख

''क्वेस्ट फार सक्सैसः लैडर आफ स्कूल लीडरशिप आफ वूमन इन इंडिया'' *सोशियल चेंज*, मार्च 2019, वाल्यूम 49(1), पीपी. 114–131, आईएसएसएनः 0049–0857

''ह्वट'ज ऑल द फुस अबाउट इनोवेशन इन एजुकेशन?'' टीचर प्लस, अ मैग्जीन फार टीचर्स, 17(3), मार्च 2019, पीपी 52–55, आईएसएसएनः 0973–778

''लेगिटिमिसेशन ऑफ वूमन स्कूल लीडर्स इन इंडिया''. *कंटमपोरेरी एजुकेशन डायलॉग.* वाल्यूम 16(1), जनवरी, 2019, पीपी. 54–83, आईएसएसएनः 0973–1849. ऑनलाइन आईएसएसएनः 2249–09731849

''डज प्राइवेटाइजिंग द पब्लिक इंट्रेस्ट गारन्टी स्कूल क्वालिटी? लुकिंग थ्रो द लैंस ऑफ टीचर एजुकेशन''. इंडियन जर्नल आफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, 2018, सितंबर 62(4), पीपी. 565–586, भारत में स्वतंत्र नियामक प्राधिकरणों पर विशेषांकः एक तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य (भाग–2), आईएसएसएनः 0019–5561 और ई–आईएसएसएनः 2457–0222

संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशालाओं में भागीदारी

(राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

14–15 जुलाई, 2018 को सामाजिक विकास परिषद, नई दिल्ली द्वारा ''माध्यमिक शिक्षा का सार्वभौमिकरण'' शीर्षक से आयोजित सेमिनार में ''रीजनल डायवर्सिटी, स्कूल लीडरशिप प्रैक्टिसेज एण्ड स्कूल क्वालिटीः अ कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ टू इंडियन स्टेट्स इन नॉर्थ इस्टर्न रीजन ऑफ इंडिया'' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

24 जनवरी, 2018 को राष्ट्रीय स्कूल नेतृत्व केन्द्र, नीपा, नई दिल्ली द्वारा लीडरशिप पाथवेज़ फॉर स्कूल इम्प्रूवमेंट'' पर आयोजित सम्मेलन में ''आन्ध्र प्रदेश में

स्कूल प्रमुखों के बीच नेतृत्व व्यवहार में लोचकता'' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

कार्यशालाएँ/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

25–29 मार्च, 2019 को स्कूल नेतृत्व क्षमता और प्रबंध पर एक मास के प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम के आयोजन हेतु स्कूल नेतृत्व की शैक्षणिक समुदाय के लिए संसाधन व्यक्ति। संकाय क्षमता निर्माण का समन्वय और संपादन कार्य निष्पादित किया।

एनसीएसएल पोर्टल के लिए तेलुगू भाषा में स्कूल नेतृत्व संबंधी पाठ्यचर्या और पुस्तिका का अनुवाद कार्य पूरा करने के लिए आन्ध्र प्रदेश और एनसीएसएल के साथ समन्वय किया। (अक्टूबर, 2018)

गत वर्ष की विभागीय वार्षिक कार्य योजना समीक्षा से संबंधित एनसीएसएल में नेशनल ऐडवाइजरी ग्रुप (एनएजी) की बैठक और इस वर्ष के लिए वार्षिक कार्य योजना की प्रस्तुति (27 फरवरी, 2019 आगामी)

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकास/संचालन

अग्रणी नवाचार – 3 मॉड्यूल पूरे पाठ्यक्रम को कवर करते हैं। इसके अलावा, एनसीएसएल पोर्टल के लिए ऑनलाइन कार्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम के समन्वयक

स्कूल प्रमुखः दीक्षा पोर्टल के लिए तीन वर्गों वाले नवाचारों के लिए एक प्रमुख प्रेरक यह सीबीएसई, नई दिल्ली में बनने जा रहा है।

सार्वजनिक निकायों को परामर्श और अकादमिक सहायता

पाठ्यक्रम विभाग एनसीईआरटी के इन–सेवा शिक्षक शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए दिशानिर्देश और रूपरेखा विकसित करने पर विशेषज्ञ समिति के सदस्य, मई और दिसंबर 2018, जनवरी 2019 में विचार–विमर्श में भाग लिया।

सरकारी स्कूलों में प्रमुख नेतृत्व विकास कार्यक्रम (पीएसएलएम) के क्षेत्र में काम करने के लिए अध्येताओं का चयन करने के लिए साक्षात्कार पैनल के राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी), नई दिल्ली के लिए द्वारा भेजे गए निमंत्रण के लिए एनसीएसएल द्वारा नामांकित सदस्य होना 19–20 जुलाई 2018

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

समाचार पत्र प्रकाशन और साक्षात्कार

टाइम्स ऑफ इंडिया ने 6 सितंबर 2018 को महिला प्रिंसिपलों पर शोध प्रकाशन के आधार पर साक्षात्कार आयोजित किया। जिसमें शिक्षक दिवस 2019 के अवसर पर लेख लिखने के लिए मेरे शोध अध्ययन को बड़े पैमाने पर उद्धृत किया है। वेब लिंकः https://m.timesofindia.com/business/india-business/crack-in-the-glass-ceiling-more-women-at-top-in-school-managements/amp_articleshow/65706730.cms#referrer=https://www.google.com&amp_tf=From%20%251%24s--

बाहर दी गई वार्ता (विस्तार गतिविधि)

10 अप्रैल 2018 को यूजीसी और डीएचआरडी, जेएनयू कैंपस द्वारा आयोजित स्कूल नेतृत्वः अध्यापक शिक्षक पुनःश्चर्या पाठ्यक्रम में परिप्रेक्ष्य, अभ्यास और कौशल पर व्याख्यान दिया।

21 मई 2018 को दो दिवसीय शैक्षिक अधिकारियों की वार्षिक कार्यशाला में आंध्र प्रदेश में जिला शिक्षा अधिकारियों को संबोधित करने के लिए आमंत्रित किया गया।

दर्शन अकादमी फाउंडेशन के स्कूलों के विभिन्न शाखाओं में कार्यरत स्कूल प्रमुखों, समन्वयकों और विकास शिक्षा अधिकारियों के लिए स्कूल नेतृत्व पर एक चर्चा की जुलाई 2018।

जून–जुलाई 2018 में एमएचआरडी की आंध्र प्रदेश, केरल, पुदुचेरी, सिक्किम, मेघालय, महाराष्ट्र, मणिपुर राज्यों की पीएबी बैठकों में भाग लिया।

नीपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

भारत के तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी के आजीवन सदस्य।

सुभीथा जी.वी.

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाओं में भागीदारी

(राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय)

22–24 जनवरी, 2019 में एनसीएसएल–नीपा द्वारा आयोजित 'स्कूल सुधार के लिए नेतृत्व के रास्ते' पर राष्ट्रीय सम्मेलन में भागीदारी एवं *'चुनौतीपूर्ण संदर्भों में स्कूल नेतृत्वः असम के धुबरी जिले में बाढ़ग्रस्त स्कूलों का मामला'* शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया।

कार्यशालाएं/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

नीपा में स्कूल प्रमुखों की विशिष्ट चुनौतियों के संदर्भ में नेतृत्व मॉडल विकसित करने के लिए कार्यशाला, 23–25 जुलाई 2018

ओडिया भाषा में एनसीएसएल हस्तपुस्तिका और पाठ्यचर्या की रूपरेखा के अनुवाद के लिए एनसीएसएल–नीपा में अनुवाद कार्यशाला, 8–12 अक्टूबर 2018

असमी भाषा में एनसीएसएल हस्तपुस्तिका और पाठ्यचर्या की रूपरेखा के अनुवाद के लिए एनसीएसएल में अनुवाद कार्यशाला, 18–22 फरवरी, 2019

कन्नड़ भाषा में एनसीएसएल हस्तपुस्तिका और पाठ्यचर्या की रूपरेखा के अनुवाद के लिए एनसीएसएल में अनुवाद कार्यशाला, 25–29 मार्च, 2019

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित/संचालित

दीक्षा पोर्टल के लिए विषयों पर ड्राफ्ट मॉड्यूल का विकास किया

'गंभीर सोच के लिए शिक्षा'

'शिक्षक के रूप में चिंतनशील अभ्यासार्थी'

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

असम के धुबरी जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों (चार क्षेत्रों) में स्कूल प्रमुखों की विशिष्ट चुनौतियों पर आंकड़ा संग्रह के लिए असम में स्कूलों का दौरा (2–7 दिसंबर, 2018)

17–21 अगस्त, 2018 तक आवासीय मोड में माध्यमिक स्तर के मुख्याध्यापकों को स्कूल नेतृत्व प्रशिक्षण, एससीईआरटी, हैदराबाद, तेलंगाना

24–25 सितंबर, 2018 को दो–दिवसीय समीक्षा और प्रतिक्रिया कार्यशाला सह रिट्रीट कार्यक्रम, एससीईआरटी, हैदराबाद, तेलंगाना

एनएएसी और यूजीसी के लिए ड्राफ्ट रिपोर्ट – उस टीम का हिस्सा था जिसने 2013–2018 से नेशनल सेंटर फॉर स्कूल लीडरशिप द्वारा किए गए सभी कार्यक्रमों से संबंधित NAAC और UGC मान्यता के लिए मसौदा रिपोर्ट तैयार की।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

असम के धुबरी जिले के बाढ़ प्रवण क्षेत्रों (चार क्षेत्रों) में स्कूल प्रमुखों की विशिष्ट चुनौतियों पर डेटा संग्रह के लिए असम में स्कूलों का फील्ड दौरा (दिसम्बर 2–7, 2018)

एससीईआरटी, हैदराबाद, तेलंगाना द्वारा 17 से 21 अगस्त, 2018 तक आवासीय मोड में माध्यमिक स्तर के हेडमास्टर्स को स्कूल नेतृत्व प्रशिक्षण

एससीईआरटी, हैदराबाद, तेलंगाना द्वारा 24 और 25 सितंबर, 2018 को 2–दिवसीय समीक्षा और प्रतिक्रिया कार्यशाला सह रिट्रीट कार्यक्रम

2013–2018 से नेशनल सेंटर फॉर स्कूल लीडरशिप द्वारा संचालित सभी कार्यक्रमों से संबंधित एनएएसी और यूजीसी के लिए मसौदा रिपोर्टें उस टीम का हिस्सा थीं, जिसने एनएएसी और यूजीसी मान्यता के लिए मसौदा रिपोर्ट तैयार की थी।

चारु स्मिता मलिक

प्रकाशन

प्रकाशित शोध पत्र/आलेख

उत्तर प्रदेश में माध्यमिक शिक्षा के प्रावधान में असमानताएंः समानता पर राष्ट्रीय केन्द्रबिन्दु की पृष्ठभूमि

पर एक विश्लेषण, जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन, जुलाई 2018, वॉल्यूम। XXXII, सं. 3, आईएसएसएन 0971–3859

सामुदायिक भागीदारी से सामुदायिक सहभागिता तक: स्कूल नेतृत्व के लिए भारतीय संदर्भ, जर्नल ऑफ इंडियन एजुकेशन, मई 2018। आईएसएसएनः 0377–0435 (मुद्रित) 0972–5628 (ऑनलाइन)

स्व–निर्मित साइकोमेट्रिक स्केल का विकास और सत्यापनः माध्यमिक शिक्षा में समानता पर धारणा (पीईएसई), इंडियन जर्नल ऑफ साइकोलॉजी एंड एजुकेशन, वाल्यूम 8, नं.2, जुलाई, 2018

प्रतिवेदनाधीन अवधि के दौरान सेमिनारों / सम्मेलनों / कार्यशालाओं में भागीदारी

14–16 दिसम्बर, 2018 को एमएसयू, बड़ोदरा में भारत की तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी के नौवे वार्षिक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में ''बिल्डिंग चेंज एजेंट्स थ्रू प्रोफेशनल डेवलपमेंट ऑन स्कूल लीडरशिपः ऐन एक्सपेरिमेंटल अकाउंट ऑफ एजुकेशन फंक्शनरीज़ इन उत्तर प्रदेशन'' पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

15–16 अप्रैल, 2019 को यूनिसेफ, बिहार के सहयोग से दूरस्थ शिक्षा निदेशालय, ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा द्वारा आयोजित नेशनल सिम्पोजियम ऑन एकेडमिक लीडरशिप फॉर एनहेंसमेंट ऑफ लर्निंग में 'सिस्टम लेबल फंक्शनरीजः लीडरशिप डेवलपमेंट विद ए फोकस ऑन एकेडमिक लीडरशिप पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

22–24 जनवरी, 2019 को नेशनल सेंटर फॉर स्कूल लीडरशिप, नीपा द्वारा आयोजित नेशनल कांफ्रेंस ऑन लीडरशिप पाथवेज़ फॉर स्कूल इम्प्रूवमेंट में इफेक्टिव स्कूल लीडरशिप प्रैक्टिसेज़ इन डिसऐडवांटेज्ड कंटेक्ट्सः स्कूल्स इन रूरल एरियाज ऑफ डिस्ट्रिक्ट मऊ, उत्तर प्रदेशन'' पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

कार्यशालाएँ / सम्मेलन / प्रशिक्षण कार्यक्रमों आयोजन

स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन (बेसिक स्तर) पर ऑनलाइन कार्यक्रम की हिंदी में अनुवाद कार्यशाला का आयोजन, 10–14 जुलाई 2018

1–5 अक्टूबर 2018 को एनसीएसएल हस्तपुस्तिका और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा के मराठी में अनुवाद पर कार्यशाला का आयोजन किया।

क्षेत्र कार्यकर्त्ताओं (IInd बैच) के लिए स्कूल नेतृत्व विकास पर क्षमता निर्माण कार्यशाला को आयोजन 8–13 अक्टूबर 2018

क्षेत्रीय भाषाओं में ऑनलाइन कार्यक्रम अनुकूलन और अनुवाद पर कार्यशाला का डॉ. कश्यप अवस्थी के साथ सह–आयोजन, 14–16 नवंबर 2018।

- उत्तर प्रदेश में ग्रामीण संदर्भ में स्कूल नेतृत्व के लिए संदर्भ के लिए विशिष्ट चुनौती पर सामग्री विकास का आयोजन, 8–9 जनवरी 2019
- 'स्कूल सुधार के लिए नेतृत्व के तरीके' राष्ट्रीय सम्मेलन के समन्वयक 22–24 जनवरी 2019
- स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन (छठी बैच) के लिए एक महीने की सर्टिफिकेट कोर्स की सुविधा के लिए कार्यशाला का आयोजन, 11–16 मार्च, 2019

सामग्री की तैयारी

- स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन पर अन्तःस्नातक ऑनलाइन पाठ्यक्रम के लिए समानता पर मॉड्यूल
- स्कूल सुधार के लिए नेतृत्व के तरीके पर राष्ट्रीय सम्मेलन में सूचनापरक टिप्पणी, शोध पत्रों का सार और केस अध्ययन। 22–24 जनवरी, 2019 (अन्य संकाय सदस्यों के साथ)
- लीडरशिप पाथवेज़ पर राष्ट्रीय सम्मेलन की रिपोर्ट 22–24 जनवरी, 2019 (डॉ. सुनीता चुघ के साथ)

उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केंद्र

मोना खरे

प्रकाशन

पुस्तकों में अध्याय और आलेख

द वरच्यु साइकिल आफ ग्रॉथ, इम्प्लॉयमेंट एंड एजुकेशन इन इंडिया – पथ लच इक्विटेबल डवलपमेंट, काउंसिल फार सोशियल डवलपमेंट, नई दिल्ली (आगामी)

चैलेंजिंग द एड इंडस्ट्री स्ट्रक्चर शिफ्टिंग डायनामिक्स ऑफ इंडिया एजुकेशन डवलपमेंट कोपरेशन''–रिविस्टाति इकोनोमिआ पॉलीटिका ए हिस्टोरिया इकोनोमिका, इश्यू 40, जुलाई–अगस्त 2018।

''इंडियाः ग्रेजुएट एंड इम्प्लायमेंट'' *इंटरनेशनल हायर एजुकेशन*, नं. 95: फाल 2018, द बोस्टन कॉलेज सैंटर फार इंटरनेशनल हायर एजुकेशन (सीआईएचई), यूएसए

मेकिंग इंडिया ए सॉट–अफ्टर डेस्टीनेशन फार हायर एजुकेशन, इन दिअर पर्सपैक्टिव सं. 11, 2018, सैंटर फार इंटरनेशनल हायर एजुकेशन (सीआईएचई), बोस्टन युनिवर्सिटी एंड वर्ल्ड इकोनोमिक सर्विस (डब्ल्यू.ई.एस.), यूएसए।

''इंटरनेशनलाइजेशन आफ हायर एजुकेशन – अ कन्ट्री केस इन इंडिया, यूनेस्को बैंकॉक एंड टोकियो युनिवर्सिटी, (प्रकाशनाधीन) प्रजैंटेड इन द थर्ड यूनेस्को स्टेकहोल्डर मीटिंग फार डवलपिंग फ्रेमवर्क ऑन इंटरनेशलाइजेशन आफ हायर एजुकेशन इन द एशिया–पैसिफिकः टूवार्डस ए मैपिंग आफ इंडिकेटर्स एंड देअर यूजिलाइजेशन इन बैंकॉक, थाइलैंड, नवंबर 2018

जेंडर बजटिंग इन हायर एजुकेशनः ए टूल टू एड्रैस जेंडर इनेक्वालिटीज इंडिया हायर एजुकेशन रिपोर्ट 2018: (वर्गीज़ एन.वी. और पाणिग्रही के साथ संपादन) सेज पब्लिकेशन, नई दिल्ली (आगामी)

कार्यशालाओं/सम्मेलनों का आयोजन

रोजगार और उच्च शिक्षा स्नातकों की रोजगार क्षमता पर अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, आईएचसी, 19–20 फरवरी, 2019।

'विश्वविद्यालय प्रशासकों के लिए उच्च शिक्षा में नेतृत्व विकास पर राष्ट्रीय कार्यशाला, (मा.सं.वि.मं.–सीएएलईएम) (7–9 जनवरी, 2019)।

शिक्षा के वित्त पोषण में प्रतिमान स्थानांतरणः गुणवत्ता समानता और रोजगार क्षमता पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का अयोजन किया(13–14 दिसंबर, 2018)

राज्य की टीमों के लिए सीपीआरएचई परियोजना रोजगार क्षमता हेतु द्वितीय शोध प्रविधि कार्यशाला का आयोजन किया। (6 राज्यों से 6 विश्वविद्यालयों का प्रतिनिधित्व करने वाले 14 प्रतिभागी सम्मिलित हुए)।

सितम्बर, 2018 में ''रोजगार और उच्च शिक्षा स्नातकों की रोजगार क्षमता'' परियोजना पर समीक्षा कार्यशाला का बंगलौर में आयोजन किया।

हैदराबाद में ''रोजगार और उच्च शिक्षा स्नातकों की रोजगार क्षमता'' परियोजना पर समीक्षा कार्यशाला का आयोजन किया, सितम्बर, 2018।

मुम्बई में ''रोजगार और उच्च शिक्षा स्नातकों की रोजगार क्षमता'' परियोजना पर समीक्षा कार्यशाला का आयोजन किया, सितम्बर, 2018।

''भारत में तुलनात्मक शिक्षा की स्थानिक गतिशीलता के लाभ'' परियोजना की समीक्षा कार्यशाला का आयोजन किया, भोपाल, मार्च, 2019।

''भारत में तुलनात्मक शिक्षा की स्थानिक गतिशीलता के लाभ'' परियोजना की समीक्षा कार्यशाला का आयोजन किया, बंगलौर, मार्च, 2019।

''भारत में तुलनात्मक शिक्षा की स्थानिक गतिशीलता के लाभ'' परियोजना की समीक्षा कार्यशाला का आयोजन किया, मुम्बई, मार्च, 2019।

कार्यशालाओं में भागीदारी

बोस्टन युनिवर्सिटी एंड वर्ल्ड इकोनोमिक सर्विसेज (डब्ल्यूईएस) – सेंटर फार इंटरनेशनल हायर एजुकेशन (सीआईएचई) समर इंस्टीट्यूट आन इन्क्लूसिब एंड इनोवेटिव इन्टरनेशनलाजेशन बोस्टन कॉलेज में जून 2018 में विशेषज्ञ वक्ता रहे। 'भारत को उच्चतर शिक्षा के लिए पंसदीदा गंतव्य स्थल बनाना' विषय पर एक शोध पत्र तैयार कर इसे प्रस्तुत किया।

29 नवम्बर, 2018 को बैंकॉक, थाइलैण्ड में एशिया–प्रशान्त क्षेत्र में उच्चतर शिक्षा के अन्तर्राष्ट्रीयकरण संबंधी ढांचा निर्माण संकेतकों का निरूपण और उपयोग के निमित्त हितधारकों की यूनेस्को में हुई तीसरी बैठक में आमंत्रित विशेषज्ञ। तैयार और प्रस्तुत किया उच्च शिक्षा का अन्तर्राष्ट्रीयकरण–भारत का एक केस अध्ययन

30 नवंबर, 2018 को उच्चतर शिक्षा आयोग, शिक्षा मंत्रालय, थाइलैण्ड, संयुक्त राष्ट्र शैक्षणिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को), बैंकॉक ऑफिस, युविसवर्सिटी ऑफ टोकियो और फुलब्राइट, थाइलैण्ड के सहयोग से महिडोल युनिवर्सिटी द्वारा आयोजित इंटरनेशनलाइजेशन ऑफ हायर एजुकेशन प्लेटफॉर्म (एचईपी का आईजेडएन): इंटरनेशनलाइजेशन पॉलिसीज एण्ड प्रैक्टिसेज फॉर फ्यूचर डेवलपमेंट पर अंतरर्राष्ट्रीय संगोष्ठी।

9वें उच्चतर शिक्षा और मानव संसाधन कनक्लेव, जनवरी, 2019 महाविद्यालय शिक्षा और तकनीकी शिक्षा विभाग, तेलंगाना सरकार 4–5 फरवरी, 2019 को हैदराबाद में मुख्य वक्ता।

31 अगस्त, 2018 को हैदराबाद में तेलंगाना राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद और बिजनेस वर्ल्ड एजुकेशन द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन– चौथा उच्चतर शिक्षा सम्मेलन में आमंत्रित विशेषज्ञ

31 अगस्त, 2018 को हैदराबाद में तेलंगाना राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद और बीडब्ल्यू बिजनेस वर्ल्ड द्वारा आयोजित चौथे राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा सम्मेलन में 4ई अर्थात् एजुकेशन, एम्प्लायेबिलिटी, एम्प्लायमेंट एण्ड इन्टरप्रेन्योरशिप' को बढ़ावा देने के लिए उच्चतर शिक्षा में उधमितावृत्ति और नवोन्मेष में रूझान'' विषयक सत्र की अध्यक्षता की।

दिसम्बर 2018 में मानव संसाधन विभाग केन्द्र राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में आयोजित विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 108वें परिबोधन कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति।

वर्ष 2018 में ग्रेटर नोएडा में दिल्ली तकनीकी परिसर द्वारा आयोजित व्यवसायिक उत्कृष्टता के लिए कार्यनीतियों पर हुए राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रमुख संदेश वक्ता।

20 नवम्बर, 2018 को नई दिल्ली में यूनेस्को द्वारा जारी 2019 वैश्विक शिक्षा प्रबोधन प्रतिवेदन का राष्ट्रीय स्तर पर शुभारंभ।

26 अक्टूबर, 2018 को एमजीकेवी, वाराणसी में आयोजित आईसीएएसआर के 10 दिवसीय शोध प्रविधि में दो व्याख्यान दिया।

अन्य गतिविधियां

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकास/संचालन

निम्नलिखित पाठ्यक्रमों के शिक्षण कार्य:

विकसित पृष्ठभूमि/पठन सामग्री एवं विचार–विमर्श सत्र

विश्वविद्यालय प्रशासकों के लिए उच्च शिक्षा नेतृत्व विकास कार्यक्रम की पृष्ठभूमि सामग्री विकसित की।

इम्प्लोयमेंट एंड इंप्लोयबिलिटी ऑफ हायर एजुकेशन ग्रेजुएट्स इन इंडिया अनुसंधान परियोजना पर द्वितीय शोध प्रविधि कार्यशाला का विश्लेषणात्मक रूपरेखा विकसित की।

एम.फिल. पीएचडी – सीसी3, सीसी5

शैक्षिक योजना और प्रशासन (आईडेपा) में अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा। शैक्षिक योजना और प्रशासन (डेपा) में राष्ट्रीय डिप्लोमा।

एम.फिल./पीएच.डी. कार्य का पर्यवेक्षण

पीएच.डी.– सुमित कुमार (शोधार्थी) – इंटर–रिलेशनशिप बिटवीन स्पेशल डिस्ट्रीब्यूशन ऑफ नॉलेज बेस्ड इंडस्ट्रीज एंड माइग्रेशन ऑफ हायर एजुकेशन इन इंडिया।

पीएच.डी.– संध्या दुबे ''एक्सेस एंड क्वालिटी डायनामिक्स इन फायनाइन्सिंग ऑफ हायर एजुकेशन''।

पीएच.डी.– सोनम अरोरा का प्रस्ताव विकास के चरण में है।

श्री नरेश शर्मा, प्रवक्ता, डीआईईटी, मंडी द्वारा पीजीडेपा शोध प्रबंध : ए स्टडि ऑफ फंड फ्लो एंड युटिलाइजेशन पैटर्न उंडर आरएमएसए इन सदर ब्लॉक ऑफ डिस्ट्रिक्ट मंडी, हिमाचल प्रदेश।

एम.फिल. अध्ययन (प्रस्तुत)

सुश्री संध्या दुबे – *इम्पैक्ट आफ द पब्लिक एजुकेशन एक्पैंडीचर अक्रॉस डिफरैंट लेवल आन हायर एजुकेशन एक्सैस इन इंडियाः अ पैनल डाटाः अ पैनल डाला अनालिसिस* (सम्मानित)।

प्रतिवेदनाधीन वर्ष के दौरान सार्वजनिक निकायों को परामर्शदात्री एवं अकादमिक सहयोग

बोस्टन युनिवर्सिटी एंड वर्ल्ड इकोनोमिक सर्विसेज (डब्ल्यूईएस) – सेंटर फार इंटरनेशनल हायर एजुकेशन (सीआईएचई) समर इंस्टीट्यूट आन इन्क्लूसिब एंड इनोवेटिव इन्टरनेशनलाजेशन बोस्टन कॉलेज में जून 2018 में विशेषज्ञ वक्ता रहे। 'भारत को उच्चतर शिक्षा के लिए पंसदीदा गंतव्य स्थल बनाना' विषय पर एक शोध पत्र तैयार एवं प्रस्तुत किया और उनके परिप्रेक्ष्य नं. 11 में प्रकाशित किया।

नवम्बर, 2018 को बैंकॉक, थाइलैण्ड और टोक्यो विश्वविद्यालय में एशिया–प्रशान्त क्षेत्र में उच्चतर शिक्षा के अन्तर्राष्ट्रीयकरण संबंधी ढांचा निर्माण संकेतकों का निरूपण और उपयोग के निमित्त हितधारकों की यूनेस्को में हुई तीसरी बैठक में ड्राफ्ट रिपोर्ट प्रस्तुत किया और अंतिम रूप दिया। शिक्षा का अन्तर्राष्ट्रीयकरण : भारत का एक केस अध्यायन। रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

जनवरी 2019 में उच्चतर और तकनीकी शिक्षा विभाग, तेलंगानाः स्नातक नियुक्ति – परकता की चुनौतियों के संबंध में दस्तावेज को 9वें उच्चतर शिक्षा और मानव संसाधन कनक्लेव की प्रस्तुति के पश्चात् अंतिम रूप दिया जा रहा है।

सांख्यिकी मंत्रालय और पी आई और केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन की उप–समिति के सदस्य के रूप में शिक्षा क्षेत्र में सेवा उत्पादन का सूचकांक बनाना।

मध्य प्रदेश सरकार और विश्व बैंकः मध्य प्रदेश उच्चतर शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम (एमपीएचईक्यूआईपी): प्रस्तावित उत्कृष्टता केन्द्र राज्य परियोजना निदेशालय, आरयूएसए उच्चतर शिक्षा विभाग के लिए परियोजना मूल्यांकन समिति में विशेषज्ञ सदस्य।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

15वें वित्त आयोग के लिए आवश्यक निधि के अनुमान हेतु गठित विशेषज्ञ समिति के सदस्य

सांख्यिकी और पीआई, सीएसओ के शिक्षा क्षेत्र में सेवा उत्पादन के सूचकांक पर उप–समिति के सदस्य

स्टडीज फॉर माइक्रोइकॉनॉमिक्स, के समीक्षक सेज प्रकाशन

लाइफ साइंस ग्लोबल, कनाडा के विशेष अंक के लिए अतिथि संपादक

प्रबंधन और अर्थशास्त्र अनुसंधान जर्नल के लिए समीक्षक

एम.फिल./पीएच.डी. प्रगति की समीक्षा समिति के सदस्य सचिव

एम.फिल./पीएच.डी. प्रवेश समिति के सदस्य।

एम.फिल./पीएच.डी. की प्रवेश परीक्षा के लिए प्रश्न निर्धारण समिति के सदस्य

डीएसी, उच्च शिक्षा विभाग

डीएसी, शैक्षिक वित्त विभाग

एम.फिल. पाठ्यक्रम संशोधन और पुनर्गठन समिति के सदस्य

कुलपति द्वारा निर्देशित एवं आवश्यकतानुसार मंत्रालय की विभिन्न बैठकों सहभागिता।

नीपा से बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

सदस्य, स्थायी अनुसंधान सलाहकार उप–समिति (आरएसी), राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान, (नोएडा)

सदस्य, विभागीय सलाहकार बोर्ड (डीएबी), योजना और निगरानी प्रभाग, एनसीईआरटी, नई दिल्ली

यूजीसी–दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो में जयपुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, जयपुर के डीई कार्यक्रम के एसएलएम के मूल्यांकन हेतु विशेषज्ञ

स्प्रिंगर्स, सिंगापुर के लिए पुस्तक प्रस्ताव के समीक्षक

संपादकीय सलाहकार बोर्ड: हिमगिरी एजुकेशन रिव्यू, ISSN 2321–6336

विभिन्न भारतीय विश्वविद्यालयों के लिए वाह्य परीक्षक (पीएच.डी. मूल्यांकन हेतु)

विभिन्न विश्वविद्यालयों और अन्य सरकारी निकायों के लिए चयन समिति के सदस्य।

निधि एस. सभरवाल

प्रकाशन

पुस्तक

वर्गीज एन.वी., सभरवाल, एन.एस. और सी.एम. मलिश (सं.). 2018. *इंडिया हायर एजुकेशन रिपोर्ट 2016 – इक्विटी*। नई दिल्ली: सेज।

आलेख/पुस्तक में अध्याय

टियरनी डब्ल्यू.जी. और सभरवाल एन.एस. (2018). भारतीय उच्च शिक्षा पुनर्कल्पना : उच्च शिक्षा संस्थानों की एक सामाजिक पारिस्थितिकी. टीचर्स कॉलेज रिकॉर्ड. वाल्यूम 120, सं. 5।

टियरनी डब्ल्यू.जी. और सभरवाल एन.एस. और सी.एम. मलिश (2018). असमान संरचनाएँ: भारतीय उच्च शिक्षा वर्ग और जाति. क्वालिटेटिव इन्क्वायरी (स्पेशल इश्यू: द आर्ट आफ लाइफ हिस्ट्री: डिफरेंट अप्रोचेज, फ्यूचर डायरैक्शन), पृष्ठ 1–11

सभरवाल, एन.एस. और मलिश, सी.एम. (आगामी). 'उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान के लिए मिश्रित तरीके, दृष्टिकोण और गुणात्मक पद्धति, जार्ज डब्ल्यु. नॉबलिट (संपा.) ऑक्सफोर्ड रिसर्च इन्साइक्लोपीडिया आफ क्वालिटेटिव रिसर्च मैथ्ड इन एजुकेशन। ऑक्सफोर्ड युनिवर्सिटी प्रैस,

सभरवाल, एन.एस. और जोसेफ आर. (आगामी) भारतीय उच्च शिक्षा व्यावसायिक विकास के अवसरों तक पहुँच: क्या सामाजिक पृष्ठभूमि मायने रखती है? जैंडर एंड एजुकेशन।

मलिश सी.एम., और सभरवाल, एन.एस. (2018). 'भारत में उच्च शिक्षा में छात्र विविधता और संस्थागत भेदभाव, ए. अब्दुल सलीम (संपा.) हायर एजुकेशन इन इमरजिंग इंडिया: प्रॉब्लम, पॉलिसीज एंड पर्सपैक्टिव, शिप्रा, 2018।

सभरवाल, एन.एस. (आगामी). 'उच्च शिक्षा और समानता: आईएचईआर 2016 का परिचय, वर्गीज, एन.वी. और मलिक जी. (संपा.) इंडिया हायर एजुकेशन रिपोर्ट 2019: गर्वनेंस एंड मैनेजमेंट, दिल्ली: सेज

सभरवाल, एन.एस. और सी.एम. मलिश (आगामी). 'भारतीय उच्च शिक्षा में छात्र विविधता और भेदभाव: नागरिक शिक्षा के लिए पाठ्यक्रम परिवर्तन, आन्द्रे मज़वी और माइकल स्टैक (संपा.) बॉडीज ऑफ नॉलेज एंड देअर डिसकॉन्टेंट: क्रिटिकल इंटनेशनल पर्सपैक्टिव ऑन कोर्स सिलेबी इन फाकुल्टीज आफ एजुकेशन

सीपीआरएचई नीति संक्षेप

सभरवाल, एन.एस. और सी.एम. मलिश (2017). भारत में उच्च शिक्षा की सुलभता और समानता, सीपीआरएचई नीति सार 1, प्रथम हिन्दी संस्करण फरवरी, 2019 सीपीआरएचई/नीपा, नई दिल्ली।

सभरवाल, एन.एस. और सी.एम. मलिश (2017). भारत में उच्च शिक्षा में शैक्षणिक समेकन, एकीकरण की प्राप्ति (2017). सीपीआरएचई नीति सार 2, प्रथम हिन्दी संस्करण फरवरी, 2019 सीपीआरएचई/नीपा, नई दिल्ली।

सभरवाल, एन.एस. और सी.एम. मलिश (2017). भारत में उच्च शिक्षा के लिए सामाजिक समावेशन से संपन्न परिवारों का विकास सीपीआरएचई नीति सार 3, प्रथम हिन्दी संस्करण फरवरी, 2019 सीपीआरएचई/नीपा, नई दिल्ली।

प्रस्तुत शोध पत्र

23–27 जुलाई, 2018 को पेरिस, फ्रांस में डेस्कार्टस यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित भारत में उच्चतर शिक्षा में बड़े पैमाने पर असमानताऐं पर प्रस्तुति।

सोसायटी फॉर रिसर्च इन हायर एजुकेशन द्वारा 10 अक्टूबर 2018 को लंदन, यूनाइटेड किंगडम में भारत में उच्चतर शिक्षा में बड़े पैमाने पर छात्र विविधता और समावेश पर भारत में उच्चतर शिक्षाः संस्थागत और सामाजिक सोपानक्रम के बारे में प्रस्तुति।

मास्को स्टेट यूनिवर्सिटी, मास्को द्वारा 30 नवम्बर से 1 दिसम्बर, 2018 को आयोजित 'द थर्ड यूनिवर्सिटी मिशन' पर हुए अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में स्टूडेंट डाइवर्सिटी एण्ड इक्विटीः प्रॉस्पेक्टस फॉर इंस्टिट्यशन्स एण्ड एकेडमिक रैंकिंग' के बारे में प्रस्तुति।

3 दिसम्बर, 2018 को जेएनयू में भारत में उच्चतर शिक्षा में विद्यार्थी की विविधता और नागर अध्ययन पर प्रस्तुति के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

13–15 दिसम्बर, 2018 तक सूचना और पूर्वानुमान केन्द्र, वियतनाम नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर एजुकेशनल साइंसेज द्वारा आयोजित ''एशिया में सामाजिक असमानता और उच्चतर शिक्षा'' विषय पर प्रस्तुति।

यूजीसी–मानव संसाधन विकास केन्द्र, जेएनयू द्वारा 5 मार्च से 29 मार्च, 2019 तक ग्लोबल स्टडीज (अन्तःविद्या) में 5वें पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में ''शिक्षा में समानताः वैश्विक संधारणीय विकास लक्ष्य'' पर शोध पत्र प्रस्तुत करने के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

25–26 मार्च, 2019 तक जेडएचसीईएस, जेएनयू द्वारा आयोजित चेजिंग लैण्डस्केप्स ऑफ हायर एजुकेशन विषय पर हुए ग्रेजुएट सेमिनार पर चर्चा।

संवक्ता की भूमिका में

सीपीआरएचई और ब्रिटिश काउंसिल द्वारा इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली, भारत में 19–20 फरवरी, 2019 को उच्चतर शिक्षा के स्नातकों का रोजगार और रोजगार परकता'' पर अन्तरराष्ट्रीय सेमिनार।

7–9 जनवरी, 2019 को ऐरोसिटी, नई दिल्ली में आयोजित विश्वविद्यालयों प्रशासकों के लिए उच्चतर शिक्षा में नेतृत्व विकास।

24–25 जनवरी, 2019 को होटल प्राइड प्लाजा, ऐरोसिटी, नई दिल्ली में कुलपतियों के लिए उच्चतर शिक्षा में नेतृत्व विकास संबंधी दूसरी कार्यशाला।

शिक्षण कार्य/अन्वेषक/मूल्यांकन

शिक्षा में भेदभाव और बहिष्करण विषय पर वैकल्पिक पाठ्यक्रम 7 समानता और बहुसांस्कृतिक शिक्षा शीर्षक पर एम.फिल. कक्षाओं को शिक्षण, 23–25 अप्रैल, 2018।

नीपा द्वारा आयोजित लेखन कौशल कार्यशाला में लेखन और प्रकाशन शोध पत्र पर एक सत्र का अध्यापन, 13 सितंबर, 2018।

एम.फिल. विषयः भाषा आधिपत्य और शिक्षा से इसका संबंध, के लिए बाहरी परीक्षक, शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय।

पीएच.डी. थीसिसः ''ग्रामीण रूपांतरण एवं शिक्षाः उत्तर प्रदेश के अनसूचित जाति के समुदायों का अध्ययन'' विषय का मूल्यांकन, शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय

आईसीएसएसआर अनुसंधान रिपोर्ट जिसका शीर्षक 'पुरूषत्व और विवाह में महिलाओं के विरुद्ध क्रूरताः कर्नाटक में एक खोजपूर्ण अध्ययन' विषय का मूल्यांकन किया।

डॉक्टरल पर्यवेक्षण और संपादकीय सदस्यता

डॉक्टरल कार्य पर मुख्य समूह के सदस्य – जैंडर पथवे टू हायर एजुकेशन, वारविक विश्वविद्यालय

जेंडर एंड एजुकेशन संपादकीय बोर्ड के सदस्य

यूकेआरआई इंटरनेशनल डेवलपमेंट पीयर रिव्यू कालेज के सदस्य

रेजीडैन्शियल फैलोशिप, 2018–2019 प्राप्त किया। इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडी, यूनिवर्सिटी ऑफ वारविक, यूके

''उच्च शिक्षा संस्थानों की संस्थागत सामाजिक जिम्मेदारी पर संवाद'' में भागीदारी 31 जनवरी, 2019 यूजीसी नई दिल्ली।

अनुपम पचौरी

प्रकाशन

पुस्तक

वर्गीज़ एन.वी., पचौरी, ए. और मंडल, एस. (सं.). (2018). *इंडिया हायर एजुकेशन रिपोर्ट 2017: क्वालिटी एंड टीचिंग लर्निंग इन हायर एजुकेशन इन इंडिया,* दिल्लीः सेज।

आलेख और पुस्तक में अध्याय

पचौरी, ए. (2018). 'भारतीय उच्च शिक्षा संस्थानों पर बाहरी और आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन के प्रभाव'' वर्गीज एन.वी., पचौरी ए. और मंडल एच. (सं.). *इंडिया हायर एजुकेशन रिपोर्ट 2017: क्वालिटी एंड टीचिंग लर्निंग इन हायर एजुकेशन इन इंडिया,* दिल्लीः सेज।

वर्गीज, एन.वी., पचौरी, ए. और मंडल, एस. (2018). 'टीचिंग लर्निंग एंड क्वालिटी इन हायर एजुकेशन इन इंडियाः एन इंट्रोडक्शन' वर्गीज, एन.वी., पचौरी, ए. और मंडल, एस. (सं.), *इंडिया हायर एजुकेशन रिपोर्ट 2017: क्वालिटी एंड टीचिंग लर्निंग इन हायर एजुकेशन इन इंडिया,* दिल्लीः सेज।

रिपोर्टः सीपीआरएचई प्रकाशन (तैयारी के अधीन)

22–23 फरवरी, 2018 को सीपीआरएचई–नीपा और ब्रिटिश काउंसिल द्वारा संयुक्त रूप से उच्च शिक्षा में गुणवत्ता और उत्कृष्टता पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी पर रिपोर्ट।

समाचार पत्र/पत्रिका/ऑनलाइन मीडिया लेख

'इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंसः इमिनेंट गेम–चेंजर्स ऑफ इंडियाज हायर एजुकेशन सिस्टम?' '29 जुलाई 2018 को डॉ। अनुपम पचौरी के साक्षात्कार के आधार पर ऑनलाइन शिक्षा पत्रिका 'द बोस्टन' में प्रकाशित हुआ।

https://thebastion.co.in/politics-and/education/institutes-of-eminence-imminent-game-changers-for-indias-higher-education-system/

पत्र प्रस्तुत किये

राष्ट्रीय (शोधपत्र प्रस्तुत किये)

6–8 अप्रैल, 2018 को महात्मा गांधी अन्तरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय वर्धा, महाराष्ट्र के शिक्षण अधिगम केन्द्र द्वारा ''21वीं सदी में स्कूली शिक्षा'' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में गुणवत्तापरक शिक्षा के लिए नवोन्मेष के रूप में भागादारी।

सेमीनार/कार्यशालाओं का आयोजन

12 मार्च, 2019 को नीपा, नई दिल्ली में प्रो. एन.वी. वर्गीज और प्रो. कुमार सुरेश द्वारा आयोजित समुन्नत विकेन्द्रीकृत शासन को लागू करने के लिए नीपा में विभिन्न समितियों के सदस्यों की पहली संयुक्त बैठक।

18 दिसम्बर, 2018 को नीपा, नई दिल्ली में प्रो. एन. वी. वर्गीज और प्रो. कुमार सुरेश द्वारा आयोजित एनएएसी–एसएसआर तैयारी के लिए प्रमुख दल की बैठक में एनएएसी–एसएसआर दल की बैठक।

10 जुलाई, 2018 को नीपा, नई दिल्ली में एनएएसी–एसएसआर मुख्य दल, प्रो. एन.वी. वर्गीज और प्रो. कुमार सुरेश की बैठक में एनएएसी–एसएसआर की संस्था के लिए कार्य बिन्दुओं के बारे में प्रस्तुति।

4 जुलाई, 2018 को नीपा, नई दिल्ली में एनएएसी–एसएसआर तैयारी समूह प्रो. एन.वी. वर्गीज और प्रो. कुमार सुरेश की मुख्य दल की बैठक में एसएसआर की तैयारी के लिए समग्र एनएएसी दस्तावेज पर अंतःखंडिक चर्चा।

27 जून, 2018 को नीपा, नई दिल्ली में हुई संकाय बैठक में एसएसआर प्रस्तुतः प्रारूप, कार्य बिन्दु।

29 मई, 2018 को नीपा, नई दिल्ली में ''प्रीपेरेशन टुवार्ड्स एनएएसी एक्रेडिटेशन'' शीर्षक से एनएएसी–एसएसआर के लिए संकाय के समक्ष प्रस्तुति।

कार्यशालाओं में भागीदारी

25–26 फरवरी, 2019 को नीपा, नई दिल्ली में डॉ. गरिमा मलिक के समन्वय में राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद के अध्यक्षों के साथ हुई राष्ट्रीय परामर्शदात्री बैठक में संवक्ता।

19–20 फरवरी, 2019 को नई दिल्ली में, भारत में नीपा और ब्रिटिश काउंसिल द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'स्नातकों के लिए रोजगार और रोजगार परकता विषय पर हुए अन्तरराष्ट्रीय सेमिनार में 'एम्प्लायमेंट, एम्प्लायेबिलिटी एण्ड स्किल मिसमैच इन द लेबर मार्केट'' शीर्षक से आयोजित सत्र में संवक्ता

6 फरवरी, 2019 को कीर्ति दत्ता द्वारा (1) अध्यापक विद्यार्थी संबंध प्रबंधन और (2) विद्यार्थियों का विकास और इसकी प्रभाविता सत्र में संवक्ता। 03–12 फरवरी, 2019 को डेलनेट, नेल्सन मंडेला रोड, नई दिल्ली में आयोजित एकेडमिक लीडरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम (लीप) में संवक्ता।

24–25 जनवरी, 2019 को होटल प्राइड प्लाजा, एयरोसिटी, नई दिल्ली में डा. आरती श्रीवास्तव द्वारा संयोजित कुलपतियों के लिए उच्चतर शिक्षा में नेतृत्व विकास पर हुए दूसरे कार्यशाला में संवक्ता।

07–09 जनवरी, 2019 को प्रो. मोना खरे, नीपा द्वारा संयोजित विश्वविद्यालयों के प्रशासकों के लिए उच्च शिक्षा में नेतृत्व विकास में संवक्ता। होटल प्राइड प्लाजा, एयरोसिटी, नई दिल्ली।

13–14 दिसम्बर, 2018 को नीपा, नई दिल्ली में शैक्षणिक वित्त विभाग, नीपा द्वारा ''शिफ्टिंग पैराडाइम्स इन एजुकेशन फाइनेंसिंग–कन्सर्न्स ऑन क्वालिटी इक्विटी एंड एम्प्लाएबिलिटी विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार।

समीक्षा प्रस्तुतिः 03 अक्टूबर, 2018 को एनएएसी–इग्नू: इग्नू, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली में विभिन्न मुक्त विश्वविद्यालयों में आयोजित 7 प्रादेशिक कार्यशालाओं का परिणाम– 'ओडीएल संस्थाओं का मूल्यांकन और प्रत्यायन'' के लिए प्रारूप नियम पुस्तक संबंधी राष्ट्रीय परामर्शदात्री बैठक।

संवक्ताः 27 सितम्बर, 2018 को नीपा, नई दिल्ली में प्रो. एन.वी. वर्गीज और डा. गरिमा मलिक द्वारा आयोजित ''उच्चतर शिक्ष का शासन और प्रबंध'' संबंधी आईएचईआर–2019 पर द्वितीय समकक्षीय समीक्षा कार्यशाला।

समीक्षाः 18–19 सितम्बर, 2018 को नीपा, नई दिल्ली में एम.फिल. 2017 बैच का पीयर एंड फैकल्टी रिव्यू सेमिनार।

12 सितम्बर, 2018 को नीपा, नई दिल्ली में डा. सायंतन मंडल द्वारा ''भारतीय उच्च शिक्षा में शिक्षण और अधिगम'' शोध परियेाजना के बारे में विशेषज्ञ समिति की बैठक।

26 जुलाई, 2018 को नीपा, नई दिल्ली में डा. गरिमा मलिक द्वारा ''भारत में उच्चतर शिक्षा का शासन और प्रबंधन'' विषयक शोध परियेजना के लिए आयोजित विशेषज्ञ समिति की बैठक।?

26 जून, 2018 को नीपा, नई दिल्ली में डा. जिणुशा पाणिग्रही द्वारा ''भारत में सरकारी उच्चतर शिक्षा संस्थानों का वित्त पोषणः निधि प्रवाह और उनके उपयोग का अध्ययन'' विषय पर आयोजित विशेषज्ञ समिति की बैठक।

25 जून, 2018 को इंडियन इंटनेशनल सेंटर (अनैक्स), नई दिल्ली, भारत में सेफ एण्ड सिक्योर एजुकेशन'' पर दक्षिण एशिया क्षेत्रीय मंच की परामर्शदात्री बैठक।

4 मई, 2018 को नीपा, नई दिल्ली में प्रो. एन.वी. वर्गीज और डा. गरिमा मलिक द्वारा ''उच्च शिक्षा में शासन और प्रबंधन'' के बारे में आईएचईआर, 2019 पर पहली समकक्षीय कार्यशाला।

2 मई, 2018 जिन्दल ग्लोब यूनिवर्सिटी द्वारा इंडिया हैविटेट सेंटर, नई दिल्ली में ''भारत में वैश्विक दर्जे का विश्वविद्यालय बनानाः आकड़ा न्यूनतम मानदण्ड निर्धारण और मास्टरक्लास की भूमिका'' पर आयोजित सम्मेलन।

4 अप्रैल, 2018 को वर्ल्ड बैंक ऑफिस, लोधी रोड, नई दिल्ली में एसोसिएशन ऑफ इन्डियन यूनिवर्सिटीज एण्ड द वर्ल्ड बैंक द्वारा सह–संयोजित उच्च शिक्षा के अन्तरराष्ट्रीयकरण के बारे में संवाद।

शिक्षण समनुदेशन / वीक्षण / मूल्यांकन

शिक्षण

10–21 सितम्बर, 2018 को प्रो. कुमार सुरेश द्वारा नीपा समन्वयित एम.फिल. और पीएच.डी. अध्येताओं के लिए ''अकादमिक लेखन कार्यशाला'' के भाग के रूप में 11 सितम्बर, 2018 को 'अकादमिक लेखन में साहित्य की समीक्षा' विषय पर शिक्षण / कार्यशाला सत्र का आयोजन।

16 अप्रैल, 2018 को नीपा, नई दिल्ली मे म्यांमार शैक्षिक प्रशासकों के लिए शैक्षिक प्रबंधन पर अन्तरराष्ट्रीय

कार्यक्रम 'उच्च शिक्षा में गुणवत्ता आश्वासन' पर व्याख्यान दिया।

बुधवार, 28 नवम्बर, 2018 को मानव संसाधन विकास केन्द्र, जेएनयू, नई दिल्ली में ''उच्च शिक्षा में गुणवत्ता आश्वासन क्रियाविधि' विषय पर टीचर एजुकेटर्स संबंधी द्वितीय पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में व्याख्यान।

अन्वेषक

नीपा एम.फिल./पीएच.डी. कार्यक्रम में प्रवेश परीक्षा 2018 के अन्वेषक

मूल्यांकन

पीएच.डी. थीसिस परीक्षक

''स्कूली शिक्षा में निजी क्षेत्र की भागीदारीः भारत में चुनिंदा भागीदारी का एक अध्ययन'', डाक्टरेट थीसिस की परीक्षा 2018. जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।

अन्य गतिविधियां

सदस्य, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन एकक, नीपा।

सदस्य, एनएएसी–एसएसआर तैयारी टीम, नीपा।

पत्रिका 'समकालीन शिक्षा संवाद', ऋषि प्रकाशन के लिए समीक्षक।

नीपा स्थापना दिवस के अवसर पर 11 अगस्त, 2018 को सह–संपादक प्रो. एन.वी. वर्गीज और सायंतन मंडल के साथ आईएचईआर 2017 का पुस्तक विमोचन।

नीपा, नई दिल्ली में 01 जुलाई, 2018 को एसएसआर के लिए आंकड़ा फॉरमेट सहित विभागीय रिपोर्ट टैम्पलेट विकसित की।

संपादित, सीपीआरएचई नीति सार का हिंदी संस्करण डॉ. निधि एस. सभरवाल और डॉ। मलिश सी.एम.।

भारत में उच्च शिक्षा के लिए समान पहुँच

भारत में उच्च शिक्षा में शैक्षणिक एकीकरण हासिल करना

भारत में सामाजिक रूप से समावेशी उच्च शिक्षा परिसरों का विकास करना

समन्वयक/सह–संपादकः प्रो. एन.वी. वर्गीज और डा. सायंतन मंडल के साथ 'उच्च शिक्षा में गुणवत्ता और शिक्षण अधिगम' विषय पर भारत उच्चतर शिक्षा रिपोर्ट, 2017। आईएचईआर 2017 के प्रकाशक द्वारा भारत में उच्च शिक्षा में शिक्षण अधिगम और गुणवत्ता पर भेजे गए प्रूफ में संपादन कार्य को अंतिम रूप दिया।

13 जून, 2018 को ''हायर एजुकेशनः क्वालिटी, टीचर्स एण्ड एम्प्लॉयबिलिटी ऑफ ग्रेजुएट्स'' शीर्षक से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के लिए सीपीआरएचई/नीपा द्वारा बनाए गए दस्तावेज को अंतिम रूप दिया।

प्रो. कुमार सुरेश, नीपा द्वारा संयोजित नीपा के संदर्श योजना के लिए ''शासन प्रबंध और जवाबदेही'' के बारे में शोध कार्यसूची बनाने के लिए समूह का सदस्य।

एम.फिल./पी.एच.डी. के उम्मीदवारों के आवेदन की जाँच। नीपा, 2018।

पंजाब राज्य शिक्षक पुरस्कार 2018 के लिए उम्मीदवारों की अल्पसूची और सिफारिस करने के लिए जूरी सदस्य

आजीवन सदस्य, भारत की तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी (सेसी)।

सदस्य, ब्रिटिश एसोसिएशन फॉर इंटरनेशनल एंड कम्परेटिव एजुकेशन (बीएआईसीई)।

अध्यक्ष, केंद्रीय शिक्षा संस्थान, शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र संघ।

गरिमा मलिक

प्रकाशन

पुस्तक

''भारत में उच्च शिक्षा का शासन और प्रबंधन'' इंडिया हायर एजुकेशन रिपोर्ट 2019 (एन.वी. वर्गीज के साथ संपादन) सेज (तैयारी के अधीन)

आलेख और पुस्तक में अध्याय

''भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों की संवैधानिक स्वायत्तता और शासन'' एशिया में विश्वविद्यालयों का प्रशासन और प्रबंधन पुस्तक में अध्याय (एन.वी. वर्गीज के साथ संपादन) रूटलेज (आगामी)

पत्र प्रस्तुत किए

सार्वजनिक निकायों को परामर्श और अकादमिक सहायता

विश्वविद्यालय प्रशासन के मॉडल और अभिशासन में सर्वश्रेष्ठ अभ्यास पर 30–31 अक्टूबर, 2018 को सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय में शासन और नेतृत्व में स्वयम पाठ्यक्रम के लिए व्याख्यान दिए।

संगोष्ठी/कार्यशालाओं का आयोजन

इंडियन हायर एजुकेशन रिपोर्ट 2019 पहली सहकर्मी समीक्षा बैठक, नीपा, नई दिल्ली, 4 मई, 2018 ।

इंडियन हायर एजुकेशन रिपोर्ट 2019 दूसरी सहकर्मी समीक्षा बैठक, नीपा, नई दिल्ली, 27 सितंबर, 2018।

राज्य उच्च शिक्षा परिषद की बैठक 25–26 फरवरी, 2019 नीपा, नई दिल्ली।

कार्यशाला में भागीदारी

24–25 जनवरी, 2019 को नीपा द्वारा प्राइड प्लाजा, एयरोसिटी में आयोजित कुलपतियों के लिए नेतृत्व कार्यशाला के रिपोर्टर।

अन्य गतिविधियां

नीपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यताः

इंडिया हैबिटेट सेंटर (आजीवन सदस्य)

अंतर्राष्ट्रीय केंद्र–गोवा (आजीवन सदस्य)

शिक्षण कार्य/अनुवीक्षण/मूल्यांकन

प्रोबिट/लोगिट मॉडल पर एम.फिल. कक्षाओं में शिक्षण

एम.फिल./पीएच.डी. प्रवेश परीक्षा प्रश्नपत्र का मूल्यांकन, जुलाई 2018

जिणुशा पाणिग्रही

प्रकाशन

पुस्तक

इंडिया हायर एजुकेशन रिपोर्ट 2018, 'फाइनेंसिंग ऑफ हायर एजुकेशन', एन.वी. वर्गीज (संपा.) सेज पब्लिकेशंस इंडिया प्रा.लि., नई दिल्ली (आगामी जून 2019)

''इनोवेशन्स इन फाइनेंसिंग ऑफ हायर एजुकेशन'' एन.वी. वर्गीज (संपा.) स्प्रिंगर पब्लिकेशंस, नई दिल्ली (आगामी)

आलेख और पुस्तक में अध्याय

इनसाइट हायर एजुकेशन में प्रकाशित ''पब्लिक इंस्टिट्यूशन्स इन इंडिया–कन्सीडर न्यू मेथड्स ऑफ फाइनेंसिंग इन द वर्ल्ड व्यू, इन्टरनेशनल हायर एजुकेशन, 22 अक्टूबर, 2018, https://www.insidehighered.com/blogs/world-view/public-institutions-india-consider-new-methods-financing

आर्थिक चर्चे, एफपीआई जर्नल ऑफ इकनोमिक्स एण्ड गवर्नेंस, बेंगलूरु, कर्नाटक, वॉल्यूम 3, सं. 1 जनवरी–जून 2018 में ''फाइनेंसिंग ऑफ हायर एजुकेशन इंस्टिट्यूशन्सः एविडेंस फ्रॉम सेलेक्ट केस स्टडीज ऑफ यूनिवर्सिटीज इन इन्डिया'' शीर्षक से लेख।

''एजुकेशन, फाइनेंस, इक्विटी एण्ड इक्वालिटी'', आई. बी. हैदर (एड.) अगस्त, 2018, स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिकेशन्स, स्विटजरलैंड में ''फाइनेंसिंग ऑफ हायर एजुकेशन इंस्टिट्यूशन्सः ऐक्सेस टू फंड्स एण्ड इश्यूज ऑफ इक्विटी'' पर अध्ययन।

एन.वी. वर्गीज तथा जीणुशा पाणिग्रही (एड.) सेज पब्लिकेशन्स इंडिया प्रा.लि. (जून 2019 में प्रकाशित) में 'इंडिया हायर एजुकेशन रिपोर्ट 2018', में इंस्टिट्यूशनल स्ट्रेटजीज टू ओवरकम डिक्लाइनिंग पब्लिक फन्डिंग इन हायर एजुकेशन'' पर अध्ययन।

''इनोवेशन इन फाइनेंसिंग ऑफ हायर एजुकेशन'' पर संपादित खंड में ''फाइनेंसिंग ऑफ पब्लिक हायर

एजुकेशन इंस्टिट्यूशन्स इन इंडिया'' पर अध्ययनः एन.वी. वर्गीज और जीणुशा पाणिग्रही (एड) स्प्रिंगर पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली (आगामी)।

शोध पत्र

एन.वी. वर्गीज और ए. रोहतगी के साथ अक्टूबर, 2018 में नीपा, नई दिल्ली में ''कन्सेंट्रेशन ऑफ हायर एजुकेशन इंस्टिट्यूशन्स इन इंडियाः अ रीजनल एनालिसिस शीर्षक से शोध पत्र सीपीआरएचई शोधपत्र 11 के रूप में प्रकाशित। (सं.वर्गीज एन.वी. तथा सी.एम. मलिश)

पूर्ण अनुसंधान अध्ययन/शोध रिपोर्ट

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित ''फिक्सेशन ऑफ फीस इन प्राइवेट डीम्ड–टू–बी–यूनिवर्सिटीज इन इंडिया'' पर शोध परियोजना का प्रतिवेदन मार्च, 2019 में प्रस्तुत किया गया।

उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केन्द्र (सीपीआरएचई)/नीपा द्वारा ''फाइनेंसिंग ऑफ हायर एजुकेशनः इंटरनेशनल रिसपॉन्शेज टू डिक्लाइन इन पब्लिक फंडिंग'' पर शोध परियोजना का प्रतिवेदन जून, 2018 में प्रस्तुत किया गया।

प्रस्तुत पत्र/भागीदारी

19 मार्च से 6 अप्रैल, 2018 (तीन सप्ताह) तक 'फर्दरिंग यू.एस.–इंडिया रिलेशनशिप्स इन हायर एजुकेशन'' के लिए यू.एस. डिपार्टमेंट ऑफ स्टेट वाशिंगटन द्वारा नाम निर्दिष्ट इंटरनेशनल विजिटर लीडरशिप प्रोग्राम (आईवीएलपी) में भाग लिया।

संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित

07–09 जनवरी, 2019 को प्राइड प्लाजा, एयरोसिटी, नई दिल्ली में शैक्षिक वित्त विभाग, नीपा द्वारा आयोजित ''विश्वविद्यालय प्रशासकों के लिए उच्च शिक्षा में नेतृत्व विकास'' पर कार्यशाला में ''अन्तरराष्ट्रीयकरण, नेटवर्किंग, वित्तीय प्रबंधन और रोजगार के लिए रणनीतियाँ'' पर सत्र के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

विशेष व्याख्यान

फरवरी, 2019 में ''ग्रोथ ऑफ प्राइवेट सैक्टर फाइनेंसिंग इन इन्डियाः मोड्स एण्ड चैलेंजेज'' पर स्वयम पोर्टल में एक व्याख्यान दिया।

फरवरी, 2019 में ''हायर एजुकेशन फाइनेंसिंग इन इंडिया'' पर स्वयम पोर्टल में एक व्याख्यान दिया।

सेमीनार/कार्यशाला का आयोजन

26 जून, 2018 को नीपा, नई दिल्ली में ''उच्च शिक्षा का वित्तपोषणः सार्वजनिक अनुदान में कमी के लिए संस्थागत प्रतिक्रियाएं'' पर सीपीआरएचई/नीपा शोध परियोजना के लिए विशेषज्ञ समिति की बैठक का आयोजन किया।

सेमीनार/कार्यशाला में संवक्ता

25–26 फरवरी, 2019 को उच्च शिक्षा नीति अनुसंधन केन्द्र (सीपीआरएचई), नीपा, नई दिल्ली द्वारा आयोजित राज्य उच्च शिक्षा परिषदों के बारे में परामर्शदात्री समिति के ''उच्च शिक्षा में कार्यनीतिक आयोजना'' पर एक सत्र में संवक्ता।

19–20 फरवरी, 2019 को इंडिया हैविटेट सेंटर में ब्रिटिश काउंसिल ऑफ इंडिया और सीपीआरएचई, नीपा द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित उच्च शिक्षा स्नातकों के रोजगार और रोजगारपरकता पर हुए अन्तरराष्ट्रीय सेमिनार में ''शुड स्किल फॉर्मेशन एण्ड एम्प्लायमेंट बी द मेजर ओरिएंटेशन ऑफ हायर एजुकेशन'' पर मुख्य पैनल और विदाई सत्र में संवक्ता।

24–25 जनवरी, 2019 को होटल प्राइड प्लाजा, ऐरोसिटी, नई दिल्ली में उच्च और व्यावसायिक शिक्षा विभाग, नीपा द्वारा आयोजित ''कुलपतियों के लिए उच्च शिक्षा में नेतृत्व विकास'' पर कार्यशाला में ''उच्च शिक्षा में वित्तपोषण'' पर एक सत्र में संवक्ता।

7–9 जनवरी, 2019 को होटल प्राइड प्लाजा, ऐरोसिटी, नई दिल्ली में शैक्षिक वित्त विभाग, नीपा द्वारा आयोजित ''विश्वविद्यालय प्रशासकों के लिए उच्च शिक्षा में नेतृत्व विकास'' पर कार्यशाला में एक सत्र में संवक्ता।

13–14 दिसम्बर, 2018 को आयोजित ''शिक्षा वित्तपोषण में प्रतिमान स्थानांतरणः गुणवत्ता, समानता और रोजगार की चिन्ता'' पर राष्ट्रीय सेमिनार के विदाई सत्र में संवक्ता, नीपा।

13–14 दिसम्बर, 2018 को शैक्षिक वित्त विभाग, नीपा द्वारा आयोजित 'शिक्षा वित्तपोषण में प्रतिमान स्थानांतरणः गुणवत्ता, समानता और रोजगार की चिन्ता' पर हुए राष्ट्रीय सेमिनार में ''वित्त प्रबंधन के लिए संस्थागत कार्यनीतियाँ और उनका प्रभाव'' विषय पर सत्र के संवक्ता।

अन्य गतिविधियां

नीपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

सह–अध्यक्ष, ईएफई–एसआईजी, कम्परेटिव एंड इंटरनेशनल एजुकेशन सोसायटी, यूएसए

वार्षिक सदस्य, कम्परेटिव एंड इंटरनेशनल एजुकेशन सोसायटी, यूएसए

चालू परियोजनाएँ

तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा के वित्तपोषण पर एक प्रमुख अनुसंधान परियोजना के प्रधान अन्वेषक/अनुसंधान परियोजना समन्वयकः ''भारत में सार्वजनिक और निजी उच्च शिक्षा संस्थानों का तुलनात्मक अध्ययन''।

सितंबर 2019 में आयोजित विशेषज्ञ समूह की पहली बैठक में शोध प्रस्ताव में अनुसंधान उद्देश्यों और कार्यप्रणाली, अध्ययन क्षेत्र के चयन और नमूनों के बारे में आवश्यक सुझावों के लिए चर्चा की।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

विकसित मॉड्यूल

भारत में निजी क्षेत्र के वित्तपोषण की वृद्धि पर स्वयम का विकसित मॉड्यूलः प्रणाली और चुनौतियां, फरवरी 2019।

भारत में उच्च शिक्षा के वित्तपोषण पर स्वयम का विकसित मॉड्यूल, जनवरी 2019

पाठ्यक्रम विकसित

अन्वीक्षण

नीपा, नई दिल्ली में वर्ष 2018–19 के लिए प्रत्यक्ष पीएच.डी, अंशकालिक पीएच.डी. और एम.फिल. पाठ्यक्रम प्रवेश परीक्षा के अन्वेक्षक

मलिश सी.एम.

प्रकाशन

पुस्तक

वर्गीज एन.वी., सभरवाल, एन.एस. और सी.एम. मलिश (सं.). 2018. *इंडिया हायर एजुकेशन रिपोर्ट 2016 – इक्विटी*। नई दिल्लीः सेज।

आलेख और पुस्तक में अध्याय

(2018). 'भारत में उच्च शिक्षा में छात्र विविधता और संस्थागत भेदभाव, ए. अब्दुल सलीम (संपा.) *हायर एजुकेशन इन इमरजिंग इंडियाः प्रॉब्लम, पॉलिसीज एंड पर्सपैक्टिव्स, (पृष्ठ 84–98) नई दिल्ली* शिप्रा पब्लिकेशंस (निधि एस. सभरवाल के साथ संयुक्त रूप से)

(आगामी). 'उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान के लिए मिश्रित तरीके, दृष्टिकोण और गुणात्मक पद्धति, जार्ज डब्ल्यु. नॉबलिट (संपा.) ऑक्सफोर्ड रिसर्च इन्साइक्लोपीडिया आफ क्वालिटेटिव रिसर्च मैथ्ड इन एजुकेशन। ऑक्सफोर्ड युनिवर्सिटी प्रैस, (निधि एस. सभरवाल के साथ संयुक्त रूप से)

(आगामी). 'भारतीय उच्च शिक्षा में छात्र विविधता और भेदभावः नागरिक शिक्षा के लिए पाठ्यक्रम परिवर्तन, आन्द्रे मज़वी और माइकल स्टैक (संपा.) बॉडीज ऑफ नॉलेज एंड देअर डिसकॉन्टेंटः क्रिटिकल इंटनेशनल पर्सपैक्टिव ऑन कोर्स सिलेबी इन फाकुल्टीज आफ एजुकेशन (निधि एस सभरवाल के साथ संयुक्त रूप से)।

(2018). असमान संरचनाएँः भारतीय उच्च शिक्षा वर्ग और जाति. क्वालिटेटिव इन्क्वायरी (स्पेशल इश्यूः द आर्ट आफ

लाइफ हिस्ट्रीः डिफरेंट अप्रोचेज, फ्यूचर डायरैक्शन), (विलियम जी. टियरनी और निधि एस. सभरवाल के साथ संयुक्त रूप से)।

(2018). उच्च शिक्षा अनुसंधान का क्षेत्र, भारत, जे.सी. शिन और पी. टैजैरा (संपा.) (इन्साइक्लोपीडिया आफ इंटरनेशनल हायर एजुकेशन सिस्टम एंड इंस्टीट्यूशंस, स्प्रिंगर.

शोध पत्र श्रृंखला

वर्गीज एन.वी., एस. सभरवाल निधि, और मलिश सी.एम. (2018). स्टूडेंट डायवरसिटी एंड सोशियल इन्क्लूजनः एन इम्पीरिकल अनालिसिस आफ हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन इन इंडिया, सीपीआरएचई शोध पत्र 10, नई दिल्ली, सीपीआरएचई/नीपा,

सीपीआरएचई नीति संक्षेप

उच्च शिक्षा में विविधता और समावेश पर सीपीआरएचई नीति सार का हिंदी अनुवाद निम्नलिखित हैं

निधि एस. सभरवाल और सी.एम. मलिश (2017). भारत में उच्च शिक्षा की सुलभता और समानता, सीपीआरएचई नीति सार 1, प्रथम हिन्दी संस्करण फरवरी, 2019 सीपीआरएचई/नीपा, नई दिल्ली।

निधि एस. सभरवाल और सी.एम. मलिश (2017). भारत में उच्च शिक्षा में शैक्षणिक समेकन, एकीकरण की प्राप्ति (2017). सीपीआरएचई नीति सार 2, प्रथम हिन्दी संस्करण फरवरी, 2019 सीपीआरएचई/नीपा, नई दिल्ली।

निधि एस. सभरवाल और सी.एम. मलिश (2017). भारत में उच्च शिक्षा के लिए सामाजिक समावेशन से संपन्न परिवारों का विकास सीपीआरएचई नीति सार 3, प्रथम हिन्दी संस्करण फरवरी, 2019 सीपीआरएचई/नीपा, नई दिल्ली।

प्रस्तुत शोधपत्र

(2019) ''इक्विटी इन इंडियन हायर एजुकेशनः पॉलिटिक्स ऑफ ट्रांस्फॉर्मेशन्स इन द एरा ऑफ मासीफिकेशन्स'', श्री शंकराचार्य यूनिवर्सिटी संस्कृत, कैलेडी, केरल द्वारा ''रि–इन्वेंटिंग वेल्फेयर पॉलिटिक्स'' पर 21–23 मार्च, 2019 को हुए राष्ट्रीय सेमिनार में प्रस्तुत पत्र।

(2018) क्लासरूम ऐज अ साइट ऑफ एक्सक्लूजन इन मासीफाइड हायर एजुकेशन इन इन्डिया। डा. अम्बेडकर चेयर, तेजपुर यूनिवर्सिटी, तेजपुर (असम) द्वारा 21–22 जून, 2018 को ''इक्विटी विद स्पेशल एम्फैसिस ऑन नॉर्थ इस्टर्न रीजन'' पर राष्ट्रीय सेमिनार में प्रस्तुत शोधपत्र।

कार्यशाला में भागीदारी

सीपीआरएचई और ब्रिटिश काउंसिल द्वारा इंडियन हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली, भारत में 19–20 फरवरी, 2019 को ''उच्च शिक्षा स्नातकों का रोजगार और रोजगारपरकता'' पर अन्तरराष्ट्रीय सेमिनार।

4 अप्रैल, 2018 को वर्ल्ड बैंक ऑफिस, लोधी रोड, नई दिल्ली में एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज और वर्ल्ड बैंक द्वारा सह–संयोजित उच्च शिक्षा का अंतरराष्ट्रीयकरण पर संवाद।

संवक्ता कार्य

19–20 फरवरी, 2019 को सीपीआरएचई और ब्रिटिश काउंसिल द्वारा इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में ''उच्च शिक्षा स्नातकों का रोजगार और रोजगारपरकता'' पर अन्तरराष्ट्रीय सेमिनार।

7–9 जनवरी, 2019 को ऐरोसिटी, नई दिल्ली में ''विश्वविद्यालय प्रशासकों के लिए उच्च शिक्षा में नेतृत्व विकास''।

24–25 जनवरी, 2019 को होटल प्राइड प्लाजा, ऐरोसिटी, नई दिल्ली में कुलपतियों के लिए उच्च शिक्षा में नेतृत्व विकास पर द्वितीय कार्यशाला।

3–12 फरवरी, 2019 को डेलनेट, नेलसन मंडेला रोड, नई दिल्ली में आयोजित भारत में अकादमिक नेतृत्व विकास कार्यक्रम (लीप)।

25–26 फरवरी, 2019 को नीपा, नई दिल्ली में राज्य उच्च शिक्षा परिषदों की परामर्शदात्री बैठक।

शिक्षण समनुदेशन/अन्वेषक/मूल्यांकन

12 नवम्बर से 7 दिसम्बर, 2018 को मानव संसाधन केन्द्र, जे.एन.यू., नई दिल्ली में अध्यापक शिक्षा में दूसरी

पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में ''इक्विटी एण्ड एक्सक्लूसिव एक्सेलेंस इन हायर एजुकेशन'' पर एक सत्र।

17–28 दिसम्बर, 2018 को नीपा में डॉक्टरेट विद्वानों के लिए गुणात्मक अनुसंधान पद्धति पर कार्यशाला पाठ्यक्रम ''रिसर्च ऑन इक्विटी इन हायर एजुकेशनः अ क्वालिटेटिव एप्रोच'' पर एक सत्र।

नीपा, 2018 में एम.फिल./पीएच.डी. उम्मीदवारों के आवेदन पत्र की स्क्रिनिंग।

शोधकार्य मूल्यांकन

आईआईएम अहमदाबाद के आर.जे. मत्ताई सेंटर फॉर एजुकेशनल इनोवेशन्स के श्री दीपक मौन द्वारा किए गए शोध ''कोलाबोरेटिव लर्निंग इन वर्च्यूअल स्पेस एण्ड लर्निंग इन द फीजिकल वर्कप्लेसः द केस ऑफ इन–सर्विस पब्लिक स्कूल टीचर्स इन इंडिया'' शीर्षक से पीएच.डी. थीसिस का मूल्यांकन किया। शोध पत्र परीक्षा समिति का सदस्य होने के नाते मैंने 8 मार्च, 2019 को उम्मीदवार की मौखिक परीक्षा में भाग लिया।

अन्य गतिविधियाँ

सह–संपादक के रूप में सीपीआरएचई शोध–पत्र श्रृंखला का संपादन कार्य करता रहा हूँ। अब तक कुल 11 पत्र प्रकाशित किए जा चुके हैं।

नीपा द्वारा प्रकाशित शैक्षणिक आयोजन और प्रशासन पत्रिका के संपादक मंडल का सदस्य होने के नाते मैं आलेखों के चयन, समीक्षा, प्रूफ रीडिंग और मुद्दों के मुद्रण सहित संपादकीय प्रक्रिया में सहयोग देता रहा हूँ।

शिक्षा मंत्रालय, सउदी अरब गणराज्य द्वारा वर्ष 2019 में आईईसीएचई फेलोशिप प्राप्त किया।

31 जनवरी, 2019 को यूजीसी, नई दिल्ली में ''डॉयलॉग ऑन इंस्टिट्यूशनल सोशल रिस्पौंसिबिलिटी ऑफ हायर एजुकेशन इंस्टिट्यूशन्स'' में भाग लिया।

उच्चतर शिक्षाः उच्चतर शिक्षा शोध की अन्तरराष्ट्रीय पत्रिका का समीक्षक।

सायंतन मंडल

प्रकाशन

पुस्तक

वर्गीज एन.वी., और मंडल, एस. (सं.). (2019). टीचिंग–लर्निंग एंड न्यू टैक्नोलॉजी इन हायर एजुकेशन. स्प्रिंगर, नई दिल्लीः स्प्रिंगर (आगामी)।

वर्गीज एन.वी., पचौरी, ए. और मंडल, एस. (सं.). (2018). इंडिया हायर एजुकेशन रिपोर्ट 2017: क्वालिटी एंड टीचिंग लर्निंग इन हायर एजुकेशन इन इंडिया, दिल्लीः सेज।

पुस्तक में लेख और अध्याय

मंडल एस (2018) ''द क्रिटिकल पर्सपेक्टिव्स ऑफ टीचिंग लर्निंग इन इन्डियन हायर एजुकेशन'' आलेख वर्गीज एन.वी., पचौरी, ए., मंडल, एस., (संस्करण) में प्रकाशित इंडिया हायर एजुकशेन रिपोर्ट, 2017: उच्चतर शिक्षा में शिक्षण अधिगम और गुणवत्ता'', सेज, नई दिल्ली में प्रकाशित।

वर्गीज एन.वी., पचौरी, ए., मंडल, एस., (2018) द इंट्रोडक्शन टू टीचिंग लर्निंग एण्ड क्वालिटी इन हायर एजुकेशन, वर्गीज एन.वी., पचौरी, ए., मंडल, एस., (एड) इंडिया हायर एजुकशेन रिपोर्ट, 2017: उच्चतर शिक्षा में शिक्षण अधिगम और गुणवत्ता'', सेज, नई दिल्ली में प्रकाशित।

मंडल, एस., (2018) समीक्षा लेख– मुनीर साहिब, सुखराम अब्दुल रहमान और ऐदा सूर्य मोहम्मद युनूस (एड.) 2012 डेवलपमेंट ऑफ हायर एजुकेशन एण्ड इट्स फ्यूचर्स। हायर एजुकेशन रिसर्च इंस्टिट्यूट ऑफ मलेशिया एण्ड लियम प्रैस। मलेशिया आईएसबीएनः 978–967–0225–34–0. जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एण्ड ऐडमिनिस्ट्रेशन (जेपा), नीपा में, जनवरी, 2018 में प्रकाशित।

मंडल, एस., (2018) इमरजिंग नेशनल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क इन इंडियाः अ जर्नी ऑफ दिलेमाज, सोशियल चेंज, सेज, वॉल्यूम 48, इश्यू 4।

मंडल, एस., (2018) टीचिंग इन इंडियन हायर एजुकेशनः सिक्स प्रिंसिपल्स फॉर इम्प्रूवमेंट इंटरनेशनल हायर एजुकेशन। बोस्टन कॉलेज, नं. 95, फॉल इश्यू।

मंडल, एस., (2018) टीचिंग इन इंडियन हायर एजुकेशनः टूवार्ड्स अ न्यू कन्सैप्चुअल फ्रेमवर्क, सीपीआरएचई शोध पत्र श्रृंखला 10, सीपीआरएचई/नीपा, नई दिल्ली।

मंडल, एस. और मुखोपाध्याय, एस. (2018) अ टिकिंग टाईम–बॉम्ब? इमरजिंग टूरिस्ट डैस्टिनेशंस एंड द थ्रैट्स टू द हिमालय। इंडियन जर्नल ऑफ स्पैचिअल सांइसेज, वाल्यूम 9, सं. 2।

सीपीआरएचई शोध पत्र

''टीचिंग एंड लर्निंग इन इंडिया हायर एजुकेशन'' डा. सायंतन मंडलय, नई दिल्ली सीपीआरएचई/नीपा, 2018, सिन्थेसिस रिपोर्ट

पत्र प्रस्तुत

टुवार्ड्स इफेक्टिव टीचिंग इन हायर एजुकेशनः अ सिन्थेसिस ऑफ नेशनल लेबल रिसर्च इन स्लैक्टेड इंडियन कॉलेजेज एण्ड यूनिवर्सिटीज, इन्टरनेशनल कांफ्रेंस ऑन रिसर्च इन टीचिंग, एजुकेशन एण्ड लर्निंग, सेंट्रल यूरोपीयन यूनिवर्सिटी, बूडापेस्ट, हंगरी (26–27 सितम्बर, 2018)

आमंत्रित व्याख्यान

शिक्षण और अधिगम में आईसीटी की भूमिका, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 30 जनवरी, 2019।

25 फरवरी, 2019 को सत्येन मैत्रा जन शिक्षा समिति और प्रेजीडेंसी सुधार गृह, पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा आयोजित *ट्रैवलिंग ऐज अ वे ऑफ लाइफ लॉंग लर्निंग*, विषय पर प्रेजिडेंसी सुधार गृह, कोलकाता, पश्चिम बंगाल के बंदियों के साथ विशेष व्याख्यान।

म्यांमार से आए शैक्षणिक प्रशासकों के साथ विशेष सत्र– ''टीचिंग, लर्निंग इश्यूज इन हायर एजुकेशन', शैक्षिक प्रबंधन पर अन्तर्राष्ट्रीय कार्यक्रम (आईपीईएम), नीपा, अप्रैल, 2018।

18 नवम्बर, 2018 रविवार को भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संस्थान, नई दिल्ली में प्रौढ़ शिक्षा के स्नातकोत्तर और डिप्लोमा के विद्यार्थियों के साथ (क) ग्लोबल रीजनल एण्ड नेशनल सीनारिओज ऑन लिटरेसी और (ख) पॉलीसीज ऑन एडल्ट एण्ड लाइफलॉंग लर्निंग पर सत्र।

कार्यशालाओं में भागीदारी

सीपीआरएचई और ब्रिटिश काउंसिल द्वारा आयोजित ''रोजगार और उच्च शिक्षा स्नातकों की रोजगार क्षमता'' पर अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भागीदारी, इंडिया हैवीटेट सेंटर, नई दिल्ली, 19–20 फरवरी, 2019

भारतीय विश्वविद्यालय संघ और विश्व बैंक द्वारा सह–संचालित ''उच्च शिखा के अन्तर्राष्ट्रीयकरण पर वार्ता कार्यशाला में भागीदारी, विश्व बैंक कार्यालय, लोधी रोड, नई दिल्ली, 4 अप्रैल, 2018

संवक्ता

सीपीआरएचई और ब्रिटिश काउंसिल द्वारा आयोजित ''रोजगार और उच्च शिक्षा स्नातकों की रोजगार क्षमता'' पर अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में संवक्ता, इंडिया हैवीटेट सेंटर, नई दिल्ली, 19–20 फरवरी, 2019

''विश्वविद्यालय प्रशासकों के लिए उच्च शिक्षा में नेतृत्व विकास, ऐरोसिटी, नई दिल्ली, 7–9 जनवरी, 2019

कुलपतियों के लिए उच्च शिक्षा में नेतृत्व विकास पर द्वितीय कार्यशाला, होटल प्राइड प्लाजा, ऐरोसिटी, नई दिल्ली, 24–25 जनवरी, 2019।

अन्य गतिविधियाँ

आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक (ईपीडब्ल्यू) में संलग्न लेख का चयन 'मंडल एस. (2016 जुलाई). *टीचिंग–लर्निंग प्रोसेस*, ईपीडब्ल्यु (वाल्यूम–51, नं. 29) 'आर अवर ग्रेजुएट अनइम्प्लायएबल? एन एक्जामिनेशन आफ द क्वालिटी ऑफ इंडियन एजुकेशन' चर्चा के लिए एक संग्रह पत्र के रूप में फरवरी 2019।

link https://www.epw.in/engage/discussion/are-our-graduates-unemployable

सीपीआरएचई वेबसाइट (http://cprhe.niepa.ac.in) का प्रबंधन

सीपीआरएचई वेबसाइट केंद्र के नवीनतम कार्य उसके मिशन और रोडमैप के बारे में जानकारी इसके योगदान को विविभन्न रूपों में प्रस्तुत करती है। सीपीआरएचई वेबसाइट का विकास तकनीकी टीम के परामर्श से हुआ है। सीपीआरएचई वेबसाइट का समन्वय डॉ. सायंतन मंडल, सीपीआरएचई/नीपा द्वारा होता है।

रचनात्मक डिजाइनिंग

सीपीआरएचई रिपोर्ट 2017–18 का आवरण पृष्ठ

सीपीआरएचई अनुसंधान रिपोर्ट श्रृंखला का आवरण पृष्ठ

लेआउट डिजाइनिंग– ''रोजगार और उच्च शिक्षा स्नातकों की रोजगार क्षमता'' पर अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, इंडिया हैवीटेट सेंटर, नई दिल्ली, फरवरी, 2019, सीपीआरएचई/नीपा और ब्रिटिश काउंसिल के साथ सहयोग।

प्रख्यात निकायों की सदस्यता लाइफलॉंग लर्निंग (ईएसएलईएम एलएलएल हब) के लिए एएसईएम एजुकेशन एंड रिसर्च हब, नेटवर्क–5 कोर कॉम्पेटेंशेज, डेनमार्ग।

इंडियन एडल्ट एजुकेशन एसोसिएशन (आईएईए), नई दिल्ली।

सीपीआरएचई वेबसाइट

सीपीआरएचई वेबसाइट केंद्र के नवीनतम कार्य उसके मिशन, रोडमैप और विभिन्न रूपों में ज्ञान की दुनिया में इसके योगदान को प्रस्तुत करती है। वेबसाइट पर चल रहे राष्ट्रीय अनुसंधान परियोजनाओं, आगामी घटनाओं, कार्यशालाओं, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों पर प्रकाश डाला गया है। सीपीआरएचई प्रकाशनों, जैसे सीपीआरएचई रिसर्च पेपर सीरीज, नीति सार, वार्षिक प्रतिवेदन, सेमिनार और सम्मेलनों की रिपोर्ट भी वेबसाइट पर दी गई हैं, जो मुफ्त में सभी को डाउनलोड करने के लिए उपलब्ध हैं। सीपीआरएचई वेबसाइट एक प्लेटफॉर्म है, जिसके माध्यम से केंद्र लगातार दुनियाभर के विद्वानों, शिक्षाविदों, शैक्षिक प्रबंधकों और नीति निर्माताओं के साथ जुड़ने और उत्पन्न ज्ञान को साझा करने की कोशिश कर रहा है। इसलिए केंद्र, संसाधनों को खोजने और सीपीआरएचई टीम के साथ संवाद करने के लिए उपयोगकर्ता के अनुकूल उपकरणों के साथ इसे और अधिक सूचनात्मक और इंटरैक्टिव बनाने के लिए वेबसाइट में सुधार और अद्यतन कर रहा है। वेबसाइट उच्च शिक्षा में नीति अनुसंधान से संबंधित विचारों की चर्चा और प्रसार के लिए एक गतिशील मंच के रूप में भी काम करती है। सीपीआरएचई वेबसाइट का विकास तकनीकी टीम के परामर्श से हुआ है। सीपीआरएचई वेबसाइट का समन्वय डॉ. सायंतन मंडल, सीपीआरएचई/नीपा द्वारा किया जाता है।

स्कूल मानक एवं मूल्यांकन एकक

प्रणति पांडा

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाओं में भागीदारी

अंतरराष्ट्रीय

शिक्षा विभाग, लेडी इरविन कॉलेज, नई दिल्ली में आयोजित अधिगम – आईसीएल–2018 पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया, 28–30 सितंबर, 2018।

राष्ट्रीय

'शिक्षक मूल्यांकन' प्रकाशन विमोचन पर ब्रिटिश काउंसिल, में पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया, 23 जनवरी, 2018, नई दिल्ली।

शैक्षिक योजना और प्रशासन पर जिला और ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों के राज्य स्तरीय सम्मेलन 'में एक संसाधन

व्यक्ति के रूप में भाग लिया, शिव छत्रपति क्रीड़ा संकुल, म्हालूंगी– बालेवाड़ी, पुणे, महाराष्ट्र, 06–07 फरवरी, 2018।

14 मार्च, 2019, नीपा, नई दिल्ली में एनसीएसएल राष्ट्रीय सलाहकार समूह की बैठक (2018–19) में भाग लिया।

अनुसंधान अध्ययन और परियोजनाएं

भारत में शिक्षक शिक्षा के शासन, विनियमन और गुणवत्ता आश्वासन के अध्ययन पर परियोजना का समन्वय और प्रबंधन

प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशालाएं/सम्मेलन आयोजित

शिक्षक शिक्षा में शासन, विनियमन और गुणवत्ता आश्वासन विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, 15–16 मार्च, 2018, नीपा, नई दिल्ली।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित/संचालन

एम.फिल. और पीएच.डी. कार्यक्रम के लिए भारत में शिक्षा पर एक आधार पाठ्यक्रम (कोर कोर्स– 2) विकसित किया।

एम.फिल./पीएच.डी./आईडेपा अध्येताओं को मार्गदर्शन

'अ स्टडी आफ इंटरजनरेशनल मोबिलिटी इन एजुकेशन इन इंडिया' शीर्षक पर सुश्री शास्वती प्रमाणिक, पीएचडी अध्येता को मार्गदर्शन।

गवर्नेंस आफ सेकण्डरी टीचर एजुकेशन इन मल्टीपल साइट्स एंड लोकेशनः इम्प्लीकेशंस आन इंस्टीट्यूशनल परफारमेंस एंड आउटकम', विषय पर सुश्री ट्विंकल पांडा, एम.फिल. अध्येता को मार्गदर्शन।

मैपिंग द कॉन्टैक्स्ट फार इंटरनेशनल एजुकेशनः अ कम्परेटिव केस स्टडी आफ इंटरनेशनल स्कूल्स' शीर्षक विषय में सुश्री टीना ठाकुर, एम.फिल. अध्येता को मार्गदर्शन।

सार्वजनिक निकायों को परामर्श और अकादमिक सहायता

एनसीटीई को विस्तारित शैक्षणिक समर्थन 'शिक्षक शिक्षा विशरद हेतु रिफ्रेशर कोर्स के लिए दिशानिर्देश और शिक्षक शिक्षा विशरद के लिए रिफ्रेशर कोर्स (एमएड स्तर) (एनसीटीई और यूजीसी)।

शिक्षक शिक्षा में सुधार के लिए ओडिशा सरकार और एससीईआरटी, ओडिशा को विस्तारित शैक्षणिक सहायता।

बाहरी विशेषज्ञ के रूप में, शिक्षा में चयन समिति की बैठक में भाग लिया, पटना विश्वविद्यालय, 10 मार्च, 2018।

दिल्ली विश्वविद्यालय, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, उत्कल विश्वविद्यालय, उस्मानिया विश्वविद्यालय आदि के छह पीएचडी और एक एम.फिल. थीसिस के लिए बाहरी मूल्यांकनकर्ता और परीक्षक।

शिक्षक शिक्षा पर केंद्र प्रायोजित योजना के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय के शिक्षक शिक्षा अनुमोदन बोर्ड के सदस्य के रूप में शिक्षक शिक्षा पर विभिन्न राज्यों को विस्तारित शैक्षणिक समर्थन।

नीपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

सदस्य, पत्रिका सलाहकार बोर्ड, एनसीटीई

सदस्य, एससीईआरटी, के कार्यक्रम सलाहकार बोर्ड, नई दिल्ली

सदस्य, शिक्षक शिक्षा अनुमोदन बोर्ड, एमएचआरडी, नई दिल्ली

कार्यकारी बोर्ड के सदस्य, आरएमएसए (टीसीए)

कार्यकारी बोर्ड के सदस्य, शिक्षक शिक्षा में सुधार, यूनिसेफ और एससीईआरटी, पुणे

केईडीआई जर्नल ऑफ एजुकेशन पॉलिसी (केजेईपी) के अंतर्राष्ट्रीय संपादकीय बोर्ड के सदस्य

सदस्य, स्कूल प्रभावशीलता और सुधार पर अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस

सदस्य, इंडियन एसोसिएशन ऑफ टीचर एजुकेटर्स

संस्थापक सदस्य, शिक्षा में अंतर्राष्ट्रीय मंच (आईआरओआरई)

सदस्य, पूर्व छात्र संघ, केंद्रीय शिक्षा संस्थान, नई दिल्ली

आजीवन सदस्य, शैक्षिक अनुसंधान के लिए अखिल भारतीय संघ

रस्मिता दास स्वैन

प्रकाशन

स्कूल मानक एवं मूल्यांकन दस्तावेज़

बाह्य मूल्यांकन के लिए दिशानिर्देश (2018), (अंग्रेजी) स्कूल मानक एवं मूल्यांकन एकक, नीपा, नई दिल्ली।

बाहरी मूल्यांकन के लिए दिशानिर्देश (2018), (हिन्दी) स्कूल मानक एवं मूल्यांकन एकक, नीपा, नई दिल्ली।

शाला सिद्धिः स्व और बाहरी मूल्यांकन

स्कूल स्व–मूल्यांकन वार्षिक गतिविधियाँ और सभी राज्य तथा संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा दो निरन्तर चक्रों (2016–18 और 2018–19 में) इसे कार्यान्वित किया गया। प्रत्येक राज्य के 33 प्रतिशत विद्यालयों का बाह्य मूल्यांकन एक वर्ष के चक्र में पूरा कर लिया जाएगा।

वर्ष 2017–18 अधिगम वर्ष का जहाँ 604824 विद्यालयों ने स्व–मूल्यांकन कार्य पूरा किया है और 547200 विद्यालयों ने स्कूल स्व–मूल्यांकन डैशबोर्ड अपलोड किया है। शैक्षणिक वर्ष 2018–19 के लिए 632024 विद्यालयों ने अपना स्व–मूल्यांकन पूरा किया है और 612035 स्कूलों ने डैशबोर्ड अपलोड किया है।

क्षमता निर्माण कार्यक्रम

शाला सिद्धि कार्यक्रम को सच्चे अर्थ में लागू करने के लिए और इसकी तैयारी करने के लिए भी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के लिए बहुत से क्षमता निर्माण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। गत तीन वर्षों में 10 लाख शिक्षक प्रशिक्षक, शिक्षा विभाग के अधिकारी/कर्मचारी, प्रधानाध्यापकों और अध्यापकों को तैयारी कार्यनीतिक आयोजना के लिए प्रशिक्षित किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशाला/संगोष्ठी का अयोजन

बाह्य मूल्यांकन पर राष्ट्रीय परामर्शी बैठक (शाला सिद्धि) 23–24 जनवरी, 2018

स्कूल बाह्य मूल्यांकन पर क्षेत्रीय कार्यशालाः भारत के उत्तर–पूर्वी क्षेत्र के लिए शाला सिद्धि, गुवाहाटी, असम, 10–11 दिसम्बर, 2018

राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित कार्यशालाएँ (नीपा)

15–17 जनवरी, 2018 को बाह्य मूल्यांकन के लिए दिशानिर्देशों के विकास पर विशेषज्ञ समूह कार्यशालाएँ।

10–11 सितम्बर, 2018 को स्कूल सुधार के लिए स्कूल मूल्यांकन दिशानिर्देशों से परे विशेषज्ञ समूह कार्यशालाएँ।

स्कूल सुधार के लिए कार्रवाई हेतु विशेषज्ञ समूह की समीक्षा कार्यशाला, 20–21 दिसंबर, 2018

स्कूल स्व–मूल्यांकन पर राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रम (शाला सिद्धि)

26 अप्रैल, 2018 और 23–24 मई, 2018 को एससीईआरटी दिल्ली में स्कूल बाह्य–मूल्यांकनः शाला सिद्धि पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम

23–24 अगस्त, 2018 को ईटानगर, अरूणाचल प्रदेश में 68 टीचर एजुकेटर्स, एजुकेशन ऑफीशियल्स और प्रधानाध्यापकों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम शाला सिद्धिः ट्रेनिंग ऑफ डिस्ट्रिक्ट रिसोर्स ग्रुप (डीआरजी)

30–31 अगस्त, 2018 को गुजरात में स्कूल बाह्य–मूल्यांकन पर क्षमता निर्माण कार्यक्रमः शाला सिद्धि में 55 शिक्षकों, शिक्षाविशरदों, शिक्षा अधिकारियों और प्रधानाध्यापकों को शामिल किया गया।

7 सितम्बर, 2018 को कर्नाटक में स्कूल बाह्य–मूल्यांकन पर क्षमता निर्माण कार्यक्रमः शाला सिद्धि में 250 शिक्षकों,

शिक्षाविशरदों, शिक्षा अधिकारियों और प्रधानाध्यापकों को शामिल किया गया।

28 सितम्बर, 2018 को मध्य प्रदेश में स्कूल बाह्य–मूल्यांकन पर क्षमता निर्माण कार्यक्रमः शाला सिद्धि में 45 शिक्षकों, शिक्षाविशरदों, शिक्षा अधिकारियों और प्रधानाध्यापकों को शामिल किया गया।

09 अक्टूबर, 2018 को उत्तर प्रदेश में स्कूल बाह्य–मूल्यांकन पर क्षमता निर्माण कार्यक्रमः शाला सिद्धि में 250 शिक्षकों, शिक्षाविशरदों, शिक्षा अधिकारियों और प्रधानाध्यापकों को शामिल किया गया।

10–11 अक्टूबर, 2018 को पश्चिम बंगाल में स्कूल बाह्य–मूल्यांकन पर क्षमता निर्माण कार्यक्रमः शाला सिद्धि में 85 शिक्षकों, शिक्षाविशरदों, शिक्षा अधिकारियों और प्रधानाध्यापकों को शामिल किया गया।

30–31 अक्टूबर, 2019 को पुडुचेरी में स्कूल बाह्य–मूल्यांकन पर क्षमता निर्माण कार्यक्रमः शाला सिद्धि में 95 शिक्षकों, शिक्षाविशरदों, शिक्षा अधिकारियों और प्रधानाध्यापकों को शामिल किया गया।

15–16 नवंबर, 2019 को तेलंगाना में स्कूल बाह्य–मूल्यांकन पर क्षमता निर्माण कार्यक्रमः शाला सिद्धि में 250 शिक्षकों, शिक्षाविशरदों, शिक्षा अधिकारियों और प्रधानाध्यापकों को शामिल किया गया।

वेब पोर्टल प्रबंधन

शाला सिद्धि में एक समर्पित और अन्तःक्रियात्मक वेबपोर्टल (www.shaalasiddhi.niepa.ac.in) है। इस वेब पोर्टल में कार्यक्रम से संबंधित सभी दस्तावेज हैं। जिसे प्रयोक्ता डाउनलोड कर सकते हैं। इस वेबपोर्टल में स्कूल स्व एवं बाह्य मूल्यांकन डैशबोर्ड को अपलोड करने का प्रावधान है। स्व एवं बाह्य स्कूल मूल्यांकन प्रतिवेदन दोनों सहित एक समेकित विद्यालय मूल्यांकन प्रतिवेदन तैयार किया जाता है। प्रैक्टिशनर, नीति निर्माता, अन्य सभी हितधारक यहाँ से सूचना प्राप्त कर गुणवत्तापरक स्कूली शिक्षा की पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित कर सकते हैं।

विश्लेषणात्मक रिपोर्ट का विकास

स्कूल स्व–मूल्यांकन डैशबोर्ड के आधार पर स्कूल के निष्पादन विश्लेषिकी उत्पन्न होती हैं

राष्ट्र स्कूल निष्पादन विश्लेषिकी 2018–19 (पूर्ण)

राज्यवार निष्पादन विश्लेषिकी 2018–19 (36 राज्य/केंद्र शासित प्रदेश)। (पूर्ण)

स्व–मूल्यांकन डैशबोर्ड पर आधारित स्कूल प्रदर्शन के डेटा विश्लेषण (2016–18) की प्रक्रिया चल रही है।

आईसीटी अनुप्रयोग

के. श्रीनिवास

शैक्षणिक योगदान

6–7 अप्रैल, 2018 को यूजीसी–मानव संसाधन विकास केन्द्र, नेहू, शिलांग में मूडल मूक, ओईआर, शैक्षणिक प्रौद्योगिकी युक्तियां के क्षेत्र में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लेने वाले शिक्षकों के लिए दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।

11 अप्रैल, 2018 को आईएएसई, त्रिशूर में शिक्षा विभाग, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, केरल द्वारा आयोजित ''साइवरगोगी फॉर इन्गेज्ड लर्निंग'' विषय पर सामुदायिक चेतना कार्यक्रम में भाग लिया और आरंभिक संबोधन किया।

एनआईटी, वारंगा में बाह्य सदस्य के रूप में ई एण्ड आईसीटी एकेडमी की दिनभर चली बैठक में भाग लिया।

17–18 अप्रैल, 2018 को कंटेंट डेवलपमेंट, ओईआर, एजुकेशनल टैक्नोलॉजी टूल्स और मूडल मूक प्लेटफॉर्म पर एसआरएम यूनिवर्सिटी, सोनीपत, हरियाणा के संकाय

सदस्यों के लिए आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।

26–27 अप्रैल, 2018 को कन्टेंट डेवलपमेंट ओईआर, एजुकेशनल टैक्नोलॉजी टूल्स और मूडल मूक प्लेटफॉर्म पर एनआईटी वारंगल, हरियाणा के संकाय सदस्यों के लिए दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।

05–06 मई, 2018 को धनबाद कॉलेज, धनबाद के संकाय सदस्यों के लिए कन्टेंट डेवलपमेंट ओईआर, एजुकेशनल टैक्नोलॉजी टूल्स और मूडल मूक प्लेटफॉर्म पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।

08 मई, 2018 को गुरूनानक कॉलेज ऑफ एजुकेशन, पंजाबी बाग के संकाय सदस्यों के लिए कन्टेंट डेवलपमेंट ओईआर, एजुकेशनल टैक्नोलॉजी टूल्स और मूडल मूक प्लेटफॉर्म पर दिनभर चलने वाली कार्यशाला का आयोजन किया।

12–13 मई, 2018 को महर्षि दयानन्द यूनिवर्सिटी के संकाय सदस्यों के लिए कन्टेंट डेवलपमेंट ओईआर, एजुकेशनल टैक्नोलॉजी टूल्स और मूडल मूक प्लेटफॉर्म पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।

14–16 मई, 2018 को केन्द्रीय विश्वविद्यालय हरियाणा के संकाय सदस्यों के लिए कन्टेंट डेवलपमेंट ओईआर, एजुकेशनल टैक्नोलॉजी टूल्स और मूडल मूक प्लेटफॉर्म पर दो दिवसीय हैण्ड्सऑन कार्यशाला का आयोजन किया।

21–22 मई, 2018 को जे.एन.टी.यू. हैदराबाद के संकाय सदस्यों के लिए कन्टेंट डेवलपमेंट ओईआर, एजुकेशनल टैक्नोलॉजी टूल्स और मूडल मूक प्लेटफॉर्म पर दो दिवसीय (चरण–II) हैण्ड्सऑन कार्यशाला का आयोजन किया।

23 मई, 2018 को यूनिवर्सिटी ऑफ हैदराबाद,शिक्षण में वार्षिक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम की शैक्षणिक सलाहकार समिति की बैठक में भाग लिया।

24–25 मई, 2018 को यूजीसी–मानव संसाधन विकास केन्द्र हैदराबाद विश्वविद्यालय में वार्षिक परिबोधन कार्यक्रम में भाग लेने वाले संकाय सदस्यों के लिए कन्टेंट डेवलपमेंट ओईआर, एजुकेशनल टैक्नोलॉजी टूल्स और मूडल मूक प्लेटफॉर्म पर दो दिवसीय हैण्ड्सऑन कार्यशाला का आयोजित।

26 मई, 2018 को अमिटी, नोएडा के संकाय सदस्यों के लिए एक दिवसीय हैंड्सऑन कार्यशाला का आयोजन।

केन्द्रीय विश्वविद्यालय जम्मू के संकाय सदस्यों के लिए 27–29 मई, 2018 को कन्टेंट डेवलपमेंट ओईआर, एजुकेशनल टैक्नोलॉजी टूल्स और मूडल मूक प्लेटफॉर्म पर तीन दिवसीय हैण्ड्सऑन कार्यशाला का आयोजित।

30 मई, 2018 को श्री लाल बहादुर शास्त्री संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली में मूक शैक्षणिक सलाहकार समिति की बैठक में भागीदारी।

02–03 जून, 2018 को राजस्थान टैक्निकल यूनिवर्सिटी कोटा में वार्षिक परिबोधन कार्यक्रम में भाग लेने वाले संकाय सदस्यों के लिए कन्टेंट डेवलपमेंट ओईआर, एजुकेशनल टैक्नोलॉजी टूल्स और मूडल मूक प्लेटफॉर्म पर दो दिवसीय हैण्ड्सऑन कार्यशाला का आयोजित।

08–09 जून, 2018 को यूजीसी–मानव संसाधन विकास केन्द्र, कुमाऊँ विश्वविद्यालय में वार्षिक परिबोधन कार्यक्रम में भाग लेने वाले संकाय सदस्यों के लिए कन्टेंट डेवलपमेंट ओईआर, एजुकेशनल टैक्नोलॉजी टूल्स और मूडल मूक प्लेटफॉर्म दो दिवसीय हैण्ड्सऑन कार्यशाला का संचालन।

12 जून, 2018 को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यूजीसी मूक शैक्षणिक सलाहकार समिति की बैठक में भाग लिया।

हैदराबाद विश्वविद्यालय में 15 जून, 2018 को वार्षिक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (अर्पित), शैक्षणिक सलाहकार समिति की बैठक में भाग लिया।

22–23 जून, 2018 को इ एण्ड आईसीटी एकेडमी, एनआईटी, वारंगल में कन्टेंट डेवलपमेंट ओईआर, एजुकेशनल टैक्नोलॉजी टूल्स और मूडल मूक प्लेटफॉर्म पर भाग लेने वाले संकाय सदस्यों के लिए दो दिवसीय हैण्ड्सऑन कार्यशाला का आयोजन।

28–29 जून, 2018 को यूजीसी–मानव संसाधन विकास केन्द्र, डीवीवीवी इंदौर द्वारा कन्टेंट डेवलपमेंट ओईआर, एजुकेशनल टैक्नोलॉजी टूल्स और मूडल मूक प्लेटफॉर्म पर मूक की कार्यशाला में भाग लेने वाले संकाय सदस्यों के लिए दो दिवसीय हैण्ड्सऑन कार्यशाला का आयोजन।

20–21 अगस्त, 2018 को यूजीसी–मानव संसाधन विकास केन्द्र, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा कन्टेंट डेवलपमेंट ओईआर, एजुकेशनल टैक्नोलॉजी टूल्स और मूडल मूक प्लेटफॉर्म पर मूक की कार्यशाला में भाग लेने वाले संकाय सदस्यों के लिए दो दिवसीय हैण्ड्सऑन कार्यशाला का आयोजन।

27 अगस्त, 2018 को बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी में यूजीसी–एचआरडीसी के निदेशकों की बैठक में भाग लिया और इसे संबोधित किया।

31 अगस्त से 2 सितम्बर, 2018 तक एपीएससीएचई द्वारा आयोजित कार्यशाला में कन्टेंट डेवलपमेंट ओईआर, एजुकेशनल टैक्नोलॉजी टूल्स और मूडल मूक प्लेटफॉर्म पर आन्ध्र प्रदेश विश्वविद्याल के संकाय सदस्यों के लिए तीन दिवसीय हैण्ड्सऑन कार्यशाला का आयोजन।

06–07 सिंतबर, 2018 को फातिमा कॉलेज, मदुरै द्वारा कन्टेंट डेवलपमेंट ओईआर, एजुकेशनल टैक्नोलॉजी टूल्स और मूडल मूक प्लेटफॉर्म पर मूक की कार्यशाला में भाग लेने वाले संकाय सदस्यों के लिए दो दिवसीय हैण्ड्सऑन कार्यशाला का आयोजन।

10 सितम्बर, 2018 को इग्नू, स्कूल ऑफ एजुकेशन, स्कूल बोर्ड की बैठक में भाग लिया।

17 सितम्बर, 2018 को पांडिचेरी यूनिवर्सिटी के शिक्षण में वार्षिक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (अर्पित) की शैक्षणिक सलाहकार समिति की बैठक में बाह्य तकनीकी विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।

22–23 सितम्बर, 2018 को गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर द्वारा कन्टेंट डेवलपमेंट ओईआर, एजुकेशनल टैक्नोलॉजी टूल्स और मूडल मूक प्लेटफॉर्म पर मूक की कार्यशाला में भाग लेने वाले संकाय सदस्यों के लिए दो दिवसीय हैण्ड्सऑन कार्यशाला का आयोजन।

29 सितम्बर, 2018 को राँची विश्वविद्यालय, राँची में शिक्षण में वार्षिक पुनश्चर्या कार्यक्रम (अर्पित) की शैक्षणिक सलाहकार परिषद की बैठक में भाग लिया।

4 अक्टूबर, 2018 को सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ साऊथ बिहार, गया में शिक्षण में वार्षिक पुनश्चर्या कार्यक्रम (अर्पित) की शैक्षणिक सलाहकार परिषद की बैठक में भाग लिया।

16–17 अक्टूबर, 2018 को यूजीसी–एचआरडीसी, मद्रास यूनिवर्सिटी द्वारा कन्टेंट डेवलपमेंट ओईआर, एजुकेशनल टैक्नोलॉजी टूल्स और मूडल मूक प्लेटफॉर्म पर मूक की कार्यशाला में भाग लेने वाले संकाय सदस्यों के लिए दो दिवसीय हैण्ड्सऑन कार्यशाला का आयोजन।

22–23 अक्टूबर, 2018 को यूजीसी–एचआरडीसी, जम्मू विश्वविद्यालय द्वारा कन्टेंट डेवलपमेंट ओईआर, एजुकेशनल टैक्नोलॉजी टूल्स और मूडल मूक प्लेटफॉर्म पर मूक की कार्यशाला में भाग लेने वाले संकाय सदस्यों के लिए दो दिवसीय हैण्ड्सऑन कार्यशाला का आयोजन।

31 अक्टूबर, 2018 से 2 नवम्बर, 2018 तक स्कूल ऑफ एजुकेशन, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ केरल, कासरगोड़, केरल द्वारा स्वयम के माध्यम से मूक पर आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला और प्रोमो वीडियो निर्माण के लिए मुख्य संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया।

02–04 नवम्बर, 2018 को बेंकटेश्वर महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा कन्टेंट डेवलपमेंट ओईआर, एजुकेशनल टैक्नोलॉजी टूल्स और मूडल मूक प्लेटफॉर्म पर मूक की कार्यशाला में भाग लेने वाले संकाय सदस्यों के लिए तीन दिवसीय हैण्ड्सऑन कार्यशाला का आयोजन।

09–11 नवम्बर, 2018 तक एपीसीसीई और ई एण्ड आईसीटी एकेडमी, एनआईटी वारंगल द्वारा कन्टेंट डेवलपमेंट ओईआर, एजुकेशनल टैक्नोलॉजी टूल्स और मूडल मूक प्लेटफॉर्म पर मूक की कार्यशाला में भाग लेने वाले आन्ध्र प्रदेश डिग्री कॉलेज के संकाय सदस्यों (बैच–1) के लिए हैण्ड्सऑन कार्यशाला का आयोजन।

12–13 नवम्बर, 2018 को केन्द्रीय विश्वविद्यालय जम्मू द्वारा कन्टेंट डिजाइन, डेवलपमेंट ओईआर, एजुकेशनल टैक्नोलॉजी टूल्स और मूडल मूक प्लेटफॉर्म पर मूक की कार्यशाला में भाग लेने वाले लेह और लद्दाख के संकाय सदस्यों के लिए दो दिवसीय हैण्ड्सऑन कार्यशाला का आयोजन।

19–21 नवम्बर, 2018 एपीसीसीई और ई एण्ड आईसीटी एकेडमी, एनआईटी वारंगल द्वारा कन्टेंट डिजाइन, डेवलपमेंट ओईआर, एजुकेशनल टैक्नोलॉजी टूल्स और मूडल मूक प्लेटफॉर्म पर मूक की कार्यशाला में भाग लेने वाले आन्ध्र प्रदेश डिग्री कॉलेज के संकाय सदस्यों (बैच–2) के लिए तीन दिवसीय हैण्ड्सऑन कार्यशाला का आयोजन।

30 नवम्बर से 02 दिसम्बर, 2018 एपीसीसीई और ई एण्ड आईसीटी एकेडमी, एनआईटी वारंगल द्वारा कन्टेंट डिजाइन, डेवलपमेंट ओईआर, एजुकेशनल टैक्नोलॉजी टूल्स और मूडल मूक प्लेटफॉर्म पर मूक की कार्यशाला में भाग लेने वाले आन्ध्र प्रदेश डिग्री कॉलेज के संकाय सदस्यों (बैच–3) के लिए तीन दिवसीय हैण्ड्सऑन कार्यशाला का आयोजन।

14–16 दिसम्बर, 2018 तक कन्टेंट डिजाइन, डेवलपमेंट ओईआर, एजुकेशनल टैक्नोलॉजी टूल्स और मूडल मूक प्लेटफॉर्म पर मूक कार्यशाला में भाग लेने वाले श्री श्री रविशंकर यूनिवर्सिटी के संकाय सदस्यों के लिए तीन दिवसीय हैण्ड्सऑन कार्यशाला का आयोजन।

07–09 जनवरी, 2019 को कन्टेंट डिजाइन, डेवलपमेंट ओईआर, एजुकेशनल टैक्नोलॉजी टूल्स और मूडल मूक प्लेटफॉर्म पर मूक कार्यशाला में भाग लेने वाले कालिन्दी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय संकाय सदस्यों के लिए तीन दिवसीय हैण्ड्सऑन कार्यशाला का आयोजन।

18–20 जनवरी, 2019 को जेएनटीयू अनंतपुर और ई एंड आईसीटी अकादमी एनआईटी वारंगल द्वारा कन्टेंट डिजाइन, डेवलपमेंट ओईआर, एजुकेशनल टैक्नोलॉजी टूल्स और मूडल मूक प्लेटफॉर्म पर आयोजित मूक कार्यशाला में भाग लेने वाले संकाय सदस्यों के लिए तीन दिवसीय हैण्ड्सऑन कार्यशाला का आयोजन।

04–06 फरवरी, 2019 तक स्कूल ऑफ एजुकेशनल, गाँधी ग्राम द्वारा कन्टेंट डिजाइन, डेवलपमेंट ओईआर, एजुकेशनल टैक्नोलॉजी टूल्स और मूडल मूक प्लेटफॉर्म पर आयोजित मूक कार्यशाला में भाग लेने वाले संकाय सदस्यों के लिए तीन दिवसीय हैण्ड्सऑन कार्यशाला का आयोजन।

''लीडरशिप फॉर एकेडमिक प्रोग्राम (लीप)'' मानव संसाधन विकास मंत्रालय, उच्चतर शिक्षा विभाग, भारत सरकार की सहायता से जेएनयू–लीप तीन साप्ताहिक कार्यक्रम (दो सप्ताह भारत में और एक सप्ताह विदेश में) भाग लेने वाले प्रतिभागियों के लिए मंगलवार, 12 फरवरी, 2019 को ''टैक्नोलॉली एनेबल्ड टीचिंग एण्ड लनिग इन हायर एजुकेशनः इश्यूज एण्ड चैलेंजेज एण्ड ई–गवर्नेंस इन हायर एजुकेशन'' पर दो सत्रों में व्याख्यान दिया।

केन्द्रीय विश्वविद्यालय जम्मू में आयोजित उत्तरी क्षेत्र के छह–राज्यों (जम्मू और कश्मीर,उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और दिल्ली–एनसीआर) के विश्वविद्यालयों के कुलपतियों एवं अन्य वरिष्ठ सदस्यों द्वारा 4 दिवसीय (फरवरी 12–15, 2019) बैठक में ''यूज ऑफ आईसीटी एण्ड प्रोसेस रिफॉर्म्स फॉर इम्प्रूब्ड इंटर्नल गवर्नेंस'' विषय पर विचार–विमर्श को सुकर बनाने के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

12–15 फरवरी, 2019 तक एसोसिएशन ऑफ इण्डियन यूनिवर्सिटी के सहयोग से केन्द्रीय विश्वविद्यालय जम्मू की मेजबानी में कुलपतियों के लिए चार दिवसीय उच्च शिक्षा नेतृत्व कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, उच्चतर शिक्षा विभाग, भारत सरकार के सहयोग से ''लीडरशिप फॉर एकेडमिशियन्स प्रोग्राम (लीप) पर त्रि साप्ताहिक कार्यक्रम (दो सप्ताह भारत में और एक सप्ताह विदेश में) ''यूनिवर्सिटी ऑफ हैदराबाद – लीडरशिप फॉर एकेडमिशियन्स प्रोग्राम (लीप) भाग लेने वालों के लिए शनिवार, 16 फरवरी, 2019 को ''टैक्नोलॉजी एनेबल्ड टीचिंग एण्ड लर्निंग इन हायर एजुकेशनः इश्यूज एण्ड चैलेंजेज एण्ड ई–गवर्नेंस इन हायर एजुकेशन'' पर चार सत्रों में व्याख्यान दिया।

इन्द्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली की मेजबानी में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) के लिए शुक्रवार 22 फरवरी, 2019 को संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

डिजाइन, डेवलप एण्ड डेलिवर मूक कोर्सेज पर तीन दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित करने के लिए जे.एन.टी.यू. हैदराबाद द्वारा संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित। 26–28 फरवरी 2019

02–03 मार्च, 2019 को आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित दो दिवसीय संकाय अनुसंधान क्षमता निर्माण कार्यक्रम के लिए डा. बी.आर. अम्बेडकर यूनिवर्सिटी ऑफ सोशल साइंसेज, मऊ, मध्य प्रदेश द्वारा संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

एस.आर.एम. यूनिवर्सिटी, सोनीपत, हरियाणा द्वारा 6 मार्च, 2019 को आयोजित अध्ययन मंडल में भाग लिया।

01–12 मार्च, 2019 तक स्वयम–पाठ्यक्रम समन्वयक प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालन की प्रकारता को अंतिम रूप देने के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय स्वयम सीसी प्रशिक्षण बैठक में भाग लिया।

नेहू, शिलांग द्वारा संचालित अभिविन्यास कार्यक्रम में भाग लेने वाले संकाय के लिए एक पूर्ण दिन 12–13 मार्च, 2019, को एमओओसी (मूक) पाठ्यक्रम की रूपरेखा, विकास और वितरण पर व्याख्यान दिए।

19–20 मार्च, 2019 को टीईक्यूयूआईपी द्वारा प्रायोजित दो दिवसीय संकाय अनुसंधान क्षमता निर्माण कार्यक्रम के लिए कोयम्बटूर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (सीआईटी), कोयम्बटूर, तमिलनाडु द्वारा संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

23–25 मार्च, 2019 को सिद्धार्थ महिला कॉलेज विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश द्वारा तीन दिवसीय संकाय अनुसंधान क्षमता निर्माण कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

सार्वजनिक निकायों को शैक्षणिक सहायता

2 अप्रैल 2018 को लेडी डॉक कॉलेज के अकादमिक परिषद की बैठक में भागीदारी

30 अक्टूबर 2018 को गांधीग्राम ग्रामीण संस्थान मानद विश्वविद्यालय में मा.सं.वि.मं. की पीएसएसएसएनएसटीटी योजना के तहत स्कूल शिक्षा के लिए शैक्षणिक सलाहकार समिति की बैठक में भाग लिया।

दिसंबर 2018 को आंध्र प्रदेश उच्च शिक्षा परिषद (एपीएससीएचई), अमरावती में आयोजित ऑनलाइन पाठ्यक्रमों पर एक दिन की बैठक में भाग लिया।

14 मार्च, 2019 को इग्नू स्कूल ऑफ एजुकेशन बोर्ड की बैठक में भाग लिया।

परिशिष्ट

परिशिष्ट-I

नीपा परिषद के सदस्य

(31 मार्च, 2019 के अनुसार)

नीपा परिषद का संघटन

अध्यक्ष

1. केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री — अध्यक्ष
   भारत सरकार

2. प्रो. एन.वी. वर्गीज — उपाध्यक्ष
   कुलपति
   नीपा

पदेन सदस्य

3. सचिव, भारत सरकार — सदस्य
   उच्चतर शिक्षा विभाग,

4. सचिव, भारत सरकार — सदस्य
   स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

5. अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग — सदस्य
   नई दिल्ली

6. निदेशक, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान — सदस्य
   एवं प्रशिक्षण परिषद
   (एनसीईआरटी), नई दिल्ली

7. वित्त सलाहकार — सदस्य
   मानव संसाधन विकास मंत्रालय
   भारत सरकार

तीन प्रख्यात शिक्षाविद्
अध्यक्ष, द्वारा नामित

8. प्रो. एच.सी. वर्मा
   भौतिक विभाग
   भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान,
   कानपुर–208 016

9. प्रो. विनय कुमार पाठक
   कुलपति,
   डा. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय
   आईईटी कैम्पस, सीतापुर रोड,
   लखनऊ, उत्तर प्रदेश–226021

10. प्रो. मोहम्मद अख्तर सिद्दकी
प्रोफेसर
इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस स्टडीज़ इन एजुकेशन
शिक्षा संकाय, जामिया मिलिया इस्लामिया,
नई दिल्ली–110025

अध्यक्ष द्वारा परिक्रमवार
राज्य प्रतिनिधि मनोनीत सदस्य
(पांच क्षेत्रों से एक–एक सदस्य)

11. अपर मुख्य सचिव, (उच्चतर शिक्षा)
कर्नाटक सरकार
कक्ष सं. 645, छठा तल, एम.एस. भवन,
बंगलुरू–560 001

12. अपर मुख्य सचिव,
स्कूल शिक्षा विभाग
मध्य प्रदेश सरकार
भोपाल–462 003

13. अपर मुख्य सचिव
स्कूल शिक्षा विभाग
हरियाणा सरकार,
चंडीगढ़

14. मुख्य सचिव,
शिक्षा विभाग
मेघालय सिविल सचिवालय
माइंतडू भवन, शिलांग–793 001

15. सचिव, (स्कूली शिक्षा)
झारखण्ड सरकार,
सचिवालय, रांची
झारखंड–834 001

संस्थान का एक संकाय सदस्य
(अध्यक्ष, नीपा परिषद द्वारा नामित)

16. प्रो. एन.वी. वर्गीज
निदेशक, उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केन्द्र,
नीपा, नई दिल्ली

17. कुलसचिव
नीपा परिषद के सचिव, नीपा,
17–बी, श्री अरविन्द मार्ग
नई दिल्ली–110016

परिशिष्ट–II

प्रबंधन बोर्ड के सदस्य

(31 मार्च, 2019 के अनुसार)

अध्यक्ष

1. प्रो. एन.वी. वर्गीज — अध्यक्ष
   कुलपति, नीपा

2–4 अध्यक्ष, नीपा परिषद द्वारा नामित तीन सदस्य

2. प्रो. बी.एल. चौधरी, — सदस्य
   भूतपूर्व कुलपति,
   मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय,
   उदयपुर,

3. प्रो. अमित गर्ग, — सदस्य
   प्रो. सार्वजनिक व्यवस्था,
   भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद,

4. प्रो. रमा मिश्रा, — सदस्य
   भूतपूर्व प्रोफेसर
   विद्यालय शिक्षा (आई.ए.एस.ई),
   तक्षशिला परिसर, डी.ए.वी. वी, इंदौर,

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार का एक नामिती

5. डा. एन श्रवण कुमार, — सदस्य
   संयुक्त सचिव (पी तथा आई.सी.सी)
   उच्चतर शिक्षा विभाग, मा.सं.वि. मंत्रालय
   शास्त्री भवन, नई दिल्ली

6अ. नीपा के वरिष्ठतम प्रोफेसर (डीन)

प्रो. नज़मा अख्तर, — सदस्य
अध्यक्ष, शैक्षिक प्रशिक्षण एवं क्षमता विकास विभाग — (27.08.2018 तक)
नीपा, नई दिल्ली

6बी. प्रो. सुधांशु भूषण, — सदस्य
अध्यक्ष, उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग — (28.08.2018 से)

नीपा संकाय के दो सदस्य
(संस्थान के संकाय से एक प्रोफेसर)

7अ. प्रो. सुधांशु भूषण, — सदस्य
अध्यक्ष, उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग — (27.08.2018 तक)

7बी. प्रो. अरूण सी मेहता — सदस्य
अध्यक्ष, शैक्षिक प्रबंधन सूचना प्रणाली विभाग — (28.08.2018 से)
नीपा, नई दिल्ली

नीपा संकाय से एक सह–प्रोफेसर या सहायक प्रोफेसर

8. डा. वीरा गुप्ता, — सदस्य
   सह–प्रोफेसर, स्कूल मानक एवं मूल्यांकन एकक

9. कुलसचिव, नीपा

प्रो. कुमार सुरेश — सचिव
कुलसचिव (प्रभारी)

परिशिष्ट-III

वित्त समिति के सदस्य

(31 मार्च, 2019 के अनुसार)

1. प्रो. एन.वी. वर्गीज — अध्यक्ष – पदेन
   कुलपति,
   नीपा,
   नई दिल्ली–110 016

(अध्यक्ष, नीपा परिषद द्वारा नामित)

2. श्री योगेश गौतम,
   चार्टेड एकाउन्टेन्ट, जयपुर–302001

3. श्री महावीर अग्रवाल
   (चार्टेड एकाउन्टेन्ट)
   वरिष्ठ अध्यक्ष, यस बैक
   मुम्बई–400101

कुलपति द्वारा नामित एक सदस्य

4. श्री इन्द्रपाल सिंह
   आई.ए. तथा ए.एस. (सेवानिवृत्त)
   भारत के उप नियंत्रक तथा महालेखा
   नियंत्रक, महालेखा कार्यालय, नई दिल्ली

मा.सं.वि. मंत्रालय के प्रतिनिधि

5. सुश्री दर्शना एम. डबराल
   वित्तीय सलाहकार
   मा.सं.वि. मंत्रालय, भारत सरकार
   शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110001

अन्य सदस्य

6. कुलसचिव — विशेष आमंत्रिति
   नीपा,
   नई दिल्ली–110 016

7. डा. सुभाष शर्मा — सचिव
   वित्त अधिकारी (प्रभारी)
   नीपा,
   नई दिल्ली–110 016

परिशिष्ट-IV

अकादमिक परिषद के सदस्य

(31 मार्च, 2019 के अनुसार)

1.	प्रो. एन.वी. वर्गीज कुलपति, नीपा, नई दिल्ली	– *अध्यक्ष*
2 से 4	तीन प्रख्यात शिक्षाविद् जो नीपा के कार्यकलापों से जुड़े हुए हों और संस्थान की सेवा में न हों)	– सदस्य अध्यक्ष द्वारा नामित
2.	प्रो. अरविन्द तिवारी डीन, विधि विद्यालय, अधिकार तथा संवैधानिक अभिशासन टाटा समाज विज्ञान संस्थान (टी.आई.एस.एस.), मुंबई	– सदस्य
3.	प्रो. एच.सी. वर्मा प्रोफेसर, भौतिक विभाग आई.आई.टी., कानपुर	– सदस्य
4.	प्रो. कैलाश सोडानी कुलपति, गोबिन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय बांसबाडा, राजस्थान	– सदस्य
5अ.	डा. (श्रीमती) नज़मा अख्तर प्रोफेसर और अध्यक्ष शैक्षिक प्रशिक्षण एवं क्षमता विकास विभाग, नीपा, नई दिल्ली	– सदस्य (30.11.2018 तक)
5बी.	डा. बी. के. पांडा प्रोफेसर और अध्यक्ष शैक्षिक प्रशिक्षण एवं क्षमता विकास विभाग नीपा, नई दिल्ली	– सदस्य (01.12.2018 से)
6.	डा. सुधांशु भूषण प्रोफेसर और अध्यक्ष उच्चत्तर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग, नीपा, नई दिल्ली	– सदस्य

7.	डॉ. अरुण. सी. मेहता प्रोफेसर और अध्यक्ष शैक्षिक प्रबंधन सूचना प्रणाली विभाग, नीपा, नई दिल्ली	– सदस्य
8.	डा. ए.के. सिंह प्रोफेसर और अध्यक्ष शैक्षिक नीति विभाग, नीपा, नई दिल्ली	– सदस्य
9.	डा. प्रणति पांडा प्रोफेसर और अध्यक्ष विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग, अध्यक्ष स्कूल मानक एवं मूल्यांकन एकक, नीपा, नई दिल्ली	– सदस्य
10.	डा. मोना खरे प्रोफेसर और अध्यक्ष शैक्षिक वित्त विभाग, नीपा, नई दिल्ली	– सदस्य
11.	डा. कुमार सुरेश प्रोफेसर और अध्यक्ष शैक्षिक प्रशासन विभाग, नीपा, नई दिल्ली	– सदस्य
12.	डा. के. बिस्वाल प्रोफेसर और अध्यक्ष शैक्षिक योजना विभाग, नीपा, नई दिल्ली	– सदस्य
13.	डा. (श्रीमती) वीरा गुप्ता सह प्रोफेसर, स्कूल मानक एवं मूल्यांकन एकक, नीपा, नई दिल्ली	– सदस्य
14.	डा. (श्रीमती) नीरू स्नेही सहायक प्रोफेसर, उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग, नीपा, नई दिल्ली	– सदस्य कुलपति द्वारा नामित
15.	प्रो. फुरकॉन कमर महासचिव, भारतीय विश्वविद्यालय संघ एआईयू हाउस, 16, कामरेड इन्द्रजीत गुप्ता मार्ग, कोटला मार्ग, नई दिल्ली	– विशेष आमंत्रिति (विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित)
16.	प्रो. अतुल शर्मा अध्यक्ष, ओकेडीआईएससीडी, गुवाहाटी 264, रामा अपार्टमेंट, सैक्टर–11, पॉकेट–2, द्वारका, नई दिल्ली–110075	– विशेष आमंत्रिति (विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित)
17.	प्रो. सुदर्शन अय्यंगर प्लाट नं. 3, एआरसीएच कैम्पस नगरीया, ओजरापादा रोड, धरमपुर–396050, जिला वलसाद, गुजरात, भारत	– विशेष आमंत्रिति (विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित)
18.	प्रो. कुमार सुरेश कुलसचिव (प्रभारी) नीपा, नई दिल्ली	– सचिव

परिशिष्ट-V

अध्ययन बोर्ड के सदस्य

(31 मार्च, 2019 के अनुसार)

1. प्रो. एन.वी. वर्गीज — *अध्यक्ष*
   कुलपति
   नीपा, नई दिल्ली

2. डीन (संकायाध्यक्ष) — सदस्य

3अ. डा. (श्रीमती) नजमा अख्तर — सदस्य (30.11.2018 तक)
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   शैक्षिक प्रशिक्षण एवं क्षमता विकास विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

3बी. प्रो. बी. के. पांडा — सदस्य (01.12.2018 से)
   प्रोफेसर और अध्यक्ष
   शैक्षिक प्रशिक्षण एवं क्षमता विकास विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

4. डा. सुधांशु भूषण — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   उच्चत्तर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

5. डॉ. अरूण सी. मेहता — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   शैक्षिक प्रबंधन सूचना प्रणाली विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

6. डा. ए.के. सिंह — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   शैक्षिक नीति विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

7. डा. प्रणति पांडा — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग,
   और अध्यक्ष, स्कूल मानक एवं मुल्यांकन एकक
   नीपा, नई दिल्ली

8. डा. मोना खरे — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   शैक्षिक वित्त विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

9. डा. कुमार सुरेश — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   शैक्षिक प्रशासन विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

10. प्रो. के. बिस्वाल, अध्यक्ष — सदस्य
    परियोजना प्रबंधन एकक विभाग
    नीपा, नई दिल्ली

11. डा. (श्रीमती) वीरा गुप्ता — सदस्य
सह प्रोफेसर
नीपा, नई दिल्ली

12. डा. (श्रीमती) नीरू स्नेही — सदस्य
सहायक प्रोफेसर
नीपा, नई दिल्ली

13. प्रो. एच रामचन्द्रन — सदस्य
आई.सी.एस.एस.आर. राष्ट्रीय अध्येता
सी–1675, पालम विहार
गुड़गांव–122017

14. प्रो. हरजीत कौर भाटिया — सदस्य
अध्यक्ष
शैक्षिक अध्ययन विभाग
जामिया मिलिया इस्लामिया
नई दिल्ली–110025

15. प्रो. के. श्रीनिवास — विशेष आमंत्रिति
अध्यक्ष, आई.टी. तथा पी.एम.यू.
नीपा, नई दिल्ली

16. प्रो. रश्मि दीवान — विशेष आमंत्रिति
विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग/
अध्यक्ष, राष्ट्रीय विद्यालय
नेतृत्व केन्द्र, नीपा, नई दिल्ली

परिशिष्ट-VI

संकाय और प्रशासनिक स्टाफ

(31 मार्च, 2019 के अनुसार)

कुलपति
प्रो. एन.वी. वर्गीज

शैक्षिक योजना विभाग

के. बिस्वाल, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
पी. गीता रानी, प्रोफेसर
एन.के. मोहंती, सहायक प्रोफेसर
सुमन नेगी, सहायक प्रोफेसर

शैक्षिक प्रशासन विभाग

कुमार सुरेश, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
विनीता सिरोही, प्रोफेसर
मंजू नरूला, सहायक प्रोफेसर
वी. सुचारिता, सहायक प्रोफेसर

शैक्षिक वित्त विभाग

जंध्याला बी.जी. तिलक, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
मोना खरे, प्रोफेसर
वेटुकुरी पी.एस. राजू, सहायक प्रोफेसर

शैक्षिक नीति विभाग

अविनाश के. सिंह, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
मनीषा प्रियम, सह–प्रोफेसर
एस.के. मलिक, सहायक प्रोफेसर
नरेश कुमार, सहायक प्रोफेसर

विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग

प्रणति पांडा, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
रश्मि दिवान, प्रोफेसर
मधुमिता बंद्योपाध्याय, प्रोफेसर
सुनीता चुग, सह–प्रोफेसर
कश्यपी अवस्थी, सहायक प्रोफेसर

उच्चत्तर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग

सुधांशु भूषण, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
और अध्यक्ष, राष्ट्रीय शिक्षा संसाधन केन्द्र
आरती श्रीवास्तव, सह–प्रोफेसर
और समन्वयक, राष्ट्रीय शिक्षा संसाधन केन्द्र
नीरू स्नेही, सह–प्रोफेसर
संगीता अंगोम, सहायक प्रोफेसर

शैक्षिक प्रबंधन सूचना प्रणाली विभाग

अरुण सी. मेहता, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
ए.एन. रेड्डी, सहायक–प्रोफेसर

शैक्षिक प्रशिक्षण एवं क्षमता विकास विभाग

बी.के. पांडा, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
सविता कौशल, सहायक प्रोफेसर
मोना सेदवाल, सहायक प्रोफेसर

कंप्यूटर केंद्र

के. श्रीनिवास, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष

राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केंद्र

रश्मि दीवान, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
सुनीता चुग, सह–प्रोफेसर
एन. मैथिली, सहायक प्रोफेसर
सुभिथा जी.वी., सहायक प्रोफेसर

राष्ट्रीय उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केंद्र

मोना खरे, प्रोफेसर
निधि सदाना सभरवाल, सह–प्रोफेसर
अनुपम पचौरी, सहायक प्रोफेसर
गरिमा मलिक, सहायक प्रोफेसर
जिणुशा पाणिग्रही, सहायक प्रोफेसर
मलिश सी.एम., सहायक प्रोफेसर
सायंतन मंडल, सहायक प्रोफेसर

स्कूल मानक एवं मूल्याकन एकक

प्रो. प्रणति पंडा, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
वीरा गुप्ता, प्रोफेसर
रश्मिता दास स्वैन, सह–प्रोफेसर

परियोजना प्रबंधन एकक

के. श्रीनिवास, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष

मौलाना अबुल कलाम आज़ाद पीठ

––

सलाहकार (आई.ए.आई.ई.पी.ए. परियोजना)

प्रो. के. रामचन्द्रन, प्रोफेसर

प्रशासनिक और अकादमिक सहयोग

कुलसचिव (प्रभारी)
प्रो एसएमआईए जैदी (प्रभारी), दिनांक 30.06.2018 तक
प्रो. कुमार सुरेश (प्रभारी), दिनांक 30.06.2018 (अपराह्न) से

सामान्य और कार्मिक प्रशासन

नरेश कुमार, प्रशासनिक अधिकारी (प्रभारी)
जयप्रकाश धामी, अनुभाग अधिकारी
बी.आर. पहवा, अनुभाग अधिकारी (प्रभारी)

अकादमिक प्रशासन

पी.पी. सक्सेना, अनुभाग अधिकारी

वित्त और लेखा

राजीव वर्मा, वित्त अधिकारी
चंद्रप्रकाश, अनुभाग अधिकारी

प्रशिक्षण कक्ष

जयप्रकाश धामी, अनुभाग अधिकारी

प्रकाशन एकक

प्रमोद रावत, उप प्रकाशन अधिकारी

हिंदी कक्ष

सुभाष सी. शर्मा, हिंदी संपादक और सहायक हॉस्टल वार्डन

पुस्तकालय/प्रलेखन केंद्र

पूजा सिंह, पुस्तकालयाध्यक्षा
डी.एस. ठाकुर, प्रलेखन अधिकारी

कंप्यूटर केंद्र

प्रो. के. श्रीनिवास, अध्यक्ष

परिशिष्ट–VII

वार्षिक लेखा
2018-19

तुलन पत्र

31 मार्च 2019 तक

(राशि ₹ में)

निधि के स्रोत/देयताएं	अनुसूची	चालू वर्ष	विगत वर्ष
निधि/कोष पूंजीकृत	1	-	-
मौजूदा देनदारियां एवं प्रावधान	2	51,69,43,245.00	56,76,70,015.00
योग		51,69,43,245.00	56,76,70,015.00
आस्तियों का आवेदन/परिसम्पत्तियां	अनुसूची	**चालू वर्ष**	**विगत वर्ष**
स्थायी परिसंपत्तियां	3	18,39,04,578.00	19,11,31,842.00
चालू परिसंपत्तियां	4	13,34,48,678.00	18,22,05,495.00
ऋण, अग्रिम एवं जमा राशियां	5	6,02,18,923.00	5,87,19,877.00
पूंजी निधि	-	13,93,71,066.00	13,56,12,801.00
योग		51,69,43,245.00	56,76,70,015.00
लेखा की महत्वपूर्ण नीतियां	14		
आकस्मिक देयताएं और लेखा पर टिप्पणियां	15		

ह./–	ह./–	ह./–
(राजीव वर्मा)	**(कुमार सुरेश)**	**(एन.वी. वर्गीज)**
वित्त अधिकारी	कुलसचिव(प्रभारी)	कुलपति

आय और व्यय लेखा

31 मार्च 2019 तक

(राशि ₹ में)

विवरण	अनुसूची	चालू वर्ष	विगत वर्ष
अ. आय			
शैक्षणिक प्राप्तियां	6	5,07,240	4,56,501
अनुदान/सब्सिडी	7	36,45,02,884	29,20,92,402
अर्जित ब्याज	8	8,43,411	7,05,649
अन्य आय	9	21,18,348	28,61,576
योग (अ)		36,79,71,883	29,61,16,128
ब. व्यय			
कर्मचारियों के भुगतान और लाभ (स्थापना व्यय)	10	24,77,94,142	19,00,00,285
अकादमिक व्यय	11	6,48,26,152	5,72,02,817
प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय	12	3,34,19,251	2,53,09,906
मरम्मत एवं रखरखाव	13	1,84,63,339	1,95,79,394
मूल्यह्रास	3	1,27,70,302	1,47,94,821
योग (ब)		**37,72,73,186**	**30,68,87,223**
पूंजी निधि में हो रहे अधिशेष/(घाटा)		**(93,01,303)**	**(1,07,71,095)**

ह./–	ह./–	ह./–
(राजीव वर्मा)	**(कुमार सुरेश)**	**(एन.वी. वर्गीज)**
वित्त अधिकारी	कुलसचिव(प्रभारी)	कुलपति

अनुसूची 1 से 5

तुलन पत्र के भाग के रूप में

31 मार्च 2019 तक

अनुसूची 1

कोष/पूंजी निधि

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2018–19)	विगत वर्ष (2017–18)
वर्ष के प्रारंभ में शेष	(13,56,12,801.00)	(13,33,42,037)
जमाः राशि/पूंजी निधि में योगदान	55,26,638.00	84,91,956
जमाः उपहार/दान में प्राप्त आस्तियां	16,400.00	8,375
जमाः प्रयोजित परियोजना निधि से खरीदी गई आस्तियां	-	-
जमाः व्यय खाते में स्थानांतरित व्यय पर आय से अधिक व्यय	-	-
योग	**(13,00,69,763.00)**	**(12,48,41,706)**
घटायाः आय और व्यय खाते से स्थानांतरित घाटा	93,01,303.00	1,07,71,095
वर्ष के अंत में शेष	**(13,93,71,066.00)**	**(13,56,12,801)**

अनुसूची 2

मौजूदा देनदारियां और प्रावधान

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2018–19)	विगत वर्ष (2017–18)
अ. वर्तमान देनदारियां		
प्रतिभूति राशि	8,61,397.00	11,25,858.00
पत्रिकाओं की सदस्यता शुल्क (अग्रिम)	2,11,876.00	2,11,876.00
बकाया देयता	33,02,327.00	29,66,498.00
देय वेतन	1,01,86,808.00	80,51,567.00
मा.सं.वि.मं. को देय ब्याज	14,91,772.00	14,91,772.00
प्रायोजित परियोजना की प्राप्तियां (कुल व्यय)	10,90,13,728.00	13,07,68,949.00
अग्रिम में प्राप्त आय (वर्ष 2017–18 की अप्रयुक्त अनुदान)	(3,62,10,839.00)	1,53,52,376.00
योग (अ)	**8,88,57,069.00**	**15,99,68,896.00**
ब. प्रावधान		
पेंशन	36,97,60,729.00	35,21,53,075.00
उपदान	3,77,53,060.00	3,59,55,295.00
अवकाश नकदीकरण	2,05,72,387.00	1,95,92,749.00
योग (ब)	**42,80,86,176.00**	**40,77,01,119.00**
योग (अ+ब)	**51,69,43,245.00**	**56,76,70,015.00**

अनुसूची 2(अ)

प्रायोजित परियोजना

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	परियोजना का नाम	प्रारंभिक जमा		वर्ष के दौरान प्राप्तियां / वसूली	कुल	वर्ष के दौरान व्यय	जमा शेष	
		निकासी	जमा				निकासी	जमा
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	शैक्षिक योजना और प्रशासन में अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा (आईडेपा)	-	67,78,590.00	72,85,538.00	1,40,64,128.00	62,85,133.00	-	77,78,995.00
2	डाईस की स्थापना और संचालन (यूनीसेफ़) डा. के. बिस्वाल	-	10,65,771.00	17,36,176.00	28,01,947.00	21,03,001.00	-	6,98,946.00
3	सर्वशिक्षा अभियान पर परियोजना (मा.सं.वि. मंत्रालय)	-	1,07,294.00		1,07,294.00	-	-	1,07,294.00
4	14 राज्यों में सर्व शिक्षा अभियान के संदर्भ में स्कूल प्रबंधन तथा पर्यवेक्षण में ग्रा.शि.स. / डी.टी.ए. / एस.एम.डी. सी. / नगरीय निकायों की भूमिका का अध्ययन, एडसिल (प्रो. ए.के. सिंह)	-	5,63,371.00	-	5,63,371.00	-	-	5,63,371.00
5	माध्यमिक शिक्षा सूचना प्रणाली प्रबंधन (सेमिस) मा.सं.वि. मंत्रालय (प्रो. ए.सी. मेहता)	-	8,92,025.00	50,56,771.00	59,48,796.00	4,07,385.00	-	55,41,411.00
6	बुरूण्डी में भारत अफ्रीका शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान (दक्षिण अफ्रीका)		23,51,152.00	-	23,51,152.00	-	-	23,51,152.00
7	प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक (एडसिल) डॉ. के. सुजाता	(13,63,560)	-	-	(13,63,560.00)	-	(13,63,560.00)	-
8	महात्मा गाँधी शान्ति शिक्षा संस्थान (एम.जी. आई.ई.पी.)		21,00,000.00	-	21,00,000.00	-	-	21,00,000.00
9	नेतृत्व कार्यक्रम (मा.सं.वि. मंत्रालय) प्रो. रश्मि दिवान	(11,40,149)	-	2,70,00,000.00	2,58,59,851.00	2,43,79,074.00	-	14,80,777.00

10	नीति अनुसंधान केन्द्र (यूजीसी) (प्रो. एन.वी. वर्गीज)		1,44,68,827.00	3,62,245.00	1,48,31,072.00	1,52,56,597.00	(4,25,525.00)	-
11	राष्ट्रीय अध्येयता (आईसीएसएसआर) प्रो. एहसानुल हक	-	-	-	-	-	-	-
12	प्रशासनिक उपरिव्यय प्रभार / बचत खाता पर ब्याज	-	2,14,59,376.00	-	2,14,59,376.00	-	-	2,14,59,376.00
13	विविधता भेदभाव और असमानता से निपटना (डा. निधि सदाना – सीपीआरएचई)	-	12,59,206.00	9,00,000.00	21,59,206.00	1,53,341.00	-	20,05,865.00
14	केन्द्रीय योजना कार्यक्रम विद्यालय मानक और शिक्षा (प्रो. प्रणति पांडा)		1,22,25,638.00	1,26,84,729.00	2,49,10,367.00	1,73,54,756.00	-	75,55,611.00
15	यूनेस्को क्षेत्रीय केन्द्र (के. सुजाता)		9,48,001.00	-	9,48,001.00	-	-	9,48,001.00
16	श्रीलंका कार्यक्रम		7,79,234.00	-	7,79,234.00	-	-	7,79,234.00
17	आरएमएसए के अन्तर्गत विद्यालय मानक		4,46,564.00	-	4,46,564.00	-	-	4,46,564.00
18	वरिष्ठ अध्येता – डॉ. ए. मैथ्यू (आईसीएसएसआर)		61,333.00	1,76,000.00	2,37,333.00	1,90,000.00	-	47,333.00
19	राज्य का राजनीतिक अध्ययन – डॉ. ए. मैथ्यू (आईसीएसएसआर)		7,51,039.00	-	7,51,039.00	3,47,785.00	-	4,03,254.00
20	पंडित मदन मोहन मालवीय		3,41,07,958.00	30,23,954.00	3,71,31,912.00	1,01,59,895.00	-	2,69,72,017.00
21	शिक्षण और अनुसंधान आस्ट्रेलिया (यूजीसी) डा. सुधांशु भूषण	-	-	-	-	-	-	-
22	आईईपीए (विदेश मंत्रालय)	-	5,04,438.00	12,19,073.00	17,23,511.00	11,34,031.00	-	5,89,480.00
23	आईआईईपी – यूनेस्को (डा. मधुमिता)		32,08,239.00	9,48,001.00	41,56,240.00	9,48,001.00	-	32,08,239.00
24	अध्यापक शिक्षक – ब्रिटिश काउंसिल	-	-	-	-	-	-	-
25	शिक्षा पर राष्ट्रीय संसाधन केन्द्र (पीएमएमएमटी)	-	2,66,90,893.00	-	2,66,90,893.00	38,98,450.00		2,27,92,443.00
26	आईपीईए–म्यांमार	-	-	-	-	14,16,334.00	(14,16,334.00)	-
27	स्वयम योजना	-	-	14,70,000.00	14,70,000.00	2,85,635.00		11,84,365.00
28	लीप कार्यक्रम		-	1,50,00,000.00	1,50,00,000.00	1,53,16,947.00	(3,16,947.00)	-
	योग	**(25,03,709)**	**13,07,68,949.00**	**7,68,62,487.00**	**20,51,27,727.00**	**9,96,36,365.00**	**(35,22,366.00)**	**10,90,13,728.00**

अनुसूची 2 (ख)

मानव संसाधन विकास मंत्रालय से प्राप्त अनुप्रयुक्त अनुदान

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2018–19)	विगत वर्ष (2017–18)
अ. योजना अनुदान मानव संसाधन विकास मंत्रालय		
शेष राशि अग्रानीत	1,53,52,376.00	5,46,41,734.00
जमा: वर्ष के दौरान प्राप्तियां (अनुदान)	31,84,71,500.00	26,12,95,000.00
योग (अ)	**33,38,23,876.00**	**31,59,36,734.00**
घटाकर: राजस्व व्यय के लिए उपयोग	36,45,02,884.00	29,20,92,402.00
घटाकर: पूंजीगत व्यय के लिए उपयोग	55,31,831.00	84,91,956.00
योग (ब)	**37,00,34,715.00**	**30,05,84,358.00**
अनप्रयुक्त अग्रानीत (अ–ब)	**(3,62,10,839.00)**	**1,53,52,376.00**
ब. अनुदान योजनेतर मानव संसाधन विकास मंत्रालय		
शेष राशि अग्रानीत	-	-
वर्ष के दौरान प्राप्तियां (अनुदान)	-	-
योग (स)	-	-
घटाकर: राजस्व व्यय के लिए उपयोग	-	-
घटाकर: पूंजीगत व्यय के लिए उपयोग	-	
योग (द)	-	-
अनप्रयुक्त अग्रानीत (स–द)	-	-
महायोग (अ+ब)	**(3,62,10,839.00)**	**1,53,52,376.00**

अनुसूची 3

अचल संपत्तियां

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	आस्तियां शीर्ष	मूल्यह्रास की दर	सकल ब्लॉक				वर्ष के दौरान	वर्ष के लिए मूल्यह्रास			निवल ब्लॉक
			अथ शेष	वृद्धि	कटौती	जमा शेष	मूल्यह्रास अथ शेष	परिवर्धन पर वर्ष के दौरान मूल्यह्रास	कटौती / समायोजन	कुल मूल्यह्रास	31.03.19
						(4+5+6-7+8)				(10+11-13)	(9-13)
1	2	3	4	5	8	9	10	11	12	13	14
1	भूमि	-	23,07,892.00	-	-	23,07,892.00	-	-	-	-	23,07,892.00
2	भवन	0.02	12,16,12,238.00	-	-	12,16,12,238.00	24,32,244.76	-	-	24,32,245.00	11,91,79,993.00
3	कार्यालय उपकरण	0.08	1,04,18,221.00	7,46,979.00	-	1,11,65,200.00	7,81,366.58	56,023.43	-	8,37,390.00	1,03,27,810.00
4	कम्प्यूटर और उपकरण	0.20	49,97,980.00	11,33,866.00	-	61,31,846.00	9,99,596.00	2,26,773.20	-	12,26,369.00	49,05,477.00
5	फर्नीचर फिक्सर और फिटिंग	0.08	60,14,325.00	8,62,870.00	-	68,77,195.00	4,51,074.38	64,715.25	-	5,15,790.00	63,61,405.00
6	वाहन	0.10	12,15,111.00	5,10,042.00	-	17,25,153.00	1,21,511.10	51,004.20	-	1,72,515.00	15,52,638.00
7	पुस्तकालय पुस्तकें	0.10	80,78,195.00	9,23,297.00	5,193.00	89,96,299.00	8,07,819.50	91,810.40	-	8,99,630.00	80,96,669.00
8	जर्नल	0.10	2,75,74,712.00	60,836.00	-	2,76,35,548.00	27,57,471.20	6,083.60	-	27,63,555.00	2,48,71,993.00
	योग (अ)		**18,22,18,674.00**	**42,37,890.00**	**5,193.00**	**18,64,51,371.00**	**83,51,083.51**	**4,96,410.08**	**-**	**88,47,494.00**	**17,76,03,877.00**
9	कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	0.40	14,05,452.00	2,70,675.00	-	16,76,127.00	5,62,180.80	1,08,270.00	-	6,70,451.00	10,05,676.00
10	ई–जर्नल	0.40	68,94,596.00	10,39,666.00	-	79,34,262.00	27,57,838.40	4,15,866.40	-	31,73,705.00	47,60,557.00
	योग (ब)		**83,00,048.00**	**13,10,341.00**	**-**	**96,10,389.00**	**33,20,019.20**	**5,24,136.40**	**-**	**38,44,156.00**	**57,66,233.00**
11	कम्प्यूटर और उपकरण	0.20	2,61,338.00	-	-	2,61,338.00	52,267.60	-	-	52,268.00	2,09,070.00
12	फर्नीचर फिक्सर और फिटिंग	0.08	3,51,782.00	-	-	3,51,782.00	26,383.65	-	-	26,384.00	3,25,398.00
	योग (स)		6,13,120.00	-	-	6,13,120.00	78,651.25	-	-	78,652.00	5,34,468.00
	महायोग (अ+ब+स)		**19,11,31,842.00**	**55,48,231.00**	**5,193.00**	**9,66,74,880.00**	**1,17,49,753.96**	**10,20,546.48**	**-**	**1,27,70,302.00**	**18,39,04,578.00**

अनुसूची 4

चालू परिसम्पत्तियां

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2018–19)	विगत वर्ष (2017–18)
	1. स्टॉक		
1.	प्रकाशनार्थ	3,81,199.00	3,57,313.00
2.	वस्तुसूची	11,14,138.00	11,15,241.00
	2. नकदी एवं बैंक बचत		
1.	भारतीय स्टेट बैंक (34778757702) (चालू खाता)	33,208.00	33,857.00
2.	बैंक बचत (बचत खाता)	13,18,69,212.00	18,06,57,811.00
3.	हस्तगत डाक टिकट	50,921.00	41,273.00
	योग	**13,34,48,678.00**	**18,22,05,495.00**

अनुसूची 5

ऋण, अग्रिम और जमा

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2018–19)	विगत वर्ष (2017–18)
	1. कर्मचारियों को अग्रिम (गैर–ब्याज)		
1.	त्यौहार अग्रिम	-	89,100.00
	2. कर्मचारियों को दीर्घावधि के लिए अग्रिम (ब्याज)		
1	मोटर कार	-	-
2	कम्प्यूटर अग्रिम	-	-
3	स्कूटर अग्रिम	9,000.00	21,000.00
	3. अग्रिम और नकद मूल्य या वस्तु के रूप में वसूली योग्य अन्य राशियां		
1	पूंजी खाता पर	4,34,46,553.00	4,17,94,325.00
2	संकाय/स्टाफ के लिए विविध अग्रिम	25,30,000.00	27,30,337.00
3	चिकित्सा अग्रिम	3,87,000.00	6,21,368.00
4	एलटीसी अग्रिम	-	9,16,034.00
5	संकाय को यात्रा भत्ता अग्रिम	3,20,000.00	40,000.00
	4. पूर्व भुगतान व्यय		
1.	बीमा	26,774.00	26,774.00
2.	अन्य व्यय	98,48,526.00	98,48,526.00
	5. जमा		
1.	एल.पी. गैस	77,348.00	77,348.00
2.	जल मीटर	1,650.00	1,650.00
3.	विद्युत	17,500.00	17,500.00
4.	अन्य	1,800.00	1,800.00
	6. प्रोद्भूत आय		
1.	ऋण एवं अग्रिम	30,406.00	30,406.00
	7. अन्य – यूजीसी/प्रायोजित परियोजनाओं से प्राप्य वर्तमान परिसंपत्तियां		
1.	प्रायोजित परियोजनाएं में शेष ऋण	35,22,366.00	25,03,754.00
	योग	**6,02,18,923.00**	**5,87,19,922.00**

अनुसूची 6

शैक्षणिक प्राप्तियां

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2018–19)	विगत वर्ष (2017–18)
	छात्रों से शुल्क		
	शैक्षणिक		
1.	छात्र शुल्क	3,19,285.00	2,77,800.00
	योग (अ)	3,19,285.00	2,77,800.00
	बिक्री		
1.	प्रकाशन बिक्री	1,29,740.00	92,401.00
2.	प्रास्पैक्टस की बिक्री	58,215.00	86,300.00
	योग (ब)	**1,87,955.00**	**1,78,701.00**
	महायोग (अ+ब)	**5,07,240.00**	**4,56,501.00**

अनुसूची 7

अनुदान/सब्सिडी (अपरिवर्तनीय अनुदान प्राप्त)

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2018-19)	विगत वर्ष (2017-18)
शेष अग्रानीत	1,53,52,376.00	5,46,41,734.00
जोड़करः वर्ष के दौरान प्राप्तियां	31,84,71,500.00	26,12,95,000.00
जोड़करः वर्ष के दौरान अन्य प्राप्तियां	-	-
योग	**33,38,23,876.00**	**31,59,36,734.00**
घटाकरः परिसंपत्तियों के प्रयोग पर व्यय (अ)	55,31,831.00	84,91,956.00
शेष	**32,82,92,045.00**	**30,74,44,778.00**
घटाकरः परिसंपत्तियों के प्रयोग पर मुद्रा व्यय (ब)	36,45,02,884.00	29,20,92,402.00
शेष सी/एफ (स)	**(3,62,10,839.00)**	**1,53,52,376.00**

अनुसूची 8

अर्जित ब्याज

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2018–19)	विगत वर्ष (2017–18)
1.	**अनूसूचित बैंकों के साथ बचत खातों पर**		
	क) योजनेत्तर	-	-
	अ) योजना	4,88,290.00	-
	ब) अतिरिक्त प्रशासनिक निधि खाता	3,17,328.00	6,26,435.00
	स) छात्रावास खाता	-	13,608.00
2.	**ऋणों पर**		
	अ. कर्मचारी / स्टाफ (अग्रिमों पर ब्याज)	37,793.00	65,606.00
	योग	**8,43,411.00**	**7,05,649.00**

अनुसूची 9

अन्य आय

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2018–19)	विगत वर्ष (2017–18)
	अ. भूमि एवं भवनों से आय		
1.	छात्रावास किराया	7,85,001.00	18,64,580.00
2.	लाईसेंस शुल्क	4,14,855.00	2,11,613.00
3.	जल प्रभार की वसूली	24,616.00	5,643.00
	योग (अ)	**12,24,472.00**	**20,81,836.00**
	ब. अन्य		
1	रॉयल्टी से आय	21,627.00	10,696.00
2	विविध प्राप्तियां	1,94,623.00	86,630.00
3	स्टाफ कार प्रयोग	358.00	-
4	विभिन्न परियोजनाओं से प्राप्त संस्थागत प्रभार	-	-
5	अनुपयोगी आइटम की बिक्री	87,743.00	16,189.00
6	निविदा फार्म की बिक्री	3,500.00	11,000.00
7	पेंशनरों के लिये चिकित्सा प्रतिपूर्ति प्रवेश शुल्क	2,60,400.00	3,01,200.00
8	चिकित्सा योजना के लिए योगदान	3,25,625.00	3,54,025.00
	योग (ब)	**8,93,876.00**	**7,79,740.00**
	महायोग (अ+ब)	**21,18,348.00**	**28,61,576.00**

अनुसूची 10

कर्मचारियों को भुगतान एवं लाभ (स्थापना व्यय)

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2018-19)	विगत वर्ष (2017-18)
1	वेतन और मजदूरी	7,41,83,651.00	3,92,00,646.00
2	बोनस और भत्ते तथा समयोपरि भत्ता	8,17,13,544.00	6,45,60,864.00
3	नई पेंशन योजना में योगदान	18,58,463.00	16,24,282.00
4	कर्मचारी कल्याण व्यय (वर्दी)	2,26,237.00	78,726.00
5	अवकाश यात्रा रियायत (एलटीसी)	59,85,784.00	21,30,403.00
6	चिकित्सा भत्ता प्रतिपूर्ति	87,55,822.00	66,29,725.00
7	बाल शिक्षा भत्ता	10,78,019.00	5,86,797.00
8	यात्रा भत्ता	1,78,322.00	1,52,533.00
9	अन्य (सरकारी अंशदान–सीपीएफ)	5,58,192.00	23,04,664.00
10	सेवानिवृत्ति और सेवांत लाभ	-	-
a)	पेंशन	6,21,02,558.00	5,14,08,677.00
b)	ग्रेज्युटी	55,59,635.00	1,04,73,741.00
c)	अवकाश नकदीकरण	55,93,915.00	1,08,49,227.00
	योग	**24,77,94,142.00**	**19,00,00,285.00**

अनुसूची 10 अ

कर्मचारी सेवानिवृत्ति एवं सेवांत लाभ

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	विवरण	पेंशन	ग्रेच्युटी	अवकाश नकदीकरण	योग
1	01–04–2018 को अथ शेष राशि (ए)	35,21,53,075.05	3,59,55,294.90	1,95,92,749.05	40,77,01,119.00
2	घटाकर: वर्ष के दौरान वास्तविक भुगतान (बी)	4,44,94,904.00	37,61,870.00	46,14,277.00	5,28,71,051.00
3	31–03–2019 को उपलब्ध बचत राशि सी (ए–बी)	30,76,58,171.00	3,21,93,425.00	1,49,78,472.00	35,48,30,068.00
4	वास्तविक मूल्यांकन के अनुसार 31–03–2018 को आवश्यक प्रावधान (डी)	36,97,60,729.00	3,77,53,060.00	2,05,72,387.00	42,80,86,176.00
अ.	**चालू वर्ष में किये जाने वाले प्रावधान (डी–सी)**	**6,21,02,558.00**	**55,59,635.00**	**55,93,915.00**	**7,32,56,108.00**

अनुसूची 11

शैक्षणिक व्यय (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति)

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2018-19)	विगत वर्ष (2017-18)
1	क्षेत्र कार्य/सम्मेलन में भागीदारी (संकाय के लिए यात्रा भत्ता)	20,67,693.00	44,99,831.00
2	क्षेत्र कार्य/सम्मेलन में भागीदारी (भागीदार के लिए यात्रा भत्ता)	86,22,213.00	71,78,287.00
3	संगोष्ठी/कार्यशालाओं पर व्यय (अकादमिक कार्यक्रमों में व्यय)	49,89,247.00	63,18,680.00
4	संकाय के भ्रमण के लिए भुगतान (संसाधन/व्यक्ति को मानदेय)	10,58,110.00	6,86,732.00
5	संस्थान के अनुसंधान अध्ययन	1,96,34,642.00	1,20,06,191.00
6	छात्रों को छात्रवृत्ति (एम.फिल. और पी–एच.डी.)	1,53,35,143.00	95,57,090.00
7	छात्रवृत्ति/पुस्तकें व परियोजना अनुदान	7,21,126.00	5,71,251.00
8	प्रकाशन व्यय (मुद्रण से प्राप्त)		
	(1) जोड़करः पिछले वर्ष का स्टाक	13,04,892.00	9,74,180.00
	(2) घटाकरः वर्तमान पुस्तकों का भण्डार		
9	सदस्यता के लिए अंशदान	17,700.00	1,34,138.00
10	अन्य (फोटोकॉपी प्रभार)	4,45,914.00	5,72,589.00
11	गैर–सरकारी संगठन को अनुदान	87,56,627.00	1,07,37,980.00
12	एनईआर (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति सहित)	18,72,845.00	39,65,868.00
	योग	**6,48,26,152.00**	**5,72,02,817.00**

अनुसूची 12

प्रशासनिक और सामान्य व्यय

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2018-19)	विगत वर्ष (2017-18)
अ	**आधार संरचना**		
1	विद्युत प्रभार	1,03,01,447.00	85,65,129.00
2	जल प्रभार	50,41,649.00	14,47,886.00
3	किराया, दरें और कर (संपत्ति कर सहित)	2,95,010.00	4,02,786.00
4	सुरक्षा प्रभार	42,41,775.00	26,31,679.00
ब	**संचार**		
1	डाक तथा तार	5,28,760.00	4,79,278.00
2	टेलीफोन, फैक्स एवं इंटरनेट प्रभार	7,62,382.00	9,28,725.00
स	**अन्य**		
1	स्टेशनरी	14,49,212.00	7,36,072.00
2	पोषाहार व्यय	43,86,113.00	49,85,686.00
3	पेट्रोल/तेल/स्नेहक व्यय	2,98,277.00	2,45,383.00
4	बीमा	67,035.00	45,630.00
5	किराए पर टैक्सी	3,55,278.00	13,27,741.00
6	लेखा परीक्षा शुल्क	27,910.00	-
7	मजदूरी प्रभार	29,66,903.00	14,98,401.00
8	विज्ञापन प्रभार	13,01,124.00	13,39,755.00
9	अखबार प्रभार	1,63,455.00	1,04,587.00
10	अन्य (पाठ्यक्रम शुल्क/प्रशिक्षण)	-	-
11	विविध व्यय	6,14,569.00	5,69,364.00
	प्रशासनिक व्यय	5,97,952.00	-
12	प्रभार (अन्य खाते)	20,400.00	632.00
	योग	**3,34,19,251.00**	**2,53,08,734.00**

अनुसूची 13

मरम्मत एवं रखरखाव

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2018-19)	विगत वर्ष (2017-18)
1	भवन का रख–रखाव	72,83,899.00	63,93,893.00
2	संपदा रखरखाव इलेक्ट्रिकल (एआरएमओ)		
3	फर्नीचर तथा फिक्सर का रख–रखाव	2,02,193.00	1,06,137.00
4	कार्यालय उपकरणों का रखरखाव	34,65,882.00	50,06,505.00
5	वाहनों के रख–रखाव (स्टाफ कार)	2,79,446.00	-
6	गृह व्यवस्था सेवाएं	72,28,627.00	78,80,093.00
7	बागवानी	3,292.00	18,000.00
	योग	**1,84,63,339.00**	**1,94,04,628.00**

अनुसूची 14

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां

1. लेखा निर्माण के आधार

1.1 जब तक कि विधि का उल्लेख न किया जाए और सामान्यतया आमतौर पर कहा गया है कि लेखे ऐतिहासिक लागत परिपाटी के अंतर्गत लेखांकन के प्रोदभूत विधि पर तैयार किए जाते हैं।

2. राजस्व मान्यता

2.1 विद्यार्थियों से शुल्क, निविदा प्रपत्रों की बिक्री, प्रवेश फार्म की बिक्री, रॉयल्टी नकद आधार पर लेखांकन किए जाते हैं।

2.2 छात्रावास किराया से आय नकदी आधार पर लेखांकन किया जाता है।

2.3 हालांकि ब्याज की वास्तविक वसूली मूलधन की पूरी अदायगी के बाद शुरू होता है, गृह निर्माण पेशगी, वाहन और कंप्यूटर की खरीद के लिए कर्मचारियों को ब्याज सहित अग्रिम की वसूली प्रोद्भूत आधार पर की जाती है।

3. अचल परिसंपत्तियां और मूल्यह्रास

3.1 अचल संपत्ति भाड़ा, शुल्कों और करों और अधिग्रहण, स्थापना और परिचालन से संबंधित आकस्मिक और प्रत्यक्ष खर्च आवक सहित अधिग्रहण की लागत से निर्धारित किया जाता है।

3.2 उपहार के रूप में प्राप्त पुस्तकों पर मुद्रित बिक्री मूल्य को मूल्यवान माना जाता है। उपहार में प्राप्त जिन पुस्तकों मे मूल्य पुस्तक में मुद्रित नहीं होते, उनका मूल्यांकन के आधार पर मूल्य निर्धारित किया जाता है। उन्हें पूंजी कोष में जमा करके संस्था की अचल संपत्ति के साथ विलय कर लिया जाता है। मूल्यह्रास संबंधित परिसंपत्तियों की लागू दरों पर निर्धारित किया जाता है।

3.3 अचल परिसंपत्ति का मूल्य मूल्यह्रास में घटाकर निकाला जाता है। अचल परिसंपत्तियों का अवमूल्यन निम्नलिखित दरों के अनुसार सीधे तौर पर किया जाता है।

1	भवन	2%
2	कार्यालय उपकरण	7.5%
3	कंप्यूटर और अन्य सहायक सामग्री	20%
4	फर्नीचर फिक्चर और फिटिंग्स	7.5%
5	वाहन	10%
6	पुस्तकालय में पुस्तकें	10%
7	जर्नल्स	10%
8	ई–जर्नल	40%
9	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	40%

3.4 समीक्षाधीन वर्ष के अन्तर्गत वर्ष के लिये जमा पर मूल्यह्रास स्वायत संगठनों के लिये पसंदीदा विद्धि है। इसके अतिरिक्त संपत्तियों का संग्रह पूरे वर्ष के लिए रहा, इससे मूल्यह्रास बराबर रहा।

3.5 वर्ष के दौरान परिवर्धन पर पूरे वर्ष के लिए मूल्यह्रास प्रदान किया जाता है। जहां एक परिसंपत्ति जिसका पूर्णतः मूल्यह्रास हो चुका हो इसे तुलन पत्र में रु. 1 की एक अवशिष्ट मूल्य पर अंकन किया जाएगा और आगे उसका पुनः मूल्यह्रास नहीं किया जाएगा। इसके बाद, मूल्यह्रास के परिवर्धन पर लागू मूल्यह्रास की दर से गणना की गई।

3.6 इलेक्ट्रानिक पत्रिकाओं (ई–जर्नल्स) पर व्यय की अधिकता को देखते हुए लाइब्रेरी में इसे पुस्तकों से अलग किया गया है। पुस्तकालय की पुस्तकों के संबंध में उपलब्ध कराए गए 10 प्रतिशत के अवमूल्यन के सापेक्ष 40 प्रतिशत की एक उच्च दर पर ई–जर्नल्स के संबंध में मूल्यह्रास प्रदान किया गया।

3.7 कंप्यूटर और सहायक सामग्री को अर्जित सॉफ्टवेयर के व्यय से अलग किया गया है क्योंकि यह कोई ठोस वस्तु नहीं होती और

इसकी लुप्तशीलता की दर अपेक्षाकृत उच्च होती है। उच्च स्तर के साफ्टवेयर का अवमूल्यन दर 40 प्रतिशत है जबकि कंप्यूटर और सहायक सामग्री का अवमूल्यन दर 20 प्रतिशत है।

4. स्टॉक

4.1 31 मार्च 2019 को समाप्त वित्तीय वर्ष के आधार पर स्टॉक की मूल्य सूची के अनुसार स्टेशनरी, प्रकाशन और अन्य स्टॉक की खरीद को राजस्व व्यय के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। जबकि सामान्य प्रशासन अनुभाग से प्राप्त जानकारी से वस्तु सूची के अनुसार राजस्व व्यय को कम करके शेष स्टॉक का मूल्य अंकन किया जाता है।

5. सेवानिवृत्त लाभ

5.1 सेवानिवृत्त लाभ यानी, पेंशन, ग्रेच्युटी लाभ और अवकाश नकदीकरण पिछले वर्ष के लेखा वास्तविक मूल्यांकन के आधार पर प्रदान किया जाता है। इसलिए इस वर्ष वर्तमान प्रावधान की गणना पिछले वर्ष के मूल्यांकन का 5 प्रतिशत बढ़ाकर की गई।

5.2 संस्थान के जो कर्मचारी अन्य नियोक्ता संस्थानों से आये हैं और जिन्हें संस्थान में समाहित कर लिया गया है, उनके नियोक्ता संस्थानों से प्राप्त पेंशन और ग्रेच्यूटी लाभ पूंजीकृत मूल्य के रूप में पेंशन, ग्रेच्युटी और छुट्टी नकदीकरण का वास्तविक भुगतान संबंधित प्रावधानों के खातों में डेबिट कर रहे हैं। अन्य सेवानिवृत्ति लाभ अर्थात् नई पेंशन योजना, सेवानिवृत्ति पर गृह नगर के लिए यात्रा बिल, सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए चिकित्सा प्रतिपूर्ति, (वर्ष के अंत में वास्तविक भुगतान सह बकाया बिल) प्रोद्भूत रूप में लेखांकित किया गया है।

6. सरकारी और यू.जी.सी. अनुदान

6.1 सरकारी अनुदान और यू.जी.सी. अनुदान प्राप्ति के आधार पर लेखांकित किया गया है।

6.2 पूंजीगत व्यय की दिशा में प्रयुक्त सरकारी अनुदान पूंजीगत निधि में स्थानांतरित किया जाता है।

6.3 राजस्व व्यय (वास्तविक आधार पर) को पूरा करने के लिए प्राप्त सरकारी अनुदान को प्रयुक्त मानकर उसे उस वर्ष की आय के रूप में लिया गया है जिसमें वह प्राप्त हुआ है।

6.4 अनुप्रयुक्त अनुदान (इस तरह के अनुदान का भुगतान अग्रिमों सहित) को आगामी वर्ष में लिया गया है और उसे तुलनपत्र में देयताएं के रूप में प्रस्तुत किया गया।

7. पी–एच.डी. और एम.फिल. के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति

7.1 पी–एच.डी. और एम.फिल. के छात्रों को छात्रवृत्ति मानव संसाधन विकास मंत्रालय (उच्चतर शिक्षा विभाग) द्वारा प्रदान किए गए योजना अनुदान से भुगतान की जा रही हैं और संस्थान के शैक्षणिक खर्च के रूप में लेखांकित किया जाता है।

8. चिकित्सा अंशदान

8.1 चिकित्सा अंशदान नीपा की चिकित्सा योजना के अनुसार योजनेतर खाते में जमा किया जाता है। चिकित्सा प्रतिपूर्ति गैर–योजना खाते से भुगतान किया जाता है।

9. गैर सरकारी संगठनों को अनुदान

9.1 समान उद्देश्य वाले गैर–सरकारी संगठनों को वित्तीय सहायता अनुदान योजना के खाते के अंतर्गत व्यय के रूप में लेखांकित की जा रही है।

10. बेकार वस्तुओं की बिक्री

10.1 सेवा में प्रयुक्त न होने वाली और पुरानी वस्तुओं की बिक्री से प्राप्त आय को ''अन्य आय'' में दर्शाया जाता है, क्योंकि बेकार वस्तुओं का मूल्य का पहले ही पूर्ण अवमूल्यन हो जाता है।

अनुसूची 15

खातों में आकस्मिक देयताएं और टिप्पणियाँ

1. अचल संपत्तियां

1.1 अचल संपत्तियां केवल योजना अनुदान से खरीदी गई है, अनुसूची 3 में वर्ष के दौरान संबंधित अचल संपत्तियों में योजना निधि (₹55,48,231), और लाइब्रेरी में किताबें और संस्थान को तोहफे के मूल्य (₹16,400), की अन्य सपत्तियाँ शामिल की गई हैं। आस्तियां कैपिटल फंड में जमा करके स्थापित की गई हैं।

1.2 31 मार्च, 2019 के तुलन–पत्र और पहले के वर्षों के तुलन–पत्र में साफ तौर पर योजना के धन से बनाई गई अचल आस्तियों और योजना निधि तथा अन्य निधि से बनाई गई अचल आस्तियों को अलग–अलग प्रदर्शित नहीं किया गया है। योजना और गैर–योजना निधि से वर्ष 01.04.2018 से 31.03.2019 तक सवंर्धित और उन परिवर्धनों पर संबंधित अवमूल्यन को अलग रूप में प्रदर्शित किया गया है (अनुसूची–3)।

2. मौजूदा देनदारियां और प्रावधान

2.1 व्यय जो 31 मार्च, 2019 को देय थे जिनका भुगतान नहीं किया गया को देयता और वेतन देय के रूप में प्रदान किया गया है।

2.2 आयकर अधिनियम 1961 के तहत कोई कर योग्य आय न होने की स्थिति में, आयकर के लिए कोई प्रावधान आवश्यक नहीं माना गया है।

2.3 कर्मचारियों के सेवानिवृत्ति लाभों के प्रावधानों के प्रति देयता संचित अवकाश के नकदीकरण के एवज में एकमुश्त भुगतान के प्रति दायित्व और पिछले साल के अनुमान के आधार पर निर्धारित थे। इस साल, 31.03.2019 की स्थिति के अनुसार वास्तविक मूल्यांकन किया गया था और पहले किए गए प्रावधानों में पिछले सालों को कवर करने के लिए, पूर्व की अवधि के व्यय का भुगतान किया गया था। वास्तविक मूल्यांकन के आधार पर 31.03.2019 को और मौजूदा खाते में 2018–19 में किए गए भुगतान और शुद्ध प्रावधानों को आगे 2018–19 के प्रावधानों के लिए आय भुगतान और व्यय खाता द्वारा वर्ष 2019–20 के खातों में भुगतान किए गए थे।

3. मौजूदा परिसंपत्तियाँ, ऋण, अग्रिम और जमा

3.1 संस्थान की राय में मौजूदा परिसंपत्तियों, ऋण, अग्रिम और जमाओं पर आमतौर पर कम से कम तुलन–पत्र में दिखायी गयी कुल राशि के बराबर मूल्य है।

4. भविष्य निधि खाता

4.1 सरकार से संबंधित निर्देश के अनुसार भविष्य निधि खाते के रूप में संस्थान द्वारा उन निधियों को सदस्यों के स्वामित्व में प्रस्तुत किया गया हैं, संस्थान के खाते से भविष्य निधि खाते को अलग किया जाता है। हालांकि प्राप्ति और भुगतान खाता (उपचय के आधार पर) आय और व्यय खाता और भविष्य निधि खाते का तुलन–पत्र संस्थान के वार्षिक लेखा में संलग्न है।

5. नई पेंशन योजना खाता

5.1 नई पेंशन योजना के तहत सभी कर्मचारियों को पीआरए सं. प्राप्त है। नियोक्ता और कर्मचारी अंशदान नेशनल सिक्योरिटी डिपॉजटरी लि. (एनएसडीएल) में सेंट्रल रिकॉर्डकीपिंग एजेंसी (सीआरए) द्वारा

नियमित रूप से स्थानान्तरण कर रहे हैं। उनमें से संबंधित नियोक्ता और कर्मचारी योगदान की स्थानांतरित होने की कोई राशि बकाया नहीं है।

6. सेवानिवृत्ति लाभ

6.1 सेवानिवृत्ति लाभ यानी पेंशन, ग्रेच्युटी और छुट्टी नकदीकरण वास्तविक मूल्यांकन के आधार पर प्रदान किया जाता है। संस्थान कर्मचारियों की पिछले नियोक्ता से प्राप्त पेंशन और उपदान के कैपिटल के मूल्य, संबंधित प्रावधान खातों में जमा किया गया है।

7. अनुदान

7.1 पिछले वर्षों में योजना अनुदान को आय के रूप में लिया गया, केवल वे पूंजीगत व्यय के लिये उपयोग किये जाते थे, बैंक शेष के योजना अनुदान खाते और अग्रिम द्वारा जिनका अनुदान कोष और बकाया समायोजन द्वारा भुगतान किया गया। इन्हें वित्तीय वर्ष की अंतिम तारीख को तुलन पत्र की परिसंपत्तियों में दर्शाया गया। 31.3.2019 को अनुप्रयुक्त अनुदान को आगे बढ़ाया गया और तुलन पत्र मे देयताओं के रूप में दर्शाया गया।

8. बचत बैंक खातों में शेष के विवरण चालू परिसंपत्तियों की अनुसूची 'अ' में संलग्न हैं।

9. पिछले वर्ष के आंकड़े आवश्यकतानुसार फिर से वर्गीकृत किये गए हैं।

10. अंतिम खातों में आंकड़े निकटतम रुपए में अंकित किया गया हैं।

11. अनुसूची 1 से 13 को संलग्न किया गया है और यह 31 मार्च 2019 के तुलन–पत्र और इस तिथि को समाप्त वित्तीय वर्ष के आय और व्यय लेखा का अभिन्न भाग होता है।

आय और व्यय लेखा

31 मार्च 2019 को समाप्त वित्तीय वर्ष के अनुसार

(राशि ₹ में)

प्राप्तियां	चालू वर्ष (2018-19)	विगत वर्ष (2017-18)	भुगतान	चालू वर्ष (2018-19)	विगत वर्ष (2017-18)
प्रारंभिक जमा			**व्यय**		
1 **बचत बैंक खाता**	18,06,91,668.00	20,49,09,513.00			
2 **हस्तगत डाक**	41,273.00		1 स्थापना व्यय	22,52,73,844.00	17,05,90,746.00
मा.सं.वि.मं. से प्राप्त अनुदान			2 शैक्षणिक व्यय	4,95,14,895.00	5,73,67,345.00
भारत सरकार (मा.सं.वि.मं.) से			3 प्रशासनिक व्यय	3,28,03,579.00	1,62,86,367.00
		-	4 मरम्मत और रख–रखाव	1,25,60,609.00	1,37,14,880.00
(ब) योजना	31,84,71,500.00	26,12,95,000.00			
शैक्षणिक प्राप्तियां	5,07,240.00	16,05,463.00	**अध्येयतावृत्ति के संबंद्ध में भुगतान**	1,53,35,143.00	95,57,090.00
प्रायोजित परियाजनाओं / योजनाओं के संबद्ध में प्राप्तियां	7,68,62,487.00	5,92,42,798.00	**प्रायोजित परियोजनाओं / योजनाओं के संबंद्ध में भुगतान**	9,96,36,365.00	5,57,21,821.00
प्राप्त ब्याज			**सीपीडब्ल्यूडी के लिए अचल सम्पत्ति और अग्रिम पर व्यय**		
1 क) बैंक वचत खाता	4,88,290.00	14,91,772.00	1 अचल संपत्तियां	55,31,831.00	1,62,13,995.00
		-			-
ख) केनरा बैंक		-	2 सीपीडब्ल्यूडी को अग्रिम	75,54,958.00	90,91,700.00
ग) ओवरहेड प्रशासनिक निधि	3,17,328.00	3,55,470.00	**वैधानिक भुगतान सहित अन्य भुगतान**		
घ) छात्रावास खाता		13,608.00	प्रभार (अन्य खाते)	6,14,568.00	849.00
2 ब्याज अग्रिमों पर ब्याज	37,793.00	52,781.00	**जमा और अग्रिम**	1,43,34,350.00	24,33,694.00
अन्य आय	21,18,348.00	18,64,580.00	**प्रेषण**	5,80,66,196.00	4,03,33,118.00
जमा और अग्रिम	1,52,41,728.00	5,72,700.00	**शेष समापन**		
प्रेषण	5,84,02,025.00	4,03,50,883.00	**बैंक बैंलेस**	13,19,02,420.00	18,04,20,704.00
वैधानिक प्राप्तियों सहित विविध प्राप्तियां			हस्तगत डाक	50,921.00	22,259.00
1 ओवरहैड प्रशासनिक निधि खाता 1108		-			
योग	**65,31,79,680.00**	**57,17,54,568.00**	**योग**	**65,31,79,680.00**	**57,17,54,568.00**

ह./–
(राजीव वर्मा)
वित्त अधिकारी

ह./–
(कुमार सुरेश)
कुलसचिव(प्रभारी)

ह./–
(एन.वी. वर्गीज)
कुलपति

भविष्य निधि तुलन पत्र

31 मार्च 2019 को समाप्त वित्तीय वर्ष के अनुसार

(राशि ₹ में)

देयताएं	चालू वर्ष		विगत वर्ष	परिसंपत्तियां	चालू वर्ष	विगत वर्ष
अथशेष	**14,86,76,931**		**16,28,15,677**	**निवेश**		
जीपीएफ				जीपीएफ / सीपीएफ निवेश	13,53,83,176	14,13,29,886
वर्ष में अंशदान		1,95,70,450	1,77,32,547	31 मार्च, 2018 को अर्जित ब्याज	13,03,318	30,76,090
ब्याज जमा		88,58,240	1,01,53,083			
घटाया: निकासी	5,19,897	-2,79,08,793	-4,61,88,557			
सीपीएफ				**बैंक में नकदी**		
वर्ष के दौरान अंशदान		72,000	72,000	एसबीआई खाता नं. 10137881013	1,09,32,920	42,70,955
ब्याज जमा	1,37,444	65,444	55,282			
संस्थान अंशदान (सीपीएफ)						
ब्याज जमा	64,573		46,318			
मार्च 2018 के लिए अंशदान	72,000		69,736			
				ब्याज रिजर्व		
			39,20,845	व्यय पर आय की अधिकता	18,51,431	
	14,94,70,845		**14,86,76,931**		**14,94,70,845**	**14,86,76,931**

ह./–
(राजीव वर्मा)
वित्त अधिकारी

ह./–
(कुमार सुरेश)
कुलसचिव(प्रभारी)

ह./–
(एन.वी. वर्गीज)
कुलपति

भविष्य निधि लेखा

आय और व्यय लेखा

31 मार्च 2019 को समाप्त वित्तीय वर्ष के अनुसार

(राशि ₹ में)

व्यय	31 मार्च, 2019	31 मार्च, 2018	आय	31 मार्च, 2019		31 मार्च, 2018	
ब्याज जमा							
जीपीएफ खाते	88,58,240	1,01,53,083	निवेश / बचत खाते पर अर्जित ब्याज	89,09,598		1,27,49,942	
सीपीएफ खाते	65,444	55,282					
			जोड़ें: मार्च 2019 को अर्जित ब्याज	63,44,151		81,16,923	
संस्थान के अंशदान पर ब्याज (सीपीएफ)	64,573	46,318	घटाया: मार्च 2018 के लिए उपार्जित ब्याज	81,16,923	71,36,826	66,91,337	1,41,75,528
संस्थान अंशदान (सीपीएफ)	72,000	69,736	प्राप्त संस्थान अंशदान (सीपीएफ)	72,000	72,000	69,736	69,736
शेष ब्याज	0	0					
व्यय से अधिक आय की अधिकता	0	39,20,845	व्यय से अधिक आय की अधिकता		18,51,431		
	90,60,257	**1,42,45,264**			**90,60,257**		**1,42,45,264**

ह./–
(राजीव वर्मा)
वित्त अधिकारी

ह./–
(कुमार सुरेश)
कुलसचिव(प्रभारी)

ह./–
(एन.वी. वर्गीज)
कुलपति

भविष्य निधि लेखा

प्राप्ति और भुगतान लेखा

जीपीएफ/सीपीएफ 31 मार्च 2019 को समाप्त वित्तीय वर्ष के अनुसार

(राशि ₹ में)

प्राप्तियां			भुगतान		
	चालू वर्ष 2018-19	विगत वर्ष 2017-18		चालू वर्ष 2018-19	विगत वर्ष 2017-18
प्रारंभिक जमा	42,70,955.00	1,67,94,580.00	जीपीएफ अग्रिम/आहरण	2,79,08,793.00	4,61,88,557.00
जीपीएफ अंशदान	1,95,70,450.00	1,77,32,547.00	सीपीएफ अग्रिम/आहरण	-	
सीपीएफ अंशदान	72,000.00	72,000.00	वर्ष के दौरान निवेश	3,53,64,963.00	4,87,91,386.00
सीपीएफ संस्थान अंशदान	72,000.00	69,736.00			
निवेश नकदीकरण	4,13,11,673.00	5,18,32,093.00			
खाते से प्राप्त ब्याज	89,09,598.00	1,27,49,942.00	**जमा शेष**	1,09,32,920.00	42,70,955.00
	7,42,06,676.00	**9,92,50,898.00**		**7,42,06,676.00**	**9,92,50,898.00**

ह./–
(राजीव वर्मा)
वित्त अधिकारी

ह./–
(कुमार सुरेश)
कुलसचिव(प्रभारी)

ह./–
(एन.वी. वर्गीज)
कुलपति

अनुसूची–क

बैंक खातों में शेष राशि

31 मार्च 2019 को समाप्त वित्तीय वर्ष के अनुसार

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	बैंक खाते	चालू वर्ष (2018-19)	विगत वर्ष (2017-18)
1	भारतीय स्टेट बैंक (10137881320) योजनेतर	76,485.00	10,26,073.00
2	सिंडिकेट बैंक (91392010001112) योजना	38,317.00	2,54,07,637.00
3	सिंडिकेट बैंक (91392010001092) परियोजना	10,54,79,213.00	12,82,65,240.00
4	सिंडिकेट बैंक (91392010001108) ओवरहैड प्रशासनिक निधि	2,58,94,180.00	2,55,77,844.00
5	सिंडिकेट बैंक (91392015365) छात्रावास	3,70,185.00	3,70,185.00
6	केनरा बैंक खाता 25536	10,832.00	10,832.00
7	भारतीय स्टेट बैंक (34778757702) चालू खाता	33,208.00	33,857.00
	योग	**13,19,02,420.00**	**18,06,91,668.00**

गैर–सरकारी संगठन को अनुदान की सूची

वर्ष 2018–19 के लिए

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	एनजीओ के नाम	जारी राशि
1	स्वैच्छिक एकीकृत विकास	5,77,600.00
2	सामाजिक रोजगार के लिए ग्रामीण संगठन	7,20,000.00
3	भारतीय इतिहास कांग्रेस	3,00,000.00
4	सुरक्षा	1,39,325.00
5	सुमन शिखा समिति	3,41,500.00
6	इंडियन इकोनोमेट्रिक सोसायटी	2,88,000.00
7	सीमैट/मणिपुर शैक्षिक विकास और अनुसंधान एसोसिएशन, इम्फाल	2,08,610.00
8	मुस्लिम अलीगढ़ विश्वविद्यालय	2,17,000.00
9	श्री शैक्षिक ग्रामीण और शहरी विकास सोसाइटी	1,50,000.00
10	मिजोरम विश्वविद्यालय आइजॉल	1,50,000.00
11	ऑल इंडिया काउंसिल फॉर मास एजुकेशन एंड डेवलपमेंट	1,50,000.00
12	नवनीत फाउंडेशन	1,50,000.00
13	सना शैक्षिक विकास सोसायटी	2,93,340.00
14	जम्मू विश्वविद्यालय	4,33,877.00
15	एनजीओ को अनुदान?	6,58,350.00
16	सामाजिक रोजगार के लिए ग्रामीण संगठन	4,50,000.00
17	केरल विकास सोसाइटी	3,88,565.00
18	भारतीय सामाजिक विज्ञान अकादमी	3,85,000.00
19	शिव शक्ति महिला मंडली ग्वालियर	1,50,000.00
20	विकलांगता और पुनर्वसन के लिए समाज	3,82,085.00
21	उषोदया ग्रामीण विकास समाज	4,35,000.00
22	चीनी अध्ययन संस्थान	3,93,200.00
23	सामाजिक विकास परिषद	1,50,000.00
24	सेंटर फार स्टडी आफ नेपाल	6,53,825.00
25	स्वैच्छिक एकीकृत विकास सोसायटी	5,91,350.00
	योग	**87,56,627.00**

अनुसूची–ग

निवेश का विवरण

01.04.2018 से 31.03.2019 तक की अवधि के लिए

क्र. सं.	बैंक का नाम	एफडी सं.	जारी करने की तिथि	परिपक्वता तिथि	कुल राशि	ब्याज दर (%)
1	पंजाब नेशनल बैंक	CBU022534/ 139900/23143/84175	12.1.2018	12.04.2019	91,30,209.00	6.50
2	केनरा बैंक	510631	22.06.2018	22.06.2019	70,00,000.00	6.50
3	केनरा बैंक	510179	29.07.2018	29.07.2019	59,63,740.00	6.35
4	सिंडिकेट बैंक	197821	17.09.2018	17.09.2019	50,00,000.00	6.80
5	पंजाब नेशनल बैंक	060	12.02.2019	11.01.2020	1,01,88,653.00	7.15
6	पंजाब नेशनल बैंक	079	16.02.2019	15.01.2020	1,56,76,310.00	6.50
7	सिंडिकेट बैंक	197811	07.09.2018	20.01.2020	40,00,000.00	6.80
8	सिंडिकेट बैंक	197828	25.09.2018	07.02.2020	70,00,000.00	6.80
9	सिंडिकेट बैंक	969781	04.10.2018	16.02.2020	35,00,000.00	6.80
10	पंजाब नेशनल बैंक	4151	29.03.2019	25.02.2020	95,00,000.00	7.10
11	सिंडिकेट बैंक	197860	30.10.2018	13.03.2020	90,00,000.00	6.80
12	सिंडिकेट बैंक	197861	30.10.2018	13.03.2020	90,00,000.00	6.80
13	सिंडिकेट बैंक	197862	30.10.2018	13.03.2020	90,00,000.00	6.80
14	केनरा बैंक	495247	20.12.2018	27.06.2020	70,00,000.00	7.10
15	सिंडिकेट बैंक	197895	05.01.2019	20.05.2020	65,00,000.00	6.80
16	केनरा बैंक	495248	20.12.2018	27.06.2020	70,00,000.00	7.10
17	सिंडिकेट बैंक	197964	14.02.2019	14.08.2021	20,00,000.00	7.15
18	सिंडिकेट बैंक	970252	09.03.2019	09.09.2021	75,00,000.00	7.15
19	एसबीआई एसपीएल जमा	812	27.06.1981	-	14,24,264.00	
				योग	**13,53,83,176.00**	

नकदीकरण 2018–19

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	बैंक का नाम	एफडी सं.	जारी करने की तिथि	परिपक्वता तिथि	कुल राशि
1	सिंडिकेट बैंक	970000/970075	20.05.2017	20.05.2018	76,14,235.73
2	पंजाब नेशनल बैंक	CBU022534/ 139900/23143/84157	12.01.2018	12.02.2019	95,00,000.00
3	पंजाब नेशनल बैंक	CBU022534/1543	16.02.2018	16.02.2019	1,46,97,437.00
4	पंजाब नेशनल बैंक	CBU022534/ 1066/pu54420/84166	12.1.2018	12.03.2019	95,00,000.00
				TOTAL	**4,13,11,672.73**

वर्ष 2018–19 के दौरान किये गये एफडी (सावधि जमा)

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	बैंक का नाम	एफडी सं.	जारी करने की तिथि	परिपक्वता तिथि	कुल राशि
1	पंजाब नेशनल बैंक	CBU022534/ 139900/23143/84157/060	12.02.2019	11.01.2020	1,01,88,653.00
2	पंजाब नेशनल बैंक	CBU022534/1543	16.02.2019	15.01.2020	1,56,76,310.00
3	पंजाब नेशनल बैंक	CBU022534/ 1066/pu54420/84166	29.03.2019	25.02.2020	95,00,000.00
		योग			**3,53,64,963.00**

वर्ष 2018–19 के निवेश विवरण

(राशि ₹ में)

अथ शेष	14,13,29,886.00
वर्ष के दौरान किये गये निवेश	3,53,64,963.00
किया गया कुल निवेश	**17,66,94,849.00**
वर्ष के दौरान किये गये नकदीकरण	4,13,11,672.73
शुद्ध निवेश (अंत शेष)	**13,53,83,176.00**

लेखा परीक्षा रिपोर्ट

लेखापरीक्षा रिपोर्ट

31 मार्च 2019 को समाप्त वर्ष के लिए राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली के लेखे पर नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट

1. हमने राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान, पूर्व में राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय, के 31 मार्च 2019 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखाओं, प्राप्ति और भुगतान लेखाओं की नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (कर्त्तव्य, अधिकार और सेवा शर्तों) के अधिनियम 1971 की धारा 20(1) के अधीन सलंग्न तुलन–पत्र की लेखापरीक्षा कर ली है। हमें वर्ष 2020–21 तक की लेखा परीक्षा का कार्य सौंपा गया है। इन वित्तीय विवरणों को तैयार करने की जिम्मेदारी नीपा के प्रबंधन की है। हमारी जिम्मेदारी इन वित्तीय विवरणों पर लेखापरीक्षा के आधार पर अपने विचार व्यक्त करने की है।

2. इस पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट में वर्गीकरण, सर्वोत्तम लेखाकरण के व्यवहार्य से एकरूपता, लेखाकरण के मानदंडों और पारदर्शिता के मानकों इत्यादि के संबंध में लेखाकरण व्यवहार पर नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की टिप्पणियां शामिल हैं। पृथक निरीक्षण रिपोर्टों/नि.म.ले. की लेखा परीक्षा रिपोर्टों के द्वारा आवश्यकतानुसार विधि, नियमों और विनियमों (स्वामित्व और नियामक) के अनुपालन और वित्तीय संचालन और कार्य निष्पादन सहित कार्यदक्षता संबंधी पक्षों इत्यादि पर लेखा परीक्षा की टिप्पणियां प्रस्तुत की जाती है।

3. हमने आमतौर पर भारत में स्वीकृत लेखापरीक्षा के मानदंडों के अनुसार अपनी लेखा परीक्षा की है। इन मानकों में अपेक्षित है कि वित्तीय विवरणों के अधिक यथार्थ विवरणों से युक्त होने के बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए हम योजना तथा लेखा परीक्षा का निष्पादन करें। लेखा परीक्षा में, परीक्षण के आधार पर वित्तीय विवरणों की राशि तथा प्रकटीकरण के साक्ष्यों का लेखा परीक्षण होता है। लेखा परीक्षा में प्रबंधन द्वारा प्रयुक्त लेखाकरण के सिद्धांतों, महत्वपूर्ण आकलनों की समीक्षा के साथ– साथ प्रस्तुत किए गए संपूर्ण वित्तीय विवरणों का मूल्यांकन शामिल है। हमें विश्वास है कि लेखापरीक्षा हमारे विचारों को उचित आधार प्रदान करती है।

4. हम अपनी लेखा परीक्षा के आधार पर प्रतिवेदन करते हैं कि–

   (i) लेखापरीक्षा उद्देश्य के लिए हमारी सर्वोत्तम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार हमने समस्त सूचना एवं स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं।

   (ii) तुलन–पत्र और आय एवं व्यय लेखे/प्राप्तियां एवं भुगतान लेखे मानव संसाधन मंत्रालय भारत सरकार के आदेश सं. 29–4/2012 एफ.डी., दिनांक 17 अप्रैल

2015 द्वारा निर्धारित प्रपत्र में सही प्रकार से तैयार किए गए हैं तथा लेखा बहियों के अनुसार हैं।

(iii) हमारी राय के अनुसार राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान ने समुचित रूप से लेखा पुस्तिकाओं और संबंधित दस्तावेजों का रखरखाव किया है जो कि ऐसी पुस्तिकाओं की जांच–पड़ताल से पता चलता है।

(iv) हम पुनः प्रतिवेदन करते हैं कि :

अ. भविष्य निधि तुलन पत्र

निम्नांकित तुलन–पत्र को मानव संसाधन विकास मंत्रालय के द्वारा निर्धारित प्रपत्र के अनुसार नहीं दर्शया गया है:–

(i) तुलन पत्र के देयताएं शीर्ष में रु. 14.87 करोड़ की अथ शेष में ब्याज जमा का संचयी शेष तथा पिछले वर्षो के अं.भ. निधि तथा स.भ. निधि की देयताएं सम्मिलित हैं। स.भ. निधि में रु. 5.20 लाख की राशि तथा अं.भ. निधि के अंतर्गत रू. 2.74 लाख की राशि चालू वर्ष के लिए स.भ. निधि तथा अं.भ. निधि अंशदाताओं की देयताएं हैं।

(ii) तुलनपत्र के अंतर्गत दर्शाया गया (–) रु. 18.51 लाख का ब्याज जमा चालू वर्ष के लिए है और पिछले वर्षो का संचयी शेष इसमें सम्मिलित नही है!

नीपा के पास उपलब्ध स.भ. निधि तथा अं.भ. निधि की वास्तविक देयताएं तथा ब्याज जमा का संचयी जमा लेखा में वर्णित नहीं है। इसे लेखा में वर्णित किया जाना चाहिए।

ब. आय तथा व्यय

ब.1. आय

ब.1.1. अनुदान/सहायता अनुदान (अनुसूची 7) – रु. 36.45 करोड़

(i) मा.सं.वि. मंत्रालय के द्वारा निर्धारित प्रपत्र के अनुसार राजस्व व्यय के लिए उपयोग किए गए अनुदान (सेवानिवृति लाभ प्रावधान को छोड़कर तथा सेवानिवृति लाभ पर वास्तविक व्यय को सम्मिलित कर) को उपरोक्त अनुसूची में आय के रूप दर्शया जाना चाहिए था। इस प्रकार राजस्व व्यय के लिए उपयोग किया गया अनुदान रू. 34.41 करोड़ (अनुलग्नक–II) होना चाहिए था परंतु इसे उपरोक्त अनुसूची में रु. 36.45 करोड़ दर्शाया गया है जिससे अनुदान/सहायता अनुदान की अतिरंजना हुई और परिणाम स्वरूप इसके कारण पूंजीगत निधि की भी अतिरंजना हुई तथा वर्तमान देयताओं और प्रावधानों–अनुपयोगित सहायता अनुदान का रु. 2.04 करोड़ का अवमूल्यन हुआ।

(ii) उपरोक्त में रु. 1.54 करोड़ का सहायता अनुदान अंथ शेष था तथा 31 मार्च 2018 को सहायता अनुदान का अंत शेष रु. 4.36 करोड़ था जिससे वर्तमान देयताओ तथा प्रावधानों–अनुपयोगित सहायता अनुदान का अवमूल्यन हुआ तथा पूंजीगत निधि की रु. 2.82 करोड़ से अतिरंजना हुई।

स. सामान्य

रु. (–)13.93 करोड़ का कोष/पूंजीगत निधि को मा.सं.वि. मंत्रालय के लेखा प्रारूप का उल्लंघन करते हुए देयताओं के बजाए परिसम्पतियों में दर्शया गया है।

द. सहायता अनुदान

नीपा ने 2018–19 में रु. 31.84 करोड़ का सहायता अनुदान प्राप्त किया, जिसमें से रु. 5.94 करोड़ मार्च 2019 में प्राप्त हुए तथा नीपा के पास 1 अप्रैल, 2018 को अथ शेष रु. 4.36 करोड़ था। नीपा ने कुल रु. 36.20 करोड़ में से रु. 34.96 करोड़ (अनुलग्नक ii) का उपयोग किया। 31 मार्च 2019 को रु. 1.24 करोड़ बचत शेष था।

नीपा ने वर्ष के दौरान मा.सं.वि. मंत्रालय से विशिष्ट परियोजनाओं के लिए रु. 4.35 करोड़ का अनुदान प्राप्त किया और इन परियोजनाओं में रु. 7.54 करोड़ का अथ शेष था। कुल राशि

रु. 11.89 करोड़ में से रु. 5.61 करोड़ वर्ष के दौरान इन परियोजनाओं पर व्यय किए गए और 31 मार्च, 2019 को रु. 6.28 करोड़ बचत शेष पाया गया।

य. प्रबंधन पत्र

लेखा से संबंधित जो कमियां लेखा परीक्षा रिपोर्ट में शामिल नहीं की गई हैं, उनमें सुधार करने हेतु पृथक रूप से प्रबंधन पत्र के द्वारा कुलपति, नीपा के संज्ञान में लाया गया है।

(V) पिछले अनुच्छेदों में टिप्पणी के आधार पर हम रिपोर्ट करते हैं कि इस लेखा रिपोर्ट में तुलन–पत्र तथा आय एवं व्यय/प्राप्तियां तथा भुगतान लेखा के विवरण लेखा पुस्तिका के अनुसार है।

(VI) हमारे विचार से और हमारी सर्वोत्तम जानकारी तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार कथित वित्तीय विवरण जो लेखाकरण की नीतियां और लेखों पर टिप्पणियां के अधीन माने गये हैं, उपर्युक्त महत्वपूर्ण विवरणों तथा इस लेखा परीक्षा रिपोर्ट में अनुलग्नक भाग–I में प्रस्तुत अन्य दूसरी सामग्री के संदर्भ में आमतौर पर भारत में स्वीकृत लेखाकरण के सिद्धांतों के अनुसार सही और उचित रूप प्रस्तुत करते हैं:

(अ) जहाँ तक यह 31 मार्च 2019 को राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान के तुलन पत्र की स्थिति से संबंधित हैं : तथा

(ब) जहाँ तक यह इसी तिथि को समाप्त वर्ष के लिए घाटे के आय तथा व्यय लेखे से संबंधित हैं।

भारत के नियंत्रक तथा महानिदेशक, लेखापरीक्षा की ओर से और कृते

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 29.11.2019

महानिदेशक, लेखापरीक्षा केन्द्रीय व्यय

नोट : "प्रस्तुत प्रतिवेदन मूलरूप से अंग्रेजी में लिखित पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।"

अनुलग्नक–I

1. आंतरिक लेखा परीक्षा व्यवस्था की पर्याप्तता

- संस्थान में अलग से कोई आंतरिक लेखा परीक्षा विभाग नहीं है। न ही आंतरिक लेखा परीक्षण मंत्रालय द्वारा किया जाता है।
- संस्थान द्वारा आंतरिक लेखा परीक्षा नहीं की जा रही है।

2. आंतरिक नियंत्रण व्यवस्था की पर्याप्तता

निम्नांकित क्षेत्र में नीपा को आंतरिक नियंत्रण को सुदृढ़ करना होगाः

- 31 मार्च 2019 तक 2000–01 से 2011–12 की अवधि के दौरान 33 बाह्य लेखा परीक्षा पैरा के उत्तर प्राप्त नहीं हुए।
- कई मामलों में भुगतान से पहले वाउचर पर वित्त अधिकारी ने प्रतिहस्ताक्षर नहीं किए।

3. संपत्तियों का भौतिक निरीक्षण

- 31.03.2012 तक फर्नीचरों और फिक्सचर तथा कंप्यूटरों इत्यादि का भौतिक सत्यापन किया गया है।
- जुलाई 2012 तक पुस्तकों और प्रकाशनों का भौतिक निरीक्षण कर लिया गया था।

4. इन्वेन्टरी की भौतिक जांच

- स्टेशनरी, तथा उपभोग वस्तुओं का भौतिक सत्यापन 31 मार्च 2012 तक कर लिया गया है।

5. सांविधिक भुगतान में नियमितता

- लेखा के अनुसार, दिनांक 31 मार्च 2019 तक पिछले छः महीने से कोई भी सांविधिक देयता का भुगतान बाकी नहीं था।

अनुलग्नक–II

राजस्व व्यय का कार्यचालन

आय तथा व्यय लेखा शीर्ष	(राशि रू. में)
आय तथा व्यय लेखा के अनुसार स्थापना व्यय (अनुसूची 10)	24,77,94,142
अकादमिक व्यय (अनुसूची 11)	6,48,26,152
आय तथा व्यय लेखा के अनुसार प्रशासनिक तथा सामान्य व्यय (अनुसूची 12)	3,34,19,251
आय तथा व्यय लेखा के अनुसार रख–रखाव तथा मरम्मत (अनुसूची 13)	1,84,63,339
	36,45,02,884
उपरोक्त में सम्मिलित सेवानिवृत्त लाभ प्रावधान को घटाकर (अनुसूची 10 अ)	7,32,56,108
जमाः सेवानिवृत्त लाभ पर वास्तविक व्यय (अनुसूची 10 अ)	5,28,71,051
	34,41,17,827
कुल व्यय	
राजस्व व्यय	34,41,17,827
लेखा की अनुसूची 7 के अनुसार पूंजीगत व्यय	55,31,831
कुल व्यय	**34,96,49,658**

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान
(मानित विश्वविद्यालय)
17-बी, श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली-110 016 (भारत)

दूरभाष : 91-011-26544800, 26565600
फैक्स : 91-011-26853041, 26865180
ई.मेल : niepa@niepa.ac.in
वेबसाईट : http://www.niepa.ac.in